• 49]

REGESTERED NO. D =(0 -



UBLISHED BY AUTHORITY

नई बिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 7, 1985 (अग्रहायण 16, 1907)

9. 491 NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 7, 1985 (AGRAHAYANA 16, 1907)

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलत के कर में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be flied as a neparate compilation)

# भाग खण्ड 1 [PART III—SECTION 1]

न्यादालयों, नियम्बर और नहालेकानरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संसप्त और अधीन कार्यासयों द्वारा जारी की गई अधिसवनाएं Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Problic Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

#### संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 4 नवम्बर 1985

सीमित विभागीय प्रगियोगी परीक्षा, 1984 (देखें---कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग का० ज्ञा० सं० 5/2/85-सि० से० (1), दिनांक 18 प्रक्तूबर, 1985) के प्राधार पर संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के रूप में मनोनीत किए जाने परिणामस्वरूप, राष्ट्रगीत द्वारा इस कार्यालय के के० स० स्टे० से० संवर्ग के निम्नलिखित ग्रधिकारियों की प्रत्येक के सामने यथा निर्दिष्ट, तिथि से आगामी आर्देशों तक संघ लोक सेवा श्रायोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग में श्रनभाग अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:~~

		_		
<b>%</b> 0	नाम	रैंक	नियुक्ति	की
सं०			तिथि	
1. श्री टी० वी	> दिनेश	06	30-10	-85
<ol> <li>श्रीमती टी०</li> </ol>	वी० महालक्ष्मी	39	30-10	-85
and the same of th				

2. ये नियुक्तियां दिल्ली उच्च न्यायालय में लम्बित

सि० रि० या सं० 1194/78 के परिणाम ग्रीर श्रन्तिम निर्णय के अध्यधीन हैं।

दिनांक 8 श्रगस्त 1985

सं० ए० 32014/1/85-प्रमा०-][[---संघ लोक सेवा भायोग के के० स० से० संबर्ग के स्थायी अनुधाग अधिकारी श्री कैलाश चन्द्र को राष्ट्रपति द्वारा 1 श्रगस्त, 1985 से श्रागामी भावेशों तक संघ लोक मेवा भायोग के कार्यालय में प्रधिकारी के पद पर नियमित क्राधार पर कार्य करने के लिये सहयं नियुक्त किया जाता है।

श्री कैलाश चन्द्र कार्मिक श्रीर प्रशासतिक सुधार विभाग भव कार्मिक तथा प्रशिक्षणविभाग के का० भा० सं० 12/1/74-सी० एस० (1), दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की शतों के ग्रनुमार २० 75/- प्र० मा० की दर में विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

> एम० पी० जैन श्रवर मचिव (प्रशा०) संघ लोक सवा आयोग

कार्मिक ग्रीर प्रशिक्षण, प्रशासनिक सुधार तथा लोक-शिकायत और पेंशन मंत्रालय

> (कार्मिक भीर प्रशिक्षण विभाग) केन्द्रीय अन्वेषण ब्युरो

नई दिल्ली, दिनांक 13 निवम्बर 1985

. सं० पी-3/70-प्रशासन-5--निवर्तन होने पर, श्री पी० सूर्यनारायण राव, लोक भ्रभियोजक, केन्द्रीय भ्रवेन्षण ब्यूरी त

1-356 GI/85

(40193)

31-10-85 (ग्रपराह्न) को भ्रपने पदका कार्यभार त्याग दिया है।

सं० 3/33/85-प्रशासन-5--श्री बी० एन० निगम, हिन्दी स्रिधि हारी, केन्द्रीय स्रन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली, का दिनाँक 2 नवम्बर, 1985 को नियन हो गया।

सं० 3/37/85-प्रशा०-5—राष्ट्रपित, श्री जी० सी० नन्दा, भा० पु० सेवा (उडीसा-1974) को दिनांक 18 श्रवतूबर, 1985 (ग्रपराह्न) से, श्रगले ग्रादेश होने तक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति के ग्राधार पर, पुलिस श्रधीक्षक के रूप में नियुक्त करते है।

#### दिनांक 15 नवम्बर 1985

सं० ए-19036/9/83-प्रशा०-5—निवतन होने पर केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति पर ग्राए श्री एस० एन लाल, पुलिस उपाधीक्षक, की सेवाएं दिनांक 31 श्रक्तूकर, 1985 (ग्रपराह्न) से बिहार सरकार को सौपदी गई।

#### दिनांक 18 नवम्बर 1985

सं० ग्राई०-2/72-प्रशा०-5--58 वर्ष की ग्रायु होने पर, श्री ग्राई० बापानय्या, पुलिस उपाधीक्षक, के० ग्र० ब्यूरो ने 31-10-1985 (ग्रपराह्म) को पुलिस उपाधीक्षक, के० ग्र० ब्यूरो, विशाखापत्तनम के पद का कार्यभार त्याग दिय।

सं० 3/32/85-प्रशासन-5—-राष्ट्रपति ने श्री स्रमित वर्मा, भा० पु० सेवा (तिमलनाडु-1978) को 4 नवम्बर, 1985 (पूर्वाह्न) से ग्रगले ग्रादेश होने तक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में, प्रतिनियुक्ति पर, पुलिस ग्रधीक्षक के रूप में नियुक्त किया है।

सं० 3/38/85-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्-द्वारा, श्री ज्ञान चन्द, ग्रपराध सहायक, के० ग्र० ब्यूरो को एक नवम्बर, 1985 (ग्रपराह्न) से अगले ग्रादेश होने तक के० ग्र० ब्यूरो में स्थानापन्न कार्यालय ग्रधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

म्रार० एस० नागपाल प्रणासन म्रधिकारी (स्थापना) के० भ्र० ब्यूरो

# मसूरी, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

सं० 2/5/85-स्थापना—श्री ग्रार० एस० बाहती, सहायक प्रशासन ग्रधिकारी, लाल बहादुर शस्त्री राष्ट्रीय प्रशासन ग्रकादमी, मसूरी, ने दिनांक 14 ग्रक्तूबर, 1985 (पूर्वाह्न) से प्रशासन ग्रधिकारी (लेखा), के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। सं० 2/6/85-स्थापना—श्री शिवशरण, ग्रधीक्षक, ने लाल बहादुर शास्त्री, राष्ट्रीय प्रशासन ग्रकादमी, मसूरी ने दिनांक 18 ग्रक्तूबर, 1985 के ग्रपराह्न से ग्रपने वर्तमान पद के कार्यभार के साथ-साथ सहायक प्रशासन ग्रधिकारी के पद का कार्यभार भी ग्रहण कर लिया है।

> म्रनुपम कुलश्रेष्ठ, उप निदेशक

# गृह मंत्रालय महा निदेशालय, के० रि० पु० बल नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

सं० ग्रो० दो० 1441/79-स्था० (के० रि०पु०बल)—श्री टी० जी० एल० ग्रय्यर, ग्राई० पी० एस० ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप, दिनांक 1-11-85 (पूर्वाह्न) से महानिदेशक, के० रि०पु० बल का कार्यभार त्याग दिया है।

2. राष्ट्रपति जी, श्री एस० डी० पांडे, स्नाई० पी० एस० (उ० प्र०: 1953) महा निदेशक, एस० एस० बी० महानिदेशालय सिक्युरिटी केबिनेट सचिवालय, को महानिदेशक, के० रि० पु० बल के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। तदनुसार श्री पांडे ने महानिदेशक, के० रि० पु० बल, के पद का कार्यभार दिनांक 1-11-85 (पूर्वाह्न) से सम्भाल लिया है।

#### दिनांक 6 नवम्बर, 1985

सं० ग्रो० दो० 1626/81-स्थापना--के० रि० पु० बल के नियम 43 (सी), (ii) के श्रन्तर्गत सेवा निवृत्त होने के फलस्वरूप, श्री सुभा चन्द ने पुलिस उप ग्रधीक्षक, 27 वाहनी के पद का कार्यभार दिनांक 15-10-85 (पूर्वाह्न) को त्याग दिया है।

#### दिनांक 8 नवम्बर 1985

सं० ग्रो० दो० 1942/84-स्थापना—महा निदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा० (श्रीमती) जी० रतना कुमारी को दिनांक 16-10-85 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में किन्छि चिकित्सा ग्रिधकारी के पद पर केवल तीन माह ग्रथवा इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो, उस तारीख तक तदर्थ रूप से नियुक्त किया है।

स्रशोक राज महीपथी सहायक निदेशक (स्थापना)

महा निदेशालय, केन्द्रीय श्रौद्योगिक मुरक्षा बल निई दिल्ली-110003, दिनांक 14नवम्बर, 1985

सं० ई-32015/1/78-कार्मिक-I--श्री टी० डी० पीटर पुत्र श्री टी० एम० देवासिया (सीधी भर्ती) की 7-10-85 (पूर्वाह्म) से केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल में स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट की नियुक्ति की जाती है नथा उन्हें उसी तारीख से के० श्रौ० सु० ब० यूनिट, डी० एस० पी०, दुर्गापुर में तैनात किया जाता है।

सं० ई-32015(4)/72/85-कार्मिक-I---राष्ट्रपति, श्री ए० एस० चैलादुराई, निरीक्षक (कार्यपालक) को, श्रोन्नति पर, 30 सितम्बर, 1985 (पूर्वाह्न) से 18 श्रगस्त, 1986 तक या इस समय तक नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल, सुप मुख्यालय, कलकत्ता में सहायक कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ई-32015(4)/64/85-कार्मिक-1---राष्ट्रपति, श्री एच० एस० सिद्धू, निरीक्षक (कार्यपालक) को, प्रोन्नित पर, 30-10-85 (पूर्वाह्म) से 18 श्रगस्त, 1986 तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थ श्राधार पर तथा श्रस्थायी तौर पर के० ग्रौ० सु०व० यूनिट, बी० एस० एल०, बोकारो में सहायक कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

> (ह०) श्रंपठनीय महानिदेशक/के०श्रौ०सु०ब०

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग भारत के नियन्त्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 नवम्बर 1985

र सं० 29-वा० ले० प० 1/214/69—महालेखाकार, प्रसम, मेघालय, ग्रहणाचल प्रदेश तथा मिजोरम, शिलांग के श्री पी० के० वत्ता राय, लेखा परीक्षा श्रिधकारी (वा०) ग्रपनी ग्रिधिवाधिता ग्रायुप्राप्त करने पर, दिनांक 31-10-85 (ग्रपराक्ष) से सेवा-निवृत्त हो गये हैं।

सं० 28-बा०ले० प० 1/85-75---सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निवेशक, बाणिज्यिक लेखा परीक्षा (पेट्रोलियम श्रीर तेल), मद्रास, के श्री पी० पाल, लेखा परीक्षा अधिकारी (बा०) श्रपनी श्रीधवार्षिता श्राप् प्राप्त करने पर विनांक 30-9-1985 (अपराह्म) से सेवा-निवृक्ष हो गये हैं।

> के० पी० लक्ष्मण राव महायक नियन्त्रक-महालेखापरीक्षक (वा०)

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व-1 नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 नवम्बर 1985

सं० प्रणासन-1/का०ग्रा० सं० 290—श्वीमान् निदेशक, लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्य-I, इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी तथा स्थानापन्न ग्रनुभाग ग्रधिकारियों ग्रब महायक लेखा परीक्षा ग्रधिकारी कां 6-11-85 (ग्रपराह्म) से ग्रगले ग्रावेश

तक 840-1200 रु० के बेतन क्रम में स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी निय्क्ति करते हैं।

ऋम	नाम
सं०	
1.	श्री एम० एल० नरूला (स्था० भ्र० म्रधिकारी)

2. श्री राम स्वरूप (श्रस्थायी अनुभाग श्रधिकारी)।

(ह०) श्रपठनीय उप निदेशक, लेखा परीक्षा (प्रशा०)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा)-1 बिहार पटना, दिनांक 7 नवम्बर 1985

सं० प्रणासन-1 (लेखा परीक्षा)-1-20-5-1291— महा-लेखाकार (लेखा परीक्षा)-1, बिहार, पटना ने निम्निखित सहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारियों को, प्रगले प्रादेश तक के लिए, लेखा परीक्षा प्रधिकारी के पद पर वेतनमान 840-40-1000-द० रो०-40-1200 में, दिनांक 7-11-85 के पूर्वाह्न से सहर्ष स्थानापन्न प्रोन्नित दी है।

- 1. श्री इन्द्र देव प्रसाद सिन्हा,
- 2. ,, शिव पूजन प्रसाद नं o I,
- ,, मुद्रिका प्रसाद सिंह,
- 4. ,, दिनेश नन्द बहादुर,
- ,, मो० बिक्तियार ग्रहमद,
- 6. ,, श्रनिल चन्द्र हजारी

समर राय वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्र०)

#### रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय ग्रायुध निर्माणी मुख्यालय सिविल सेवाएं ग्रायुध निर्माणी बोर्ड

कलकत्ता-700 001, दिनांक 11 ग्रक्तूबर 1985

सं० 11/85/ए/ई-1(एन०जी०)—महानिवेशक, आयुध निर्माणी महोदय, क्षेत्र लेखा कार्यालय, रक्षा लेखा नियन्त्रक फौर्ट सेंट जार्ज, मद्रास के स्थायी एस० खो० (ए), श्री के० चन्द्रशेखरन को सहायक स्टाफ ध्रधिकारी (ग्रुप "ख" राजपितत) पद पर दिनांक 31-7-1985 (पूर्वाह्र) से नियुक्ति करते हैं नथा अपर महानिदेशक/ए० बी० मुख्यालय के कार्यालय, मार्फत भारी वाहन निर्माणी, मद्रास-54 में तैनात करते हैं।

> एम० दास गुप्ता निदेशक/प्रशासन कृते महानिदेशक, श्रायुध निर्माणियां

कलकसा-1, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

सं० 45/जी/85—श्री डी० के० बासु, स्थानापंन्न संयुक्त महा प्रबन्धक (मौलिक एव स्थायी सिनीयर डी० ए० डी० जी०/ प्रबंधक) दिनांक 5 सितम्बर, 1985 (अपराह्म) से सबेण्छा-पूर्वक सेवा-निवृत्त हुए।

> बी० के० मेहता उप महानिवेशक/स्थापना

#### वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियन्त्रक, श्रायात एवं निर्यात का कार्यालय नईदिल्ली, दिनांक 11नवम्बर, 1985 श्रायात एवं निर्यात व्यापार नियन्त्रण (स्थापना)

मं० 1/16/83-प्रणामन (राज०)/1522--राष्ट्रपति, श्रीमती पी० स्वामीनाथन, (केन्द्रीय मचिवालय सेवा-चयन ग्रेड की प्रवरण सूची, 1983) को संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात एवं निर्यात के कार्यालय, बम्बई में 21-8-85 से 1-9-85 की ध्रागे की ध्रवधि एक ध्रौर 2-9-85 से ध्रगले ध्रादेश होने तक, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के चयन ग्रेड में ध्रौर संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायान एवं निर्यात के रूप में स्थानापन्न क्षमता में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

#### विनांक 18 नवम्बर 1985 .

सं० 1/16/83/प्रशासन (राज०)/1628—राष्ट्रपति, श्री एल० प्रमाव (केन्द्रीय सचिवालय सेवा चयन ग्रेड की प्रवरण सूची, 1983) को मुख्य नियन्त्रक, ग्रायात एवं निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में 2 सितम्बर, 1985 में, ग्रगले ग्रादेश होंने तक, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के चयन ग्रेड में श्रीर संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, श्रायात एवं निर्यात के रूप में स्थानापन्न क्षमता में नियुक्त नारते हैं।

> राजीव लोचन मिश्रा मुख्य नियन्त्रक, द्यायात एवं निर्यात

#### वस्त्र विभाग

ह्थ तरघा वि तस श्रायुक्त का कार्यालय नई दिल्लाः, दिनांतः 1 नवम्बर 1985

मं ० 19001/32/83-डो० पो० एच०/प्रणासन-1---वस्त्र विभाग में उप सचिव के पद पर नियुक्त होने के फलस्वरूप, श्रा ब्रह्म दत्त, भारताय प्रणासनिक ग्रधिकारी (कर्नाटक: 73) ने 18 सितम्बर, 1985 के पूर्वाह्म से संयुक्त विकास ग्रायुक्त, हथ हरवा के पद के कार्यभार की छोड़ दिया है।

> प्रवार कुमार दत्त उप विकास भाषुक्त (हथक्त्या)

नई दिल्ल', दिलां । 1 नवस्त्रर 1985

मं० ए-32013(3)/85-प्रशासन-III---राष्ट्रवित, श्रा बो० के० महन, सहाय इ निदेश ह ग्रेड-II (सकनीका) की 25 श्रक्तूबर, 1985 ऐ श्राशामी: श्रादेशों तक के लिए बुनार सेवा केन्द्र, दिल्ला में तहाय इ निदेश र ग्रेड -1 (बुनाई) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> वं ० के० ग्रन्तिहोतः भ्रापर विकास ग्रायुक्त (हणकरघा)

पूर्ति तथा निपटान महा निदेशालय

(प्रशासन श्रनुभाग प्रा-1)

नई दिल्लो, दिनां क 4 नवम्बर 1985

सं० प्र-1/1(1219)——निरंक्षण निदेशक, मद्रास के कार्यालय के अबंकि के अंग के० राजेश्वर राव की "निदेशक पूर्ति तथा निपटान, मद्रात के अर्थलय में दिनां है 16 अक्तूबर, 1985 के पूर्वाह्म से पूर्णतः तदर्थ आधार पर सहायक निदेश (प्रशासन) (प्रेड-2) के पद पर स्थानापन्न क्य में नियुक्त किया जाना है। उनकी नियुक्त अंग्रेसता सी० एम० कासी बाई, सहायक निदेश ह (प्रशासन) (प्रेड-2) के स्थान पर की गई है जो सरहारी मैवा में नियुक्त हो गई हैं।

राजवं/र शिह उप निदेशक (प्रशासन) ति महा निदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात, खान श्रीर कौयला मंत्रालय (खान विभाग)

भारतं(य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 1 प्रक्तूबर 1985

मं० 4683 डा/ए-19011 (1-एस०एस०स्रार०)/84-19ए---राष्ट्रपति जी, सिद्धार्थ योजर राज की भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारताय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 ६० के न्यूनतम वेतनमान में, स्थानापरन क्षमता में स्रागामी स्रादेश होने तक 1-8-1985 के पूर्वाह से नियुक्त कर रहे हैं।

#### विनांक 13 नवम्बर 1985

 होने तक 12-9-1985 के पूर्वीहा के पदीलादि पर नियुक्त कर रहे हैं।

श्रमित फुगारं। निदेशक (कार्मिक) भारताय खान ब्यूरो में, जहायक अवस् अप्रक्षाधन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 8 अक्तूबर, 1985 के अपराह्न से नियुक्त किया गया है।

#### भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनां त 14 नवम्बर 1985 सं० ए-19011(382)/85-स्था० ए०---संघ लोक सेवा भायोग की सिफारिश पर श्रा एम० एउ० मानङ्स्को पार पोर वादी प्रशासन प्रधिकारी इते महा नियंतक

# भारतीय सर्वेक्षण विभाग

## देहरादून, दिनांक 13 नवम्बर, 1985

सं० सी: 6277/707 - नागमानिखित श्रधिकारी, जो श्रधिकारी सर्वेक्षक के पद पर स्थानापन्न रूप में पूर्णतया तदर्थ श्रनन्तिम श्राधार पर नियुक्त किए गए थे, श्रव प्रत्येक के सामने दी गई सारीख से उसी पद पर स्थानापन्न रूप में नियमित श्राधार पर नियुक्त किये जाते हैं:---

ऋ० सं०	नाम	श्रधिसूचना की सं० और तारीख जिसके अन्तर्गत तदर्थ अनन्तिम श्राधार पर नियुक्ति की गई थी	यूनिट/कार्यालय जिसमें तैनात किये गए	पदोन्नति <b>की</b> तारी <b>ख</b>
~ <b>4</b> → → − 1	2	3	4	5
1.	श्रीप्रेम नाथ कौल	. दिलां र 17।8:78 की श्रधिसूचना सं० सी-5403/707	सं० 68 (टाइडल) पार्टी (ज्यो एवं श्रनु० शा०), वेहरादून	29-1-1985
2. 1	श्री मोह्तजीत सिंह	दिनारु 19-9-78 की श्रधिसूचना सं० सी-5420/707	सं० 64 (ए० एच० एम०) पार्टी, सर्वेक्षण (हवाई), नई दिल्ली	29-1-1985
3. 3	श्री विक्रमसिंह नेगी	दिना त 12-7-82 की स्रधिसूचना सं० सी-5836/707	सं० 27 पार्टी (उ० स०), मसूरी।	11-2-1985
4.	श्री मदनवाल कुमार	दिनांक 17-7-84 की श्रक्षिसूचना सं० सी-6099/707	सं० 42 पार्टी (पश्चिमोत्तर सकिल), ग्रम्बाला सिटी	11-2-1985
5.	श्री एन० सी० रें	वि तक 4-11-78 की अधिसूचना सं० सी- 5428/707	सं० 63 पार्टी (पूर्वी स०)₃ कलक <b>रा</b> ।	11-2-1985
6. শ্ব	ो महाबीर सिंह रावत	दिनांक 21-12-78-की श्रधिसूचना मं० सी-5447/707	सं० 10 फ्रा०का० (द०पू० म०); भवनेक्वर	21-6-1985
7.	श्री एम० श्रार० भिडे	दिनां ह 19-3-79 की अधिमूचना सं० सी-5474/707	सं० 31 पार्टी, (द० म०४०); पूना	18-2-1985
8.	श्री जयचन्द्र रेखी	दिनां ह 28-11-78 की श्रधिसूचना मं० सी-5438/707		3-7-1985
9.	श्रीप्रेम नाथ	दिनौं ह 19-4-79 की अधिसूचना सं० सी-5481/707	सं० 9 धा० का० (पक्ष्विमोत्तर सं०); चन्डींगढ़	11-2-1989
1 0.	श्री कण्मीरा पिंह गर्चा	दिनां रु 3-9-82 की प्रधिसूचना सं० सी-5859/707	सं० 57 पार्टी (पश्चिमोत्तर सं०), चन्डीगढ़ ।	6-5-1985
11.	श्री एस० एस० पंत्रा	दिनांक 22-8-83 की श्रधिसूचना सं० सी-5992/707	सं० 76 (फोटो) पार्टी (४०पू० स०), भूबनेश्वर	11-2-1985
12.	श्री ए० चन्द्रा केसन (म्रनुसूचित जाति)	दिनांस 22-8-83 की घधिसूचना सं० सी-5992/707	सं० 4 श्रा० वा० (६० स०), बंगलीर	3-5-1985

सं० सो-6278/707--- निम्निलिखित श्रिधि तियों को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में श्रिधिकारी सर्वेक्षक (ग्रुप "बं!") के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेसनमान में प्रत्येक के नाम के सामने दो गई तारीख में स्थानापन्न रूप में नियमित ग्राधार पर नियुक्त रिया जाता है:—

क्रम नाम तथा पदन सं०	ाम यूनिट/शर्यालय	नारं/ख
<ol> <li>श्री लिल्ता प्रनाद, सर्वेक्षक</li> </ol>	सं० 85,पार्टी (द० म०स०) नागपुर ।	25-3-85
<ol> <li>श्रीएम० एस० वपनेट, सर्वेक्षक</li> </ol>	, सं० 13, पार्टी (पश्चिमी, स्टिल) मसुरी ।	28-5-85
<ol> <li>श्री प्रेम कुमार,</li> <li>(ग्रनुसूचिय जाति)</li> <li>सर्वेक्ष ६ ।</li> </ol>	सं० 17, पार्टी (द०स०) बंगलीर	7-5-85

गिरोण चन्द्र अग्रवाल मेजर अनरल भारत के महातर्वेक्षक (नियुक्ति प्राधिकारी)

# सूचना श्रीर प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन ग्रीर हम्य प्रचार निर्देशालय नई दिल्लं:, दिनांक 13 नवम्बर 1985

सं० ए-12034/16/85-स्था०----निदेशक, विज्ञापन भ्रौर् इसय प्रचार निदेशालय एतव्हारा तदर्थ श्राधार पर नियुक्त सहायक उत्पादन प्रबन्धक, (मुद्रण प्रचार) के पद से श्री सताश कुमार भारद्वाक, का त्यागपन 7 नवस्वर 1985 के श्रप-राह्म में स्वीकार करते हैं।

> बं । एस । सन्धु उप निदेशक (प्रणासन)

# स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ला, दिनां क 8 नवम्बर 1985

सं० ए० 12026/1/83-में डिइल (एफ० एंड एस०)—-राष्ट्रपति ने श्री बी० बी० श्रदकोली की 9 श्रक्तूबर, 1985 पूर्वाह्न से जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा एवं श्रनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी, में सहायक प्रोफ़ेसर, श्राफ़ गैक्षिक प्रौद्योगिक के पद पर श्रस्थाई श्राधार पर नियुक्त किया है।

> पंर० के० घर्ड उप निवेश र प्रशासन (सीर०एन्ड बीर०)

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

नई दिल्ली:-110001, दिनांक 15 नवम्बर 1985

सं० ए-20012/183/73-स्था०---- मर्करा निवेधालय, के तक्तांका सहायक (धर्करा तक्तांका) श्री श्रार० के० मित्तल का 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-६० रो०-40-1200 ६० के बेतनमान में 17 श्रक्तूबर, 1985 में नियमित श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए उक्त निवेशालय में कनिष्ठ तक्तांका श्रिधकारी (धर्करा तक्नांका) के पद पर नियुक्त किया गया है

श्री ग्रार० के० मित्तल ने दिनाक 17 ग्रक्तूबर, 1985 के पूर्वाह्म से शर्करा निदेशालय में कनिष्ट तक्नीका ग्रीधरारी (शर्करा तक्नाका) के पद का वार्यभार संभाल लिया है।

सं० ए-19012/87/85-स्था० — केन्द्रीय सिचवालय राजभाषा सेवा के वरिष्ठ ध्रनुवादक श्री कमल सिह मेहता को मर्करा निदेणालय में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वे∩नमान में 20 सितम्बर, 1985 से राजभाषा विभाग द्वारा पद को नियमित रूप मे भरे जाने तुष्ठ के लिए तदर्थ ग्राधार पर हिन्दी ग्रिधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है।

श्री कमल सिंह मेहता ने दिनांक 20 सिनम्बर, 1985 पूर्वीह्न में शर्करा निदेशालय में हिन्दा अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

> वी० लक्ष्मी रतन संयुक्त सचिव (गर्करा)

(नागरिक पूर्ति विभाग)

वनस्पति, बनस्पति नेल नथा वसा निदेशालय नई दिल्लो, दिनां ह 11 नवम्बर 1985

सं० ए-11013/1/79-स्था०—इस निदेशालय की 29 अगस्त, 1985 का इसा सख्या को श्राधसूचना के कम में नागरिक पूर्ति विभाग में स्थानापन्न वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक, श्री पी० एस० राजत का वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 ६० के वेतनमान में सहायक निदेशक (राजभाषा) के पद पर को गई नियुक्ति, को पूर्णतः श्रस्थायी श्रीर तदय श्राधार पर 1-9-1985 (पूर्वाह्न) से 31-10-85 (श्रपराह्न) तक श्रीर जारी रखा गया है।

के० एम० साह*नी* मुख्य निवेधक

# परमाणु ऊर्जा विभाग नरोरा परमाणु विश्वत परियोजना

#### नवविष कालोनी, विनांक 8 नवस्वर 1985

क० सं० ग०प० विष्पंशीएम/1/29/श्रगस्त/85/21—पियोजना निदेशक, नरोरा, परमाणु विद्युत परियोजना श्रधोनिशिक नेहायक "सं?" को, नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना श्रधोनिशिक वैद्यातिक सहायक "सं?" को, नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना में विनांक अगस्त, 1, 1985 के पूर्वाह्न से श्राप्र म श्रादेशों तक के विष् क० 650-30-740-35-810-द० रोष्-35-880-40-1000-द० रोष-40-1200 रुपये के वेतनमान में वैज्ञानिक अधिकारी/इंज नियल ग्रेड एस० बंि० के पद पर स्थाना-पन्त रूप में जियुक्त विरतो हैं —

ক্ষ০ ল। म	वर्त्त मान	ग्रेड जिसमें नियुका		
सं०	पद नाम	किया गया		
1. श्रा रवेन्द्रभाल	वैज्ञानिक सहायक	वैज्ञानि रु अधि अरी		
	" <b>中</b> ;"	इंज नियर ग्रेह-		
		एग <b>् बी</b> ०		
2. था: ए०ग्राई० निहास	ंतदैव	<i></i> -त्दंब		

म्रार० के० बाला प्रणासन म्रधिकारा

#### ऋय ग्रौर भंडार निदेशालय

बम्बई-400 001, विनां । 11 नवम्बर 1985

मं० ऋ०भं०ति०/2/1(11)/83-प्रशा०/7608—इस निदेशालय कः दिनांक 29 जुलाई, 1985 की समसंख्यक प्रधिसुचना के ऋम भें परमाणु उर्जा विभाग, ऋय ग्रीर भंडार निदेशालय के निदेशालय के निदेशालय के स्थायं भंडार श्री प ० मी० शर्मा की इसी निदेशालय में और ग्रागे दिनांक 31 दिसम्बर, 1985 तक प्रथवा ग्रगले श्रादेश होने तक पहले समाप्त होने वालः ग्रवधि के लिए प्रहायक मंडार ग्रिधिकारी के पद पर भदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न कर में नियुक्त किया है।

पी० गोपालन प्रणासन श्रधिकारो

# परमाणु खनिज प्रभाग

हैदणबाद-500016, दिनांक 11 नवम्बर 1985

मं० पण्या०प्र०-2/3266/81-प्रणासन—दिनांक 27 मार्च, 1981 के नियुक्त प्रस्ताव संख्या पण्या०प्र 1/18/80 भर्ती के पैरा 1 (1) का धार्ती के अन्तर्गत में, एस० पदमनाभक्ष वरिष्ठ प्रशासन एवं नेखा अधिकार: परमाणु खनिक प्रभाग, रूपमाणु कर्जा रिमाण, हैदराबाद एनद्कारा, श्रा मोहम्मद रहमान जहार, है तरर, "ए" को मुख्त करता हूं कि उनकी

सेवाएं भारत के राजपत्न में, इस ग्रिधिसूचना के प्रशाधित होने को तिथि से एं माह को ग्रविध समाप्त होने की तिथि से समाप्त हो जायेगी।

> एस० पदमनाभन वर्तेण्ड प्र**मा**यन एवं लेखा स्रविदारी

#### भारत पानंत परियोजनाएं

बम्बई-400 008, दिलां 5 13 नवम्बर 1985

सं० भाष्पावयं भाग्य 8278 - भारा पानी परियोजनार्श्यों के प्रधान जार्य हारी दूर संचार विभाग, संचार मंत्रालय के श्राटां एसव भिवसमकृष्णन, त्विनिष्ठ लेखा श्रिधिकारी की 14 अक्तूबर, 1985 (पूर्वाह्म) से अपो श्रादेश होने तक के लिए भारी पानी संयन्त्र (तूती कीरीन) में स्थानापन्न सहायक लेखा श्रिधकारी नियुक्त करते हैं

श्रीमति के० पी कल्याणीकुट्टी प्रशासन अधिकारी

# विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली -3, दिनौंक 18 नवम्बर 1985

सं० ई० (1) 05413—राष्ट्रपिति, भारत मौसम विभान सेवा (समूह क), के श्री एम० डी० एम० श्रव्धी, निदेशक, को दिनाँक 24 अक्तूबर, 1985 के अपरा ह से दो वर्ष की श्रविध के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग में सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह "क" (राजपितत) में मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक (प्रशासन तथा भंडार) के पद पर नियुक्त करते हैं।

एस० के० दाय मौसम विज्ञान के महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनाँक 18 नवम्बर 1985

सं० ए० 32013 (मेट० 1)/7/83-स्था०-1-राष्ट्रपति भारत मौसम विज्ञान विभाग के श्री जी० एस० वर्मा, सहायक मौसम विज्ञानी को उसी विभाग में 18-7-1985 की अपराह्न से अगला श्रावेश मिलने तक स्थानापन्न मौसम विज्ञानी श्रेणी-1 के रूप में नियुक्त करते हैं।

> एस० डी० एस० श्रद्धवी मौसम विज्ञान के उप-महानिदेशक (प्रशासन और भंडार) इते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

# महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 13 नवम्बर 1985

सं० ए० 32014/3/83-ई० एम०---महानिदेश ह, नागर विमानन, नियंत्रक, केन्द्रीय रेडियो भण्डार डिपो का कार्यालय, नई दिल्ली के श्री टी० ग्रार० कुमार, भंडार महायक को दिनोंक 17-10-85 (ग्रपराह्म) से छः माम की अवधि के लिए ग्रथवा पद के नियमित ग्राधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, 650-1200 हपए के वेतनमान में भंडार श्रिधकारी (ग्रृप "बी" पद) पर नदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

वेद प्रकाश
 उप निदेशक प्रशासन

# वन ग्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनाँक 15 नवम्बर 1985

सं० 16/20 7/72-स्था०-I-सेवा निवृत्ति की अवधि पूरी हो जाने पर श्री एल० पी० चंदोला, श्रनुसंधात ग्रधि-कारी, वन श्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादूत दिनौंक 31 अक्तूबर 1985 के अपराह में सेवा निवृत हो गर्ये हैं।

.जे० एन० सक्सेना कुलसचिव

# केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड

फरीवाबाद, दिनांक 14 नवम्बर 1985

सं० 3-718/85—मुख्य जल भू० (स्था०)—-श्री हेगड़ें श्रीधर सबरे की दिनाँक 7-10-85 (पूर्वाह्म) में प्रगले प्रादेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक जल भूविज्ञानी के पद पर जी० सी० एस० समूह—ख (राजपित्रत) वेनत-मान रुपए 650-30-740-35-810—इ० रो०-35-880-40-1000—द० रो०-40-1200/- में श्रस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है।

बी० पी० सी० सिन्हा मुख्य जलभूविज्ञानी एवं सदस्य

# निर्माण महानिदेशालय फेन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, दिनाँक 30 श्रक्तूबर 1985

सं० 33/2/83-ई० सी०-9--राष्ट्रपति, सहर्ष संघ लोक सेवा श्रायोग के श्री जय बी० शीरपागर, उपवास्तुक को श्रस्थाई पद पर (सामान्य सिविल सेवा ग्रुप "क") के० लो० नि० विभाग में रुपए 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300/- के वेतनमान में (श्रतिरिक्त भतों सहित तामान्य तियमों एवं यतौं पर दिनौंक 13~9-85 (पूर्वाह्म) तियुक्त करते हैं।

- (2) श्री णीरसागर का वेतन 780/- श्रायोग द्वारा निर्धारित किया जाना है।
- (3) श्रो शीरागर को नियुक्ति तिथि से 2 वर्ष की श्रवधि के लिए परिवीक्षा पर रजा गता है।

#### रिनांक 4 नवम्बर 1985

सं० 33/2/83-ई० सी०-9--राष्ट्रपति महर्ष संघ लोक सेवा प्रायोग के निष्मितिका नामितों को उर-वास्तुक के प्रस्थाई पदों पर (पामान्य मिनिल मेवा प्रुप "क") के० लो० ति० विभाग में न्याए 700-40-900-इ० रो०-40-1100-1300/- के वेतनमान में (ग्रतिस्कित भत्तों गहि। आभाष्य निभमों एवं गर्ग पर्योक्त के नामने दर्णायो निथियों में नियुक्त करते हैं:--

1. श्री ग्रमल चन्द्रदान

11-10-1985

2. कुमारो उपा रातो

26-8-1985

इन दोनों स्रिबिकारियों का वेतन 780/- श्रायोग के द्वारा निर्धारिन किया जाता है।

(3) इन्हें शिपुक्ति तिथियों से 2 वी को प्रकारि के लिये परिवीक्षा पर रखा जाता है।

> मिन मोहन दास प्रशासन उप निदेशक

# वाणिज्य मंद्रालय राष्ट्रीय परीक्षण गृह श्रलीपुर पूर्ति विभाग

कलकत्ता-27, दिनाँक 7 नवम्बर 1985

सं० जी०-318-ए०--महानिदेशक, राष्ट्रीय परोक्षण गृह, कलकत्ता, श्री के० सी० मजूमहार, प्रधान लिपिक (स्तर- $\Pi$ ) राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता को उसी कार्यालय में महायक निदेशक (प्रशासन) (स्तर- $\Pi$ ) के पद पर नदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं जो कि 1-11-85 से किसी श्रगले श्रादेश के जारी न होने नक प्रभावी होगा।

#### दिनाँक 8 नवम्बर 1985

सं० जी०-65/एम० श्री०--महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकता, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकता के विज्ञान सहायक (विद्युत) श्री एम० के० माथुर को किसी श्रमले श्रादेश के जारी न होने तक राष्ट्रीय परीक्षण गृह, गाजियाबाद शाखा कार्यालय में दिनौंक 27-9-85 (पूर्वाह) से विज्ञान श्रिधकारी (विद्युत्) के रूप में श्रस्थाई श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

जे० एम० भट्टाचार्या उन निदेश रु (प्रशासन) कृते महा निदेशक राष्ट्रीय प**रीक्षण गृह,** कलकत्ता उद्योग और कम्पनी कार्य मंद्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) यम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्दार का कार्यालय

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 एवं गोग्रा थिएटर्स प्रायवेट लिमिटेंड के विषय में वस्वई, दिनाँक 5 नवस्वर 1985

665/187/10560(ड)--कस्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अन्सरण में

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि गोन्ना थिएटर्स प्रायवेट लिमिटेड का नाम प्राज रिजस्टर से 'काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> वी० राधाकृष्णन् कम्पनियों का ग्रीतरिक्त रजिस्ट्रार महाराष्ट्र, बम्बई

# टायलिय भ्राय धर श्रायुक्त

#### क्रान्ध्र प्रदेश

है। राजाद, दिना ह 31 श्रक्तूबर 1985

#### श्रादेश

मीं० ग्रार॰ मं॰ 12/स्थान स/85/960--श्रद्योहिन श्रायकर श्रविकारियों की पुष्टि श्रायकर श्रधिकारी. समूह 'ख' के रूप में उनके नाम के ामने अंतित तिथि से हुई हैं:---

कम सं०	न्ना चार्च चार् प्रदास और अर्थेरत स्थान	पुष्टि की तिर्द	थि िक्ति कैंसे हुई
1.	सर्व श्री जी० यजनारायण, स्रायकर स्रधिका री ए–वार्ड, सर्किल–II, ृं	1-9-1984	श्री पी० वी० गोपालकृष्ण, श्रायकर श्रधिकारी की मेघा निवृत्ति से ।
2.	हैदराबाद। ऐ० जे० नायुडु, ग्रायकर प्रधिकारी (मुख्या०) (न्यायिक—I) कार्यालय	191984	श्री <b>ग्रब्दुल रऊफ</b> खान, श्रायकर श्रधिकारी की सेवा निवृत्ति से।
3.	श्रायकर भायुक्त हैदराबाद । जीं० जगत मोहन राव, श्राय∵र श्रधि ारी,	19-1984	्र श्री सेंक पेरतः श्रायक्तर अधिकारी <b>की</b> सेवा निवृत्ति से ।
4.	ए-वार्ड, भीमचरम् । एस० गोवर्धेत राघ, ब्रायकर ब्रधि शरी, ए-वार्ड, सर्शिल–1,	1-9-1984	श्री सुक्रमण्यमः श्रायकर श्रधिका <b>री समह 'क'</b> में पुष्टि होते ले।
5.	हैदराबाद । एस० के० रहमान, ग्रायक्रर ग्रध <b>ारी ए-वार्ड</b> ,	1-9-1984	श्री भोदराप, श्रायकर श्रविका <b>री संगह 'क' मै</b> पुष्टिहोने से।
6.	तिज्ञामाबाद । वी० श्री राममूर्ति, श्रायकर श्रधिकारी, ए-वार्ड,	1-9-1984	श्री सी० एच० सुब्रह्मण्यम, ग्रायणर श्रधिकारी समूह 'क' में पृष्टि होने से।
7-	खम्मम । बी० कैलाशनाथः कनिष्ठ प्राधिकृत प्रतिनिधि	1-11-1984	श्री एन० राधाकुष्ण मूर्ति, श्रायक्षण अधिकारी की सेवा निवृत्ति से।
8.	ए—बेंच, श्रायकर श्रपींल श्रधिकरण, हैंदराबाद श्री एस० छायापति, श्रायकर श्रधिकारी (मुख्यालय—I) ार्यालय.	1-11-1984	श्री ए० सुलसी दास, श्रायकुर श्रधिकारी की सेवा निवृत्ति से ।
9.	श्रायकर श्रायुक्त,  हैदराबाद । पी० वें 'टेण्वरलु, श्राय <i>ा</i> र श्रधिका <b>री, सी-</b> षा <b>र्ड, नेल्लू</b> र,	1-12-1984	श्री डी० वेंकट णास्त्री, ग्रायकर ग्रधिकारी की सेव <sup>ा</sup> निवृत्ति से ।

40202	भारत का राजपत्र, दिसम्बर 7, 1985	•	[भाग IIIखण्ड 1
1 2	3		4
सर्वे श्री	معاومين مساومة في مساوم والمساومة وا	<u> </u>	
1.0. वी० चिन्ताराव,			
			o के० नाकोचर राव, श्रायकर
श्रायक्षर श्रधिकारी, एफ० वार्ड,	মতিল <b>4</b> ,	रेखा निवृत्ति	से।
हैदराबाद।			
11. इ० नर्रामहा राच,	1-5-	1985 श्री बी० वी०	रमण राय, श्रायकर अधिरारी
श्रायकर श्रधिकारी, बी०-यार्ड,		सेवा निवृत्ति	से ।
क् <b>रींमनग</b> र ।			_
12. पी० सुब्बाराव,			र बाणा, श्रायतर श्रिधिवारी की
श्रायकर ग्रक्षि हारी, सी-वार्ड, स	ર્બિ જૌ⊸II.	से <b>षा</b> निवृत्ति	में।
काकिना <b>डा</b> ।			
13. श्रीवी०पी० नर्गमहलु,			4सम, ऋाय∵र ऋधि∘ारी की
श्राय ह <b>र श्र</b> धि हारी, ए-वाई, सर्वि	.ल4,	सेवा निवृत्ति	मै ।
हैदराबाद।			
	ारी, बीं-चार्ड सिंक्ल-II, 🐪 1-9-		हुमूर्ति, स्नाय⊹ार श्रवि⊹ारी की सेवा -
काकिनाडा ।		निवृति मे ।	
ा 5.  टी० श्रीनिवास, ग्राय⊴र ग्रधका	री ए-बार्ड मर्विल- III 1-10-	~	व, आयटर प्रिधितारी की सेघा
हैदराकाद ।		निवृति से ।	
पुष्टी ःरण की निथि पार्श्व ति	थ में भ्राणोधन योग्य है. यदि ऐसा करन	ा श्राचक्यक समझा जाए।	
दिनांक 15 तथम्बर 1985			
मी॰ब्रार॰ सं॰ 12/स्थापना/85/977ल-प्रश्नांित प्रायकर ब्रिजि तो पुष्टि श्रायकर अधिकारी, वर्ग-Шके रूप में उनके नाम के यामने सतम्भ संख्या 3 में अंकित तिथि से हुई हैं।			
क० श्रायकर श्रधि शरी का नाम, प सं०	इता <b>म</b> और कार्यरत स्थात पुष्टिकी	तारीख रिक्त कैसे हु <b>ई</b>	?
1 2	3	4	

मर्वे श्री

 टो० चिट्रिटराजू भ्रायकर अधिकारी, एच-वार्ड-मिकल-II, हैदराबाद।

2. श्री रामाराव, श्रायकर ग्रधिकारी एच वार्ड मॉकल-III, हैदराबाद ।

1-11-1985 श्री ग्रार०पी० शैखरगय श्रायकर श्रधिकारी समूह

ख के सेवानिवृत्त होने मे। 1-11-1985 श्री जीं० यज्ञनारायण, अधिकारी श्रायकर समूह ख के मेवानिवृति होने से ।

2. पुष्टीकरण की तिथि पार्श्व तिथि में भ्राणोधन योग्य है, यदि ऐसा करना भ्रावण्यक समझा जाये।

वी० वी० एम० मास्त्री. श्रायकर श्रायुक्त स्रान्ध्र प्रदेश, । हैंदराबाद-।

# श्रायकर श्रपील श्रधिकरण

बम्बई-400020, दिनाँक 8 नवम्बर 1985

सं० एफ० 48-ए० डी० ए० टी०-1985--- प्रधि-वर्षिता की भ्रायु प्राप्त हो जाने पर श्री सी० पी० मन्तानम सहायक पंजीकार आयक्त अपील अधि रण, कलकत्ता न्यायपीठ, कलकत्ता दिनाँक 31 श्रक्तूबर, 1985 (श्रवराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त ही गए।

> टी० ছी० शुक्ला ग्रध्यक्ष

# प्रकृष बाह्रं.दी. एन. एस. ----

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्वना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

एकुजीसन रेंज भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक नवस्त्रर, 1985

निर्देश सं० प्राई० ए.4० सी०/एकुजीशन/बी०वी०एम० आर०-3/85-86/952-53—प्रतः मुझे, श्रार० सी० सेठी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें स्मकें पश्चात् 'उक्त विधिनयम' कहा नया हैं), की धारा 269-र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाबार मुठ

1,00,000/- रा. से अ**धिक है** 

श्रीर जिसकी सं० 2020 हैं, जो चन्द्रशेखरपुर में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्री को श्रिक्ष को कार्यालय भुवनेण्वर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिक्षान, तारीख 19-3-1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान शितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने की जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का बंद्र प्रतिक्त में बीधक हैं और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एते बंदरण के हैं जिए तय पाया चया प्रतिक्त क्य निम्नितिया उद्देश हैं उक्त अन्तरण निश्चित में बास्त-विक कर हो अंतर नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरम् वं हुए किसी नाम की नामल समध विधि हैनवा के वधीन कर योगे के व्यक्तरक शायिल वें क्यी करने ना वसने क्यने के सुनिधा के सिए; वीर/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनवस, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनवस, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया याना वाहिए था, छिपान वा सुविधा के लिए;

कतः व्यव अधिनियम की भारा 269-न के नमूबरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

> श्री नितयानन्य वैज पिता ग्रानन्य वेज गाँव लछीपुर डा म--तेलेंगा पेंन्ठ थाना--कटक सदर जिला--कटक। (अन्तरक)

मेसर्स इंजीनियर केन्स्ट्रक्शन पाटर्नरः—

(ग्रन्तरिती)

- (1) श्रीमती तिरजरीणा महान्ती पती श्री तपन कुमार महान्ती।
- (2) श्री प्रद्रोप कुमार दान (पिता मृत--उमाँ-कान्त दास।
- (3) श्रीमती प्रणती महान्तो पतो प्रमान कुमार महान्ती।
- (4) डा० श्री प्राणबल्भ दास पिता मृत---जानकी बल्लभ दास।
- (5) डा० श्रीमती नीसेविता **दा**स पती श्री प्राणपनम दास

सबका वायस्थान गुरूप्रमा राजा वगीया डाक—तेमोमा बाजार थाना पुरीघाच जिला कटक।

- (6) श्रीमती मानसी पटनायक पती श्रो प्र सान्त कुमार पटनायक गाँव —हाजीपुर, थाना एरसमा जिला—ज्कटक।
- (7) श्रीमती सरोजीनी पटनायक पती—श्री प्रकाश चन्द पटनायक गाँव—श्री हाजीपुर थाना एरसमा जिला—कटक।
- (8) श्रोमती सुनब्टा सनग्यी पती श्रो खीरोज चन्द्र, सतपथी गाँव पोस्ट मधुशसन थाना— पाचक्श जिला—कटक।

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षम के सिक कार्यवाहियां करता हो।

बक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, को और वविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवब्ध किसी जन्म स्विवत द्वारा अधोहस्ताखरी के वास विविक्त के किस् का कर्केंगे।

स्पाकारण :----इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो सक्त जिथिनियम के जध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं जर्भ होगा जो सस अध्याय में दिसा मसा है।

#### अनुसूची

फी होल्ड खाली जमीन, जिला पुरी थाना नं० 23 सहीठनगर भवनेश्वर सब रेंजीस्टार के ग्रन्दर,मोजा चन्द्रेशेखरपुर खाता नं० 412/7 फ्लेंट नं० 329/1729 एरिया 3.52 रिजसमीत भाड़ा रु० 17.60 पे० ये फ्लेट सवठीसा से सरकारी प्लाट के जरीए घर है।

> ग्रार० सी० सेठी मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भूवनेश्वर

तारीख: 5-11-1985

प्रकृप बाह्र , टी. एन. एस.------

आयकर अधिमयस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) वे कभीन बुचना

#### HISC CYCLE

# कार्याचय, सहायक भागुकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भूवनेश्**य**र

भ्वनेश्वर, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्वेश सं० ग्राई०ए०सी०,एक्यू०, 85-86, 943-944--ग्रतः मुझे, ग्रार० सी० सेठी

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसमें परणात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० 5928 है तथा जो गोपालपुर में स्थत है (श्रीर इस्ते उपाबद्ध सनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्राधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्री- करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक 29-3-85

को पूर्वे कित सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के इस्प्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे कित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिबित उच्चे क्या गया अतिफल, निम्नितिबित उच्चे क्या गया है :---

- (था) बन्धडल वे हुए कियी बाव की बावत, उसक विध-ृिनयम के बधीन कर वोने की बन्दडक जी बावित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बहि/बा
- (क) ऐसी किसी भाष या किसी भाष या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विधा के सिए;

कतः, जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-व की अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को जभीन, निम्नजिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) जरडाइन मिलः एनेनसी 4 क्याईब रॉड कलकत्ता (ग्रान्तरक)
- (2) जग्डाइन हैण्डग्सन लिमिटेड 4-क्लाईक रोड. कलकत्ता

- (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारकं पृथोंनत संपत्ति के अवन कं लिए कार्यवाहियां घुरू करता हूं।

सकत सम्पत्ति को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी जाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकासन की तारीच वे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अव्धि, थों भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाय;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए वा सकोंगे।

स्वक्योक एक :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होग्य जो उस अध्याय में दिया कवा ही।

## वन्सूची

जमीन भीर मकान, एरिया 4 सेन्ट ओर 7 सेन्ट जो हेलडीम नं० 30, डीड नं० 1 में स्थित है। जो लाभरल हाउस में जाना जाता है वो गोपात्रपुर के अन्दर स्थित है। जिला गन्जाम (भ्रोडिसा)

> श्रार० सी० सेठी सक्षम ग्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, भुवनेश्वर

दिनांब**्रि 4-11-198**5

मीहर:

#### शक्य भार<sup>\*</sup>्रहो\_्यन - एस्

बाबकार मीपित्रयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन सुचना

#### भारत बरकार

ग्रर्जन रेंज, भुवने श्वर भुवनेश्वर, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निदेश सं० म्राई० ए० सी० एक्यू० विवि म्रार 85-86 939-940--- श्रतः मुझे, ग्रार० सी० सेठी

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसर्ग इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह<sup>3</sup> कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित आणार मूक्य ा,00,000/-रा. से अधिक **ह**ै

और जिसकी सं $\circ$  I-6598/85 है, जो मुक्तेश्वर में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप स विणित है) रजिस्ट्री इर्ता अधिकारों के कार्यानय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 पर 16) वे प्रधीन, दिनांच 22-3-85

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के ध्ययमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित भाजार मृस्य उसके दश्यमान प्रतिफन सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफस का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक ही और बंतरक (बंतरकाँ) और श्रंविद्रिती (संतरितियों) के बीच एसं संखरण के लिए दय पाया गया प्रतिफल, निम्मसिखित उद्देश्य से उक्क कन्तरण लिखित में पास्तविक क्य से कथित वहाँ किया प्रा है अ---

- 🏧) मन्यरण स सूर्य किसी जाय की बाबत, उब्ह मिपिनियम के मधीन कर दोने के मन्तरक वाबित्य में कमी करने वा उससे मचने में ब्रांतिका क किए; कोर/वा
- (ब) एोसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) व प्रवोचनार्च बन्तरियौ युवारा प्रकट नहीं किया पदा भाया किया जाना माहिए भा, खिवान में सर्विका वे प्रिए;

म्पृः वय, उत्तत विधिनियम की धारा 269-थ की वनुसरण भैं, मैं उभत अधिनियस की भारा 269-व की उपभारा (1) 🕏 नधीन, निम्नीसचित न्यक्तियों, हर्षाह् ए---

(1) श्री इन्द्र कुमार घोस 14/1, मण्डविला गाउँन, क**लंबाता-700019** 

(अन्तरक)

(६) श्रो नित्यान्द महापात्र बी० पी० श्रो० बिरहरकृष्णपुर, थाना पुरी उदर (जला पुरी (म्रोडिसा) (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना बारी करके पृशांकत सम्मत्ति के अर्थन के सिए कार्य नाहियां कड़वा 🗲

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी जाओप:--

- (क) इस सूचना के आक्रमपत्र में प्रकारण की तारीय दे 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियाँ पर सुभवा की तामील से 30 विन की वनिष, जो भी व्यविष बाद भी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस स्थाना के राज्यव में प्रकाशन की तारी करे 45 दिन को भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा बधोहस्ताक्षरी के शक्त लियित में किए वा सकरी।

स्पष्टिकरण:---इस'में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वायकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जा जस अध्याय में दिया ग्या है।

जिला पुरी, याना भुवनेण्वर मौजा भुवनेण्वर, खाता नं० 1002, प्लाट नं० 1398 एरिया 0.956 डीसमील उसके साथ दो मंजिला कोठी।

> ग्रार० सी० सेठी गक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भुवनेस्वर

दिनांक: 4-11-19**85** 

#### प्रकंप बार्ड वी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनों : 12 श्रगस्त, 1985

निदेण मं० आई० ए०स.०/अर्जन/भोषाल/5829---श्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उन्कत आंधीनयम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का स्नारण है कि स्थानर तंपरित, जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अंति जिसकी संव फ्लैंट नंव 3, प्रथम मंजिल, ग्रम्बर 13/2 जो एमव जीव रोड, इंदोर में स्थित है (और इन्नेन उपाबड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से मणित है) रिजस्ट्री जिस्की अधिवार के आर्थालय, भोषाल में रिजस्ट्री जरण अधिवियम, 1908 (1908 ा 16) के प्रथीन दिसार जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएबोंक्त मंपत्ति का उचित साजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल में एसे रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और सन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य नामां गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण जिल्हा में नास्तिव करण से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आग की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोगे के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां करो, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:—  श्रीमती रूकमती देशचन्दानी पत्नी केन्यो उर्फ कन्हेया लाल निवासी 22/7, न्यू पलासिया, इंदौर ।

(श्रन्तरमः)

2. श्री केदार श्याम प्रशाद (एच० यू० एफ०), 35, मुरलीधर, शर्मा रोड, गोहाटी (श्राशाम) (श्रन्तरिती)

को बहु सूचना थारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कर्मवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीण ते 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिश-बब्ध किसी बन्ध व्यक्ति इवारा वभोइस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

क्षण्याकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बनुज्ञुनी

बिल्डिंग (फ्लैंट नं० 3, प्रथम मंत्रिल) ग्रम्बर 13/2, एम० जी० रोंड, इंदौर, में स्थित है।

एस० सी० शर्मा नक्षम प्राधिकारी सहायक श्राय⊴र श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंगे. भोषाल

दिनांक: 12-8-1985

माहर:

# प्रकार नार्षः द्वी<sub>ः</sub> पुरं, पुरं <u>-</u>-----

# नायकर लिभिनियम, 1961 (1961 घ 43) 😎 भारा 269-व (1) के वभीन त्वना

#### नारत सरकार

कार्यानन, सहायक जानकर नायुक्त (निरक्षिक)

महाय ∉ जिश्राय ःर श्रायुक्त निरीक्षण) क्रार्वेत रेंज, एरणाकुलम, कोच्चिन कोच्चित,-16, दिनांस 28 ग्रक्तूबर, 1985

निर्देश मं० एल० सी० न० 772/85-86---श्रनः मुझे, बीं० रचिवालन,

गायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संब्धनसूची के अनुसार है जो निख्यडाड देशमा में स्थित है (और इन्से उनाबढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रिबस्ट्री :र्ता श्रिविकारी के ार्यालय, तेल्लीशेरी, गहर में रजिस्ट्रां रण प्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के अधार दिनां १ 3 0-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित शाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एेसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह्प्रतिशत म अभिक**हे और अन्तरक (अन्तरकों) और** अन्तरिती (अन्तरितियों) केबीच एसेअन्तरण केक्षिपःतश गंया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उसत अन्तरण लिचित में वास्तविक रूप से कथित वहीं किया बया है :--

- (t.) अप्तरण सं**हुए किसी वाग की गावत, अवत** भीपरिचयम के मधीन कर दोने के बन्तरक के दाः यरव में कमी कालीमा उनसे मचत्रे में स्वीवधः के सिए; और/बा
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या थल-अधर अभिनियम, 1957 (1957 **का** 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, खियाने में सविधा

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की भारा 269-ग के अनसरण मो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, किम्निस्सित व्यक्तियों, अर्थात :--

1. 1. श्री डी०पी० ग्रब्दुल राषीद, परात्र पाडींनहरात हस्तान कुट्टी का बेटा, निरुवान ११८, नेल्ली शेरी ।

(भ्रान्त्रस्यः)

2. श्री यू० मम्मृद्धि, हाजी उम्मालील हाउल, धरमेट्टम, वेल्लीभेरी ।

(भ्रन्तितीं)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लि कार्यवाहियां करता हा।

#### उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ज़ारीक से 4.5 विन की अविधि या तत्संकंधी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, अभीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए आ सकेंग ।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों या, जा उक्क विभिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होंगा जो तम शप्याय मां जिया

#### अनुसुची

दिनांक 30-3-1985, उप रिजस्ट्री का कार्यालय, सेल्लीशेरी के दस्तावेज सं० 522, में संलग्त, अमुसूचि के श्रनसार तीरूबडाड देग के सर्वे सं० 199, वार्ड सं० 11, ब्लाह सं० 5 में 13 गेंट, भूमि और एउमकान ।

> बी० रविद्यालन सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर आयुक्त (िरीक्षण) प्रर्शन रेंग, एरणाकुल्म, **को**ज्चिन

दिनां ह : 28-10-1985

#### प्रकार बाही, ही, एन, एस. ----

नायकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269--व (1) के नभीत त्वना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोचीन-16, विनांक 1 नवम्बर, 1985

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विज इसके इसके पश्यात 'उक्स अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका जीवत बाधार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिनकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो एनिकुलम में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री तो अधिशारी के आर्यालय, एनिकुलम में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 वर्ण 16) के अधीन दिनां रूप प्रमिन्न 1985

को पूर्वोकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए करतिरत की गई है और कम यह न्यंश्वान जरने का कारण है कि मचापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिक्रम का गल्क्ष प्रतिकृत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरका) और कन्तरिती (अन्तरितिका) के बीच एसे बन्तरक के जिए तथ बाबा गया प्रतिफल निम्निविचित उद्योदन से उच्च बन्तरक शितिका में वास्टिविक क्य श्रे किथत नहीं किया प्रवा है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की वाजभ तथा जात जात का किस के किस के का करत के वाजिए हो की करत के वाजिए के किस किस के किस
- (क) ऐसी किसी जाय ना किसी धन वा अन्य नास्तियों को, चिन्हें बाइतीय जायकर विधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उचत निधिनयम या धन कर निधिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोध-नार्च अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं चित्रा थया था १। किया नाना चाहिए था छियाने में सविधा ले सिए:

जता वक, उक्त विभिनियम की भारा 269-व के अनुध्रस्य थें, मी, सकत विभिनियम की भारा 269-व की व्यक्तरा (1) के बभीत, निक्तरियोणित व्यक्तियों, व्यक्ति उल्ला  मैं स्पं उन्छन एव क्षेत्र, (मजुरै), प्राइवेट लिमिटेड, महान-600002 ।

(ग्रन्तरक)

 एककोन माचार पेपर, प्राइवेट लिमिटेड, महाभ-600002

(ग्रन्तरिती)

की वह श्याना जारी करको पूर्वाकत सम्परित की जर्बन को सिक् कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी गायोर ए---

- (क) इस स्वता के राजवन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अमीभ या तत्त्वस्थनी व्यक्तियों पर सृष्यता की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शाद में सजाप्त होती हो, को नीचर पृक्षेत्रक व्यक्तिसार्थ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाकन की तारीक के 45 दिन के भीतर उन्तर स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिक द्वार कथीहरताकारी के वास सिविक में किए जा सकते ।

#### ग्रनुसुची

दिसाँ 2-3-1985 उप रिस्ट्री सार्यालय, एर्नाशुलम, के दस्तावेज सं 753/85 में जलग्न, अनुसूची में के अनुसार एणिकुतम चिल्लेन में सर्वे न० 338/2, 338/5 और 339/1 में 39.925 मेन्ट भूमि।

बी० रविबालन सक्षम प्राधिकारी अहायक श्रायकर श्रायक्त (किरीक्षण) श्रजीन केंत्र, एणीकृतम

नारीख: 1 · 1 1 · · 1985

त्ररूप बाइ ैं, टी. एम. एस.०००००००

# बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के बधीन स्वना

#### मारत सहस्राप

## कार्याभवः, बहायक बायकः र बाय्यतः (विद्रक्तिन)

श्चर्जन रेंज, एरणा**कुलम**ः कोवींन-16, दिनांक 7 ग्रक्तूबर 1985

निदेश सं० एल० सी० 771/85-86-यतः मुझे. बी० रविवालन.

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चाता 'उक्त अभिनियत' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00000/-सः. से अधिक है

और जिसकीं सं० अनुसूचीं के अनुसार है तथा जो तेलिल शेरी शहर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूचीं में और जो पूण रूप में चर्णित है) रजिस्दीं हो श्रधिकारीं के कार्यालय, तेल्लिशेरी में रजिस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनां ह 25-3-1985

को पूर्विक्य संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के बस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अंतरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- [क) जन्तरम ने हुई कि**नी बाय की** बा**ब**त्त, *ा*क्ष अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के इपिंग्रतक मां कामी फारने या उससे वक्का मां माजिला के भिगाः बार/या
- (अ) १ मी किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया काना काहिए था, कियाने में स्थित में सिए:

जत. अब, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के अनसरण ने, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उरभएए (१) कें अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---3 - 356 GI/85

 श्रीमनी निर्वाति बीबी सिर्वाति घरः एम० एम० सङ्ङ, तेल्लिओरी ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती एन० डो० क० स्लेखा, हाव्यी विला, एस० एस० सङ्क, तेल्लिमेरीं। (भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त बभ्यत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में जोड़ी भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सचना की तामील से 30 विन की अवधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त हांती हों, को भीतर पूर्वीकत गांधसयो औं सं किमी व्यक्ति दुवारा:
- (**व**) इस स्चना क राज्यात्र में प्रकाशन की नारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवदभ किसी अन्य अपिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान सिसित में किए का सकेंगे।

स्बब्धीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त ' अधिनियम के अध्याय 20-क मं परिभाषित ही, दही अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया सक्या हुनै।

#### अनुसुधी

दिनां रु 25-3-1985 उप राजिस्ट्री तेल्लीशेरी, के दस्तावेज सलग्न, श्रनुसूची के श्रनुनार तेल्लिशेरी, णहर में सर्वे सं० 29, बाह 16, ब्लास 3, में 25 में ट, भूमि और इसमें मकान (दो मंजिलीं डमारत )।

> वी० रविवालन ∺क्षम प्रधिकारी नहाय: भ्राय : भ्रायमन (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकृतम

नारीख: 7--10--1985

प्रकर आहे ही. एन्, एस्,-----

नायकर अधिनिरम्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन स्पना

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक सायकर वायुक्त (निरीक्षण)

**ग्र**र्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 7 श्रक्तूबर, 1985

निदेश स० म्राय II सी/एक्वी०/29/23/85-86---म्रतः मुझे, एम० मी० जोशी,

अगयकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा पता हैं), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर संपन्ति, जिसका स्वित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० एस नं० 48 है, जो भूमि 1.53 एउड़ में और जो पूर्ण व्या से विजित हैं) रिजिस्ट्री की प्रिधिशारी के शर्यालय, नागपुर में ज्ञाशुमेट सं० 1029) में रिजिस्ट्रींकरण प्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनां 28-3-1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए कन्सरित की गई है और मृझे यह विकास क्रम्ने का कारण है कि म्याप्योंक्त सम्बक्ति का उचित बाबार पृल्स, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीज एसे अन्तरण के किए तय पाया ज्या प्रतिकत, निम्नतिचित उक्केष्य से उक्त बन्तरण विचित में नास्तिक कुए से कथित नहीं किया गया है

- (क) अम्प्रदेश सं हुए किसी अन्य की बाबल उनस् नीवित्राम में बाधीम कार योगे को अन्सरका की व्यक्तिसम में कामी कारने मा जामने बचने में सुविधा के लिए: बीद/बा
- (ख) एंसी किसी बाय या किसी भन या किसी आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर किभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) है प्रयोक्तरार्थ अस्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया भा था किसा बाया भा था किसा बाया भा था किसा बाया महिए था किसा थे किया:

अप्त: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अन्नरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्हीलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् ।  श्री प्रहीरवल कवीर िद्दिकी, सदर बाजार, नागपुर।

(भ्रन्तरक)

 उज्बल का० हाउभिंग सोनायटी लिमिटेड, लक्ष्मी नगर, नागपुर।

(भ्रन्तरिती)

क्के वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उन्त संबंधि के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 विन की क्षांचि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 विन की अधिक, जो भी जबीच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दशारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्साक्षरी के पास जिल्हा के पास

स्वव्यक्तिरणः---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदी का, वो सन्द अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही नर्थ होगा, वो उस अध्याय में विया वना हैं।

#### मगत् म

भूमि 1.53 एकड़ सर्वे नं० 48, सोमलवाडा, नागपुर में स्थित है।

> एम० सी० जोशी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक 7-10-1985 **मोहर** <sub>ध</sub>् प्रकथ बाह्य, टी. एन. एस. -----

नावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ धारा 269-व (1) के मधीन स्थना

#### प्रारत बदकार

# कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, कलकसा कलकसा, दिनाँक 30 ग्रगस्त, 1985

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें देसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 163/141 है, तथा जो खाललानि बोसपारा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, श्रीरामपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाँक 29-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित नाजार मूल्य, उसके दृश्य-मान प्रसिक्तल से, एसे दृश्यमान प्रतिक्तल का पन्द्रह प्रतिशत से जोधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिशों (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्न-लिखित उन्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय का बाबत, उबल अधिनियम के सधीन कर दोने के अन्तरक के स्विथल में कमी करने या उसमें अधने में सुविधा के सिए; कोंट्र/या
- (थ) एसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहए था छिपाने में अधिकधा के सिए।

चतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण मं, मं तक्त अभिनियम की भारा 209-च की उपधारा (1) के अभीश, निम्मिकित व्यक्तियों, अथितु क्रे— 1. सत्य चरन मृखर्जी

(अन्तरक)

2. सुजाता सानाल

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना आरी करको पूर्वोक्त स्त्र्यति के अर्जन के निध् कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना की राजपत्र में प्रकाशन की टारीका सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीश से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्ट स्वित्यों में से किसी व्यक्टि बुवारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्वक्ष किसी जन्म व्यक्ति क्षारा अधोहस्ताक्षरी के पास किस जा सकीने।

स्वष्यक्रिरण:—इसमें प्रयुक्त वक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के उध्याय 20-क में परिकाधित है वहीं अधे होंगा, आ उस रध्याय में दिया समा है।

#### बन्स् ची

जमीन 3 का० 14 छ० 42 स्का० फीट जमीन का साथ मकान ।

पता : 163/141, खालसानि बोस पाडा, थाना, चन्दन नगर, दु गली। दलिल सं० 1985 का 862

> शंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता-16

दिनाँक 30-8-1985 मोहर:

# HAT THE ST. CT. FOLLOWS SEEN

# बार्कार विधितियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बचीन चुचना

#### STATE OF THE

#### कार्यानय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- 4, कलकत्ता

कलकत्ता- 16, दिनाँक 14 मार्च 1985

निदेश सं० ए०सी० 72/रेंज-4/कल०/84-85—म्प्रतः मुझे शंकर के० बनर्जी

नायकर अधिनियम, 1961 (1951 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,030/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो कारसियों में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनौंक 8-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त भाषानयम के अपीन कार दीन के जन्तरक के शामित्व में काफी काफी ये उसमें बचन में सूचि। क निए; बहुर/या
- (व) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियी की, चिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ते अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिर्ते इंजारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में बुद्धिया के लिए।

अतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के बनुसरण कों, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) कों वभीर, निम्नलिखिस स्वक्रियों, वर्षाक् क्षे 1. श्रीमती जमुनालाल तसनिवाल पा० लि०

(यन्तरक)

2. श्री विरू टि० लि०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

#### उक्त राज्यत्ति के वर्षन के स्थान में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका स्यक्तियों में से किसी न्यक्ति ब्यारः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हित्यद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कल्त विभिन्नियम, के अभ्याय 20-क के परिभाषित हैं, नहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनुसूची

जमीन 489 एकर अभीन का साथ मकान। पता: कारसियाँ वार्जिलिंग। दिलल स० 1985 का 37ईई-18रिंज-4/84-85

> शंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता-16

दिनाँक : 14-3-1985

प्रारुष बार्षः टी. एव. एस.,,-------

नावकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्याक्य, सङ्गयक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज- 2, फलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निवेश सं० ए० सी० 49/रंज- 2/कल०/ 85- 86—अतः मुझे शेख नईम्हीन

नायकर भौभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पम्मात् 'उक्त अभिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाबार मृस्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० 36 बो है, तथा जो न्यू रोड, कलकत्ता-27 में स्थित है (श्रोर इससे उपाबट श्रनुसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, एस० श्रार०ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का

16) के भ्रधीन दिनांक 25-3-1985

का पूर्वाक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास कोरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से उच्त बन्तरण किचित में बास्तविक रूप से किचल नहीं किया नवा है :—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उसत अधिमियम के अधीन कार दोने को जन्तरक के दायित्व में कामी कारने या उससे बचने में सुविधा काम्ब्युः और/वा
- (था) एसी किसी शाय या किसी थन या अन्य आस्सियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूजिधा के लिए।

अतः अस, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधील, निम्नलिविक चिक्तवी, कर्माक क्रमन 1. श्री सुरेश चन्द्र राय

(ग्रन्तरक)

2 प्रभात कुमार जोहरी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारजे पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्पन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का जो उनके अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिण है, बही अर्थ होगा को एक कथ्यार में दिस्स भवा है।

## **अनुसूची**

21 कट्टा, 40 वर्ग फुट, जमीन का 1/25 भाग, 36 बी, न्यू रोड, श्रालिपुर, कलकत्ता-27 में श्रवस्थित है। दिलल सं० एस० झार० ए० कलकत्ता का 1985 का ख्राई-4386।

> शेख नईसुद्दीन सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रजेन रेंज- 2, कलकत्ता

दिनॉक: 27-9-1985

THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IS NOT THE OWNER. THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IS NOT THE OWNER.

# प्रकृ शार्च , टी , एव , एव , -----

बावकर वाँधीनियम, 1961 (1961 का 43) स्टी पारा 269-म् (1) के बाधीन सुम्बा

#### मारत त्रकार

कार्याखय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज- 2, कलकत्ता कलकत्ता- 16, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निदेश सं० ए० सी०- 75/रेंज- 2/कल०/ 85- 86---अतः मुझे शेख नर्हमूदीन,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इतनें इसके पश्चात 'जमत मिनियम' कहा गया हैं), की पाउ 269-य के मधीन सक्षम ग्राभिकारी को वह निश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिस की सं० 15 है, तथा जो बी०टी० रोड, कलकत्ता स्थित है (भीर इससे उपाबब अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, भ्रार० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन विनाँक 29-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम स्वयमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गर्द है और मूझे यह बिश्वास करने केरिण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशाह के जिथक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती श्वन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया रितिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शस्तिक रूप से किशा नहीं किया गया है:—

- (क) सम्बद्ध वं हुई विची बाद की बादक, उच्छ अभिनिव्य के न्यांत् कार वाने के अन्यद्ध के अस्तिहर में कामी कारने वा बाहके व्यवसे में जुविका कारम्प; बार/ना
- (ख) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाब-कर ब्रीयनियम, 1922 (1922 का 11) वा उसत बिधिनियम, शा बन-कर बीधीनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना लाहिए था, खिलाने में सुनिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :--

1. कुमार जग्वीश चन्द्र सिन्हा

(भन्तरक)

2. मैसर्स गोयल रोडएस

(श्रम्तरिती)

को यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्बन्ति को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाधन की हारींच से 45 दिन की जनींच या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जन्मि, को भी जन्मिश्वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हिस्तव्युध् किसी जन्म व्यक्ति युवारा अभोहस्ताक्षरी के पास विविध्त में किए का सकेंने।

स्पष्टिमीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, ओ उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा औ उस अध्याय में दिया गया है।

## वयुन्ती

27 कठा, 12 छटाँक, 8 वर्ग फुट, जमीन का साथ मकान 15 बी० टी० रोड; कलकत्ता में भ्रवस्थित है। दलिल सं० -भार० ए० कलकत्ता, का 1985 का भ्राई-4897।

> शेखा नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, कलकसा

दिनांक 6-11-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज- 2, कलक**सा** कलकत्ता , दिनौंक 6 नवम्बर, 1985

निदेश सं ्र ए० सी०- 7 6 रिंज- 2 निल् ० / 85- 86—श्रतः मुझे , शेंख नईसुदीन

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,900/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 162 है, तथा जो दक्षिनदारि रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, एस० शार० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक 23-3-1985

को प्रवेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के दश्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और यूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्ति संपत्ति का उचित बाजार गृह्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का ग्लूह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उष्येष्य से उक्त अन्तरण मिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बावत कवत बीध-गियम के बचीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए; बीद/बा
- (ख) ऐसी किशी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व क अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, अर्थात क्र- 1. श्रीमती दुर्गा देवी दागा

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती पन्ना देवी डालमिया श्रीर श्रन्य

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस मूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 4.5 विन की मनिभ या तत्सम्मन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंने।

स्थानिकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदौं का, वो उक्त वीधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस बध्याय में दिका गया है।

#### भनु सूची

5959 वर्ग फुट जमीन का साथ एक तल्ला मकान 162 दक्षिनदारि रोड, थाना लेक टाउन, कलकत्ता में प्रब स्थित है। दलिल सं०--एस० ग्रार० ए० कलकत्ता का 1985 का ग्राई-4332।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

दिनांक: 6-11-1985

#### प्रकृष बाहाँ, टी एन. एस.----

बाधकार बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन तुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2, फलकत्ता एलक्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निदेश मं० ए०स १०-71/रोज-2/एल०/१5-86---श्रसः मुझे, शेख नर्दमहीत

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'6.9-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुट. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 107 ए है, तथा जो हेम चन्द्र नस्कर रोड, में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण क्य से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधनारी के कार्यालय श्रार० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 दा 16) के श्रीधीन दिनांक 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से एसे द्रश्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिकत से अभिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नितिबत उद्वोदेग से उक्त बंतरण सिक्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी श्राद की श्रावण, उपक अभिनिवन के बणीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने वा प्रवत्ने वचने में सुविधा के निष्; भौर/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या जावन अधिनियम, या धन-कार अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

क्षणः स्था उपस्य अभिनेत्रणा स्ति भाषा का वान्त्रणण स्ति, जी, उस्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्हितिश्वत व्यक्तियों, स्वांति कु---

1. श्रं। कल्याण कुमार राय

(अन्तरक)

श्रं। राज कुमार चौधूरी

(अन्तारती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजवज्ञ में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अवधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 चिन को भीतर उक्त स्थानार संपरित में हितबब्ध किसी कन्य क्यनित द्वारा अधोहस्ताकारी के पाल तिश्वित में किए आ सक्तिं।

त्यव्योकरणः -- इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, आंडामत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा नवा है।

#### अनुसूची

3 कहा 6 छटांक, 19 वर्ग फ्रीट जमीन का साथ तल्ला, मकान का ग्रविभक्त 1/6 श्रंश, 107 ए, होम चन्द नस्कर रोड, कलकत्ता-10 में ग्रवस्थित है। दिल्ल मंग-ग्रार० ए॰ कलकत्ता का 1985 ा श्राई-3411

> .शेख नईमुद्दीन नक्षम प्राधिकारी सहाय ६ स्राय ६० स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रोज-2, कलकक्ता

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रोंज-2, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निदेश मं० ए० सी०-78/रेंज-2/कल०/85-86---श्रतः मुझे गेख नईमुदीन

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि गवन संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

,00,000/- रत. से अधिक है

गौर जिनकी संव 107 ए है, तथा जो होम चन्द्र नस्कर रोड में हिश्वत है (श्रीर डराने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में र्गित है) रिजस्ट्र अर्ती श्रीधकारी के कार्यालय आरव एवं जल इता में रिजस्ट्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) हे श्री के दिनांक मार्च, 1985

ो पूर्वोक्त संपत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान तिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विस्वास करने । कारण है कि यथापूर्वोक्त संसूति का उिचत बाजार ल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का हि प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण निस्तित में स्तिवक स्प में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधीत् :----

1. कल्लाण कुनार राय

(भ्रन्तरक)

2. मंबाध कुमाल चौध्री।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका कन्यात का अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पास्टीकरण: -- - प्रामं प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आंधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभा-ह<sup>र्व</sup>, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

3 रखा, 6 छटांक, 19 वर्ग फुट जमीन का साथ 3 नल्ला मकान ा अविभक्त ।/6 गंग, 107, होम जन्द्र नस्कर रोड कलकत्ता-10 में अवस्थित है।

दिशाल नं ० - प्राप्त । एक जला का 1985 का प्रार्ड-3410

मोख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी महायाः श्रायाः शायुक्त (निराक्षण) श्राजन रोज-2, स्लकत्ताः

दिनांक 6-11-4985 मोहरः

# त्रकः बार्' टी प्र त्रह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्दोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता कलकत्ता, दिनां ह 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ए० सि:०-79/रेज-2/ःल०/85-86—-श्रतः मूझे शेख नईमूहीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कौं धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 107ए है, तथा जो हेम चन्द्र नस्कर रोड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध स्रन्युची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रार० ए० कल उत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 रा 16) के ग्रिधीन दिनां ज मार्च, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रितिपत्न के लिए अंतरित की नई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापवॉक्त संपत्ति का उचित बाबार भूका, उसके ख्यमान प्रतिपत्त से, एसे ख्यमान प्रतिपत्त का रुख्य प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रविक्तन, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरक् ते हुव किसी नाय की अन्तर, उनक् प्रिंगियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के शक्तिक में कमी करने या उससे वचने में स्तिभा के निष्ण्; भीर/या
- ्ण) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ जन्हरियी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा किया जारा चाहिए था छिपाने में रिवधा के तिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तिलामें, अर्थातः— 1. श्री कल्याण कुमार राय।

(ग्रन्तरक)

2. श्री संदीप कुमार चौधुरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वों क्स सम्मृतित के वर्षन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की नविष् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्वीभ, को भी अविभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराह
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ज्या है।

#### अनुसूची

3 कट्या 6 छटांक, 19 वर्ग फुट जमीन का साथ 3 तल्ला, मकान मा ग्रविभक्त 1/6 ग्रंश, 107ए, हेम चन्द्र नस्कर रोड, कल इत्ता-10 में ग्रवस्थित है। दिलल संख्या ग्रार० ए० कलकत्ता, हा 1985 का ग्राई-3409।

शेख नईमुद्दीन ाक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायका (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

दिनांक 6-11-1985 मोहर ; प्रकप बाई डी. एन. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज़ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक वायकर बायक्त (निर्क्षिक)

ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1985

आयक स् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं 107 ए है, तथा जो हेम चन्द्र नस्कर रोड़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रार० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुइं किसी बाय को बाबत, उसत जिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने रा उससे बचने ये सुविभा क लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, डियान में सुविधा के सिए;

मतः अव, उनत आधानयम का धारा 269-ग कं अनुस्रुष मों, मीं, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. श्री कल्याण कुमार राय।

(अन्तरक)

2. श्री सिवा हेमि चौधुरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं!

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप रू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्**यी**

3 कठा 6 छटांक, 19 वर्ग फुट जमान का साथ 3 तल्ला मकान का अविभक्त 1/6 ग्रंण 107ए, हेम चन्द्र नस्कर रोड, कलकत्ता-10 में स्थित है। दिलल संख्या आर० ए० कलकत्ता का 1985 का आई-3408।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रज-2, कलकत्ता

दिनांक: 6-11 1985

प्रकम लाही, दी , एन , १४ , , ००५० ५०० ५००

1. श्री कल्याण कुमार राय।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बाल किशन चौधुरी।

(ग्रन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 क्ष 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

#### कार्यालय, तहायक आयकार आयुक्त (निर्वेक्षण)

श्रर्जन रोज-2, इल इत्ता

कलकत्ता, दिलांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ए० सं:०-81/रेज-2/२ल०/85-86--अतः मुझे, शेख नईम् $\xi t$ न

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 धा 43) (जिसे इंसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विश्वका जीवत आजार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 107 ए, है तथा जो हेम चन्द्र नस्कर रोड में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण कर मे वर्णित है) रजिस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय, आर० ए० कतकता में, रजिस्ट्रो इस्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूफे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिं उत उप्तर्थ के उपत अन्तरक मिला का पाया गया प्रतिफल, निम्नलिं उत उपत्रथ के उपत अन्तरक मिला का सिका में वास्तरिक रूप से किथा थया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उनक अधिनियम के अभीत अर क्षेत्र के अत्सरक के शियरण में कभी कर्दने वा उससे वचने में सुविधा भी लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अस्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जामा चाहिए वा कियाने में खुविधन के लिए।

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात ∷— को यह सूचना जारी काइके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां सूक्त करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के गर्बन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के ख़बपत में प्रकाशन की तारीश प्र 45 दिन की वनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वता की तामीस से 30 दिन की नविध, जो शी वदिश बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं कर 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितबद्ध किसी जन्म स्थिक इसारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### धनुसूची

3 कट्टा, 6 छटांक 19 वर्ग फुट जमोन का साथ 3 तल्ला मकान का स्रविभक्त 1/6 श्रंण, 107 ए, हेम चन्द्र नस्कर रोड, कलकत्ता-10 में श्रवस्थित हैं। दिलल संख्या श्रार० ए० उलक्ता का 1985 का श्राई-3407।

> षेख नईमुहीन सक्षम प्राधिकारी स**हायक प्रा**यकर प्रायूक्त (निराक्षण) ग्रजन रोज-2, कलकत्ता

दिनांक 6-11-1985 मोहर : प्रकल बार्च हो है पुन् पुरु -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायकः वाय्कर धाय्कर (निरीक्रण)

अर्जम रेंज-2.

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निर्वेश सं ० ए० सी ० 82/रेंज-2/कल ०/85-86-अतः मुझे, शेख मईमुद्दीम

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (निसे इस्ति इस्ति परनात् 'उन्त निधितियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के नुधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावद सम्पत्ति, विसका उचित वाबाद मून्य 1,00,000/- का से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 107 ए है, तथा जो हेम चन्द्र नस्कर रोड में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूी में स्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1985

को पूर्वांक्त सम्परित के उचित बाबार मून्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापृत्वोंक्त सम्मरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पुन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निजिबित उद्भुदेश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है

- (क) कन्तरूम से हुई किसी मान की बाबता, उक्त महिन नियम के अधीन कर बांचे के जंतरक के वाधित्य मा कमी करने या उसते बद्धने में सुविधा के सिए; मोर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविभा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री कल्याम कुमार राय।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राधा देवी चौधुरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांड्रें भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### बन्द्यः

3 कटा, 6 छटाँक 19 वर्ग फुट जमीम का साथ 3 तल्ला मकाम का अविभक्त 1/6 भाग 107 ए, हेम चन्द नस्कर रोड, कलकत्ता-10 में अवस्थित हैं। दिलल मं० आए० ए० कलकत्ता का 1985 का आई 3406।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कल*्*ता

दिमांक: 6-11-1985

### प्रकृत आर्थः स्त्री । एव । एत । १०००००००००

# नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में मधीन स्वाना

#### भारत तरकार

# कार्यासय, सहायक वायकर जायक्त (निरक्षिक)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ए० सी०-83/रेंज-2/कल०/85-86—अतः मुझें, शेख नईमुद्दीन

आयकर जीर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त आंधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- फ. सं अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 330/वी ०एल ०एम ० है, तथा जो सी० आई० टिरोड, उलकत्ता में स्थत है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर जो पूर्ण कप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण, अधिनियम 1908 (1908 क 16) के अधीन दिनांक 27-3-1985

का पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के बर्दमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूमों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बर्द्दमान प्रतिफल स, एसं बर्द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दीने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिएपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब , उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनूतरण में , में , उक्त आधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :-- 1. श्री अमलेन्द्र गोखर मस्कर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सागरिक मजुमदार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

#### वनसूची

1299 वर्ग फुट, फ्लाट 330/बी० एल०एम०, सी० आई० टी० रोड, कलकत्ता में अवस्थित है। दलिल सं० आर० ए० कलकत्ता का 1985 का आई-4604।

> शेख नईमुहीम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अजेमरेंज-2, कलकत्ता

दिनांक 6-11-1985 मोहर: वक्त नार्द्धः की <sub>स</sub>्त्रम<sub>ा</sub> पुर<sub>िस्त</sub>---स्त

संस्क्राप्ट अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के क्षीन क्षाना

#### शारत सुरकाड

# कार्यांसदः सहायक जायकर नायुक्त (निर्योक्तक)

अर्जम रेंज-2, कलकत्ता कलकत्ता, विमांक 6 मवम्बर, 1985

निवेश सं० ए० सी ०-84/रेंज-II/क्ल o/85-86—अतः मुझे, शेख मर्धमृद्दीम

बाधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसवें इसकें पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-स के वधीन शक्षम प्राधिकारी को,, यह निर्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपरित जिसका सन्ति वाजार मूस्य :

1,00,000/- रु. से अधिक **ह**ै

ग्रीर जिसकी सं० 7 है, तथा जो राज राजेश्वरी रोष्ट, कलकत्ता-30 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावज्ञ अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण-रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिमांक 6-3-1985

को प्यामित सम्मित्त के उभित् बाबार बृत्य से कन के क्यानाम हातिक्षण के सिए बन्तरित को पर्द है, बीर बुक्षे यह विद्यास करने का सारण है कि यथानुवाँकत संपत्ति का उभित् वाधार बृत्य, उदको क्याम प्रतिक्रम से एचे क्यामान प्रतिक्षण का पंदा प्रतिकात से अभिक है और बंकरक (बंतरकाँ) और बंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एचे बन्तरण के सिए तब पावा भवा प्रतिकास, निम्मितिक स्पूर्ण के सिए तब पावा भवा प्रतिकास, निम्मितिक स्पूर्ण के सिए तम् एक्से

- (क) अन्तर्य चं हुइ जिल्ली नाय की वायस उनस अधि-मिन्द के व्यक्ति कर दोने के मन्तरक के दारिशन में कभी कारने ना उससे वयने में सुनिया को निए; और/ना
- (थ) एती किसी नाम ना किसी भन या बन्न अप्तित्यों को, जिन्हें भारतीय भाज-कुट अभिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उक्त अधिनियम ना भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ह्योजनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया व्या भा ना किया धाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा के सिए;

अत: नव, उक्त निर्मित्यम की धारा 269-ग के, अनुसरण हो, मी, उक्त निर्मित्यम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अभीन, निर्माणिकित क्यिक्तियों, नवित क्र-- श्री एस० भट्टाचार्य ग्रौर अन्य।

(अन्तरक)

2. श्री अजन कुमार घाप।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन की जिल्ला कार्यवाहिया सुरू करता हुं। अक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में करेड़ों भी वाक्षेप हु----

- कि विकास के रायपन में प्रकासन की तारीस है

  45 कि की जनिय में तरसंबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  जनिय नाम में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर
  स्वत्रिक्त में स्वार्थ कि लिए मुक्तित मुक्तित
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्परित में जिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शस किकिस में कि कुल कर कर

स्वव्यक्तिरण :---इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वह किया तुर्वेद का क्या राज्यात भागका है।

# अनुसुची

7 कट्टा 2 छटांक 8 वर्ग फुट जमीन का साथ 2 तल्ला मकाम 7, राज राजेश्वरी, रोड, कलकत्ता-30 में अवस्थित है। दिलल सं० आर० ए० कलकत्ता का 1985 साआई-3535

> रोंख नईमुद्दीम सक्षम प्राधिकारी सहाया अध्यक्ष आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

दिनांक 6-11-85 मोहर:

#### प्ररूप माइ.टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज, पूमा

पूना, दिनांक 22 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० 37ईई/3538/85-86--अतः मुझे अनिलकुमार नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की <mark>धारा</mark> 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह<sup>3</sup>िक स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है श्रौर जिसकी सं० माणिक मोती अपार्टमेंट, फ्लैट नं० 5 ए सर्वे नं 573 नं 1 टू, 5, ए बी सी डी फ्लैंट, नं० 12, पार्क्य नगर, धिवेक वाडी, पूमा - 9 है, तथा जो पूमा में स्थित है (ग्रीप इससे उपायक अनुसूची में ग्रीप पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण), अर्जन रेंज, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के **रश्यमान** पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास ्रानं का **कारण ह**ै कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे द्रयमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है

भौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के

धीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

उददोश्य में अक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित

मही किया गया **ह**ै:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना काए जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग **के जनसरण** वों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) ने अधीर, कितिकित क**िल्लासों, अर्थात् :---**  मैंसर्स के० गोमराज माणिक, एन्ड कंपनी 327/5, मूर्ती नगर, सोबायटी, टिम्बर मार्केट रोड, पूना-2।

(अन्तरक)

 श्री शिवानन्द तम्मया पतंगी, एन्ड अन्य , स्वामी विवेकामन्द सोसायटी , बिल्डिंग नं० 27, डबके विल्डिंग सहकार नगर, पूना-9।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जरे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मीत में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37ईई/3538/85-86 जो अगस्त, 1985 को सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अमिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 22-10-85 मोहरः प्रकाश आर्थ टी. एस. गुरु । क्सार

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २०० च (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकात

कार्यालय , भहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पुना, दिनांक 22 अस्तुबर, 1985

िर्देग मं० 37ईई/3109/85-86---अतः मुझे अतिल कुमार आण्कर अधितियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके परचात् 'उक्स अधितियम' कहा गया ही, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचिन आजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही श्रीर जिनका संग प्रणाद में प्राप्त का अनुपम अपार्टमेन्ट,

ब्लाक नं ० ए- 56, रूम नं ० 334, उरुहाम भगर, (क्षेंब्र चौ ० फूट) है, तथा जो उल्हास नगर में स्थित है (ग्रॉर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (भिनीक्षण), अर्जन रेंज, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिमांक अगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम क क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कार्ल का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का क्लूड्र प्रतिचत से विभक्ष है बौद बन्तरक (अन्तरक्ट्र) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बौच् एसे बंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्निलिश्वत उद्विष्य से उक्त वंतरण शिवित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जंगरल से हुए किसी बाय की अबस, उथस क्षिपित्यम के बभीन कर दोने के जन्मरक को सायित्य को कभी करने या उससे बचने में स्विधा के बिहुए; शॉर्/बा
- (स) एनी किसी बाग या किसी प्रम ग अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर निर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या प्रन-कर अभिनियम, या प्रन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27% अप्रीजनार्थ अन्तिरित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया तथा था का बाहिए या, जिथाने ये भीवभा के सिए;

अतः जन, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) फे अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- कुसार यू०्जिलियानी
 आराधना अपार्टमेन्ट, गोन मैदान के पास.
 जिल्हास मगर: ।

(अन्तर्क)

2. श्री जी० जे० चन्द्रनाती . बैरफ नं० 844. रूम नं० 4 सेक्शन 18, उल्हास नगर री

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

### उक्त सम्पन्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.4 दिन की अयोभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बवीभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्ड स्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्वाउ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, वो अभव विधितियम के अध्याय 20-क में परिक्रिशीष ही, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में विधा गया ही।

#### अनुस्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० मं० 37ईई/3109/85-86 जो अगस्त, 85 को सहायक आयकर आयुक्त, (तिरीक्षण), अर्जन रंज, पूना के दुफ्तर में लिखा गया है।

> अितल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक 22-10-85 मोहर

5-356 GI/85

# प्रक्ष कार्यं टी. एन. एवं. ----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ब्रांगित सुवता

#### मारत ग्रह्मार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

गर्नन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 22 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० 37ईई/3541/85-86—-ग्रतः मुझे अनिल कुमार

गायकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का छारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० कोयल्ड गाँव, किलोंस्कर किमनय फैक्टरी को जोड़ के ता० हवेली जिला पूना (क्षेत्रफल 35714 चौ० फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबंद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उसित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उसित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देशयों से उन्त अन्तरण निसित्त के वास्तिक रूप से कम्बित नहीं किया गया है हु-

- (क) शक्तरण से हुइ किसी लाय की बाबत, उक्त विधिनियुम के अभीन कर दोने के जन्तरक के शियरन में कभी करने या उससे बचने भें सविधा के लिए, वरि/या
- (ड) एसी किसी आयं या किसी धन या बन्य बास्तियों का जिम्हें भारतीय अगय-कार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) वो ध्रयोजनार्थ अन्तिरती दुवारा प्रकट नहीं किया गण भा या किया जाना भाहिए था, छिपान सं सुविधा के लिए;

कतः जब, उसल अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उस्त अभिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के सभीन, निम्निसित व्यक्तियों, जमात ह— (1) श्री वी०टी० खटसी कर (एचयूएफ) 1170/20बी, शिवाजीनगर पूना-5

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ए० डब्ल्यू धाँगरेकर निर्माण एन्टरप्राईजेस, ए-६, राजश्री शाहसोपायटी पुना सतारा रोड, पूना

(ग्रन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की लारीन हैं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी कहीं अबद्धि, जो भी कहीं अबद्धि, के भीतर पृथींक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी बन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए आ सकींगे।

हमक्यीकरण:—इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उससे अधिनियम के ज्ञान्याय 20 का में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा थी उस अध्याय में विकास का स्वाहरी।

#### अनुस्थी

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत ऋ० 37ईई/3541/85-86 जो प्रगस्त 1985 को सहायक आयकर प्रायुक्त निरीक्षण प्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर सें लिखा गया है।

(अतिल कुमार) -सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज, पूता

तारी**ख**: 22-10-85

प्रकृषं बार्षं . टी. एन. एस.-----

# बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वभीन सूचना

#### भारत बरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज पूना पूना, दिनांक 22 अक्तूबर 1985 निर्देश सं० 37ईई/16603/84-85---यनः मुझे श्रनिला एर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 306, ती ारा मंजिला रोहिणि कुंज में पुरम के विलेज, ता० वसई जिला थाना है तथा जो थाना में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय सहायक श्राय-कर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख मई 1985

को प्वींत्रत सम्परित के उनित बाजार भृष्य से कम के दश्यमान प्रितफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पर्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रितफल को, एखे दश्यमान प्रितफल को पंद्रह प्रतिकात से बिधक है जीर बन्तरक (बन्तरकों) बीर बंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बावत, उक्त जिथ-जिथिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; जॉर/या
- थ) एसी किसी मार्य या किसी धन या अन्य ब्राह्मियों को, जिन्हों भारतीय बायकार ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंदरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उनत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्लीक्तयों, अथित हे— (1) श्री रखुनाथ बिल्डर्स पाकेट कुंज रेल्वें स्टेशन के सामने घईसार (डब्ल्यू) बस्बई

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० एन० जयप्रकाश केग्रर ग्राफ प्रेसकास्ट इंजीनियरिंग प्रा० ! लि० श्रशोक नगर काँदविली (ई) बम्बई

(म्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### **बक्त बन्दरित के अर्थन के बन्धरूप में फोर्ड भी आक्रोप**ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्छ व्यक्तियों में से किसी म्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए जा सकते।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रमुक्त सन्तां और पदीं का, जो उच्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा जो उस अध्याय कें दिया गया है।

# अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37ईई/16603/84-85 जो मई 85 को सहायक भाय हर ब्रायुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर सें लिखा गया है।

स्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅंज, पूना

तारीखा: 22-10-85

# प्रकार वाही, दी ्र हुन । एक 🚉 नवनवनप्रनाधन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 21 श्रक्तूबर, 1985 निर्देश सं० 37ईई/3277/85-86—यतः मुझे श्रनिल

कुमार

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इवने इक्षके श्वास्त (उन्हें कि स्थान प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण कारण है कि स्थानर तम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 814—बी, एफ० जी० नं० 152—बी, टी० पी० स्कीम नं० 1, शिवाजीनगर पूना है तथा जो पूना में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर भायुक्त निरीक्षण, भर्जन रेंज में, रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्वयमान प्रतिपास के लिए बम्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मूल्य, वसके अथमान प्रतिकत्त्व से एवं अथमान प्रतिकत्त का मृत्य प्रतिवाद से अधिक है बार संतर्फ (संतरकों) बीर संतरिती (संतरितिकों) से बीच एोड बन्दरम् से लिए तम पावा गया प्रतिक कर्म तिकाबित सहारित सं क्या संतरम् चित्रित से पाक्तिक क्य ते कथित नहीं किया भवा है ह—

- हैंच्ये क्षण्यरण संसुद्ध किसी शाय की बायध कवस अधि-नियंत्र के संधीन कर दोने के संसरक के दायित्य में कामी कारने या उससे वचने ने सुविधा के लिए कीद√या
- (क) क्वी विश्वति भाव का विश्वती क्व का कव्य कारित्यां को, विन्द्वं वाच्छीय कावकर विभिन्नवन, 1922 (1922 का 11) वा क्वर्य वृश्वित्वक, रा धन-कर विचित्वक, 1967 (1957 का 27) के व्योक्तार्थ क्विचित्रक विश्वति क्वाच्य प्रकट नहीं किया प्रा वा वा किया कावा काहिए था, कियाने के वृत्विधा के विद्या;

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) सूमा इंजीनियरिंग प्रा० लि० वैध्या 93/2ए, एरंडवणा,पूना-4

(भ्रन्तरक)

(2) डेक्कन मेकानिकल एन्ड केमिकल इन्डस्ट्रीज प्रा लि० 78, कीतरा इन्डस्ट्रियल स्टेंट पूना-26 (श्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करकें पूर्वोक्स संपरित के अर्थन के लिए कार्यशाहिया शुरू करता हुं।

#### उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति दनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिहसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभित्रियम के अध्याद 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्च होगा के; उस अध्याद में दिया नवा हैं।

#### अन्त् ची

जैसा कि रजिस्ट्रीक्टत कः 37ईई/3277/85-86 जो अगस्त 85 सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ऋतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (तिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 21-10-85

प्रकृष्ण कार्या । प्रकृष्ण कार्या विकास कार्या । प्रकृष्ण विकास कार्या । विकास क

# मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सङ्गावक बायकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना पूना, विनाक 21 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० 37ईई/12050/84-85—यतः मुझे स्रनिल कमार

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 259-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या पर्लंड नं ० 1, गणेश कुपा, सर्वे नं ० 12 8, ग्रींध, पूना (955 ची ० फुट) है तथा जो पूना से स्थिन है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजर्म्द्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज सं, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रिपेंच 1985

को पूर्वेक्द सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रिकास से, एसे द्रायमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक और अंतरिक (अंतरिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उच्चेक्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से किथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियत के जधीन कर दोने के अन्तरक के कप्पिल्थ में कभी करने या उसते बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) एति किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, अक्त अभिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीम निम्नित्तिक व्यक्तिस्तों, अर्थात् :--

- (1) मैंसर्स श्री गणेश कन्सट्रक्शन
  11/4, मोतो बिहार,
  एन० एस० बी० रोड, मुलन्द (डब्ल्यू)
  बम्बई (अन्तरक)
- (2) श्री श्रजोत एस० सावन्त ग्राँर श्रन्य मातृधारा बिल्डिंग, महात्मा फूले रोड, मुलन्द (डब्ल्यू) बम्बई

(मन्तरिती)

की ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्थन के संअंभ में महोद्दी भी आक्षोप :---

- (क) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि वा तत्त्रंचंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्ष्यित्रतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

त्पच्दीकरणः --- ६समें प्रमृक्त शब्दों और पदों का, जो उच्चत अधिनियम, के अध्याय 20-क में गेरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स् ची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत क०-37ईई/12050/84-85 जो अप्रैल 85 को सहायक स्रायक्तर भ्रायुक्त निरीक्षण स्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 21-10-85

# प्ररूप बार्च. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

#### भारत बरकार

कार्यालयः, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनौंक 21 श्रक्तूबर 1985 निर्देश सं० 37ईई/2885/85-86--यतः मुझे श्रनिल कुमार

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वशात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00000/- रुपये से अधिक है

भौर जिसकी संख्या कृष्णानगर को भ्रापरेटिय हाऊसिंग सोसायटी नं 1 एटन्डवणा पूना-4 (क्षेत्रफल 780 चौ पुट) है तथा जो पूना में स्थित है (भौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्राधिकारी के कार्यालय सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण भ्रर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितकस, निम्नसिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप में अधित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किती जाव की वावत उक्त जिल-अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बाबित्व में कमी करने या उससे वचने में सृष्टिया के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण में, में, उवत अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के बनीन, निक्निचिति व्यक्तिसमें, अर्थात एक (1) श्रमिजीत बिल्डर्स122/7-8 प्रभात रोड,गुरुङ्गा पूना

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लक्षमण एस० जोशी कृष्णानगर कोश्रापरेटिव हाऊसिंग सोसायटी सर्वे नं० 1, एटन्डवणा पूना- 4

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का., जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### अमस्य

जैमा कि रिजस्ट्रीकृत क० 37ईई/2885/85-86 जो सितम्बर 1985 को सहायक ग्रायकर प्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है। -

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुना

तारीब: 20-10-85

# प्रकल काहाँ, ठी. एवं. एवं. -----

# जायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन स्वना

#### भारत सरकार

गार्थालय, भ**हायक आसकर नाब्**क (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, हिराकि 7 नव्यस्वार 1985

निर्देश मं० 37ईई $_{||}$  14512/84-85--यतः मृ**से श्रनिल** क्मार

बायकर शिधिनियम, 1961 ्1961 का 43) (जिसे इसमें धनके परणात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्व 1,00,000/- का से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं०, 310, गीता अपार्टमेन्ट फ्लैंट नं० 5 श्रीर 6 सर्वे नं० 44 (पार्ट) मनोरम नगर, बसई रोड, थाना (क्षेत्रफल 760 ची० फुट) है नथा जो थाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्भूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय महायक श्रीयकर श्रायुक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वो क्त सम्मित्त को उचित वाजार मूम्य सं कम को ध्वयमान प्रतिकाल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विकास फरने का जारण है कि अधाप्तींकत सम्मित्त का उचित बाबार मून्य, उसके द्वयमान प्रतिकाल से, ऐसे ध्व्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रोत्तरात से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा मया प्रतिकास, निम्निलिखित उद्योच्य से उस्त बन्तरण विचित्त को वास्तिका स्प मे किथत नहीं किया गया है:—

- (क) वन्तरण से हुइ किसी बाव की बावत अवत विश्वित्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वादित्य में कबी करने या उत्तरे वचने में सुविधा के शिए: बार/था
- (४) ऐसी किसी नाम या किसी धन ना अन्य नास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1.922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ध्वारा प्रकट नहीं किया ग्वा था वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने के सुविधा के लिए;

सतः जब, उक्त जीधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) थे अभीन जिल्लीकित व्यक्तियों, स्थात् हरूर (1) रामा कन्स्ट्रक्शन कंपनी, प्लाट नं. 29-30 आनंद नगर, नवछर रोड, वसर्च (वेस्ट), जि. थाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री के. एन. सरनगन, 401 आर्ड. ओ. बी. अपार्टमोट, 14वां रोड, कंडारा (वेस्ट), वस्बर्ड।

(अन्सरिती)

को सब् सुचना चारी करिके पूर्वोकन सम्बासि के अलग के लिए कार्यवाहियां करिता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाओप --

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ ये में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सृजना के राजण्य में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य क्यंक्ति द्वारा श्वांहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वोगे।

स्वच्छीक एक: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस विभास में विवा गया है।

# अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क०-37ईई/14152/84-85 जो मार्च 85 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में जिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

तारी**ख**ः 7-11-1985

प्रकप नाइं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

#### नारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, पूना पूना,दिनौंक 7 नवम्बर 1985 निद्रेश सं० 37ईई/13426/85-86--यनः मुझे श्रनिल कुमार

अग्रकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिस् उसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा थया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या पलाट नं० 303, फ्लाट नं० 17, सेक्टर 17, की० बी० सी० वासी, नई बम्बई लिबर्टी काम्पलेक्प" है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्य सम्परित से उचित बाबार मृत्य से काम के इस्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द है आर मुक्ते यह विस्थास

करने का कारण है कि यथाय्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके कवमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और वंतरक (बंतरको) और वंतरिती (धन्तरितियों) के नीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उस्देश्य से उत्तर अन्तरण किस्ति। मा बास्तिक रून ते कथित गहीं किया गया है

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-निवस के अभीन कर बीने के अस्तरक के दाधिस्य में कमी करने या उससे अभने में गुन्निभा के निर्णा करें/बा
- (क) वृंती किसी जाब या किशी धन या जन्य आस्तियों की, किन्हें भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम या धन कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती धुनारा प्रकट नहीं किया गया का या किया थाना प्राहिए था, किया में स्विधर के विकास

अत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-म के अन्भरण कें. मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तितयों, अर्थात्:--

(1) लिबर्टी इन्वेस्टमेन्टम प्रा० लि० 302, दालमाल हाउम 206, भरिमन पाईंट वस्वर्ध

(अन्तरक)

 (2) गोपाल पी० पारमार एन्ड म्रन्थ चोल नं० 19/57, रूभ नं० 9, सबेस्टा 21, नई बम्बई

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थला जारी करके प्रांक्त सम्परित की नर्जन को लिए कार्यवाही करता हों।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पन सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्ट अधिकत्त्यों में ये किसी व्यक्तित हुनारा;
- (क) इस भूषना के राज्यप में प्रकासन की धारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हित-वस्थ किसे अप्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के गास तिसित में किए का सकेंगे।

स्थय्दीकारणः---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त वीक्षित्यमं के वश्याय 20 का हो परिभाषिए हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय हो विका स्या हैं।

#### अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ- 37ईई/13426/855-86 जो मार्च 85 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार जझम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, पूना

तारीखः 7 -11--85

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

इ.ए.क.र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत बदकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना,दिनौंक 7ंनवम्बर, 1985 निर्देश सं० 37ईई/13422/84-85- यतः मुझे प्रनिल कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें 269-च के अधीर सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित आजार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 306, प्लाट नं. 17, सेक्टर 17 छी वी सी वसई नई बम्बई ''लिबटों काम्पलेक्स'' है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में घौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सहायक प्रायकर प्रायुक्त निरीक्षण, प्रार्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रवीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वेक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है अरेंग् मुक्ते यह विक्ताम करने का कारण है कि सभापूर्वेक्त सम्मत्ति का उचित आजार मृत्य उसके क्षयमान प्रतिफल से, ऐसे क्षयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिकृत फल निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्तित में बास्तविक क्षय से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिन्नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के बायित्य जो कभी करने या उत्तसे जलने में सुविधा के लिए; जीर/या
  - (व) ऐसी किसी नाय या किसी भग वा कन्य जास्तिओं को, जिन्हों भारतीय अवकर जीभीनसम, 1922 (1922 को 11) या उक्त जीभीनसम, या धनकर जीभीनसम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, जियाने में मृतिका से मिक्:

अत: त्रव, उक्त जीधनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, धक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखिता व्यक्तियों, अर्थात् :——
6—356GI/85

(1) लिबर्टी इन्वेस्टमेन्टस प्रा० लि० 302 दालमाल हाऊस, 206, नरिमन पाईंट, बम्बई

(ग्रन्तरक)

(2) श्री इगनाटूस म्यानुल फर्नाडीस डोनाल्ड, हाउस, पहला मंजला, जि०ए० श्रल्लाना मार्ग, इलैक्ट्रिक मार्ग के सामने, बम्बई

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिध् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

### उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी नाक्षेत्र हू---

- (क) इस त्यना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 बिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्योक्तयों पर स्थाना.की तामील से 30 बिन की अनिध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थीक्तयों में से किसी स्थीक्त द्वारा;
- (च) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किती मन्त्र व्यक्ति द्वारा मंगोहस्ताकारी के पाक सिचित में किए वा सकोंगे।

### धनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क-37ईई/13422/84-85 जो मार्च 84 की सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भक्ष्युक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, यूना

तारीख: 7-11-85

## प्रकप आइ<sup>1</sup>.टी.एन.एस.----

आयथ्कर अधिनिजम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना पूना,दिनौंक 7 नवम्बर 1985 निर्देश सं∘ 37ईई/14335/84-85----यतः मुझे, ग्रनिल कुमार

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सक्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्व 1,00,000/- रा. में अधिक है

म्नोर जिसकी संख्या सर्वे नं० 47, हिस्सानं० 3 (पी) ब्रह्मपुर गाँव, ता० वमई जिला थाना है तथा जो याना में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता स्रिधकारी के कार्यालय सहायक स्रायकर स्रायुक्त निरीक्षण सर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है

आर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) - के औष एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नसिखिक इक्षेत्र्य से उक्त बन्तरण सिखित में नास्तनिक रूप से कथित । हीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुर्द फिसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा केलिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित कि विकासों, अर्थात् :— (1) श्रीमती सुशीलाबाई के अख्ट्टेरश्रीरश्रन्य 711 लिकिंग रोड खाट, बम्बई

(ब्रन्तरङ्)

(2) श्रीकृष्णा कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ग्रजीत क्लास वर्कस के सामने, एस० बी० रोड, जोगेन्दरी (डब्ल्यू) बम्बई

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पृथोंकत सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विक की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीका स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत क-37ईई/14335/84-85 जो मार्च 85 को सहायक फ्रायकर फ्रायुक्त निरीक्षण, ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, पूना

तारीख: 7-11-85

प्रकृष्य **कार्य . टी**् **एन**् **प्रकृ**्व्यान्य

नायकर नीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्वना

#### भारत सहस्राह

# कार्यालय, सहायक भागकर नामुक्त (निर्द्रीक्राण)

ंग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाँकः 7 नवम्बर, 1985 निर्देश सं० 37ईई/14334/84-85--यतः मुझे प्रनिल

कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की भाषा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण, हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाचार मूख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या सर्वे नं० 47 हिस्सा नं० 2, घर नं० 1 श्रहम्पुर गाँव, ता० वनई जिला थाना है तथा जो थाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायक भायकर श्रायुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1985

कां पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मुक्स से का को स्थानान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वास्य से उक्त अन्तरण निधित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नंतरण से हुई किसी नाग की गावंत उक्त निध-निवम के ज्योन कर दोने के बन्तरक के खेबित्स ने कमी करने या उससे बचने में सुन्धिया के निष् कीर/वा
- (स) ऐसी किसी आप या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम,, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अव्योद्धवार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, जियाने से स्थिभा को लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती सुशीलाबाई के० खट्टेंर श्रीर अन्य 711 लिंकिंग रोड, खार बम्बई

(प्रन्तरक)

(2) मैसर्स श्रीकृष्णा कन्सट्रक्शन कम्पनी, श्रजीत काम वर्कस के सामने, एस० वी० रोड, जोगेश्वरी (डब्ल्यू) बम्बई

(प्रन्तरिती)

को कह स्थान बारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिप् कार्यशिक्षण सुरू करता हूं।

उक्क सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी वाक्षेप :----

- (क) इत ब्रुवा के राजपण में प्रकाशन की तारील व 45 दिन की सवीध या तरकम्बन्धी व्यक्तियों दव तृष्या की ताथील से 30 दिन की वर्वीध, का भी व्यक्ति वाद में बनाय्त होती हो, के शीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (व) इस पूजना के राजपत्र के प्रकाशन की तगरीय . ह .45 विव के बीतर उक्त स्थायर सम्पर्शित के विववव्य किसी जन्म स्थापत वृत्ता सभीत्रताक्षरी के वास सिखित में किए जा सकेंगे।

ल्लाक्क क्षिप्त क्षेत्र क्षेत्र का का को उनक्ष बिभिनियन, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बढ़ी कर्य होगा जो उस बध्याय में विस्रो

# वन् सूची

जैसा रजिस्ट्रीकृत ऋ-37ईई/14334/84-85 जो मार्च 85 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण धर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> धनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीखाः 7-11-85

# प्रकार बाहें ही . एन . एवं . ------

# आयाग्रर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) में अभीन सुचना

## बारत बड्डा

# कार्यासय, तहायक नायकार नावृक्त (निर्देशक)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देग सं० 37ईई 14336 84 ·85 --- श्रतः मुझे, श्रनिल कुमार

कायकार लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त लिभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से लिभिक हैं

और जिसकी संख्या सर्वे नं० 47, हिस्सा नं० 3 (पी) ब्रह्मपुर, ता० वसई जिला थाना है तथा जो थाना में स्थित है (और इसमें उपाबंद्ध प्रतुस्त्वी में और पूर्ण रूप से व्यागत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिन्नारी के कार्यावय सहायक प्रायकर प्रायुक्त निरीक्षण प्रजन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रवसमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिचित उद्दुबंदय से उक्त अन्तरण सिचित के नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियब से बभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उत्तत्ते वभूने में सुविधा के तिए; और/वा
- (क्ष) एसी किसी नाय या किसी भन ना नन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर निविन्यक, 1922 (1922 को 11) या उन्ता निभिन्यम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती वृताय क्रकट नहीं किना नया था या जिल्ला जाना नाहिए था, छिणाने वे स्विधा के निए;

कतः अथ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण का, से, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अर्थान, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीम री सुगी ताबाई के० खट्टेर और श्रन्य 711 निहिंग रोख खार बम्बई

(भ्रन्तरङ)

(2) श्री उष्मा कन्तद्रमा कम्पनी
2 रोगनी, भ्रजीत गलाम घनर्न,
एन० त्री० रोड, जोगेण्यरी बस्बई

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पुवाँक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सपित्ति को नर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भी 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बक्भ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्वाकरण ----इसमें प्रयानत शब्दों श्रीर पर्वों का, आं उत्तर प्रिकित्यम के अध्याय 20 क या परिभाषित ही, बही बर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया स्था ही।

#### भ्रनसूची

जैशा कि पिभ्न्दिकृत कि० 37ईई/14336/84-85 जो मार्च 85 को सहायक प्रायक्तर प्रायुक्त निरीक्षण प्रर्जन रेंच पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्चनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, पूना

तारीख: 7-11-85

मोष्ठर:

# मुक्य बार्च हो .एद .एव . नामम् नामाना

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेज, पूना
पूना, दिनांक 7 नवम्बर 1985
निर्देश सं० 37ईई/14334ए/84-85----अतः मुझे, श्रनिल

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या सर्वे नं० 47, हिस्सा नं० 3 (पी) बहुमपुर गांध, ता० वसई जिला थाना है तथा जो थाना में स्थित है (और इन्ने उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के ार्यालय सहाय ह आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वर्ण 16) के अधीत, तारीख मार्च 1985

ां पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्क सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिश्वित उद्ववस्य से उक्त अंतरण लिश्वित में वास्त्रीबक कर से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरच से हुई किथी भाव की वावत, उपस वीचित्रक के बचीय कर दोने के अच्चरक के दादित्य में कजी करने ना उससे वचने में सुविधा के लिए; मीर/मा
- (क्ष) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तिकों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का किया जाना जाहिए जा, जिणाने में सृष्टिभा के लिए;

जत: अब, उक्त अभिनियस की भारा 269-ग के अनुसरण मां, मों., उक्त अधिनियस की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्तिविधित व्यक्तियों, अर्थीत्:--- (1) श्री के० एत० खट्टर ओर झन्य 711, लिंकिंग रोड, खार बम्बई ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्री:ष्णा अन्स्ट्रकशन अम्पनी
2 रोशनी, श्रजीत गलास वर्ष्स के सामने
एस० वी० रोड जोगेश्वरी (डब्स्यू)
बम्बर्ड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना ज़ारी करके पूर्वोक्त सम्बत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस स्थान को राजपत्र मों प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद मों समान्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर स्थानता में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उन्ते स्थावर संपत्ति में द्वित्रवृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

#### अनुसूधी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ-37ईई/14334ए/84-85 जो मार्च 85 को सहााय श्रायकर श्रायुक्त निरोक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में निखा गया है।

भ्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, पूना

तारीख: 7−11−85

भक्ष बार्ड. टी. एन . एस. - - - ----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कर्मालय, सहायक जायकर वामृक्त (किरीकाण) अर्जन रेंज, पूना

पूना,विनांक 8 नवम्बर, 1985 निदेश सं० 37-**११**/13354/84-85---अतः मुझे, अनिल

<sub>न</sub>ुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें ध्सके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कि. धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 21, 22 श्रीर 23 वर्धमान मार्केट प्लाट नं० 75 सेक्टर नं० 17, बसई नई बम्बई-4000703 है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिल्ट्री क्तां अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, रजिल्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च

को प्वें बिर संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूकें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाय की शबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य अ कभी करने या उसके बचने हैं हुनिया के सिए
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, किया में सुविधा के जिन्ह;

अत: जब, उक्त किमिनियम की भारा 269-ए के अनुसरक मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-क की उपधारा (1) के नधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, प्रशांत है—— 1. मेसर्स वर्धमान कन्स्ट्रम्शन 40-41 विशाल शापिंग सेन्टर, सर एम० बी० रोड श्रंधेरी (ई) बम्बई-69।

(अन्तरक)

2. श्री विशाल कल्लप्पा शेट्टी ग्रीर अन्य प्लाट न० 5, दूसरी मंजिल, लेक साईट कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० पोवई, बम्बई-3।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुए।

# ब बत प्रव्यक्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वास्रेय है-

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धों व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीकर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास निकास में किए वा सकींगे।

स्पद्धीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिमिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या नया है।

#### प्रनुसुची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत कि॰ 37-ईई/13354/84-85 जो मार्च 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अतिन कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज पूना

तारी**ख: 8**-11-1985

शास्त्रथ आह्रां.टी.एग.एस.

नायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43 की धारा 269 च (1) के अधीन स्वतं

#### भारत तरकार

कार्यालय, महायक आयंकर बाब्बन (निरीक्षण)

अर्जम रेंज. पूना

पूना, दिनांक 8 मवम्बर, 1985

निदेश सं० 37-**६६**/13902/84-85—अतः मुझे, अनिल कुमार

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अभिक है

1,00,000/- रह. सं अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं ० प्लाट नं ० 18 एण्ड 19 सर्वे नं ० 8ए०, भवघर
वसई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण
रूप से घाँणत है) रिजिस्ट्री हक्तां अधिकारी के कार्यालय सहायक
आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, रिजिस्ट्री करण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985
को प्रॉक्ति सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कन के दृश्यमान
श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई और मृत्रों वह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार
मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान श्रीतफल का
पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और
अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के श्रीय एसे अन्तरण के जिए तब
पामा गया प्रतिफल, निम्नसिक्ति उद्योग्य से उक्त अन्तरण
सिक्ति में बास्तिक रूप से किथात नहीं कवा गवा है र—

- (क) लन्तरण के हुई किसी साथ की वायता, उक्त जिल्लाम के अधीन कर दोने के जन्मक के दावित्य में कमी कारने वा उसने वचने में सुविधा के निए; बॉर/वा
- (च) एंसी किसी बाय वा किसी धन वा बन्स ब्रास्तिबाँ को जिन्हों भारतीय आयक-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा भा या किया बाना चाहिए था, कियाय में स्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-व के व्यक्तरण में., में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, जर्थात् ु—

- 1. मेसर्स आसरा बिल्डर्स बी-119, खैरनगर, एस० वी० रोड, लांनाभूज (डब्ल्यू०) बम्बई-54। (अन्नरक)
- 2. श्री रामाणंकर णिवराज यादव माना चौक तारवर, रमेण भवन, रूम नं० 2 ग्रांट रोड, बम्बई-7। (अन्तरिति)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी काश्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वोक्त क्यिक्तियों में से किसी क्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्साअरी के पास लिकित में किए जा मर्केंगे।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा नवा हैं।

#### मन्स्ची

जैसा की रिजिस्ट्रीकृत ऋ० 37 ईई/13902/84-85 जो मार्च 1985 को महायक आयक्तर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दक्तर में लिखा गया है।

> अमिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) भूजैन रोंज, पूना

सारीख: 8-11-85

प्ररूप बाहाँ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज, पुना

पूना, दिमांक 24 अन्तूबर 1985

निर्देश सं० 37-जी/8/84-85—-अर्: मुझे, अनिल कुमार

भायकर सिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं से सी० टी० एस० नं ० 5812/ए-4, घर नं ० 38 अहमदनगर में है तथा जो अहमदनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रिजस्ट्रार अहमदनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख अर्जल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बाधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मनिश्चित उद्देश्य से उसत अंतरण लिखित में शास्तिक रूप से किश्त नहीं निया गया है:—

- (क) अतंतरण ते हुन्दं किसी जाम की बाबत, उक्त अभि-मियन के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उसते समने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन वा जन्म आस्तियों को जिन्हीं भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया प्राना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अंतः अच, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, कों, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निक्तिविद्या व्यक्तियों, अर्थात् :----  श्रीमती चंद्रमभागबाई एस० सांगके कुम्भार गली, अहमदनगर जि०-अहमदनगर।

(अन्तरक)

 श्री पोधटलाल एम० भंडारी मुगसगांव, ता० श्रीगोंव जि०-अहमदमगर।

(अन्तरक)

को बह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी जन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नगुसूची

जैसा की रजिस्ट्रकृत क० 37-जी/8/85-86 जो अप्रैस, 1985 को सब रजिस्ट्रार घ्रहमदनगर के दफतर में लिखा गया है।

अतिन कुमार सक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 24-10-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जं म रेंज, पूमा पूना, दिमांक 8 अन्तूबर, 1985

मिर्देश सं० 37-जी/108/85-86-—अतः मुझें अमिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 692/1-13, प्लॉट नं० 13 (क्षेंच-फल 5082 भौ० फुट) है तथा जो नासिक में स्थित है भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीप, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के जरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि मधा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से इक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (कं) अन्तरण से हुं इं किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) इसी किसी बाब या किसी भन या बन्य बास्तियाँ को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
7 —356 GI/85

 श्री वासुदेव विश्वनाथ सराफ चेंरमैन राजकुमार को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० पंपिंग स्टेंशन, नासिक।

(अन्तरक)

 श्री दौलत पांड्रंग कार्वेड ग्रौर अन्य राका कालोनी, नामिक जि०- मासिक।

(अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गया है।

#### प्रमस्यों

जैसा की रजिस्ट्रीकृत क॰ 37-जी/108/85-86 जो जुलाई 1985 को सब रजिस्ट्रार नासिक के आफिस में रजिस्ट्रीकृत किया गया है।

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, पूना

तारीख: 8-10-1985

प्रकृषः नार्षः टी, पुनः पृदः - - - + -

बायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के बभीब स्थना

#### बारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज- , पूना पूना, दिनौंक 14 श्रम्तूबर, 1985

निर्देश स० 37-जी/1066/84-85---ग्रतः मुझे ग्रनिल

कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० वालिह्न सें स्थित मालमत्ता जा० बेसिन जि—थाना सर्वे नं० 89, घर नं० 2 सें है, तथा जो बेसिन में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध प्रनुसूची सें ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार वसई सें, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नीनिचल उद्वदेय से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक क्य भे कथित नहीं किया क्या है क्रम

- हुँक) अल्लाह्म चंहू इं जिल्ली बाय की बालका ; क्लाइं अभिनियम के अभीन कर दोने के बलादक के बाजित्य में कभी करने या एससे अवने में सुविधा के सिए: ऑस्ट्रेश
- (अ) एसी किसी आज या किसी धन या बन्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय ज्ञाय-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, वा धन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में श्रिका की किया

बतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की बनुसरण को, भी, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीर ध--- 1. श्री एरक हारमस जी मार्कर ग्रीर घन्य मैं सर्वे घटलस इन्डस्ट्रीज के भागीदार 29 वडाला उद्योग भवन बडाला, बम्बई

(भन्तरक)

 श्री नरिमन जेहाँगीरजी पालिया ग्रौर ग्रन्य 82, मालकौम, जोगेश्वरी, बम्बई।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के जर्बन के जिए कार्यवाहियां करता हुएँ।

वनत बंधरीत के वर्षन् ने बंबंध में कोई भी बार्क्य :---

- (क) इस स्वान को राजपण जो प्रकाशन की तारीण वें 45 दिन की बनिध या तत्त्रज्ञन्थी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की बनिध, वो भी बनिध बाद में समाच्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (व) इस स्थान क राज्यम में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के शीवर संस्त स्थानर बन्गरित में दितवर्थ किसी बन्द कवित क्षाय, वंशीहरताकरी के शक विविध में किए वा सकेंगे।

स्वक्षीकरण हम्माँ प्रयुक्त सम्बाँ और पर्यों का, जो उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिवा गना हो।

# अनुसूची

जैसा की रिजिस्ट्रीझत कि 37-जी/1066/84-85 जो भार्च 1985 को सब रिजिस्ट्रार वसई के आफिस सें वासल किया गया है।

> समिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग, पूना

तारीख: 14-10-1985

मोडरः

प्रकृष बाह्य हो व एक्त एवं स्टब्स्टन

भावकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यानय, बहायक भायकरु बायुक्त (निरीक्षण)

श्रजेंन रेंज, पूना पूना, विनोक 25 श्रक्तूबर, 1985 निर्देश सं∘ 37-जो/185/85-86---श्रतः मुझे श्रनिल

ानदश स॰ 37-जा/185/85-86→--प्रतः मुझ म्रानल कृमार गयकर विभिनियमः 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें

नायकर न्धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्वित वाचार मूक्य 1,00,000/- क से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० सी० एस० 3707, एम० नं० 3998 भहमद नगर है तथा जो श्रहमदनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद भनुसूची सें भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ∦रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार श्रहमदनगर में रजिस्ट्रीकरण भिवित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख भन्नेल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफन के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, उनत विधित्त्व के स्थीन क्षप्त के बन्तरक के वाहित्य में कनी कड़ने ना बन्दों क्षण में बृतिभा के लिए; बॉट/बा
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर वृधिनियम, या धनकर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोधनार्थ बन्तरिती वृद्यारा प्रकट नहीं किया नवा या वा किया जाना आहिये था, जियाने में वृतिया विकास

भूत । जब, उनत नीशींत्रयम की भारा 269-ग के ननुस्ररण में, में, उनत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्मतिनियम महिन्तनों, जनांत् ध---  श्री सतीण सी० बडवे 12 हरेक्कण श्रपार्टमटस् णिवाजीनगर पुना-16

(ग्रन्तरक)

2. श्री रसीकलाल डी० श्रोरा श्रन्य श्रन्य वसंत निवास गुमरेगल्ली, श्रहमदानगर।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

रक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप β-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी जनभि नाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीच सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकाँगे।

## अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत ऋ० सं० 37-जी/1985/86 जो भ्राफिस 1985 को सब रजिस्ट्रार ग्रहमदनगर के वपतर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्र**र्जन** रेंज,

सारी**व**: 25-10-1985

मोहर 🛚

# प्रकृप आर्थे ही क्र प्रकृतनामा

नायकर जिंधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स ((1) के अधीन सूचना

#### शारत सरकार

# कार्यातय, सहायक नायकर नायका (निर्दाक्तन) प्रजेत रेंज, पूता

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसमें इसमें परेशात् 'उक्त अधिनियम' कहा थया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह शिल्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० सर्वे नं. 635, हिस्सा नं० 1 बी-ए, बिह्मवेवाषी गाँव ता. हवेली जिं० पूना है तथा जो पूना सें स्थित है (ग्रौर इससे उपायब अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार ग्रायकर ग्रायुकत निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून 1985

को पूर्वेक्त संपत्त के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्तक् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफस निम्नसिवित उद्वेक्य से उक्त अंतरण मिचित में बाला-विक रूप से कथिस नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तराज से हुई किसी जान की नायन, क्या वर्षित्रात्रम के वधीय कर योगे के जन्मयक की व्यक्तिय में कमी करने ना अवसे वजने में अनुविधा से सिहा; ब्रॉट/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भव वा अन्य आक्रियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया वया था वा किया जाना आहिए था, कियावे में जुनिभा के निय;

क्तः वय, उक्त विभिनयम् की भारा 269-य भौ अनुबरण वो, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) वे अभीतः, निकातिक्वित व्यक्तितां, अर्थात् क्रिका 1 डी॰जी॰ पत्रेचा प्लाट सं० 9 के॰ ,29 आदोनाथ सोसायटी पूना-9।

(भ्रन्तरक)

2. भेसर्स कर्नावट बिरुडर्स 562/1 शिवाजी नगर पूर्ना

(भन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के शिल् कार्यवाहियां सूक्ष करता हूं।

उनत तन्त्रति के नर्जन के संबंध में कोड़ भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ण) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्किरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-निवस के अध्याव 20-क में परिभाष्ति हैं, कही जर्भ होना, जो उस अध्याव में दिया गया हैं।

## घनुसूची

जैसा की रिजिस्ट्रीक्षत ऋ० सं० 37-जी/60/85-86/ जो जून 1985 को सब रिजिस्ट्रार हवेली,पूना के दक्तर में लिखा गया है।

श्रानल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 29-10-1985

# म्**क्**ं बार्च <sub>य</sub> टी<sub>उ</sub> सुब<sub>य</sub> स्व <sub>य</sub> =====

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सूचना

#### भारत तरकार

# कार्यात्रव, बहायक बावकर बावकर (विद्राविक)

श्रर्जन रेंज, पूना पूना, विनाँक 8 श्रक्त्वर, 1985 निर्देश सं० 37-ईई/3167/85-86—श्रतः मुझें श्रनिल कुमार

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इत्तर्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा ∠69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ० प्लाट नं श्री-8, तया श्रप्सरा श्रपार्टमेंटस को-श्रापरेंटिय हार्डीसग सोसायटी लि० श्राखरी प्लाट नं ० 24 सब प्लाट बी० बन्ड गार्डन रोड़ पूना (क्षेत्रफ ल 956 चौ० फुट) है तथा जो पूना सें स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण श्रजन रेंज सें रिजस्ट्रीकरण श्रिध नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1985

को पूर्वितत सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के ध्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि वभापूर्वेक्त हीप्रित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तर्य के लिए तब बाग पना प्रतिक्रम, विम्निजिया स्वृद्धिक से उच्छ बन्तर्य मिनित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) वंशरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त जीभीनयम के जभीन कर दोने के जस्तरक के बायित्व में कभी केहने वा उत्तसे क्याने में बुविधा के सिए; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिमिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ जन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था जियाने में सुनिधा के लिए;

सता सव, उन्त व्यक्तियम की धारा 269-म से जन्तरण में, मं, उन्त स्थिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) अस्ले डिसोइना नं०। नया अप्रारा अपार्टमेंटस बन्ड रोड (भ्रन्तरक)
- (2) सुसन उषा जोसेफ श्रौर अन्य गोकृल महल, ढ़ोबे पाटील रोड पुना

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां कुरू करता हूं।

उक्त बंपरित के बर्जन के संबंध में कोई भी माश्रीय :----

- (क) इब सूचना के हाबपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्में बंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतन प्रविक्त क्यां करा में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उच्ना स्थावर गंपिता में हित्बक्ष किसी कन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्वक्तीकरण:--इसमा प्रयुक्त काव्यों और पदीं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अभ रोगा, की दास अध्याय में दिया नमा है।

#### अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत कि सं० 37-ईईिं3167/85-86 जो अगस्त 1985 को सहायक द्यायकर द्यायुक्त निरीक्षण स्रर्जन रेंज पूना के दफ्पर से लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 8-10-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यां जय , सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 श्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० 37-ईई/11443/84-85--- मतः मुने मनिल

काधकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 681/2, ए1 बिश्ववेवाडी पूना 37 क्षेत्रफल 50572 चौ० फूट है तथा जो में पूना स्थित हैं एभौर इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरोक्षण अर्जन रोंज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार मूल्य से क्रम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूख यह विश्वास करने का तरण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार बूल्य, उसके बह्यमान प्रतिफल से, एसे बह्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितयों) से बीज एसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्नितिकृत उच्चेक्य से उक्त अन्तरण किवित में नत्स्वविक रूप से क्रीयत नहीं किवा गया है हि—

- (क)) अन्तरम संहुद फिली जान की, नानत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाजित्व में कमी करने ना उससे वचने में सूजिधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर्म-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा केसिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अर्थे, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अर्धे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् थू-— 1. श्रीमतो साराबाई नंबराम निबेष भौर मन्म 431 कस्वा पेठ पूना।

(मन्तरक)

2. मेंसर्स यूनिटी बिडर्स्स 408/6, गुलटेकडी शास्त्री चंम्बर्सस पुना।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिक् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सन्पर्दित के वर्षन के शंबंध में कोई भी वासोप :---

- (क) इस सूचना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीश हैं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किवित में किय वा सकरी।

स्पक्कीकरण: इसमें प्रयुक्त सन्दौ और पवाँका, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा है:

## नन्स्यो

जैता को रजिस्ट्रीकृत क० सं० 37-ईई/11443/84-85 जो अप्रैल 1985 को सहायक भायकर भायक्त निरीक्षण भर्जन रोज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> स्नित कमार सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायूक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, पूना

तारीख: 9-10-1985

मोहर

वक्त वार्ड . दी . एन . एवं . फान्सन्ताना

नावकर निर्मानक, 1961 (1961 का 43) ली पारा 269-व (1) के वधीन ब्यमा

#### नारत बर्कार

# कार्याजन, बहारक वायकर वायुक्त (विरोधक) अर्जन रोज, पूना

पूना, दिनांक 14 श्रक्तूबर, 1985 निर्देश सं० 37-ईई/3402/85-86—-श्रतः मझे श्रनिज कमार

कायक प्रमित्तवन, 1961 (1961 का 43) (चित्रं ध्यावें इसके प्रथात (उनत निधित्तवन) कहा नया ही, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित्र बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं में वासवानी नगर, बिल्डींग नं 1 सब प्लॉट नं 1 एफ पी वं 292, कोरेगांव पार्क सगमवाडी पूना है सथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अन् भूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है) रिजिस्ट्रें। क्सी ग्रीधकारी के कार्याक्षय सहायक श्रायकर ग्रायक्षत निरंक्षण ग्रर्जन रेंज में, रिजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख गंगस्त, 1985

को प्रॉक्त सम्मरिक के उणित नावार मुस्य से कम के करमान अविकल के निए मन्दरित की नहीं है और मुझे यह नियमान करने का कारण है कि स्थाप्नॉक्त कम्मरित का उणित वाकार मुख्य, उथके करमान प्रतिकल से, एसे अथनान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकत से निथक है जोड़ संवरक (संवड़कों) जीड संबर्धि (मन्दरित्ता) के बीच दृषे संवरण के बिए स्थ पाना गता प्रतिकल, निम्नतिकित क्ष्यक्त है क्षया संवड़क किविक में बालाहिक क्ष्य से क्षिया नहीं किया वस है है—

- (क) जलारण वे हुई किती जान की बावता, व्यवस्थ वीचीयवन के बभीन कह दोने के बलादक के वाजित्व में कमी करने वा उचने बचने में बृचिया के विष्टु; बॉट्/बा
- (थ) एसी किसी नाय मा किसी धन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हों धारतीय सायकर सिधिनयम, 1922 (1922 का 11) मा अक्त सिधिनयम, मा धन-कर सिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था सा विशा काना चाहिए था, कियाने में बृविधा के बिक्ट;

शतः ततः, उपतः विधिनियमं की भारा 269-मं की नमुस्रमं कों, कीं, उपत क्षिपियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के बसीन, निकासिकिक क्षिप्रकारित क्यांकि क्रम्म 1. श्री कें कें विस्तानी 1736 श्रीर एस केंदारी रोड पूना।

**(भन्त**रक)

2. श्री मोक्ष मोहम्मद यूसुफ 12 विल्सन गार्डन, रेलवे स्टेशन के सामने पुना।

(मन्तरिती)

को बहु ब्यमा बार्स करके पूर्वोक्त सन्तरित के वर्षन के निष् सम्बंगाहियां करका हो।

## बक्त संपति के नवीन के संबंध में कोई भी बालेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज वे 45 दिन की जबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बूचना की ताबील से 30 दिन की वनधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्छ व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की हारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-प्रवृथ किसी जल व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के यास निवित्त में किए था सकीं।

स्वधीनरण ह इसमें प्रयुक्त बज्यों और पदों कर, को उपत अधिनियम के बध्याम 20-क में परिभावित ही, वहीं वर्ष होना को उस अध्यास में विका वक्ष ही।

## वरवर्त्री

जैसा की रजिस्ट्रीकृत क० सं० 37-ईई/3402/85-86 जो ग्रगस्त 1985 को सहायक ग्रायकर श्रायक्त निरीक्षण ग्रजैनरेंज पूना के स्पत्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्स (निरीक्षण) ग्रजैन रोज, पूना

तारीख: 14-10-1985

माहर 🛭

प्रकृष **बाद**ें ही एम. एस . .......

माधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत १९९१-६ (1) के अभीन सुख्या

#### मारत सर्वार

# कार्यनय, सहायक भागकर बायुक्त (निरोक्तण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 भ्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० 37-हेई/12032/**/84-85----- प्रतः मृक्षे** निल क.म।र,

जानल जुनार, जायकर सिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (रियर्च इसके इसके प्रश्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा नका हैं), को भारा 269-च को जभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्थित, जिसका उचित सक्कर स्थावर संस्थित, जिसका उचित सक्कर स्थावर संस्थित कि स्थावर संस्थित हैं

प जिसकी मं० प्लाट नं० 3 पहला मंजिल बिल्डींग नं० ए-3 एफ़ा० पी० नं० 14 एरंडवना पूना है तथा जो पूना में में स्थित है (शौर इसने उपाबद्ध प्रनुसुवी में और पूर्ण का से से विणत है) एजिल्ड्रं एनी अधि एएं। के कार्यालय सहायक आय-कर आय का निरोक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1985 को पूर्वींक्त सम्पत्ति के लिपत बाबार मूच्य से कम के व्यवमान रिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकाल के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिकाल, विक्वितिकाल के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिकाल, विक्वितिकाल के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिकाल, विक्वितिकाल कर्यों का गया है हि—

- (क) अन्तरण चे हुई फिली भाष की बायत, करत अभिनियम को अभीन अर्थ दोने को अन्तरक की दायित्व में अभी करने या उत्तसे सचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी जाय या किसी अन या जन्य जास्तियों को. जिन्हों भारतीय आय-कार जीभनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्म अभिनियम, वा अन-कार जीभियाज, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया जाना चाहिए था. कियाने में सुविधा के निक्ष;

कतः अव, उक्त विभिनियमं की क्षारा 269-मं वै वनुसरण तो, मो उक्त अभिनियमं की भारा 269-मं की उपधारा (1) को क्रानीन, निम्निसिक्षतं स्वीक्तरहें, अर्थात् ः—  में प्रसं गणेश द्रस्ट 2 भाह कालोर्नः साने गुरूंजी रो , पूना।

(भ्रन्तरक)

3. श्री एन० डी० निमाहर 1145, सदाधिव पेठ, पेरूजेंट पोलिस स्टेशन पूना।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करकी दर्भोक्त सम्परित् के वर्जन की लिए कार्यकाष्ट्रियों करता हुं।

ब क्ल क्लिए के वर्षन के मुंबंद में कोई भी बाबोद :--

- (क) इस ब्रामा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विष की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर ब्रामा की तासील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किया, बादिन युवासा,
  - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार निवित में किए जा सकेंगे।

स्वक्योकरण:— इसमें प्रयुक्त कव्यों कीह पदों का, को उद्धार जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पका है।

# मनुसूचीं

जैसा की राजस्ट्रीशन क० सं० 37-ईई/12032/84-85 जो ग्रप्रैल 1985 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> म्रनिल कमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षण) भ्रजन रोंज, पूना

तारीख: 18-10-1985

मोहरः

प्रस्त् बाइं. टी. एन. एट.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### मारत सरकार

कार्यालय सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ऋर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांः। 14 अन्तूबर, 19**85** 

निर्देश सं० 37-ईई/3453/85-86----श्रतः मूद्ये ग्रनिल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिल्लहां संव पत्रेट नंव 6, बिल्डींग डांव माय फ़ेर को-ग्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटा नंव 4 ढोलेपाटाल रोड पूना -1 (क्षेत्रफल 850. चौव फूट) है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रौर इससे उनाबद्ध ग्रन्सूचा में ग्रौर पूर्ण रूप से अणित है) रजिस्ट्राफर्ता ग्राधिकारी के लार्यालय सहाया ग्राया र ग्राथ हर ग्रायूक्त निराक्षण ग्रावन रेंज में, रजिस्ट्र जरण ग्रधिन नियम , 1908 (1908 का 16) के ग्रधान, ताराख ग्रगस्त

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाव की बाबत उक्त मिनियस के जभीन कर दोने के बन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे दजने में सुविध के ग्लए; बौर/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी थन या कत्य कारित्यः। की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियमः, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमः, का वर कर अधिनियमः, 1957 (1957 का 27) का प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया राजा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. पे पि देपारी उलेक्ट्रानिक प्रा० लि० 12/3, पबोट क्लब यो , पूना ।

(म्रन्तर्ङ्)

2. मेमर्ग अटलास क फ़क्कानर्स प्रा० लि० 96, ट१० प १० एस 1 नव-1 शिवाजा नगर पूना-5।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवरिहर्य अल्ला हूं।

वस्त संपत्ति के वर्षन के संबंध भी कार्त भी बाक्य :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन जी अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त अधिनत्यों में है किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ वसी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा है।

## न्युची

जैसा को रजिस्ट्रोक्त क० सं० 37-ईई/3453/85-86 जो ग्रगस्त 1985 को तहाय : ग्रायकर ग्रायूक्त निरक्षण ग्रर्जन ों पुना के दफ्तर में लिखा ग्या है।

> श्रनिल क्मार उक्षम प्राित अट∶ सहायक् श्रायकर श्रायूक्त (निर∶क्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 14-10-1985

मोहर ः

# प्रस्य बाह्रें, टी. एन. एस. ------

# बायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के बभीन स्चना

#### भारत तरकार

## कार्यालय, महायक अायकर आयुक्त (निरीजन)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांकः 25 ग्रम्तूबर, 1985

निदेश सं० 3व होई | 4104 | 85-86-- श्रतः मुझे श्रनिल बुमार शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भग्ना 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 54, 5 वी मंजिल, वन्डयलैण्ड कोम्रापरेटिव हाउसिंग सो तयटी, एम० जी० रोड, पूना क्षेत्रफल 598 वर्ग फुट) है, तथा जो पूना में स्थित है और इससे उपाबद्व मनुसूची में और जो पूर्ण क्य ने चिंगत है) रजिस्ट्रींक्सी म्रिधिशारी के कार्यालय, सहायक म्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज में रजिस्ट्रींकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 वर्ग 16) के मधीन दिनांक सितम्बर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिन्त बाजार मृत्य से कम के दश्यमान इतिफल के लिए अन्तिन्ति की गई हैं और मुम्ने यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित्त बाजार गृज्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एने व्यवमान प्रतिकल का चन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिन्ति (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय क्या गया प्रतिकल, निम्नीलिक्त उक्देवय से उक्त अन्तरण कि प्रतिकल में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाग की बाबत उक्त अधि-विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा की चिए;
- (क) ऐसी जिसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1022 (1922 को 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियो वृद्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में मृजिधा के लिए; और/था

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) इं अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—- (अन्तरक)

को बहु सुकना जारी करके पृशीकत सम्मित्त के अर्थन के सिष्ट् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी कार्क्ष :---

- (क) इत क्ष्या के रायपत्र में त्यानन की सर्वेष में 45 किए की क्षिण मा रायप्त भी न्यापत की प्रतिकारों पर प्रकार की रायपत से 30 दिन की नविष, यो भी नविष् याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तिस्ता में में किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितक्ष्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्त लिखित में किए जा सकागी।

स्वच्छीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का को उन्त अभिनियम के अभ्वाय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अभ्वाय में दिया नवा है।

#### बन्स्**या**

जैसा क राउस्ट्री त क सं० 3क्क्कि/34104/85-86 जो पास स्वर. 85 को सहाय 5 आयक्त श्रायुक्त (ानरीक्षण), अर्जन रज, पूना, के दफ्तर म लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार जंबम प्राध**ारी** सहायक श्रायकर श्रयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना,

। दर्गाल 25-10-1985 मोहर: प्रक्ष बार्ष. टी. एन. एस. ------

# आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज, पूना

पूना, दनांकः 24 शक्तूबर, 1985

ानवैंण सं० 3 ईई/791/84-85—जातः मुझे प्रनिल कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का आरम है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उपित माजार मृत्य 1.00.000/- रा. से अधिक ड"

और जिसकी मि पलैट नं 5, माणिकनगर, कोम्रापरेटिंच हार्जिस सोसायटीं, गंगापुर रोड, नासिक,हैं, तथा जो नासिक में स्थित है और इससे पाबद्ध श्रनुचची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधशारी के धार्यालय, सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेज, में रजिस्ट्रीकरण मितिसम, 1908 (1908 का 16) के श्रधींन दिनाक मई, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित नाकार मृत्य से कम के क्ष्यमान वित्यक्त के सिए नन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह निक्शास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मास्त का उचित नाजार मृत्य, उचके दश्यमान प्रतिफाण से एति दश्यमान प्रतिफाण के पन्ति इत्यमान प्रतिफाण के पन्ति इत्यमान प्रतिफाण के पन्ति इत्यमान प्रतिफाण के पन्ति क्तरिती वन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के निए सव पाया गया प्रतिफाण, निम्नितियात उद्देश्य से उच्त जन्तरण कि पाया गया प्रतिफाण, निम्नितियात उद्देश्य से उच्त जन्तरण विविद्य में वास्तविक क्य से कथित कहीं किया गया है क्न

- (क) बन्दरम वं हुई किसी बाव की वाबत, कमत बिधिनियम में जभीत कर बंदे के बन्दरक की बाबित्य में क्यी करने वा उत्तवे बचने में सुविधा में बिएश मीट/वा
- (स) एंसी किसी काय वा किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता शाहिए था, जिमाने में सुनिधा क निए।

बक्त: अब, उक्त आधिनंत्रमं की भारा 269-न के अनुसरण बाँ, बाँ, सक्त अधिनियमं की भारा 269-न की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अधितु:---

- श्रीमतीं भागींरथी बाई, व्हीं० पानसे फ्लैट नं० 5, माणिकना०र कोम्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटीं, गंगापुर रोड, नासिक।
  - (अन्तर्क)
- श्री चिमनलाल ईश्वर लाल पटेल, केश्वर ग्राफ: पंचशींल किरणा, सिम्बक रोड, नासिक।

(भन्तरितीं)

को यह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पन्धिः के वर्धन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अपिश्र या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हाने, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास , निश्चित में किसे जा सकती।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिशासित हाँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

#### **भनुसूची**

जैसा कि रजिस्ट्री ति ऋ० सं० 3 हैई 791/84-855 जो बई, 1985 को ाहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), भजन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्चनित बुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांग 24-10-1985 मोहर 🛚 श्रह्म बाई. टी. एन. एस. -----

आस्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा .269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कावस्तित, बहाबक वावकर वाव्यत (निरोक्षण)

सहायक आयक्त श्रायक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 2 अक्तूबर, 1985

निदेश सं० 3 ईई/11080/84-85—अत: मुझे, अनिल नुमार वायकर विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके वश्यात 'उक्त विभिन्यम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी स० यूनिट सर्वे नं० 88-138-161/4, फ्लैट नं० 47, कोथराड, पूना क्षेत्र फर 12116 वर्ग फुट) है तथा जो पूना में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीं तो अधिकारी के वार्यालय सहाय अधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाका नंपित है जीर मुभ्ने यह विश्वास मृश्य, उसके उद्योगान प्रतिफाल में गुन्ने व्यासान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए त्य पाया गया प्रतिफाल, जिम्मतिश्वित उद्देश्य में उस्त अन्तरण लिखिट में वर्णाविक गा में किंगत नहीं कि गा गया में :--

- (क) वंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीर कर दोने के बन्तरक कें बायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिल्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या लब्ब लिधिनियम, या भारत अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रवाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

कतः नव, उक्त निधनियम की धारा 269-व के नन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) कें अभीन, जिम्मिलिखित व्यक्तियों, नर्थात् :—— स्मायंड एन्टरव्राइजेज,
 336/2ए, नवींपेट, भोज के चौक के पास,
 पूना ।

(अन्तरक)

बीं० के० पायगुंड और ग्रन्य
 42/2, यरन्डवना, यनपुरे सदन, पूना-4

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना चारी करकी प्वॉक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के बर्धन के संबंध में कोई भी नाक्षेष ---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की बर्बीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बर्बीध, वो भी बर्बीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति मेथ हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्वस्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्सूषी

जैसे कि रजिस्ट्रीं होत कि सं 3क्ईई | 11080 | 84-85 जो मार्च; 1985 को सहाय कि स्नायक्तर स्नायक्तर (निरीक्षण), स्रर्जन रज, पूना के दफ्तर म लिखा गया है।

श्रतिल कुम ार पक्षम प्राधिकारीं सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रज, पुना

दिनांक 9-10-1985 मोहर ः प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रज, पूला,

पूना, दिनांक 9 ग्रक्तूवर, 1985

निदेश सं० 3 कईई/3250/85-86— न्याः मुझे स्रतिलकुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकीं स० फ्लैट नं० 304, तरायण ोम्बर्स, 555/1, 2, 2, 4 नारायणपेट, पूना-30 महै, तथा जो पूना में स्थित है और इतसे पावद अनुसूचों में थी। या पूर्व क्य से विणत है) एजिस्ट्रीं तो अधि गरीं के अधी अ म्हाय अध्याप प्रायुक्त निरोक्षण, ) प्रजी रेंक, में एजिस्ट्रीं एम खिलियम, 1908 (1908 ा 16) के प्रधीन दिला स्थापत, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित सद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त पियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की सिए;

अतः इब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , याँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—

दोसीं प्रोमोटर्स,
 कर्ता: पीं० एन० दोशीं, 555, नारायणपेट,
 पूना-30

(ग्रन्मेरक)

 श्रीं वदींनाथ बुधव शेलवे , द्वारा : श्रीं टीं० यू० सेवले, तूलसीं नगर, चंदन नगर, पोस्ट खडाडीं, मेहत हवेलीं, जिला पूना । (ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रव्यत कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वहीं अर्थ हुंेग जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जैमा कि रजिस्ट्रीकृत कि सं 3 ईई/3250/85-86 जो अगस्त, 1985 को सहायक आय अप्रमुख्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार ः अम प्राधिः गरीं सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोंज, पूना

दिनांच : 9-10-1985

## प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 24 अक्तूबर, 1985

निदेश सं० 37ईई/4470/85-86---श्रवः मुद्धे, श्रनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर संगोत्त जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक ही

श्रीर जिसका सं० प्लाट नं० 19, सर्वे नं० 86/2-ए, श्रीर 87/1-ए/2, +1/4।/2+1सा कोथरन्ड, पूणे हैं, तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची म श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिलस्ट्रायली श्रीधातरा के ार्यान्य, सहायदा श्राप राष्ट्र श्राप राष्ट्र (निर/क्षण) श्रर्जन रोज, में रिजस्ट्रावरण श्रीधिनाम, 1908 (1908 ता 16) के श्रधान दिनांक सितम्बर,

को पूर्वीका संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्पाने में सुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1 श्रा बलवन्त बार महाजन ग्रीर भ्रन्य लक्ष्मा स्टोग्नर्स, 614 लाईन, राजारामपूरी, कोल्हापुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेससं भाग्य श्री एसोसीएटस् 474730 लोकमान्य नगर पूणा ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों था, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषि है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दियार गया है।

#### अनुसूची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत ऋ०-37ईई/4470/85-86 जो सितम्बर 85 की सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंक पूना के क्पतर में लिखा गया है ।

> ग्रनिल कुमार. सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, पूना

तारीख: 24-10-1985

भाइर

# प्रकृष काई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज,-पूना

पूना, दिनांक 14 प्रक्तूबर, 1985

भीर जिसकी संव सर्वे नंव 37/1/1मी पाषाण यें है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप मे विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधिकारी के नार्यालय, सहायक श्रीयकर श्रीयकर (निराक्षण) श्रर्जन रोंज, पूना में रजिस्ट्रीक्षण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सिनम्बर 1985

फो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विकास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उीचत भाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है कर बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्निलिखत उद्योग से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से किथा नहीं किया गया है ए—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण थें. मैं उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपभारा (1) के मधीम निम्नतिक्षित व्यक्तियों, अर्थात्:---- श्रः गूरूराज जार० पुराणिः,
 856, बालकृष्ण ग्राश्रम रोड, भंडारकर रोड,
 पूना-4

(भ्रन्तरक)

2 श्र: एन०, एन० पाटिल, मनमुख 100/3, एरन्डबणा, 9 वीं लाईन, प्रभात रोड, पुना-4

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमस्यी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० सं० 37ईई/2849/85-86 जो सितम्बर, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रोंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

धिनोक : 14-10-19**8**5

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनां 🗀 16 ग्रक्तूनर, 1985

निदेश सं० 37ईई/551/84-85- - ग्रतः, मुझे, ग्रनिल कुमार बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,06,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको संव संव एक नं 187, भुकवारपेट, पूना-2 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीत इप्ते ग्राविद अनुसूच में ग्रीर जो पूर्णका ने अणित है) की स्थान की ग्रीविद्या की ग्रीविद्या की ग्रीविद्या सहाय ग्रीविद्या प्राप्तका (निराक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रिजिस्ट्रा एण प्रविधियम, 1908 (1908 मि 16) के ग्रावीन दिनां ग्रीविद्या सु

को पूर्वोवत सम्पतिः के उचित बाजार पूल्य से कस के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेवित तामणीत का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिभाव है, एवं क्षण्यमान प्रतिकल का पंदह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के भैच गुमें सावस्मा है लिए तर पास गया प्रतिकल, निम्नुविद्धिः उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में गम्दिक एम से अधिक नहीं किया गया है:—

- कि) अन्तरण व हाइ किसी आय की बाबत, उक्क विधिनियम के अधीन कर दोने की बन्तरक औ दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिष्: बीह्र/वा
- (क) होती किसी आय वा किसी वन या जन्य वास्तियों करें, जिल्हों भारतीय अध्य-कर जीवनियम, 1922 (1952) ... 11, ने उपल कर विनयम, या बन-कर व्यविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया त्वा वा या किया जाना वाहिए जा, दिल्लाने व्यविवा के विवास क

क्षणः, वण्डं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरक भें, भें, एक्त अधिनियमं की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, कर्यात् व्यक्ति  श्रा पृक्षका । एण त्यात तस्मे और अन्य 187, सुन्नता लेट, पूना-2

(म्रन्तरक)

 श्रा पाल एक अठे. श्रोर ग्रन्य भागादत ियार्थ प्रतीटर्स ९ण्ड बिल्डर्स, 187, जुकाता घेट, पुना ।

(ग्रन्तरितः)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्घन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के माजन्य में कोई भी बारूप :---

- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकारन की तारीय के 45 दिन की जनिय या तत्सम्बन्धी म्यूनिक्यों पूर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर आफिनयों में ने किसी स्पतित हुवारा?
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स स 45 दिन के मीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधांहरताकरी के पास विकित में किए जा सकी में।

स्पष्टीकरण: इंग्में प्रमुख्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया

#### अनुसूची

नैसा ि विस्ट्रेशन य संव 37ईई/551/85-86 जो जून, 1985 की राष्ट्र अध्याद अध्यक्त (निराक्षण), अर्जन रोज, पूनाके दफ्तर के लिखा गरा है।

> श्रतिल घुमार सत्रम प्रावि⊟र सहायर श्राप्त (निरक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनां ५ : 18-, १-, १५, १८८५

महिर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनां ह 16 ग्रक्तूबर, 1985

का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

गौर जिन्न मं पर्लंट नं 301, साई फ्रुंज, 569 नारायणपेठ, पूना-30 (क्षेत्रफल 685 चौ, वर्ग फुट), हैं तथा जो पूना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूच: में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्र: मर्ता ग्रिधिसारं/ के सार्यालय, सहायक: ग्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज, में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 T 16) के ग्रिधान दिनों: मार्च, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- भौक्षक्ष मल विल्डर्स आई कुंत्र, 569, नारायणपेठ, पुना-30 । (ग्रन्तर १)
- श्री दिनेश शंहर दान:,
   मोहन वंगला दाप बंगलो के पास,
   शिवाजा नगर, पूना-16 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त इन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जैसा कि रिजिस्ट्रेकित ऋ० 37ईई/11273/84-85 जो मार्च, 1985 को लहायक खायक खायका (निरोक्षण), खर्जन रोज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रक्तिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायदः श्रायकर श्रायुक्त (निर:क्षण) श्रर्जन रेज, पुना

दिगांक: 16-10-85

मोहर

## प्रकल् बाइं. टी. एन. एस.

# **बायकर निधानयम, 1961 (1961 का 43) को** धारा 269-व (1) में सभीन मुकता

#### भारत सरकार

# काथतिय, सहायक कायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 ग्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० 37ईई/10780/84-85----ग्रतः मुझे ग्रनिल कुमार शायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसके इसके प्रकार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्न, जिसका लिखत बाजार मून्स 1,00,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० सिटीं अर्थे नं० 430, नारायण पेठ,, पूना-30 (क्षेत्र फल 590 वर्ग फु०) है, तथा जो पूना में स्थित हैं (और इससे उपाबद ग्रनुसूचीं में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीं-कर्ता ग्राधिकारों के वार्यालय, सहायह ग्रायकर आयुक्त (विरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित जी गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन्के क्ष्ममान प्रतिफल को पंद्रह शितकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तर्य के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित के कार्य में कांश्रित जन्तरण कि करने कान्तरण कि करने के विषय से अधिक नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दागिन्व में कमी करने या सम्में पचने ता मुक्तिया के लिए: और/या
- कि) प्रांसी किसी आठ या किसी धन ११ अन्य आफित्यों की. बिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अधिजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकर नहीं किया प्रशः या किया काम चाहिए था, जिल्लाने में स्विधा की निय:

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण में, में, एक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा /1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्री रेणु ा ः न्स्ट्रकशन
 105, राममाधव, नारायण पेठ, पूना-30

(ग्रन्तरक)

 गजावर पंदरीनाथ, नासोलकर, 884, रिवचारपेठ, पूना-30

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिन करता शुः

इक्स सर्पान र संस् कृतामध्य सात सी राजेश ---

- (क) इस नृष्या में राज्यत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवित्या अवित्या अत्यादनी व्यावतयां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी कविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत जाविका में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की भीति एक्ट स्थावत स्थालित को हितबद्द किसी अन्य व्यक्ति दवारा बभोहस्ताक्षरी के पाड़ विविद्या को किए जा सक

स्वक्षको प्रश्नाः — इसको प्रयावत सम्बों बाँग पद्यों का, वा उपक हाँ, बहुने अर्थ प्रोगा, यो एम वशाय में दिका नका

## वम्युकी

जैमा ि रजिस्ट्री त क० 37ईई/10780/84-85 जो मार्च, 1985 को सहाय त स्रायक्त स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज. पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

स्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायक्षर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रैंज पूना

दिनांक: 4-10-85

# मक्य बाइ. ही. एस. एस. - - - - -

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

#### मान्स अरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रॅज, पूना

पूना, दिलां: 3 श्रक्तूबर 1985

निदेण सं० 37--ईई/12/85--86 ---ग्रनः मुक्ते, ग्रनिल कुमार,

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका अभित बाजार मस्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी संघ फ्लैंट संघ ए-4, तथा जो सु. धम 134, रेलवे ताईसा, जोलाधुर में स्थित है,

श्रपार्टमेन्ट्स, (और इन्नि अनाबाड अनुनुबी में और जो पूर्ण रूप से बॉणत है) रिक्स्ट्रीन्स श्रामित के निर्मालय, सहायक श्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रार्थन ऐंक, में रिक्स्ट्रीन्स्ण श्रिधित्यम, 1908 (1908 निर्माल) के श्राप्ति दिनों जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य नं कथ के ध्यमान एतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एवं दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिज्ञात से अधिक है और अंतरिक (अंतरोक्ते) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबस, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा लें श्रिष्: स्वरि/या

्त: भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के पभीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

 मैसर्स राहुल, बिल्ड्स 134, रेलवे लाईन्स, सोलापुर।

(भ्रन्तरकः)

 श्री नुमन ग्रयचन्त पाटिल मंतान नं० 134, तुकाराम अपार्टमेन्ट, फ्लैट नं० ए-4, रेलवे लाईन्म, मोलापुर।

(ग्रन्तरितीं)

भन्ने यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अर्णवाहिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के पम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वर्नाभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की वर्नाभ, जो भी अवधि बाद मों समाप्त हांती हा, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (खं) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींच ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के शास स्थिति में किए का सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों जरि पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# श्रनुसूची

जैसाकि रजिस्ट्री जिंत क० 37 ईई / 12/85-86 जो जून, 1985 को महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया।

ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, पूना

दिनांक : 3-10-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

**प्रजंन** रेंज, पूना

पूना, दिनांक 3 श्रक्तूबर, 1985

राड क्लामाना ६, जिला थाता, ह तथा का याता माल्या ह (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण क्य के विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय, रहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, में रिजस्ट्रीकरण अधित्यम, 1908 (1908 ता 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मफ़ें यह िंग्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्ति सम्पति का उचित बाजार कुन्य, उचके क्रयमान प्रतिफल सं, एसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तरिक क्ष्य के विद्य क्षी किया पास हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (च) एंसी किसी बाय का किसी अन मा अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, जिपाने में शुविशा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— मैसर्स के० के० टीं० एन्टरप्राइजेज ,
 खिड नगर, बिल्डिंग नं० डी 3, रूम नं० 31, सांताऋज,
 (वेस्ट), बम्बई ।

(भ्रन्तरक)

2. मोहम्मद श्रालिभाई श्ररंब और श्रन्य रुम नं० 53, नक्षरश्रलीं बिल्डिंग 25, धर्मणीं स्ट्रीट, बम्बई-3

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध मा कोड़ी भी आक्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए था सकी ।

### नन्स्ची

जैसा कि रजिस्ट्रींंत ऋ० मं० 37**११**/1572/85-86 जो जुलाई,985 की सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 3-10-85

प्ररूप बाइं. टी. इव. ध्त. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत गरकार

धार्यानय, सहायक नायकर नायृक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 स्रक्तुबर, 1985

निर्देश सं० 37ईई/3698/85-86---अतः मुझे, अनिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, 'जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्नकी सं० दुक्षान पहला मंजिला, 408/6, गुलटे डीं रोड, पूना-37 है, तथा जो पूना में स्थित है और इसमे उपाबद्ध अनुचचीं में और जो पूर्ण रूप से वॉणत है) रजिस्ट्रीं तो अधिकारीं के कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निर्दाक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 7 16) के अधींन दिनांक अगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम कं दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्त का रिवद काजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में शास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण संहुई किसी अस्य को बरार, उसत अधिनियम की अधीन कर दान के अन्तरक के बास्यत्व में कभी करने या उपसे बचरों में स्विधा के लिए, अरि/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1357 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिवाने में सुविधा के लिए;

जत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण र्स, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपध्यास (१) के अधीन विस्तितिस्ति व्यक्तियाँ अधीर क शेख ईशाख शेख गफूर,
 1005, भवानीं, पेठ, पूना-2

(अन्तरक)

 फरींद्धींन, श्रल्लाउदींन खान 780, गुवार पेठ, पूना-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावस सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना क राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस य'
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में सम्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन को तारोख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए दा सकोंगे।

स्पर्ध्यक्तरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दां श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बन्तु ची

जैसा कि रजिस्ट्रींकृत क० 37ईई/3698/85-86 जो ग्रगस्त, 1985 को सहाय∴ ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज,पूना

दिनांक: 18-10-85

प्रारूप आई.टी.एन.एस. .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांस 29, धक्तूबर 1985

निवेश सं० 37ईई/1344/85-86--श्रतः मुझे, श्रनिल कुमार, बावकर विभिन्धिन, 1961 (1961 का 43) (त्रिकं इंडवें इंडवें पश्चात् 'उक्त वाधिनिश्य' कहा पता हैं), की धार 269-ण वे श्रधीन सक्तम प्राधिकारी का यह निश्वास करने का धारक हैं कि स्थायर संधीत्यः विश्वका उचित वाबार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिनकीं संव णाप नंव 7 लाला अपार्टमेंन्ट् । सीवटी व एनव नंव 784, भवानी पेट. पूना क्षेत्र फल 585 वर्ग फुट है, तथा जो पूना में स्थित है (और इन्से उपावड अनुमूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिक्ट्रिंग त्रिक्षिण रिके प्रविलय, सहायक आयात आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना, में रिजस्ट्रींगरण अधिनियम, 1908 (1908 में 16) के अधीत दिनांक जुलाई. 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान अशिष्य के लिए अल्वरित को गई है लींग मुक्ते यह जिल्लाम कारने का कारण है कि सम्पूर्णीटन संपत्ति का अभित करनार मूल्य, उसके क्ष्म्यमान प्रतिकल से, एसं वस्यमान प्रतिकल का अल्वह प्रतिकत् से बाधित हो और मृत्यरक (बंदरकों) और बंदबीरती (मन्तरितियाँ) के बीज एसं बन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिक्षा निम्नितितित उद्वादन में जानत अल्वरण कि बिता से अल्वर भक्त क्या से स्विधत नहीं जिल्ला गया है:—

- हिक्का क्ष्मार के सुक्ष विकास की बानास, उपस् अभिनियम के अभीत कर बोने के अन्तरक के बासिस्थ में अभी खर्ग या अध्ययं नम्पों में स्प्रिया के बिए; और/या

जन जिया, उपते वर्षभनिवय की भारा 269-व की, अनुवरक था, मी जनत जिथिनियस की भारा 269-व की उपभारा (1) की अधीन निकर्णियक व्यक्तियों वर्षों क्रिक्टिंग की अधीन निकर्णियक व्यक्तियों वर्षों क्रिक्ट

 वालानी बिल्डर्स ।
 तीला श्रपार्टमेन्ट्स, श्रप्रचाल कालोनीं, पूना ।

(भ्रन्तरक)

2. जेठानन्द गोमल बाबानी, 1989, कानवेन्ट स्ट्रीट, सीं/2, हरमस हाऊस, पूना ।

(भ्रन्तरितीं)

को यह स्थाना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जैंगा ि रजिस्ट्रींगृंत क० 37ईई/1344/85-86 जो जुलाई, 1985 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रैंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

विनांक : 29-10-19**8**5

दुर्गा प्रसाद

प्ररूप बाइ'.टी. एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (!) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आचकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांवः 8 नवम्बर 1985 निदेश सं० III/010/ग्रर्जन/85-86---ग्रतः, मुझे,

कावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्बेंक्त सम्बत्ति का उचित बाबार अस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना, खाता सं० 240, 237, 366, पुराना, प्लाट नं० 372, 377, 138 नया प्लाट नं० 514/513 तौजी नं० 8/5, थाना नं० 100/1, है, तथा जो मौजा अब्दुला नगर, थाना सदर, जिला पूर्णियाँ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के नार्यालय पूर्णियाँ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 एनं 16) के अधीन दिनांक 29-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और यूफो यह निक्तार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित आबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रांत-फल, निम्निलिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित भें मार्ग्यकिक मूण से किया न्यों किया यहा है :—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उदा अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बार्षकरण में कभी श्राप्त मार्थिक के प्रतिकार भी जिल्हा और/का
- (च) एसी किसी बाब वा किसी धन या बन्य बास्सियों को, बिन्हें भारतीर बायकर अधिनियनम . 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर . अधिनियम, 1957 (1957-का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गंधा कर को जिल्हा बना को हुए दे जिल्हा है लिए;

कतः कदः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के अधीन निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थातः — 1. छागमल पे० स्व० तेजमल, ता० गुलाव बाग, थाना सदर, जिला पूणिया ।

(अन्तरः)

2. श्रीमती उर्मिला देवी, औजे, श्री विश्वनाथ अग्रवाल मो०, गुलाव वाग, थाला सदर, जिला पूर्णिया। (ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारा करक प्रतिकत स्पत्ति क अजन के लिए सर्वाहियां करता है।

उन्त सम्पर्शि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस नुष्पा के राष्ट्रपा में प्रकाशन की तारी अं 45 दिन की कर्नी या तत्माकानी त्यक्तिकों इर पाना की बामील स 30 किन की क्यों या भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकसी जना काक्यि द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास र जिख्त में किए जा सकेंगे

चष्टीकरणः — इससे प्रमुक्त कर्न्टों आँ पर्यो का, को उक्त विधीनयक के अध्यास १०-क में प्रांतित हैं, बहा कर्ग बाबा को तस सम्बाध में टिस्से।

# अन्स्ची

जमीन जिसका रक्ष्वा 8 कट्ठा, साढ़े सोलह धूर है तथा जो पुराना खाता नं० 240, 237, 366, पुराना प्लाट नं० 372, 377, 138 नया प्लाट नं० 514, 513 तौजीं नं० 8/5, थाना नं० 100/1, मौजा अञ्चुला नगर, थाना सदर, जिला पूर्णिया, में स्थित है। एवं जो पूर्ण रूप से विज्ञा सं० 3831, दिनांक 29-3-85 है विणित है, तथा जिसका निबन्धन जिलाअवर निबन्ध , पूर्णियाँ के द्वारा, संपन्त हुआ है।

दुर्गा प्रराद सलम प्राधितारी पहायक द्रायकर त्रायुक्त (निराक्षण) स्रर्जन रेंज, पटना

दिनांक 8-11व1985

सांह्र :

प्ररूप आईं. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनां : 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० III /1005/म्रर्जन/85-86—म्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खाता सं० 1, तौजी सं० 15/11, थानानं० 94, होल्डिंग नं० 27, मीजा, भण्डारीडीह. थाना, व जिला-गिरीडाह है गिरीडीह में स्थित है (और इस्से उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री मर्ता स्रिध गरी के ार्मालय, गिरीडीह में तथा जो एजिस्ट्री एरण स्रिधित्यम, 1908 (1908 16) के स्रिधीन दिनां 25-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अविक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः उ.ब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्रीमती पत्तामा, जौजे तेनु वेलींस थोमस तंगाच्छन, मो० सण्डारीडीह, थाना व जिला गिरींडीह ।

(अन्तरः)

2. श्रीमती तीत्री ग्रनी म बातून, गौजे, मोहम्मद जजींल गद्दी, टैक्टी, टैक्ड के नजदीत, देशवन्यु किनेमा, झरिया, जिला-प्रत्याद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणं:--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुण है।

#### अनुसुची

जमीत जिसहा रक्वा 21 डी० है, तथा जो खाता नं० 1, तौजी सं० 15/11 थाना नं० 94, होल्डिंग नं० 27, मौजा भडारीडीह, याचा व जिला गिरीडीह में स्थित है एवं जो पूर्णस्प से विश्वार्ण 3596, दिलाह 25-3-1985 में विणित है तथा निकास जिला प्रवर्ग निवन्धाः गिरीडीह के द्वारा सम्बन्ध हुआ है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधि ारी उहाय १ प्रायक्षर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पटना

दिनां 🕫 : 8-11-1985

मुझे,

# त्रक्रम बाद् . टी. एम् , एकं ,-----

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्च 269-व (1) के वधीन स्थान

#### मारत तरकार

# कार्यास्य, सहायक वायकर वाम्यक्त (निरीक्षण)

**ग्र**र्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांस 8 नवम्बर, 1985

निषेश सं० III /1014/प्रर्जन/85-86--- मतः

चुर्गा प्रसाद

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके दश्यात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्द सम्मतित, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

और जिसकी सं० खाता नं० 633, तौजी नं० 5505, खसरा नं० 1511, थाना नं० 2, मौजा मनपुरा, थाना फुल्वारी, है, तथा जो जिला पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधि ारी के कार्यालय, पटना में रिवस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनां : 29-3-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त बंपरित का उचित बाबार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे अयमान प्रतिफल का पेतृह प्रतिकृत से बिधिक है और मंतरक (जंतरकों) और मंतरिती (जन्तरितिमों) के बीच एसे जन्तरण के बिध् वर्ष पाया क्या बिंदु फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से क्रिथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संतुद्दे किसी जाय की वायक, उनके अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के वासित्य में कनी करने वा उससे वचने में सुविधा के शिक्ष: कोंड/वा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी पम वा बन्य कारितवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्ति पूर्वारा प्रकट नहीं फिट. वहा था वा किया काना चत्रीहर था, कियाने भें जिल्ला के निष्ठ;

कतः कव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरकः में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—-10—356 G1/85

1. श्रीमती सानूलाल चन्रानी, जीजे श्री कल्हैया लाल मो० डी-5, पीपुरुन, कान्द्रापरेटिय कालोनीं, कंत्रड्बाम, थाना, कं इंबाम, जिला पटना ।

(भ्रन्तरः)

2. श्री प्रवीण रंजन दात. पे० श्री महाकृष्ण दाप, सा० बंगरहट्टा, थाना धनक्यामपुर, जिला दरभंगा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिण करता है।

## उक्त कुम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी नासंद:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन का ताराख स 45 विश्व की जनिया तत्त्वन्यन्थी स्थितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त स्व किसवों में से किसी स्थितित हुसारा;
- (व) इक क्षमा के राजपन में प्रकाशन की दारीय से 45 दिन के भागर उक्त स्थानर सम्मन्ति में हितनपुष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए या बकोंगे।

स्वाधिकरण:--इतनो प्रवृत्त तन्त्रों भीर पर्यों का, वो उच्छ स्विधिकन, के ब्रध्यान 20-क में वृत्तिगाबित है, वही नर्थ होगा को उस अध्यान में दिवा नया है।

# अनुसूची

जमीत जिसका रक्ष्या ए. उट्टा 10 धूर है, तथा जो खाता सं० 633, तौजीं नं० 5505, खसरा नं० 1511, थाता नं० 2, मौजा, मतपुरा, थाना फुल्यारी, जिला पटना में स्थित है। एवं जो पूर्णरूप से विसिधा सं० 209, दिनांक 29-3-1985 में विजित है, तथा जिसा निबन्धन जिला अवर निबन्धन पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है?

दुर्गा प्रताद नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, पटना

दिनों े : 8-11-1985

प्रकथ बाइ टी.एव एस. -----

शायकर वीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन स्वना

## नारत ब्रकापु

कार्याचय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन |ेरेंज, पटना पटना, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारक है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित आजार मृज्य 1.50,200/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पुराना खाता नं० 240 मी०, 237मी०, 366 मी०, पुराना प्लाट नं०-327मी०, 377मी०, 138 नया प्लाट नं० 514, 513, थाना नं० 100/1 तौजी नं०-8/5 नं० है, तथा जो मौजा श्रम्बुला नगर, थाना—सवर जिला—पूर्णिया में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णक्ष से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय, पूर्णिया में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 29-3-1985

को प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल के एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सृत्रिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय था किसी भन या अन्य आस्तियें की. किन्द्र भारतीय आय-अंट अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ता किया अन्य चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिंग;

बर्धः भव उक्त निधिनियमं की भारा 269-ग के अमृतरण मा, मी, तक्त अधिनियमं की धारा 260-ण की उपभारा के सभीति रिम्मितियोग व्यक्तियों, कर्षांत् :---- (1) श्री छागमल, पे०-तेजमल, सा०-गुलाबबाग, थाना-सदर, जिला-पूर्णिया।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामिकगोर श्रग्नवाल पे० सत्यनारायण श्रग्नवाल, सा०-गुलाश्ववाग, थाना-सदर जिला-पूर्णिया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के क्षर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उन्हरभावर सम्पत्ति में हितबबूध किसी अन्य त्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्तित में न्या का सन्तेगा।

स्पष्टिश्टिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **ग्रनुस्**ची

जमीन जिसका रक्षा 9 कट्ठा, 4 1/2 धूर है तथा जो खाता नं० 240मी०, 237मी०, 366 मी०, पुराना प्लाट नं० 327मी०, 377मी०, 138, नया प्लाट नं०-514, 513 थाना नं०-100/1 तौजी नं० 8/5, मौजा भ्रब्दुला नगर, थाना सदर, जिला पूर्णिया में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से वसिका सं० 3832 दिनांक 29-3-85 में विणित है तथा जिसका निबंधन जिला भ्रवर निबंधक, पटना के बारा सम्पन्न हुझा है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्ष ण ) श्रजंन रेंज, पटना

तारीख: 8-11-1985

# प्ररूप बाह्", टी. युन., एव . ------

# नामकर विभिनियम, 1961 (1961 व्या 43) की भारा 269-व (1) के व्यभिन त्याना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० III-1011/प्रर्जन/85-86---प्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० खाता सं० (पुराना) 240मी०, 237मी०, 366मी०, पुराना प्लाट नं०-372, 377, 138, नया प्लाट नं० 514, 513, थाना नं० 100/1 तौजी नं० 8/15,वार्ड नं०-21, नया-27 है, तथा जो मौजा-ग्रब्दुला नगर, थाना—सदर, जिला—पूजिया में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय, पूर्णिया, में रजिस्ट्रीकरण ग्रिक्षनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिक्षीन, तारीख 29-3-85,

की पूर्वेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से ऐसे इष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवास से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अस: अस, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण भा, मी, उस्त अधिनियम की भाग 269-घ को उपभाग (१) ले अभीत, निकालिसित सम्बन्तर्यों, अभिति:--- (1) श्री छागमल, पे० स्व० तेजमल,मो० गुलाबबाग, थाना-सदर, जिला-पटना ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विश्वनाथ ग्रग्नवाल, पे०-सत्यनारायण ग्रग्नवाल, मो०-गुलाबबाग, याना-सदर, जिला-पूर्णिया ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करतः हाः।

## बक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :~

- (क) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (च) इस सूचना को राजपत्र श्रें प्रकाशन की तारीख वं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस-बद्ध किसी जन्य स्थावन ब्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए था नकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन जिसका रक्या 3 कटठा, 19 धूर है, तथा जो पुराना खाता नं०-240मी०, 237मी०, 366मी०, पुराना प्लाट नं०-372, 377, 138 नया प्लाट नं०-514, 513, थाना नं० 100/1 तौजी न०-8/5, वार्ड नं०-पुराना-21, नया 27, ग्रब्बुला नगर, थाना-सदर, जिला-पूर्णिया में स्थित है। एवं जो पूर्ण रूप से विसका सं०-3828 दिनांक 29-3-85 में विणित है, तथा जिसका निबंधन जिला ग्रवर निबंधक पूर्णिया के द्वारा सम्पन्न हुग्रा है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजनरें ज, पटना

तारीख: 8-11-1985

ं आइ . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्राजैन रेंज, पटना

पटना दिनांक 8नवस्वर 1985 निर्देश सं० III/1015/ग्रर्जन/85-86~-- ग्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकार को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रूर से अधिक है

भीर जिसकी सं तीजी नं 5755, थाना नं 93, खाता नं 106, प्लाट नं -2, मौजा-विना बेनो, थाना फुलबारी, जिना-पटना है, तथा जो पटना में स्थित है (भीर इससे उपावद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता भिकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भीन, तारीख 25-3-85

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत् से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——[

- (क) अन्तरण से हुन्हें किसी आप की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग क अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री शिवसुन्दर सिंह,
 पे०बस्व० मोखा सिंह,
 सा०-चिलबिली, डा०-विसरपुरा, थाना~फुलवारी,
 जिला-पटना।

(म्रतरक)

(2) वसन्त बिहार सहकारी गृह निर्माण समिति लि०, पटना द्वारा, सिचव श्री माता प्रसाद सिंहा, पे० स्व० जगदम्बा प्रसाद, 56, एल० श्राई० सी० कालोनी, कंकड़बाग, जिला-पटना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की ताराख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

जमीन जिसका रक्या 6 कट्टा, 10 धूर, 4 धूरकी है। तथा जो खाता नं 106, तौजी नं 5755, थाना नं - 93, प्लाट नं -2, मौजा-चिलबिली, थाना-फुलवारी, जिला-पटना में स्थित है। एवं जो पूर्ग क्य से विसका सं -1977 दिनांक 25-3-1985 में विजन है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक, पटना के बारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रमाव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पटन।

तारीख: 8-11-1985

# प्रकृत बाही हो । एन / इंड - - - - --

# श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का पारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत भरकार

# ·कार्यासय, तहायक वायकर वाव्**वत (निरीकन्)**

ध्रर्जनरें ज, पटना

पटना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 3-1012/मर्जन/85-86--म्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इसमें इसमें परचात् 'उन्त अधिनिनन' नहा गया हैं), की भारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकतरी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित बानार मून्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं खाता नं 83, तौजी नं 5519, खसरा नं -53 है, तथा जो मौजा-जलालपुर, थाना धानापुर, जिला-पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण ध्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 25-3-85, का पूर्वोक्त समपित के उचित बाजार मृख ते कम के स्वयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यंथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अर्तारितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गमा प्रति-फल निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नतिचित में बास्करिक क्ष्य में कथिन नहीं किया गमा है ---

- (क) मन्तरण संहुदं किसी बाद की बादत, उक्त स्थितियम के स्थीन कर देने के नन्तरक के स्थितिय को क्सी करने मा स्थले वचने में सुनिया के सिए; सौर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए का, जियाने में श्रीविका की जिए।

नतः त्रमः, उक्त स्थितियम की धारा 269-न के जनसरण मं, मंं. उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपधारा (1) के वधीन, निस्तिसित व्यक्तियों, वधीत् ः— (1) श्री सुभाव कृमार सिंह, पे० श्री राम गुलाम सिंह, मौ०-पूर्वी लोहानीपुर, थाना कवमकुश्रा, जिला—पटना ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मदन कुमार, पे०-लक्ष्मी प्रसाद, मो०-मीठापुर, बी एरिया, थाना-जक्कनपुर, जिला-पटना।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके प्वॉक्स सम्बक्ति के अर्थन के जिस् कार्यवाहियां करता हुं।

उपत तम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षप अन्न

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ वर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, को और अविध नाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति इसराए;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त काव्यों और पर्वों का, को उन्हें अभिनियम के बध्याय 20-क में प्रिभाविक ही, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में विका वक्ष हैं।

#### वयस्या

जमीन जिसका रक्या 4 कट्टा है तथा जो खाता नं० 83, तौजी नं० 5519, खसरा नं० 53, मौजा जलालपुर, थाना-दानापुर, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्णरूप से वसिका सं० 1983, दिनांक 25-3-83 में वर्णित है तथा जिसका निबंधन जिला भ्रवर, निबंधक, पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 8-11-1985

शाक्य भार्षं, दी, पून्, एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की भारा 269 भ (1) के अधीन सूचना

यार्थ सरकार

# कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

फ्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूस्य, 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीण जिसकें संव खाता नंव 184, खसण नंव 178, तौज नंव 139 मीजा, नौवतपुर, श्रशोबनगर, श्राना-कंद इवाद है तथ जो जिला-पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूत्र में श्रीर पूर्णस्प से वर्णित है), रिजस्ट्रान्ती श्रधिकार्द से वार्यालय, पटना में रिजिस्ट्राकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रध न तारीख 14-3-1985

को पर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार गृत्य, उसके रहयमान प्रतिफाल से, ऐसे रहयमान प्रतिफाल के प्रतिशत से बीधक है और अन्तरक (बन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नीनिक्त उद्देशकों से उस्त अन्तरण निचित्त में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तहर्ण संशुद्ध किसी बाग की शल्त, दक्त वीमनिवृत्र के संधीन कर योग के बन्तहर्क के व्यक्तिया में कभी करने वा बन्दने बन्दने में तुनिया के सिए; भीर/या

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निमालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रः सतरोहन महतो, श्रः सहदेव महतो, नोप्नोपतपुर, श्रमोप्ननगर, थाना-कं सहबाग, जिला-पटना ।

(भन्तरक)

(2) श्रं धनंजय प्रसाद, पे० स्व० जगतनन्दन प्रसाद, मो०-भाखनपुर, थाना-कोतवालः, जिला-भागलपुर ।

(प्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी कंरके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूज में प्रकासन की तारीचा थें 45 दिन की जबभि या तृत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीम से 30 दिन की जबभि, जो भी जबभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति स्थादित स्थाहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए या सकेंगे।

स्वक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त कर्यों और पर्यों का, वो उक्छ विधीनयम के वध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही वर्ष होगा नो उस अध्याय में दिस्स नया ही।

## प्रनुसूची

जमोन में दो मंजिला महान जिसंहा रख्या 9 धुर पांच ध्रकी है तथा जो खाता नं 184, खतरा नं 178, तौजो नं 139, मौजा, नौबतपुर, ग्रामो धनगर् थाना-कं इड़बाग, जिला-पटना में स्थित है। जो पूर्णरूप से वसिहा सं -1575 दिनां हा 14-3-1985 में विजित है। तथा जिलाहा निबंधन जिला ग्रवर निबंधन, पटना दारा सम्मन्न हुमा है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेंज, पटना

तारोख: 8-11-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सङ्गायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना पटना, दिनौंक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० III/1017/ग्रर्जन/85-86—न्यतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्ता उचित नाज़ार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० थाना नं० 93, तौजी नं० 5755, खाला नं० 106, प्लाट नं०-2, है तथा जो मौजा-चिलबिल , थाना फ़ुलवार , जिला-पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसुन में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रेंक्रिती श्रीधहार्र के कार्यालय, पटना में रिजिस्ट्रें रूपण श्रीधनियम, 1908 (1908 रा 16) के श्रीधान, तार ख 25-3-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझ यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण सं हुई किसी आयं की बाबत, जक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के बंदरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए;
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

मन जब. उक्त अभिनियम, **की भारा 269-ण को जन्सरण** मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (१४) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रः शिवदास सिंह, पे० मुखासिंह, सा० चिलबिलो, डा०-फ्सिरपुरा, थान.-कुलअस्टा, जिलान्पटना ।

(श्रन्तरङ्)

(2) जमल विद्वार सहकारः गृह निर्माण समिति लि०, हारा सचिव श्रां मांता प्रसाद सिह, पे० स्व० जगवम्बा प्रसाद, 56 एल० श्राई०सा० कालोनी कंकड़बाग, जिला-पटना ।

(श्रत्सरिती)

को यह सूचना अन्ते करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उन्त सम्पत्ति के वर्जन के तबंध हैं कोई भी बाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध फिटी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्त्ची

जमीन जिल्लका रक्या 4 कट्ठा 10 धूर है तथा जो थाना नं० 93, तौजो नं० 5755, खाता सं० 106, प्लांट नं० 2, मीजा- विलिश्विनी, थाता-फूलबारो, जिला-पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से विशिष्टा सं० 1978 दिनां ए 25-3-1985 में विणित है, तथा जिल्ला निवंधन जिला अवर निबंधक, पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्र∵स्ट नक्षम प्र≀धिकारी सहायक श्रायकर ग्रायूक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज, पटना

**तारीख**: 8-11-1985

# प्रकल नाहाँ , दी , दन् , दन् , - ० ५ - ०-

# वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाता 269-म (1) के वधीन त्यान

भारत सरकार

# कार्यक्रम, बहायक मायकर बायुक्त (निन्दीक्रण)

धर्जन रेज, पटना पटना, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निर्वेश सं । III/1013/मर्जन/85-86---- म्रातः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन तक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास फरने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० खाता सं० 633, खसरा नं० 1511, तौजा सं० 5505, थाना नं० 2, मौजा-मैनपुरा, थाना-फ़ुलकार , जिला है, तथा जो पटना 1 में स्थित है (श्रीर इसके उनावड श्रनुसुधी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट वर्ता श्रीकार के वर्ण कि है, रिकस्ट वर्ता श्रीकार के वर्ण कि है, रिकस्ट वर्ता श्रीकार के वर्ण कि श्रीकार, वर्ण कि ही, रिजस्ट वर्ण कि है, भी कि स्थान, तारीख 29-3-1985,

को पूर्वोक्क तस्पत्ति के उचित बाजार मृत्य हे कुन के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विद्यास का कारन है कि यभाव्योंक सम्पत्ति का प्रतिफल का पंत्रह इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त वृधिनियम के संधीन कर दोने के बस्त्रक के शासित्य वे कसी करने सा अबसे वचने में सुविधा के लिए; वीष्ट्र/सा
- (व) इंडी जिसी बाब वा किसी थव वा अन्य बास्तिनों को, नैवन्हें आरसीय आयकर अधिनियम, 1921 (1927 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिह;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1.) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रः उन्हेया लाल, पे० स्व० श्रः हरदास मल, मो०-प्ररदार पटेल पथ उत्तर्रः श्रः कृष्णापुरी, थानः-श्रः कृष्णापुर्रः, फिला-पटना । (ग्रन्सरक)
- (2) श्रा श्ररविन्द रंजन दासः, पे० महाकृष्ण दास सा०-बगरहट्टीः, याना-घनश्यामपुरः, जिला-दरभंगा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्य सम्पत्ति के अर्थन के हिनए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो को भीतर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय क्षारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबब्ध किसी अस्य व्यक्ति व्यारा कथोहस्ताक्षरी के पाव लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सका है।

# अनुमूची

जमीन जिसारा रक्या 1 कट्ठा 10 धूर है तथा जो खाता सं० 633, खसरा नं० 1511, तौजी नं० 5505, थाना नं० 2, मौजा-मनपुरा, थाना-फ़लवारी, जिला-पटना में स्थित है एवं जो पूर्णस्प मे वसिका सं० 2095 दिनांवा 29-3-85 में विणिष्ठ है तथा जिसका निबंधन जिला श्रवर निबंधक, पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधितार्रः सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्रःक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 8-11-1985

मोइरः

प्रकृष बाहुँ । टी. एन. एस.-----

**बायकर ब्रीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की** नाय 269-म (1) के अभीन स्थना

## मारत सरकार

# भागमिय, सहाथक नायकर मान्यत (निरीक्षण)

धर्जन दें ज , पटना

पटना, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निदेश सं ा 1/म्रजन/85-86--- अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे दवने इसके परकार उक्त विभिनियम कहा गया हैं) की भारा 269-व के लधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,89,000-ए. संब**धिक ह**ैं

श्रीर जिसकी संव होल्डिंग नंव 488/664, प्लाट नंव 48 टाईप, है, ब्लाक नं० 3, वार्ड नं० 12, है, तथा जो मो० राजेन्द्र नगर, थाना कटमकुत्रा, जिला पटना में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्चनसूची में श्रीर पूर्णस्था ने वर्णित है), रिजिस्ट्रीयाती श्रधिवारी के जार्यालय, पटा में रिजस्टु*ार*ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान, सार्राष्ट्र 23-2-1985,

की पर्वोक्स सम्परित के उचित वाकार मूल्य से कम के क्यामान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते ग्रह विश्वास कारने का कारण है कि स्थापवोंक्स संपरित का अधिक बाजार मुख्य, उसके दृष्यमान प्रिष्कल से, एसे दृष्यमान प्रक्रिकस का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्वरका) और अन्तारती (अन्तरितियों) 🕏 बीच एसं अन्तरणं 💆 निर्ण तव नाया गया प्रतिफल निम्मिसित उत्देख्य से जनत अन्तरण निचित में बारर्रावक रूप से कीश्वत पड़ीं किया गया है :---

- (क) जलारण संदुर्घ किसी भाग की जानूत, कींचीनवय के प्रधीन कर बोने के मन्तरफ के बाजित्व वें कनी करणे वा उपसं अपने में स्विभा के जिए; बौर/ल
- (७) एभी किसी भाग या किसी धन गा अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का रा) या उच्त अफिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती धुनास प्रकट नहीं किया नय। था वा किया नाना भाहिए था, कियाने में मुविधा कॅसिए;

त्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की अनुसर्थ में, में, उक्त अधिनियम की तरा 269-ए की उपधारा (1) क बचीर, निम्नसिधित व्यक्तियों, बर्धात :----

 (1) संख्यार सुरजीत सिंह। पे० सम्बार मेहर सिंह (2) सरबार महेन्द्रपाल सिंह (3) सरदार कुलदीर सिंह (4) सरदार प्रतिपाल सिंह (5) सरदार ोपिन्द्र सिन पे० सूरज*ा*न निहे, भी० 11, एक राजन्द्र नगर, थाना-एदमफ्राः

जिला-पटना :

(अन्तरक)

2. (1) डा० रामकृष्ण मोदी पे० बजरंगलाल मोदी, (2) डा० प्रमिला मोदी, जोजे डा ० रामकुष्ण मोदी, रींड तं० 8की, पाजेन्द्र नगर, थाना-क्ष्यमधूंन्ना, जिला-पटना ।

को यह सुचना बारी करके पुर्वोक्त संपरित के वर्णन के सिक् कार्यवाष्ट्रियां शुरू करता हुएं।

उक्त सम्मिन के अर्जन के मंजंध में कोई भी जाकोप :---

- (क) इस स्थान के राजपक में प्रकाशन की तारीय से 45 वित की जनभि का तत्सकारथी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 ोनन की समिप, को भी जनिष् काव में तमाप्त (टोनी हो, को भीतर प्रवेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति क्याच:
- (बा) इस स्थाना को राजपण में प्रकावन की तार है से 4.5 दिन के भीत र उरूर स्थावर मध्यस्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिकित के किए का मकेंगे।

स्यब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त कर्ी और पद का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ हाँगा, जो उस अध्याय में विदा नवा है।

## **मनुसू**पी

जमीन मय मकान जिसारा एकवा 760. 78 वर्ग यार्ड है तथा जो होल्डिंग नं० 488/664 प्लाट नं० 48, टाईप-ई, ब्लाक नं० 3 , वार्ड नं० 12 , सो-राजेन्द्र नगर , थाना-बदम कुन्ना , जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से वसिका मं० 1929 दिनांक 23-3-85 में वर्णित है तथा जिस हा निबंधन जिला अवर निबंधक, पटना के बारा सम्पन्न हमा है।

> दुर्गाप्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहाय क आयक्त आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें ज, पटना

**नार्**।खं : 8-11-1985

मोहर:

11-356 GI/85

# मुक्तप बाइं. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुमना

### भारत चरकार

कार्यालय, सष्टायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ध्वर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्वेशं सं० 3-994/श्रर्जन/85-86→—यतः, मुझे, दुर्गा प्रसाद श्रीधानगर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गथा है, की भारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार ब्रस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० होल्डिंग नं० 31 (पार्ट) एवं नया होल्डिंग नं० 38 (पार्ट), सिंकल न० 6, वार्ड नं० 2 (पुराना) 10 नया है, तथा जो मोहल्ला सिन्हा लाईब्रेरी रोड़, थाना—कोतवाली, पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में श्रीर पूर्ण पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता धिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण धिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12 मार्च, 1985

को पूर्नीक्त सम्मित के जाँचत बाजार मृस्य सं कम के व्यवसाय प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांका संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्ध्यमान प्रतिफल के, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वर्ष से उक्त अन्तरण विश्वत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बिध-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; बरि/या
- (ण) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का किन्द्रों अवस्ति अवस्ति सिक्षियम, 1920 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधानन के उप्रधानन के उप्रधानन के अधिन प्रधान के सिक्ष जाना पाहिए था, छिपान में सुविधा के सिक्ष;

कतः अन्, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त क्यैंभनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

 श्री तारा भूषण मुखर्जी सा० सिन्हा लाईब्रेरी रोड़, फेजर रोड़, थाना—कोतवाली, पटना

(अन्तरक)

 कुमारी शकुन्तला देवी अग्रवाल, राजेन्द्र नगर, थाना—कदम कुंग्रा, यटना

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां घूरू करता हूं।

उस्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिभ नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस स्वान के राजवंत्र में प्रकाशन की तारीय सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहा-ताक्षारी के
  पाम विभिन्न में किए जा सकीये।

स्वक्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, बही अर्थ होता, जो उप करता व दिया गया है।

# वन्स्ची

जमीन मय एक मंजिला मकान जिसका रकवा 2297 वर्ग फीट है जो मोहल्ला, सिन्हा लाईब्रेरी रोड थान। कोतवाली पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण वसिका संख्या –1-3726 दिनांक 12मार्च 1985 में विजित है श्रीर जिसका निबन्धन सब रिजस्ट्रार श्राफ एस्योरेंसेज, कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुंश्रा है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रामकर भ्रायुक्त (निरीक्षण ) भ्रजीन रेंज, पटना

सारीख: 4-11-198**5** 

प्रकृष आहें , टी. एत. एस. ------

शायक इं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-म (1) के अधीन सूत्रना

#### भारत सम्बद्ध

कार्याजन, सहायक जायकह बायुक्त (निर्धाशण)

म्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 3-995/श्रर्जन/84-86—स्वतः, मुझे, दुर्गा प्रसाव, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्ण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार स्स्य 1,00,000/-रः से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं होल्डिंग नं 0-31 (पार्ट) एवं नया होल्डिंग नं 38 (पार्ट), सिकल नं 0-6, वार्ड नं 0-2 (पुराना) 10 नया है, तथा जो मोहल्ला सिन्हा लाई ब्रेरी रोड, थाना—कोतवाली पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 12 मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरबमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे देश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तह पामा ज्या प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेक्य से उक्त अन्तरण जिखित मे इस्तिबक कम से किथा नहीं किया गया है

- (भा) मन्तरण ते शुक्र किसी नाम की नामत, उसा मधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामिरव मा कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/यः
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिबों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया जाना चाहिए था जिल्लाने में स्थिमा के लिए;

अतः तव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की लपधारा (1) के अधीन, ∜नम्नसिकित व्यक्तित्यों, अर्थात् ≝—

 श्री ताराभूषण मुखर्जी सा० सिन्हा लाईब्रेरी रोड़, फ्रेंजर रोड़, थाना—कोतवाली, पटना

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती निर्मला देवी ध्रग्रवाल सा० आर्य कुमार रोड़, राजेन्द्र, नगर थाना—कदम कुंग्रा, पटना

(भ्रन्तरिती)

की यह सुचना कारों करक एवींका मुक्तीत क कवन के निक्र कार्यवाहियां करता हो।

उम्स सम्पत्ति को अर्जन को मधीन हो काड़ी भी आक्षेप ----

- (क) इस स्थान के राजपत में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यिक्तयों पर स्थान की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यिक्तमों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान निक्षित मा किए मा स्किन ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त बन्दी भेर पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनु सूची

जमीन सथएक मंजिला मकान जिसका रकवा 1378 वर्ग फीट है जो मोहल्ला-सिन्हा लाईब्रेरी रोड़, थाना-कोतवाली, पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण वसिका नं० 1~3733 दिनांक 12-3-1985 में वर्णित है थ्रौर जिसका निबन्धन सब रजिस्ट्रार थ्राफ एस्योरेंसेज, कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पटना

तारीख : 4-11-1985

# प्रकप बार्ड , दी , एक , एस , -----

आयकार अधिनियम, 1.961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

## कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रंज, पटना

पटना दिनांक 8 नवम्बर, 1985

हायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकें। सं बाता नं 240में (०, 237में (०, 366में (०, लाट नं ० 372में (०, 377में (०, 138मीनया लाट नं ० है, तथा जो 415, 513, थाना नं ० 100/1, पुराना वार्ड नं ० 21, नया सं ० 27, मौजा अब्दुला नगर, थाना-सदर, जिला-पूर्णिया में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रन्सूच में ग्रीर पूर्णे रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रें । कर्ता श्रिक्ष करों के कार्यालय, पूर्णिया में रजिस्ट्रें । कर्ता श्रिक्ष करों के कार्योन, सारी ख 29-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियभाग प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथिल नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उचत बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (ख) एमें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनगम, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रश्नित्रार्थ अंतरिक्षां द्वारा अकट नहीं किया गया ना या किया चाना वाहिए था, जिलाने में सुविधा के लिए;

बतः बज, उक्त बिधनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) जें के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिन :--- (1) श्रः छागमल पे० स्व० तेजमल, सा० गूलाबबाग, थाना-सदर, जिला-पूर्णिया ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मण कुमार श्रग्नवाल, पे० सत्य नारायण श्रांवाल, सा० गुलाबबाग, थाना-सदर. जिला- पूर्णिया । (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन चे लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियो जा सकी।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यम हैं।

#### . ग्रनुसूची

जमीन जिसका रकबा 8 कट्ठा है तथा खातानं० 36*6*मी०, 237मी०, पूराना 240मी०, प्लाट 372मी०, 138मो०, नया प्लाट नं० नं० 514, 513, थाना नं० 3 2मी०, 138भी ०, नया प्लाट नं० 514, 513 थाना नं० 100/1, पुराना वार्ड नं० 21, नया नं० 27, मौजा श्रब्दुला नगर, थाना-सदर, जिला-पूर्णिया में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से वसिका सं० 3833 दिनांक 29-3-85 में वर्णित है, तथा जिसका निबंधन, जिला आवर निबंधक, पूर्णिया के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रजैन रेंज, पटना

तारीख: 8-11-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जामकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जमरेज, पटमा

पटमा दिमांक 4 मवम्बर, 1985

निदेश सं० III/1001/अर्जन/85-86—अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

क्षायकर ब्रांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 924, खाता नं० 13, तीजी नं० 18224 पुराना 5453 है, तथा जो वसन्त बिहार कालोनी, बोरिंग पटना में स्थित है (श्रांत इससे २५) बढ़ अनुसूची में श्रांत पूर्णस्प से विणित है), पित्रस्ट्रीव तो अधियारी के वायालय, कलब ता में पित्रस्ट्रीव करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से किथत महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुइ किसी बाय कां/ वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कसी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

जतः अध, उन्ते अधिनियम की धारा 269-ण के जनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ु— (1) श्री हनुमान प्रसाद भगत, हिन्दू संयुक्त परिवार, सा०-सब्जी बाग, थाना-पिरबहोर, पटना-4।

(अन्तरक)

(2) श्री वीपक रंगता, पिता श्री देव प्रकाश रंगता, सा०थाना/जिला—वेगुसराय ।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मक्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हानेगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

## मन्स्ची

जमीत मय दो मंजिला मकाम जिसका रकबा 4521 वर्ग फीट है। तथा जो मोहरूला वसन्त विहार कालोती, बोरिंग रोड, पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण वसिका 1-4858 दिनांक 29-3-1985 में विणित है और जिसका मिबंघन सब रजिस्ट्रार आफ एस्योरेन्सेज, कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 4-11-1985

प्रचम् बाई.टी.एन.एव. -----

कायकार जीपनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के जधीन सूचना

### TIES STORY

कार्यालय, सहायक भागकर वागुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जनरेंज, पटना

पटना विनांक 4 नवम्बर, 1985

निदेश सं० III/1002/ग्रर्जन/85-86---श्रतः मुझ, दुर्गा प्रसाद,

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा यमा हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्तम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित नाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव प्लाट नंव 924, खाता नंव 13, तौर्जा नंव 18224 पुराना-5453 है, स्था जो वसन्त विहार हालोना, बोरिंग रोड, पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड श्रन्सुच: में ग्रीर पूर्णरूप से बणित है), रजिस्ट्रीय ती श्रीध्वार में ए ए प्रीर किला की रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 वर 16) के श्रीधान, तारीख 29-3-85

ो पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास की यह विश्वास का मूल्य, उसके दश्यमान प्रविक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्त से अधिक है और अन्तरिक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिख उद्वश्य से उसत अन्तरण किवत में बास्तिबक रूप से किवत नहीं किया गया है है—

- (क) बम्सह्य चं हुइं क्रिडी काय की बाबत, अन्ध विभिन्न के बमीन कह दोने के अन्तरक के दाहित्य में क्रिकी करने वा उससे बचने में सुमिधा के सिए; बीर/वा
- (थ) एसी किसी नाम ना किसी नुन या नन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्छ न्यिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के इस्तेष्ट्रार्थ अन्तिरसी ह्यारा प्रस्ति नहीं किस नया या वा दिक्स काला आहिए था किसने वे तुनिधा के लिए;

भनः मन, उन्न अधिनियम् की भाषा 269-न के वभुत्रश्य मों, मी, उन्न अधिनियम् की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, अर्थात् हि—— (1) श्री हनुमान प्रसाद भगत, संयुक्त हिन्दू परिवार, सा० सब्जी बाग, थाना-पिरबहोर, पटना-4

(भ्रन्तरक)

(2) श्री देव प्रकाश रंगता सा०-/थाना/जिला-वेगुसराय ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वकाहक करका हूं।

उन्त सम्पन्ति के नर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र हु---

- क) इस त्याप के राजपत्र के प्रकासन की तारीस से
  45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी स्पर
  सूचना की तासील से 30 दिन की समीध, को भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  स्विक्तवों में से किसी स्पन्ति बुदारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्त्र कें श्रकाशित की तारी के से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कें पास सिवित कें किए आ करोंगे।

स्काद्रोकरणंड़---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया सवा हैं॥

## धनुसूची

जमीन मय दो मंजिला मशान जिसका रशबा 4521 वर्ग-फ़ीट हैं। तथा जो मोहल्ला वसन्त बिहार कालोनी, बोरिंग रोड, पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण विस्का सं०-4857 दिनांक 29-3-85 में विणित है और जिसका निबंधन सब रिजस्ट्रार आफ़ एस्योरेन्सेज, कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 4-11-85

मोहरः

प्ररूप अन्तर्रः, टी. एनः, एसः,-----

आधकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जामकर आमुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, पटना

पटना दिनां ः 4 नवम्बर, 1985

निदेश सं ा III 1000/प्रार्जन/85-86—प्रातः मुझ, दुर्गा प्रसाद माबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कों, यह विक्सात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपिक्ष बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हो

श्रीर जिसकी संव होस्डिंग नंव 31 (पार्ट), एवं नया हीस्डिंग नंव 38 (पार्ट), सिन्सि नंव 6, वार्ड नंव 2, (पुराना) 10 (नया) है सथा जो मोहल्ला सिन्हा लाईब्रेरी रोड, थाना कोसवार्ल, पटना में स्थित (श्रार इससे उपाबक अनूसूच में श्रीर पूर्णक्ष में विणित है), रिकर्ट वरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिथीन, सारीख 12-3-1985,

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाबार मूल्य से कम के अवसान प्रतिफद के लिए बन्तरित की गई है और मूजो वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उनके अवसान प्रतिफत से एसे अध्यमान प्रतिफत का पंद्रह प्रतिशत के बीधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अम्तरण के लिए तब बागा नका प्रतिफत निकालिया उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्बित में बास्तिका हननितिया तहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

(1) अभिया भूषण मूखर्जी, जा०-सिन्हा लाईब्रेरी, रोड, फेजर रोड, थाना, -कोतवाली-पटना ।

(भ्रन्तरक)

(2) निर्माला देवी श्रग्नशाल सा० आर्थ फुमार रोड, राजेन्द्र नगर, थाना-कदम फुंझा, पटना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह त्या जारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिकां करता हु।

उक्त सम्बक्ति को अर्जन को सम्बन्ध को कोई भी काक्षेत्र :---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबिध, जो भी अबीध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य स्थानर दूनारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्दीकरणः -- क्समें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का, जो उक्त जिथितियमः, के जध्याव 20-क में परिभाषित ह<sup>क</sup>ें, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्वाव में दिया गया हैं।

# अनुस्ची

जमीन मय एक मंजिला मकान जिसका रकबा 1378 वर्ग फ़ीट है तथा जो मोहल्ला-सिन्हा लाईब्रेरी रोड, थाना-कोतवार्ला, पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं० 1-3727 दिनां है 12 3-1985 में वर्णित है ग्रौर जिसका निबंधन सब रजिस्ट्रार ग्राफ एस्थोरेन्सेज, क्लकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुमा है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, पटना

अत: इब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुब्ररण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग व्यक्ति उपभारा (1) के अधीन, निम्हांतिविस व्यक्तियों, अर्थात् हु---

सारीख: 4-11-1985

प्ररूप आई. 'टी. एन. एस. -----

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

## भारत सरकात

कार्यानय, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जनरें ज, पटना

पटना, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निदेश सं० III/996/अर्जन/85-86—अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं० विल्डिंग न० 31(पार्ट), एवं नया होल्डिंग न०

ग्रीर जिसकी सं० बिल्डिंग न० 31 (पार्ट), एव नया होल्डिंग न० 38 (पार्ट), सिकल न० 6, वार्ड न० 2, (पुराना) 10 (नया), है तथा जो मोहल्ला सिन्हा लाईब्रेरी रोड, थाना-कोतवाली, पटना में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 1908का 16) के अधीन तारीख 12-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वितिकत, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किचित में बास्तिक रूप से किचल नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने थे सुविधा के स्तर; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय मा किसी धन या ं बन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-क्ष्य अधिनियम, या धन-क्ष्य अधिनियम, 1057 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

् अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) तारा भूषण मुखर्जी सा०-सिन्हा लाईब्रेरी रोड फेजर रोड थाना-कोतवाली पटना।

(अन्तरक)

(2) सुभद्रा देवी अग्रवाल सा०-आर्य कुमार रोड राजेन्द्र नगर थाना-कदम कुंआ पटना।

(अन्त रती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

# उक्त सम्मित्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पारू लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथानियम के जध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्स्ची

जमीन मय एक मंजिला जिसका रकबा 2297 वर्ग-फीट है तथा जो मोहल्ला-सिन्हा लाईब्रेरीरोड कोतवाली पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं 0 1-3730 दिनांक 12-3-85 में विणत है ग्रौर जिसका निबंधन सब रजिस्ट्रार आफ एस्योरेन्सेज, कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज, पटना

तारीख: 4-11-1985

इक्स बाइ . टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, पटना

पटना दिनार 4 नवम्बर, 1985

निदेश मं ाा—993/ग्रर्जन/85-86----श्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परनान् 'तकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 769-क के अधीन महारा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण में कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकें। में ० होल्डिंग नं० 31 (पार्ट), एवं नया होत्डिंग नं० 38 (पार्ट), सिंग्ल नं० 6, वार्ड नं० 2 (पुराना) 10 (नया) हैं तथा जो मोहल्ला जिल्हा लाईबेर रोड, थाटा-कोनवालं, पटना में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद अनुमूची में श्रीर पूर्णेक्ष्य में विजत हैं), रिजस्ट्रें ति श्रीक्षणार्थ के वार्यालय, एलड सा में रोजस्ट्रें करण प्रधिनियम, 1908 (1908 सा 16) के श्रीक्षोन, तारिष्य 12-3-85 को पूर्वेक्षत सम्पत्ति के उचित बाबार मृन्य में कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्षत सम्पत्ति का उचित बाबार मृन्य में कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्षत सम्पत्ति का उचित बाबार मृन्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल सें, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का नहीं का श्रीर अंतरक (अंतरकां) बार अंतरितीं (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष्य, विश्वासित वृद्धेक्ष वे बच्च व्यवस्थ विश्वास के वार्य स्थान विश्वास के क्या से क

- हैंके ने कार भी सूची कियों जाय की वायस क्या क्रीय-भिनम की समीत कर योगे के समाज्ञक के सामित्व की भागी करने वा ससने वायने भी स्विका की क्रियों सार वा/
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों सी, जिन्हों भारतीय बायकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत जीधनियम, या धन- अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के जिल्लाची अन्तिरती स्वारा प्रकट नहीं किया बना धा या जिल्ला जाना चाहिए बा, कियाने में सुनिधा की सिध;

लसः क्वा, उक्त विभितिषव की भारा 269-ण के, वनुसरण भी. मी. उक्त विभिन्नम की भारा 269-ण की संप्रधास (१) भी कभीतः निम्मीस्थित व्यक्तियों, वर्षोत् रू—र 12—356 GI|85 (1) तारा भ्षण गृखर्जी, पा०-पिन्हा आईक्षेरा रोड, फ्रेजर रोड, थाना-कोनवाली-पटना ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रामती निमला देवी अग्नवाल, सा० श्रार्थ कुमार रोड, राजेन्द्र नगर, थाना-ादम कुंग्रा, पटना ।

(म्रन्सरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के हिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्ह तम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप ह-

- (क) इस स्वना है राजपण में प्रकाशन की तारीज सें 45 दिन की जनीं या तत्सकारी व्यक्तियों रर स्वना की तामीन से 30 दिन की जनीं या वो बी जनिंध बाद में सजाप्त होती हो के भीतर प्रवित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वृष्य किसी बन्य व्यक्ति इवारा, बभोइस्ताक्षरी चे पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्वक्षीकरणः —-इसमें प्रवृक्त कर्मा और पर्यो का, जो अवस विभिन्नम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहाँ कर्म होगा को उस अध्याय में दिवा गया हाँ।

# अनुसूची

जमीन मय एक मंजिला मकाम जिसका रकबा 2297 वर्ग-फ़ीट है। तथा जो मोहस्ला सिन्हा लाईब्रेरो रोड, थाना-कोतवार्ला, पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण सं० 1-3732 दिनांक 12-3-85 में अणित है और जिसका निबंधन सब रजिस्ट्रार ब्राफ़ एस्योरेन्सेज, यसकता के हारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकार सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर क्षण) ग्रर्जन रेज़, पटना

तार*ी*ख: 4-11-19**8**5

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निर्देश सं । III 997/श्रर्जन/85-86--ग्रत: मुझे, दुर्गा प्रसाव,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षण प्रशिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या होल्डिंग नं० 31 (पार्ट) एवं नया होल्डिंग नं०-38 (पार्ट), मिकल नं० 6, वार्ड नं०-2 (पूराना) 10 (नया) मोहल्ला-सिन्हा रोड, थाना कोनवाली, पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधि-कारी के कार्यालय कलकला में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 12-3-85 को पर्वोक्त सम्परित के उचित राजा रमल्य से कम के इक्समान प्रतिफल के लिए उस्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवास से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया कथा प्रतिफल निम्निलिखित जदवादेय से जक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आग गा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ज्वत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः छज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिस्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री ग्रमिया भूषण मुखर्जी, सा०-सिन्हा लाईक्रेरी रोड़, फ्रेजर रोड़, थाना-कोतवाली, पटना

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुभद्रा देवी श्रग्रवाल, सा० श्रार्थ कुमार रोड़, राजेन्द्र नग,र थाना⊶कदम कुंग्रा, पटना

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः --इसमें प्रयुक्त अब्दां और पदां का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## पनुसूची

जमीन मय एक मंजिला मकान जिसका रक्का 2297 वर्ग फीट है, जो मोहल्ला-सिन्हा लाईब्रेरी रोड़, थाना-कोतवाली, पटना में स्थित है नथा जिसका पूर्ण विवरण वसीका संख्या-1-3722 दिनांक 12-3-85 में वर्णित है और जिसका निबन्धन सब रजिस्ट्रार श्राफ एस्यारेंसेज, कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुन्ना है।

> दुर्गा प्रमाद सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिह्यार, पटमा

तारीख: 4-11-1985

## प्रकृष् बार्ड ् दी ् प्युत् प्रकृतकात्रका

नायभार निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

## मारह तरुका

कार्याजन, सहायक मायक र अवयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निदेश सं । III 1003/म्रर्जन/85-86---भ्रत : मुझे, दुर्गा प्रसाद,

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें ध्राके परचात् उन्त निधिनियम कहा मना ही, की भारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्चात करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नामार मून्य 1,00000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसको संख्या वार्ड नं० 2, सिकल नं० 9 प्लाट नं० 722 (पा), हाल्डिंग नं० 2134 (पार्ट)/494 है, नथा जो एक्जोबीसन राड़, पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचों में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारों के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधोन, नारीख 9-3-85

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला सं कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल सं, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत सं अधिक है जार अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम् पाया गमा प्रतिकृत, निम्नतिबिक्त उद्वेदम् सं उक्त अन्तरण जिन्ति में अस्मिनक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आम की सावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उन्नुखें क्लूने में सुविधा के सिए; औड़/या
- (ध) ए'सी सिसी जांच वा किसी धन था जन्य जास्त्रायों का जिन्ही भारतीय जांच-कर जीवनियन, 1922 (1922 का 11) वा उनत जीवनियम, वा धनकर जीवनियम, वा धनकर जीवनियम, 1957 (1957 का 27) के हक्के बार्च अन्तरिती हुवारा अकट नहीं किया गया था या जिल्ला जांगा जाहिए था, कियाने में वृद्धिया के रिक्टा

सतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जनसरक मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री निर्मला चन्द्रा, स्कुमपुरा, बेली रोड़, थाना-दानापुर पटना

(अन्तरक)

(2) मैंसर्म श्राम कैरेईग कारपोरेशन इसके पार्टनर श्री श्रन्नपूण देवी वंगैरह गाबी नदान, यटना

(भ्रन्तरिती)

का वह स्थान वारी करके पूर्वांक्त सपस्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां कारता

बन्द सम्मिति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाषांच ....

- (क) इस त्यमा के राज्यन में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की स्वर्धि वा तत्वन्यन्थी व्यक्तिकों वृद्ध स्वया की सामीस से 30 विन की मनिथा, वो भी क्यथि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तिक स्वराध;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के मीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी जन्म स्थानत क्यारा नभाइस्ताकड़ी ने गास लिए में किस आ सकींगे।

स्पव्दीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया हाँ।

## प्रनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकता 1 कठ्टा 15 घुर है। जो मोहल्ला-एकजीवीसन रोड़, पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण विभाग संख्या-1-3099 दिनांक 9-3-85 में विणित है और जिसका निबन्धन सब रिजस्ट्रार आफ एस्योरेसेज, कलकत्ता के द्वारा मन्यत हुआ है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, श्रजैन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 4-11-1985

# बच्च बार्च हो हुन व्यक्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के बचीन सूचना

## भारत हरकारे

# कार्यांचय , सहायक बायकर बायुक्त (निक्रीक्रक)

म्पर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० 3 998/मर्जन/85-86-मात: मुझे, तुर्गा प्रसाद,

कायकार अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकरी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/-रा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या होल्डिंग नं० 31 (पार्ट) एवं न होल्डिंग नं० 38 (पार्ट), सिकल नं० 6-वार्ड नं० 2 (पुराना) 10 (नया) मोहल्ला-सिन्हा लाई बेरी रोड़, थाना कोतवाली पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिध नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 12-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य सं कम के इच्छमान प्रतिपत्त को नाई है और मुक्ते यह निक्वाल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संवत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिपत्त से, ऐसे व्ययमान प्रतिपत्त का पन्त्रह प्रतिश्वत से अभिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्त-दिशी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिध् तब पाया गवा प्रतिपत्त ल्लीम्निलिखत उद्योग्य से उक्त अन्तरण किवित में बादतीक रूप से कथित महीं किवा गवा है :—

- (क) अल्बरण सं हुई किसी जाय की बाबब, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्मरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के निष्; और/सा
- (का) एेसी किसी जाय या किसी थन या अन्य आस्तिनों को जिन्हों भास्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रभोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा भा या किया जाना बाहिए था, ख्रियाने में सुविधा को लिए;

बतः अव, क्ष्यतः विविधियात्र की वारा 269-ग के बन्तरण वा, जो क्याः विभिन्नियम की भारा 269-म की अपभारा (1) के क्योग्रिक निकासिक निकासों, संस्थि क्षाः (1) श्रमिया भूषण मुखर्जी,
 सा० सिन्हा लाईब्रेरी रोड़, फैंजर रोड,
 थाना-कोतवाली, पटना

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला देवी अग्नवाल मा० श्रार्य कुमार रोड़, राजेन्द्र नगर, थाना—कदम कुंग्ना, पटना

(भ्रन्तरिती)

को यह तूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सर्वधामी कोई भी आओए :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा सं 45 दिन की बनीध या तत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, को श्री मनिष बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वादा;
- (क) इस सूचना को राजपत मो प्रकाशन को तारीका ते 45 दिन को भीतर उदत स्थायर सम्मिता मो तिराजक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी को शक निराज में किए जा सकी गे।

स्पाक्षीकरणः — इसमे प्रयुक्त व्यव्यों और पदो का, जो जनत अधिनियम के बन्धाय 20-क में परिभाषिक है, वहीं वर्ध होंगा जो जस सन्धाम में विका गया है।

#### संबंध की

जमीन मय एक मंजिला मकान जिसका रकबा 2297 वर्ग फीट है, जो मोहल्ला सिन्हा लाईबेरी रोड, थाना—कोतवाली पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण वसिका संख्या--1-3734 दिनांक 12-3-85 में विणत है ग्रीर जिसका निवन्धन सब रिजिस्ट्रार श्राफ एस्योरेंसेज, कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुग्रा है।

दुर्गा प्रभाद सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 4-11-1985

माहर 🖫

# प्रकार नाह<sup>र</sup>ं द**ी**ः पुन्ने पृत्त<sub>ा व्यवस्थानस्य</sub>

# नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीत सुलना

# भारत सहस्रार **कार्यासय , सहायक अध्यक्त आयुक्त (किरीक्षण)** श्रजैन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० 3 999/श्रर्जन/85-86--श्रत: मुझे, दुर्गा प्रसाद,

आयकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात् 'उक्त अधितियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण ह' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उज्जित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या होल्डिंग तं० 31 (पार्ट) एवं नया होल्डिंग नं० 38 (पार्ट), सिकल नं० 6, वार्ड नं० 2, (पुराना) 10 (नया) मोहल्ला—सिन्हा लाईब्रेरी रोड, थाना कोतवाली, पटना में स्थित है (ग्रीर इममें उपावद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप न यिपन है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रशीन, तारीख 12-3-85 का प्रावित सम्पत्ति के उपावत बाजार मृत्य न कम के दृश्यमान शितफल के निए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रीवत सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह जित्रका स अधिक हो और अतरक (अतरका) और प्रतिरित्ती (श्रन्तिविद्दी) के बीच एन सम्बर्धण के निए तय पाया स्था प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुए किसी आप की असर, उस्त अधिनियम के अधीन के, या की अन्तरक की दायिएन में कमा करने ये, उसरा बचा में स्विधा के सिए; बीर/म
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियां की, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम . 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनंकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था स्थिपाने में सुविधा के सिए;

शतः अथः, उक्त विधिनियम की धारा 269-श व्ये अमुसरण वं, भें हक्त विधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, निध्नि :— (1) श्रमिया भूषण मुखर्जी, सा०-सिन्हा लाईक्रेरो रोड, फेजर रोड़, थाना-कोतवाली, पटना

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मेला देवी भ्रग्नवाल, सा० श्रार्थ कुमार रोड़, राजेन्द्र नगर, थाना—कदम कुंग्ना, पटना

(अन्तरिती)

का यह सूचनः जारा कारक ्षा । १९५५ अ वक्त की लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सर्जं भा कार्य भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर क्षणा की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो. क भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस मुचना के राजपण भा अकावन को तारीक के 45 दिन को भीतर अक्त न्थानर सम्पत्ति में हित- बक्ष किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निर्माण में जिल्ला का तार में .

रपक्तिकरणः क्रिसमा (जुल्ल २०) और धर्मा का, माँ समस् विधिनियम, की अध्याद १(०-क मा परिभाषित ही, मही अर्थ होगा था अस स्थाद में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन मय एक मंजिला मकान जिसका रकबा 2297 वर्ग फीट हैं। जी-माह्ला-निल्हा लाईश्रेरी रोड़, याना-कोतवाली, पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण विस्का संख्या-1-3724 दिनांक 12-3-85 में विणि है श्रोर जिसका निबन्धन सब रिजस्ट्रार श्राफ एस्योरेसेजल कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महासक जायकर सासुक्त, निरीक्षण श्रजेंन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 4-11-1985

# मुक्त बार्ड . दर् . एन् . एक् . .....

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) की अधीर स्वया

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदर(बाद

हैदराबाद, दिमांक 8 मवम्बर 1985 मिदेश सं० आर० ए० सी० नं० 491/85-86--अतः मुक्ते, एम० जगन मोहन,

माथकर मिथनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रहः से आंधक हैं

भीर जिसकी संख्या भूमि है, जो गोलापुडी बिलेज, विजयवाड में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीजर्ता अधिकारी क कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3/85

को पूर्वेक्ति सम्पित्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है आर मूझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) सम्तरण तं हुई कियों नाय की वावत, पत्तः अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा अध्यक्ष अधि/भा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1987 (1987 का 2) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उन्त अधिनियम की धारा 209-ध का उपमारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनतयों, अधीत् :---

(1) श्री सी० एच० वें कटेश्वर राज, पिता विरय्या ग्रीर अन्य 6, गोनापुडी, विजयवाडा ।

(अन्तरक)

(2) विजयत्राङा होलसेल कार्माशयल कम्प्लेक्स, भेम्बरस बेलर्फियर सोसायटी बाइ प्रेसीडेंट श्री जे० रामूस्वामी गुप्ता ग्रीर, जनरल सेकेटरी श्री ए० आर० गोपाल राय, 11-50-37, शिवालयम लेन, विजयवाडा-1 (अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पृथीवत सभ्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

रुक्त सम्पात्स के अजन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप रू---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पृष्ट कृता की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, व्यक्ति अविभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीण के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितवयुध् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास निष्कित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उन्हें अभिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में विवा स्या हैं।

#### अन्त्र्यर

विस्तीर्ण भूमि 1.48, 3/4, एकड़, गोतापुडी विलेज, विजयवाडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1711/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाडा।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

ता**रीख**: 8—11—19**8**5

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ½69-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जम रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिमांक 8 नवस्बर 1985

मिदेश सं० आर० ए० सी० नं० 492/85-86--अत: मुझे, एम० जगन भोहम,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पहचात् 'जक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या घर है, तथा जो गवनैरपेट, विजयवाडा में स्थित है (भ्रीण इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीप पूर्ण रूप से विजयवाडा में विजयवाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के व.र्यालय, विजयवाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिगियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3/85

को पूर्वोक्त नंपति के उचिन बाजार मृत्य में कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलांबत व्यक्तियाँ, अधीत :---

(1) श्री पी० रामलिंगेश्वर राव. पिता लेट श्री पी० आपराव गवर्नरपेष्ट, श्रिजधवाडा ।

(अन्तरक)

(2) मैं सर्म सन्तोष इस्टेट प्रा० लि० बाइ डायरेक्टर श्री टी० वेंक्टहानुमंतरा, राजगोपालचारी स्ट्रीट, गवर्नपेट विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सम्राप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत
- (स) इस सचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति हो हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परिभा-षित हूँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

## अम्स्की

घर न० 24-252, प्रकाणम रोड, गवर्नरपेट, विजयवाडा विस्तीर्ण, 922 चौ० गज, अपेसमेंट नं० 20804/ए, से एफ०, रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 1732/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाडा।

> एम० जगम मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 8-11-1985

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . -----

बाग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भागत सरकार

कार्यालय . सहायक आयाज्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिमांक 8 मुबम्बर 1985

मिर्देश स० आर० ए० सी० नं० 493/85-86---अत: मझे, एम० जगन मोहम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात (उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से उधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या घर है, जो गवर्नरपेट विजयवाडा में स्थित है (श्रीर इसने उपाक्षद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन गारीख 6-85

को पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गर्छ है और मूक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति सम्प्रीत का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रत प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे बतरण के लिए तय पाया गया ब्रतिफल, निम्निलिसित उद्देष्ट्य से उस्त बंतरण लिखित में भारतीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरफ ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बीध-गियम के अधीन कर बोने के अंतरक के बायित्य में कमी करने या उससे क्याने में सुविधा के निए; जौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, कियाने में सूविधा के सिए;

अतः शब, उक्त ओधनियम की धारा 269-ग के अन्करण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पि० रामिनगेश्वर राब,पिता लेट श्री पि० आपाराब,गवर्ननरपेट, विजयवाडा ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स सन्तोष इस्टेट प्रा० लि० बाइ डायरेक्टर श्री टी० वेंकटहानमंतराव, राजगोपालचारी स्ट्रीट, गवनंरपेट विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चनत सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाया:
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

#### मगचर्च

घर नं० 24-252, प्रकाशम रोड़ गवर्नरपेट, त्रिजय-वाडा, विस्तीर्ण 922 चौ० गज., अमेसमेंटस तं० 20804/ ए से एफ, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4258/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयशाङा ।

> ्षा जगन मोह्स सक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षा) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-11-1985

मोहर 🕆

34

# प्रकृप आई.डी.एन.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर वायुक्त (निराक्षक) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

मिर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 494/85—86——आतः मुझे, एम० जगम मोहम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

269-स के अभान सक्षम प्रााधकारा का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्टित बाजार म्स्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या घर है, जो सुर्यारावपेट, कालेस्वर राव रोड़ स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3/85

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मृत्या से कम के दृष्यमार प्रतिकाल के लिए जन्तरित की गई है जीर मृत्ये मह विश्वास करने का कारण है कि वधा पूर्वोक्त कम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके प्रयमान प्रतिफल से, एते क्यमान प्रतिफल के पंक्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विक्षा के लिए; और/वा
- (का) ऐसी किसी भाग या किसी धन या कन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्ट अधिनियम की धारा 269-श के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्निजितिक व्यक्तियों, अर्थात् हि— 13—356 GI/85 (1) श्रीमती के० सीतादेवी (अलीयास: विजयालक्ष्मी) पित राषुनाथ, कालेस्वर राष रोड, सुर्यापेट, विजयवाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री आजूमुलाखान, पिता बसीरखान श्रीर अन्य 3, डी० नं० 29-13-87 ए सुर्यारावपेट, कालेस्वर राव रोड, विजयवाडा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना चाड़ी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति से अर्थन के सिक् कार्यपादियां करता हुं।

सकत संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच है 45 दिन की अविभि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो औं अविष बाद में सनाप्त हानेती हो, के भीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाबन की सारीचा चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दितक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

क्ष्मक्ष्मिरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उक्त वीधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाविश ही, वहीं कर्य होगा को उस अध्याय में दिवा वहा ही।

## मन्त् वी

चर नं∘ 29-13-87 ए, सुर्यारावपेट, कालेस्वर राव रोड़, विजयवाडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं∘ 1426/85 रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी<sup>3</sup> विजयवाडा ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-11-1985

# व्यक्त आर्चाः स्त्रीः, येन्<sub>र</sub> युव<sub>्र</sub>------

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-ण (1) के बणीन सूचना

### नारत दरभाड

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हदराबाद

त्रैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 495/85-86--श्रत: मुखे, एम० जगन मोहन,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पणनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-द के अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के कारण ह" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्र 1.00,000/- रु. से अधिक ह"

श्रीर जिसकी संख्या घर है, जो बार्ड नं० 2 प्रतापनगर स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय र जस्ट्रीकरण श्रीधनियस, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन निनांक 3/85

कृतं प्वतिकत सम्पत्ति के उचित शाजार शृस्य से कम के स्वयंत्राम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्वीकत सम्पत्ति का उचित शाजार मुख्य, उत्तक स्वयंगान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्त-रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियत उद्वर्य से उस्त अंतरण निचित्त में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुक किसी आय की बाबत, उक्त अधिनितम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; आदि/का
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य वारिसावों को, सिन्ही भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बना था वा किया गाना चाहिए था कियाने में सुविधा में निए;

क्त: अप, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के मधीर निम्मलिमित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्रामती वी० सत्यवती पति, श्री रामकृष्णाराव, प्रतापनगर, काकीनाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० एच० सुर्यानारायणामूर्ता पिता, श्री वेंकट सुब्बाराडू, 63/19, द्वारकानयर, काकीनाडा ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना बादी करके पृषाँकत सम्पत्ति से कर्नन के जिल्ला कार्यनाहियां करता हो।

# दश्य दलाति के शर्थन् के सम्बन्ध में कोई मी नासने ५--

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकायन की तारीच वें 45 वित की अविध या तत्त्रंबंधी: व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जी भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींका अविकासों में से किसी व्यक्ति वृषारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित्तबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पुख सिवित में किए जा सकर्ण

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त प्रक्तें और पर्यों का, को उपस विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिकारिक्ट हैं, वहीं अर्थ होना को उस सम्बाद में किया प्या है।

## अनुसूची

षर नं० 8-13 ए, वार्ड नं० 2, प्रतापनगर, काकीनाडा, विस्तीर्ण 295 चौ० गज., रजिस्ट्रीट्स विशेख नं० 3270/ 85, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी कार्मीनाडा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायूक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-11-1985

मोहरः

अक्य काह<sup>े</sup>, टी. एन. एस. 🗷 - 🧸

नावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन सूचना

#### भारत तरकात

# कार्याजन, रहायक नायकर नायुक्त (हैन्द्रीकाण)

मर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं श्रार ए० सी ० नं. 496 85-86--- प्रत : मुद्दो, एम ० जगन मोहन,

आध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्यों इसको परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कई भारा 269-व के अधीन सक्यम प्राधिकारी को, यह विक्यास कर्म का कारण हैं कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या घर है, जो 5-वार्ड पालकोल, वेस्ट गोदावरी जिला में स्थित है (और इससे उपावड अनुभूषा में और पूर्ण रूप मे वणित है), रजिस्ट्रीशर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पालकोल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 ,1908 का 16) के शर्थान दिदांक 3/85

को प्रवेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के मिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल के प्रत्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और कृत्वरिती (अन्तरितिवों) के बीच एसे बन्तरक के निए तय बाबा यया प्रतिकत, निम्नितिवित उन्नरेख से उसत अन्तरक निमित्त में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जनारण वे हुई किसी नाम की नावतः, छक्त सीमिनेन के समीच कर योगे के बनारक के सीमरण में कमी करने वा उत्तर्थ नक्षणे में सुनिभा के निष्
- (ण) पूची किसी बाय या किसा कर या अन्य आस्तरा को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनु-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

बद: बब, उचत बहुँचीनयम की धारा 269-ग को जन्तरण को, भी, उकत अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) को बजीन, निस्मतिस्तित व्यक्तियों, जजीत :---- (1) की पी० वेंकट लिंगम, पिठा विरन्ना बैंक एम्प्लामी, 17थ वार्ड, पीलकोल बेस्ट गोदावरी जिला।

(श्रन्त्र∓ङ)

(2) श्रीमती ई० ऊदय भास्करम पत्ति, श्री भास्करराव, गमलस्विल, पोडस्ट यालक, जिला बेस्ट गोदाबरी । (ग्रन्सरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हैं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :--

- (क) इक सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारांव द 45 दिन की नवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की व्यक्ति, को भी वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ निस्तिन में किए जा सक्षेत्र ।

स्यक्षीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिस नवा है।

# वन्यूची

घर नं० 5-वार्ड, पालकोल, वेस्ट गोदावरी जिला, विस्तीर्ण भूमि, 169 चौ० गज., ग्रससमेंट नं० 519 ए, रजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 910/85, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिनारी पालकोल।

> एम० जगन मोहन) सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायूक्त (निर्राक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

चारिखाः 8--11--1985

माहर 🛎

# **शक्य जार**्छ स्रीत पु**र**् पुरस्त स्थान

# नायक छ नींभिनियम : 1961 (1961 सा 43) नहीं भारा 269-न (1) के नभीन स्वना

## शहर गडनाड

# कार्यालय, सहायक बायकर वाय्क्त (निर्दाक्षिण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंबराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1985 निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 497/85-86--- भतः मूसी, एस० जगन मोहन,

भायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बद्धि, जिसका उजित बाबार मृक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या घर है, जो शांतापेट, एम० जी० रोड, विजयनगरम में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्राप्तुणी में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, विजयनगरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 5/85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्च है और मुक्ते यह निश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और बन्तीरती (जन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक के जिए तब पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिबित उब्बोध्य से उक्त बन्तरण निवित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गमा है क्र---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनित्रम के अभीत कर देने के बल्कारक के दायित्व में कमी करने या तसके वचने में सुविधा के सिए; बहि/बा
- (च) एंची किसी बाय या किसी भन या बन्य जारितयों को जिन्हों भारतीय वायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जो प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाडा प्रकट वहीं किया वया या नियम जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के किया;

बराह न्या, अथव विधिनवय की भारा 269-य में जन्हरूर मों, में, उनते जिम्मिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जभीन, निम्मिलिखित व्यक्तियों, जर्भात् :--- (1) श्रीमती बी० पार्वतिदेवी पति, श्री रामस्मा डो० नं० 25~8~160, मेन रोड, विजयनगरम

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो शाहा देवीचंद पिता, श्री ग्रासराजु ग्रौर ग्रन्य डी० नं० 8-1~85, एम० जी० रोष, विजयनगरम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

## उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध मा तस्तंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 बिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

## धनुसूची

डो॰ नं॰ 8-1-84, शांतापेट, एम॰ जी॰ रोड, विजयनगरम, टी॰ एस॰ नं॰ 742, श्रीर श्रसेसमेंट नं० 5014, विस्तीर्ण 234, चौ॰ गज., रंजिस्ट्रीकृत विरेख नं० 2061/85, रजिस्ट्रीकर्ती श्रक्षिकारी विजयनगरम।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक **प्रा**यकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) **श्र**र्जन रेंज, हैंदराबाद

ਰਾ 1~1985 ਸੰ....

# प्रकल नाह"ुटी. एत. एक.,----≅#

# बायकर अधि[नयम, 1961 ((1961 का 43) की भारा 269-व (1) में बभीन सूचना

## मारत सरकात

# कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निर्वाक्त)

म्रर्जन रेंज, हैंदराबाद हैंदराबाद, धिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 498/85-86--न्नतः मूद्ये, एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/ रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिनको संख्या भुमि है, जो बलंकीविला भीमूनिपटनम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड श्रनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रावर्ता श्रिधतारी के वार्यास्य वैद्याग में भारतीय रजिस्ट्रीवरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 3/85

को पृथाँकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथाँकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्स विवन में मिकिश के लिए; बीड़/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पंचीजनार्थ अन्तरिती इंदारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीम, निमुनलिखता व्यक्तयों, अर्थात् :--- (1) श्री डी॰ साइ प्रसाद राव पिता, श्री लेट रामा राव श्रीर श्रन्य 3, जी॰पा॰ए॰, श्री डी॰ वेदट भास्वर राव, क्रीलेम्पुडी लिग्नाकट, घर नं॰ 10-50-57, विभाखापटनम-3।

(ग्रन्तरक)

(2) धुमारी डी० विजयालक्ष्मी कर्मी रमना पिक्षा, डौ० डी० वेंकटा रमना, 34, मंजीवस्थानगर, कीरलमपूडी लेक्साउट, विशाखापटनम् ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यणाहियां करसा हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वान अव्यहनताक्षर। के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पता है।

## ननुसूची

विस्तीर्ण 3.66 एकड़, बलकी, भीमूनीपटनम सालुक, वैद्याग, जिला पटटा नं० 463, रजिस्ट्रीड्स विलेखनं० 2839/85, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिदारी वैद्यागा

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरी**क्षण)** श्रर्जन रेंज, **है**बराबाद

नारीख: 8--11-1985

# प्ररूप बाह्री, टी. एन. एस हुन्डन्डन्ड

# भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के सभीन स्क्रना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाय

हैवराबाद, दिमांक 8 नवम्बर, 1985

मिदेश संख्या आर० ए० सी० नं० 499/85-86--अत: मृझ, एम० जगम मोहम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या घर है, जो 23-वार्ड सज्जापूरम स्थित है (भीर इसमे उपाधन्न अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तनूकु में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) क अधीन 3/85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दावित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; बौद/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा जी जिए;

जतः अव, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अभुतरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीन :--

(1) श्री व्ही मजीराजू पिता बाडीराज के॰ यलेंडालापार, तनूकू ताजूक, जिला वेस्ट गोदाबरी

(अन्तरक)

Ψ.

(2) श्री पी० मरली कृष्णा पिता, श्री रामराजू, डी० नं० 23/41-2, 23 वार्ड, सज्जापूरम, तानूकू जिला वेस्ट गोवावरी (अस्तरिती)

का यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह-

45 विश की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 विश की अविधि, को भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी क्यक्तित वृवारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिन-विश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्वव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदौं का, जो उन्दु अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मध्य

घर न० 23-51/2, वार्ड न० 23, आर० एस० न० 18/1 बी 3, सज्जापूरम तनूकू, बेस्ट गोदावरी, रिजस्ट्री 1 कुत विलेख न० 681/855, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी तमूक

एम० जगम मोहन सक्षम प्राधिकाक्षे सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-11-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

### भारत सरकार

कार्याक्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिमांक 8 मवम्बर, 1985

मिदेश स० आर० ए० सी० न० 500/85-86--अतः मृझ, एम० जगम मोहम,

बावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धूसको प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/~ रू. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सख्या घर है, जो नरसीपटनम स्थित है (श्रोर इससे उपाबद अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रशीसपटनम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम 3/85

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुभ्ने यह विद्याम

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सक्षेत्र से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबिक रूप से कियत महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उत्तर्स बचने मी सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अर्थ, और, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीली**वत व्यक्तियों**, वर्षात् :—

- (1) श्रीमती लका अचय्यम्मा पति, श्री सत्यम, 9-वार्ड, भरसापटनम, जिला वैज्ञाग (अन्तरक)
- (2) श्रां के० अप्पालानायडू (अलीया: बूलीअमबाइ) सराभवरम पी० श्रो० वाढी सराभवराम, मरसीपटनम तालूक, जिला वैझाग (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वनित सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उनता संगत्ति के अन्जीन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बख्भ किसी व्यक्ति द्नारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस्र अध्याय में विका गया है।

## वन्स्ची

घर न० 30-14, झौर 30-14(2) मरसीपटनम, वैज्ञाग विस्सीर्ण 288 चौ० गज., रजिस्ट्रीकृष्ट विलेख न० 407/85 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी नससीपटनम।

> एम० जंगनप्मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

ता**रीख:** 8—11—1985

प्रकल लाही, ही, एक, हवा,

# वावकर व्यक्तियान, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के वधीन क्वता

#### भारत शरकार

कार्याजय , सङ्घायक आयकर वाय्वक (निरोक्तक) अर्जन रेंज, बगलूर

बगलूर, विमांक 25 अक्तूबर 1985

मिदेश स०

---अत मझे

एस० बालसुब्रमनीयम

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नामार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सख्या

तथा जो

स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता०

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित सामार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिपत्त के सिए सम्बर्धित की गई है और सुध्वे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्बत्ति का उचित सामार शिक्ष उसके दश्यमान प्रतिपत्त सो, एसे क्यमान प्रतिपत्त का पन्द्र प्रतिभात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिपत्त निम्मसिवित उप्योक्त से संच्य अन्तरण किवित्त में गस्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरक सं हुई किसी जाव की बाबत, उक्त विधिनियन के अभीन कर देने के अन्तरक कें समित्व में कमीं करने वा उत्तरे क्यने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) ता ध्वत अधिनियम 1922 का भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना चाहिए वा, खियाने जे स्विभा के सिए;

(1) श्री नारायण नागव्या मजुकर णुक्रवार मेट, तीलकवल्ली बेलगांव

(अन्तरक)

(2) श्री एम० जे० सिवकुमार बाली बिल्डिंग II कास अपोजिट महाराष्ट्र बॉक बेंलगांव

(अन्तरिती)

को यह सूजना बारी करके पृथाँवत संपत्ति के वर्णन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

## क्का क्रमारित में सर्वाद से सम्बन्ध में कोई जी नार्धाप्:--

- (क) इस स्वाम के शावपन में प्रकातन की तारीय से
  45 दिन की जनिश्य पा तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  क्वान की सामील वे 30 दिन की नवीय को भी
  अवित्य का के सकता को हो, के शीसर प्रविका
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर जनत स्थानर संपत्ति में हितबक्ष किती बन्द व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वास विविद्य में किए का सर्वोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रवृक्त सन्यों भीर पदों का, जो उस्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था हुँ।

# नन्स्यो

(दस्तावेज संख्या 66/85-86 ता० अप्रैल, 85) कुल्ला जगह आर० एस० न० 1416 सवासीव नगर बिलगांव में है।

> एस० बालसुत्रमियम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जम रेंज, बेंगलूर

बतः जब, उक्तं अधिनियम, कौ धारा 269-न भी धनुसरण , बौ, पक्तं अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, अधित् ह—

तारीख: 25-10-1985

## प्ररूप भार्दा थी. एन. एस. -----

थाय कर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

## भाइतः वरकाव

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिमांक 4 अक्तूबर, 1985

निदेश स० नोटिस न. 47138/85-86--अत: मुझे, आर० भारद्वाज,

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परफात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति जिसका उचित बाबार मृन्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सख्या 85 में 92 है तथा जो श्रो॰ टी॰ पेट (पटनूलपेट), जी॰ पी॰ स्ट्रीट, बेंगलूर में स्थित हैं (भीर इस से उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता॰ 4-4-85

रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधीनगर में

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है जार मुम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अम्तरण के लिए तय पाया गया भातफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति मां भारतियक हम में दिश्व नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत अक्स बॉध-नियम के बधीन कर दोने के अन्तर्क के वासित्व में कमी करने वा उचते वधने में सुविधा की लिए, बौड/वा
- (क) एसी किसी बाय या हैकसी वन वा बन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम या अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, क्रियाने में सुविधा के तिए;

(1) श्रीमती जानकी चन्द्रा, न० 497, 14 कास, शास्त्रीनगर, बमणकरि II स्टेज, बेंगलूर-70

(अन्तरक)

- (2) श्री पी० चन्द्राशकरा गुप्ता
  - (2) श्रीमती पी० त्रिलोक
  - (3) श्री के० वी० नरसिंहल भेंटि ग्रीर,
  - (4) श्रीमती के० लक्ष्मिनरसम्मा, न० 79, अप्पुशघष्पागिल्ल, नगरतपेट कास बेंगलूर-2

(अन्तरिती

को यह मुचना भारी करके पूर्वोक्त सम्परित के जजन के निए कार्यवाहियां करता हो?

# उक्त सम्परित के अअन् के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी प्रक्रित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सबा है।

### मन्त्रची

(दस्तावेज म० 61/85-86 ता० 4-4-85) सम्पत्ति है जिसका म० 85 में 91, जो श्रो० टी० पेट (पटनूलपेट), जी० पी० स्ट्रीट, बेंगलूर में स्थित है।

आर० भा*ग्*डाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 4-10-1985

माहर .

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर.अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की रारा 269-घ के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, विनौंक 4 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० नोटिय नं० 46802/85--86---श्रतः मुझे, भार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या 658/23(658) हैं, तथा जो 21 कास, 2 ब्लाक, राजाजिनगर, बेंगलूर सें स्थित है (भीर इस से उपाबद्ध भ्रनुसूची मैं श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के भिधीन तारीख 15-3-85

रजिस्टीकर्ता के कार्यालय राजाजिनगर

को प्रेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; नैर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री सीं ् जीं ् गोंपालकृष्ण,
 नं ् 946/102, सेक्टर-I,
 सीं ् जीं ्एस० क्वार्ट्स, प्रनटापहिल,
 बंबई-37

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० नारायण नं० 17, मरिवप्पानपाफया, बेंगलूर-21

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस गूजना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणं:---इसमें प्रयूथत शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

(दस्तावेज सं० 5519/85 ता० 15-3-85)। सम्पत्ति है जिसका सं० 658(658/23), जो 21 ऋास, II ब्लाक, राजाजिनगर, बेंगलूर से स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारो सहाथक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बेंगलर

अत: उब. जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) भी अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात :---

तारीख: 4-10-1985

मोहर

# प्रकृप आहे.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

# नारतं संरकार कार्यात्तय, तहायक मायकर वायुक्त (निरीक्षण)

घर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनाँक 29 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46646/85-86--अतः प्रासें, भार० भारद्वाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 1070 है, तथा जो 3न "डो" क्राप्त, 4 टी ब्लाक जयनगर, बेंगलूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रमुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के धीन, ता० 13-3-85

रजिस्द्रीकर्ता के कार्यालय जयनगर

का पूर्विति सम्मित्त के अचिर बाजार मूस्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई हैं और मुम्के यह विश्वास करने का कारण हो कि सभापूर्यांक्य मंपत्ति का उचित बाजार बूक्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफास सं एसे द्रश्यमान प्रतिफास का बन्दह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए उथ पासा गया प्रतिफास, निम्निसिंखत उद्योध्य से उस्त अन्तरण जिल्हित मं बास्तरिक रूप से करिया नहीं किया वया है ——

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिद्दित्व के ब्रथीन कड़ दोने के बन्तरण क दावित्य में अभी अपने वा उक्क वसने में बृधिका अधिका, ब्राडि/भा
- (स) एसी किसी आव था किसी धन था सन्य आस्तियां को, विनहीं भारतीय सावकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर विधिनयम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोगनाथ अंग्तरिती ब्वारा प्रसट नहीं किया गया था या किथा बाना वाहिए था, कियाने में कृषिया के सिए;

बतः प्रवा, उत्तर विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उत्तर विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) है विधीन, निम्नसिचित स्थितियों, स्थापन अल्ल (1) श्री डी० सत्यनारायण नं० 7, 36 कास, 9 ब्लाक जयनगर, बेंगलूर

(ग्रन्दरक)

(2) श्रीमती नागरत्नस्मा श्रीमती उमा नागराज नं० 1075, 3म डी कास, 4 टी० ब्लाक, जयनगर बेंगलूर

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना भारा करक प्वाक्त सम्पास्त के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सै 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की बनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरें।

य**नुमूखा** 

(दस्तावेज सं० 5024.85-86 ता० 13-3-6 सब सम्पत्ति हैं जिसका संख्या 1070 जो 4 टो० ब्लाक, जयनगर बेंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वा<del>ज</del> सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजेन रेंज, बेंगलर

तारीख: 29-10-1985

मोहरः

# प्रकृष बाह्री, दर्शि, एस. ------

# नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जभीन सुमना

### भारत सरकार

कार्यालय, तहायक वायमर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनाँक 29 प्रभ्यूबर 1985

निर्द्रोश संख्या नोटिस नं० 46687.84-8म-~श्रत:मुझे भार० भारताज

भायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्मौर जिसकी संख्या 18 है, तथा जो बरटफील्ड मैन रोड़ बेंगलूर सौत में स्थित है (थ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 85 रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बेंगलूर सौत तालुक

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूख्य से कम के दश्यभान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नक्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का रम्ब्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) बार अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्दूषस्य से उधत अन्तरण निब्रह में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुड़ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-मियम के अधीन कर दोनें के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

बतः अस, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त जिभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को जभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्भात् ः— (1) श्री डेंन्सिल विन्सेन्टडी मान्टे न० 21, मडवक्कम ट्यॉक रंड, मद्रास-12

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जमीला ग्रमुवेकर 482, 100 फीट रोड़ इंदिरानगर, बेंगलुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच भी 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्कारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित कें से किए का संकेंगे।

स्पथ्डीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

### धनुसूची

(दस्तावेज सं० 8044/84-85 ता० मार्च 85) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 18 जो वैटफील्ड मैन रोड़ वैटफील्ड बेंगलूर सौत तालुक में स्थित है।

> श्रीर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, बेंगलर

तारीख: 29-10-1985

स्य बा**र**्ड दी, एनः, एस<sub>्</sub>----

बावकर कभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 268-व (1) के ध्रधीन सूचना

## भारत सहकार

## कार्यासन, तहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिक)

श्चर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनाँक 28 श्रक्तुबर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46980/84-85—ऋतः मुझे, भार० भारक्षाज,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की चाच 269-च के अभीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजिल बाजार मुक्त 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

म्रोर जिसकी संख्या 706 है, तथा जो 7 कास इंदिरानगर 2 स्टेज बेंगलूर-38 में स्थित है (म्रोर इस से उपाबद मनुसूची में म्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण म्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के म्रधीन नारीख समिल 85

रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय मिवाजानगर

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य स कम के दृश्यमाल प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल सं, एसे हर्यमान प्रतिफाल कम पन्तक प्रतिकात से अधिक हं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्मलिखित उद्दोष्य से उवत अंतरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्दरण वे हुई फिसी बाद की बावत क्वत विषक जिन्दा के बचीन कर देने के अन्तरक के बाँगरण में क्वी कहते वा उत्तर्ध वचने में सुविधा के जिए; क्षी/वा
- (था) एसी किसी आव या किसी यह वा अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अब कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, जियाने में सुरुविधा को लिए;

बत: अब उक्त निर्मित्यम की भारा 269-त के जनसरम ब', ब', अक्त निर्मित्रक की भारा 269-म की उपभारा (1) के नभीन, निञ्निसिधक न्यनित्यों, कर्माम् क्ल--- (3) श्री पी० ग्रार० विष्वनाथन 34, द्रोड्डकाटप्पा रोड़, ग्रलसूर बेंगलूर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रार० लक्ष्मीनारायणा, नं० 706, 7 कास, इंदिरानगर चेन्न्यर–38

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना चारी कारके प्रवेक्त सञ्चरित के वर्षन की किए कार्यनाहियां करता हूं।

उन्तर संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के उपवपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी विधि बाब में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस बुक्ता में शक्य में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शक्त सिचित में किए वा धर्कोंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-मिसम के अध्यास 20-के में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस्त अध्यास में दिया गया है।

# ननुसूची

(दस्तावेज सं० 117/84-85 ता० ग्रप्रैल 85) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 706 जो 8 क्रास 2 स्टेज, इंदिरानगर बेंग्लूर-38 में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, वेंगलर

मारी**ख:** 29-10-1985

## त्रक्ष कार्च .टी .एन .एस . -----

नायकर निश्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कश्यांतय, सहायक बायकार बायकत (निराधक)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनाँक 29 ग्रक्तूबर 1985 निर्वेश सं० नोटिस नं० 47160/84-85—ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वाच करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रुक्त से अधिक है

ष्मीर जिसकी संख्या 18 सी है, तथा जो I मैन रोड़ जयमहल एक्सटेंशन बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में घीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन ता० 26-4-85 रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गाँधीनगर

कां पृशांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गईं बीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिक्षल से एंसे क्रयमान प्रतिक्षल का पन्त्रह प्रतिशव से अभिक है और बन्तरक (बन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एंसे बन्तरण के सिए तय पाग गमा प्रतिक्रल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिकत में वास्तिक क्ष्य से कांचत नहीं किया नया है:—

- (क) नन्तरण वे हुई किवीं बाव की बावत , उपय मध्यित्वम के संजीत कर दोने के अन्वरण के वावित्य में कवी करने वा उससे नचने में सुविधा के तिए; जॉर/वा
- (व) ऐसी किसी नाय या किसी भन वा नन नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निर्धानयम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त निर्धानयम, या भन-कर निर्धानयम, या भन-कर निर्धानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या या किया नाना नाहिए था, कियाने में सुविधा के निष्;

नतः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित :—— (1) श्रीमती भारती देवी 9, जयमहुल रोड़, बेंगलूर-6

(ग्रन्तरक)

(2) मसर्स बेडी ग्रौर बैडी ग्राइवेट लिमिटेड 12/7, राजमहल विलास एक्सटेंगन बेंगलूर-80

(भन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिब कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के तंबंध में कोई भी वालोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्षित्रणः ----इसमे प्रयुक्त सब्यों बीर पर्वो का, को स्वस्य अधिन निवयः वी वश्याय 20-क में परिभाष्टित है, बही नर्व होगा, को उस मध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 327/85-86 ता० 26-4-85) सब सम्पत्ति है जिसका संख्या 18-सीं० जो 1 मैंन रोड़, जयमहल एक्सटेंग्रन बेंगलूर में स्थित है।

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, बेंगलर

तारीख: 29—10—1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस 🔑

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनाँक 29 श्रक्तूबर 1985

भावकार विभिन्निम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त् विभिन्निम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या 18 बी० है तथा जो 1 मैन रोड़ जयमहल एकपटेंशन बेंगलूर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकरण धिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26-4-85

र्राजस्द्रीकर्ता के कार्यालय गाँधीनगर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्वित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्वित बाजार बूक्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बीधिनियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्मियों को, जिन्हों भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था., छिमाने जो स्त्रीमधा के लिए:

(1) श्रीमती भारती देवी 9, जयमहल रोड़ बेंगलूर-6

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० बेडी घौर बेडी प्राइवेट लिमिटेड 12/7, श्रार० एम० बी० एक्सटेंशन बेंगलूर-80

(भ्रन्तरिती)

का वह तुषना चारी करके प्रतिनत सम्पत्ति के नर्पन के निरं कार्यवाहियां करता हुए।

## क्ष सम्मरित् के नर्मन के संबंध में कोई भी नाक्षेप हन्न

- (क) इस स्वना को राजपण में प्रकाशन की तारिक से 45 विन की सर्वीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्थ किसी बन्ध व्यक्ति इवारा, जभाइस्ताक्षरी के पाक लिखित में किसे का क्केंगे।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 320/85-86 ता० 26-4-85) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 18 बी जो 1 मैन रोड़, जयमहल एक्सटेंग्रन बेंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज तक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजी रेंज, बेंगलूर

क्तः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 26/)-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथोत् :---

तारीख: 29-10-1985

मोहरः

# ब्रक्त बार्च . टी . एम . एस . -----

नायकर ब्रॉभिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं बारा 269-म (1) के सभीन स्वना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनौंक 29 ग्रक्तूबर 1985

निर्देश मं ० नोटिम नं ० 46584/84-85--म्रातः मुझें, भार० भारद्वाज,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धररा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 8/ए है, तथा जो 1 मैन रोड़, जयमहल एक्सटेंग्रान में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता० 23-3-85 रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गाँधीनगर

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित याबार मूल्य से कम के जनमान **ब**न्तरित की प्रतिकल के लिए गद् और विष्वास करने विक मुभौ #B का कारण पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे स्थयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (कंश्तरकां) और अतिरिती (अन्तरितियां) के बीच एंसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उस्त कन्तरण मिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दियाल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य लास्तिवों की, जिल्हा भारतीय गाय-कर जीपनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या जल कर अधिनियम, या जल कर अधिनियम, 1957 (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृतारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा जी जिल्हा

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

(1) श्रीमती भारती देवी नं० 9, जयमहल रोड़, जयमहल एक्सटेंशन बेंगलूर-560006

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रनुराधा बी० गंगाराम (2) श्री भोजराज मंगाराम 443, राजमहल वलाम एक्पटेंनश बेंगलूर--560086

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाबांप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि जो भी पर्वाव कार में सभाष्य होती हों, को भीतर पूर्ववित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्टान के राजगण मो प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्मत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्भ होगा, जो उस अध्याय में दिया यदा है।

## **भन्स्याँ**

(दस्तावेज सं० 3931/85-86 ना० 23-3-85) नव सम्प त है जिसका सं० 18''' जो 1 मैन रोड़, जयमहल एक्सटेंशन जयमहल रोड़, बेंगनूर-560006 में स्थित है।

स्रोर० भारद्वाज उक्षम ााधकारा सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रवन रिंग, बेंग्यूर

तारीख: 29-10-1985

प्रकप आहे. टी. एत. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्रस्कृतक थ (1) के अधील सुचन

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आवक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनाँक 29 प्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46583/84-85--श्रत: मुझे, स्रार० भारद्वाज,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसफें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 18/ए-1 है तथा जो 1 मैंन रोड़ जयमहल रोड़ जयमहल एकाटेंशन, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूबी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता० मार्च 85 रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गाँधीनगर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने शरने का कारण है कि यथापृश्वोंक्त संयक्ति का उचित बाजार भृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिक कल निम्नलिखित उद्वरेष्य से उक्त अंतरण कि बिक्त में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है द--

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत, उक्त सधिनियम में सधीन कर दोने के बण्तरक के दासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; बॉर/या
- (का एसा किसा जाग या किसा अन वा जन्म आस्तवा की, जिन्हों भारतीय आय-कर मिश्रिनयम, 1022 (1922 का 11) या उक्त मिश्रिनयम, या धन-कर मिश्रिनयम, या धन-कर मिश्रिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 15—356GI/85

(1) श्रीमती भारती देवी, नं० 9, जयमहल रोड़, जयमहल एक्सटेंशन बेंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्रा वी० मंगाराम (2) श्री भोजराज मंगाराम 443, राजमहल विलाप एक्सटेंशन बेंगलूर-560086

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वासप रू--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशभ की तारीय से 45 विन की जनभि वा तत्सम्बन्धी स्पन्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जनभि, को भी श्रव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्पनित् द्वारा;
- (क) इस सूचना की राज्यम में प्रकाधन की तारीच थें. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवपुष्ट किसी बन्स व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के शक लिखित में किए का संकर्ण?

स्यस्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त पथ्यों और पर्कों का, को उक्क अधिनियम दे अध्याय 20-क में परिभाविक है, बही वर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगत्त्री

(दस्तावेज सं० 3930/84-85 ता० मार्च 85) सब सम्पत्ति है जिलका सं० 18/ए-1, जो 1 मैंन रोड़, जयमहल रोड़, जयमहल एक्तर्टेशन, वेंगनूर में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षग) श्रर्जन रेंज, बेंगसूर

सारीख: 29-10-1985

मोहरः

प्ररूप बाई. दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### मारत बहुकार

क्ष्यांलय, सहायक जायकर नाम्क्त (निरीक्तण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 प्रश्तूबर, 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46570/84-85-मतः मुझे, बार० भारताज

जायकार अधिनियम . 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उकर अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उथित बाबार मूच्य 1,00 000/-रा. से अधिक हैं

और जि.की मं० 33/2 है तथा जो हासि हा रोड, बंगलूर 53 में विवत है (और इ.ने उपायब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विकार है), विजादी व्याप अधिक्रियम 1908 (1908 त 16) के अधी । तारी व 28 · 3 · 85 रिजस्ट्री कर्ता के कार्यालय गांधी नगर

- (क) जनसरण के हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाधित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के किस; और/बा
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आसित्यों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1900 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

कतः अवः, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-य के अनुवारन में, भैं, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीर निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री सी० श्रीनिचासा नं० 33/2, हास्पिटल रोड बंगलूर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्यारी कुमारी वाईफ ग्राफ हेमन्त कुमार पदमश्री रजता काम्पलेक्स चिक्कपेष्ट बंगलूर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के वर्षन के सिद्धू कार्यवाहिया करता हूं।

जनत संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस त्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की नविश् या तत्संबंधी व्यक्तियों पर त्वान की तामील से 30 दिन की नविश, को भी जविश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवास;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में किन्य किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसियत में किए वा सकेंगे।

स्युष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नगुत्री

(दस्तावेज सं० 3988/84-85 ता० 28-3-85) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 33/2 जो हास्पिटल रोड, बंगलूर में स्थित है।

> न्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, बंगलुर

तारीख: 29-10-85

प्रकर बार्'⊡ टॉंं∴ एर ु एर ुर-----

बायकर विधिनवज, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-व (1) के वधीन बूचना

#### शास्त्र सरकार

# कार्यासन, तहामक बानकर वान्त्व (निर्णालक)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 प्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46571/84-85-श्रतः मुझे भार० भारताज

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार श्रूष्ट 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जितकी सं० 33/1 है, तथा जो हास्पिटल रोड, बेंगलूर-3 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 28-3-85

रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधी नगर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के सिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकान, निम्निसिचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निचित वे सास्यविक रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण हो हुए किसी नाम की बावदा उनके अधिदिवस के ब्योग कर बने के अन्तरक के बामित्व में कमी करने ना उससे बजने में तुविधा में किए; ब्रॉड/बा
- (क) ऐसे किसी बाब का किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विधा के सिए;

बंतः वंद, उक्त वीभीनियम की भारा 269-ण की, अनुसरक् की, मी, उक्त विभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के बभीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ु— (1) श्रीमती वेण्यम्मा वाईफ झाफ लेट चन्द्रम्मा नं० 33/1 हासपिटल रोड, बेंगलूर

(मन्तरक)

(2) श्रीमती प्यारी कुमारी वाईफ श्राफ हेमन्त कुमार पद्मश्री रजता काम्पलैक्स चिक्कपेट, बेंगलूर

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ड क्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति (व्यक्ति)
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक् के किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रस् निवित में किये वा सकते।

स्वध्योकरण 2—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक् अभिनिवम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में विया गमा हैं॥

#### वन्स्वी

(दस्तावेज सं० 3989/84-85 तारीख 28-3-85) सब सम्पत्ति है जिसका 33/1, जो हासपिटल रोड, बंगलूर में स्थित है।

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बंगलुर

तारी**ज**: 29-10-85

## प्रकृत बाह् सी. एवं प्रवासन्तर प्रवासन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के बभीन सुम्ता

#### BISH ESTRE

# कार्यातम, सद्दायक नायकर नायुक्त (निद्राधिक)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 श्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० नोटिस सं० 46597/84-85-यतः मुझे ग्रार० भारताज

बावकर विश्वित्यम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इस्में इसके पश्चात 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिपकी सं० 6 है, तथा जो 1ए क्रास रोड बिश्नीं मिल्स के पीछे गंगेताहल्ली, बंगजूर में स्थित हैं (और इसमें जपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अभीन तारीख 15-3-85

रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधी नगर को पूर्वो क्त संपृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिकत के सिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्यमान प्रतिकल से, एसे ध्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और बन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रवा प्रतिकत्म, निम्निखित उद्देष्ट से उक्त बन्तरण तिचित में बास्तिक कप से कृषित महीं किया गया हैं —

- (क) कन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त किश्वित्व, वे स्वीद कर देवे के ब्रुट्ट के वायित्व में करी करते वा स्तब्दे वसने में सुविधा के शिष्ट, जीर/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ अभिनियम या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधाननार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ज्वा वा का किया जाना जाहिए जा, छिपाने में ब्रीक्टर के शिवा

ब्दः भ्व, श्वत विभिन्नम की भाडा 269-व वे वमृतरण में, में उकत विभिन्नम को धारा 269-व की उपधारा (1) वै वधीन, निकासिसित व्यक्तिसमें, अवात्ः— (1) श्री एम॰ जीनदिना राव नं॰ 1ए, कास रोड, नागप्पा ब्लाङ गंगेनहल्ली, बंगलर

(ग्रन्मेरक)

(2) श्री के० जानकीराजु
 नं० 99/ई, 16 मेन चिजननगर
 वंगलुर-560040

(भ्रन्तरिती)

की बह त्यना वारी करके प्रशेवत हम्पत्ति के व्यन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुः।

सकत ब्रंप्रित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस स्थान के त्राअपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन की सबिध वा तत्स्य किया किया पर स्थान की तामीस से 30 दिन की नवींथ, को भी बवींथ बाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रविक्त क्यांस्त्यों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस ब्यमा के रायपम में प्रकारत की तारीय से 45 विन के सीग्र क्ष्मत स्थान्य कम्मात्त में हितवहुथ क्षित क्ष्म व्यक्ति हुगारा न्याहस्ताक्ष्टी से शक दिवित में किए जा बक्तेंगे !

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के सम्बाद 20-क में परिभाषित हैं, बहुति सूर्य होगा, जो उन्न अभ्याद में विदा स्वाही है

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3843/84-85 ता० 15-3-85) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 6 जो 1 ए कास रोड, बिक्री मिल्स के पीछ, गंगनहल्ली, बंगलूर में स्थित है।

> श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिवारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बंगलूर

जारीख्ः 30-10-85

नोहर 🎇

प्रकृष् बार्ष . हो . एत् . एक .....

भागकर निभित्तियम, 1961 (1961 का 43) मधी भाग 269-म (1) के नभीत सुचना

#### प्रदेश बहुन्त

# काकालया, सहायक मायका वायका (विकासका) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनां क 29 अभ्तूबर, 1985

निर्देश सं० नोटिन नं० 46808/84-85—श्रतः मुझे श्रार० भारताज

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त अधिनियम' महा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर ग्रम्परित, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. के अधिक है

अगैर जिसकी संब सर्वे नंब 51-7 है, तथा जो वैकमपाड़ि चिलेज मंगलोर तालुअ में स्थित है (और इस्ते उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से चर्णित है), एजिस्ट्री हरण अधिन्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-3-85

रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधी नगर को पूर्वे प्रस्त सम्परित के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपान के जिए अन्तरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे क्ति संपरित का उचित बाबार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् शितदात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया नवा प्रतिफल, निम्मिलियास उद्वेष्य से उच्य अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई जिल्ली आव की वावक, अक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे वचने में तुविभा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी अग्रय वा किसी धन या अन्य आस्तिकों क्यों, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया वाला चाहिए था, जियाने जें स्विधा की किया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री एमः नारायण भट्ट भाननीर, मंगलूर-575002

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बी० जयशीला बाइफ आफ श्री एम० बालकृष्णन्न नं० 13, नरसिम्हा नायडु, स्ट्रीट बेलूर रोड तिक्षचेनगोड, सेलम डिस्ट्रिक्ट तमिलनाडु (श्रन्तरितीं)

कार्य यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्वनाहियां करता हुं।

जन्म सम्मरित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश्वत की तारीक्ष्य से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की दामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थानत्मों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस क्ष्मना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ६ 45 दिन के भीतर उन्नत स्थायर सम्पन्ति में हिठबद्द किसी अन्य व्यक्ति इंजारा अधेन्त्रस्ताकारी के पर विश्वित में किए जा सकींगे।

स्थवनीकरण :--सस्भा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स विभिन्नम को अभ्याम 20-क में परिभावित ही, कहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याम में दिया गया

#### वन्स्यौ

(दस्तावेज सं० 2269/84-85 तारीख 14-3-85) सब नम्पत्ति है जिल्हा सं० सर्वे सं० 51-7 जो वैक्सपाछि विलेज मंगलूर तालुक में स्थित है।

> श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, बंगलूर

तारी**ख**: 29-10-85

प्रकार भारती, दो , एक् , एक . -----

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

#### TISS TRAFF

कार्यातम, सहायक मायकर थापूक्त (निर्देशप्र,

मर्जन रेंज, मंगलूर

मंगलूर, दिनांक 29 प्रक्तूबर, 1985

निर्देश स० नोटिस न० 46838/84-85-प्रतः मुझे धार० भारताज शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निभिनियम' कहा गया हैं), की धारप्र 269-व के अभीन सक्षम प्रिथिकारी को, यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाधार मृत्य

और जिनकी सं० 90 है, तथा जो बोलूर विलगः बोलूर बोर्ड मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबक श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बाणित है). रजिस्ट्रोकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रशीन तारीज 7-3-85

1,00,000/- रा. से अधिक **है** 

नहे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मृत्य से कम के व्यवमान श्रीकृत्ति के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यामान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच घेसे बन्तरण के लिए तय वाबा बना प्रति-कृत निम्नलिचित उद्वेष्य से सक्त अन्तरण निक्ति में बास्तविक क्य से करित नहीं किया वृद्या है है—

- (क) ब्रिंग के हूर कियों नाम की नामता उपत निविद्या के नवीन कर दोने के अन्तरक के वार्तिक्ष में कृती कहने ना उन्हें क्ष्म में वृद्धिता के दिन्हा कर्या
- (क) एसी किसी बान वा किसी अन वा बन्द बास्तिन्। को विन्हें भारतीन बावक र मधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनद मधिनियम, वा अन-कार मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के व्योधवार्य बच्चद्विती दुवादा प्रकट वहीं दिवस क्या वा वा किसा जाना जाहिए वा, कियाने में सुविधा के जिला

े बढा बच, उक्त विधिवयम की भारा 269-म के बनुसरण में, मी, उक्त विधिवयम की भारा 269-म की उन्धारा (1) के अभीन, निम्नजिक्ति व्यक्तियों, वर्धात् १४ - (1) श्री भ्रन्डू भ्रान्टोनि रोनाल्ड सेक्वेरा मटादाकानीं I, कास रोड भंगलूर

(मन्तरक)

(2) श्री बी॰ नारायण पुजारी मटादाकानीं I, कास रोड मंगलूर

(मन्तरिती)

को यह बूचना चाड़ी कड़के पूर्वोक्त सम्मृत्यिः के नर्चन के विषु कार्यनाहिन्। करता हुई ।

उन्त रम्हित् के न्वन् के रम्म् में कोई भी नाक्षेत्:--

- (क) इस सूचना के राचपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की नगीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की हामील से 30 दिन की नगीं या को ती अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राष्प्रत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हित-किसी कमा व्यक्ति द्वारा स्थोहस्ताक्षरी के बाद किसित में किए का तकेंगे।

स्त्रव्यक्तिस्त्रः --- इसमें प्रमुक्त कर्कों कौर पक्षों का, जो अवस विधिनियम, के क्ष्माय 20-क वो परिभाषित है वहीं भये शोगा जो उस भक्षाय में दिया गया ही।

# पन्यू मी

(दस्तावेज सं० 1933/84-85 ता० 7-3-85) सब सम्पत्ति जिसका सं० 9051 जो बोलूर विलेज, बोलूर बार्ड, मंगलूर में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारीं सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मंगसूर

तारीख: 29-10-85

प्रस्य बार्चा, टी ु एत<u>ः</u> एसं ,,-----

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के नवीन चुचना

#### भारत चर्डकार

कार्यालय, सहायक नायकर भागुक्त (निरीक्षण) भाजीन रोंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 ग्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० नोटिय नं० 46825/84-85--ग्रतः मुझे, ग्रारं० भारताज

बावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (विश्व इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वाक करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 318-ए1, टी० एस० नं० 161-ए है, तथा जो अताबर विलेज मंगलर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिनस्ट्री-करण अधिन्यम 1908 (1908 वा 16) के अधीन तारीख 18-3-85

का पूर्वोक्त संपत्ति को उचित वाजार अन्य से कम को ज्यानान अतिफल को लिए अंतरित की गई है जौर मुक्ते यह निश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित गावार अन्य उसकी धरममान प्रतिफल से, एसे ब्रम्ममान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिशत से विश्वक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितिकों) को नीच देशे अन्तरण को लिए सर्पपामा गया प्रतिफल, निश्निविचित स्वविच्य से स्वत्त अन्तरण जिल्कित में वास्तविक कम से क्रिकेट सहीं विद्या प्रवा है कि

- (क) स्तारण से हुई किसी नाम की बाल्ड समय सिथ-नियम के नवीन कड़ देने के सन्तरक से शिक्ट के कमी करने या जबके नवने में सुविधा के किसे; शोर/या
- (क) एंडी किसी शाम वा किसी भन वा कम कार्क्स के का किसी का , जिस्हें धारतीय भावकर विश्वित्यक , 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियक , वा भूक कर अधिनियक , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्वा भा वा किया जाना चाहिए था , छिपाने में स्विधा के सिए;

वतः क्ष, उक्त वाधिनियम, की धारा 269-न वे वगुण्डाच मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीतः, निम्निसिधित व्यक्तियों, सर्वात ह----

(1) श्रीं उमेश श्रताधर (उमेश मैंथ्या)
2 श्रीमती कृष्णवेणी श्रार० मैंथ्या
वाईफ श्राफ रमेश मैंथ्या
उनके प्रतिनिधि श्रीं कें० नरसधय्या
सन/श्राफ नारायण मैंथ्या
पान्बेशवरा रोड, मंगलूर

(2) (1) जनाब एम॰ ए॰ महमूद, यन/स्राफ स्रब्दुल खादर बन्गेरा, मजेशघरा चिलेज कंडोला

2 जनाव एम० मोहिंदीं सन/श्राफ एम० उसमान मंगलूर

3 श्रीमती मरियम्माः वाईक/म्राफएम० म्रहमद, कडेला

4 श्रीमती मरियम्मा, वाईफ/ग्राफ के० हुसैन कंडोला

5. श्रीमती बहुन्निमा, चाईफ/आफ श्रब्धुल हमीद कंडोला

6 श्री भारत कुमार ग्रार० कोशानी, सन/ग्राफ रमगी लाल कोकानी, पाडेणघर रोड, मंगलूर 7 श्रीमती जमीला,

वाईफ/स्राफ म्रब्धुल रेहमान, कन्डोला

 ८. श्रीमारी यू० रोशा.
 च।ईन/श्राफ के० महमूद बोलार, मंगलूर

(भन्तरितीं)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्मरिक के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उपक्ष संपरित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आओप ३---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकावन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिव की ववधि, को धी ववधि वाद में समाप्त होती हो, के शीतर प्रविक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्तिय प्रवाहत;
- (क) इव वृथका के राज्यक में प्रकारक की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दिलक्ष्म किती जन्म व्यक्ति व्याश वश्रीद्वस्ताकरी के पास सिचित में किए का सर्वों ने।

रनकरीकारण :---इक्षमें प्रकृति कार्यी मीर नवीं काः, की समय जीवनिका के बच्चात 20-क में परिभाषित ही, नहीं जर्ज होता, जो उस सम्बाद में दिया नवा ही।

## मयुस्पी

(दम्सावेज सं० 1987,84-85 ता० 18~3-83) सब सम्पत्ति है जिसका सं० ग्रार० एस० 318ए-1, टीं० एस० नं० 161-ए, जो ग्रसावर विलेज, मंगलर में स्थित है।

> श्रार० भारताज सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, **बंगस्**र

तारीख: 29-10-85

मोहर:

(अन्तरक)

प्रारूप आई.टी.एन.एस. .....

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सुधना

#### भारत तरकार

# कार्यासय, बहायक बायकर बायक्त (निरीक्षक)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 प्रक्तूबर, 1985

निर्देण सं० नोटिस नं० 46742/84-85-श्रतः मुझे भार० भारहाज

बावकर मिनिवन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-म के मधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विक्यास करने का कारन है कि स्थानर तम्मीता, विवक्षा अणिक बाजार मुख्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं० 15 है, तथा जो 19 कास मल्लेशवरम बंगलूर में स्थित है (और इन से उपाबद्ध अनुसूत्री में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्री हरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-3-85

को पूर्वेक्स सम्बद्धि के उचित नाजार सूक्य से कां के दश्यमान शितफल के लिए जन्तरित की गई है जीर मुक्ते यह विद्यास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित नाजार मृज्य, उसके दायमान प्रतिफल से एंसे व्यथमान प्रतिफल का मृज्य प्रतिखत से निषक है और अम्बर्फ (जन्तरकों) और अंसरिसी (अंतरितियों) के बीच एंसे अम्बर्ण के लिए सब पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिखित सहदेश्य से उस्त अन्तरण विकित में नास्त्रीयक रूप से क्षित नहीं विका प्रथा है :----

- (क) जन्तरण से हुन जिल्ली आम की बावत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में तुविधा के लिए और/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय बाबकर जीपनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल किपिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने भी सुविधा के लिए;

जन जन, जनत अधिनियम की थाए 269-न के अनुसर्फ की, की, उसत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, जथाति:--- (1) श्रीमती पुष्पा जैन पाईफ/ग्राफ एल०पीं० जैन 2. श्रीमतीं श्रीजैन पाईफ/ग्राफ ए० जैन 3. श्रीमतिं गणवेति देवीं बेड पाईफ/ग्राफ ए०एम० वेडे 17,1 श्रालि ग्रास्क्रर रोड, वंगलूर 52

(भ्रन्तरक)

(2) मित्र सुमिति इष्णन्न 3, 14 मेन रोड़ मल्लेशधरम बंगलूर-55

(श्रन्तरिती)

को बहु सुचना बारी करको पूर्णोक्स सम्बक्ति के अर्थन के लिए कार्यग्रहियां शुरू करवा हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस क्षत्रा के राजपण में प्रकारन की तारीय से 45 दिन की समित्र ने तत्त्वस्थनमें स्वित्यों पर स्वता की तानीस से 30 दिन की समित्र में भी जनिय बाद में तत्राचा होती हो, के भीतर वृत्तिक स्वतित्यों में से किसी स्वतित बुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यम में जनस्वत्र की ताणीय से 45 बिन के जीतर उक्त स्थायर सम्बक्ति में हितमब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंने।

# अमृत्जी

(इस्तावेक सं० 5290,84-85 ता० 8-3-85) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 15 जो 14 काम, मल्लेशवरम बंगलर-3 में स्थित है।

> न्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रोंज, बंगलुर

तारीख: 29-10-85

शक्य आहें.टी.एन एक ------

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन मन्द

# भारत सरकार

## कार्याक्य, सहायक वायकार वाय्क्य (निहासिक)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलुर, दिनां रु 29 श्रक्तुबर 1985

निर्देण मं० नोटिम नं० 46787,84-85--- प्रतः सुद्धी प्राप्त भारद्वाज

बायकर अध्यायम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स हो अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह तिष्काम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रह. से बीधक है

और जिसकी सं० 7 है, तथा जो एच० ए० एल० 3 स्टेज इंदिरानगर बंगलर-38 में

स्थित है (और डम) उपावस अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री तरण अधिनियम 1908 (1908 ट्रा 16) के अधींन ता॰ 15-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंगरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (भ्र) बन्तरण ने हुए बिस्ती बाय की बावस, अकः करिशीयवा की बाबीय कुछ दोने के बन्तरक के ग्राहिबस्थ में कानी कारने वा उत्तक्त बचने के नुधिया की निष्ण अरि/शः
- (६) एसी किसी आय या किसी पन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया हा या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुसिका के लिए

भतः भव, उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के नन्तरण में, बी., अक्त अभिनियम की भारा 269-म मही उपधारा (1) के अभीन, निम्नितिकर स्थीक्तयों, अभीत :——
16—356GI/85

(1) श्री पमेला मुराघाला नं० 52, स्टीफन्स रोड फेजर टाउन, बंगलूर

(अन्तरक)

(2) मैसर्स बारका कैनान्य कारपोरेणन 128-बी पूना स्ट्रीट बम्बई-9

(ग्रन्तरिती)

को नम् सूचना आरी करके पृत्रांत्रस सम्परित के अर्थन के सिक् कार्यनाहियां सूक करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन जन बाराच त 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त संभावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गस विकास में किए जा सकेंगे।

# अनु**म्**ची

(इम्नावेग सं० 3941,84-85 ता० 15-3-85) ्त पम्पत्ति है जिया सं० ७ जो एच० ए० एव० अस्टेज, बंगलूर में स्थित है ।

> ग्रार० भारदाज सक्षम प्रोधिकारी यहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैनरेंज, बंगलूर

तारीख: 29~10 ·85

## 

# बावचार लिभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### नारत सरकार

# कार्यासय, सहावक शायकर आयुक्त (निरक्तिक) श्रर्जनरेंज, बंगलूप

बंगलूर, दिनांक 30 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46712/84-85----यतः मुझे ग्रार० भारहाज,

बायकार विधिनियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), भी बारा 269-स के अधीन सक्षम प्रीधिकारी का, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं श्रीर एस० नं 485 टी एस० नं 37 है, तथा जो ासबा बाजार विकेश भारकेट बार्ड, मंगलूर टाउन में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विजित है), रजिस्ट्रीकरण श्रिष्टिनयम 1908 (1908 जा 16) के श्रिधीन तारीख 1-3-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति में उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वासं करने का कारण है कि यश्तपूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतस्कों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाम, निम्नलिखित उद्योदय में उक्त कम्तरण लिखित में वास्तर्भक एक में स्थिन नहीं किया बदा है:—

- हैंक) करतरक से हुई किसी अगय की नावत., सक्त अधिनियम को जचीन कर दोने की जन्तरक औ दांबित्य में कभी करने या उससे समने में मिक्श के सिए; बार/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ खंदरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियमं की धारा १६९-ग के अनुसरण वं में उक्क लिपियमं की गर १८०-म की उपलास (१६ के बादीन, निक्तिविक व्यक्तियमें बार्गाणः :--- (1) श्रं/मतं/ सर्धा श्रं/मतं/ सुमना, श्रं विश्वनाचा भट फील्ड स्ट्रंट, महामार्य/ देम्पल मंगलूर-575001

(भन्तरक)

(2) श्रीवं कि विष्णु भंडारकर वेंकटरमणा कामपीड कार स्ट्रीट मंगलूर-575001

(मन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

# क्ष्मत संपत्ति के नर्जन की संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की वनीं या तरसम्बन्धी स्थितत्वों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नवीं भ, जो भी नवीं वाद में सनाचा होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य स्थावत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इतमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क के परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा के उस अध्याय में विका गवा है।

# अनुसूची

[दस्तावेज मं० 1891/84-85 ता० 1-3-85] मब सम्पति है जिशका सं० झार० एस० नं० 485, टा० एस० नं० 37 जो फासबा बाजार विलेज, मारकेट बार्ड, मंगलूर में स्थित है।

> न्नारः भारद्वाज सक्षम प्राधि हार्रः सहाय र त्रायकर न्नायुक्त (निरीक्षण) त्रजैन रेंज, बंगसूर

間が暦: 30-10-1985

# प्रकार मार्च हो . एव . एव . -----

# भाशकर मधिनियम, 1961 (1961 मा 43) मी भारा 269-म (1) के अधीन सुभना

#### alsa tranz

## कार्यालय, सङ्घायक नायकर बाय्क्स (पिरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46810/84-85----यतः मुझे भार० भारकाज

बावकार जिथितियन, 1961 (1961 का 43) (विसे इस्वें इसके प्रथात 'उक्त निमित्तियन' कहा गया हैं), की घारा 269-व के जभीत सक्षत्र निभक्तारों को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्भावर सम्बद्धि विश्वका जीवत बाबार नृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० श्रार० एत नं० 23/1 है तथा जो तिस्वैल विलेज भंगलूर तालूक है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप में पाणित है), रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता० 25-3-85

की पूर्वीक्ष सम्पत्ति के जिला बाजार मृस्य सं कम के इस्तमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गष्ट हैं और मृझे यह विश्वास करने के कारण हैं कि यजापूर्वोन्स संपत्ति का जिलत बाजार मृत्य, उपने अवसान प्रतिकास सं, एसे अवस्तान प्रतिकास का गंग्रह प्रतिकास से अधिक हैं और बंधरक (अंधरकाँ), और बंधरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पासा गया प्रति-का निम्निसिक्ष उद्देश्य से उन्त अंधरण लिखित में बाल्किक कप से कांजित नहीं किया गया हैं :--

- (क) अन्तरण सं इ.इ. कि.बी आग की गायत उक्त विध-विवृत की संधीत कर दोने के कलारक के दावित्य भा कजी करने ना जसने यानी ना सुनिधा के किए; और/्.
- (थ) एंडी किसी बाव या किसी धन वा अन्य बास्तिनों का, जिन्हें भारतीय बाधकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त बिधिनियम, या जन-कर बाँधनियम, या जन-कर बाँधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाधनायों बन्दरिती बूबारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के सिए;

क्याः वयः, उक्तं विधिनयमं की भारा 269-त के अनुसर्ध जें, जें, उक्तं अधिनियमं की भारा 269-व की उपभारा (१) के अधीन, निम्निकिस अविस्तर्थों, कुमास् .-- (1) मैससं जिनैन प्लाईबुडस
पार्टनरर्स (1) श्राएम०ए० महमद
(2) श्रीएम०ए० नाजर
पोषिलिल हाउस
कोडियातुर पोस्ट,
मुक्कम, कालिकट

(भन्तरक)

(2) श्रं/मति। एम० शुभा एम० कामत वाईक श्राक्ष एम० माधव कामत ''राम चरन'' मट्टाादाकानी रोड, मंगलुर

(भ्रन्तरिती)

का बाह् सुक्षमा प्राप्त करक जुलानिक सम्पन्ति की नार्चन की सिए कार्यवाहिया करता हो।

क्षण सम्बक्ति के वर्षन के सम्बन्ध में के कि भी बालोब्ध---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीश से 45 दिल की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीश से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में तजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से निजी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस बुचना के राषपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिवबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्दस्ताक्ष्री के पास निवित्त में किए जा ककों में।

स्पष्टीकरण:---इतमं प्रयुक्त शन्दों और पदों का जो उक्का अधिनियम, के अध्याय 20-क.में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में विका गया है।

## श्रनु सूची

[दस्तावेज सं० 2316/84-85 ता० 25-3-85] सब सम्पत्ति है जिसका सं० ग्राए० एस० नं० 23/1 जो तिरुवैल विक्षेज, मंगलूर ताल्ः में स्थित है।

> भार० भार**ा**ज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज, बंगलूर

तारीख: 30-10-1985

# प्रक्ष्म बाह्र . टी. एन. एवं . ------

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) में अभीन स्चना

#### नारत तरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 श्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46717/84-85—यतः मुझे मार० भारद्वाज,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० टी० एस० नं० 263/1 है, एथा जो एम० जी० रोड, लालबाग मंगलूर से स्थित है (श्रीर इस ने उपाबद जातु ग्वी मं प्रो (प्री का १ ऑग है), यिन का प्रण श्रविनिथम 1908 (1908 का 16) के श्रवान ता० 14-3-85

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कारणान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप-निकत सम्पत्ति का जिल्ला बाजार मूल्य अनक देश्यमान प्रतिफल से, एसे देश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से जिथक है और अन्तरिक (अंतरिकों) को बीच एसे अंतर्ज के लिए सम पाया चया प्रति- क्ल किम्मिबिक उद्योक्त से अस्त अन्यर्थ लिकित में अस्तियक क्ष से किम्मिबिक उद्योक्त से अस्त अन्यर्थ लिक्ति में अस्तियक क्ष से किम्मिक विश्वास से अस्त अन्यर्थ किम्मिक से अस्तियक क्ष

- (फ) बन्तरण से हुई किसी बाव की शबत, अक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उससे ब्यने में सुविध. के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अनिया के लिए;

अत: अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन :--

(1) 1 श्रीमती सी० बी० महालक्ष्मी 2. श्री सी० बी० श्रीरामुलू नायडु 3 श्री सी० बी० चिश्वकृष्णा नायडु लालबाग मंगलुर-3

(ग्रन्सरक)

(2) मैंससं सायवं त काम्पलैक्स प्राईवेट कि मिटेड उनके प्रतिनिधि श्रीमतः बंबिः रिजया ए० रेहमान बाईफ आफ़ एम० ए० रेहमान, नं० 14, जमीला स्ट्रीट, बटकल-581320

(धन्तरिती)

को यह कृष्या धारी करके पूर्वोक्त कुन्तुरित के व्यंत्र के क्षित्र कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

### उथव कम्मीत्त के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेर:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बढ़ भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकी।

स्थल्दिकरणः -- इसमें प्रमुक्त कक्षों और पत्तों का, को उनस अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभावित ही, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया क्या है।

#### भनुसूची

दिस्तावेज सं० 1963/84-85 ता० 14-3-85 सब सम्प है जिसका सं० टी० एस० नं० 263/1, जो एम० जी० रोड, लालबाग, मंगलूर तालक में स्थित है।

श्रार० भारद्वाज जक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रजैन रेंज, बंगलूर

तारी**ख** : 30-10-1**98**5

मोहरः

१९९२ **म**६६', टो. एन. **एस**.-----

# शायकर गिंधिनयन, 1961 (1961 का 43) की वार्ष 269-व (1) के गंधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यस्त, सहायक नायकर नायकर (मिरिकिक) अर्जन रेंज, बंगल्र

बंगसुर, दिनांक 30 प्रक्तूबर, 1,985

निर्देश सं० नोटिश नं० 46786/84-85---अतः मुझे श्रार० भारत्राज

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की बहु विश्वास करने का कारण हैं . उ स्थासर स्थापिक किया अस्ता अधिक हैं। उसका स्थापिक किया अधिक हैं।

श्रीर जिसको मँ० 157 है, तथा जो विश्वमन्त्राला 2 स्टेल एक्सटेनशन बंगलुर-38 में स्थित है (श्रीर इस्ते जाजब अनुसूच में श्रीर पूर्ण का व बंगल है), रिक्स्ट्रिलण श्रीविन्यम 1908 (1908 द्या 16) के श्रवोन करीख 29-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवाक्त सम्पत्ति का अधिक बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंसरिती (अंतरितया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्तित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई जिसी बाय की शावत, उक्त श्रीधनियंत्र के श्रीत कर दोन को श्रीपंक के वायित्य में कभी करने या उद्यम बचने में स्विधः के भिष्त; और 'त्या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) ले लिए अधिनियम, या धन-कर निधिनवम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अंत्रियों द्वारा प्रकट नहीं किया गंवा था किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विधा के किए;

जतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण कें, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) अबियोज, विक्वीकृषित स्वीक्तया,

- (1) श्राः सी० शिद्धलिन्यथाः
   नं० 819, 13 कास जयनगर 7 ब्लाः
   बंगलुर-560082
   (श्रन्तरक)
- (2) श्री टो० ए० विजयकुमार नं० 197, इन्दिरानगर 2 स्टेज बेंगलुर-5600038

(भ्रन्तरिती)

को बहु सुमना चारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिन सुरू करता है।

जन्म सम्मित के अर्जन के सम्मन्ध में कार्ड भी नाओप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं
  45 विश की वंजीप या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर
  सूचना की ताबील से 30 विन की वंजीप, जो औ
  वंजीप करू में स्वाध्य होती हो, के भीत्र पूर्वीकर
  स्वितकों में से फिसी स्वीक्त हुवाना;
- (ण) इस सूचना के राजनन में प्रकाशन की तारीख से 45 वित्र के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्वकारण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नी का, जा अध्या अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभागित है, वहीं अर्थ होगा, औं दश अध्याद भी दिया गया है।

## धनुसूची

(दस्सावेज सं० 3937/84-85 सा 29-3-85) सब सम्पति है जिसका सं० 157 जो बिन्नमन्गला 2 स्टेज एक्सटेनभान बेंगलुर में स्थिस है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायगर ग्रायूक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, बंगसुर

सार*ेख*: 30-10-**8**5

प्ररूप बार्षः टी. एन. एस.-----

मायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलुर

बंगलुर, दिनां ह 25 भ्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46829/84-85---- यतः मु**श** स० बालासुद्रामनियन

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00:000/- रु. से अभिक है

श्रीर जिल्लाकी सं 90-दो है, तथा जो बोलुर विलेश, मंगसू में स्थित है (श्रीर इस ने उपाबद्ध अनू पूर्च में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 रा 16) के स्थीन सा 21-3-85

की पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गद्रह प्रतिकात में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबतः, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य कें कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी. उक्स अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिच्छ म्बन्दिकों, अर्थात् ः—

- (1) श्रं: अन्जालैन डिकुन्हा बो० लसराडो, कैम्प हाउस निधर मारि गूडि, मंगलूर
  - (2) जूलैना सालडान्हा नी० लसराडो,
  - (3) जोलिम मिथैल लसराडो, कोडियल हाउस. श्रमोक्त नगर, मंगलर
  - (4) लेट्टिया सलडान्हा बी० लसराडो
  - (5) जोसक लसराडी
  - (6) लारेंस लसराडो

(मन्तरक)

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारा करक प्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों:
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए आ सकोंगे।

स्पर्वाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो अस अध्याय में दिया गवा हैं।

#### अनुसुची

(दस्तावेज सं० 2008/84 सा 21-3-85) सम्पति है जिसका सं० 90-बी, जो बोलूर विलेज, मंगलूर में स्थित है।

> म्रार० भार**ाज** सक्षम प्राधिकारी सहायक **प्रा**यकर मायु<del>क्त</del> (निरीक्षण) म्रजन रेज, बंगलुर

ताराख: 25-10-85

प्ररूप जाई . टी. एन. एस.-----

नाधकर जीपनिवन, 1961 (1961 का 43) की बाहा 269-क (1) के संपीत स्थान

#### भारत तरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आवृत्स (निरीक्षण)

श्चर्जनरेंज, बंगलुर

बंगलुर, दिनांक 25 ग्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 47418/85-86- -- यतः मुझे एस० बालामुक्रमनियन

नायकर निवित्तम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा पता है), की धारा 269-स ने अधीन समान प्राधिकारी की यह निस्थास करने का करण है कि स्नावर सम्बद्धित, विस्ता उचित बावार मूक्य 1.00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 193 है, तथा जो स्वािक रोड, प्यािलस श्रापार श्रारवर्डस, बेंगलुर में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद श्रामूखी में श्रीर पूर्ण रूप से बिणित है), रिष्टिई व्रण श्रीशिष्टि 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन ता 8-5-1985

को पूर्वीयत संस्थित के उचित याजार मृत्य के अन्न को काशमाण अतिपाल को सिख अन्तरित की गई है और बहु विश्वास अस्ते का कारण है कि वसापूर्वोक्त कम्पत्ति का उचित जाचार पृत्य, उसके अध्यानान प्रतिकाल से, एते अध्यानान प्रतिकाल का प्रमाह प्रतिवात से जीवक है और अंतरफ (अंतरका) और बंतरियी (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाना गया प्रतिकाल, निकालिया उक्कियों से अवस अन्तरण कि विश्व में पास्तिका कम से स्वित नहीं जिला गया है :—

- (कां) बन्तव्यन से शुद्ध किती बाब की बन्दक उन्तर क्षीप-विग्रन की अधीव अर बांगे के अम्मरक के वाधित्य में कसी बहले या उपसे मचने में सुविचा के मिन्। बीच/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हों भारतीय अव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स प्रॉधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयासवार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रमट नहीं किय: वसा था या किया चाना चाहिए था, फिनानं में सविवा के जिए;

बद: बब्, उपव किपिनियम की पारा 269-ए के बनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रंत्रप्रार० एन० मान्द्रे, नं० 31, 5 मैंन रोड, गांधिनगर, बेंगलुर-9

(ग्रन्तरक)

(2) श्रं एस० वं (० रमणि, नं ० 501, श्रांश किरण, 18 क्रांस, मल्लेक्वारम, बेंगलुर ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्मत्ति के अर्जन के लिए कावचाहियां करता है।

# स्वत प्रकास के अर्थाव की सम्बन्ध में बोर्क्स थी बाबोप :---

- (क) इस बुक्ता के राज्यका में प्रकाशक की वाशीय में 45 किन की जनकि वा तत्वंत्रंकी व्यक्तियों पर बुक्ता की वाशीस ते 30 किन की नवीं का भी जनकि योद में सवान्य होती हो, के नीतर पूर्वोंक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस क्वारा;
- (व) इच भूमना के राष्ट्रपत्र में प्रकावन की तारीच वे 45 दिन के बीचर उक्स स्थावर सम्मत्ति में हिच-क्यूम किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के शत निविद्य में किए या सकीने।

## वन्स्ची

(दस्तावेज सं० 440/85 ता 8-5-85) सम्पति है जिसका सं० 193, जो स्वांकि रोड, प्यालेस श्रक्षार आरखर्डस, 2 मैन रोड, ख़्दाधिवानगर, बेंगसुर, में स्थित है।

> एउ० कलासुक्रमनियम सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, बंगलर

नारीय: 25-10-85

# प्ररूप नाई. टी. एन. एव.-----

अधकार अधिनियम, 1961 (1**961 का 43) की** भारा 269-**थ (1) के ब्रभीन युग्ना** 

#### भारत बरकार

ार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्तण)

म्रर्जन रेंज, बगलुर

बगलुर, दिनां त 25 ग्रक्तूबर, 1985

नोटिस न० 46826/84-85—यतः मुझे एस० बालासुन्नमनियन

काशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उचत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वाद करने का शारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नावार मुख्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० टी० एस०न० 1485, ग्रार० एस० न० 192, ग्रीर इस से उपाबड अनुसूर्चा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है,) रिजस्ट्रेकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रध न ता 18-3-1985

को ध्वंक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वों स्व सक्तरित का उपित बाजार बृत्य, उसके व्यवमान प्रतिकल के, ऐसे द्रश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह गतिवत से अधिक हो और बन्तरक (बन्तरकों) और बंतरिती (बन्तरियों) के बीच ऐसे बन्तरण के तिए तथ पावा एवा प्रतिक्ष क्वा विव्वतिवास उद्दर्शय से उक्त अन्तरण विव्यत के बादलिक व्या प्रतिक्ष के वादलिक व्या विव्यतिवास के वादलिक व्या विव्यतिवास के वादलिक व्या व्या है :---

- (क) जनारण संहूर किसी बाय की बायह, उनक विश्वविद्य के वृथीन कर दोने के बन्दरक की वादित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविध्य के तिक; बीड्/वा
- (ख) शुंदी किसी जाय या किसी भन या अन्य आरिस्त कों, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध- के किया

(1) श्रामतः ऐसम्मा पात्तम्मा, मुलरेपटण, ग्ररला पौस्ट, बन्टबाल तालदः, एस० के०

(म्रन्तरक)

(2) श्राएम० जकारिया,
कारवला रोड,
कुद्रोलि, मगलुर
(2) श्रीके० चायब्बा,
कारकला रोड,
कुद्रोलि, मगलुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विष की स्वीप वा स्वस्थानी व्यक्तिकां पुत्र सूचना की सामीस से 30 दिस की स्वीप, सो भी स्वीध बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविक्त अधिकार्या में में निजनी व्यक्ति द्वारा;
- (क) देश स्ट्रांत के शक्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के मीतर उत्तर स्थापर सम्मति में हित्यहूद किसी अन्य अतित द्वारा अभोहत्साक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

लक्कीकरणः प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति का कि उपक्ष वरिषित्यम्, के वध्याम् 20-क में परिभाषित हैं, वहति वर्ष होगा जो उस वध्याय में दिया वता है।

(तस्तावेज सं० 1988/84 ता 18-3-85) प्रमातिक है जिला स०टा० एस० 1485, आर० एस० त० 192, जो ाज्या वजार विलेज, भुद्रोलि, वार्ड, मगलुर, भें स्थित है।

> एउ० वाल सुब्रमिनयम सक्षम प्राधिकारी म*्*य ३ श्राप उट श्रापका (निरीक्षण) श्राप्तन रोंप, बगलर

\* ७: बाब उक्त विधिनियम की धारा 269-म की वन्तरण , भ, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

तारोख : 25-10-**85** 

# इक्स बाही ही एस एक - -----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, बंगलुए

बंगलुर, दिनांक 25 अक्तूबर 1985

निर्देश मं० नोटिस नं० 46734/84-85--यतः मुझे एस० बालासुद्रामणियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परवात् 'उन्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 82 (46 II) है, तथा जो गंगेनहिल्ल, बेंगलुर में स्थित है (श्रीर इस से उपावट श्रनुसूच में श्रीर पूर्ण हप से वर्णित है). प्रजिस्ट्रंकिंग्ण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 14-3-85

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार बृज्य से कम के क्षयमान प्रितिक्त को निए जन्तिरित की गई हैं वार बृज्ये वह विश्वास करने का कारण हैं कि समस्पूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित कायार मृत्य, संसभे ध्वममान प्रतिकास से एके ध्वममान प्रतिकास से पन्ते ध्वमारकों भित्य से जन्तरक (धनारकों) भीर बन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब शमा गया प्रतिकास, जिम्मिलिस्त उद्वेष्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक स्मास से स्थित नहीं किया गया हैं:---

- (क) बन्तरम ते हुइ किसी बाव की बावते, अक्ट बियानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दावित्व में कमी करने वा उत्तर्ध बचने में सुविधा की सिएं बार/वा
- (क) ऐसी किसी या किसी अन या अन्य आस्तिनां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या टंड अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वास प्रकट नहीं किया जना था या किया जन्म चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए:

 (1) श्री एस० रंगज्या न० 356, 8-ए-मैंस, मिल्क, कालोनि, बंगलुर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रामता दिलशाद बेगम्, नं० 10, 3 कास, एच० सिद्धाच्या रोड, बेंगलुर

(ग्रन्सरिती)

ना बहु तुम्बना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के विष्टु कार्यवाहियां करता हुं।

## जब्द सम्परित के बर्जन के तंत्रंथ में कोई भी वाक्षेप 1--

- (क) इस स्वान के राज्यक में प्रकाशन की तारीय से 45 विभ की जनिथ या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पद कृषणा की ताजीस से 30 दिल की जन्मी , यो भी जन्मी नाथ में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्विका व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में त्रकायन की तारीय से 45 विश्व के भीतर उसत स्थायर सम्परित में हिस्सब्ध्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहत्ताक्षरी के पास सिवित में किये वर सकरेंगे।

स्वक्रीकरण:— दक्षमें प्रयुक्त सब्दों और पक्षे का, जो उजक स्विधितयम, के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगाः, को उस सध्याय में दिया प्रवाह<sup>6</sup>ी

# अनुस्ची

दम्सावेज मं० 3837/84 सा 14-3-85) सम्पत्ति है जिसका मं० 82 (46 H), जो गंगेनहिल्ल, बेंगलुर, में स्थित है।

एस० बालासुक्रमाणियन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रॉज, बंगलुर

तारीख: 25-10-85

मोइर:

प्ररूप अर्का.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन तुमना

#### भारत संस्कृत

कार्यालय, सहायक आवकर आवृक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 प्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 46847/84-85---यतः मुझे, ए.स० बालासुत्रामणियन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 48) दिवसे इकनें इसने परवात् 'उनत अभिनियम' कहा गया हैं); की भाषा 269-स के अभीग मध्यम शाधिकारों को यह विश्वास करते का का अगरण हो कि विश्वास संवीता का उचित बाबार 1,00,000/- रहा से जीधक हैं

ग्रीर जिसकी मं 144 है, तथा जो केतमारनहास्ति, बेंगसूर में उत्तर सालूक में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद ग्रनसूकी में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन ता 1~3~85

को पूर्वोक्त सम्मत्ति भे उपित बाजार मृस्य से कम के स्ववाद प्रिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह दिश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रीतिकल ने, एमे दस्यमान प्रीतिकल के पंत्रह प्रतिकात से स्थिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतिक्ति (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सम पामा गमा प्रतिकात, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निकित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दिवस्य में कमी अस्ते वा उसने बचने में सुविधा के सिन्ध; अदि/वा
- (क) ऐसी किशी आय ना किसी धन या अस्य आस्तियों आर. जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

कर अया, ज़कर अधिनियान की धारा 269-ग **को जनसरण** मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ण की उपधारा** (1) के प्रधीन, निम्नसि**चित अविदायों, मर्थात् ः—**  (1) श्रः दोड्डाण्यः, नं० 142, 4 श्राम रोड, भागप्पा ब्लाफ, श्रःरामपुरम, बेंगसूर-21

(ग्रन्तरक)

(2) श्रं: ड ० के ० रमेश, नं० 32, जे० सी ० एनसटेंशन, कनकपुरा टाउम, बंगलूर डिस्ट्रिक्ट

(भन्तरिती)

न्त्रे वह बूचना जारी करके पूर्वोक्त सन्मित्त के वर्षन ने जिल्ला कार्यनाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के समयन में प्रकारण की बारीय वे 45 किन की नगीप वा बरवंगी व्यक्तियों कर सूचना की सामील से 30 दिन की कर्यां, वो और अगिंध में समाचा होती हो, के भीत्र पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुनारा;
- (त) इस स्कूजन के राजपत्र में त्रकावन की बादीय हैं 45 दिन के भीतार उपस स्थापर संपत्ति में दिवपहुच सूध विकी अन्य न्यापन क्याच, मभोक्रकावनी के पान निवास में विक् का क्यों में।

रपव्यक्तिरणः — क्लाणे प्रभुक्त कल्यों गरि क्यों का, यो कल्य श्रीभिनियम, को अभाव 20-क को व्यक्तिक्रिक्त ही, क्ली अर्थ होना को जब क्रम्क्स को विका नवा ही।

#### असमा

्वस्तावेज सं० 5221/84 ता० 1-3-85) सम्पत्ति है जिसका सं० 144, सर्वे नं० 141/4), जो केत्तमारनाहिल्ल, बेंगसूर उत्तर तालव, में स्थित है।

> एस० बालासुद्रामणियम सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भायुक्त<sup>ह</sup> निरोक्षण) **ग**र्जन रेज, *बंगसूर* ।

तारीख: 25~10-85

# प्रकृत बाह् , डी. १५. १५. ५०.

# बावचर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकर

# कार्यामय, सहायक बायकर अस्तुक्त (निर्दाक्षक)

मर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दितां ह 29 अक्तूबर 1985

मिर्वेश सं० नोटिस नं० 1134/85-86—स्यः मूक्षे आर० भारटाज

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसके इसके प्रधात उसते अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संयक्ति, जिसका उपवित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 101 है, तथा जो पाजी पोडा मारगंमा गोश्रा में स्मित है ,श्रीर इस मे उपाबद अनूसुवा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्र करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अक्षीम सा 26-5-85

का प्वांवत संपत्ति के उचित वाकार मृत्य हे कम के अवस्थान अतिफत्त को सिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण हैं कि स्थाप्योंक्त तंपीत का उचित बाजार मृत्य, सत्तके अध्यमान प्रतिफल के, एसे अध्यमान प्रतिफल का कम्बद्ध प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अव्यरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरम के लिए स्थ पाया गया प्रतिकृत , निम्निलिबित उच्चेष्य से उच्न अन्तरम

- (क) बन्तरून से हुए किसी बाय की बायत, उक्त बीधिनयम के बनीप कर दोने के बन्तरूछ के वाधित्त में कभी करने या उससे बचने में मृथिध। के बिद्द; बार्टिश
- ेंड) ऐसी किसी बाय या किसी थन या अन्य जास्तियों को, चिन्हीं भारतीय वायकर वीधीनवंग, 1922 (1922 का 11) वा उच्य विधीनवंग, या भन-कर विधीनवंग, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नथा वा वा किया वाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा के सिष्,

असः असः, उत्तर अधिनियम की धारा 269-त की अनुसरक जो, जो, प्रथस अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिविधित अधितस्यों, अधीत्:— (1) इगनोटाईस फ़र्नाडीस ग्रीर श्रांमती मारिया भूइजा फ़र्नाडोज कजीकोड नरगांव गोवा

(भ्रन्सरक)

(2) श्री चल्लाघ सी० पाटिल प्लाट नं० 1, 3 फ्लोर, कोटालं/छा बंगोली काजीकोड मरगांव गोवा

(मन्त्रिरती)

को यह सूचना जारी करके पृथीकत सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वालेप '---

- (क) इस भूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी स्पन्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति त्वारा;
- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी जन्म स्मिन्त द्वारा जभोष्ठस्ताक्षरी के प्रकारिकत में किए का कर्यन।

स्पर्धिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित किं **हैं, की वर्ष होना वां उस रूजान में** दिया गया है।

#### नग्स्की

(दस्तावेज सं० 593 ता 26-4-85) शाप नं० 101, ग्राउन्ड फ्लोर, काटर्। कोड सरगांव गोत्रा में हैं। इसका एरिया 22.38 स्केयर मोटर्म है।

> मार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रज़न रेंज, बंगलूर

तारीख: 29-10-85

# १९म नहुं दी हुन हुस .-----

# बावकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के समीन स्वमा

#### भारत संस्कार

# कार्यासम, सहायक मायकर कल्का (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज, बगलूर

बंगलूर, दिनाँक 29 ग्रन्तूबर 1985

निर्देश सं० 1135/84-85---यतः मुझे, प्रार० भारद्वाज, नावकर श्रीभानवन, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रथात् 'उनत अधिनियम' कहा गवा हैं), की बाद 269-च के जधीन तक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 21 श्रीर 22 है, तथा जो नकडेंम श्रलोह मरगाँव सें स्थित हैं (ग्रीर इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता 1-3-85

को पूर्वोश्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय भावा गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण मं हुई किसी जाय की मानत, उजत अधिनियम के ज्योग कर दोने के जन्तरक के दावित्व में कनी करने या उत्तक बजाने में सुविधा के सिष्टु; व्यर/या
- (थ) इंडी किसी काम मा किसी धन मा अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय सामकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्ता सिधिनियम, वा धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीधनार्थ अन्तरिती क्षाच प्रकट महीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, किनाने में सुविधा के सिक्;

बक्ध बंग, उन्तर क्षिणियम की भाष 200-न के बन्दरन औं, में, तनत क्षिणियम की भाष 269-व की उपवास (1) के जभीन,, निकारिसीयत व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) 1. श्रीमती मरिया मेक्जा डी० मोरियाः, पिटो सोशिस्ट बारडाः, मरगाँव गोवा 2. श्री श्रंडोतियो श्ररलोंडो, पीयाडुडो गोतियो पिटो सोंगिक थाने, श्ररीतियो श्रोरलोंडो पिटो, सौरोका, मरगाँव गोवा 3. भुइस कालूम डी० गणशन पिटो श्रलोंगस, इक
- (4) श्रीमती मारिया देलमोटी० गोवाया जी०टी० गलोरियत कोरिया

श्रपन्रो ग्रौर मुराका पति जोका जोपतीन टी० कद्रस्तीयो कंशया श्रफाल्डो वेंतौंर्सजिम

5. पेग्री सीलवेस्टो तागासीमो इमासिकी मोभिया और पत्नी सारिमा मुडीबीला अगतीकरा जोसा मंडियाकोर वलमिला वेटिटटो शारिमर गोरतागम 6. श्रीमती मारिया श्रलेक्सा कारमदा सोरोसा अवेयसि ग्रीर घाती जोमा लुइग्रो फीलोमीतो अश्रंचीस पणजी

 श्री जोक्तीय पीलीया डी० फीडडीडी, सीरीस और पन्नी मारिया तुलीया सीशलो, पीचाको, मरगाँव गोवा

 8. गोवा और जोगी डी० गौविन्दा पिटो सोरस भौर श्रीमती मारिया सीलवारिया डी सोता सीहा बारा ब्रेजील

 श्री एवं। श्रोककार डो० गोवोया पिटो सौरिसा मरगाँव गोवा

186. श्री राम फन्मीसकल बेंलारको डी० गोविन्द पिटो सोरिया ब्रेंजील (श्रन्सरक)

(2) श्री दामोवर नारायन नायक ई-54, श्रावार्ड परिया रोड मौनगाँव गोवा (श्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के लिए कार्ववाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी शाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सुक्ता के राज्यक में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किली नम्य व्यक्ति वृतायं नभोहस्तानरी के पास सिचित में निगर जा सकतेंने

स्वाधिकरणः ----इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क मधिनवस, के जब्दाक 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अन्याय जो तिका गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 358ता 1-3-85)

प्लाट नं० 21 श्रीर 22 'मारमें हिल' डालटो मरगाँव गोवा में है। इसका एरिया 1616 स्केयर मीटर्स है।

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, **बंग**ल्

तारी**वा**: 29-10-1985

प्रक्ष . नार्ष . टी., एन . एवं., - - - - -

बाधकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वता

#### भारत सहकार

कार्यासया, सहायक नायकर वायुक्त (निरक्तिण) भर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 प्रक्तूबर 198म

निविधासं० 1136/85-86---यतः मुझे श्रार० भारदाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा >69-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अप्रक है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 150/2 है, तथा जो सोडर में स्थित है (श्रीर इस से उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणित है), रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता 16-3-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और ममे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित् बाजार मृत्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्समन प्रतिफल का भंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निष् तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ववेष्य से उक्त अन्तरण लिखित श्रस्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण सं हुंद्रं किसी बाब की बाबत, उपस विभिन्नियम को अधीन कार दोने की अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे यक्तरे में बृण्डिया के लिए; बीर/मा
- (क) ऐंदी किसी बाब वा किसी धम या बन्ध कारितयों को, जिन्हों भारतीय जामकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लोधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजन के बाना पान पाहिए धा, कियाने में सुविधा के सिए:

नतः नयः, उन्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं में, में, उन्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती टी०के० जातम्मा कि भोगसानि राव
 टी०के० श्रीनिवास राव,
 कोरलीस्कर कारवाता हरिहर

(भन्तरह)

(2) श्रीमती बी० एत० अमरबा पति डाक्टर बो० १ त० नरवरान रतेंडर बेंफलासी जिला

(श्रन्सरितो)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया स्थला हो।

जनत सम्मात्स के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस मुचना के गलपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविभ, यो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुपना के रापपत में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निवित में किए जा सकोंगे।

#### वन्स्यी

(दस्तावेच सं० 743 ता 16-3-85)

श्रार० सी० मी० मक्तान सोडर मद्रास में है। इसका प्लाट एरिया 2400 स्केंबर मीटर है। श्रौर प्लाट एरिया 1670 स्केबर फीट है।

> श्रार० भारक्षाज सक्रम गाजि हारो सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, बंगलूर

मारीख: 29-10-85

# मक्ष् वार्षं हो । युव् एष ,-----

# बाबकार म्पिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुनना

भारत सरकार

# कार्यासन, सहायक नायकर वानुक्त (निद्धीक्षण) श्रजन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनौंक 29 प्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 1137/85-86---यतः मुझ भार० भारद्वाज

नानकर निभिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परणात 'उक्त निभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-चा के अधीन सक्षम प्राधिकत्ररों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 32, 35, 36, 43 है, तथा जो चन्द्र ग्राम सालकेट गाँव में स्थित है (श्रीर इस से उपायब अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीरकण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता० 7-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृष्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंजह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लिक में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वन्तरण वे हुए किसी नाव की वाग्त, जवस विधितयम के वणीन केंद्र दोने के शब्दुरक के करित्रम् में कवी कड़ने या क्यूचे मूलने के स्टिका के जिए; कड़ि/वा
- (क) एसी किसी बाप वा किसी अन वा अम्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय बायकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियन, या अन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ, जन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया नवा जा वा किया जावा चाहिये था, कियाने डो स्थिया के किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1), के सभीन, निम्निसित्ति स्वित्तियों, अर्थांत् अ— (1) श्री ग्रलवरों की० क्रीगोवा फेरीक्रा चन्दर गोवा

(मन्तरक)

(2) श्रीमती सुकाँती यादव कामत वास्को-डी-गामा

(भन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उस्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी नाक्षेप :---

- (क) इत स्था के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अपित ना तत्मास्त्राधी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अवधि, यो भी व्यक्ति नाद में संपापत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्का के राजपत्र में त्रकावन की दारीस से 45 दिन के भीतर प्रवेशित जनत स्थायर सम्मित्त में हितवस्थ किसी बन्ध म्यक्ति स्वारा क्योहस्ताकरी के पास लिखित में निग्र का सर्वोषे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का को उकत व्यक्तिनम, के अध्याय 20-क सें परिश्राण्ड है, वहीं वर्ष होगा को उस कथ्याय में दिवा नवा है।

# मनुसूची

(बस्तावेज सं० 379 ता 7-3-85) प्लाटनं० 32, 35, 36, 42 और 43 चंदर ग्राम, सालफेट गोवा में है। इसका एरिया 8139.12 स्केगर मोटर्स है।

> म्नार० भारदाण सक्षम प्राधिकारो सङ्घायक म्रायकर ऋायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बंगलूर।

तारीच: 29-10-85

# प्रक्ष अहा .टी.एन.एस.

भाषकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के संभीत तुमना

#### नारत परकार

कार्मलय, तहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, धिनांक 29 प्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० 1138/85-86-यतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

नावकर निभिनित्रम्, 1961 (1961 का 43) (चित्रं द्यंवे द्यंवे द्यंवे प्रशात् 'उक्त निभिनित्रमं' क्या नेता ही, की पाक 269-क के नभीन तकान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्मित्त, विस्ता उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० 2026 है, तथा जो कारदोसे में। भालसलकेट में स्थित है (श्रीर इसने प्रशाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित है),रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908(1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 7-8-58

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मूक्य से कम के क्याबाब करिय के सिए कंतरित की नई है जीर मफे यह विकास करने का कारण है कि वजाम जरने का कारण है कि वजाम जरने का कारण है कि वजाम जरने कर क्याबात का उचित वाचार नृज्य असके क्याबात प्रतिकास का पत्त्व प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पा। गया वासकस, मिम्निवित व्यवस्थों से वक्त बनारण निवित में स्वतिकार नय में करियन नहीं किया नया है ।

- (क) नन्तरभ सं शुर्ह किसी बाब का बाबर, उस्त वीचनियंत्र के नवीन कर पाने के जन्तरक के शाबित्य में कभी करने वः उसते वचने में सुविधा के सिद्ध; बीर/बा
- (क) ऐसे किसी भाव या किसी भन वा अन्य शास्तियाँ को, भिन्हों भारतीय नामकर निर्मानसन, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्नसन, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रसोजनार्थ नंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, स्थिपने में सुनिधा कें सिए;

बत: सब, उक्त श्रीपनियम की धारा 269-ग के अनुसरण उक्त ब्रीधनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) निम्नलिबत व्यक्तिकों अर्थात् :--- (1) श्रीमती शुकांती यादव कामत वास्कोडीगामा गोवा ।

(अन्तरक)

(2) र्श्वा प्रान्वोरो डी० बीगेजा फ़ीरेश चन्द्र गोता।

(मन्तरिती)

नते सह चुचना पाड़ी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति से नर्पन से सिक कार्यमही सुक्ष करता हु"।

डक्त सम्पत्ति के कर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षण :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस के 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पद स्वान की तामीस से 30 दिन की व्यक्ति, वो भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (व) इस स्वता को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विध-वव्ध किसी व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाल सिवित में किए था सकी।

स्वक्रिक्ष्णः ---इसमें प्रयूक्त सम्बंगित पत्ने का, जो उक्त विभिन्निय के जभ्याय 20-क में परिभाषित हाँ, नहीं कर्ष होगा जो उस कभ्याय में विका गटा है।

#### मन्त्रपी

(दस्तावेज सं० 379 ता 7-3-85) लोड की तर्मात कर्जाणीम तासूक सामकेटनोवा में है। इसका एरिया 125 स्केयर मीटसंहै।

> न्नारं० भारद्वाज सक्षम प्राधिकरण सहायक श्रायकर **श्रायुक्त(निरीक्षण**) श्रजन रेज, बंगलूर

नारोख: 29-10-85

मोइर:

त्रसम् बाह्यं, दी . एव . एव . -----

नाथ कि निवस , 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याज्य, सहायक जायकर सायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, बंगसुर

बंगलूर, दिनांक 29 श्रक्तूबर 1985 निर्देश सं० नोटिस नं० 1133/85-86---यतः मु**झे भार०** भारताज

जायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिमकी स० 53 है तथा जो खानापुर रोष्ड बेलगाम में स्थित है (श्रीर इत्वे उपावद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीजरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता० 8-4-85

को एवें बिर लंपरित के उच्ति बाजार मुस्य से कम से दब्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्मत्ति का उच्चित गाजार मुख्य, उसके दब्यमान प्रतिफाल से एसे दब्बमान प्रतिफाल से पत्ति बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण से लिए तब गाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उथत अन्तरण निकास में तास की किया गया ही :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी नाय की वावत, अक्त अधिनियम में अधीन कर दोने के जन्तरक की दायित्व में कमीं करने या उससे वचने में सुविधा ने सिए; बॉर/वा
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्का अधिनियम, या धन-कर अधिनियम: 1957 (1957 का 27) को अभोजनार्थ पत्निरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था से सिक्या जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभाश (1) के अधीन, निम्दितिकार काकिस्यों, अर्थात् —

 (1) श्री वीठल ए० प्रराफ़ पाम निदास खानापुर रोड, टीकलवाडी, बेलगाम

(अन्तरक)

(2) श्रोमतः होराबाई दोंडो देशपाडे गोंदली गासी बेलगाम

(भ्रन्त रती)

को यह स्वता बारी करके प्रॉक्ट सन्वीत के अर्थन के शिक् कार्यगाहियां करता हुं।

धनत सम्मत्ति के नर्जन से संबंध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र के प्रकाशन की तारीच तें 45 दिन की अवधि यह तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तानीन से 30 दिन की संबंधि, जो भी जदधि बाद में तजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वान के राज्यत्र में जनायन का तारीक वें 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितनद्व किसी बन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पात विश्वित में किए जा सकते।

स्वकानिकरणः ----इसमें प्रमुक्त कर्का सीप पर्वो का, को अक्ट-अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिया नया है।

#### **मन्द्र**ी

(दस्तावेण सं० 121 ता० 8-4-85)
प्लाट नं० 53, खानापुर रोड टीकलवाडी बेलगाम में है।
बार० पी० सी० मकान इसया एरिया 2400 स्केयर मीटर
है।

ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायुकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज, बंगलूर

तारीख: 29-10-1985

प्ररूप बाद : टी एत. एस. -----

कायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के सभीन स्थान

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निर्दाक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 श्रक्तुबर, 1985

निर्देश सं० नोटिम नं० 1132/85-86--- यतः मुझे स्रार० भारक्षाज

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नावार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसको मं० 52 है, तथा जो खानपुर रोड, बेलगाम में स्थित है श्रीर इस में उपाबद्ध श्रनुसूनं। में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनथम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन ता० 6-4-85

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को जीवत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान शतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मृक्षे यह विद्यास सरने का शारम है कि श्राप्त्रोंक्त सम्पत्ति का अवित् ब्राजार म् असके वृद्धपान प्रतिफल में, ऐसे वृत्रयमान प्रति उस का पण्डस्ं प्रति क से मिक्क है और बन्तर क (अन्तर की) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच पेरें बन्तर्य के लिए तम पाया नया प्रविच्छ कि कि विद्या पर्या है ।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक क दायित्व में कसी करने या उससे बचने से स्विधा के लिया: बारि/सा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना वाहिए था, कियाने में सविधा के लिए: और/वा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलियत व्यक्तियों, अर्थात् :——
18 —356GI/85

(1) श्रः केणव महादेत गराफ़ (2) वीटल तहादेव सराफ़ श्रामनं: जयश्री वैलाण माफ़ खानपुर रोड, बेलगाम ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोसन: एमर बलांचे डीसौजा भार्फन केर एमर सराफ खानपुर रोड बेलगाम या बीर मीर 58, कॉप बेलगाम (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवादियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच के 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्राह्म किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के शक्त निश्चित में किए वा सकेंगे।

#### अनुसूधी

्रावित संव 109 ति 6--4--85 प्राप्त पात पाति मिलान खानापुर रोड, बेलगाम में हैं। इनका एरिया 80, स्केपर में ट्या है। इसका सर्वे नंव 219/ 20/3, 219/1, 219/2/14 है।

> श्रारः भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक श्रापकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज, बेंगेलर

नारीख : 29--10-19**8**5

मोहर .

# 

# बावकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मकना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंम रेंज, बगलूर

बगलूर, दिनांक 29 अक्तूबर 1985

मिदेश सं० डी० आर०-352/37-ईई०---यतः मुझे, आर० भारद्वाज,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन संधाप प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार म्ल्य 1.00.000/- उ. से अधिक है

1,00,000/-र. से बिधिक हैं
सीर जिसकी स० प्लाट न० टी-2 एँट मड़गांव है, तथा
जो में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से बिणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पणजी,
गोवा में धारा 269 के ख में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 19-3-1985
को पर्नेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रदिक्तर के लिए अन्तरित की गई हैं और मफे यह दिश्यास
करने का वारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रिक्त को गई इंग्रेजीर मफे वह दिश्यास
करने का वारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रिक्त के तरक (अंतरकाँ) और अंतरितौ
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रम,
निम्निलिखत उद्देश्य में उक्त अंतरण कि जिए में बाल्यिक
रूप में कथित उद्देश्य में उक्त अंतरण कि जिल्ला में बाल्यिक

- (क) अन्तरण संहर्ष किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधाजनाथ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था भा किया जाना चाहिए था, । छपान मा मृविधा की लिए;

कत: अब, उक्त अधिनिध्म की धारा 269-ए के अन्सरण में. में उन्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपपारा (1) क जधीन, कि जिलिकत काकितयां. अधार  मेसर्स सतीश उस्टकेशन्स 10-11 कृज मरसन मडगांव गोवा।

(अन्तरक)

 फ्रान्सोस्को जेसस फरनान्डिस द्वारा ज० वि० फरनान्डिस नियर काम्पस डिमयल चेपल पोस्ट कोनोलिम सलसेट गोवा।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के विष्ए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त संपत्ति के वर्षान के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिमित में किए जा मकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया हैं।

### अनस्ची

(दस्तावेज डि०-299 ता० 19-3-1985)
फ्लैट न० टी-2 जो अिल्डग "ई" निपोलैट हाउसिंग
काम्पर्लंक्स में 111 फ्लोर जो काटोएडा मारगोवा गोवा
में स्थित है।

भ्रार० भार**हाज** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (ति**री**क्षण) अर्जन रेंज बंगलूर

तारीख: 29-10-1985

प्रकथ बार्षः दी. एनः एसः 🕝 - 🦠

# **नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** ২০০ (১৪৫২৮ ১১৮ । এখান **মখ**লা

#### मारत बरकार

# कार्याचन, बहादक वावकर वावकत (निरीक्षण)

अर्जम रेंज, बेंगलूर बंगलूर, दिनांफ 29 अम्तूबर 1985 मिदेश स० डी० आर०-364/37-ईई०--अतः मुझ आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क की अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाबार मृस्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी स० फ्लैंट न० जी-4 एंट पणिज है तथा जो में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ने कार्यालय पणजी गोबा में धारा 269 क ख में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) ने अधीन तारीख 22-3-1985

को प्रवेकित सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य में कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृतेकित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यभान प्रतिफल से, एसे रश्यभान प्रतिफल का पन्चइ प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकत का निम्नसिवित उद्विय से उक्त अन्तरण में निवित वास्तिविक क्य से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) सम्बद्धम सं हुई किसी नाय की बाबत सम्बद्ध समितियम में समीन कह दोने के अन्तरक भी कवित्य में कमी कहने वा उक्क वयने में स्वित्य। के निए; क्षेत्र/या
- (अ) ऐसी किसी श्राय था फिसी पन था अन्य बास्तियां कर, फिन्हें भारतीय आय-फर किमिनिसस, 1922 (1922 का 11) वा उपत किमिनिसस, वा चन-कर किमिनिसस, 1957 (1957 को 27) की प्रवाजिताय किन्ति होती व्यास प्रकट नहीं गिन्ने स्थाप के किस जाता भाषिए जा, किमाने में सुनिका के किस;

बतः जब, उक्त गणितियम की भाग 269-ग की अनुबरण में, भी, उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उपभाष्ट (१) के जधीन, निस्तिचित्र व्यक्तियों, अर्थात् :---  मै० पेंरीय बिल्डर्म मिरडा हाउम मियर केनरा बैंक मुडगांव, गोवा।

(अन्तरक)

2 श्री दिलीप मगेश नाईक श्रंड चद्रकान सीनाराम नाईक नियर हेड पोस्ट आफिस पणजी, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह तुमन। जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यभाहियों करता हुं।

क्त सम्परित के भर्मन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की नर्वात्र यः तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविन, को बी नविभ नाद में समाप्त हांनी हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी न्यंक्ति इवारा;
- (क) इच सुवना के शायपण म अकासन कर्ग तारोच से 45 विन के बीतर उक्त स्नावर सम्पास्त में हितववुध किसी अन्य अनित बुवारा अभोहस्ताक्षरी के बाक निवित्त में किए का सकेंगे:

स्थळीकरणः — इतः प्रयुक्त क्रव्यों मीर पर्यों का, को उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा को उसे अध्याय में विजा स्था है।

### वप्स्ची

(दस्तावेज स० डी-298/85-86 तारीख 22-3-85) पलैट न० जी-4 जिन्नका नापना 68 स्नवेयर मीटर्स जो पालमार मान्टे पणजी में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलर

सारीख: 29-10-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बेंगलूर

बेंगलूर दिमांक 25 अक्तूबर 1985

मिदेश स॰ डी॰ आर०-454/85-86/37-ईई॰--अतः मुझ, एस॰ बालसुब्रमणि,यन,

अगयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी स० 21 से 23 है, तथा जो महगांव में स्थित है (भीर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महगांव में की धारा 269 क, ख में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीम, तारीख मार्च 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण
लिखित में अस्तिक रूप से कृष्य महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में स्थिभा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मै० एस० एस० ऐंटरप्राईज बल्ला वीस्ता बिल्डिंग मङ्गांव गोवा।

(अन्तरक)

 मैं० नृतम बी योगि बौडा बोलमलिसा रोड़, मडगांब, गोवा।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षांहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगी

स्यव्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो जक्त अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(वस्तावेज स० तारीख मार्च 85) बिल्डिंग का नाम "अपोरामंदो" ग्रीर तावरीलेम, मडगांव। मरगांव।

> एस० बालसु**ब्रह्मणयन** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगसुर

तारीख: 25-10-1985

माहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.---- -

लाजकर केरिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 अक्तूबर 1985

निदेश सं० डी॰ आर॰-457/85-86/37-ईई॰---अतः मुझे, एस॰ बालसूत्रमणीयन,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) िजसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विकास करने की कारण हैं कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 21 से 23 है, तथा जो मडगांव में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मडगांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उषित बाजार मृत्य से कम के स्थयाव प्रतिफल के लिए बंतरित की पर्इ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त सम्पित का उषित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिपत्त को स्थापन प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से विधिक है और बंतरक (बंतरका) और बंतरिती (बन्तरितिक्ष) के बोच एसे बन्दरण के लिए तब पाया च्या प्रतिकृत, निम्नतिबित उद्देश्य स उक्त बन्दरण विशिष्य के वास्त्रिक कम से क्षित वहाँ किया प्रवा है कि

- (क) बंतरण से हुए किसी बाय की बाक्श, उन्तर कहिंग-निवस के अभीन कर दोने के अंतरक के वासिएस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के दिन्हा, बार/श
- (च) एसी किसी बाव या किसी धन या बम्ब बास्तियों को बिन्ह आरसीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया यवा था वा किया बाना जाहिए था, कियान में बुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अं अभीन, निम्निसित व्यक्तियों, सर्थात् अन्त  मैसर्स यस० यस० ऐन्टरप्राईज, बेल्ला वस्ता मडगांव गोवा।

(म्रन्तरक)

श्री श्रंबोनि दाइस,
 गल्प होटल मुस्काट रूवी, 4455,
 सुल्तानेट आफ श्रोमान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्रिक्ष करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बाध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इक्ष सूचना के ताथपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्ति वारा
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए का सकें ने 1

स्वच्छीकरणः ---इसमें प्रयुक्त बब्दों और पदों का, को उक्त विधिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा को उस कथ्याय में दिशा ववा है।

#### बनुस्ची

(दस्तावेज सं० 457/85, तारीख मार्च 85) बिल्डिंग का नाम अपोरामेटो ग्रीर तावरीलेम मङगांव।

> एस० बालासुब्रह्मणयन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 25-10-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के अधीन सुपना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

बंगलूर, दिलांक 25 अक्तूबर 1985

निदेश सं० डी० आर०-458/85-86/37-ईई०--अतः मुझे एस० बालसुब्रमणीयन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात 'उस्त विभिनियम' कहा गया हैं) की थएए 209-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कार्य हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 21 में 23 है, जो तथा मडगांव में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यावय, मडगांव रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 में धारा 269 क, ख में (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को प्रश्नित संपतित को उचित याजार गुस्य से अस को जसमान प्रतिकास को तिए अस्तिरित की महाँ हाँ और मुक्ते वह विस्तास करने का कारण हाँ कि सभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुक्स, उसके क्ष्ममान प्रतिकत्त से, एते क्ष्ममान प्रतिकत का पेक्स प्रतिकात से बीभक हाँ और अस्तरिक (अन्तर्कों) और अंतरिकी (अन्तरितिका) को बीम एते बन्तरम के जिए तस नामा स्वा जिल् कत निम्नामित्त उद्योग से उन्त अन्तरम जिल्कि में सास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम ते हुई फिती बाव की बावत, उसत बाँचीयब से बधीय कर देने में बंतरक में वाजित्य में क्वी कहते वा अच्चे वचने में कृषिधा के निष्; बहि/वा
- (क) एकी किसी बाब वा किसी वन वा बंग्य शास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जायकर विभिन्नयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्नयम, या धनकार विभिन्नयम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ वन्तरिती स्वाय प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में श्रीवण को सिक्स

 एस० एस० एन्टरप्राईज, बेल्ला वीस्टा मङ्गांब, गोबा।

(अन्तरक)

 श्रीमती कोस्मीरा लेटाश्रो बेल्ला बीस्ना मडगांव गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो कारके पूर्वोक्छ सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुने।

बक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी माक्रेक्:---

- (क) इस सुमार के श्रमपत्र में प्रकाशन की ठाइरीस क 45 दिन की समित्र या तत्स्मान्त्री व्यक्तियों पद सुमार की तामील से 30 दिन की नविष, को और नविष बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारील के 45 विन के भीतर उक्त स्थापन सम्पत्ति में हिंदा-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वास अधोहस्तासरी के पास सिखित में किस वा सकते ।

# जम्सू ची

(दस्तावेज सं० 458 तारीख मार्च 85) बिल्डिंग का नाम अपोरामेंडटो ग्रीर तावरीलेम मडगांव गोवा में है।

> एस० बालसु**ब्रह्मणीयम** सक्ष**म प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ग**बंलर**

अतः अवः, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्तं अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित ध्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 25-10-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 अक्तूबर 1985

निवेश सं० डी॰ आर॰ 466/85-86/37-ईई॰---अत: मुझे, एस॰ बालसुन्नमणीयः,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्त जिसका उधित बाजार मूल्य

1.00,000/- रु. में अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० 21 में 23 हैं, तथा जो महर्गाव में
स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप
से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मङ्गांव
में द्यारा 269 क, ख, में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

वा पूर्वीक्द संस्थात के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एग्से द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत यं अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिंसत उद्वरिय सं उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणेजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे मृतिथा के लिए।

. अस: अय, उक्त अधिन्यम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उब्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसोयों, अर्थात् :---  मेसर्स एस० एस० ऐन्ट रप्राईजेस, बेल्ला बीस्ता मंडगांव, गोता।

(अन्तरक)

श्री बोरिसिआ गोनसाल्त्रप्त,
 पो० ग्रो० वाक्स नं० 3217,
 रुवि मुस्तट, मडगांवा गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्ची

(दस्तावेज सं० 466/85-86, ता० मार्च 85) बिल्डिंग का नाम अपोरमेंटो'' 'तवरिनेम'' दुकान नं०14, मडगाँव।

> एस० **ब**ालसु**क्रमणीय** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अञ्चन (**निरीक्षण**) अर्जन रेंज, बेंगलुर

ता**रीख:** 25-10-1985

मोइन् 🖫

प्ररूप बार्ड. टी. एन., एस., -----

शायक त्रापिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, तहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनां ह 25 अक्तूबर 1985

निदेश सं० डी० आर०-468/85-86/37-ईई०---अतः मुझे, एस० बालसुब्रमणीयम,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाय 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्परित, विसका उचित बाबार भ्रूच 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

1,00,000/- रु. स अधिक ह

भीर जिसकी सं० 216-के० फलैट नं० 21 से 23 है,
तथा जो मखगांव में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुस्ची
में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय मखगांव में धारा 269 कुछ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 85
को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के ख्रयमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुफ्ते यह विद्वास
करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूख्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) क अयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया वधा या वा कि वा बाना वाहिए था, कियाने भें श्रीयभा के निया;

आत: थवा, उन्तर निधानियम की भारा 269-म की अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को नधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नभात् ा—  मैसर्स एस० एस० ऐंटरप्राईजेस, बेल्ला बीस्ता मरगांव, गोवा।

(अन्त ८क)

डा० इन्नोटिब्स डाइजो.
 पी० यो० बाक्स नं० 897,
 मुस् हाट सुल्टनेट,
 मडगांब, गोवा।

(अन्तर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता भी

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि पा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की नामील में 30 दिन की व्यक्तियों भी अवधि बाद मों समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस स्पान के राजपत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निस्मित में किस जा सकीये।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुवत शब्दों और पद्यों का, जो उनत ्रेंचरिन्द्रकार विकास 20-क में परिभावित हो, अक्षी वर्षा का गा, जो जस अभ्याय में दिया व्याहरी

#### अन्मूची

(दस्तावेज सं० 468/85-86, तारीख मार्चे 85) ब्रिल्डिंग का नाम अपारमेंटों तावरिलेम फ्लैंट नं० जी-4, मारगोवा, गोवा, मंडगाव।

> एस० वा**लसुत्रह्मण्यन** सक्षम प्राधिकारी सह्याह अत्यकर आयुक्त (**निरीक्षण**) अर्जन रें**ज, बेंगलू**र

तारीख: 25-10-1985

# प्रकप आइ. ठी. एन. शस . -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, विमांक 25 अक्तूबर 19865

मिदेश सं० डी० आर०-476/85-86/37-ईई०---यतः मुझे, एस० बालस्क्रमणयन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 21 से 23 है, तथा जो मडगांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मडगांव में धारा 269 क ख में रजिस्ट्रीकरण अधिमयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से क्रम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विष्धास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्योग्य से उक्त बन्तरण निस्तित में वास्तिबक रूप से किथल नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उत्तसे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था. छिपाने में मृतिप्रय के लिए:

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उन्सरण बें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ले अधीत ॉन्स्विमित स्यक्तियों, बचौत उन्स 19—356GI/85  मैसर्स एस० एस० एन्टरप्राईजेंस बेल्ला बीस्ता. मडगांव गोवा।

(अन्तरक)

 सो० ए० एफ० मोरजरेल्लो. वेटोम सलसेट, गोवा।

(अरीरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनुसूची

(दस्तावेज सं० 476/85-86, ता० मार्च 85) बिल्डिंग का नाम "अपोरमेंट ग्रीर "नवरीलेम" दुकान नं० 6, मडगांव।

> एस० बालसुब्रह्मणयन सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रज, बंगलूर

तारीख: 25-10-1985

प्ररूप बाइं, टी. एत. एस. -----

माबकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिमांक 25 अक्तूबर 1985 मिदेश सं० डी० आर० 482/85-86/37-ईई/--अतः मुझे, एस० बालसूत्रमण्यिन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 26.9-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 21 में 23 है, तथा जो महागाँव में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महागांव में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिश्वत से अिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उभत्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया बया है हु—

- .(क) जन्तरण वं हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को क्षायित्य में कभी करने या उससे क्याने में सुविधा के लिए; जॉर/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

- (1) मैंसर्ज एस०एस० इंटरप्राइजिस, बेलवा विस्ता मझगांव (अन्तरक)
- (2) श्री पीटर बारेटो पी० श्रो० बायस 3258 दुबई यू० ए० ई०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई नाक्षेप ६---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकायन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो मी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पांच निश्चित में किए जा सकरें।

स्यक्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उन्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थ होगा, थो उस अध्याय में दिया. नवा हैं।

#### अनुसूची

(दस्तावेज संख्या 482/85-86 दिनांक मार्चे, 1985) बिल्डिंग का नाम अपोरमेंटो श्रौर नावरीलेम मरगांव।

> एस० बालसुन्नमण्यिन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज, बंगलूर।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास :----

दिभांक: 25-10-1985

मोहर ः

# **४७म मार्च, टी ,युग्, एव**्नन्त्रनन्त्रन

# नायकार नांधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज, बंगल्र

बंगलूर, दिमांक 28 अक्तूबर 1985 निदेश सं० डी० आर० 293/84-85/37-ईई—-अतः मुर्से, आर० भाद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निष्यास करने का आपर हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित जाजार मुस्स 1,00,000/-रा से अधिक हैं

भौर जिसकी सं शोगला है तथा जो मङ्गांव में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल, मड़गांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 85

को प्रॉक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, ससके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिसत्त से बिपक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया विकस, निम्नितिबित उच्चेस्य से उच्च अन्तरण मिचिक के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुदं किसी नाथ की वाबत, उक्त अभिनियम अने अभीन कर देने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उसके वचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (w) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषानं में सुविधा से सिंदु;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती लक्ष्मीबाई वसंत कार (2) वैकुण्ठ बसंत कार (3) शिवबल्लम, वसंत कार अकुंम अस्टो, मरगांव गोवा

(अन्तरक)

(2) एल्कोम रियल इस्टेट प्राईवेट लि॰, वलो बिल्डिंग पमजी, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करने प्योंक्त स्म्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

इक्त सम्मत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस मुक्ता ह राजपत नं प्रकारत की तारोध प 45 दिन को धारोंचे में हित्रकारों स्विक्त याँ पर सूक्ता की तामील से 30 दिन की धविष्कः भी भी धविष्ठ बाद में समाप्त होती हो; के भीठर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टिकारण:--इस में प्रयुक्त खट्यों और पवर्षे का, को उसके अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

(वस्तावेज सं० 293/85-86 दिनां क ग्रप्रिल, 85) स्थावर सम्पत्ति का नाम "श्रंजुलिची गल्मी" "गोगोला" मरगांव।

> आर० भाद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिमांक: 28-10-1985

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यात्तय, सहायक आयुक्त वायुक्त (निरीक्षण्)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिमांक 30 अभ्तूबर, 1985

निदेश सं० आर० 1588/37-ईई—अतः मुझे, द्यार० भारदाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्र बाजार मूल्य

1,00,000/- रह से अधिक हैं
भीर जिसकी संव प्लाट नंव बी-31 है तथा जो 3/1, XIII
कास मल्लेख्यरम बेंगलूर-3 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-3-85

कों पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विह्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल सं, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्रीवधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) श्री सम्पत्त जी शाह ए-9, जै मोती, हीराचन्द जी रोड घाष्टकोपार (वैस्ट) बम्बई-86 (अन्तरक)
- (2) श्री आर० एस० कालावर, 2023-ए, XIV मैन रोड, एच० ए० एल० II स्टेज, इंदिरानगर, बेंगलूर-38।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस , अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1407/84-85 तारीख 8-3-85)। जयम्ती अपार्टमेंट बिल्डिंग, VI फ्लोर में प्लाट नं० बी-31 जो 3/1 XIII कास, मल्लेशवरम, बेंगलूर-3 में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

दिनांक: 30-10-1985

प्रसम बाह्र . टी. एस. एस. -----

जायकर जिथिनियस,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के लभीन स्थना

#### मारत सरकार

# कार्यासय, सहायक भायकर भायक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिमांक 30 अमत्बर, 1985

ं निदेश सं० आर० 1590/37-ईई—अतः मुझे, आर० भारद्वाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की चारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सस्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं प्लाट नं बी-2 है तथा जो मल्लीकटका कन्कनाड़ी बेंगलूर 575002 में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख 28-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिकी (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उच्चेंच्य से उक्त अन्तरण लिशित में नास्तिविक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) वन्तरण से हुई किसी आप की वासत, उक्त अभिनियम के संभीन कर दोने के संतरक के दाक्षिण में कामी श्रीपर्य का उसमें असन में म्हिश्य क सिम्ह सीर्याः
- (ण) एंसी किसी बाब वा किसी धम या बन्ध ब्रास्तियां का, फिन्हू भारतीय जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट जड़ी किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा से सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के, अनुसक्ण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिचित अयिक्तियों, अर्थान् :--- (1) श्री वी॰ सदाशिव राय, कविता इंटरप्राइसेज बालमट्टा, बेंगलूर-575001

(अन्तरक)

(2) श्री एम० प्रभाकर कामत श्रीर श्रीमती एम० जयश्री बेनदूर बैल के मजवीक, कन्कनाडी, बंगलूर-57002

(अन्तरिती)

ां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

**इसर सम्मरित के बर्बन के** सम्बन्ध में कोड़ों भी बाक्षप अ----

- (क) इस स्थान के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिश की वजिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ज्वधि, को भी वजिथ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्द व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वान के स्वप्त में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित्ब्द्ध किसी जन्म स्थावत ब्वास अभोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकेंगे।

### धनुसूची

(षस्तावेज सं० 394/84-85 दिनांक 28-3-85) किवता अपार्टमेंट्स में प्लाट नं० बी-2 जो मल्लीकट्टा कल्कााडी, बेंगलुर-57002 में स्थित है।

भारः भारकाज सक्षम प्राधिकारी बहावक आवक्तर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलर

दिनांक: 30-10-1985

प्रकृष बाद", टी. एन्. एवं . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्याक्षय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 श्रक्त्बर, 1985

निदेश सं० आर० 1616/37ईई/——प्रतः, मुझे, आर० भारद्वाज, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके परचात् उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-क के बभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास अरने का कारण हैं कि स्थावर सम्परिस, जिसका उचित बाजार मृख्य

1,00,000/- ए. से अधिक हैं और जिसकों सं 0 15/41 है, तथा जो कैस्ब्रिज रोड, बंगलूर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में अंतर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारीं के वार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन विनांक 13-3-1985

को पूर्वा अस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्व शित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतर्फ के निए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नी निवस उद्देष्य से उक्त अन्तरण निष्टित में बास्त विक स्प से किया नहीं किया नहीं है :---

- (क) ब्रुच्यरण वे हुई किसी बाय की बावत, उक्त किमिनियम के ब्रुपीन कर दोने के बन्तारक के वासित्य में कभी करने या उससे ब्रुचने में सुविधा के लिए; बार/या
- एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरित वृत्तरा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः वन, उसत विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, उसत विधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) कुँ वधीन, तिस्नितिसित व्यक्तियों, वर्षात् क्र— वेंकटेक्वर इन्टरप्राइजेज,
 लियो शापिंग कम्पर्लैक्म,
 44/45, रेमिडेन्डसीं, रोड, बंगलूर।

(भ्रन्तरक)

2, डाफ्टर चिजय श्रानन्द द्वारा : डी० श्रार० रामचन्द्रन, 18/10, कैम्ब्रिज रोड, बंगलूर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप् :---

- (क) इस क्यान के प्राथन में प्रकारत की तार्डी के 45 दिश गाँ अपाँच ना तरस्थानियों कार्डिन की प्रविध में पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्स अधिताओं ने ने किसी क्षित स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वध्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्स अभिनियम के कथ्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस कथ्याय में दिया गया

## मन्त्रची

(दस्तावेज संo 1405/84-85, दिनांक 13-3-1985) प्रिमिसेस संo 15/41, में 1065/15488 भाग, जो कैम्ब्रिज रोड, बंगलूर में स्थित है।

श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 30-10-85

प्रकथ बाहें. टी. एन. एस.-----

मायकर स्रीधीनवन 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के संधीन स्थाना

#### नारक बहुकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आस्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 श्रक्तूबर, 1985

निदेग सं० ग्रार० 1619/37ईई/-यतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज बाय्कर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विधे इसके इसके परजात् 'उक्तः अधिनाम' कहा गा है), की धारा 269-ज के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकीं सं० प्राफिसनं० ई-2 है, तथा जो 84 जे० सी० रोड, बंगलूर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के आपिलय बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 13-3-1985

को पूर्वित्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य सं कम के परममान मितफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य मूल्य, उसके पश्यमान प्रतिफल से, एसे पश्यमान प्रतिफल का पंच्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (जन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शया मथा प्रतिपत्ति, निम्नसिवित उक्षेष्य से उन्त अन्तरण सिचित अस्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त बीध-नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बौर/वा
- (वा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण , मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैन्स् मिन्य इन्टर्याइजेज.
 1/2 श्रंगार णापिंग सेंटर,
 80, एम० जीं० रोड, बगनूर-560001

(भ्रन्तरक)

2 मैंसर्स मैक्ट्रानिक्य,
 13/85, जे० सी० रोड, बंगलूर-560002
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पृतित के अर्चन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उपरा सम्परित के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं

  45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दृशारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबव्ध बद्ध किसी अन्य स्थिति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शस निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्रिक्यः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया यदा है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1401/84-85, दिनांक 13-3-85) मनिण टाचर के IV फ्लार, में श्राफियनं ० ई-2, जो नं० 84 जे० सी० रोड, बंगलूर में स्थित है।

> श्रार भारक्षज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, अंगलुर

विनांक: 30-10-1985

महरः :

प्रक्ष मार्घ. टी. एन. एस. -----

नानकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-थ (1) से अधीन स्वाना

## RESEARCH STREET

# कार्याचय, तहायक बायकर बायुक्त (किरीक्षण) धर्जन रेंज, बंगलूर

वंगलूर दिनांक 30 अक्तूबर, 1985

निदेश सं० श्रार० 1620/37ईई/84-85-यतः मुझे भार० भारदाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास कर्ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं श्राफिन नं ० - 1 है, तया जो 84, जे० सी० रोड, बंगलूर, में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्र, कर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनों के 13-3-1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के जनुसार जंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निविवित उद्वेश्य से उकत अन्तरण निखत में बास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा चै खिए:

जतः अव, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त जिथिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) इे अभीन, निम्निसिस्त स्पिताओं, सर्थात् ६—-- मैसर्स मिनिश इंटरप्राइसेस,
 1/2, श्रंगार गाणिंग सेंटर,
 80, एम० जी० रोड, बेंगलूर-560001
 (ग्रन्तरक)

2. एन० त्री० श्रीनियामा मूर्ति 13/85, जे० सी० रोड, बेंगलूर-560002 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि मा तरसम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, अो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थाक्त क्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास श्रिकित में किए वा सकेंचे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त वाख्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में विका प्याहैं।

#### नन्स्ची

(दस्तावेज पं० 1400/84-85, दिनांक 13-3-85) मानिश टावर, के 4थे फ्लोर, में भ्राफिय नं० ई-1, जो नं० 84, जे० सी० रोड, बेंगलूर, में स्थित है।

> श्रार भारक्काज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक: 30-10-85 मोहर: प्रस्प बाह्रं.टी.एन.एस.-----

भारत सर्थानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्याजय , सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक ग्राग इर श्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज, बेंगलूर

बगलूर, दिनां ह ८८ ग्रम्तूबर, 1985

निर्देश सं० श्रार-1627/37 ईई/84-85--श्रतः मुझे, श्रार० भारक्षाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है'), की धार 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

और किनकी पं प्राट तं प्र 502 है, तथा जो 18, एम प्रजीव रोड, नेंग पूर में स्थित है (और ६१९ उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिक्ट्री उर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रिक्ट्री उरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनां के 13-3-1985

को पृथेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मत्या, जरूके रुख्यमान प्रतिफल से एमे इश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिधात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कन निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक इप से कथित नहीं किया गया है ६—

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में धृतिभा के सिए; और/या
- (श) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तियों करी, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिशी इंबारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में स्विधा से किए;

अतः अप उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 20---356GI/85

शब्बा आए० कूबचन्दानीं,
 प्लाट नं० 502, सामरसेट अपार्टमेंट्स,
 'ए' ब्लाल, 18, एम० जी० रोड,
 बेंगलूर-1

(श्रन्तरक)

2. चैतालीं गर्ची, और जुमास्टर ग्ररन्या भागची, प्लाट नं० 203, सामरमेंट ग्रपार्टमेन्ट्म, 'ए' ब्लाक, 18, एम० जीं० रोड, बेंगलूर (ग्रन्तरितीं)

को थह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्परित को मर्जन को सम्बन्ध में कोई भी वास्त्रेय ⊱

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों वे किसी व्यक्ति हुनाराध
- (क) इस क्षमा के राज्यन में प्रकारण की वार्यक्ष से 45 विन के मीतर क्षमा स्थानर सम्मात्त में हितनक्ष क्रिकी कम्ब म्याप्त क्ष्मारा नभोहरताकड़ी ने शब्द निश्चित में किए वा क्षमें के हैं।

लक्षीकरणः -- इसमें प्रयूक्त वस्तों और वर्षों का, को स्वता विधिनियम के संध्याय 20-क में परिभाषित हैं., यही वर्ष होंगा को उस संध्याय में दिवा गया है।

### अनुसुची

(दस्तावेज सं० 1402/84-85, दिनांक 13-3-85) प्लाट नं० 502, जो 5वी फ्लोर, सामरसेट, श्रपार्टमेन्ट्स, 'ए'ंब्लाक, नं० 18, एम० जीं० रोड, बेंगलूर-1 में स्थित है।

> श्चा० भाग्दाजं सक्षम श्रीधकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

दिनांक 28-10-85 मोहर:

# प्रस्य बाह्", टी. एन., एस्., "-----

# माधकर संधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सधीन स्थान

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक जायकर जायका (निर्दामण) भ्रजनरोज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 30 शक्तूबर, 1985

निदेश सं ० आर-1624/37ईई/84-85---- अतः मुझे, श्रार० भारद्वाज

बायकप अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि: स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं ० प्लाटन० 42 है, तथा जो 21, म्यूजियम रोड, बेंगलूर में स्थित है (भ्रोर इससे उपावड भ्रमुसूर्चा में ग्रार पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीयर्ता श्रिधकार वे कार्यालय बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण भ्रिधिनियम, 1908 (1908 ला 16) के भ्रिधन दिनांक 12-3-1985

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से काम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित का गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती बंतरितियों। के बीच एसे बंतरण के सिए तय श्राम नवा प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्योग से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया वया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की नावत समत अनि-नियम के जधीन कर दोने के सन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरते वचने में सविधा के सिए: श्रीह्र/या
- (क) एनी किसी जाब ना किसी धम बा अन्य जास्तिकों को जिन्हों भारतीर जाउर अधिनियम 1922 (1922 का 11) है जिन्हों अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजोजनार्थ जन्मीरती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा थे खिए:

कतः अव, उक्त किंधिनियम की धारा 269-व के जनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थातः (1) श्री आर. भारट्न रैंट नं. 16, नार्त लेंक रोड, उटकमन्ड।

(ग्रन्तरङ्)

(2) इंदिरा आर. हगड़े11/6, नन्दिब्रिंग रोड, बेनसन टौन, बेगलर।

(श्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्परित के कर्जन के संस्थान्य में कोंड़ भी वासेप:--

- (क) इस स्वना से राज्यन में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की जनिथ या तस्सम्बन्धी म्यन्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जनिथ, या भी अविध याथ में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिव व वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास निवित् में किए वा सकता।

स्पथ्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, और उनके अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा को जस अध्याय के दिसा प्या है।

#### बसप्रकी

(दस्तावेज सं. 1394ए/84-85 ता. 12-3-85)

मोहिनि अपार्टमेन्ट्स में 4 फ्लोर में प्लाट नं. 42 और ग्रांड फ्लोर में कबरड पारिकन्ग स्पेस ही और सं. 21 भूमि में 1/20वां भाग जो म्यूसियम रोड, बेंगलूर में स्थित है।

श्रार० भारताज सक्षम प्राधि ारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेज, वेंगलर

दिनां 🤊 : 30-10-85 ·

# प्रकल कार्यः, दीः, पुनः, पुनः, व्यवस्थान

# जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) क्रे अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरुध्धिक)

म्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगसूर, दिनांक २० ग्रम्तूबर, 1985

निदेश सं० ग्रार-1633/37ईई/84- 5—ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

जानकर निर्धानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उन्त निर्धानियम' कहा गया है), की धारा 269-स के स्थीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाल करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित् वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० घ्लाट न० 1 है, तथा जो 18, एम० जिं। रोड, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूर्वा में ग्रांर जो पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्राकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बेंगलूर म रिजस्ट्री गरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधान दिनांक 12-3-1985

को पूर्वाक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मुक्ते यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का धन्तह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिपक्ष निम्नितिचित उद्विषय से उक्त अंतरण विशिषय में बास्तविक स्प से किशत नहीं किया गया है द

- (क) जंतरण से हुई किसी बाय की बाबस, उपत वीभीनयम के बधीन कर देने के बतरक के बायित्य में कभी कड़ने वा उससे वचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐवी किसी नाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को विन्हें भारतीय बायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनार्थ जन्तरिती क्यार प्रकट नहीं किया गया भा या किया वाना वाहिए भा, कियाने में सुविधा की किया।

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकतयों, अर्थात :--- श्रा विजय चौधरः,
 10ए, सागर श्रपार्टमेन्ट्स
 तिस र मार्ग, नई दिल्लं -110001

(मन्तर:)

 श्रवोगी इनवेस्टमेन्ट्स, (प्रा०) लिमि० ई-2/16, दरमागंज, नई दिल्ला-110002

(ग्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया सूक्ष करता हुं।

# सक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्मक्तीकरण: ---इसमें प्रमुक्त शब्दां बार नदां का, को उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क मा पारभाषित ही, नहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय मा विस्था नया है।

## वग्त्र्या

बस्तावेज सं० 1395/84-85, दिनांक 12-3-85) फ्लाट नं० 1, जो सामनेट धनार्टमेन्ट्स, सी० ब्लाक, नं० 18, एम० जी० रोड, बेंगलूर में स्थित है।

> न्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निर*े*क्षण) सर्जन रंज, वेंगसूर

दिनां ह 28-10-85 मोहर: प्ररूप नार्द्यः टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जनरेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 30 भ्रक्तूबर, 1985 निदेश सं० भार० 1635/37ईई/84-85---- अतः मुझे, आर० भारताज

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसको सं० प्लाट न० ई है, तथा जो 28 न० स्थान्को रोड, बेंगलूर, में स्थित है । ग्रीर इससे उपाबड़ श्रनसूचः में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेक्ति म्रधिकारी के कार्यालय, बेंग्लूर में रजिस्द्रोकरण श्रधिनियम, 190 (1908 का 16) के श्रधोन दिनांक 13-3-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के थीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में **बास्तिविक अप** से कथित नहीं किया गया है :---

- 🚮 अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम. (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियस,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के जिए;

अतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-14 की उपधारा (1) 📭 मधीन, निम्नोलुखित व्यक्तियों, अर्थात् ६---

1. स्टर्सलग एन्टरप्राहर्जेज, न० 1 , स्टर्लिंग रोड, नन्गमबाक्म, मद्रास-600034

(स्रन्तरक)

2. श्रब्दुल मतीन इस्माईल श्रीर श्री श्रब्दुल मजीद इस्माईल भौर बाबी फ़ातिमा इस्माईल, सीमा महल, सागर रोड,बटवल-58132, नई केनरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की सामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदध किसी अन्य व्यवित द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## प्रनुसूची'

(दस्तावेज सं॰ 1397/84-85, दिनांक 13-3-85) गाल्फ़ लिन्क ग्रार्टमेंट्स में 4 फ्लोर में प्लाट नं० ई, जो नं 28, स्यान्की रोड, बेंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) सहायक भ्रर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक : 30-10-85

# इक्ट् नार्', दी, एट्ड पुक्र------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

#### मारत धरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्ष)

श्चर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलुर, दिनांक 22 श्रक्तूबर, 1985

निदेश म० 1120/85-86—-श्राः मुझे, एस० बालसुत्रामनियम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर ित है। सं० 163/50ए हैं, तथा जो देशतांडे नगर, हुबली में स्थित है। (श्रीर इसने उपाबद श्रममुखामें श्रीर पूर्ण का से विणित है) रिजस्ट्रें (तो श्रिक्षितार) के वार्यालय, हुबला में िन्ट्रें -करण श्रिक्षियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन दिनांक 10-5-1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पादा गया प्रतिकान किम्मिलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण निष्कित भे बास्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण चे हुइ किसी नाय की नायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कयी करने या उबसे यथने में सुविधा के लिए; आंद्र/या
- (ल) ऐसी किसी जाव या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27, के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना आहिए आ, स्थिन में सुविधा के सिए;

जत∵ अब, उक्त अधिनियब की भारा 269-म के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269--च की उपधारा (1) के जधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियाँ, अर्थात् ध---  श्रामतः इतोयनः मुद्दार्थाः, अंदःनः, महातेश नगरः, बेलगःमः।

(अन्तरक)

- 2. (1) शेविंसगप्पा,
  - (2) मल्ल ार्जुन, याने मल्लाम्पा,
  - (3) बनवराज,
  - (4) मल्ला लर्जून, बाप मरागेष्पा यंहमुर्रा, देशगंडे नगर, हुबलो।

(भ्रन्तरिर्तः)

को यह भूवना जारी करके पृथांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शूरा करता हुं।

## धनत सम्पारत के भवन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सकता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकित स्पिक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर संबन्ति मा हिला मद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्टित में किए का मरुने।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याथ 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया चवा है।

## जन्स्ची

(दस्ताबेज स० 516 , दिनां र 10-5-1985) जगह ग्रीर बंगला, बार्ड न० III देशगंडे नगर, हुबली में है। इसका क्षेत्र जगह  $39'\times60\,rac{1}{2}''$  श्रीर  $219.2~\mathrm{m}^2$  है।

एस॰ बालासुक्रामनियन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

दिमांक : 22-10-1985

मोहर 🛚

प्रकार भारी<sub>क</sub> द<sub>िल</sub> पुन<sub>ा</sub> पुत<sub>ान</sub>-----

# नायकर निपिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-व (1) के निपीन क्यान

#### भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलुर

बंगलूर, दिनांक 22 ग्रक्तूबर 1985

ा,00,000/- रु. स आधिक हुः
और जिसकीं सं० 791 अलता सं० 47 है तथा जो पणजीं में
स्थित है(और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रिवत है(और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रिवर्स्ट्री जी अधिकारों के कार्यालय इलाडा में रिजस्ट्री करण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधींन दिलांक 11-3-85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) को बीच उसे, अंतरण के लिए सय पाया गया
प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से ज्वल के ज्वल स्वास्ति के स्वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) सन्तरप्त वे हुए सिवी जाव की वायत स्थल स... विद्या के स्थीन कर दोने के अन्तरक की दादित्व को काजी करने या उत्ते वकने में सुविधा की सिवी; सौर/था
- हिंगी एसी किसी जान ना किसी थन अस्य वास्तिनी की, चिन्ही भारतीय नायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत जिथिनयम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ज्वा वा वा किया चाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

सतः अव, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ण के बन्सरण भं, मं, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ण की उपभारा (1) वो कभीन, निम्नसिवित व्यक्तिवी, वर्णात् में  मिस पुष्पावती याने पाबीं बाई लाल जी केफे रीयल के सामने अफल्सो अल्बुकर्क रोड पणजी गोवा।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) शंकर रामचन्द्र बागले
  - (2) सदा नन्द दुर्गा बाहकर,
  - (3) रबीन्द्र शांताराम गायातोंडे,द्वारा : केफे सैंट्रल, पणजी गोवा ।

(भ्रन्तरितीं)

- 3. एस० भार० बागले.
  - 2. एस० डीं० बाडकर
  - 3. एल० एस० गायतोडे

केग्रर ग्राफ केफे सैंट्रल पणजी गोवा। (बह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुां।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🎾

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकास में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास कि वित में किए वा सकी

स्वध्यीकरणः—इसर्मे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा थो उस अध्याय में दिया गुवा हैं।

#### पग्युची

(दस्तावेज सं० 234 दिनांक 11-3-1985) यह सम्पत्ति 18th मैन रोड पणजी गोवा में है। इसका एरिया 49 वर्ग मीटर है।

> एस० बालासुक्रामिनयन सक्षम प्राधिकारी हायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 22-10-1985 मोहर:

# प्रकृत वार्ड , ही , एन् , एक् ,लल्बल--क

# बावकैप्र वीधित्यन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जधीन सुधना

#### मारत सरकार

# कार्यालय, तहायक वायकर वायुक्त (विद्रीकृष्)

श्रर्जन रैंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 अक्तूबर 1985

निदेश सं० 1122/85-85--अतः मुझे, एस० बाला मुख्यमियन

वासकर विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकों इसकों पश्चात् 'उन्त निभिन्यम' कहा गना ही, की चारा 269-च के नभीन, सक्षम प्राभिकारों को, यह निश्चात करने का कारण ही कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उचित् नामार अस्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकों सं० 145 है तथा जो ओंडा शतारी गीवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिअस्ट्री ति श्रिधकारी के वार्यालय सतारी गोवा में रिजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-3-1985

को प्रवेक्त सम्मरित के उचित बाबार मृस्य से कम के क्यानान अतिका के निष् बलारित को यहाँ हैं बार मुझे वह विश्वाब करने का कारण है कि यथापूर्जों का संपत्ति का उचित बाबार मृस्य, उसके क्यामान प्रतिकत से, एोडे क्याबान प्रतिकत का पंक्र प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकार) बार अन्तरिती (अन्तरितिकार) के बीच एोडे जन्तरण के निष् तब पावा नवा प्रतिकात, निम्मसिशित उद्देश्य से उक्त बन्तरण विश्वित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया नवा है है——

- हैं क्रिक्टरण्य में हुन्द्र किसी बार्य की बस्तद करक सरिपरियम में अधील कर दोने के सम्बद्धक से वायित्य में कमी करने या उससे बचने मी सुविधा के लिए; बार्-रवा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1923 (1922 का 11) या उकत अभिनियम, का खन-कर अधिनियम, का खन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के सिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की थारा 269-ग के अनुवरण इ. ग्री उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निस्तीतिसत व्यक्तियों, क्याँत् अल्ल 1 रमेश बीटन पाल देनाई और उसकी पत्नीं श्रीमती स्मीता रमेश पाल देसाई, कंश्वर श्राफ गोंडग्राम, बालकेंग, गोवा।

(भ्रन्तर∌)

2 श्रीमती भागवती एणनाथ माडूकर, निवासी कस्तीक घडे, मांग्रीम अंबेगाल, बीचोर्लाम, गांवा ।

(ग्रन्तरिती)

को वह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्बद्धि के नर्पन के जिल्ला कार्यनाहिनां गुरू करता हुं।

# उक्त बन्गीत्त के बर्धन के बन्धन्य में कोई भी बाबोर :----

- (क) इस ब्यान के राज्यम् में प्रकाशन की तारीश ने 45 दिन की सर्वीभ ना तत्त्वभ्यन्थी व्यक्तियों वर श्यान की दाशील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति दवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत ने प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भोतर उसत स्थानर सम्पत्ति को दिनक्ष किसी सम्प क्षण्यत स्थाप नभोहस्ताकारी के दास लिखित मों किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पत्रा ही।

#### भनुसूची

(वस्तावेज सं० 21 , दिनांक 1-3-1985) ये सम्पत्ति गोषा में है। इसका क्षेत्र 115 स्क्वायर मीटर्स है। और इप्राप्ताट का एरिया, 600 स्क्वायर मीटर है।

> एस० बालासुकामितयन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज, बंगलूर

दिनों हं 22-10-1985

क्य बाई.टी.एन.एश. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1004 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन

#### भारत सरकाद

कार्यालयः तहायक वायकर वायकः (निद्रीक्षण)

श्चर्णन रेंज, , बंगलूर ज्या जिल्हान २००

बंगलूर, दिनां ह 22 श्रमतूबर, 1985

और जिसकी सं० 4 है, सथा जो नुयेम गोंबा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बिणत है) रजिस्ट्री - कर्ती अधिकारी के सार्यालय, गोंबा में रिक्स्ट्री क्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधींन दिनांक मार्च, 1985

को प्योंका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गर्य है बार मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार प्रृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे प्रथमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एप्टे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नितिस्ति उद्वांश्य में उच्न अन्तरण लिखित में बास्तिशक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण वे हुए किसी बाव की वावत उक्त समितिक के जभीन कर वोने के बन्तरक के शांकित में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए। मौत्र/या
- (क) एनी किसी भाव या किसी धन ना अन्य आस्तियाँ की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या अन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना कहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः इव, उक्त लिधिनियम की धारा 269-ग में बन्सरण कों, मीं, डक्त अधिनियम की धारा 269-ते की उपधारा (1) में करीन निस्नलिखित स्यक्तियों, अधिक 2 1 डाईमियो लुजारीयो कैंगे, बाटीको कैंगे नगर, नुवेलीम सालफेटे, गोषा।

(अन्तरकः)

2 पेड्रीता अन्टीनेटरी फेरीश, केश्वर आफ मेक्शी, हुनींश फलवेटडो सूल्सो, पास्ट, कात्सींलम, सालाकेट गांवा।

(भ्रन्तरितीं)

को यह स्थाना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उक्त सन्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🎞

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भं अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकींगे।

स्यक्तीकरणः -- इसमें प्रयंक्त शब्दों और पर्वों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्थ होगा भी उस अध्याय में दिया यदा है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 360 दिनांक मार्च, 1985) फ्लैट नं० 4, दायवे श्रपार्टभेन्ट्स, गोघा में हैं। इसरा एरिया, 75 वर्ग मीटर्स है।

> एस० **बालासुकाम**नियन मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, **बं**गलूर

दिनां रु 22 10-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रार्जन रेंज, बंगलुर

बंगलूर, विनांक 22 श्रम्तूबर, 1985

निदेश सं० 1124/85-86—श्रतः मुझे, एस० सुक्षामनियन कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अधिनियम'कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकीं स॰ 3497/5A3 है, तथा जो बेलगांस में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूचीं में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधितारी के कार्यालय, बेलगांव में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधींन दिनांक 29-4-1985

की पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्सरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुइं किसी बाब काँ बाबस, उबस कींधनियम के बधीन कर धीने के बन्तरक के बाबित्व में कभी करने या उत्तसे अवने में सुविधा के टिलप: बीट/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन का अन्य आहितकों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरितो क्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया आजा जाहिए था, स्थियन में सनिधा की निए:

बद: अब, उक्त अभिनयम की भारा 269-ग के अक्तरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— 21—356GI/85

- 1 (1) इरप्पा महारूद्रप्पा, उप्पींन,
  - (2) सींद्राम एम० उप्पीतः
  - (3) तूसीदर मडींचाल्प्पा उप्पीन
  - (4) णिष कुमार एम० उप्पीन निवासी रीसालदार, गली, घरनं-० 3536, बेलगाम ।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीं यत्वसाष्पा, वीरूपाक्गप्पा सगाली, निवासी नारवेकर, गाली, बंलगाम । .

(ग्रन्तरिती)

की बहु सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इन्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविध या तत्संगंधी व्यक्तिकों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध. जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर स्वविश्वों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इत सूचना के दाजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा बकोंचे।

स्यष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्सूची

(बस्तावेश सं० 453, दिनांश 29-4-1985)

नारवेकर गली, बेलगांम ग्राम में पुराना, मकान है। इसका एरिया 800 वर्ग फीट है। मकान 1120 वर्ग फीट जगह में बना हुमा है।

> एस० सुद्रामिनयन, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 22-10-1985

प्ररूप आर्इ.टी. एन. एस . -----

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के अधीन स्चाता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्ज न रेंज, बेंगलू र बेंगलूर, दिनाँक 22 श्रक्तूबर, 185

निदेश सं० 1125/85-86---श्रतः मुझे एप० बालपुत्रा-मनियन

बायकर विधानियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसवे इसके पश्चात 'उक्त विधानियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के वधीन रक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विसका उचित बाधार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० 'ए' है, तथा जो कराँबोधीम, तीमल, गोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाब श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्री कर्ती ग्रिधि कारी के प्कार्यालय, ईल गुप में रिजिस्ट्री करण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनौंक 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य है कम के खबमाब प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रुक्ट, उसके खब्यमान प्रतिफक्ष से. एसे खब्यमान प्रतिफक्ष का पंच्र प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-कृत निम्नितित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निवित में बास्त-विक क्य वे कियत वहीं किया बया है है----

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाब की बायत उक्त अधि-गियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सर्विधा के लिए; सरि/बा
- (वा) स्तेती किसी बाय या किसी थन वा अन्य जास्तियों को, विष्हें भारतीय जाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

शत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण वा. माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) वा अधीत :----

 श्री गीरिण ए० कीनी दादा वैंग्या रोड, पण जी, गोवा।

(भ्रन्तरक)

बेंजामीन मार्टीन रोड्रीगास,
जी०पी०ए० क्षः ईस्टर्न जीलो जोरडीडो,
हील्ल सोडे, श्रपार्टीन्ट्स, बी-0 4,
फोन्टीन्हास, पण जी, गोवा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां सूक करता हो।

उक्त सम्पत्ति के दर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए का प्रकेर ।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस वध्याय में दिया वहां हैं।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 189, दिनाँक 1-3-1985) यह घर नराँबोटीम गोवा सें है। इसका एरिया, 120 वर्ग मीटर्स है। मकान 1500 वर्ग मीटर्स का जगह म ठुना हुमा है।

> एस० बालासुक्रामितयम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

विनाम : 22-10-85

प्ररूप आहे. टी. एन. एसा.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनाँक 22 श्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० 1126/85-86--- मृतः मुझे एस०बाला सुन्ना-मनियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 2917 है, तथा जो खडे बजार, बेलगाँव में स्थित है (भीर इसमे उपाबड़ भ्रनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेगलगाँम में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनाँक 6-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचा ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त निवस के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के <u>लिए</u>; और/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तिरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधोनः, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् हु—  श्री सुहास समुद्रबीजय एकबोढे, केग्नर श्राफ डी० ए० पाटिल, बी० सी० 43, कदंप, बेगलगाँम ।

(भ्रन्तरक)

द्रीपक श्रप्पासाद्रहेब, पाटिल,
 बी, सी, 43, गेंप, बलगाँम ।

(भ्रन्तरिती)

मैंसर्स ए० बी० आर० कं०,
 खडे, बाजार, बेलगॉम ।

(बस्व्यक्ति जितके अधिनोग में सम्मतिहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किंग कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितज्वभ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाळा किरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो अबब अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

#### श्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 110, दिनाँक 6-4-1985) शेप बंगला खडे बाजार बेलगाँम में है। इत्तरा एरिया 1483 वर्ग फीट है।

> एस० बालासुबामनियन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनाँक: 22-10-1985

मोहर 🖫

# प्रकृत बाह्य हों हो प्रमृत पृष्ट हो ।

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाय 269-ग (1) के अभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनाँक 22 ग्रन्तुबर, 1985

निवेश सं० 1127/85-86---म्रातः मुझे एस० बालासुका-मनियन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके विश्वाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क् के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मिता, जिसका उचित बाबार मूस्स्स्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 10.919/1 है, तथा जो क्रमापुर, गुलठ्ठर्गा में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुमूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्सा भ्रधिकारी के क्रायिक्य, गुलबर्गा में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनाँक मार्च, 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का प्रमुह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ो बंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिकत्त निम्नितियों उद्द के उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिबक अध्य से कथित नहीं लिखा गया है :---

- (क) मंध्रद्रण से हुन्द किसी माय की मानत, उनक्ष अभिनियम के अधीन कह दोने के बन्तरक के शियल्य में कभी करने या उससे व्यन में सुविधा के बिए; जॉर/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या जन्य आस्त्यां कों, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 वि. 922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) क भ्योजनार्थ अंशरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा औ सिष्ट;

बतः। बन्, उक्त अधिनियम की भाषा 269-ग का अनुसरण भा, मी, उक्त अधिनियम की भाषा 269-ण की उपभाषा (1) भा भधीन, निम्नसिमिट व्यक्तियों, वस्ति क्र--- श्री शंकर गोविन्दराव देशपाँडे;
 रिटायर्ड ेलवे नौकर, अमपुर गुलबर्गा।

(अन्तरक)

 श्री ए० बी० माली पाटील, निवासी कुडलगी ग्राम, ताल्लुक जीवरगी, जिला गुलबर्गा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के जिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सविधी अ्यक्तियों पर स्वान की तामीस से 30 दिन की अविभि, वो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख श 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बन्स्ची

(दस्तावेज सं० 2943, दिनाँक मार्च, 1985) यह मकान सम्पत्ति, क्रमपुर गुलबर्गा सें है। इतका एरिया 1325 स्ववायर फीट हैं।

> एत० बालामुज्ञामनियन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलर

दिनाँक: 22-10-1985

प्रक्ष आहे. टी. एम., एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-घ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

आर्थानय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनाँक 22 श्रन्तू इर, 198

निवेण सं० ऋई-3, 37-ईई, 17.063/84-85--श्रतः मुझे, एस० बालासुत्रामनियन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

श्रीर जिराक्षं संव 101 है, तथा जो पण जी , गंदा में धिरा है (श्रीर इससे उपाइक्ष अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिध कारी के कार्यालय, इसहास में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाँक 5-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्यित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और गुफ्ते यह विद्यास करने का कारण है

कि यथा पृत्रोंकत सम्मति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान अतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत महीं किया गया हैं:—

- (क) अन्वरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूर्विभा के लिए; करेर/या
- (क) एंसी किसी नाय या किसी धन का अन्य आस्तियों का, विक् भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) एलिजीया फर्नान्डीस
- $\binom{2}{2}$ श्रीमती इंडा मारीया फर्नान्डीस निवासी मेख विव श्रपार्टमेंट्स, पण जी, गोवा,

(भ्रन्तरक)

 श्री रावुल डा० मील्वा बीगास, श्रीमती बलयांचे डी० मील्ला, बीगास तिवासी ऐका ारकेंडे, हिल्ला रोड, बाँद्रा, बोम्बे- 000500

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

## उन्त संपति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (स) इस स्वना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सेबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख सं .45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चित्रित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः --इसमे प्रयुक्त शन्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वीगा, जो उस अध्याय में दिया भवा है।

### मनुसुची

(बतावेज, सं० 191, दिनौंक 5-3-1985) फ्लैंट लेक विव श्रपार्टमेन्ट, शीशमार, पणजी गोवा में है। इसका क्षेत्र० 58 स्ववायर मीटर्स है।

> एस० बालासुक्रामिनयन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनौंक: 22-10-1985

मोहर ः

# शरूप नाइं.टी. एन, एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहावक बायकर आमृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनाँक ?? भ्रक्तूबर, 1985

निर्देण सं० 1129/85-86—यतः मुझे एम० बालसुब्रमिनयन क्षेत्र कि सिम्सम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख वा अधीन गक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजारू मूस्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 66 है, तथा जो V बाई दावन गेरे में स्थित हैं (श्रीर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-3-1985

को पूर्वा क्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-निवम के बभीन कर दोने के बंतरुक के खनित्य वें कमी करने मा उससे व्यने में सुविधा के निष्; नीड़/वा

वत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रीमती देवीरम्ण पती एल बी नाडीगा, वकील, पी ने जे बडावणे, 307 मैन रोड, दावणगेरे।

(अन्तरक)

 श्री एल ० प्रकाश यानी यल ० बी ० प्रकाश, बाप माकश्मण ईक भोल, II-वार्ड, चीन्नगार गली, क्षावणगेरे।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (खा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, यही वर्ष होता, वां उस् अध्याय में दिकः वया हैं।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 7603 तारीख 15-3-1985) खुली जगह, एम० सी० सी० ब्लाक, दावणगेरे में है। इसका क्षेत्रफल ऐ.रया 40 × 20 फुट है।

> एस० बाला सुन्नामनियम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, बंगलुर ।

तारीख 22-10-1985 मो**हर** 🛭

# स्वतः वार्तातः हो । पर्व प्रस्तान्यान्यान

काक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन स्वना

#### गारत बंदकार

# कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाँक 22 भ्रक्तूबर, 1985

निदेश सं 0 1130/85-86--यतः मुझे एस० बालासुक्रामनीयन कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रापये विश्वास है

ग्रीर जसकी सं० 1/1 है, तथा जो ब्रमापुर गलंबर्गा में स्थत है (ग्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची से ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय गुलबर्गा से रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 27-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण से निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए वाह-वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुल्लिश के विद्या।

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के सन्सरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिट व्यक्तियों अर्थात् :—  श्री बंकटलाल गोपी कीशन, किराना बाजार, गुलबर्गा।

(भ्रन्तरक)

 दी प्रोंसीडेट,
 दी बीत्वरथ्या हौस बिल्डिंग को० भ्रापेरेटिव सोसायटी लिमिटेंड।
 मारवाडी गली, गुलबर्गा।

(भ्रन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शृक्ष करता हुं।

## सकत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भे अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्कीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वन्स्वी

(दस्तायवेज सं० 006 ता० 27-3-85) खुला जगह अमपुर गुलबर्गा, में है। इसका एरिया 5 एकड़ है।

> बालासुन्ना मनीनम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख: 22-10-1985

# **१क्ष आहे<u>ं हो पुत्र एक</u>्च----**-

# बायकड अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक बादकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाँक ७ ध्रगस्त, 1985

निदेश सं० डी० भार० 44/37 ई०ई० — यतः मुझे एस० बाला सुब्रमनीयन

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परपात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रीविनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 9 3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यभान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार भृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेय से उच्त अन्तरण विज्ञित में वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई निक्षीं भाग की नावत, उत्पत्त विधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक में नाहितर में कमी करने वा उत्पक्ष वृत्तमें में सुविधा से जिल्हा और/वा
- (क) एसी किसी आवं का किसी भण वा लम्स वास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत विभिनियम, स्व भनकर विभिनियम, स्व भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया भवा भावा किया जाना वाहिए था कियाने लें अभिना के सिक्ष;

अतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा रि।) के अधीन निम्निसिक्त व्यक्तियों क्योत् :---  मैं० सीला श्रसोतिएट्स, फ०/2, इदिरा अवार्टमेंटस, पणिज गोवा

(भ्रन्तरक)

 मिसेज मोनिका मेंडस, सीता भ्रपार्टमेंट्स फस्ट पलोर, 33, झुरोड, शाँता कुज, बोम्बें।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त संस्पृत्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोद :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की बर्बीय या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील ते 30 दिन की अवधि, वो भी सर्वीय बाब में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी अधिकत बुवाड़ा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्वाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यान में दिया नदा है।

## अनुसूची

(डी०-292/37-ई०ई० ता० 9-3-85) प्लाट नं० 4/एफ 1 भडमेरासिस 110 वर्गे मीटर पणजि डोणो पाउल ।

> एस० बालासुक्रमनियन, सक्षम प्राधिकारी सहायेक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख: 22-10-1985

मोहरः ः

# प्रक्य आहें दी एन: एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

#### शारत चंद्रकाह

कार्यालय, पहायक जायकर वायुक्त (निरक्षि-

भर्जन रेंज, बंगलूर नेंगलूर दिनौंक र मुख्य

बंगलूर, दिनाँक 7 ग्रगस्त, 1985

निर्देश सं० डी॰श्रार०- 3म 9/37-ई०ई०---यतः मुझे एम० बालासुत्रमनियन

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्या⊖ करने करने कारण है कि स्थावर सम्मस्ति, जिसका उचित वाजार मूला 1,00,000/- क. से अधिक है

भौर जिसकी सं० है, तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सारीख 25-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्वे) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया भया प्रतिफल, निम्निशिवित उद्देश्यों से उच्छ अन्तरण मिचित में वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (म) अन्तरण त हुइ' किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा भ निए; और/बा
- (4) एमें किसी आय या जिसी धन या अप्यां आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बता ध्रम् , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में , में , शक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर , निम्नितिबन्ध व्यक्तिकों । अर्थात् १----22---356GI/85 मैं० स्मीता एमोसिएट्म ,
 एफ०/2, इंदिरा श्रश्टंमेंटस,
 अल्बु करक रोड,
 पणिज गोवा ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री परोरपरमापिल कोझी, पो० ब० नं० 1244, नेजर 100 लैसको, (बापा) सौथा साउथ क्रफरीाका

(ग्रन्तरिती)

का यह स्वनः जारी करके प्राॅक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सनंध में कोई भी बाक्षेप :---

इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वं 45 दिन की अवधि या तत्मंत्रंथी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्य स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्याय;

इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-ब्द्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकारी के पास निश्चित में किए जा सकरेंगे।

न्यस्टीकरण: — इसर प्रयूक्त शन्दों और गर्दों का, जो उसर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

#### नगरा ची

(दस्तावेज डी० 293/37ई०ई० ना० 25-3-85) प्लाट नं० 23-स०-1, 110 वर्ग मीटर टोनका गोवा

> एप० वालासु**न्नाम**नियन सक्षम प्राधिकारो, सहायक श्रायकर <mark>श्रायुक्त (निरोक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज, वंगलूर ।

तारीख: 22-10-1985

# प्रक्म आहे.टी.एन.एस------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कर्त्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई,

बम्बई, दिनांक 7 अगस्त 1985

निवेश स० डी० आर०-349/37 ई ई---अतः मुझ एस० बालासुब्रमभियभ

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० है तथा जो में स्थित है ग्रीर इससे उपाधा अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप प्से बांगित है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय पणिज गोवा में राजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-3-1985

करे पूर्वोंकर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रिकल से, ऐसे रश्यमान प्रितिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्छ आस्त्रियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क्त अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है वधीन, निस्निर्मित व्यक्तिमों अर्थास् (1) स्मीता इस्टट्स ।
 एफ-2 इंदरा आगर्टमॅटन अन्यूष्तारस रोड्न,
पणिजि गोवा ।

(अलर्ह)

(2) मि० वास्टरिं ज० ज० बी० रोडारेक्स के०म्रो उलास म० खालकेर, सडीकेट बैंक, पणाज।

(अन्तःरती)

को यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राज्यश्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मच्टीकरण:---इसम प्रयूक्त ज़ब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं-वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

दहस्तावेज सं० डी-294/37हेई तारीख 25-3:1985 प्लाष्ट नं० 11/एफ-2 102, एस नम फीट टोनका गोबा।

> एस० बालासुब्रमानयम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

दिमांक 22-10-1985 मोहर : प्रकल बार्च : टी. एन्, एत., ----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) वे वधीन स्वना

#### सर्व रहेक्ड

कार्यांचय, तहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त अर्जम रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 7 अगस्त 1985

मिवेई सं० डी आर-357/37ईई---अनः मझ एस०

बालासुन्नामनियम

कायकर विधिनयमं, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त वृधिनियमं कहा गया है'), की भारा 269 का ने सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उनकित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पणिज गोवा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के ध्रयमान प्रतिकत्त मा निए अन्तारत को गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूक्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल का बल्क्ड प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उच्चेय से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिकल, निम्नलिखित उच्चेय से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिकल कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वृत्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक वें वाक्तिय में कनी करने वा उबके वृष्ये में दृष्या के बिष्; बीर/वा
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, डिपाने में स्विका के बिए;

वतः त्रव, उक्त विभिनियम की भारा 269-य के अनुसरण कें, त्रें, उक्त वृधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के त्रभीन, निस्तृलिखित व्यक्तियों, किंगु:— (1) श्रंजली एसोसिएटस, एफ-2 इंदिरा अपार्टमेंट्रउस, अलबु करक रोड़, पणाज गोवा।

(अन्तरक)

(2) डा॰ घयाम कुमार परणार, इ-8, अस्टोनो, पणजि, गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना चारी करके पूर्वोक्छ सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीचा है 45 दिन की जनिंभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर चूचना की तामील से 30 दिन की ज़बीभ, जो भी अवध्य नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) व्य बुप्ता के राज्यम् में प्रकारत की तारीत के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-व्युव किसी अन्य स्थावर सुगारा, अभाइस्ताकरों के वास निविद्य में किए वा सकेंचे।

## ग्रनुसूची

(दस्तावेज सं० डी-295/37ईई नारीख 18-3-85) प्लाटनं० 4/51, 110 वर्गमी० एट ईलास, गोवा।

> ्त० बालासुक्रमियम सञ्जन प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिमांक: 22-10-1985

क्ष्म कार्ड, डी. एन. एक. -----

# शायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (व) (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, बहायक बायकार बायुक्त (जिरीक्षण)

सहाय त आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 अगस्त 1985 निदेश सं० डी० आर०-365/37ईई--अतः मुझ एस० बालासुब्रमियन

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके परेणात् 'उक्त अभिनियम' कहा गमा हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट न० बाई० के० 7 (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप म वर्णित है) श्रौर रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी क कार्यालय पणिन गोवा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-1-1985

वी पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य सं कम के क्ष्यमान वित्यस के लिए अंतरित को गई है सीर मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि वचापूर्वोक्त कम्मीत का उचित बाबार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल में, एस दश्यमान प्रतिफाल का क्लाइ प्रतिस्त से बचिक है और बंतरक (वंतरकों) बौर बंतरिती (अंतरित्या) के बोच एस अंतरण के लिए त्य पाप ग्या प्रतिफल निक्निस्त उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है :---

- (क) नंतपण से हुए किसी बाय की बानत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बंधने में मुनिधा के निष्; और/या
- (क) एंसी किसी जाव मा किसी धन ए जन्म आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, खिलान में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी: उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) के अधीम, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) परस मारिया लेतिकुलो श्रंगन, कारडूस शांता ईनिस पश्चिम गोवा ।
  - (अन्तरक)
- (2) मा० वस्को फीलोनेनो, फरनाडो, पणजी, गोवा।

(अन्त.रती)

# को सुब्धना भारी करने पुनरिस्त सन्दर्शित ने अर्थन के सिक् कार्यमाहिन्ने करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी विकतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि,, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन को तारांख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्वकारिकरण: — इसमें प्रवृक्त कथ्यों कीर पर्यों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्ज होगा को उद्दर क साथ में दिक्क गया हैं।

# जन् भूची

(दस्तावेज सं० डी-295/37ईई तारीख 3-1-85) प्लाट नं० वाई० के० 7 इन सखारवंडा अपार्टमेंड्स, 77 वर्गमी०।

> एस० बालासूकीमिनियम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

दिमांक : 22-10-1985

# प्रकम बाइ'. ह्वे. एत . एस . -----

# मायकर माधानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक अध्यकर आयक्स

अर्जन रेंज, बंगलूर

वंगलूर, दिसांक 7 अगरत 1985

मिदेश सं० डी आर-355/37ईई---अतः मुझे एस० बालासुम्रामनियम

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, डिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

द्यौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्ष्य संबंधित है) र अस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पण ज गोवा में र जस्ट्री- करण अधिनियम 1908 (1908 का 10) के अधीन तारीख 18-3-1985

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्बन्धि का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकों (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिण के लिए सय गाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्सरण तहुई किसी आय की बाबरा, उक्त निभिनियम के अधीन कर दोने के जन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बांड/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 था। 11) या उक्त अधिनियम, या पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तारती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खें निए.

भतः वन, उक्त अधिनियम, भी धारा 269-ग के अनुसरण भों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्वीक्तयों, अर्थात् :-- (1) मे वि० सी० इन्त्रस्टमेंट एन्ड टी आए डि० प्रा० (पीप वी टी लि०) एफ-2 इंदरा अपार्ट मेंटस, अलबु कर्क रोड़, पणजि गोवा ।

(अन्तरक भ

2) मती पार्वती डि० नाईक एन्ड अन्य सिट-इनक्ष टीनका अल्फानसी, अलेब कर्क रोड़, पणिज गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्रियां करता हूं।

जबत संपत्ति को वर्षान को संबंध में काइ' भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसब्ब्ध किसी बन्य व्यक्ति स्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रमुक्त शक्दों जरि पदों का, को उक्क जिभीनयम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय, में दिया गया है।

#### वन्स्यी

(द० सं० डी-296/37ई) नारीज 18-3-1985) चल्टा नं० 6, 7, ग्रीर 8 सीट नं० 121 एट इलड्डा गोवा।

> एस कलानु**द्रमनियम** प्रक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **बंगलूर**

दिनांक : 22-10-1985

प्रकप आर्ध. टी. एन. एस. -----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वभीन सुम्रवा

#### नारत क्यून्स

# कार्यासकः, सहायक बावकार बावकाः (विद्वीकाण)

अर्जन रेंज, बंगलूर वंगलूर, दिनांक 7 अगस्त 1985

निदेश सं० डी० आर०/341/37ईई—अत: मुझे- एस० बालासुश्रमनियन

कायकर सथितिया, 1961 (1961 का 43) (शिष्ये इच्चे इच्चे इच्चे परवात् 'उवस सथितियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सथाम प्रतिभक्तारी का व्य विश्वास कच्चे का कारण है कि स्थापर सम्बन्धि, जिसका उनित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

रिणस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पणिज गोवा में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-3-1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उपकत बाबार मूस्य से कम के एकमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मूझे यह जिल्लास करने का कारण है कि यकापूर्वोक्त सम्मित्त का उपकर बाकार मूल्य, इसके दरयमान प्रतिफल से, एसे खब्बान प्रक्रिक का पढ़ह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्वेध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (स) बन्धपुन यं शुद्ध किसी बाव को नावल, क्यस विधियस को बचीन कह दोने को बंदाएक के पासित्य में कभी करने या उत्तस्त क्यने में सुविधा के एलए, और/या
- (क) एसी किसी नाम या किसी भग या नम्म नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकार निधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधित्यम, या भनकार निभीनयम, 1957 (1957 का 27) के अमाजनार्थ नंदरिती दुवारा मकट नहीं किया मना था सा किया बाना नाहिए था क्रियाने में सुविधा के लिए;

वर्तः नव, उक्त विधिनियम की धारा 269-वृ के बनुसरण की, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा र्राः। की विधीन्, निम्निसिसिता व्यक्तियों ्रः वर्षास् ६—— (1) मेसस था**ल** कन्सट्रमशनस, मुशीला बिल्डिंग, पणिज गोवा।

(अन्तरक)

(2) मि० नैटीन अल्मडा सुरज बहार, प्लाट न० 30ए एन सावत बिल्डिंग, बम्बई-400005।

(अन्नरिती)

को यह सूचना पारी कराडे पूजाँकत सम्मत्ति के अर्थन के विस् कार्यहासिकं करात हो।

उन्ह संपरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप:---

- (क) इस ब्रेक्स के राज्यक के जावक की काड़ीय के 45 दिए की बनिथ मा तत्करमध्यी व्यक्तियों कर सूचना की ताबीस से 30 दिन की बनिथ, को भी बक्षि बाद में समान्त होती हो, के भीटर प्रवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (व) इस सूचमा के राजपन में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उथत स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी बन्न व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के नास चित्रित में किए जा सकोंने।

स्पच्छिकरणः — इसमें प्रयूक्त सन्दों और पदों का, जो उनत विचित्रयम के जध्याय 20-क में परिशादित हैं, बारी वर्ष होगा जो उस वध्याय में विचा

#### नक्यकी

(दस्तावेज स०डी-228 /85तारीख 14-3-85) प्लाष्ट न० एफ 4 इन धार में टाईउन नियर डान ,बोरबो हाई स्कूल पणिज गोवा में मेजिरिंग 93.27-99 वर्ग मी०

> एस . वालासुक्रमनियन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

विनांक : 22-10-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकरं मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 भ्रगस्त 1985

निदेश सं० डी ग्रार-339/37ईई/---ग्रतः मुझे एस० बालासुत्रमनियम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० जवा कि ध्रनुसूची में विणत है तथा जो में स्थित है भौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय पणिज गोवा में रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन तारीख 16-3-1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उजके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाभत, उक्त शिधिनिया के अधीन कर दोने के अंटरेक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) सुपर ह्यिद्धार्स हील ऋउन अपार्टमेंटम, नियर एस टी मेरिज हाईस्कूल पोस्ट मापुमा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रर्थर कस्टेडियो रोडरिक्स, श्रस्टीनो मापुसा गोवा :

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

# वनुस्ची

(दस्ताबेज मं० मार्च/85 डी-287, तारीख 16-3-85) प्लाट मेजरिंग 92 वर्गमी० एट प्रत्टीनो पास्ट लोक्यालिटि मापुसा गोवा ।

एस० बालासुक्रमनियम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बंगलुर

दिनांक : 22-10-1985

अक्षत अष्टि . ती . एव . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन--रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 भ्रगस्त 1985

निदेण सं० डी प्रार-350/37ईई--ग्रत: मुझे एस० बाला सुज्ञमनियम

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 आ को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि अधि अधि अधिक है कि कार्य मुख्य 1,00,000/- राज से अधिक है

भीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पणिज गोवा में रिजस्ट्री-करश अधितियम 1908 (1908 का 16) के अधीत तारीख 25-3-1985

- कि) बंतरण् सं हुई किबी आव की बाबस, उक्त विधिनियम के बभीन कर दोने के बंतरक के वासिस्थ में कमी करने या उसस वचने में सुविधा के भग्नाह: बीर/मा
- (म) ग्रंक अवस्थ आय का किसी धन या जल्य जास्त्यां की, जिल्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रंक प्रयाजनार्थ केंत्रिया जल्ल लोहिए था. किया जल्ल लोहिए के निष्या केंत्रियां लें.

अतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) जे० प्राप्त० तन्सट्रमणनम्, प्राप्तिजट चैक प्राफ इन्डिया, मीरासर, पणिज, गोवा ।

(ग्रन्तरक)

(2) मिर ईन्सिया लुकी डिकास्टा, के० थांके मि० माकस पिलो ग्रानस्को टु डिकास्टा नया वरन गार्डन्।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाप्त के राज्यक में प्रकाशन की तारी स स 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध पाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वक्दीकरण :- - असमे अभिनेत प्रकार आरे पदों का, जो उनत अभिनियम, 1961 (1961 को 43) के अभ्याय 20-क में एरिसाचित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वन्स्यी

(दिष्यावेन गं० डो → 286/पार्च/85 तारीखा 25—3—85) ्त∵ट गं० जा अन्यपण कालोनी मीरामार पणिज, मेचरिंग उक्कियोग्या

> एस० बाला**सुप्रमनियम** सक्षम प्राधिकारी यहाथक आपकार संयुक्त (निरीक्षण) सर्वेट केंद्र विकास

दिनांक : 22~10~1985

प्रकृप बाइ . टी. एन्. एवं . -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आपुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 श्रक्तूबर 1985

निदेण सं० डी श्रार-358/37ईई/श्रतः मुझे एस० बालासुत्रमनियम

वासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिको इसको इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाषा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित् बाजार कृष्य 1.00.000/- क. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुम्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पणजी गोवा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधी न तारीख 16-3-1985

का प्योंगन सम्मिन को इतित यानार संस्य से कम के इस्यमान शिक्षण को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिकत से बिधक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरित (बंतिनियों) के बीच एमें अन्तरण के मिए स्य पाया गया प्रतिकल निम्निकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित में बास्तियक रूप से किया नहीं किया नहीं है

- (क) मन्तरण से हुई फिली शाय की वायस, स्वयं वीधिनयम के सधीय कर दोने से मन्तरक की समित्य में सभी करने वा उससे वचने वी सुविधा को लिए; सांह/वा
- (क) इसे किसी जान का किशी धन मा तत्त्व सानितर्कों को जिन्हों भारतीय जामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या घम कर निवित्तम, 1957 (1957 का 27) वै प्रयोजनार्थ सन्तरियों प्राप्त प्रकट नहीं किया गमा था या जिला जाना चाहिए जा, कियाने में सुनिया वै किया;

अतः जब, जबत अभिनियम की भारा 269-व के अनुबरण में, में, उकत अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीतः निम्निशिवत व्यक्तिमें, अर्थात् हः— 23—356GI/85 (1) ग्रंजिल एसोसिएटस,
 एफ-1, इन्दिरा ग्रुपार्टमेंटउस,
 कास्टोनी ग्रलबुकर्क रोड़, पणिज गोवा ।

(भ्रन्तरक)

(2) मि० अल्बर्ट सी श्रकान्सो श्रीर मिम लिनता अल्कान्सो, 17 भारती अपार्टमेंटम काजर रोड़, श्रंबेलि श्रंधेरी वेस्ट बम्बई (बम्बई)

(भ्रन्तरिती)

की बहु सूचना चारी करके पूजेंक्स सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यशिद्धियां सुरू करता हुं।

बन्द कलिए के वर्षन में कलन्य में कोई भी शामीप :---

- (क) इब बुचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन की जबीभ वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर बुचना की तानील वे 30 दिन की संबंधि, को 'गैरे अवधि बाद में दमाप्त होती हो, के भातर पूर्वे उठ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिव के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ कियी करू व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पांच कि कि में किए या सकेंगे।

## **मनुसूची**

(दस्तावण मं० डी-297/मार्च/85, तारीख 16-3-85) प्लाट मेर्जीरग. 110.वर्ग मीटर कामत इस्टैट टोन्का का रजामिन गोवा।

एस० बालासुब्रमनियम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

विनांक : 22-10-1985

नोहर 🖫

# प्रथम बार्चा, टी., युग्, युग्,-----

नायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) की धाला 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत् वृरकार

# कार्यालय, सङ्ख्या जावकर मानुक्य (निराक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगर्लेंट्र

बंगलूर, दिनांक 7 श्रगस्त 1985

निदेश सं० डी ग्रार-323/37ईई/--ग्रात: मुझे एस०। लासुब्रमनियम

कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें है परकात 'उन्त अधिनियम' कहा बसा हैं), की धारा 9-क के अधीर भक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का एवं हैं कि स्थानर सम्पन्ति, जिसका उपनित बाजार जूल्य 00,000/- रा. से अधिक हैं

ार जिसकी सं० है तथो जो में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पणिज गोवा में रिजस्ट्री- करण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नारीख 5-3-1985

को पूर्विक सम्पत्ति से अधित क्षेत्रकार बस्त से का के स्ववान प्रतिकास के सिए जन्तिरत की गर्ध है और भूके वह विश्वात करने का कारण है कि युवापर्विकत सम्पत्ति का सिन्त बाजार बस्द, उसके क्ष्यमान प्रतिकास है, एवे स्ववास प्रतिकास का सम्बद्ध प्रतिकात से अधिक है और अंकरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के किए हव भावा गया प्रतिकास निम्नतिश्वित उद्दोष्य से उक्त अंतरण किस्तित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया नया है :----

- (क) बन्दरण से हुई किसी जाय की बाबस, सकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्दरक के बाधिरल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/णः
- एंसी किसी बाय या किसी धन या ब्रन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरियो द्वारो करूर नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अन्बरण वें ग्री. तक्त अधिनियम की भारा-269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स प्रोग्नेसिय फामर्स बिल्डर्स, कारटे डि० श्रोरीटरों पणित गोवा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रीधर ए० नाडकरणी , लोन्तीकर निवास श्रपोजिट को संबे बिल्डसं,

(ग्रन्तरिती)

को यह सुपना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्थन के सिष् निए कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को संबंध में फोड़ भी बाधीय :---

- (क) इब बूचना के हाज्यम में प्रकारन की तारीक वें
  45 दिन की जनमि या तत्त्रकाणी व्यक्तिकारी पर
  बूचना की ताजीस वे 30 दिन की शवीच, की मी
  संबंधि गांव में समाप्त होती हो, के मीतह प्रवेशिक स्थिता में ते किसी व्यक्ति इंगारा:
- (क) इत सूचणा के राज्यम में प्रकाषित की बारील के 45 दिन के भीष्ठर उम्ल स्थानर सम्मरित के दिल-नद्दभ किसी जन्म व्यक्ति ब्यारा, नमोहस्ताकारी के सक शिविस में निम्ह मा सकोंगे।

रनकाकरण: —-इतमं प्रवृक्त कव्यां और नवां का, को स्वयां वीधीनयस के सध्याय 20-क में वीरभाषिक ही, नहीं वर्ध होगा, जो उस सध्याय में विकार नवा ही।

# नगृज्यी

(बस्तावेज सं॰ डी-289/मार्च/85 तारीख 5-3-85) प्लाट नं॰ बी-4 फस्ट फ्लोर सर्वे नं॰ 67/2 2 प्लाट 81 वर्गमीटर विलेज श्राफ मांताकुंज।

एस० बालासुव्रमनियम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बंगलूर

विमांक : 22-10-1985

# प्रस्क सहाँ हो हो, हुन्, स्व , -----

बावधर विधिनियम:, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीत ज्वान

#### erra apres

# कार्यातम, बहायक बायकर मायुक्त (निर्माणन)

श्रर्जन रेंज, बंकगलूर बंग्रलूर, दिनांक 7 ग्रगस्त 1985

निवेश सं॰ डी भ्रार--356/37ईई/---श्रतः मुझे एस० बालासुत्रमनियम

बायकार मिनिनम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इक्तों इक्कों परणात् 'उनत मिनिंशिशन' कहा गया हैं), की धारा 269-स में वापीन तक्षम शांधकारी को मह निश्वाब कारने मन कारण है कि स्थावर कमीत, जितका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. ते मिनिक है

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अभिनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय पणिज गोवा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 18-3-1985

को प्राचित तम्पति को विषय बाकार मुख्य से कम को स्वयान प्रतिकृत को किए जमारित को नहीं है और बुको वह निक्यान करने का कारण है कि स्थापुर्वोचन तम्पति का विषय बातार मृत्य, जसके न जनान जिलकान को, एवं प्रस्तान प्रतिकान का बन्द प्रतिक, से क्ष्मिक है जीर बंतरक (बंबरकों) कोई क्षम्पारिती (अन्तरिविध) को बीच एसे अन्तर्य के किए तस् पास नवा प्रतिकान, निम्नोकिश्व उद्योग से उत्तर अन्तरण कि किए तस् पास नवा प्रतिकान, निम्नोकिश्व उद्योग से उत्तर अन्तरण निवित में बाइनियक क्ष्म से की किए तस् मिन्न की किया नवा है अन्त

- (क) बन्करण ने हुद्धां कियी काम की वास्त्र उनक वीरिविषयं र्ं वशीन कर योगे की मन्त्ररक की वारिक्त में कास्त्र करने ना उक्क क्याने में सरिशा के क्यान्त्र, बील/ना
- (व) देशी रिज्यों नाम ना किसी पन वा नाम ना लिसी की, विक्री भारतीय नान-कर निर्मितन, 1922 (1922 का 11) ना उपत निर्मितन, ना धनकर भीनिवन, 1957 (1957 का 27) में प्रकोप-नाम नन्तिरती ब्लास प्रकट नहीं किया नना था ना विक्रम नामा नाहिए था किनाने में सुनिभा में सिद्धा

चन्द्रः जब , उस्त विधिनियम की भाव 269-न के अनुसरण मों,, मीं, उस्त अधिनियम की पारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन,, निम्मीतिषत स्थितिसों, अधीत्:— (1) श्रंजिल एसोसिएटस, एफ-2, इन्दिश श्रपार्टमेंटस, श्रवसुकर्क रोड़, पणिज गोवा ।

(भ्रन्सरक)

(2) डा० श्याम कुमार परसर, ई-8, श्रल्टीनो पर्णाज गोवा ।

(भ्रन्तरिती)

की वह वृष्या पाड़ी करनी पूर्वोक्त सन्तरित से नर्धन के निष् कार्यपाक्रिको सरक्षा हो।"

नतक कम्मकि से उर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आसोर .---

- (क) इस सुमना के अमपन में प्रकाशन की शाहीस है 45 दिन की समीभ ना तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूमना की टर्डिस से 30 दिन की अमीध, को भी ममीध नाम को समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीकर करियानों में से फिसी व्यक्ति स्थार;
- (क) इस सूचना के । पत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन को भीतर अक्त स्थावन सम्पत्ति में हिस्तवत्थ किसी सम्ब स्थानित स्वारा अथाइस्ताक्षरी के पाक लिखित में किए जा ककी ।

ल्किकरण: इसमें ंपुक्त अन्यों और पदों जा, को उक्त किपिन्त्रमं के अध्याद 20-क में परिभाषिक है वही नर्भ होंगा, जो उस अध्यास में दिसा सवा है है

#### जन्तु भी

(दस्ता ाँज स॰ डी-290/मार्च/85, तारीख 18-3-85) प्लाट नं॰ 4/52, मेर्जीरंग 110 वर्ग मीटर एट टोन्का करजालिंग गोवा।

एस० बालासुब्रमिनयम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 22-10-1985

# WENT REGILES . THE STREET COMME

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के जनीन सुचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सङ्गायक नायकर भागुनक (निरीकाण)

प्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० डी श्रार-360/37ईई--श्रतः मुझे एस० बालासुब्रमनियम

वानकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पर्यात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीय स्थान प्रतिभक्षारी की नह निकास करने का धारण है कि स्थानर स्व्यत्ति, विश्वका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है श्रौर इससे उपाधक श्रन्भूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पणिज गांवा में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 25-3-1985

की पूर्वोक्त सम्बन्धि के उचित बाबार मूल्य से कान की स्थ्यमान प्रतिकल के सिक् अंतरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुनोंक्त सम्बन्धि का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमाण प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकत की रान्द्रह प्रतिकत सं रिश्व हुई और बंतरक (बंतरकों) और संशिक्ति (अंतरितियों) के बीच में अंतरण के लिए तब शाया नवा प्रतिकल निम्नुलिखित उच्छ त्य से उक्त बंतरण विचित में बास्तिक क्ष्य से कथित कहीं किया नवा हैं——

- (क) अन्ताप्त्रण संदूषं किसी आम को बानका, उपका अधिनियुन के लधीन कर दोने के बंदाइक को शावित्य में कनी करने ना उन्युख्ते क्यूने में सुनिया को निव; कींद्र√ना
- (था) एली किसी शाय वा किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय अग्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्स अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवल्पार्थ मंतरिक्की बुकारा प्रकट खुर्बी किया नवा था या किया बाना वाहिए था, कियाने जें सुविधा के लिए;

जतः जबः, उक्त जिथिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) हे मुधीन्, निस्तिविक व्यक्तियों, स्थित् क्ष्या (1) कामन रीरल इस्टेट डेबलपर्स, एफ/1, इन्थिरा अपार्टमेंटस कास्टीनो श्रलबुकर्क रोड़, पणिज गोवा ।

(अन्तरक)

(2) विस्वास राव वगर्ल , फेडरेशन फार रिसर्च एन्ड स्टडीज, वासकोडा गामा गोवा ।

(भ्रन्तरिती)

को सह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सञ्चलि के अर्जन के निष् कार्यग्रहियां करता हूं।

उक्क तम्मीत के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ::---

- (क) इस स्वया के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की क्वीच वा तत्त्रज्ञत्थी व्यक्तियों वद स्वता की तानीश से 30 दिन की जनिए, जो नी अविध क्वा में स्थाप्त होती हो, के नीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से सिखी व्यक्ति हुनान्त;
- (क) इस सूचकः है सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के अल्ड उक्क स्थावर सम्बन्ध में हित्यवृष् किसी जन्म व्यक्ति क्वार, मधाहस्ताकारी के पाछ निकास में किसे वा सकीन।

# जन्सूची

(दस्तावेज सं० डी-291/मार्च/85 तारीख 25-3-85) प्लाट नं० एफ एफ/2 इन गामार श्रपार्टमेंटस मेजरिंग 113 वर्गमीटर एट वास्कोडा गामा गोवा।

एस० वालासुक्रमिनयमें सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 22-10-1985

प्रस्य बाह् .टी. एव . एक ------

बावकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मंभीन स्थाना

#### बारत सहस्कर

# कार्याजन, सहायक नावकर आवृत्त (विद्वर्तक्रिक)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, ब्रैंदिनां र 16 श्रमनूबर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यु०/2/एस० श्रार०-1/3— 85/860--श्रतः मूझे के० बासुदेवन

बावकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) (वित इसमें इसमें इसमें परवास 'उक्त विधिन्यम' कहा गया हैं), की धार 269-च के वधीन सक्षम प्रीधिकारों को, यह विख्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, 'असका उचित वाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

और जिनकी संख्या प्रो० तं० 3/65, है तथा जो रूप तगर, दिल्ली में स्थित है (ऑट इस्ते उपाबक अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीयती अधिरासी के यार्थालय दिल्ली में भार-तीय रजिस्ट्रीवरण अधिरियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन वासीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्के वह विश्वाच करने का कारण है कि यथायूर्वाक्त कर्जित का उचित बाजार मूल्य, उपके दश्यमान प्रतिकल का बन्द प्रशिक्त से अधिक है और ज्ञानक (जंतरकों) और जंतरिती (जंतरितिकों) के बीच एंस जंतरिक असरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल कि निम्हिलिया उद्देश्य में उक्त असरण के लिए ता वास्तीवक क्या के किया नहीं किया गया है :--

- (क) बन्दार्श वे हुए कियी जान की नानता, उन्हां वीधीनवन की वधीन कर दोने के बन्दारक के दादिए में कनी करने या उन्हों नचने में बूचिया के निस्क कर्रिशा
- (क) ऐसी किसी नाथ या निजी धन था अन्यः जास्सिकों की जिन्हों भारतीय नाथकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अच्या निधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनार्थ अव्यस्ति हुनारा प्रकट नहती किया नवा वा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के निए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्तरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित :--  डा० प्राप्त करीं तलवार पत्तन श्री त्री पाल निष्टा.
 प्राप्त नार्वन ्तलानीं,
 आप० वीं० धुनी चन्द रोड,
 अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्रींमती इन्दिरा रानीं, पत्नीं श्री राम गोपाल, 3/65, रूप नगर, दिल्लीं

(भ्रन्तरिती)

**को यह भूजना जारी करके प्**त्री का क्ष्मगांस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र मी किसन की तारीस से 45 विन की जबिप या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्वान की तामील से 20 दिन की अविभ, को भी अविभ बाद मी समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में के किसी व्यक्तिय द्वारा:
- (क) इस सूचना को राजधार में अकाशन की तारी का की 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य न्यांक्ति द्वारा अधाहरताक्षरों के पास सिवित में किए जा नकोंगे।

स्वकारिकरण: --- इसका त्यक्त यात्रातिकीर पत्ती का, जो उनके अधिनियम: की लक्ष्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्था ्ता जो उत अध्याव में विवा क्या हैं।

## मन्त्र की

1/2 प्रेशन श्राफ प्रो० नं० 3/65, रूप नगर, दिल्ली, तादाबी-193.79 वर्ग गज

कें वासुवेषन राक्षम प्राधिकारी लहायक प्रायक्त आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीत रीच-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 16-10-85 मोहर:

## प्रकृत आहें .टी. एन . एस . -----

# नायकर वीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के नधीन सूचना

### भारत बरमार

# कार्यास्य, तहायक नामकर जाम्बत (निरीकाण)

ग्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्लीं, तारौख 17 श्रभ्तूबर 1985

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/3--85/609 ----भ्रत मुझे के० वासुदेवन

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकीं संख्या बीं० श्रार-26-ए, है तया जो शालीमार बाग, दिल्ली, डीं० डीं० ए० फलैट में स्थित है (आर इससे उपाइड अनुसूचीं में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधियारी के कार्याजय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961, के श्रधींन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित साथार मून्य से कम के ध्वयमान प्रतिष्कत के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कव्रण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उमित बाजार मूल्य, उसके ध्वयमान प्रतिफल से,

एसे क्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और कंत-रक (जंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्योग्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं प्रसा है अ—

- (क) अन्तरण से शुर्द किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोन के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिह्य; आहर/का
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया गाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सत: कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्व के अन्यक्त में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्रीमतीं सुनिता लिखा गपत्नी श्री रमेंग सिंह, नित्रासी बी-272, मजलिस पार्क, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमतीं मोहिन्दर कौर पत्नीं श्रीं भूषिन्दर सिंह, बीं० ग्रार० 28-ए, शालींमार बाग, दिल्लीं

(मन्तरितीं)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मास के अर्थन के लिए कार्यवाहिया सूक करता हुं।

उक्त संपत्ति के अजन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर स्मित्रयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्बब्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाविष है, वहीं अधे होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## धनुसूची

प्रो० नं० बीं० ग्रार० 28-एः मालींमार बागः दिल्लीं। डीं० डीं० ए० फलैट एल० ग्राई० जीं० तादावीं-45 वर्ग गज

> के**० पासुदेवत** सक्ष**म प्रा**धिकारीं सहायवः भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2 दिल्लीं नई दिल्लीं-110002

तारीख ' 17-10-85

मोहर 🗈

# प्रकर नार्च् दी । एत । एस , ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अधीन सुपन्न

# नाइस सरकार कार्वाजय, सहायक आवक्त सायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, नई दिल्लीं

नई दिल्लीं, दिनांक 17 अक्तूबर 1985

निर्धेश सं० श्राई० ए० सीं०/एक्पू०/2/37ईई/3~85/610~~ श्रतः मुक्षे के० वासुवेदेवन

वायकर विध्विकाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परवाह्य जिस्त विधिनियम केहा गया हैं), की भाष 269-च के वभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरित, किसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. ते विधिक हैं

और जिसकी लंख्या 15/1416 है तथा जो जनगतरासन पहाड़ गण: नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावत श्रनुसूची में पूर्ण रूप ने विणित है): रिचम्हीं ति श्रीधशारी ने रार्यालय श्रजीन रोंज-2: नई दिल्ली: भारतीय श्रीय श्रीवित्यम 1961 के श्रीन तारीज मार्च 1985

को प्रविक्त सम्मिति को उचित शाजार मुख्य से कम के क्यामान प्रितिकल को निष्कु अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निष्कास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित शाजार मृत्य, उसके क्ष्म्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्म्यमान प्रतिफल के कन्त्रह प्रतिकत्त से विधिक भी और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तर्क (अन्तर्कों) से व्यक्त से विधिक भी और एसे अन्तर्म के सिए सब गया गया प्रतिकत, निभ्मतिश्वित उद्योग से उपक अन्तर्ण किया प्रतिकत, निभ्मतिश्वित उद्योग से उपक अन्तर्ण किया मही कार्या को स्थानिक क्या से क्षित महीं किया गया है:—

- (क) जनगरण से शुरू जिल्ली जाम की बाबत, उक्त जिल्लाम के अभीन कर दोने के जनसरक के दानित्व में कभी कारने या अवसे क्वने में तृत्रिधा के निक्द; ब्लीट/का
- (क) एसी किसी जात या किसी धन या कत्य शास्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आवकार अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियस, या धनकार अधिनिवस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अल्लीरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाने। चाहिए था, कियाने में मुदिधा के सिक्त

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-च की ल्पभारा (1) के अधीन, निम्मितिसित स्पितसर्थों, अर्थात ∵~- (1) श्रीमिनी विद्या देवीं
त्यनीं श्री कस्तूरी लाल
निवासीं ग्राप:-749 न्यू राजेन्द्र नगर
नई दिल्ली
कुमारीं श्रत्या ग्रापेड़ा
सपुत्री स्व० श्री कस्तूरी लाख सुरा
माता यूक्जींक विद्या देवी

(ग्रन्तरकः)

(2) श्रीं रेण चढ्छा (पु) श्रीं यणपाल निचामीं सीं० वीं०/1416 सन्गतरानन पहाड़ गंज दिल्लीं

(श्रन्तरितीं)

चा वह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल् कार्यवाहिमा बुरू करता हुं।

## क्यत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नास्तेन :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीचा दें 45 दिन की अविधि या तसांबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीवर सकत स्थापन संपत्ति में हितवहथ किसी अर् व्यक्ति ह्यारा अपोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकते ।

स्वक्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर पदों का, को सकत अधिकृत्यम् के अध्याय 20-कः में परिकारियक हैं, वहीं अभी होता जो उस अध्याय में दिया नवा है।

## मन्स ची

एक्स वीं/1416 तादादीं-88 वर्ग गज सन्गरासन पहाड़ गंज नई दिल्लीं

> के० **वास्**वेषन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारौख : 17-10-85 मोहर : प्रकृष भाषा हो। एस. एस. -----

माथकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन गुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंद रेंब-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली नारोज 17 ग्रक्तूबर 1985

निर्देश सं ० आई० ए० मीं०/एक्यु०/2/37ईई/3~85/611---अतः मुझे, के० आसुदेवन

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की भार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्वावर सम्मन्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/-क से अधिक हैं

और जिसकी संख्या पलैट नं० 2 है तथा जो लाल कोटि 3830 पटौदी हाउन बरिया गंउ दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप न बर्णित है) रिजस्ट्री वर्ता ग्रिध कारी के वर्षालय ग्राई में रे-2 नई दिल्ली भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनयम 1961 के श्रिधीन तारील मार्च 1985

को पृत्रों मत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ज्यमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण हैं कि गमाप अंतित सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके अध्याम । प्रतिकाल से, एस एस प्रयमान प्रतिकाल का बल्क्स प्रतिसात से अभिक्त हैं और अंतरक (अंतरका) और बंतरिकी (बन्तरितियाँ) को बीच एस अन्तरक के लिए सब पामा बम प्रतिकास, निम्मिलिसित अद्विषय से उन्नत मन्तरण जिल्कित में पास्तिक रूप से माधित नहीं किया नवा हैं:—

- (क) अन्तरूप से हुए किसी बाप की बाबस, अबब विभिन्न के क्योंग और दोने के क्यारक के बाबित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए; भीड़/वा
- (थ) ऐसी किसी अप्य या किसी भन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वधिनियम या धन-कर अभिनियम या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिमाने में सिक्श के स्वार्थ की किया

क्त प्रवत उसत वर्षिनियम की प्राप्त 269-ग के बन्सरण मीं, मीं, उक्त श्रीपीनयम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के कधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमतीं रानीं विद्या मेहरा और श्रीमणीं रानीं विदय मेहरा निवामीं 9/18 माइन टाऊन दिल्ली

(भ्रन्तरक

(2) श्री जय चन्द जैन और श्री सुमात प्रपाद 1619/12 उलदान पुरा नवींन शाहदरा दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पर्वोधन संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप--

- (क) इत त्यना के रायपण में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकानन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे !

स्पाद्धीकरण: ---इसमें प्रयास शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिथम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

## पगसर्थी

फ्लैट नं 2 बरसातीं फ्लोर लाल कोटि 3830 पटौदीं हाऊम दरिया गंज नई दिल्लीं नादावीं-312 वर्ग फिट

> के० वासूदेणन गक्षम प्राधिवारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्लीं-110002

सारीख ' 17-+10--85

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एव. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) करी भारा 269-थ (1) के अधीन स्चन्त

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज- 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 16 प्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सो०/एवयू०/ 2/ 37ईई/ 3−85/ 612→-श्रतः मुक्षे के० वासुवे वन,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसकें इसके परुवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या स्पेस नं० जी-28, है तथा जो 3, श्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के दियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापशेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिकृत संदर्भात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्त नहीं क्या गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जीधनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वाने में सुविधा दायित्व के लिए; जीर/या
- (वा) ऐसी किसी जाव या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आव-आरं अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बन, उक्त बिधिनियम की भारा 269-ग के बन्तरम में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित, व्यक्तियों, बर्धात् :—— 24—356GI/85 (1) मैं० एस० क्री० मेल्प प्रा० लि॰, बिन्डर्स एस्ड श्रोनोडर्स, यू० बी॰-1, श्रन्सल भवन, 16, कस्तूरवा गाँधो मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(२) श्री किपल राजपाल सुपुत्र श्री मवदेश कुमार राजपाल, निवासी-6/29, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाओंच :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाविष्ट हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### नन्स्वी

इन्डिस्ट्रयल स्पेस नं० जी-28, ग्राउन्ड फ्लोर, (प्रोपो-जिड) सिन्डीकेट, हाऊप, 3, ग्रोल्ड रोहतकरोड, बिल्ली, ताबादी 235 वर्ग फिट ।

> .के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारो हायक म्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 16-10-85

प्ररूप आहें. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नर्षे दिल्ली, तारीख 16 ग्रम्तूबर 1985

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/ 2/37ईई/3-85/613--- ग्रतः मुझे के० वासुदेवन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 112, प्लाट नं० ए-2, हैतथा जो धियलोक हाऊस, नजफगढ़ रोड, मिलन सिनेमा, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाधक श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख मार्च 1985

कौ पूर्वोक्त सम्पन्धि के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्धि का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्वयभान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंगरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचा एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किशत नहीं किया क्या है !!—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की भावत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, जैं, उक्त अधिनियम की धारा 259-च की उपगारा (1) के अधीन, निम्हींसिखत व्यक्तियों, अधीत् ाः--- (1) श्री सुनील नरुला पुत्र श्री के श्रार० नरुला 84, बस्ती हरफूल सिंह, सर्वर बाजार, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) 1 श्री इन्वरजित ठुकराल पुत श्री हंगराज टुकराल 8/42, मोती नगर, नई दिल्ली। 2 श्री किंगन चन्द पुत्र श्री खुगीराम,निवासी एफ 260, सुदर्शन पार्ग, नई बिल्ली।

' (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप हिन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीत ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें दे।

स्थळिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों औद पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बहुी अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

#### मन्त्रची

फ्लैट नं ० 112, फ्लाट नं ० ए- 2, शिवलोक हाऊस, नजफ-गढ़ रोड, कमर्शीयल काम्पलैक्स, निपरीत मिलन सिनेमा, नई दिल्ली, तादावी 223.04, वर्ग फिट।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) भर्जन रेंज-2, दिल्ली, नर्ष दिल्ली-110002

तारीख: 16-10-85

मोहरः

## ARM MINE AND LOW LOW LAW LAW COMMENTS

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की भारा 269 क (1) के अभीन सुचना

#### शास्त्र प्रस्कार

## कार्यक्षम्, बहायक वायकर मायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनौंक 17 धन्तुबर 1985

निर्देश सं० भाई०ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/3-85/614-भ्रतः मुझे के० वासुदेवन,

वाबकर विधितवन, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके प्रचात् 'वनत मधिनियम' नहा गया हैं), की पारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह पिरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्तित, विसका बीचत बाबार मूक्त 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 304 है तथा जो ए-5 भीर ए-6 रनजीत नगर, नई दिल्ली सें स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वाणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, ग्रजन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 के ग्रधीन कारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त संस्पित को उपित नाबार मृत्य से कम के सरमान प्रतिक को लिए अंतरित की गई है जौर मृत्रों वह विद्यास करने का कारण है कि संभावनों बत संपत्ति का उपित बाबार भूष्य, उसके स्वस्मान प्रतिकत्त से, एवं स्वस्मान प्रतिकत का पृत्यु प्रतिकत से प्रक्रिक है जीर सन्वर्क (क्लारकों) जोर सन्वर्क (क्लारकों) के साथ ऐसे संभावन के बिच तब वाचा वना प्रतिक्त का विन्यविक्ति होस्य ते उपत संभावन विक्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) नंतरण वे बुई कि बी नाम की नामका, जनक निर्मित्य के नभीन कर वोने के नंतरक के वादित्य में कमी करने वा उचने नमने में बुनिया के बिहु। बीद/वा
- (थ) हुन्दी किन्दी बाव वा किन्दी थन मा बच्च वाहित्त्व] को; विन्दें चारतीय धावकर धविविवयः 1922 (1922 का 11) वा क्यत धविविवयः वा वय-कर अभिनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनाम बन्दियी द्वारा प्रकट नहीं क्यि। नवा वर वर किया बाना वाहिए वा, किनाने में (सुविद्या के बिन् )

अतः जब, तक्त अधिनियम भी भारा 269-न में जन्दरन में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैं विश्वा प्रोपरटीज (प्रा०) लिं०, चौथी मंजिल, सटीला हाखस, 73-74, नेहरू पलेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राम प्रकाश श्रग्रवाल श्रीर श्रीमती पुष्पा देवी, 23/145, जेंग्रोनी मन्डी, श्रागरा।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिद्ध कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के बुम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब के 45 किन की नविष मा तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की दानीस के 30 दिन की नविष, को भी नविष नाथ में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीवय व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सें 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बह्भ किसी अन्य स्थावित द्वारा, अभोहस्ताक्षरी कें शास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरणः ----इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्दों का, को सब्द श्रीयविद्या, के अध्याद 20 का में वधा परिभाषित् हैं, वहीं वर्ष होगा को उन्ह अध्याद में दिन्ह क्या हैं।

## बपुष्पी

फ्लैट नं० 304, ए-5 और ए-6, कम्युनिटी सेन्टर, रनजीत नगर, नई दिल्ली तावादी—692 वर्ग फिट।

> कें वासुवेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भागुक्स (निर्दक्षण) भर्जन रॅज-2, विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 17-10-85

मोहरः

# प्रकृत नाही, दी. एत. एव--------

# बायकड बिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) के जभीन सूचना

## भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनाँक 17 श्रक्तूबर 1985

नायकर निवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधित्वम' कहा गवा हैं), की भाष 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मित, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या स्पेस नं बी-8, है तथा जो 7, राजपुर रोड, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारो के कार्यालय प्रार्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के अधीन तारीख मार्च-85

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल

- के पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकत, निम्मितिबित उद्योख से उक्त अन्तरण कि बित के बास्तिक स्थ से अधित नहीं किया गया है .--
  - (क) अन्तरण से हुई किसी क्षाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
  - (ब) एसी किसी आब या किसी धन या कन्त्र जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का १७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा का किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के सिह;

जका अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के जनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपवारा (1) वे अधीभ, निकासिविक व्यक्तियों, वर्षात :---  (1) मै० म्रन्सल प्रोपरटीज भौर इन्डस्ट्रीज (प्रा०) लि० 115, म्रन्सल भवन, 16, कस्युरवा गाँधी, मार्ग, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) श्री हेम चन्द महेम्बरी ए-डी/82बी, शालीमार, बाग, दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना खारी करके पूर्वन्त सम्पत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्ञपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्मष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्य होगा, भी उस अध्याय में विका गवा है।

## अनुसूची

स्पेस नं० बी-8, बिल्डिंग नं० 7, राजपुर रोड, दिल्ली, तादादी—500 वर्ग फिट।

के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 17-10-85

प्ररूप शार्ष .टी. एन .एस .-----

आयकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 17 प्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० से $\langle 0 |$ एक्यू0 | 2 | 37ईई | 3-85 | 616-- श्रतः मुझे के० वासुदेवन

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिनका सख्या स्पेस न० जा-1, प्लाट न० 2, है हथा जो श्रोल्ड रोहत र रोड, दिल्ला में स्थित है (श्रीत इस्से उपाबद्ध श्रनुसूचा में पूर्ण रूप से विणित है), रिजिय्टाद की श्रिधिकार के व्यामिल श्राजन रोंग,2, नई दिल्ला, भारत य श्रायकार श्रिधिनयम 1961 के श्रायान नारीख मार्च 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर्दिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चिप्य से उच्क अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) उन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन वा अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया धा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

आतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीश, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) एलाई उत्स्ट्रक्शन कम्पनी, जा-5, 92, दिपाली, नेहरू पलेस, नई दिल्लो ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जे० श्रार० चावला, 6ए/34, डब्ल्यु० ई० ए०, करोल बाग, नई टिल्लं: ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनस्थी

बेसमेन्ट सटोरेज स्पेस नं० बो-1, तादादी-295 वर्ग फिट, एलाईड हाऊस, प्लाट नं० 2, श्रोल्ड रोहतक रोड, विपरीत शाहजादा बाग, दिल्ली

के० वासुंदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

**सारीख: 17-10-85** 

मांहर ः

प्रकार कार्योत्त द्वीत् प्रमानु प्रसान ---- are

सावकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्चमा

#### भारत सबकार

# कार्याजव, सहायक जायकार बायकत (निद्वीक्षण)

भार्जन रोज-2, नई विस्ली

नई बिल्ली, तारीख 18 मक्तूबर 1985

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यु०/2/37ईई/3--85/617---भतः मुखे के० वासूदेवन

गायकर अधिनित्य, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् जिस्त अधिनियम, कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/· रः. इं अधिक हूँ

भीर जिसको संख्या फ्लैट न० ई-बी/172, है तथा जो राजोरी चार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूच। में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन मार्च 1985

हो पूर्वेक्त सम्बन्धि के उपित बाजार मूल्य ते अम के स्थमना दिएल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने हरने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्पन्ति का उचित बाजार पूर्व , उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का निक्त प्रतिकत्त से अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तर्रित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय तया गया प्रतिफल, निम्नीसिबत उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से क्रियत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुइ किसी नाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर योगे को जन्तरक के यानित्य में कमी करने या इसते बचने में तृतिका के लिए; आर्ट/या
- (ब) ध्रेसी जिसी जाम या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया जा या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुविधा को जिस्क्ष

बढा नग, उक्त अभिनियम् की भारा 269-न के जन्दरण् ों, मा, उक्त अभिनियम् की भारा 269-म की उपभारा (1) आधीन, निम्नीलिक्ट व्यक्तियों, अर्थात् ८—— (1) श्रा विरेन्द्रा कुमार सिन्गल, सी-14, प्रेटर कैलामा इनक्लेव, नई दिल्ली ।

(भन्तरक)

(2) श्री प्ररिधीमान किशन भुणु निवासी एच-64, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्च सम्पत्ति के वर्चन के लिए कार्ववाहिया करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में की हैं भी बाक्षप 🐎--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रींच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ह
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित , वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया । ही।

## यन्स्वी

जुपलक्स पर्लंट नं० ई-बी/172, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, विल्लो, नई दिल्ली-110002

सारीख: 18-10-85

मोहार 🖫

प्रकार वार्ड .टी .एन .एक . ------

जानकर जिभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के जभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्लं*।* 

नई दिल्ली, तारीख 18 श्रक्तूबर 1985

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यू/2/37ईई/3-85/618--अतः मुझे के० वासुदेवन

नावकार मधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उनत मधिनियम' स्वाह नया ही), की धारा 269-च के नधीन तकान प्राधिकादी की वह किरपाद करने का कारण है कि स्थानड कमीरिक, विश्वका स्थित अधारत मूच्य 1,00,000/- क. ते निधक है

भीर जिसको मख्या स्पेस नं० जी-15 है तथा जो 3, म्रोल्ड रोहतक, रोड़ दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपावद मनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय मर्जन रोज-2, नई दिल्ली, भारतीय मायकर मधिनियम 1961 के मधीन तारीख मार्च 1985

को प्रॉक्स संवस्ति के अधिक बाबार नृत्य से क्षम के स्वमान इतिकल के तिए बन्धरिक की नहीं हैं और मुख्ने वह किस्सात करने का कारण है कि वचाप्नॉक्क कलरित का दिवस काचार कृत्य, उन्नके स्वमान इतिकल से एोडे क्षमान प्रशिक्ष के कृत्य प्रतिकत से अधिक हैं और बंबरफ (बंबरकों) कीर बंबरिती (बंबरितियों) से बीच एंडे बंबरच के विश् वय नामा एया प्रति-कम, निम्नविचित उन्होंना से स्वस्त संतरण विद्वित्य में बाक्टविक कम से समित नहीं किया नमा है।

- (क) मन्तरण ने हुई किसी बाब भी बाबसा, जनस गौंधनियम के अधीन कर देने के बंदरण के दारित्य में कनी करने या उच्चत्रे बचने में अधिकार के जिल्हा गौर/वा
- (क) यंथी किसी नाव ना किसी धन ना बन्य जारिसाओं को, विष्णुं भारतीय नावकार नाविष्यक 1922 हैं1982 का 1१) वा क्यक वाधितिषक, ना धय-कर वहिंगीनवान, 1957 (1957 का 27) की त्रक्षेत्राचं न्यासिती वृषास त्रकट नहीं किना क्या था वा किया वामा नाहिए था, कियाने वो नाविष्य के विष्ए;

अतः जवः, उन्त जीविनयम की भारा 269-न के जनसरन रें, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) हे अभीत, निम्नीमिसिय व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) मैं० एस० बी० सेस्स, (प्रा०) लि०, बिल्डर्स एन्ड प्रोमोटर्स,
 यु० बी-1, प्रन्सल भवन,
 16, कस्तूरवा गंधी, मार्ग,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं ० रोशन लाल खेम चन्द (एच० यू० एफ०) और श्री राकेश अुमार गुप्ता सी/श्री मैं ० रतन लाल जगदोश चन्द, ए० सी० सी०, सिमेन्ट, स्टाकिस्ट, एन० यू० एच० जिला गुडगाव।

(मन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पृथेक्ति संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवादियां सुक करता हुई।

उनत सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़ भी धाड़ीय :---

- (क) इस सूचना के राज्याज में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की जविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अपिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यादा;
- (व) इत त्यना के रायपन में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीवर उनत स्थावर तम्बरिश में हिस-बहुत किसी बन्ध व्यक्ति इतारा नभोहलाशारी के शब निवित में किए वा क्षांने।

सम्बद्धिम्पादः—-इसमें प्रमुख कर्मा मीर वर्षे का, को उपके वरिवृत्तिको के अप्यास 20-क में वरिकारिक केंद्रा मही अर्थ होता जो कल क्याद के दिवस नवा होता

#### भगवर्ष

इन्डस्ट्रियल स्पेस नं० जी-15, ग्राजन्ड फ्लोर, प्रोपोजिड बिल्डिंग, सिन्डीकेट हाऊस' 3, ग्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली, तादावी-88 वर्ग फिट।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीख: 18-10-85

## प्रकम बाह्र . टी. एन. एस.-----

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

## भारत बहुसमूह

## कार्यासय, सहायक बायकार बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ला

नई दिल्लीं। दिनांक . 18 भ्रन्तूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०2/37ईई/3-85/619---भनः मृह्म के० वास्देवन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,06,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसका लख्या एफ० एफ०-17है तथा जो 3, श्रोल्ड रोहतक दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनूसूची में पूर्ण का से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रविकारी के रार्यालय श्रजीन रेजे-2 नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रविनियम, 1961 के श्रवीत तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमाम प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया ही:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाय की वाशत, उक्त अधिनियम के वधीन कर बोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा ने सिए; बीह/वा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को धिनह भारतीय बाय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था किया धाना चाहिए था, कियाने में त्विधा के बिद्;

जतः जब, उक्त जभिनियम, की धारा 269-म को जनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्वनितर्मी, जभीन क्र—

(1) मैं० एतः बी० सेल्स (प्रा०) लि० विल्डर्स एन्ड प्रोमोटर्स यु०-बं: 1, श्रन्सल भवन, 16, हस्तूरवा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

श्रन्तरक)

(2) श्री राकेश श्ररोड़।
पुत्न श्री बी० एस० श्ररोड़ा,
सां/भ्रो कोमेट डैंन्कटरोनिक इन्डस्ट्रीज, ए-18,
जो० टी० करनास रोड,
इन्डस्ट्रियल एरिया, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह युज्या जारी करके पूर्वेक्ट अञ्जीता के अर्थन के तिए कार्यगाहियां कडता हुई।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 फिल की मुक्ति या तत्सुध्यभ्यी व्यक्तियों प्र स्वना की तामील से 30 दिन की जबिंध, को भी नबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंबारा;
- (क) इन्ह सूचना के हाज्यन में मुकाबन की ताड़ीक के 45 दिन के भीतर क्ष्मत स्थानड सम्पत्ति में हित्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उन्त वृद्धिन्यम्, के बच्चाय 20-क में पृष्टिभाषित हैं, वृद्धी वर्ष होता हो। उस बच्चाय के दिवा नवा है।

#### समस्यो

इन्डस्ट्रियल स्पेस नं० एफ़० एफ़०-17, पहली मिजल प्रोपोजिड बिल्डिंग, 'सिन्डीकेट हाऊस' प्लाट न० 3, श्रोल्ड रोहत र रोड, दिल्ली, तादादी-320 वर्ग फ़िट।

> के० वामुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 18~10-85

प्ररूप बार्ड. डी. एन. एस. - - - --

नायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत बरकात

# कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, विल्ली

नई दिल्लीं, तारीख 18 ग्रक्तूबर, 1985

ानर्देण सं०्ऋाई० ए० सीं०/एक्यु०/2/37ईई/3-85/620---

श्रत मुझे के० वासूदेवन

नायकर में धिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'डक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और तिसकीं संख्या फलैंट नं० 307. ई तथा जो 3, ओल्ड रोहतड़ रोड, दिल्लीं में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारीं के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्लीं, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हे, यह विश्वास करने का कारण है कि प्रभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफास से, एसे इष्यमान प्रतिफास के पन्नह प्रतिषात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती । अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नोलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नोलिसित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) नतरण से हुई किसी नाम की नामप्त, उक्त निभिन्तिम के ब्यीन कर दोने के नंतरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुनिभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्योजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय. भा या किया भाना भाहिए भा, कियाने में साविधा के लिए;

अतः अभं, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में अक्त अभिनियम की धारा 269-**व की** उपभारा (९) कें अभीयः निम्नलि**वित अभिनयों, अभित**्र— (1) मैं० ए५० बीं० सेल्स (प्रा०) लि०, बिर्लीर्स एन्ड प्रोमोध्यर्स, यू० बीं०-1, श्रान्थल भवन, 16, कस्तूरवा गांधी मार्ग, नई दिल्ली

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रीमतीं रानीं महलोवा और मास्टर श्रतून महलोवा, मीं/ओ 320, कम्पीटेन्ट हाऊस, ्नाट प्लेस, नई दिल्लीं

(श्रन्तारता)

को यह सूचना जारो करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति ह अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के रावपन में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की जबिंध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत प्रकार से में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हित इंदिश किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरू अधार के पास निवित में किए जा सकींग।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया है।

# **नम्स्**ची

्रनीस्ट्रियत भनेट नं० 307. प्रोपो निष्ठ विल्झिंग, 'सिन्डींर केट हाऊप, प्लाट नं० 3, ऑल्ड रोहन रोड, दिल्ली, तादादीं-335 वर्ग फिट

> के० वासूबेयन सक्षम अधिकारीं सहायण प्रायक्षर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2ं, दिल्लीं, नई दिल्लीं-110002

नारीणः : 18-1**0-8**5

मोहर :

25-356GI/85

प्ररूप आहार.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्लीं, दिनानः 18 ग्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सीं०/एक्यू०/2/3 हईई/3→ º 5/621—-श्रतः मुझे के० चासूदेषन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पहलात् 'उदल अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सी० एफ० एफ०-4 ई तथा जो पीं० टीं० करनाल रोड, श्राजादपुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधवारी के कार्यालय, श्रजन रेंअ-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिध-नियम 1961 के श्रिधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्विविश सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिप्तल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उण्जित वाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिपत्त से, एमें दृश्यमान प्रतिपत्त का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविवा रूप में किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और∕या
- (क) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तियों को, जिन्हीं भारतीय जागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत: अद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---  मैं० बींक्य मार्केटिंग सीं-12, फ्रेंडन कालोनीं, नई दिल्लीं

(भन्तरकः)

(2) मैं ० पतवनत सिंह एन्ड सन्स (एच० यू० एफ०) 35/71, पंजाबी बाग, नई दिल्ली

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोबत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पलैट नं सीं एफ एफ स्क 4, दिलखुण इन्डस्ट्रियल इस्टेट, जी दी अस्ताल, रोड, आजादपुर, दिल्ली, नादादी-885 वर्ग फिट

> के० वास्**देवन** सक्षम प्राधिवारी सहावश श्राय*ार* ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

गारीख : 18 -10–85 **मोह**र খ प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निराक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 18 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्यू०/2/37ईई/3-85/622- अतः मृक्ष के० वास्त्वेशन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/~ रु. से अधिक हुँ

स्रोर जिसकी सख्या फ्लंट न ० 103, ए-6 श्रौर ए-6, है तथा जो कम्यनिटी येन्टर, रमजित नगर, नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाधक अनुसूची में पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय स्रजन रेज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाज़ार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गर्द और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाबार इस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुई किती बाय की वावत, उक्त ब्रिप्तियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के दायित्य में कमी करने या उत्तरे अचने में सुविधा के सिए; और/धा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी बन या जन्य असितयों की, बिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थातु:— (1) मैं० विश्वा प्रोपरिष्ठ (प्रा०) लिं०, चौथी मिजिल, मटीला हाऊस, 73-74 नेहरू पलेस, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आशा जनगरा ग्रीर जै० मी० जिनारा (एच० यू०एफ०) आर-523, न्यू राजेन्द्रा मगर, नई दल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ट---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

#### अनुसूची

प्लैट न० 103, मल्टी-सटोरी बिल्डिंग, ए-5 ग्रौर ए-6, कम्यमिटी मेल्टर, रमाजत नगर, भई ।दल्ली, तादादी-497 वर्ग फिट

> के० वासुवेवन सक्षम प्राधकारी सहायक आयकर आयक्त (ानरीक्षण) अर्जन रेंज-2, ादल्ली नई ादल्ली-110002

तारीख: 18-10-85

प्ररूप आईं टी. एनं . एस . ------

जायकर जभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के अभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यांक्य, सञ्चवक सायकार सायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, नद्दी दिल्ली

म**ई** दिल्ली, विनांक 18 अक्तूबर, 1985

निवैश स० आई० ए० सी०/एस्यू०/2/37ईई/3-85/623 ---अतः मुझे के० वासुदेवन

वाककर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे प्रस्कें इसकें वश्यात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सकाय प्रधिकारी को यह विवशास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, वितका जीवत बाचार जूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सख्गा फ्लैट न० जी०-30 है तथा जो 2, श्रोड़ रोहतक, रोड, शाहजादा बाग, दिल्ली में स्थित है (श्रींग इससे उपाधक अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मार्च 1985

स्ते पृवाँक्त सम्पत्ति के उचितं बाजार मृत के कम के स्ववान इतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विष्कास करन कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार यन्य इसके स्वयान प्रतिफल सं, एसे स्वयान प्रतिफल का पन्द्रह् इतिस्ति से विभक्त है बीर अन्तरक (बंतरकों) और वंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एंडे अन्तरक के लिए तक पावा मवा पितफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप में क्रिक्त नहीं िक्या नया है :----

- 'ह) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बाधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कवी करने या उत्तर प्रचने में सुविद्या के सिए; बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का दा किया बाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के जिए।

कतः अव, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग है अनुसरण कै, कै, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधील. निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  मैं० एलाईड कन्स्ट्रक्शम कम्पनी, 5/92, धपाली, नेहरू पलेस, नई दिल्ली

(अन्सरक)

(2) श्री के० एस० सरीन ग्रीर श्रीमती पुष्पा सता, निवासी 347, लाजपत नगर, जालन्धर सिटी, पंजाब

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता 🜓

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राथपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अमिष या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्नेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कृत्य व्यक्ति इवास अधोहस्ताकारी के पास निकास में किए था सकींगे।

## अनुसूची

इन्डस्ट्रियल बैलेट न० जी-30, तादावी 278 वर्ग फट, एलाईड हाऊस, 2, श्रोल्ड रोहतकरोड, वपरीत शाहजादा बाग, दिल्ली

के० वासुवेबन सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 18-10-85

## प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

# बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्लीं, तारींख 18 ग्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० सीं०/ क्यु०/3/37ईई/3-25/624 ---म्रत मुझे के० वासूदेवन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उच्चित गाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रु. स आधक ह और जिसकीं सख्या 167, डीं० डीं० ए०, है तथा जो फ्लैट एम० ग्राई० जीं० राजौरीं गार्डन, नई दिल्लीं में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचीं में पूर्ण रूप से वर्णित है), और रजिस्ट्रीं-कर्ता ग्रधिशारीं के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्लीं, भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961" के ग्रधींन तारींख मार्च 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रति-फल निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिन्यम के अधीन कर दोने के बंतुरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा क जिए, और/ थः
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय अध्यक्षा अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अर्तेग्ली द्वारा पाट सहा किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा की जिए:

बत:, अब, उन्त बंधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण बों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन,, निम्निजिसित स्युक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीं च० ल० गुस्ता 2ए, ए० जीं० सीं० ग्रार०, इक्नलेच, ग्राई० पीं० एक्सटेंशन, दिल्लीं

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विना घुमर, 16, एल० ग्राई० जीं०, मायापुरीं, दिल्लीं गार्डन, नई दिल्लीं

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके वृत्रोंबत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी क पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो उक्त जिथिनियम के जध्यार 20-क में परिभाषित है, वहीं जर्थ होगा, की उस अध्याय में दिया गया हैं।

## बन्स्ची

167ए, डीं० डीं० ए० फ्लैट (एम० आइ० सा०) राजौरीं गार्डन, नई दिल्लीं, तादादीं-950 वर्ग फिट

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारीं सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्लीं, नई दिल्लीं-110002

तारींख 18-10-85 मोहर प्ररूप आहु .टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्लीं गई दिल्लीं, दिनांकः 18 श्रक्तूबर 1985

निर्देण सं० ग्राई० ए० भीं०/एक्यू०/2/37ईई/3-35/625---

श्रतः मुझे कें वासुयेवन

सायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पहलात 'उदत सिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सख्या बीं जीं एफ - 5, श्रन्सल स है तथा जो दिलखुण इन्डस्ट्रियल इस्टेट, जीं ठटीं वारताल लोड, दिल्लीं में स्थित हैं (और इसमे उपाद्में अनुसूचीं में पूर्ण रूप से चिंगत हैं), रजिस्ट्रीं श्रीयात्रीं के शायीलय श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्लीं, भारतीय श्रायकरिधनियम 1961 के श्र्यीत तारींख मार्च 1985

को पूर्वाक्स संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एोसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशय से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अत्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निग्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथिए नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने मे सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ि छिपाने में स्थिधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निस्थित अधिकायों, अधित् :--

(1) श्रीं एम० एन० क्षूपर, श्रीं श्रीं एम० पीं० ओबराय, निघासी-24, फैंज रोड, क्रोल बाग, नई दिल्लीं

(भ्रन्तरक)

(2) मै० ग्रनुतक इलैक्टरोनिक,
37--डीं० एम० ग्राई० डीं० सीं०, न्यू वजिर पुर
इन्टस्ट्रियल काम्पलेक्स,
दिल्लीं

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्तुची

बीं० जीं० एफ० 5, ग्रन्सल 'स, दिलखुण इन्डस्ट्रियल इस्टेट, जीं० टीं० करनाल रोड़ दिल्ली, तादादी-868, वर्ग फिट

> के० धासुदेवन सक्षम ग्रिधकारीं सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्लीं, नई विल्लीं-110002

तारीख : 18--10--85 मोहर : प्रकल जाही : दी : एन : एवं : -----

# नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धाड़ा 269-म (1) के नधीन स्थना

#### नारत चरेकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/3-8/626--श्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मुख्य 1.00,000/- रुठ. सं अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं 118, है तथा जो पहली मंजिल, प्लाट नं 3, ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रींकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अर्थींन तारींख मार्च 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूम्से यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित न्हीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाग कर्ष बाबत, जन्म अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के वायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के किए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिल्हें भारतीय आय-कर आधानयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया धर का जिल्हा राजा भारति था. किया ये सित्रया के नित्रया

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण है उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सै० एम० बीं० मेल्म 'स (प्रा०) लि०,
 यू० बी०-1, श्रन्सल भवन,
 16, कस्तूरवा गांधी मार्ग,
 नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कृशुम सुराना
पत्नी श्री चन्द्रा सिह सरना,
2, नार्थ एवेन्यू,
ग्राई० श्राई० टीं०, कैम्पस होज खास,
नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

की वह तुषका पारी करके पृषोकत स्पाप्त के अवन के जिए कार्यजाहियां करता हूं।

बन्त सम्मत्ति के नर्बन के सम्बन्ध में की। भी जाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धां व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित्बस्थ किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए या सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अम्स्ची

इन्डस्ट्रियल फ्लैंट न'० 118, पहली मंजिल, प्लाट नं० 3, ओल्ड रोहनक रोष्ड. दिल्ली, नादादी-320 वर्ग फिट ।

> के० वासूदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक्ष ग्रायवण ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज-2, दिल्ली, क्षष्टी दिल्ली-110002

तारींख \* 18-10-85 . मोहर \*

# प्रकृप कार्र्ः, टी. एत्. एव ,-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन सुचना

#### नारत तरकार

कार्यालय, सहायक शायकर धार्यक्त (विरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्लीं, दिनांक 18 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सीं०/एक्यू०/  $2_l$  37ईई/ 3-85/627-- श्रतः मुसे, के० वासुदेशन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या पर्लंट नं० 202, ए-37-38-39 है तथा जो कम्युनिटी सेन्टर, डा० मुकर्जी नगर, दिल्ली में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध प्रनुमूची में पूर्ण रूप से घणित है), रजिट्री-कर्ता अधिकारी के जार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान विश्वक लें, एके स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकात में बाधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तम पाया गया प्रतिकात निम्निलिखत उद्देश्य से उच्य अंतरण जिल्लिखत में बास्तिक का कारण में कथित नहीं किया यहा है :—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बावस, उक्त जीवनियम के बचीन कर दोने के बंतरक क वाजित्व में कमी करने या उससे बचने में सूनिया के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अब या किसी अन या क्य आस्तियों न नो, जिन्हें भारतीय सायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जन-कार कि तियम, 1957 (1957 का २७) स प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चौहिए चा. कियाने में सविधा के एक्ट;

अस: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) हो अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभिन्न:— श्री कस्त्रलाजित सिंह बाग्गा,
 रंड, केंद्र बोर्म रोड,
 वेहराद्वत ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विनय कुमार श्रग्रजाल,
मास्टर राजीन श्रग्रजाल
यु/जी श्री विनय कुमार श्रग्रजाल,
कुमारी सामग्री अग्रजाल
(यू/जी श्री विनय श्रग्रजाल)
कुमारी स्तुती श्रग्रजाल,
(यु/जी श्री योगीराज श्रग्रजाल)
मास्टर राघव श्रग्रजाल (यु/जी श्री योगीराज श्रग्रजाल),
श्रग्रजाल), 7/18, रूप नगर,
विल्ली

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना आपी करके पूर्वोक्ट सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मदित के अजंग के सम्बन्ध में कोई भी बालेप :---

- (क) इस स्पना के राष्पण में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की भ्विध, को भी बादि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीवक व्यक्तियों भें किसी व्यक्ति ब्यक्तियां हो
- (क) इस सखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींव से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्नारा, जभोहस्ताक्षरी के पास निष्य में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरण:----इसमें प्रयुक्त फून्यों बार्यपर्यों का, वा उक्त इपिनियम, के जध्याय 20-क में परिभावित हुँ, अहरी मर्ग मोगा वो उस जध्याय में विका नका हो।

## अनुसूची

पत्रैट नं० 202, दूसरी मंत्रिल, तादादी 566, वर्ग फिट, ए-37-38-39, डा० मुझर्जी नगर, दिल्ली, कम्युनिटीं सेन्टर ।

के० पासुदेवन सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रोंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख ' 18 ·10 - 1985

# प्रस्थ वार्वे, दी. एन . एस्. -----

# भाषक ४ मीपिन्सम, 1961 (1961 का 43) की भाख भारा 269-म (1) के सभीन सुखना

## भाइत स्रकाड

कार्यास्य, तहासक वायकार बायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंजि-2, नई दिल्ली:

नई दिल्ला, दिनांक 16 ग्रक्तूबर, 1985

निर्देश म० श्राई० ए० मंः/एक्युः/2/एस० ग्रार०-1/3-85/847----श्रतः मुझे के० वासुदेवन

नायकर निधित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निधित्तियम' कहा गया है), की भारा 269-स के निधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से निधिक है

श्रीर जिलका मध्या हाऊन न० 496ए, श्रोल्ड है तथा जो यु० न० 917, कुचा अला श्रकार, चांदना चांक, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इत्तर्भ उपायद श्रनुभूष: में पूर्ण क्य से वणित है), रिजस्ट्राति श्रधातरी के कार्यालय नई दिल्ली में भारत य रिजस्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 रा 16) के श्रधान तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई हैं और मुक्ते यह निश्वास करने करने का कारण हैं कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उन्नके क्यमान प्रतिफल से, एते क्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिचित्त से विधक हैं और अंतरक (अंतरकों) और बंत-रती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण के लिए सय बाया गया मृतिफ स निम्मिनियित उन्नक्षेत्र से उक्त क्तरण मिष्टित में बास्यीयक रूप से कथित नहीं विभा गया है रू-

- (क) संसरम् धं हुई किथी बाद की नावह, स्वत समितिन्त् में समीत् कर दोने के संस्कृत के सामित्व के कानी करने या उसके नुमने के सुविधा के सिहर; और रोग
- (क) एसी किनी जाय वा किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर क्षितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिल्लामा, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया भवा या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में कृषिभा में लिए;

यतः सम, उत्तत लिधिनियम की धारा 269-म की जन्तरण जो, मी, उत्तत लिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात ६—— 26—356GI/85 ्1) श्राः देवाचरन दास सेहु पुग्न श्राः रामः चरददास सेठ, निवासो कटरा नील गली, ाष्णा, चादनाः चौण, दिल्ला

(भ्रन्तरक)

(2) श्रं। ध्याम लाल पुत्न श्रा गनेश दास, निवासी 7/4, श्रशोक नंगर, नई दिल्लो

(भ्रन्तरिती)

को वह त्यना पारी करके प्योंक्त सम्मत्ति के सर्वत से तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपका सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोर्द भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वता को राजयन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बचिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबएथ किसी अन्य स्थानर द्वारा, जथोहस्ताक्षरी के वास विवित्त में किसे वा सकोंगे।

स्पंग्टीकरण: ----इसमें प्रयोक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्यान 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्या है, हैं

# वर्ष्यी

ए ह महान तोन मिलिला पुछता दरोबस्त बमय महत श्राराजी लगभग 85 वर्ग गज, बमय कनेक्शन नल बिहाली श्रीठ भुतपूर्व न० 396ए, वर्तमान न० 917, जो गली तलैया कटरा नील, कुचा काबिल श्रष्टार, वॉदनी चौक, दिल्ली

के० वासुदेवन सक्षम प्राधि*दारी* 

सहायक श्रायंकर श्रायंक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

**तारीख:** 16-10-85

प्रस्य ग्राह'. टी. एन. एम.

बायकर बधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत मरकार

कार्यात्यः सहायक नायकार नाय्वत (निर्देशन)

ग्रर्जन रेंज:-2, नई दिल्ला

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्तूबर, 1985

निर्देश स० ग्राई० ए० सं3/एक्यु<math>9/2/एस० ग्रार9/3-85/848--ग्रतः मुझे के.० बासुदेवन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा एषा हैं), की भाष 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीरिकिः सख्या प्लाट न० 5, यारा न० 490/68, है स्था जो 40/78 श्रीर 401/17, मान ं इन लेव ग्राम धारपुर दिल्ला में स्थित है (श्रीर इस्से उपाबद अनुस्चा में पूर्ण रूप से विणा है), रिस्ट्रिशत श्रीधारा थे स्थित्य नई दिल्ला में भाताय रिस्ट्रिशरण श्रीधनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधान तार खमार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास फरनं का कारण है कि यथाप्वोक्त मपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एं में दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह कितात से अधिक है और यह कि असरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्नुत नहीं किया गया है कु

- (क) बन्तरक से हुई किशी बाय की बाबद, उक्त बीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ग) एसी किसी आय मा किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-जर अधिनियम, १०१९ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंजनार्थ अन्तिरको देवारा प्रवट नहीं किया गया धर हा विद्या जाना चाहिए था निज्याने में इतिका के लिए;

बत: अब, उक्त कीधीनवम की धारा 269-म के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के राजीन, निम्नीलियन क्यक्तियों, अर्थात ----

(1) श्रा नान २ चन्द पुत्र श्रा दिवान चन्द, नित्रास: एफ 252, न्यु राजेन्द्र नगर, नई दिल्ले

(ग्रन्तरक)

(2) श्रांसतः नोरिन एम० मार्शीश परनः श्राः प्रााश चन्द मलिङ, 229, कलयान विहार; दिल्ला

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूंचारा;
- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशः गवा है .8

#### अनुसूची

प्लाट न० 5, तादादो, 301 वर्ग मिटर, नानक इनक्लेव ग्राम धोरपुर, दिल्ला, खसरा न० 490/68 400/70 ग्रीर 401/71, लाटा न० 10/37 हडबब्द न० 19 ।

> के० वासुदेवन सदाम प्राधिार्रः प्रहाय रु स्राय :र स्रायकः: (तिर क्षण) स्रर्जन रेंज-2, दिल्ला:, नई हिल्ला:-110002

तारीख: 16-10-85

SHALL SHOW THE SHOW T

# प्रकृप नाइं.टी.एन. खस . -----

# बामकर मिपिनयम, 1961 (1961 के 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकार आयुक्त (निरोक्षण)

भ्रजीन हैं ज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ला, दिनांक 16 श्रक्तूबर, 1985

निर्देश स० आई० ए० नं:०/एक्यु०/2/एस० आर०-1/3-45/849--आ: मुझे के० वासुदेवन
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पर्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण हैं कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य

ग्रीर िशक। स० ग्री० न० 3601 से 3603, है तथा जो जावड़ा बागार, दिल्ला-6 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुश्रुवा में पूर्ण का से विल्ला: है), एक्सिट्र तो ग्रीधिश्रार के शर्यालय नई दिल्ला में भारताय रिषस्ट्र करण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 सा 16) के श्रधान सार्र खामार्च 1985

1,00,000/- रत. से **अधिक है** 

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्घर से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय मा किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति ति व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के सिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) हे अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

श्रा श्रांतिल मात जैन
 श्रा रिव भुमार जैन पुन्न
 श्रा मेहताला राय जैन,
 1223, मन्दिर भवन चलिस्त,
 दिल्ला

(भ्रन्तरक)

(2) सन्दार राम सिहं कोहर्ल। श्रीर सरदानी हरनाम कौर दूस्ट, 11, श्रग्रात शोगिल मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरितंः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरि के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

#### अनुसूची

बनी हुई प्रौ० न० 3601 से 3603, चावड़ी बाजार, दिल्ला-6, क्षादादा-175 वर्ग गज

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक (निरक्षण) श्रजेन रेंज-2, दिल्लो, नई दिल्ला-110002

तारीख: 16-10-85

प्रकस नार्'् टी प्रमान एका उत्तर

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(व) (1) के अभीन सुवना

#### भारत सरकार

काशीलय, सहायक भागकर आगुक्त (निरीकण) श्रार्जन रेंज-2, नई दिल्लं:

. नई दिल्ली, दिनांक 16 भ्रक्तूबर, 1985

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्य०/2/ एस० आर० 1/3-85/850---अतः भुक्षे के० वासुदेवन

आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थायर रुम्पत्त, जिसका अचित बाजार मृत्य, 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या श्री० न० क्यु०/63 (वो) है तथा जो राजौरी गार्डन, एरिया बसई दारापुर, दिल्ली-4 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधिकारों के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पश्चि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रशिक्षण के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बथान्वोंक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्षण से, एसे दृश्यमान प्रतिक्षण का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिकृत, निकाणिवृत्त उद्दृष्टेश्य से उन्त अन्तरण सिक्ति में शस्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :——

- [का) ब्लाइक सं हुई किया बाय को बायता, अवस्य विधिनसभ् के स्वीत कर दोने के शत्स्वक औ समित्य के समी करने या स्वासे बचने के सृद्धिमा के [ब्यु: और/बा
- (क) इंसे किसी जान वा किसी थन वा जन्म जास्तवों को किन्हें भारतीय जायकर जिमिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिमिनियम, वा धन-अर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) जै प्रशंभनार्थ करारिती ्ववारा प्रकट नहीं किया जया या या किया जाना जाहिए था, किया में सुविधा के लिए ए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् कर्-

(1) लेफ्टिंग ्रानंल बोर्ग केन कोलि पुत्र श्रां देश राज कोहलें।, क्युं/63, राजौरीं गार्डन नई दिल्लें।

(मन्सरक)

(2) श्रांमती सुनीता हरनाल पत्नी श्री जे० एम० हरनाल, निवासी मीन्9, टैगोर गार्डन, नई दिल्ली

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी रूपके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्बनाहियां शुरू करता हुं।

## उक्त तम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्ति विष्यक्ति व्यक्ति विषयिति विषयिति
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकते।

ल्युष्डीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्दिम के बच्चाय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।।:

## नन्स्थी

प्रौ० न० क्यु०/63, (वी) तादादी 83-73 वर्ग गज, कालोनी, राजौरी गार्डन, एरिया ग्राम बसई दारापुर, हिल्ली, स्टेट हिल्ली

के० वासुवेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीखाः 16 10-85

# प्रकृष् आर्थः, टो<u>. एन्. एब</u>्र,------

नातकर अभिनियस, 1,961 (1961 का 43) की भाष्ठ 269-भ(1) के अभीत सुम्ला

# कार्यातय, सहायक जायकर नायुक्त (निर्देशका) ग्रजीन रेंज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 16 श्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० एक्यू०/2/एस० श्रार०-1/ 3-85/851--श्रनः मुझे के० वासुदेवन

भागकर गिथिनमा, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उकत अधिनिजम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राविकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बन्जार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीरं जिसकी संख्या प्लाट नं सी ा 139, है तथा जो कीर्ती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोक्ती अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मुक्य से कम के द्रायमान श्रीक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वाल करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल सं, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिक्षत से अधिक है आर बंदाइक (अंबरकों) और अंतरिती (अंतरितवाँ) के बीच एसे अंतर्ण के जिए तब पाया गया प्रतिफल निम्निजिख उद्देश्य से उक्त कन्तरण निवित में बास्तविक हम से कथित महीं किया बया है :--

- (क) नन्तरण वे हुइ निकार अस्य की शावकः, जनस विभिन्नकः वे विभीतः कट वेथे के अन्यपुरकः को कावित्य में कवी कहते या बक्के ब्युक्त में बृहिन्या के विकास विकेश करें
- (क) एसी किसी अन्य या फिसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या स्वस्त नीधिनियम, वा धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिकी इनास प्रकर नहीं किया क्या था या किया काना चारिकों था, किया में सुर्देक्श की हैन्द्र;

करः अंक, उक्त जीभिनियम की भारा 269-म के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-क की उपभारा (1) के अभीग, निज्निति<del>यक व्यक्तिकों, क्यक्ति</del>।

- (1) श्रीमती प्रीतम कौर पन्नीस्व० श्री राजेंन्द्र द्वारा घटारनी, श्री भ्रजित सिंह मदान, निवासी सी-139, कीती नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्री हरीण कुमार साधना पुत्र श्री मदन गोपाल साधना, निवासी 29/101, वेस्ट पटेंल नगर. नई दिल्ली

(अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वीयक्ष सम्पत्ति के वर्षन के सिध् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## जबस्य संपरित को अर्थन को संबंध में कांग्रें भी बाक्षेप 🚈

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भी पर पूर्वीक्त काक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाय, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्वकाकरण: - इसमी अयाकर शब्दों और पदी का, जो उसत किंध-नियम के जभ्याय 20 के मी परिभाषित ही बही वर्ष होंगा, जो उस कुभ्याम में विया गया है।

## अनृसूची

हाऊस एस० एस०, प्लाट नं० सी० 139, तावादी 300 वर्ग गज, कीर्ती नगर, एरिया ग्राम बसई दारापुर, दिल्ली स्टेट, दिस्ली

के० वासुवेवन सक्षम प्राधिकारी स**हायक भायकर भ्रा**युक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज-2, दिल्ली, न**ई** दिल्ली-110002

तारीख: 16-10-85

# प्रकृत कहाँ थी का का अस .-----

नाथकार निपतिनाथ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुख्या

#### भारत सरकार

# कार्यसम, अहायक वामकर मानुक्त (विरोधान)

म्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० आई०ए० सी०/एक्यू०-2/एस० आर- 1/3-85-852-अतः मुझे के० वासुदेवन

अपनकर निर्मान, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमास् 'उक्ता अधिनियम' कहा गया हों), की भारा 269-ध को अधीन तक्षान प्राधिकारी को वह विक्यास करने का अगरण ही कि स्थापर संपरित जिसका समिक बाजार मुख्य

1,00,000/- ऊ - से अपिक ही

सौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 1म0-ए, ब्लाक जे० है तथा जो राजौरी गार्डन, ए रिया बतर्झ दारापुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उनाबद्ध अनुसूवो में पूर्ण रूप से विज्ञत है रिजस्ट्रीकर्ता श्रिवकारों के कार्यालय नई दिल्लो में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्विका सम्पत्ति के जीपत बाबार मून्य से कम के स्वयान प्रतिकास के लिए बन्तरित की नई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूक्य, उसके रूपमान प्रतिकास सं, एरेरो स्वयमान प्रतिकास के पंछा प्रतिकास से अधिक हैं और अंतरक (बंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बाँच एस अंतरण के लिए तय पाया मुवा प्रतिकास, निम्नितिकात उस्वोका से उक्क अंतरण किस्ति में वास्कृतिक कम से स्विका नहीं किस्ता कम हैं है—

- (क) अभ्यापन के हुई किसी जान की नास्ता, अन्ता अधिनियम के जबीन कर बने के संसादक के अधिन्दा में कनी भएने या उससे बचने में सुविधा के किस; कोंद्र/मा
- (क) श्वी किशी बाय या किसी धन वा कत्य आस्ति की, की, जिन्हों भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उसत अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया भा वा किया जाना चाहिय का, कियाने में सुविवा के सिक्ट:

कतः जब, उच्छा विभिनियम नहीं भरूस 269-ए के कन्द्रक्ष्ण वा, जो, सभत अधिकियम की करा 269-ए की सप्धारा (1), को अधीन, निम्नोनियीत व्यक्तिकों, अभित् :----

- (1) श्री (1) गुरंचरन सिंह
  - (2) श्री हरचरन सिंह
  - (3) गुरढीप सिंह, पुत्र श्री ठाकर सिंह, निवासी जे/150-ए, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एम॰ प्रीत सिंह पत्नी डा॰ प्रीत सिंह चावला, निवासी एक 25 राजौरी गार्डन, नई दिल्ली

(भ्रन्तरितो)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थीम के लिए कार्यवाद्विमां करता हुं।

अक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविश या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविभ, को भी जविभ बाद में समाप्त होती हा, के भी के र पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर अकत स्थावर एंपील में हितवव्य किसी अन्य न्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास किसिस में तिए जा सकोंगे।

स्पच्चीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, को स्वया अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषध है, नहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में विवा मना है।

## मन्त्रको

एस० एस० हाऊस, प्लाट नं० 150ए, ब्लाक जे० तादावी 300 वर्ग गज, राजौरी गार्डन, एरिया ग्राम बमईदारा-पुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली

> के० वासुवेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्तर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

**सारीख: 16-10-85** 

मोद्दर 🖫

# प्रकार वाही हो। एन पुरुष : -------

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

## सार्व बर्काइ

# कार्याजय, यहायक आवकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 16 श्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० गो०/एक्यू०/2/एम० ग्रार०/- 1/- 3-85/854--- प्रतः मुझे के० वासुदेवन बाक्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) चित्र इक्कें इसकें पक्षातः 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार भूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोरिजिसकी संख्या सो-31 , है तथा जो मंजिल तपार्क, दिल्ली में स्थित हैं (स्रोर इतसे उपाबद्ध अनुपूर्वा में पूर्ण का से विजित है), रिजस्ट्रीक्त स्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्लो में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वाक्त सम्यक्ति के उचित्र बाजार मूल्य से काम के द्रायमान श्रीतकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विववाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यक्ति का उचित बादर मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्तद प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अक्षरण लिसित में अस्तर्भ कर क्य से कारण निम्नलिसित नहीं किया नवा है :---

- (क) सन्तरण सं हुई किसी बाय की वाबस उक्त गांधांत्रण के अधीन कर दोने के अंतरक के दासित्य के कभी करने या उसने बचने के सुनिधा में बिध; सूर/वा
- (च) एंनी किसी बाय या किसी धन या अन्य व्यक्तियाँ कती, जिन्हों भारतीय अयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ऑधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाम जीतियों क्वारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किया सुनिया के लिए;

स्थः स्था, स्वतं स्थिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरक मों, मो, उक्त अधिनियमं की धारा 269-श की उपधारा (1) ले अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधित :-- (1) श्रोमतो शकुन्तला देवा पत्नी श्री रिशो प्रकाश गुप्ता, ग्राम और पास्ट श्राफित गुल्ला, दिल्ली

<u>andre production of the control of </u>

(श्रनरह)

(2) श्रीमती विना दाहल पत्नी श्री रूप कमाल दाहल, निवासी-4/1 ए, विजय नगर, दिल्ली

(मन्तरितो)

को यह सूचना जारो करके पूर्णकर सम्मात्त के अर्थन के निम् कार्ववाहियां करता हुएं।

उन्त संपरित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🕬

- (क) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पण् स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औं अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकोंगे।

स्वक्षित्याः — इसर्जे प्रयुक्त बन्धों और पश्चों का, जो उत्रत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

## ध्य**्राम् अ**ह

प्रो० नं० सी-31 , मजिलिश पार्क, तादाद्रो-111 वर्ग गज, एरिया ग्राम भड़ोन:, खारा नं० 262/258/217/4, दिल्ली

> कें बासुदेवन पंजम श्रविकारी सहायक श्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्लो-110002

तारीख: 16-10-85

# प्रकप बाह् टी.एन.एस.-----

भारत २६९- ए (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनाँक 16 ग्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्यू०/2/एस० आर-1/1-3-85/855--अतः मुझे के० वासुदेवन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीर सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 2 , ब्लाक 21, है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचो में पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री कर्ता श्रिविकारों के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रोकरण श्रिविनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिवीन तारीख मार्च 1985

का पूर्तों क्त सम्पत्तिः के उभित बाजार मूल्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल के पम्बद्ध प्रतिवात से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्यो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्मिलिसित व्यक्तिसों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती पुष्पा कपूर पुत्र श्री पूरन चन्द मेहरा पत्नी श्री मन मोहन कपूर, निवासी 21/26, शक्ति नगर, विल्ली

(घन्तरक)

(2) श्री सुरेण कुमार गुप्ता पुत्र स्व०श्री पोह्रकर मल गुप्ता निवासी-13-13, शक्ति नगर, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उन्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी व्यक्ति दवारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शक्तें और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वमुस्ची

प्लाटनं० 26, तादाद्री 1493.24 वर्ग फिट, ब्लाक 21, कालोनी शक्ति नगर, रोशनारा एक्सटेंशन, स्कीम सब्जी मन्डी, दिल्लो

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायकन (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीख: 16-10-85

## प्रकप आई.टी.एन.एन.----

न्यकर विधानियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के जधीन मुखना

#### भारत तरकार

कार्यालय, तहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रार्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1985

निर्वेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-श्रार--1/3-85/856—श्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

कायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 26, ब्लाक 21 है तथा जो णिक्त नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रमुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च-85

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उण्यत बाजार मून्य से कम के करवान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रसिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देवश्य से उक्त अन्तरण किश्वा मा है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की, बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को वायित्य में कमी करने वा उससे वचमे में तृषिधा के बिए; और/वा
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अस, जनत अविनिधम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनिधम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्निसियत व्यक्तिमों, अवस्ति है—— 27---356GI/85 (1) श्रीमती पुष्पा कपूर पृत्री, श्री पुरन चन्द मेहरा, पत्नी श्री मन मोहन कपूर नियासी-21/26, शक्ति नगर, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र प्रकाश श्रगरवाल पुत्र स्व० पोन्कर मल गुप्ता, निवामी--बी-- 3/59--सी, लारेंस रोड़, दिल्ली

(म्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करको पूर्वेक्ति सम्पत्ति को अर्जन की लिए कार्थवाहियां शुरू करता हो।

## जनत सम्मित के अर्चन के सम्बन्ध में काई भी आवाप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मंत्रंभी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इससूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर संपत्ति में हिएबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिसित में किए चा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का, वा उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक्क अध्याय में विकास वर्षा हैं :

## अनुसूची

प्लाट नं० 26, तादादी-746.76 वर्ग फीट, ब्लाक नं० 21, कालोनी शक्ति नगर, रोशनारा एक्सटैंशन सकीम मब्जी मन्डी, दिल्ली।

> के० वासुदेवन मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली

तारीख: 16-10-1985

# प्रकल् नाही, दी. इन्. एस्.----

# वायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1985

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 262-क के अधीर सक्षम प्राधिकारों का, यह विश्वास करने कारण ह कि स्थावर मस्पित्र जिमका अधित वाजार मुल्ध 1,00,000/- रु. से अधित है

श्रीर जिसकी संख्या 4596/7 है तथा जो 11, विरिया गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विज्ञात है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सारीख मार्च 85

1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 85 को प्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि अथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, एसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का उन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत निम्नीचित्त उद्विष्य से उक्त अंतरण निचित में भारतिक रूप से कथित अहीं रिक्रण गया है ह

- (क) बन्तरक से हुए किसी आब की बाबत, सकत बाबिवयन के बनीन कर दोने के अन्दरक के बाबिरव में कनी करने या उन्हों व्यान में सुनिया ने लिए: और/भा
- (थ) ऐसी किसी बाम वा किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जामकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किस जाना चाहिये था, छिपान में सुजिभा के लिए;

कतः वन, अक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण के, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) क अधिन. निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत क्रिक्त

(1) श्री जगदीण प्रसाद श्रग्नवाल, पुत्र स्व० श्री महाबीर प्रसाद श्रग्नवाल, 4596/7, 11, दरिया गंज नई दिल्ली

(श्रन्तरकः)

(2) मैसर्ज अमीर होटल्स लि०,
4830/24, अन्सारी रोड़, दिश्या गंज,
नई दिल्ली,
द्वारा डायरेक्टर श्री बी० एन० पेशारी
(अन्सरिती)

कार्यहम् जना जारी करके पूर्वोक्तः संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डम्स सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप 🖫

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वा की तामील से 30 दिन को अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स स्थिनत्यों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाक्ष जिल्ला में किए का सकनें।

त्वक्डीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्दों का, को उक्त जिभीनमा के वध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं वर्ष होना, को उस बच्चाय में दिवस गया हैं।

#### वयसची

दूसरी मंजिल, प्रो० नं० 4596/7, 11, दिख्या गंज, नई दिल्ली।

के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायकः भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्राजैन रेंज-2, दिल्ली

तारीख: 16-10-1985]

प्ररूप बार्ड, टी., एन्, वस्तु -------

# भागकर मध्यिमम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन स्थान

#### भारत संस्कार

## कार्याजय, सहायक बावकर बावक्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-म्रार-1/ 3-85/859--- प्रतः मुझे, के० वासुदेवन, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- सं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हु कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या हाऊस नं० 18, ब्लाक ई है तथा जो, गुरू नानक रोड़, म्रादर्श नगर, दिल्ली, ग्राम भड़ौला, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्दीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के शर्धान तारीख मार्च-85

का प्रवाकः। सम्पत्ति के उचित बाजार मला से कम के दश्यमान प्रतिषक्त का दिलम् अन्त्री रह वर्षे गाउँ हैं। कार मारह पह दिक्तास 🕿 कारण 🥬 कि यभापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके क्रम्थमान प्रतिफल से, एसे द्रम्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिकास से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के कीच एसे अंतरण के सिए तब पाया गया प्रति-फल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कवित नहीं किया गया है ६---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शहिमाल में कमी कहाने या उन्नच नचने में सुविधा के किए; क्षीह्र/का
- (म) शेरी किसी साथ या किसी यन या बच्च बारिसमों को, जिन्हें भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा पंगकार वीधीयुगम, 1957 (1957 का 27) के प्रकामनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया पद्मा था किया जाना जातिह्य था, कियाने में बुविया के किए;

अतः अत्र , उक्त अधिनियत्र की धारा 269-ग के अनुसरण **बें, बें, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपनाय (1)** 🖷 प्राप्तितः, विज्ञानिकात्रं स्यांनिकातः। अर्थात् 🖫 💳

(1) श्री सुशील कुमार महलोना पुत श्री नाथु राम महलोता, निवासी-ई-18, गुरू नानक रोड़, भ्रादर्श नगर, दिल्ली ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री प्रीतम सिंह पुत्र श्री भावा सिंह ग्रौर, श्री सुरजीत सिंह पुन्न, श्री एस॰ प्रीतम सिंह, निवासी डी॰ 48, लार्ड कुष्णा रोड्, भादर्श नगर, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (का) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील गं30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पर्वास्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इ.स. स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की लारीख 🗸 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

लच्चीकरण:---इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, को उक्त सिथिनियम, के सभ्याय 20-क में परिभाविक हैं, बही नुर्व होगा जो उस मध्याप में धिया गुवर 🌓

## पनुसूची

हाऊस नं० 18, ब्लाक ई, तादादी-120 वर्ग गज, खसरा नं262/258/217/4, गुरू नानक रोड़, ब्रादर्श नगर, दिल्ली-33, ग्राम-भड़ौला, दिल्ली।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायकप्रयायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2, विस्ली

तारीख: 16-10-1985

## प्रकार वाहा . दर्श . एव . -----

क्षायकर विधितिक्स, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के विधीत सूचना

#### बारत सरकार

# कार्यासन, तहानक नानकाह नायुक्त (विद्राक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई-दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 16 प्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० जैसी०/एक्यू०/2/एस-म्रार-1/ 3-85/860-ए----ग्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

शायक र शिभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या 3/65 है तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुमूची में पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्राधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च-85

को पूर्वोक्त राम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथोंत् :—

(1) डब्लू-बी कमान्डर श्रशोक कुमार तलवार रिटायर्ड पुत्र स्व० श्री श्रमर नाथ तलवार, निवासी 12/11, डबल स्टोरी, रमेश नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री घमेन्द्र कुमार
 (2) श्री प्रदीप कुमार श्रौर,
 (3) श्री संजय कुमार
 पुत्र श्री राम गोपाल,
 लोकल पता 3/65, रुप नगर,
 दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृशेक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हुए ।

उक्त संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 बिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त त्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: --- इसमें प्रयंक्त शब्दों भार पदों का, ओ उन्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

पोर्शन मकान नं० 3/65, रुप नगर, दिल्ली म्यूनिसिपल नं० 11119, तादादी 193.79 वर्ग गज।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राधकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिरुली

तारीख: 16-10~1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई-दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 ग्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-ग्रार-1/3-85/860 बी०--ग्रत: मुझे, के० वासुदेवन, बाग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के। यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट नं 3/65 है तथा जो रूप नगर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूच्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, मिन्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हा में दास्त-विक रूप से का्यत महीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाम की नानत, उक्त निधिनियम के नधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व भी कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; स्रोह/वा
- (क) इसी किसी जाय या किसी धन का सन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोचनार्थ जन्तरिती ह्वारा प्रकट कहीं किया बदा था या किया वाजा चाहिए जा जियाने में स्थिया के निष्

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, शक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, जिल्लीलिखत व्यक्तियों, वर्षात् हु-- (1) श्रीमती सावित्री देवी पत्नी, स्व० श्री ग्रमर नाथ, निवासी-12/11, रमेश नगर, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री घमेन्द्र कुमार
  - (2) श्री प्रदीप कुमार
  - (3) श्री संजय कुमार, निवासी-3/65, रुष नगर, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त मम्पान्त के अर्जन को सम्बन्ध में काहि भी पाक्षीय 🎥

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति सुवारा,
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कें
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाद
  स्वाधत में किए जा सकाये।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

प्रोसन आफ प्रौब्प्लाट नंब 3/65, रुप नगर, दिल्ली, निसिपल कार्पोरेशन नंब 11119) तादादी-193.79 गज।

के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

ोख: 16-10-1985

प्ररूप बाहं. टी. एन. एस. -----

कायक र अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 ग्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-म्रार-1/ 3-85/860-सी---म्रत: मुझे, के० वासुदेवन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धीधनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 3/65 है तथा जो रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विज्त है), रजिन्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रंजिन्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीं मार्च-85

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पाया म्या प्रतिफल, निम्बलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक जो दायित्व को कमी करने या उत्तरे वचने को सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या उवत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना आहिए था स्थिपने में सुविधा के लिए:

बतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री सुरिन्द्र कुमार तलवार द्वारा विंग कमांडर श्री ग्रशोक कुमार (रिटायर्ड) पुत्र स्व० श्री ग्रमर नाथ तलवार, निवासी-12/11, डबल स्टोरी, रमेश नगर, नर्ड दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री घमेन्द्र कुमार
(2) श्री प्रदीप कुमार
(3) श्री संजय कुमार
पुत्र श्री राम गोपाल,
निवासी - 3/65, रुप नगर,
दिल्ली, ।

(ग्रतरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ु---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति माहितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है [8]

# ग्रनुसूची

प्रोसन स्राफ प्रौ० लाट नं० 3/65, रूप नगर, दिल्ली, (म्यूनिसिपल नं० 11119) तादादी-193.79 वर्ग गज।

> 'के॰ वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (नि क्षिण) श्रर्जन रेंज−2, नई दिल्ली

ताीख: 16-10-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एत. -----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) को मभीत सुकता

ारत सरकार

कार्यालय, बहायक आयकार काय्वत (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस--आए-1/ 3-85/862---श्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकान् 'उकत व्यक्तिमम' काहा गया है), की भारा 269-स को अभीन सक्षय प्रतिभकारी को यह विश्वास करने का सारण हैं कि स्थावर सम्मति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्रो० नं० 483 (न्यू) है तथा जो 287 (ओल्ड) गली जिनत बारी कशर्मारी गेट, दिश्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), जिन्द्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजर्द्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मार्च-85

क्यं पृथांकर संपत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मुन्य, उद्धके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्द्रिति (अन्तरितियाँ) के बीच अन्तरण के लिए तय वासा अबा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण जे हुइ जिस्सी आम को भाषत उनक गाँधन विषय में अधीन कर दोने के जन्मरक के दाजिएच में कर्मा करने या उन्तर प्रवर्ग के मृतिका के लिये; चौद/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों की, चिन्ही भारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रशेषकार्थ कन्त्रियों क्षारा प्रकट नहीं किन्न की मा सा किया जाना चाहिए था. दिवार मा विकास जाना चाहिए था. दिवार मा विकास की किया

जा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती मिलावर वाई पत्नी, स्व० गोला राम, निवासी 483, गली जिनत बारी, काश्मीरी गेट, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रनिल कुमार पुत श्री ग्याम लाल, 1250, छोटा बाजार, काग्मीरी गेट, दिल्ली, ।

(भ्रन्तरिती)

को एक स्थान जारो अरको ध्वांकत सम्मस्ति के असे के लिख कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

तक्त सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी लालोप ा---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक हैं 45 दिन की क्षिपिया तासस्त्राणी ज्यक्तियाँ पर स्वतः की तामील से 30 दिन की क्षिपि, जो भी क्षिपि वाद में ममाप्त होती हो, के भीवर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति स्वारा;
- (व) इस स्वा के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में हित-ब्यूथ किसी जन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताकरी के पास निश्वित में किए वा तकोंगे।

स्पक्कीकरणः --- इ.स.में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा भवा है।

# **भनुसूची**

डबल स्टोरी प्रौ० नं०  $\frac{7}{4}83$  (न्यू) और 287 (ओल् वार्ड नं० 1, तादादी-85 वर्ग गज, गली जिनत बारी काश्मीरी गेट, दिल्ली ।

> कें० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज∸2, दिल्ली

तारीख: 16-10-1985

प्ररूप आडा.टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1985

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी संख्या 30/37-ए है तथा जो वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रमु-सूची में और पूणं रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियंम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान एतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त

भार मुक्त यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पान्त का उचित बाजार मुल्य उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे प्रथमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्त-एण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धण या बन्य बास्तिवाँ करें, जिन्हों भारतीय आप-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना थाहिए था, छिपाने में स्विधा जै सिए।

चतः कव उन्तं अधिनियम की बारा 269-म के वन्तरच थी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) इं अधीन, निम्हीनीसत व्यक्तियों, अधीत ह (1) श्री गुरनदिवाया मल,
 30/37 ए, बेस्ट पटेल नगर,
 नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती निलम भस्ला 30/37-ए, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली-4।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रिक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धांकरणः — इसमं प्रयुक्त शन्त्रां और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

क्वार्टर नं० 30/37-ए, वेस्ट पटेल नगर, नई विल्ली ।

के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 16-10-1985

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाँक 16 श्रक्त्वर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-ग्रार-1/3-85,864—ग्रत: मुझे, के० वासुदेवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्प्रास्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या 16/18 है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरितः की गई है और मूझे यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतिस्ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गथा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

(1) श्री एस० श्रमरजीत सिंह.
श्री सुरजीत तिंह श्रीर,
श्री एस० निरन्दर सिंह
पुत्र स्व० श्री श्रवन सिंह,
निवासी—16/19 पंजाबी वाग,
नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वलदेव राज गुलाटी पुत्र, स्व० श्री चुन्नी लाल गुलाटी श्रौर, श्रीमती सुजाता गुलाटो पत्नी, श्री इन्दरजीत गुलाटो, निवासी—16/19, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वोक्त सम्मीश के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में में सीव्यि दारा,
- (स) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषितः हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गवा हो।

#### ग्रनुसूची

प्रो॰ नं॰-16/19, एरीया ग्राम-बसई दारापुर, श्राबादी पंजाबी बाग, नई दिल्ली

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 16-10-1985

प्ररूप आर्द्र.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 16 भ्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-मार-1/ 3-85/866--श्रत: मुझे, के० आसुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या हाऊस नं० एस-10, है तथा जो शिवाजी पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन् सूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रग्रीन, नारीख मार्च-

को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रम्यमान प्रतिफल के लिए अंतिरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबता, उचता अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं फिया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्सरण में, में, उक्त गिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिस व्यक्तियों, अर्थास् :— (1) श्रीमती कतवल भन्डारी पत्नी, श्री श्रशोक कुमार भन्डारी, एच~93/3, श्रीर एस~10, शिवाजी पार्क, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती कुसुम गोयल पस्नी, श्री निरन्जन कुमार गोयल, एच-94/8, शिवाजी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिय कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच व 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ववधि, जो भी नवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र ें प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के शीदर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का प्रकेंगे।

स्पब्धिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नया हैं।

#### नग्रुची

हाऊस नं॰ एस~10, तावादी-45 वर्ग गण, विवाणी पार्क, नई विल्ली-26।

> सक्षम प्राधिकारी सहायक द्रायकर द्रापुन्त (निरीक्षण) द्रार्थन रेंज-2, नई विस्स्ती

तारीख: 16-10-1985

## अचन वाद्",टी.पन.एत.------

## बायकर अपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अपीन स्पना आरद करकार

## कार्यासच, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्तन) मर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 16 प्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० भाई० ए० सी०।एक्यू०/2/एस-भार-1, 3-85/867—भत: मुझे, के० वासुदेवन आयक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्भात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर तम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

मौर जिसकी संख्या प्रो॰ नं॰ 12/8428-32 है तथा जो रोधनारा रोड़, दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपायद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्याक्षय, नई दिल्लो में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्चीन, तारीख मार्च-85

को पूर्वोक्स सम्मिति के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिक्षयों) और अंतरिकी (अंतरिक्षयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के सिष्; बॉर/बा
- (ण) एसी किसी बाब या किसी धन या जन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्म अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बक: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269- व के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधार (1) के बचीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अधिम क्रम्म (1) श्री सन्तोख सिंह पुत्र, श्री एस० गोन्छा सिंह, निवासी--12, जैना बिल्डिंग, रोधनारा रोड़, दिल्ली, ।

ग्रन्तरक

(2) श्री पला सिंह

- (2) श्रीमती बसन्त कौर,
- (3) श्री जनक सिंह भौर, मन प्रीत सिंह
- (4) श्रीमती मोहिन्दर कौर
- (5) श्री जसबीर सिंह
- (6) श्री सन्तोष कौर,
- (7) श्री भ्रमरजीत सिंह गार्डीयन, माईनर सन सोविर सिंह
- (8) श्री बलदेव सिंह
- (9) श्रीमती सुशील कौर,
- (10) श्री राजेंन्द्र सिंह
- (11) श्रीमती दिपिन कौर
- (12) श्री जगविन्दर सिंह, श्राल निवासी-7/14, रुप नगर, दिल्ली ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचमां कारी करते पुत्रोंकत सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तत्मील में 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति (कार्य)
- (थ) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित मं किए जा सकोंगे।

लक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों सा, को जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाषित है, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

बनी हुई प्रो॰ नं॰-12/8428-32 (स्यू) तादादी--379 वर्ग गज, रोशनारा रोड़, दिल्ली।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीच: 16-10-1985

## प्रकार नाही ही . एवं . एवं . -----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूबना

#### भारत सहस्कार

कार्यास.4, सहायक बायकार आवृक्त (जिराक्षण) प्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1985

निर्द्रोश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-श्रार-1/ 3-85/868--श्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा '69-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या शास तं 970, गोखला माहिट, है तथा जो दिल्ली में स्थित है (यौर इनस उपायड़ सनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वॉगित है), 'जिस्ट्रीहर्ना स्रविकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण स्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रयोग, नारोख मार्च-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मून्य सं कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अंतरित की नई ही और मूक्ते यह विद्यास करने का करिण ही कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मून्य, उसके ख्यमान प्रतिफल सं, एसे क्ष्ममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दंद्य से उस्त अंतरण किश्वित में पस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया ही:——

- (क) मंतरक से हुई किसी आय की बाबत, जनत ब्राध-पियम की अवीन कर चेने के बंतरक की दायित्व में कभी करने वा उसते बचने में सुविधा के लिए; अरि/का
- (ण) होती किसी बाब मा किसी धन वा अन्य वास्तिवां की जिन्हों भारतीय जावकर सिंधनियम, 1922 (1922 को 11) भा उक्त विधिनयम, वा अन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंदारिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया धा या किया वाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किया;

बक्त: अब, उक्त अधिनियम की नारा 269-मं के अनुसरण में, औ, उक्त किमिनम की धारा 269-मं की उपधास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात---- (1) श्री नुरबैध सिंह हारा, जनरल श्रदारनी श्री बलदेव राज राहिजा, पुत्र श्री सन्त राम निवासी-्राप नंऽ 3618, मोरी गेट, राहिजा टेलर्स, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राज रानी पत्नी श्री पी० ए**ल**० बनरा, निवासी सी--2/13, ग्रशोक विहार फैंज-2, विल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां कृष्ट करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्कार के राज्यत में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवीर्ध या सर्पावंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हा, के भीतर मूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस स्चना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 किन के भीतर अवत स्थापर सम्पत्ति में हितमब्ब किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधारुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त निध-नियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, कहीं कर्ष होंगा जो उस कथ्याय में दिशा कमा है।

#### अपस्तरी

सरकारी बनी हुई प्राप, नाप नं० 70. गोखला मार्किट, दिम्ली, तादाद्री-508 वर्ग फीट।

⇒ा० वास्**देवन** 

नक्षम प्राधिकारी 'सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नारीख: 16-10-85 मोहर: प्रक्रम बार्ड .टी ्रा.ध्रम . - -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, 2, नई दिल्ली

दिल्लीं, दिनां र 16 श्रक्त्बर, 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०-1/3-85/869-स्प्रतः मुझे, के० वासुदेवन

**गायकर ग**िंभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क में अपीन मध्य गरिंगका में तमें पर विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, क्रिसका उचित बाबार भूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संब्द्याट नंव 213. ब्लाट एफ 🕏 तथा **मा**नतरो**वर** गार्डन, द**ई** दिल्लीं में स्थित **है (और** इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और एर्ण कर ने वर्णित है), रिजिस्ट्री-कर्ता त्रविकारी के अर्थात्रक ाई किस्त्री में अजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 .। 16) के अधीन तारींख. मार्च, 85

को प्रविश्व प्रमितित के उचित बाजान मूल्य य कम के उरवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और शुक्ते यह विश्वास कारने का अवस्था हो दिस **राशायबीकत संग**ित गा व लिया । वाकार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत मे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंनाराधारी) को बीन के गोमे अन्यरण के लिए तय **गाया गया प्रति**फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किंबित 👫 🗝 🔑 🗸 ने भूपत वर्षी १००० वर्ष 🥰 💴

> 大小沙沙山 云花。 "糖 अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शीयत्व में कमी करने या उनसे अवनं में सविधा डे लिए; और/बा

(स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या राजना आंश्रीवटन, मृ धन-नर शिं**धनियम, 1**937 (१०७७ का 27) के . त्योकता**र्थ अन्तरिती इवारा** प्रकट नहीं किया। यदा ना का किया भाग गाहिए । जिनाने में मुविधर ्र निष्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन.. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री यशपाल वतरा पुत्र श्री कुन्दन लाल बतरा, निवासी इ :- 20, कीरतीं नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीं कैनांग चन्द्र चढढ़ा पुत्र श्री मदनलाल और श्रींमतीं सन्तोष चढढा निवासीं श्रीं कैलाश चन्द्र चढढा, प्रैस स्ट्रींट, सदर बाजार, दिल्लीं

(अन्तरितीं)

को सह सूचना जारी करके पुत्रांक्त संपत्ति के अर्जन की लिए कार्यवाहियां शरू करता हु।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अवधि या तत्सेबंधी व्यक्तिकों हर स्चना की तामील से 30 दिन की बविध, दो 📲 अविध बाद में समाप्त होती हो, वं नीतर प्वरेंक्त नी तक। के से देवाची व्यक्ति स्थारा
- (क) इप मना ३ श्वात भ प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ववार यत्रांतस्ताक्षरी के पस लिधित में किए आ सकते।

**लब्दीकरण:--इम**सं ध्यान्त मला गाँउ ५दौँ का, **जा उक्त** अधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हीं, बही अर्थ हम्मा जो उस अध्याय मी पया है।

#### अन्स्ची

प्लार्ट नं० 213, ब्या : "एफ" तादादी-369 वर्ग गज मानसरोवर गार्डन, एरिया ग्राम वसई दारापुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली।

> कें पासुदयन सक्षम ग्रधिकारी सहायः श्रायक्र श्रायक्त (निरीक्षण) **ग्र**र्जन रेंज-2, दिल्ली

दिनांक : 16-10-1985 मोहर :

प्राक्त नार्वं की एन एक् . -----

नावनार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

## कार्यक्रम, सहायक आयकर आयुक्त (निक्रीक्रक)

मर्जन रेंज-2, नई विस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 प्रक्तूबर, 1985

निवेण सं आर्ड ए० सी । एक्यू । 2 एस० भार-1 3-85 । 871--- मत: मुझे, के० वासूदेवन

नावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसने पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की धाव 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्थात करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से निधक हैं

जीर जिसकीं संव हाऊस नंव 4633 प्लाट नंव 19 ए, अन्सारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूत्री में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रींशर्ती अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख दार्थ, 31

को प्रॉक्ट सम्पत्ति से जीवत नाजार मून्य से कम के अवधान प्रतिकल के लिए अस्तरित की नहीं है और सूकों यह निक्यात करने का कारण है कि मयाप्रॉक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूक्य उसके दृष्यमान प्रतिकास से, सूंचे दृष्यमान प्रतिकास को पन्छह प्रतिकत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) कोर अंत्रीकों (अंतरितियों) के बीच एसे अस्तरक के लिए क्य पाना नजा प्रतिकास, निक्निविधित जन्नकों किया कंत्रक विधिक में बास्तिक रूप से अधित नहीं किया गना है

- (क) बंबरण से हुई कितीं जाम की बावत, बक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कभी करने या उत्तर वजने में सुविधा के किए; और/था
- (ब) ऐसी किसी जाय था किसी धन वा अन्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गः धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अस्टरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया जमा था का जिया जाना चाहिए था, जिनार्थ के सुरिवध के जिए;

नत: सथ, उक्त जीधीनग्रम की धारा 269 न के जनुसरण को, को, उपत कीधीनग्रम की धारा 269-च की उपधारा (1) को जधीन, निम्नतिचित स्विचित्रमाँ, जसीत् :---- (1) मैं • एस • बन्द एण्ड ऋम्मनी जि •, राज नगर, नहीं दिल्ली।

(मन्तरक)

(2) मैं वीरेन्द्रा पैस्टीसौडस, प्रो० मैं ओम प्रकण गुण्ता (च० यू० एफ०) द्वारा कर्ता ओम प्रकाश गुण्ता, एक्स-54, ग्रींन पार्क, नई विस्ली, श्रीं नरेन्द्रा कुमार, मास्टर सुमन कुमार, मास्टर सुरिन्द्रा कुमार गुण्ता (5) मास्टर वीरेन्द्र कुमार (6) मास्टर निरज कुमार, माल नेत्र श्री ओम प्रशाण गुण्ता माईनर, निषासी-एक्स-54, ग्रीन पार्क, नई विस्ली।

(भ्रन्तरिती)

को वह स्थानका कारो करके पूर्वीक्त तस्त्रीतः के नर्वन के सिद् कार्वजाहियां कुरू करता हुई।

### क्का कम्मीत के अर्थन के तंत्रंथ में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस स्वान के राजपण मा प्रकाशन का ताराध वें
  45 विन की अवीध या तत्सविधी व्यक्तिया पद
  सूचना की तामीस से 30 दिन की अवीध, का का
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीदर पूर्वीस्व
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृथारा;
- (व) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की सारीच व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में ड्रिक-बहुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा नभीहस्ताकारी के पास निश्चित में किए या तकोंचे।

पच्छित्रका:---इतमें प्रयूक्त सम्बागित पर्वो का, को समझ नरीभनियम के अभ्याय 20-क में परिवाणिक है, कही अर्थ होता, जो उस सम्बाग में दिवा का है।

#### मनुष्यी

दूसरी मंजिल, प्रोशन नं॰ हाऊस नं॰ 4633, प्लाट नं॰ 19-ए, श्रन्सारी रोड, दरिमा गंज, नई दिल्ली

> ने॰ वासुदेवन सक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायक्त प्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिस्सी।

दिनांक: 16-10-1985

मोह्यरः

प्रक्य बाइं.टी.एन.एस.----

नायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यासन, सहायक बायकर बायक (विरोधन) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रक्तवर, 1985

निदेश सं० भाई०ए०सीं शृपक्यू शृ 2 । एस० भार०-1 | 3-85 | 872-भार मूझे, के० चासुदेधन

बावकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त जिथिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-व के अभीन संक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्व 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं प्री नं 4633, प्लाट नं 19-ए, है तथा जो अन्सारी रोड, दिखा गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से पणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भवीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिकल के जिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि अधापुर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रथा, उसके क्यमान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल का प्रथा प्रविक्त से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिकत, निम्निजितित स्व्ववस्य से उक्त अंतरण निचित्त में प्रकृतिक क्य ने क्यित नहीं किया जवा है उक्त

- (क) अंतरक से हुई किसी नाय की नावत, उपने अधि-निवन के अधीन कर दोनें के अंतरक की शायित्य में कती करने वा उत्तरे वचने में सुविधा के जिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाय मा किसी भन वा करूप जास्तिकों को जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ज़क्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियार्थ में स्विधा के सिक्ध।

बतः त्रवः, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बन्तरण वो, वो, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के वधीन, निकासिक्त व्यक्तियों, नेषांस :--- (1) मैं० एस० चन्द एण्ड अम्पनी लि०, राख नगर, नई दिल्ली, द्वारा डायरेक्टर राजेन्द्र कुमार गुप्ता नेत्र श्री स्थाम लाल गुप्ता।

(भ्रन्तरक्)

(2) मैं ० ईरासीयन चोन्नाइस इन्टरनेणनल प्रा० लि॰ 32, नेवाजीं सुभाष मार्ग, नई दिल्ली-17, द्वारा डायरेक्टर जें ० सी० पाठक।

को बहु बुचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :----

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनीथि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचमा सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, यो भी जनीथ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रांशः;
- (ब) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रीत में हितबब्ध किवी अन्य स्थावत व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाक सिवित में किए वा सकोंने।

स्वयोकरणः - इसमें प्रयुक्त क्षव्यों भीर पर्यों का, जी उक्त सावकर अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, यही जर्थ होगा जो उस अध्यास में दिवश क्या है।

## मन्द्रवी

प्रो० प्रौ० नं० 4633, प्लाष्ट प्लाष्ट नं० 19-ए, श्रम्सारी रोड, वरिया गंड, नई दिल्ली।

> के० वासुदेवन संभम श्रीधकारी सहावक श्रायकण ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, दिल्ली

चिमांक: 16-10-1985

मोहरः

#### प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिज्यम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत यरकार

कार्यालयः एहाप्रक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रोंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांश 16 ग्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० ग्रार०-1/3-85/873--- ग्रतः मुझे, के० वासुदेवन

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिन्हों सं० 6174/ए, है तथा जो जवाहर नगर नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इसी उपायद्ध श्रतुसूचों में श्रौर पूर्ण रूप ने गणित हैं) रिजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली, में भारतीय रिजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिखत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथिन नहीं कया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सबिधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आया निरु धीर्धनियम, 1922 (1922 जा का कि किस के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वो प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

कतः वन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के वधीन. अम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात:—

- (1) श्रीमती पर्वः रानी (2) श्रीमती निर्धल सेठी (3) श्रीमती प्रणा देशी (4) करतार सिंह (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती एमला रानी एतिन श्री भीम सैन (2) श्रीमती एरेज बन्नल एतिन श्री राम कुमार, (3) श्रीमती मंत्रू बन्नल एतिन श्री सुगील बन्नल (4) श्रीमती ग्रहणा बन्नल एतिन श्री विश्य बन्मल (5) श्री बलबीर बन्मल पुत्र श्री भीम सैन, निवासी 36-यू०-ए, जवाहर नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के स्प्रिकार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर पक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित मो किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्ची

बनीं हुई प्रौ० नं० 16, म्युनिसिपल नं० 6174/ए, जवाहर नगर, दिल्ली तादादी-170.7 वर्ग गज। के० वासुदेवन नक्षम ग्रिधिनारी पहाया ग्रीयाहर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रिजन रेंज-2, दिल्ली।

दिनांकः 16-10-1985 मोहर ह प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 16 श्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० श्रई/ए०सी०/एनयू०/2/एस आर-1/3-85/874—श्रतः मुझे, के० वासुदेवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिनकी सं० प्लाट नं० 188, ब्लाक 'जे' है तथा जो राजौरी गार्डन, ग्राम बमई दारापुर, दिल्ली में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली सें रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 85

को प्रिंक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रिंतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गथ। प्रतिफल निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उकत नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/पा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्मिलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 29-356GI/85

- (1) श्री हरभजन सिंह पुत्र एस० इग्राहर सिंह, निवासी निवासी जे-188, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली (भ्रन्तरक)
- (2) श्री एस॰ परमजोत सिंह पुत्र एस॰ गुरक्षकश सिंह, ई-156, नरायना विहार, नई दिल्ली। (धन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होता हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

## अनुसूची

हाउस झान प्लाट नं 188, ब्लाक 'जे' तादादी- 228-1/2 वर्ग गण, राजौरी गार्डन, एरिया ग्राम बसई दारापुर, दिल्ली स्टेट।

के० वासुदेवन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

विनाँक: 16-10-1985

आईं . टो . एन . एस . -----

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 16 श्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार-1/3-85/875—श्रतः मुर्से, के० वासुदेवन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रहा में अधिक **हैं**।

स्रोर जिसकी सं० एफ-53, है तथा जो बाली नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख मार्च, 85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूला से कम के द्रश्यान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (फ) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमतो सुषमा बाली पत्नी श्री एस० सी० बाली निवासी 27बी-11, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) श्री राम कक्कड, पुत्र स्व० श्री मनोहर लाल कक्कड, एक-54, बालो नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अनुसूची**

एफ-53, बाली नगर, नई दिल्ली।

के० वासुदेवन सक्षम ग्रधिकरी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनौक: 16-10-1985

मक्त बार्ड ह है। हिस्तु हुई , - - ---

बारवकार वीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नेभीन सुकना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 16 श्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० भाई०ए०सी०/एक्यू/2/एस० भ्रार०- 1/3-85 876—-म्रतः मुझे, के० वास्देवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्पात् 'उक्त अधिनियम' कहा मया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विक्थास करम का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिपकी सं० 30/30,ए, है तथा जो वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रौर इससे उपायब श्रनुसूची में औ पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के सममान डांतफल के लिए कन्तरित की गई है जार कुछे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित्र बाजार मूस्य, उसके सममान प्रतिकत से, एसे अवकान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से विश्व है जौर बन्तरक (अन्तरकार) और बन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरभ के लिए तम शया गया प्रतिकत, निम्नतिचित उद्वचेक्य से उक्त कन्तरफ लिकित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी अाय की वायत उनत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) प्रीती किती बाव वा किसी थन वा बन्य बास्तियों को विकृषे बारपीय वासकर विभिन्तिन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनिवन, 1957 (1957 का 27) वे अभेषनार्थ बन्दरिती बुवारा प्रकट महीं किया गया वा कि वा काना बाहिए था, जिपाने में बृनिधा के सिए;

(1) श्रीमती भगवन्ती बाई 30/30ए, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती भ्रन्जु वर्मा, 30/30ए, बेस्ट पटेंल नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोच्छ सम्प्रति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां भूक करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के बम्बन्ध में कोई भी बाबोप ु---

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की असीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की व्यक्ति, को धी स्वीध क्य में समान्त होती हो, से शीतर प्रांचत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वास;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा करोंगे।

स्वध्दीकरण :- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किए। नया है।

वन्त्रम्

30/30 ए, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

के० वासुदेवन सक्षम प्रधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

प्रशः क्रम, अक्त अधिनियम की भाष 269-त के बन्दरण में, में, शक्त अधिनियम की भारा 269-त की उपधारा (1) के अधीत, निक्तमिधित व्यक्तियों, व्यक्ति ड—-

दिनाँक: 16-10-1985

क्ष्य आई. डी. एम. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1964 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन-सुचय

## भारत सरकार कार्बाबव, सहायक आयकर आवृक्त (मिरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनाँक 16 अवट्बर, 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी० एक्यू०/2-एस० श्रार०- 1/3- 85/877—श्रतः मुझे, के० वासुदेवन

कावकर कि भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदनाल् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संव हाउस नंव सी-108, हैं लया जो मोती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची सें ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली सें भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिचत से निधक है और अन्तरक (जनतरकों) और अन्दरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अंतरक के बायित्य में कनी करने वा उससे वच्छे में सृविभा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्क आस्तियों को, विश्व भारतीय नाव-कर निर्माणका, 1961 (1961 का 43) या उपत विधिनवन, या अधिनिवन, 1957 (1957 का 27) के प्रवोज-नार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया भा या किया जाना वाहिए जा, कियाने में सुविभा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—— (1) श्री मेला राम कोचर पुत्र स्व० श्री सीता राम कोचर, निवासी सी-15, श्रशोक विहार फैंज-1, विल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती भगवन्ती देवी पत्नी श्री राम चन्द, निवासी-252, पाठक कारोर, ग्रजभेरी गेट, नई विल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### उन्त बन्नित के कर्जन के संबंध के कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजधन भें प्रकाधन की तारीचा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

## धनुसूची

्र हाउस नं० सी-108, तादादी 300 वर्ग गज, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।

> के० वासुदेंवन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली

दिनांक: 16-10-1985

### अरूप्.बार्ड्: टी. एव. एव. ------

बायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मभीन स्चना

#### नारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर मायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रें ज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रन्तूबर, 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-1/3-,85/878—श्रतः मुझे, के० वासुदेवन आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २69-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति।, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी प्लाट नं जे-58 है तथा जो राजौरी गार्छन, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है), रजिस्हीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रजिसस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मार्च, 85

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसने इद्यमान प्रतिफल को एसे इद्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (जन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्ललिबत में बास्त-

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, सकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शमित्क में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए। बौद/या
- (च) ए सी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपाने में सूबिधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान :--

(1) श्री सतीश कुमार गुप्ता पुर्त श्री जवाहर लाल गुप्ता और श्रीमती मीना कुमारी गुप्ता पत्नी श्री विजय कुमार गुप्ता, निवासी एम-16, राजौरी गाडॅन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री तिलक राज घहै पुत्र श्री चुन्नीलाल घई निवासी ए-1/224, जनक पुरी, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के तिवृ कार्यक्षाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपरि के बर्चन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा स्थाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों में।

स्पच्छोच्डरणः—इसमें प्रयुक्त शक्तों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### अमृज्ञुची

हाउस श्रान प्लाट नं० जे-58, तादादी 240 वर्ग गज, राजौरी गार्डन, एरिया ग्राम बसई दारापुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली

दिनांक: 16-10-1985

म ोहरः

प्रसम् । जाइ . दी . एक . एक . -----

अस्थितयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 ग्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/3-85/879—-अतः मुझे, के० वासुदेवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके प्रशाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्रौ नं सी-5/5 है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भाग्तीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 85

को पूर्वोवत सम्मत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाल गितफ से के लिए जन्तिरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित वाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिकल निम्निसित उद्दोष्य से उक्त अंतरण सिवित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधितियम् के अभीन कर बेने के अन्तरफ के धायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सृविधा के सिए; और/वा
- (क) एस किसी बाय या किसी धन या अन्य आरिस्त्यां कों, जिन्हें भारतीय जायकार लेधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खें प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था. कियाने में सुविधा से लिए।

त्रतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—— (1) श्री महावीर प्रसाद तान्तिया और श्रीमती सरला देवी तान्तिया निवासी 427-लाजपत राय मार्किट, चांदनी चौक, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती राज रानी (2) श्रीमती बीना रानी, निवासी सी-6/3, माडल टाउन, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्ट सम्पत्ति के अर्थन कं सिक् कार्यवाहियां शुरू करता हुई ।

उन्दे राज्यित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस मुख्या के राजपण में एकाणक की शारांश श 45 दिन की संविध या तत्सम्बन्धि स्वितयों पर सूचन की टामीन से 30 दिन की अनिध, जो मी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति हो हिनवद्व किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए का सकेंगे।

स्वयक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त काक्यों और पवाँ का, जा उक्त विधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हाँ, वहीं वर्ष होगा जो उस मध्याय में विया प्याहाँ।

## अनुसूची

प्रौ० नं० सी-5/5, माङल टाउन, दिल्ली, तादादी व 25466 वर्ग गज।

> के ० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

विनांक: 16-10-1985

प्रस्कृ साइ .टी . एन . एस . ------

लायकर निविनयक, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प(1) के न्यीक सूत्र्या

#### श्राचन सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 ग्रन्तूबर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-1/3-85/880—श्रतः मुझे, के० वासुदेवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलाम 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की जारा 269-स के लधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उच्चित वाचार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्रौ नं जी-27, है तथा जो कीर्ती नगर ग्राम वसई दारापुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपा-वद्ध श्रन्भूची में पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-करी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख साचे, 1985 का पूर्वीक्त सम्पत्ति के स्वित वाचार मृत्य से कम के रुव्यमान जीतकल के सिए अन्तरित की गई

ही तफल का सए अन्तारत का गई
है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंड्रह प्रतिफल से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एवं
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्तिवत खुद्देश्य
ये उक्त अंतरण निवित्त में बास्तिक क्य वे किंत्रिस नहीं किन्त
गया है:---

- (क) कन्तरण से हुदू किसी बाय की वावस, अवस विभिनियक को नधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; वॉर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आसिसमें को चिन्हों भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या धन- चाद अधिनियम, या धन- चाद अधिनियम, या धन- चाद अधिनियम, विश्वास प्रशासनार्थ बन्तरियम (1957 (1957 का 27) के अधिनार्थ बन्तरियों क्वारियम प्रशासनार्थ का विधा धावा चारिक्स था, क्रियों में स्थिया के चिए;

 जत: अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुबरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)
 जे अधीन, निम्नतिथिक व्यक्तिओं, वर्षात् क्ष- (1) श्री जयदेव कपूर पुत्र श्री सोबराज कपूर, जी-27, दिनी नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भीम सैन गोगिया पुत स्व० श्री ठाकुर दास गोगिया, निवासी 11/3593-ए, रैगरपुरा कैरोल बाग, नई विल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिद् कार्यकाहियां करता हून।

उन्बंद सम्मीत के कर्षम के सब्धन्य में कोई भी आर्थिप :----

- (क) इस स्वाना को राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 किन की जनीब या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तालीब से 30 दिन की अनीध, जो भी जनीध नाद में समान्य होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्ति कृतारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विश्व को भीतर उक्त क्यायन अंपित में हिले बहुध किसी अन्य क्येक्ति इतारा अधिहरताक्षरी के गांध निश्चित में किए का सक्षेत्र ।

र्म्स्डिक्ट्य ह— दुलमें प्रमुक्त बन्दों बाँद पर्वों का, को सकत बहिनियम के बन्दाय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो देर ल्ल्याल भें विकास गया हैं।

### अनुसूची

प्रौ० नं० जी-27, तावादी 200 वर्ग गज, कीर्ती नगर, नई दिल्ली एरिया बसई दारापुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज-2, नई दिल्ल ी

दिनोक: 16-10-1985

**ास्त वार्**् <u>टी.. एन...पुरा</u>त्र ह - - ----

## नायकर निवित्यम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के नभीत स्वता

#### शहर रहका

कार्याजय, सहायक वायकर वायुक्त (तिरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 16 श्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 3-85/881--- ग्रसः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की आय 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 948 हैं तथा जो फारोसा खाना विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 85

को प्वोंक्स सम्परित के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित प्रं बास्तिक रूप से कालत नहीं किया नवा है कि

- (क) जन्तरम वे हुई किजी बाद की वावक, बक्क बिचिनवंध के जभीन कर दोने के जन्तरक के वाधित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बहि/वा
- (का) एसी किसी बाय वा किसी वन वा बन्द बास्तिवों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वाच प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के 'जिए;

कतः अव, उत्तर विधितियम की धारा 269-न के वन्तरूप वा, मा, अवर विधितियम की धारा 269-च की उपधारा (ा) के विधीर, निम्निसिचित व्यक्तियाँ विधाद धि——

- (1) श्री विनोद कुमार महलोता पुत्र ईश्वर वता और संजय मलिक पुत्र श्री राम लाल महलोता (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती साफदर सुल्ताना पत्नी श्री फीरोज भ्रहमद, 948, फरास खाना, दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त संपत्ति के अर्थन के तिए कार्ययाहिया शरूरु करता हु।

उन्ह सम्मत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :- -

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीख से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थीकतयों में से किसी स्थीकत इवाय;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित स्वूध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए चा सकोंगे।

स्थळीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

डबल स्टोरी बिस्मि न० 948 फरास खाना, विस्ली सदादीं 180 वर्ग गज।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, दिल्ली

दिनांक: 16-11-1985

मोष्ठर :

वृक्ष **भार**े. थी. **एन. एस**. ----

आयकर लिधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रार्जन रोज, नई दिल्ला नई दिल्लां, दिनांदा 16 श्रक्तूबर 1985 निर्देश सं० श्राई० ए० सं०/एक्यू०/2/एस०-श्रार०-1/3-85/ /882--श्रदः मुझे, के० वामुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे असमे इसके पहचात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करों का कारण है हि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिनका सं राजेन्द्रा मेनकेन 19-ए है तथा जो श्रन्सार रोड, दरीया गंक, नई दिल्ला में स्थित है । श्रीर इसके उकाबद्ध श्रानुनवा में श्रीर पूर्ण का में बिल्ला में भारताय रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख मार्च 1985

को पृथित सम्पत्ति के जीवत नावार मून्य से का के करनाम प्रतिकास के विष् धंवरित की नहीं हैं और मुझे यह विकास करने का कारण हैं कि नभावर्षित सम्मित्व का उचित नाकार मून्य, उसके क्यमान प्रतिकास से, एंडे क्यमान प्रतिकास का पन्तह प्रतिकात से अभिक हैं जॉर नन्तरक (अन्तरका) जीर अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एंडे अन्तरका के लिए तम प्राम् ग्वा प्रतिकास , निम्दीलिक उन्देक्कों से उक्त अन्तरण निविद्य में वास्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण संबुद्ध किसी बाय की वाबस्, उक्त विश्वित्य के बचीन कर दोने के बन्तरक के स्वियत्व में कभी कारने या उससे बचने में सुविचा के लिए; भीर/मा
- (त) श्रेची किबी बाव या किसी वन या तत्त्व बारिलाक्टें को, जिन्हें भारतीय बायकर विभिनियम, 1933 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया जैसा था या किया जाना था, कियाने में सुरिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ को, अन्सरण मैं, मैं, **उक्त अधि**नियम की भारा 269-अ की उपधारा (1) कै अभीन. निम्निलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :——  म० एस० चन्ध एण्ड कम्पनः लि०, राम नगर, नई विल्ल∴।

(भ्रन्तरक)

श. मास्टर राजन बन्सल पुत्र श्र. पी० डी.० बन्सल, निवास:-5-मुफ़०, विश्वा एपार्टमट, 3 मैटेबाफ़ रोड, सिविल लाईन, दिल्लं श्रीर मास्टर श्रमित बन्सल पुत्र श्रा ए० के० बन्नल, निवास:-डाल-33, कमला नगर, दिल्ला।

(भ्रन्स रिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के टिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत संपत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी गाओप :---

- (त) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थल के राजपण में प्रकाशन की तारीस ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी बन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए का स्केंने।

स्वश्वकिरणक्ष--इसमें प्रभूषत बच्चों बीर पर्यों का, जो उक्त अधिनियंत्र के अध्याय 20-के में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्या हैं हैं।

#### अनुसूची

ताक्षदि:-692 वर्ग फट, दुसरी मंजिल, राजेन्द्रा मनसेन 19-ए, श्रन्सारी रोड, दरीया गंज, नई दिल्ली।

> के० वासुदेवन संक्षम प्राधि पार्रः .सहायक श्रायक्त श्रायक्त (निर्देक्षण) श्रर्जन रोज-2,दिल्ली, नईदिल्ला-110002

**सार**ीख: 16-10-1**985** 

मोहर:

30--356GT/85

प्ररूप आई.टी.एन.एस. .-----

# वायकर विभितियम, 1961 (1961 का 43) की वास 269-व (1) के व्योग ध्या

#### नारत सरकार

## कार्यासम, सहायक नायकर शायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, नई दिल्लं: नई दिल्लं: दिनांक 16 श्रक्तूबर 1985 निर्देण सं० ग्राई०-ए० सो:०/एक्यू०/2/एस०-ग्रार०-।/ 3-85/883---ग्रतः मुझे के० वासुदेवन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-श्व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारक हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मंठ प्रौ० म०-2.6, ब्लाण क्यू है तथा जो राजोरी गार्डन, ग्राम वर्ध दारापुर , दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबढ़ श्रनुसूच। में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), राजिस्ट दारा ग्रीध शारी के लायीलय नई दिल्ला में भारताय राजिस्ट करण श्रीध नियम, 1908 (1908 जा 16) के श्रीवीन, जारीख मार्च 1985

को प्वॉक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के क्रमान प्रतिकत के सिए बन्तरित की गई है और भुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिकत बे, एवे क्षयमान प्रतिकत का पंतर प्रतिकत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) कीर बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्वियेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्षय से करित नहीं किया गया हैं

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बावत, उक्त बीधनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक वे दायित्व में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा से सिए; बांड /वा
- (क) ऐसी किसी बार या किसी भन या अस्य जास्तियां को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर जिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था जिना में सुविधा के सिए:

बन: जन, अवस विधिनवम की धारा 269-ग के अनुवरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- ा श्राहित्यका साथ राजा पृथ श्राह्म आगण नाथ सर्जा । निवास:-क्यू०-26, पाजीरी गार्डम, नई दिल्ल । (ग्रन्तरक)
- श्रामना कुलविन्दर कौर पर्त्ना एस० राजेन्द्र सिंह. निवासी-4500, सोहरा कोटी, पहाड गंज नई दिल्ली।

(श्रन्थिंग्तीः)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्थान के राष्य्रम में प्रकाशन की तारीय क 45 दिन की संबंधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की संबंधि, यो भी संबंधि वाद में संग्राप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी स्थानत दुवाराः
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विसबद्ध किसी बन्न व्यक्ति इवास क्यांत्र समाहस्ताक्षरी के पास तिविस में किस का सुकीन।

स्पष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया वया हैं।

#### अनुस्ची

प्रौ० नं०-26, ब्लाइ 'क्यू' ताबादी-200 वर्ग गज, आलोनी राजीरी गार्डन, एरीया प्राम-वगई दारापुर, दिन्ली स्टेट, दिल्ली।

> कें० व सुदेवन सक्षम प्राधिः (र्रः: सहायक ग्रायकण श्रायका (निर्रःक्षण) ग्रजन रोज 2, दिल्की, नई दिल्की-110002

नारं!ख: 16-10-19**8**5

प्रकल काइ. टी. एन एस. ----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269 व (1) के नभीन स्थना

#### भारत सरकार

## कायनिय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण) ग्राजेन रोज-2, नई दिल्ली:

नर्ड दिल्ला, दिनां । 16 श्रक्तूबण, 1985 निर्देश स० ग्राई० ए० सं:०/एक्यु०/2/एरः०-ग्रार०-1/ 3-85/884-—-श्रतः मुझे के० वास्देवन

अध्यकर ∜रिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्थात् 'उक्तः अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रत. से **अधिक ह**ै

श्रीर जिसका स० श्राई०/123, श्रिता नगर है तथा जो नाभक-गढ़ रोड़, एरीया ग्राम बरुई दारापुर दिल्लों में स्थित है (ग्रीर इसं उपाबद्ध अनुसूच। में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्र:-एत्ती अधिकारः के आयुन्तिय नई दिल्लः मे भारतःय रिजस्ट्रः-एरण श्राधिनियम, 1908 (1908 प्रा 16) के अवान, नार्यक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम वो स्ववसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्दहै और मुक्ते यह विख्यार करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (सन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नीसिवत उबुवेब्य से उब्त अन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ४---

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत, जक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के बन्तरक वा वादित्य में कमी करने ना उन्नचे मुचने में सुविधा अंतिए; वरि∕या
- (क्ष) ए"से किसी आय या किसी भन वा बन्य जास्तियो का, जिन्हें भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया पया भाषा किया वाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा थ्] सिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) 🤻 अभीत, निम्नसिनित व्यक्तियाँ 🗸 वर्षात 🦫

- ा आः एस० इल्यान सिह पुत्र एन० इंड्यार सिह्, निवासह-प्रार्ड ०-84, थितः नगर, नई दिल्लीः। (ग्रन्दर)
- 2. था(मना) अवनाश रानी श्रान्तद पत्नी थी अर्जुन लाल श्रानन्द, निवासी-ई-69, क्रिती नगर, नई दिल्ली। (अहलरितंत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## बक्त सुम्मति, के बर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपन मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर क्ष्मना की तामीस से 30 दिन की सविधि, जो भी बंबीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट न्यक्तियों में से किसी न्यक्ति दवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी व्यक्ति दुवारा, वधोहस्ताक्षरी के पाड निकित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यां का, जा उक्त विश्वितयम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हाया जो उस अध्याम में दिया न्या 🗗 ।

#### अनुसूची

आई/123, तादादi-200, वर्ग गज, किर्तi नगर, प्रान नजफगढ़ रोड़, एरिया ग्राम बसई दारापुर, दिल्लं:।

> कें० वास्देवन सक्षम प्राधिकार्रः सहायक आयकर आयक्त (निर्धक्षण) श्रर्जन रोज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

वारीख: 16-10-19**8**5

भूक्य बार्च और प्रमु एक ,------

नावकर वीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बबीद सूचना

#### बारद सुक्का

कार्यासय, सहायक नायकर माम्कत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, नई दिल्लें।

नई दिल्लीः, धिनांक 16 श्रक्तूबर, 1985 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी/एवयु०/2/एस०-ग्रार०-1/ 3-85/885----**श**तः मृ**झ** के० वास्रदेवन

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे (सके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मुख्य 1.,00,000/- रत. सं अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 19 बलाक सी है तथा जो सत्यावती कालोनी ग्राम-सारोंटा वला, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध **अन्भू**चः में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिलस्ट्रंश्त्ती श्रिधिहारी के कार्यालय नई दिल्लें में भारत य रिजर्ट्र र एण श्रिधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अर्थान, काराख भार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित वाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिकृत के लिए जन्तरित की गई हैं विष्वास करने का कारण कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के क्रीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्भवस्य से उक्त अन्तर्ग सिवित में गस्तविक रूप से कड़ीवत तहा तकका गया है :---

- (क) नतारक ते हुई किवी नान की नावत , उथत अधिनियम के सभीन कर दोने के बन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे वचने से सुविधा वे सिए: वरि∕वा
- (क) ऐसी किसी नाव ना किसी पून ना नम्ब नास्तिनों का, जिल्हों भारतीय नाय-कर निधनियम, 1922 11922 का 11) या उन्हा निविन्यम, ना पनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती ब्वाहा प्रकट नृष्टी किया ननाथाय, किया यानायाहिए था क्रिपाने बे वृत्तिभा के विद्रा

ाः वयः, उक्त विधिनियमं की भाग 269-ए के जनसर्थ में, में, धनत वीभीनियम की भाग 269-त की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

ा. श्री अगदीम चन्दर पुत्र राम दास सूरी, 3/27-ए, विजय नगर दिल्लाः ।

(अन्तर ह)

नःमतः नुशुल गुप्तः पत्नः श्रं। राम गुप्ता ३३-**ब**ः, सत्यावतः नगर, नई दिल्लः।

(भ्रन्तरितं:)

का बहु सूचना चारी करके प्रयोक्त संपरित के अधन के किए कार्यवाद्धियां करता हुए।

उक्त संबुरित के क्षीन के संबंध में कोड़ भी बाक्षेष 🤊 ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूषना की तामील से 30 दिन की अवधि, जांभी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पनांक्त श्यक्तियाँ में से किसी व्यक्तिस युवारा;
- (वा) इच्च सूचना को राज्यत्र में प्रकाशन की तार्च के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति मं हितनद्रभ **किसी अन्य व्यक्ति द्वा**रा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंने।

**लक्कीकरणः—इस**में प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जा सक्क नियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित **हैं, बही वर्ष हो**गा, जो उस अध्याय व दिया गवा

भूमि तादादी-200 वर्ग गज, प्लाट न० 19, ब्लाफ़ सि खमरा नं 86, 88, 89, 92---99, 100, 101, से 107 कालोनः सत्यावतः नगरः, एराया ग्राम-सारोदा कलाः दिल्लः।

> के० व।सृदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निर्देक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्लं:, नई दिल्ल:-110002

तारीख: 16-10-1985

प्रकार बार्स ुटी, प्रभु, द्वस् , ह 👓 -

**बाय्कर विभिन्नमः, 1961 (1961 का 43) कौ** धारा 269-घ के अधीन सूचना

#### भारत वरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंत रेज-2, नई दिल्लं:

नई दिल्ला, दिनानः 16 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० स्:०/एक्य०/2/एस०-श्रार०-1/ 3-85/886---श्रतः भुक्ते, के० जासुदेवन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति विसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं प्लाट नं 4, पापींग सेन्टर 1, है, तथा जो ब्लाक एफ़ मान प्रोबर गार्डन, दिल्ला में स्थित है (स्रीय स्संस उपाबड स्नुसूचा में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रा-कर्ता स्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ला में भारताय रिजस्ट्रा-करण स्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ला में भारताय रिजस्ट्रा-करण स्रिधिकियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके दश्यमान प्रतिखत से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिश्वत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए एस पाया क्या प्रति-कल, निम्निलिसित उद्देश्य से उसत अन्तरण सिसित में बास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है है—

- (क) अस्तर्यक से हुन्दि किसी शाम की बावत समत वर्षिक नियम में अभीत कुन्दु बोने के अन्तरक के दायित्य में कजी कर्तुने या स्वयं अपने में सुनिधा के सिए; अडि/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या कत्य जास्तियों को, जिन्हों जारतीय आयकर किशिनयन, 1922 (1922 का 11) वा उपन् विश्वितवन, या पूर्व-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किश होता अहिए था, जिपाने में सृत्यि। के भिएं

स्त: बच, बचत वाँचनियम की धारा 269-व की बन्दरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रा धर्म पाल बतरा पुत्र श्रा कुन्दन लाल बतरा, निवासी, एन-20, शिती: नगर, नहीं दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रं/मर्तः सर्वेन पाह्या पत्ने श्री एस० पी० पाह्या, ग्राप-50, ग्रीटर कैलाश-1, नई दिल्लाः। 'ग्रन्तिर्तिः)

को यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त एज्योस्य के वर्षक के विक् कार्यवाहियां करता हुं।

वक्त बन्धरित के वर्षन के बन्दरभ में कोई भी बाधेद:---

- (क) इस ब्रुवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सवधि, वो भी अवधि बाद में स्वाप्त होती हो, में भीतर पूर्वों क्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बच्च किसी बन्च व्यक्ति पूजारा, कथोहेस्ताक्षरी के पास् निश्चित में किए वा सकते।

स्पद्धीकरण:---६समें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वर्त्या

•लाट नं० 4, गगपींग सेन्टर नं० 1, ब्लाक 'एफ' तादादी 166.7 वर्ग गज, मानसरीवर गार्डन, एरीया ग्राम— बमई दारापुर, दिल्ली स्टेट, दिल्ली।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक अ।यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 16-10-1985

मोहर 🗷

प्ररूप आहैं. टी. एन. एस.------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-२, सर्व दिल्ल:

नई दिल्लाः, दिना 🔈 16 अक्तूबर 1985

निर्देश मं० श्रारी० ए० मी०/एक १०/2/एस० श्रार०-1/ 3-85/888—-श्रत सुझे, के० बासुदेबन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिल्लों सं प्रताट नं 3, ब्लार नं 'एका' है तथा जो नजफगढ़ इन्डस्ट्रायल एर.या, नई दिल्लों में स्थित है (श्रीर इसने इसने इसके श्रानुभूचा में श्रीर पूर्ण एप से विणान है), रिजस्ट्र एती अधितार ने रायंत्र नई किला में भारत र रिजस्ट्र एता अधितरम, 1908 (1908 रा 16) के अधीन, तारोख मार्च 1985

को पूर्णेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यन्तपूर्णीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उरुके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बंचि एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तांबक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्रथ की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीर यायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

अक्षः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिंगित व्यक्तियों, अर्थात् :---  में तर्म में हला तरस्तुक्यान एण्ड इन्डस्ट्रीय ल को-म्राप०-रेटिच (प्रा०) लि०, ग्राप्ट-718, राजेन्ट नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. में पर्स प्योर क्रिक्स (न्यू इन्छिया) लिमिटेड, सरदार मोहन सिंह बिल्डिंग, कनाट सर्वेस, नई दिल्लिं। (स्रन्तरिनंः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जर के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन जा अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति वृज्ञारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रदृति शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### धमस्य ची

प्लाट नं० 3, ब्लाइ नं० 'एक्स', नजफगढ़ इन्डस्ट्रीयल एराया नई दिल्लो, नादाद' 2044. 1 वर्ग गज।

> के० वास्यवन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर स्रायुक्त (निर्राक्षण) न रेज-2, दिल्ली, नई निल्ली-110002

नार्राङ्कः । 16-10-1985 मोहरः ३ प्ररूप कार्षे. टी. एन. एस. = - =

भागकर विभिन्तिका, 1961 (1961 का 43) की पाडा भारा 269-व (1) के वभीन सचना

#### नाइट क्रकाह

## आयोगन, तहायक नामकर नाम्यत (निहासिक)

प्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्लं, दिनोर 16 प्रक्तूवर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्य०/2/एस०-आर०-1/ 3-85/889-- श्रह मुझे, के० वामुदेवन शायकर निर्धानयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

भायकर निधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का, कारण दें कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00.000/- रु. से अधिक हैं

स्रीत । बनारी मंठ प्लाट नंठ 107 है तथा जो प्राठ नंठ-38, राजीर: गाईन, नई दिल्ला में मिशन है (प्रीर इससे उपाश्रद्ध प्रमुख्या में १र्ण का ने विणान है), रिलस्ट्राती स्रधिकारी के जार्यालय नई दिल्ला में भारतीय विश्वस्त प्रधिकारी के जार्यालय नई दिल्ला में भारतीय विश्वस्त एक श्रिक्टिंग श्रिक्ष की 1988 ता 16) के अवान, ताराख मार्च 1985 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रच्यमान प्रसिक्ष के लिए अन्तरित की एई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वेक्स सम्पोर का उम्बत बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे रवयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और इन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (का) अन्तरण संशुद्ध फिसी भाग की वावत, उक्त विधिनितम की अधीन कर दोने को अन्तरक सी शांवरण मां कमी करने वा उससं वचने में सुविधा की जिए; मांड/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकेट नहीं किया गर्म धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा औ किए;

बतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुतरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- - (1) श्रीमतः विमल गुमारी पत्नीः श्र गेगा विधन।
  - (3) श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री बियान।
  - (3) थाः महाबार प्राप्त प्रव थाः भागा राम।
  - (4) थाः रनन नाल पुत्र थाः जानाः सम।
  - (5) श्राः मुणाल कुमाण पृत श्राः कालो राम।
  - (6) श्रा बारंग लाल पुत श्रा ाला राम।
  - (7) श्री गंगा विशा पुत श्री त्याली शाम पर्धित श्रीफ में विशास एण्ड एप्पता, नियास ई-36, राजीरी माईन, गडीवल्ला प्रीर मैं ठाउम बुल्डकी राजीरी गाईन, नई दिल्ला।

(श्रन्तरक)

2. टाईम होटल। (प्रा०) लिए ए-3, ग्रोम पानी नहीं विल्ला, डायरेक्टण हणदिय सिंह।

(ग्रन्तरितः)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं

सकत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई जाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्लोकत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

## अन्स्ची

फ्लैंट बिरिंग नं०-197, पहला मंजिल, प्री० नं०-ई-38, राजीरी माईन, नई दिल्ला, नादादो-1012 वर्ग फ्ट

> के० वासुदेवन ाक्षम प्राधि (परी) प्रताय ६ आयाज्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-७. दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 16-10-1985

## इस्य बार्षः, टी. एन., युव. ------

# नाधकर निध्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन कृषका

#### मारब सरकार

## कार्यासम, सहायक सायकर सायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन गेंग-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रक्तूबर, 1985

श्रीर जिसकी सं० फ्लंट नं० 108, ई-38 है, तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे जपाबढ़ श्रदुभूची में पूर्ण का से विधान है), रजिस्ट्रीक्स्ती श्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन, कारीक मार्ख 1985

का प्यांतस संपत्ति के उचित वाकार ज्या ने कल के सकतान प्रतिकास के तिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास धरने का कारण है कि स्थाप्तिंवत सम्पत्ति का उचित वाजार मृस्य उसके क्यमान प्रतिकास से, एसे क्यमान प्रतिकास से क्या प्रतिकार वे अधिक है और जंतरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे जन्तरण के सिए तय प्रवा बना प्रतिकास विस्तृतिक्षित उच्चक्ष के उच्च जंतरण कि सिन्तर यो प्रतिकास कर के कारण कि साम प्रतिकास के वाका के कारण कि साम से कारण के सिन्तर से वाका के कारण कि साम से कारण से साम से कारण से कारण से साम से कारण से कारण से साम से साम से कारण साम है :----

- (क) वनसरण से हुई किसी भाग की वाबत , उक्त अधिनियस के अभीन कर दोने के अस्तुरक के दाजिएन में कनी करने या उसमें त्याने में सुविधा के सिए; बॉह/बा
- (थ) ऐसी किसी भाव वा किसी वन या बन्च वास्तिकों को, जिन्हें भारतीय वावकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकार व्यथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया काला वाहिए था किया में वृत्रिया वे विष्:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्मरण हैं, मैं, अकत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नित्यत व्यक्तियों, अर्थात् क्र--

- 1) था: रधुवाण सिंह गृत्र सरदाः जीवा सिह, निवासी एल'०-18, साज्य ावसटाधन पार्ट- 2, नई दिल्ल', जनरस खटानी
  - (1) श्रापनाः विमला कमारोः पताः श्र गगा विश्वतः ।
  - (2) श्रीमत: निर्माला देवी पर्सा श्री श्री श्री भाग
  - (3) था। भहाबार प्रभाद पुत्र था। काली । राम।
  - (4) था रतन लाल पुत था काला राम।
  - (5) श्री: मुनील कृमार पुत्र श्रा: जाला राम ।
  - (6) श्रः बजरग लाल पुत्र श्रः वालः राम।
  - (7) श्रः गंगा बिशन पृत्र श्रः कालं राम, ांचर म० गंगा बिशन एण्ड कम्भनः, विश्वसाई-38, राजीरो गार्डन, नई बिल्ला श्रीर म० टाईम बल्डर, राजीरो गार्डन, नई दिल्लो।

(ग्रन्तरक)

2 में० टाईस ोटलस प्रा० लि०, ए-3, ग्रीम पार्व, नई दिला:।

(प्रन्तिरते।)

का यह सूचना शारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्चन के लिए कार्यवाहिमां सूक करता हूं।

सम्बद्ध सम्बद्धित की अजन की सम्बन्ध था। कोई भी बालांग :---

- (क) इस मुचना के राज्यत्र में एकाजन की तारीस से 45 दिन की बादीन पर क्यांतिमी व्यक्तियों पर सूचना की दार्माज से 30 दिन की बादीन, को भी अविध नाव में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस कूमना के राजपन में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन के बीठर उनक स्थावर सम्पत्ति में दित-वद्य किसी नन्य व्यक्ति स्वारा, बभाइस्ताक्षरी के गास निवित्त में किए का तकोंगे।

भ्याखीक्षाक्षाः -----इसमें प्रश्नुतः प्रस्यां सरि पदां का, साँ अवद अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हाँ, नहीं अर्थ होगा वो उस अभ्याय में दिवा गया हाँ।

#### अनुसूची

पलैट नं 108, पहली मंजिल प्रौ० नं ई-38, राजौरा गार्डन, नई दिल्ली लागदो-1065 को फिटा

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) यजन रोज-2, दिल्ली(, नई दिल्ली-110002

नार्शनः : 16-10-1985

## प्रकृत नार्ष हो . एन . एवं क्षान्य

नावकर संधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के संधीय स्थान

#### RISE SEVENS

#### कार्यालय, सहायक जायकर वायकत (ह्रवराजक)

श्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनोंक 16 मक्तूबर, 1985

निर्देश सं० श्र\$० ए० सी ०/एक्यू०/2/एस-आर-2/3-85/891:--श्रतः मुझे, के० वास्त्रेवन,

नायकर बिपिनयम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसके इसके परचात् 'उनत बीपिनयम' कहा पता हैं), की भारा 269-स के बंधीन क्काम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 18 04, ई-38 है तथा जो राजौरी गार्डन, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बांणत है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारों के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को प्रॉक्त सम्मित के उपित बाधार मूक्य है का में दक्षणान प्रतिकत के लिए कन्तरित की गई हैं और मूओ वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उपित क्यार मृत्य उसके दक्षणान प्रतिकत के लिए क्यार प्रतिकत की कारण है को हो है इस्पेवान प्रतिकत का व्याप्त प्रतिकत विभक्त है जोर वंतरक (वंतरकों) और वंतरिती (वंतरितियों) के बीच एवं वंतरक (वंतरकों) कर तहा उप वंतरक व्याप्त प्रतिकत, विकासिक क्यार वंतरक वंतरक विकास के विद्या करा प्रतिकत, विकासिक क्यार वंदरक वंतरक विद्या प्रतिकत के व्याप्त वंतरित विद्या के व्याप्त वंतरित विद्याप्त वंतरित विद्या के व्याप्त वंतरित विद्य विद्य वंतरित विद्य विद्य वित्य वंतरित विद्य विद्य

- (क) अध्यक्त ते हुई , जिल्ली बाद की नावत , उत्तर जीविषयण के जभीन कर देने के अन्तरक के कृतित्व में कनी करने या उत्तरे तकने में वृतिया की सिहु: क्षेत्र/जा
- श्व) इसी किसी नाम या किसी यम ना मूल स्वतिकारी को जिल्ही भारतीय भारतीर जीवनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत जीवनियम, या:चन-कर जीवनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में त्विथा के जिए;

जत: अवं, उनतं वीधीनवंज की धारा 269-ग के जन्तरण हो, जो, उनतं जीधीनवंज की धारा 269-ग की उपधारा (1) है अधीन, निकाधिवित क्वीववों, अर्थात् ध—ं 31—356GI/85

(1) श्री रघुबीर सिंह पुत्र श्री जोधा सिंह, नियासी-एल-18 नई दिल्ली, साऊथ एक्सटेन्सन, नई दिल्ली (जनरल घटारनी (1) श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री गंगा बिगन (2) श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री शिगन (3) श्री महाबीर प्रसाद नेत्र श्री काली राम, (4) श्री रतन लाल पुत्र श्री काली राम (5) श्री सुशील कुमार पुत्र श्री काली राम (6) श्री बजरंग लाल नेत्र श्री काली राम (7) श्री बिशन पुत्र श्री कालीराम पार्टनर में टाईम बल्डमं राजौरी गार्डन नई दिल्ली,

, प्रन्तरक)

(2) मैं ॰ टाईंम होटलस प्रा० लि॰, ए--3, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली--4

(भनिरिती)

को वह भूषना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

क्ष्मच बन्निक के बर्जन के संबंध में कोई भी मार्का :--

- (क) इस स्वाम के राज्यक में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की स्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की सानीय से 30 दिन की स्वधि, जो भी स्वधि साथ में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्वीमता में से किसी स्वप्तित द्वारा;
- (क) इस क्षमा के कार्यका में प्रकाषन की तारीस से 45 दिन को भीतर उत्तत स्थावर संपरित में हितबक्ष किसी बच्च कार्यका स्थाहस्ताक्षरी के पास निकास में किए का सकार्यन

रक्किरियः — इसमें प्रयूक्त सन्दों और पद्यों का, जो उक्त निर्धातियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही कर्य होगा को उस अध्याय में दिया। भेषा ही

## बनुतुकी

पलैट नं 104, 1040 वर्ग फुट प्रा० नं ० ई-38, तादाबी-2400 वर्ग गण, राजौरी गाउँन, नई दिल्ली, एरिया ग्राम-बसई वारापुर, दिल्ली।

> कें वासुदेवन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयार आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख • 16-10-185

प्रकृप कार्य<u>ा टी. एम. एक .</u>-----

## बावकर विविधिम, 1961 (1961 का 43) की वाडा 269-ए (१) थे वयीन बुज्या

#### भारत सरकार

## न्यवर्गनयः, सञ्चयक नायकरं अस्<u>युक्तः (विक्र</u>ाविकारः)

भजन र्रज-2, नई विल्ली

नहें दिल्ली, दिनांक 16 धक्तूबर, 1985

निर्वेश सं प्राप्तः ए० सी /एष्य् / 2/एस-व्यार-1/3-85/ 892:---भतः मुझे, के० चास् देवन,

बायकर वीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गड़ा 🐉, की धारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- **र**त. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2.97 छ, हिन्3 है, है सथा जो **सबीरी** गार्डेन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाधक प्रमुख़्यी में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीइती अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिल्डीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 18) के प्रधीन, तारीख मार्च, 1985

की पूर्वोच्छ संपत्ति का उपित बल्यार मृत्य के कम के बहुबनाव प्रतिफंस के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते वह विश्वास भारने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्बद्धि का श्रापित बाबार **ब्रुव, उसके दर्वजान प्रतिपन्न के ऐसे करक्तान प्रतिकत्त के** पन्नाह प्रतिकात से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और बन्धरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एंचे अन्तरण के सिए तब रामा नवा प्रतिकास, निम्निमिक्कि बढ्दोस के उपन अस्तर्य विचित्त में बास्तविक रूप से कवित नहीं फिया नवा है है—

- (क) बनारण से हुए किसी बाद की बाबत . संबंध विधिनियम भे अभीन कर कोने को बच्छरक के वावित्य में कमी करने या उन्हतं अलने में सुविधा ने विद्⊬ गरि∕ना
- (क) एंडी किसी भाव का किसी भव वा कस्य जास्तिकी को, विक् भारतीय क्रक-कार विक्रितवन, १९२२ (1922 का 11) दा क्या वर्षितिका, श वनकर वीवीनवय, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ बंग्लीरसी द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिये था डिब्याने जे ने जिला

अतः जब, उक्त जिमिनयमं की धारा 269-ग के अनुसर्ग में, में, सकत निभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) क्रों अभीन, निस्नसिवित व्यक्तियों, व्यति ः---

(1) भी रह्मचीर सिंह पूज सरवार जोधा सिंह निषासी-एल 18, नई विल्ली, साऊथ एक्सटेम्सन पार्ट-- 2, नई विल्ली अनरल ग्रटारनी (1) श्रीमती बिमला कुमारी पत्नी भी गंगा विशम (2) श्रीमली निर्मेला देवी पत्नी श्री श्री किशन, (3) महावीर प्रसाद पुत्र श्री काली राय (4) श्री रतन लाल पुत्र श्री काली राम (5) श्री सुकील मुन्हान्द पूछ श्री काली राम (6) श्री वजरंग लास पुत्र थी कासी राम (7) श्री गंगा विशन पुत्र 🝂 काली पाम पार्टनर मैं० मंगा विश्वन एन्ड कम्पनी **ई**⊸38, राजौरी गार्डन, नई विल्ली और मै० टाईम बुरुडसँ, राजीरी गाउँन, नई विस्ली ।

(भन्तरक)

(2) मै० टाईम होटलस प्रा० खि०, ए-3, ग्रीन पार्के, नर्षि व्रिल्ली।

(अन्दरिखी)

को यह सूचना वार्षी कर्ड़में पूर्वीक्त संप्रस्ति भी वर्षान के जिस कार्यवाहियां करता 🚮 🛭

#### रक्ष वंशील से मर्कन संबंध में कोई मी मार्की ह—

- (का) इस स्वयना को राजपन में प्रकाशन की तारीय से .45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी म्यक्तियों अर सूचना की सामील 30 विन की अवधि, जो भी वयि वाव में समाप्त होती हो, कें भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिको में वे कियो व्यक्ति हुनारा;
- (वा) इक शूचना की राजपुत्र में प्रकाशन की दार्रीय से 45 दिन के भीवर क्वत स्थाप्र सम्मरित में हित्बक्थ क्रिकी नृत्यु व्यक्ति प्रवास न योष्ट्रस्ताकारी के शहर विविध में किए हा बर्क देश

लक्कोकरम:---इसमें प्रयुक्त सन्दों मीह पदों का, यो उपन निधिनियम, के नध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हाना, जो उस अध्याय में विया गया

#### भनुबुची

फ्लट नं ०-207, ताबाबी-1012 वर्ग फीट, प्रो० नं ° ई-38, राजीरी गांडन, नई दिल्ी, एरिया ग्राम-बसेई दारापूर, विल्ली ।

> के० वास्तवेवन, सक्षम प्रधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (नि क्षिण), मर्जन रेंप-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीचा: 16-10-1985.

मोहर 🏻

## प्रकृष् कार्षं ुटी ,ृष्णं ॥ पुर ,्वारवान---

नायकर मधिनिष्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत सुचत्र

#### भारत प्रस्कार

कॉमीबर, सहारकं गायकर वस्तुकः (निद्रीयाण)

श्रजैन रेंप-2, नई दिस्सी नई दिस्सी, विनोक 1.6 ध्रम्यूबर, 1985

निर्वेश सं॰ भाई॰ ए॰ सी॰/एक्यू॰/2/एस-भार-1/3-85/893:--भातः मुझे, के॰ वासुदेवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (रिवर्स इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व की अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास अरने का कारण है कि स्थावर बम्पीता, विकास उच्चित बाजार कृष्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, ई-38 है तथा जो राजौरी गार्बन, नई दिस्ली में स्थित है (और इससे उपाबंद धनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिस्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकृरण प्रधिनियदा, 1908 (1908 का 16) के प्रधीम, तारीख मार्च, 1975

को पूर्वे क्या सम्पंति के उपित बाजार मुख्य से कन के उत्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का काश्य है कि यथा पूर्वेक्त क्यांति का उत्यक्त बाजार मूल्य, उसके उत्यमान प्रतिकाल से, ए उत्यमान प्रतिकाल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अंतरितवों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकान, निम्नोसिकत उद्वोक्त से उन्ते अन्तरण निकित में वास्तिकक क्या से कांचित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी शाय भी वाषक, उपव वीधीयमा की अधीप कर दोने के वाष्ट्रक के दानित्क में कमी करने या उत्तर्व वचने में सुन्तिथा के सिए; बोद/श
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी अन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय नायकर वीभीनवन, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या भवजर विभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना जाहिए था, स्थितने में स्विभा के सिद्;

वर्षः नव, उक्त अभिनियम की भारा 289-ग के अनुकरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभाश (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :--- (1) श्री रमबीर सिंह नेन्न सरघार जीवा सिंह, निवासी—
एल-18, नई दिल्ली, सोऊथ एक्सटेन्यन पार्ट-2 नई
दिल्ली, जनरल घटारती (1) श्रीमती निर्मला कुमारी
पत्नी श्री गंगाबियन (2) श्रीमती निर्मला देवी पत्नी
श्री श्रीतियन (3) श्री महाबीर प्रसाद पुत्र श्री काली
राम (4) श्री रतन लाल नेत श्री काली राम (5)
श्री सुगील कुमार पुत्र काली श्री राम (6) श्री बजरंग
लाल पुत्र श्री काली राम और (7) श्री गंगा बियान
पुत्र श्री काली राम मैं० गंगा बियान एष्ड कम्पनी
ई-38, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली, और मैं० टाईम
बुल्डर्स, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं ॰ टाईम होटलस प्रा॰ लि॰, ए-3, प्रीन पार्क, नई दिल्ली ढारा बावरेक्टर श्री हरदीप पुत स्थ॰ श्री अमं सिंह। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सक करता हो।

इन्छ तंप्रीक के क्वन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाबन की सारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दितवव्य किया वर्ष व्यक्ति व्यास स्थावर संपत्ति में दितवव्य विकास किया वर्ष व्यक्ति व्यास स्थावर में विकास पा सकतें।

रणका किल्लाः — इतमें प्रवृक्त सक्तों और पत्नों का, को सकता इ<sup>8</sup>, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित नवा ड<sup>8</sup>।

## मन्त्र्या

फ्लैट नं०-7, ग्राऊड फ्लोर प्रो० नं० ई-38, राजौरी गाउँन, नई विल्ली, तावावी-1012 वर्ष फिट ।

> के० वासुदेवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज-2, घिल्ली, नई दिल्ली

वारीख: 16-10-1985

## प्रकार बाह्य है दर्ज प्रकार प्रकार

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा १८८-४ (1) के अधीन सचना

#### भारत वरकार-

कार्यालय, सहायकः **जायकर भायुक्त (निर्धिशण)** 

ंद्रर्ी 1 रेंज∸2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्तूबर, 1985

िन्देंग सं० घ्राई० ए० भी०/एक्यू०/2/एस०—घार⊶1/3→85/894:---ग्रतः मुझे, के० वास्**देवन**,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परमाल 'उन्त अधिनियम' कहा गया है, की भाषा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्ता उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और निसकी बंद पनेट नंद 204, ई-38 है तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिनिट्री क्ती प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भा तीर रिनिट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारी हा मार्च, 1985

का पूर्वीयत सम्पतित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए अन्दरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वीयत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके एश्यमान प्रतिकल से, एसे रूपमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिवात अधिक है और अंतरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्वा) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय गमा गया प्रतिकल, निम्निचित उक्किंग से उक्त बंतरण के लिए तम

- (क) नन्तरण से हुई किसी बाव की बावस, उनस निर्मायन के बचीन कड़ दोने के कलरफ के बावित्व में ककी कुल्में वा बहुदों बचने में सुविधा के सिए; बाद्र/बा
- (भ) ऐसी किसी जाव ना किसी भव या नाम वास्तियों अर्थ जिल्हां भारतीय आव-कर विभिनियम, 1922 सा 10 या जक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी बुवारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया थाना थाहिए था, कियाने में सुविधा के सिएं।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) श्री रघुबीर सह पुत्र सरकार जोधा सिंह, निवासी—
एल-18, नई दिल्ली, साऊथ एक्सटेन्सन पार्ट-2,
नई दिल्ली, जनरल ग्रटारनी (1) श्रीमती बिमला
देवी पत्नी श्री गंगा बिशन (2) श्रीमती निर्मला
देवी पत्नी श्री श्रीकिशन (3) महाबीर प्रसाद पुत्र
श्री काली राम (4) श्री रतन लाल पुत्र श्री काली
राम (5) श्री सुशील कुमार पुत्र श्री काली राम (6)
श्री बजरंग लाल पुत्र श्री काली राम (7) श्री गंगा
बिशन पुत्र श्री काली राम मैं० गंगाबिशन एन्ड कम्पनी,
ई-38, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।।

(प्रन्तरक)

(2) मैं ॰ टाईम होटलस प्रा॰ लि॰, ए→3, ग्रीत पार्क, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के वर्षन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

'सबत् संस्पृत्ति' के वर्षन् के संबंध में कोई भी बाओप ::---

- (क) या स्थान के राजपन के प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तासील से 30 दिन की अवधि, को भी स्थाधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्युथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंचे।

स्वक्षित्व : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुसूची

फ्लैट नं० 204, तादादी-1040 वर्ग फुट प्रो० नं० ६-38, राजौरी गार्धन, नई दिस्ली ।

> के॰ वास् देखन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नर्ष दिल्ली।

तारीख: 16-10-1985

## क्ष्म अस्तु । दी<sub>य</sub> पुत्र<sub>य</sub> पुत्र<sub>य -----</sub>

## बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-च (1) के सभीत ब्रमना

#### THE PERM

## कार्याजय, सङ्गाक नामकर वायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 16 मुक्तूबर 1085

निर्देश सं० ग्राई ए० सिं०/एक्यू०/2-एम० ग्रार०-1/3-85/895-- श्रप्तः मुझे; के० वासुदेवन

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनिक्क' कहा गया है), की भारा 269-क के मधीन सक्षम प्रारंभाकारी की यह निश्चास करने भा कारण है कि स्थावर सम्मस्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 1,00,000/-राः ते अधिक ही

भौर जिसको सं० फ्लेट नं० 103, इ→38 ह तथा जा राजोरी गार्डन, नई दिल्ला में स्थित है (भौर इससे उपाबद भनुतूजी में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीवर्ता भिधनारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण भिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तार/ख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मूच्य से कम के इत्यमान प्रतिकल के लिए अंबरित की नई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके इत्यमान प्रतिकल से, ऐसे इत्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेशय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नन्तरुष वं हुई किसी नाम की नामत समय निर्मितन के नधीन कर दोने के मन्तर्क के समित्व में कनी करने या उसने नचने के समिशा के सिए; सीर/मा
- (क) प्रेसी किसी नान वा किसी पन वा नाम नास्तियों की, जिन्हों भारतीय माननार वरिपनियम, 1922 (1922 का 1%) या उनते अधिनियम, वा यम- अध्य अधिनियम 1957 (1957 को '27) के प्रयोजनार्थ नृष्युद्धिती युवारा प्रकट नृहीं किया नृष्यु था वा किया वाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा में जिन्ह;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं. मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) है अभीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्षात् ह— (1) श्री रघबीर सिंह पुत्र सरदार जोधा सिंह, निवासी:-एल-18, नई दिल्ली, साउथ एक्सटेंगन पार्ट-2, नई दिल्ली,

जनरल ग्रटारनी (1) श्रीमती बिमला कुमारी पत्नी श्री गंगाबिसन। (2) श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री श्री किशन

- (3) श्री महाबीर प्रसाद पत्न श्री काली राम ।
- (4) श्री रतन लाल पुत्र श्री काली राम
- (5) श्री सुशील कुमार पत्न श्री काली राम
- (6) श्री बजरंग लाल पृक्तं श्री काली राम
- (7) श्री गंगा बिशन पुत्र श्री काली राम पार्टनर मै० गंगाबिशन एण्ड कम्पनी ई-38, रजौरी गार्डन, नई दिल्ली, और मै० टाईम बुल्डर्स, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं ॰ टाईम होटल्स प्रा॰लि॰, ए-3, ग्रीन पार्क नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वों कर सम्पर्टित के अर्थन के सिद्ध कार्यवाहियां शुक्र करता हुई ।

वस्य बभ्यति के वर्षन के सम्बन्ध हैं कार्ड ही बार्ड हैं-

- (क) इस भूषना के सम्बन्ध के प्रकारण की सर्वांच के 45 किन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्क्राना की तक्षणील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्ब्रीस में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण ६ — इसमें प्रयुक्त सब्यों बौर पर्यों का, जो सबस विधिनयम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा जो उस स्थ्याय में दिया गया है।

#### मन्त्रची

फ्लैट न० 103, ताढादी 1140 वर्गफ़ीट, प्रो० न० ई-38, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली, एरिया ग्राम वसई दारापुर, दिल्ली।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 16-10-1985

## प्रका बाह् डी कुन वृत्र ------

## थायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के बचीय सुचना

#### भारत सरकार

## कार्याय , सङ्कातक कार्यक र कार्यक (जिस्तीलाण) प्रार्जन रेंज-2, नई विल्लो

भौर जिसकी सं पलेट मं 208, ई-38 है तथा जो राजोरी गार्चन, नई किली में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसुची में भौर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्विक्स सम्पत्ति को उचित काज़ार जुल्ह से काज को क्रयमान प्रतिकाल को लिए सन्तरित की नहीं है और जुलो यह विकास कार्न का कारण है कि सभाप्त्रों कर संपत्ति का कचित वाचार मूझ्य, उसके क्रयमान प्रतिकाल से, एंसे क्रयमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और सन्तरक (जन्तरकों) और संतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरक के लिए तब वावा गया प्रतिकाल निकासित का क्रयमान प्रतिकाल निकासित का क्रयमान का प्रतिकाल निकासित का क्रयमान नहीं क्रिया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की वावस, अवस अधिनियम के वधीय कर देने के बंतरक के दासिय में कमी करने या बचसे बचने में तृतिया के सिए; बॉर/या
- (च) एंसी किसी बाब या किसी वन या बनक वास्तिवाँ को, चिन्हों भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया आता वाहिए था, फिनाने में बृतिया की किए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वा. मा. उपत विधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निस्तिवित व्यक्तियों, वर्धात् :--

- (1) श्री रमबीर सिंह पुत्र श्री जोघा सिंह, निवासी--एल--18, नई दिल्ली, साउथ एक्सटैंशन, पार्ट-2, नई दिल्ली, जनराल ग्रटानी (1) श्रीमती विमला मुमारी, परनी श्री गंगा बिशन,
  - (2) श्रोमती निर्मला देवी परनी श्री किशन,
  - (3) श्री महाबीर प्रसाद पुत श्री काली राम,
  - (4) श्री रान लाल पुत्र श्री काली राम,
  - (5) श्रो सुशोल कुम र पुत्र श्री काली राम,
  - (6) श्री बजरंग लाल पुत्र श्री काली राम
  - (7) श्री गंगाबिशन पुत्र श्री काली राम पार्टनर मैं० गंगाबिशन एस्ड कम्पनी, निवासी ई-38, राजोरी गार्डन नई दिल्ली, भौर मैं० टाई इल्डर्स, राजोरी बार्डन नई दिल्ली।

(झन्तरक)

(2) श्रांमतो बिना भसोन, पत्नी एस० पो० भसीन, निवासी-100-एम०, मिडिल सर्कस, नई दिल्ली। (धन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्जनाहियां चूक करता हुं।

## सक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई जी नाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की ननींध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की व्यक्ति, जो भी वृष्य कर में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित्रबहुध किसी बन्ध विक्त दुशारा वधोहरूपाकारी के पास विश्वित में किस् का सकेंगे!

## वपुषुवीं

परीट नं 208 दूसरा तल प्रो॰ नं ॰ ई-38, राजोरी गार्बन, नई विल्ली।

के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-2, नई विस्सी

दिनांक : 16-10-1985

## अका बाहु है और सुरक्ष सुद्ध । अस अक

## बावकर मित्रिवय , 1961 (1961 का 43) की पछ 269-म (1) में बचीन बुजवा

#### 

कार्यासम्, सङ्ख्यः धारमहः वासूनवः (निर्माशकः)

क्रजेंग रेंज-2, नई जिल्ली

नई दिल्ली, दिनौक 16 शक्तूबर 1985

निर्देश सं० गई० ए० सी०/एनयू०/2-एस०-ग्रार०-1/ 3-85/897---ग्रतः मुझे के॰ वयसुरेकन नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) रिवर्ष दशके इसके अध्यात् 'उनत अधिनियम' कहा नवा ही, की पास 269-य के अभीन सक्षण प्राधिकारी को, वह नियमाय करने का कारण ही कि स्वायद सम्बद्धित, जिसका द्वित बाजार नहन

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
भीर जिसकी सं० पलेट न० 102, ई-38 है तथा जो
राजोरी गार्डन, नई बिस्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद भ्रतसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को वृत्रें अस सम्बद्धाः के अधित बाकार कृष्य के कान के व्यवनान प्रतिकृत के सिय असीरत की गई है और मुके वह विकास करने का कर्मक हैं कि वाधावृत्रों कर संपरित का उचित बाकार मृध्य, उसके व्यवमान प्रतिकृत से, एसे व्यवमान प्रतिकृत से, एसे व्यवमान प्रतिकृत से, एसे व्यवमान प्रतिकृत से पत्वह प्रतिकृत ने विध्य है है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तम प्रका गका प्रतिकृत , निष्णीतिविक उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य में बान्तिकृत क्या से क्यांचत नहीं क्रिया गवा है है

- (क) नन्तरन के हुए जिली जान की बावब , क्या समितिका के क्षणीत कर दोने के कन्तरक के स्वीवत्य में क्यों करने वा वसके वसने में स्विधा के लिए मिटा वा
- (थ) होती निवर्त असं ना जिल्ली जम वा जान वास्तियों को, जिल्ली बार्य-कर व्यक्तिनक्स, 1922 (1922 का 11) या क्यत अधिनियन, या धनकर वीधिनियन, 1957 (1957 का 27) के प्रकोध-गार्थ कलारियों ह्याचे प्रकट नहीं किया नवा था वा विकास वासा चाहिक था कियाचे में क्षिया की किया;

अतः अव, उक्तः अधिनियम की धारा 2'69-ग के जनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 2'69-थ की उपधास (1) के कमीन, निज्ञीनिका व्यक्तिस्तर्भे, वर्षीक् ड—-

- (1) श्री रघबोर सिंह पुत्र श्रां जोघा सिंह, निवासी-एल-18, नई दिल्ली, साउथ एक्सटेंशन, पार्ट-2, नई दिल्ली, जनरल घटार्नी हैं(1) श्रीमती विमला कुमारी, पत्नी की गैंगा बिशन,
  - (2) श्रोमतो निर्मेला देवी पत्नी श्री विधान,
  - (3) श्री महाबीर प्रसाद पुत्र श्री काली राम,
  - (4) श्री रतन लाल पुत्र श्री काली राम,
  - (5) श्री सुशील कुमार पुत्र श्री काली राम,
  - (6) श्री बजरंग लाल पुत्र श्री काली राम,
  - (7) श्री गंभा निशन पुत्र श्री काली राम, पार्टनर मैं० गंगा निशन एन्ड कम्पनी, निवासी, ई-38, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली, म० टाईम जिल्डन, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री भ्याम लाल जैन,
पुत श्री मेहलाब राम जैन और
श्री सुरेश चन्द जैन पुन्न श्री चाबील दास जैन,
निवाी →7360,बी, प्रेम नगर, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को नह सूचना चारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्णन के सिद् कार्यनहिंद्यां क्षूकं करका हूं।

## अन्त अन्तरिक के कार्यक के इंग्लंब के क्रोक् भी कार्यक क्र---

- (क्यूं) वस सूक्तम के राज्यम में प्रकारन की तार्थि सं 45 वित्र की नगीय वा तरस्वकारी व्यक्तियों पर सूक्तम की ताबील से 30 वित्र की संगीय, जो भी मंगीय कार में समाप्त झोली हों, के शीतर गूर्वीयस व्यक्तियों के किसी व्यक्तित हुनाय;
- (य) इत क्यम में त्यमन में प्रकारन की सारीस से 45 किन के बीसड़ उनत स्थानर कलीय में हित-महत्र किनी कन अभित द्वास नमाहस्ताक्षरी के राज विक्रिय में किए या क्ष्मेंने ।

रचंडीकरण — दवने प्रवृत्तः बच्चे नीर वर्षो ना, वो उन्त व्यक्तिक्षय में बच्चाय 20-क ने पहिशायित ही, नहीं नवीं होगा, वो उस मध्याय में दिया वर्षा ही।

#### वनसर्वा

फ्लेट नं 102, पहली मंजिल, सम्बादी 1155 वर्ग फ़ट, फ्रो॰ नं ई-38, क्लोनी गार्खन, मई फिल्ली।

> कें° वासुबेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज−1, नई दिल्ली

विनोक : 18-1-0-198#

हर :

## प्रकथ बाइ : टी. एन. एस . ------

## बावकर संधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मंधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यातय, सहायक शायकर शायकर (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, नई विल्लो

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एकपू/2/एस० श्रार०-1/3-85/898—अतः मुझे के० वासुदेवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-व के अधीन सक्त श्रीधिनयम' कहा गया है), का धारा 269-व के अधीन सक्त श्रीधिकारी को, यह विव्वार करने का कारण है कि स्थान संजीति, जिसका इचित बाचार मृत्य 1,00,000/- रु. हे अधिक हैं अधीर जिसकी सं० प्लैट नं० 202 ई-38 है तथा जो राजौरी गाउँन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रमुसूवी में श्रीर श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त कल्पीत के उपित बाधार मूल्य से कम के क्ष्यकान प्रितकान के फिए कल्पीरिक की गई है और मूझे यह निक्यां करने का कारज है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यकाय प्रतिकल से, ऐसे क्ष्यकाय प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और अंतरिकी (जन्तरितिकों) के बीच ऐसे जन्तरण के निए तय पाया गया। तिकस निम्मीसिकत उद्योधन से उस्त कन्तरण निम्मीसिकत उद्योधन से उत्योधन स्वाधन स्वाधन

- (क) शन्तरण वे हुए जिल्ली बाव की वायतः, उपक बहुषित्यम् के श्वीत कर देने के सन्तरक वे दावित्य में कभी करने वा बच्चे वसने में विवधा में फ़िल्हा
- (क) एंडी किसी भाग वा किसी भग वा बन्य बाहिस्तवों का, जिन्हें भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर विभिनियम, या भग-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवेचनार्थ जन्तरियों ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ने प्रवार
- अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

- (1) श्रो रधबीर सिंह पुत्त श्री जोधा सिंह, निवासी, एल-18, नई दिल्ली, साउथ एक्सटेंशन पार्ट-2, नई दिल्ली, जनरल श्रटार्नी (1) श्रीमती विमला देवी, पत्नी श्री गंगा विशन,
  - (2) श्रीमती निर्माला रानी परनी श्री श्रीकिशन,
  - (4) श्री रसन लाल पुत्र श्री काली राम,
  - (5) श्री सुशील मुमार पुन्न श्री काली राम,
  - (6) श्री बजरंग लाल पुत्र श्री काली राम,
  - (7) श्री गंगाबिशन पुत्र श्री काली राम, पार्टनर मैं गंगा बिशन एन्ड कम्पनी, ई-38, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली, श्रीर मैं टाईम बिल्डर्स, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(मन्तरक)

(2) श्री दलीप मिलक पुत्र श्री एच० एम० मिलक, निवासी, फ्लेट नं० बी-54, माउन्ट फ़ोर्ट सकूल, स्रगोक विहार-1, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पर्वोक्त सम्पन्ति के कर्चन के किए कार्यनाहियां कारता हो।

विन्तु वेंग्रीत के अर्थन के संबंध में कोडों भी बाक्रेप 📖

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की नवीं में वा तत्वंबंधी स्थीनतमें पूर सूचना की तामीन वे 30 दिन की स्थीध, यो भी नवीं बाद में बनान्त होती हो, को शीतर पूर्वोक्त स्थीनतमें में से सिक्ती स्थीनत बुवारा;
- (च) इत सूचना के राज्यक में प्रकाशन की बारीच के 45 दिन के भीतर उक्त. स्थावर कम्परित में हित-वर्ष किसी जन्म स्थावत बुवारा अभोक्ष्याक्षरी के वास सिविस में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः इसने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उच्छों अधिनियन के जध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होता वो उस्त अध्याय में दिवा पदा है।

#### धनुसूची

फ्लेट नं 202, दूसरा तल क्षेत्रफल 1155 वर्गफूट, प्रो॰ नं॰ ई-38, राजोरी गार्डन नई बिल्ली।

> के० वासुवेबन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-2, नई दिल्ली-2

दिमांक : 16-10-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज--2, नई दिल्ली

नई दिल्लें, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1985

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2-एस० ग्रार०-1/3-85/899--- श्रार सुझे, के० वासुदेवन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट तं० 301, ई; 38 है तथा जो राजोरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर एसमे उपाबद श्रनुपूर्वी में भीर पूर्ण रूप के विणित हैं) रिक्स्ट्रीवर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 ला 16) के श्रधीन हारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्षत सम्बत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विदेय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-32---356GI/85

- (1) श्रा रवकार सिंह पुत्र सरदार जोधा सिंह, । सवातार मूल-18, नई दिल्ली, राज्य एक्सटेंशन, पार्ट-2, नई दिल्ली, अनरल अटारनी 1) श्रामती विमला क्कुमारी, पत्नी श्री गंगा विशान,
  - (2) श्रामती निमला देवा पत्नी श्री श्रीविशन,
  - (3) श्रा महाबीर प्रसाद पुत्र श्री काली राम.
  - (4) श्रं: रतन लाल पुत श्री ालं: राम,
  - (5) श्रंत मुणोल फुमार पुत्र श्रो कार्ली राम,
  - (6) श्रा बजरंग लाल पुत्र श्री जाली राम,
  - (7) श्रांगंगा विभान पुत्र श्रां काली राम, पार्टनार मैं० गंगा विभान एन्ड एम्पनी, ई-38, राजीरी गार्डन, नई दिल्ली, श्रीर म० टाईन विल्डर्स, राजीरी गार्डन, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) म० कमफ़ोर्ट लिविंग होटल्स (प्रा०) लि०, डायरेक्टर सुरुद्धार हरदीप सिंह, ग्रंडन पार्क, नई दिल्लंः।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित के किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धन<u>ु</u>सूची

पनेट नं ० ३०१, तरपर् मंजिल, तादादर 1207 वर्गफीट प्रो० नं ० ई--३८, भाजोर् गार्डन, नई दिल्लं ।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिारः यहाय**ः ग्रा**यकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज--2, नई दिल्ला

दिनांक : 16-10-19**8**5

## पञ्चय जार्चा, टी. **ध्य . हव .** ----

## जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा ्वयन की के अधीन सुख्या

#### भारत सरकार

काशतिक, महावक कार्यका आवास्त (विरोधक)

श्राप्तिन <sup>केंद्रा</sup>--2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांगा 16 श्रमतुबर 1985

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उस्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्ष्म णाधिकारों को, यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका लिकत बाजार मुख्य 1,00,000/- रहा से अधिक ही

ग्रीर जिसकी संव पलेट तंव 106, ईन 38 है तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूर्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिटर्ट वर्ता ग्रिकिट रें के कार्याख्य नई दिल्ली में रिवर्ट एपण ग्रिकिट में 1908 (1908 दा 16) के ग्रार्थन तार्च वार्च 1985

को पूर्वेवित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यवान पतिफल के लिए अन्तरंत की गई है और मुख्ये वह निक्तास करने का कारण है कि यथापूर्वेवित संपरित का स्वित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिकाल में, एऐसे स्वतकान प्रतिकाल का पंछह प्रतिकाल से जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पासा गवा प्रतिक्त कल स्थित उद्दोस्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्तिकक कम से किथत नहीं किया गया है क्ष्य

- (कः) अन्तरक न अभा १५५०। धाय की वस्यतः, जन्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वाजित्व में अभी करने या उससे अभने में स्विधा के जिए, और/या
- (णा) एमी किसी शाव या किसी घर या अल्य बाल्लियों कां, जिन्हों भारतीय आएकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) था उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधावनाथ सन्तर्भिती स्वारा प्रकर नहीं किया गए था बा किए। जाना आहिए था, जियाने में गांवभा के स्कि:

भतः मध उक्त निर्मानियम का भारा 269-ग वी सन्तरभ माँ, माँ, आक्त निर्मानियम की भारा 269-म को उपभारा (1) में सभीतः, निर्माणिकाः श्रीकत्यों, अर्थातः:----

- (1) श्री रघबीर सिंह पुत्र सरदार जोधा सिंह, निवासीर-एल-18, नई दिल्ली, पाउर- एलपटेंशन, नई दिल्ली, जनरल ग्रटानी (1) श्रीमती बिमला कुमारी, पत्नी श्री गंगा विशन,
  - (2) श्रा मती निर्मेला देवी पत्नी श्री श्रीकिशन
  - (3) श्रा महावीर प्र पुत्र श्री कली राम,
  - (4) श्रां रतन लाल पुत्र श्रीं कली राम,
  - (5) श्रा सुगील कुमार पुत्र श्री काली राम,
  - (6) श्रां बजरंग लाल पुत्र श्रां काली राम,
  - (7) श्रंतिंगा विश्वनः पुत्र श्रंतिः सालि रामः, पार्टनर् मै० गंगाविषान एत्ड कम्पनीः, निवासीः,ई--58ः, राजीरीः गार्डनः, नई दिल्लीः श्रीर मै० टाईम बुल्डर्सः, राजीरीः, गार्डनः, नई दिल्लीः।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रां के एम पानि इस, पुत्र श्री एन एन पौटी 604, गगन दाप, राजन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की तारीच से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाच 45 दिन के मीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितवबृथ सिकित में किए जा सकीने।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हरं अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभावित है, वहीं अर्थ होगा थो उस अध्याय में दिवा क्या है।

#### बन्सची

फ्लेट नं० 106, पहली मंजिल, प्रो० नं० ई-38, राजौरी गार्डन, नई धिरुली, तादादी 1400 वर्ग गज ।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिशारी सहायक ग्रायापर ग्रायुक्त (निर्राक्षण) ग्रर्जन रेंज्र-2, नई दिल्ली

दिनांक : 16-10-1985

#### प्रकार कार्त हो एवं.एक. 🕶

बावकर क्रीधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धाछ 269-म (1) के मधीन सूचना

#### शारत शरकार

## कार्यासक, सहामक अध्यक्तर बायुक्त (निरक्षिण)

म्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 16 प्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु/2/एस० श्रार०-1/ 3-85/901--श्रतः मुझे, के० वासुदेवन शायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'डक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269

इसके परकात् उपने आधानसमा कहा गया हो, को धारा 269 इ. के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर र्यपस्ति जिसका उपनित बाजार मृल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं भीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 6, ई-38, है तथा जो राजोरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रीक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके इच्यमान प्रतिफास से, एसं इच्यमान प्रतिफास का प्रमुद्ध प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और जंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-कस, निम्नलिसित उद्वेशय से उस्त जंतरण लिसित में बास्त-विक क्य से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण के हुइ किसी बाय की बावत , उक्त विध-विश्वम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तर्ध बचने में सुविधा के लिए वरि/या
- (का) एरेरी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, '1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिक;

नतः अव, अक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उस्ता अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) मूं अभीन, निक्त्नीनरिवत व्यक्तियों, अर्थात् ४—

- (1) श्री रघबीर सिंह पुत सरदार जोधा सिंह, निवासी—ए -18, नई दिल्ली, साउथ एक्सटेंशन, पार्ट-2, नई दिल्ली, जनरल श्रटानीं (1) श्रीमती विमला कुमारी, पत्नी श्री गंगा विश्वन,
  - (2) श्रीमती नर्मला देवी पत्नी श्री श्रीकिशन,
  - (3) श्री महाबीर प्रताद पुत्र श्री काली राम,
  - (4) श्री रतन लाल पुत्र श्री काली राम,
  - (5) श्री सुशील कुमार पुत्र श्री काली राम,
  - (6) श्रीबजरंगलाल पुत्र श्रीकालीराम,
  - (7) श्री गंगा विषात पुत श्री काली राम, पार्टनर मैं गंगाविशन एन्ड कम्पनी, राजोरी गार्डन नई दल्ली, और मैं टाईम बिल्डर्स, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुगीला साहनी, पत्नी स्व० श्री सी० पी० मैनी ग्रौर

> (2) श्री एस० के० मैनी, पुत्र स्व० श्री सी० पी० मैनी, निवासी→25/2, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हु।

उबस सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन को तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील भे 30 दिन की अविधि, जो भी जबिंद बाद मों समाध्य होती हों, को भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच चै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकींगे।

स्पर्धिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उन्स अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषिष हैं, नहीं वर्ष होंगा जो उस वश्याय में दिया पदा हैं?

#### ne water

फ्लेट नं० 6, ग्राउन्ड फ्लोर, प्रो० नं० ई~38, राजोरी∙ गार्डन, नई दल्ली, तादाद्री 1400 वर्गफिट।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, नई दिल्ली

दनाँक : 16-10-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याज्य, सहायक आयकर आय्क्त (निराजान)

श्रजंन रेंज-2,नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 16 श्रक्तुबर 1985

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु/ 2/एस० श्रार०→1/3-85/ 902—श्रतः मुझे, के० वासुदेवन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिक वाजार मृल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्रो० नं० ई-38 का बेसमेंट है तथा जो राजोरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रन्यूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दल्ली से रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च 1985

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह श्रीतशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बांच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नेलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्रुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निसिक्त व्यक्तिसयों, अर्थात् :—

- (1) श्री रघबीर सिंह पुत्र सरदार जोधा गिह, नवासी--एल--18, नई दिल्ली, साज्य एक्सटेंशन पार्ट-2, नई दिल्ली, जनरल ग्रटानीं (1) श्रीमती बिमला कुमारी, पत्नी श्री गंगा बिशन,
  - (2) श्रीमती नर्मला देवी पत्नी श्री श्रीकिशन,
  - (3) श्री महाबीर प्रसाद पुत्र श्री काली राम,
  - (4) श्री रतन लाल पुत्र श्री काली राम,
  - (5) श्री सुशील कुमार पुत्र श्री काली राम,
  - (6) श्री बजरंग लाल पुत्र श्री कालो राम,
  - (7) श्री गंगा विद्यान पुत्र श्री काली राम, पार्टनर मैं० गंगा विद्यान एन्ड कम्पनी, निवासी ई-38, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली श्रीर मैं० टाईम विल्डर्स, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली,

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती तरिन्द्रजीत कौर पत्नी श्री हरद्रीप सिंह, र् नवासी-22, हेमकुन्ड कालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जार करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चिना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयूक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### श्रनुसूची

1/4 भाग बेससेंट फ्लोर, प्रो० नं० ई-38, राजीरी गार्डन नई दिल्ली।

> कें० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज→2, नई दिल्ली

विनौक : 16--10--1985

## प्रकप बार्च . टी . एव . एव . ----

नायकरु निभिनियम, 1961 (1961 का 43) का । भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 प्रक्तूबर 1985 निदंश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस०भार०/1/ 3-85/903-प्रतः मुझे, के० वासुदेवन

भागकर कांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वात करने का कारण हैं 'क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० ई-38, बेसमेंट हैं तथा जो राजोरी गार्डन नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपरित के उपित बाजार मूल्य से काम के दरममान मितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दरममान प्रतिफल ने एसे बर्यमान प्रतिफल का उन्तर का अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और असरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया मितिफल निम्नितियों उन्तर से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किर्माण्या की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर इने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बच्चे में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाग या किसी धन या बन्य आस्तियों को, विन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ बन्द्रिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अवः, उक्त अभिनियमं की भारा 269-ण के अनुसरण को, मी, उक्त अभिनियमं की भारा 269-ण की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों अभितः :---

- (1) श्री रघधीर सिंह पुत्न सरवार जोधा सिंह, निवासी-एल-18, नई दिल्ली, साउथ एक्सटेंशन, पार्ट-2, नई दिल्ली, जनरल घटार्नी (1) श्रीमती बिमला कुमारी, रत्नी श्री गंगा बिशन,
  - (2) श्रीमती निर्मला देवी पत्नो श्री श्रीकिशन,
  - (3) श्री महाबीर प्रसाद पुत्र श्री काली राम,
  - (4) श्री रतन लाल पुत्र श्री काली राम,
  - (5) श्री सुशील कुमार पुत्र श्री काली राम,
  - (6) श्री बजरंग लाल पुत्र श्री काली राम;
  - (7) श्री गंगा बिशन पुत श्री काली राम, पार्टन सै० गंगाबिशन एन्ड कम्पनी, राजोरी गार्डन नई दिल्ली, श्रीर सै० टाईम बिल्डर्स, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक) ह बिन्द्रा,

(2) कुमारी पम्पी पुत्री श्री सुरिन्द्र सिंह बिन्द्रा, निवासी—ई—4, ग्रेटर कैलाश <sup>I</sup>, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को महस्यना बारी करके पूर्वोकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्धन के संबंध में कोड़ भी बाक्षेप ह----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए जा सकेंचे।

स्मच्चीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया नवा ही।

#### वन्त्रकी

1/4 भाग, बेसमेंट, फ्लोर, प्रो० नं० ई-38, राजोरी गार्डन नई दिल्ली।

के० वासु देवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई विल्ली

विनौंक: 16-10-1985

गुक्क बाह्र दर्भ एवं . -------

# बावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की जाउ 269-म (1) के मधीन ब्यमा

#### 

कार्यालय, सहायक बायकर अध्यक्त (निरीक्षण

श्रजंन रेंज, नई विल्लो

नई दिल्लाः, दिनांवः 16 प्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० आई० ए० संi०/एक्यू०/2/एसः० आर०-1/ 3-85/904--श्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्व इसमें इसके परकात् 'उसत मिनियम' कहा गया है),, को धारा 269-च के मधीन स्क्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका जीवत् वाचार मुख्य 1,00,000/- छ. से अधिक है

ग्रीर जिलकी सं 1/4, भाग, ई-38 (बेसमेंट) है तथा जो राजीरी गर्जन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध प्रमुखा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्म ग्रीधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-कर्ण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 की 16) के ग्राधीन, हारीख मार्च 1985

को प्वांक्त सम्मत्ति के उपित बाबार मृस्य से कम के क्यमान मितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्चोंक्त सम्पत्ति का उपित बाबार बृस्व उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकास का पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाम गया पिछल निम्नलिकिन उन्दंश्य में उसत बन्तरण सिवित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- ुक्तं स्थारण ६ हुनः शिषकी अस्य का अध्युक्त हैं ज्ञान अधिकियम की वर्णीय कर वर्ण के जन्मरक के अधिक्य में कशी करने का सबसे क्याने के सुविधा के सिए; और√वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्व जास्तियां की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर जीधीनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिकी व्वारा प्रकट नहीं किया या धा या किया जाना चाहिए आ, कियाने में सविधा के लिए?

बतः बन, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, नियनलिबित व्यक्तिं, अधीत ⊯

1. (1) श्री रघवीर सिंह पुत्त श्री जोधा सिंह, निवासी एल-18, नई दिल्ली साउथ एक्सटेंग्रान, नई दिस्सी, जनरल श्रदारनी (1) श्रीमती विमला कुमारी परनी श्री गंगाविशन (2) श्रीमती निर्मेशा देवी परनी श्री श्रीलिशन (3) श्री महाबीर प्रसाद पुत्र श्री काशीराम (4) श्री रतन लाल पुत्र श्री काली राम, (5) श्री सुशील रार पुत्र श्री काली राम, (5) श्री सुशील रार पुत्र श्री काली राम, (6) श्री वजरंग काल पुत्र श्री काली राम, (7) श्री गंगा विशान पुत्र श्री काली राम, पार्टनर, मैं० गंगा विशान एख कम्पनी ,निवासी ई-38, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली प्रीर टाईम विल्हर्स, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली दिल्ली

(भ्रन्तरक)

 श्रं भगवन्त कौर पत्नं श्रे रघर्बार सिंह, एल—
 38, नई दिल्ली साउथ एक्सटेंशन पार्ट-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को मह सूचना वारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्थन को शिव् कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्मतित की नर्जन की सम्बन्ध में कोर्ज भी काकोर ु-

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की ताडीत है 45 दिन की संबंधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संबंधि, को भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी स्थक्ति बुदारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तब्रुप स्थिती अन्य स्थावित युवारा अभोक्त्ताक्षरी की शास सिवित में किए या सकरेंगे।

त्यव्यक्तिकरणः—इंडमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को समस वीपीनयम्, के कथ्याय 20-क में परिशावित् ही, बंही वर्ष कोगा, को उस कथ्याय में दिवा प्या ही।

## भनुसूची

1/4, भाग, बेसमेंट प्रो०़ नं० ई-38, राजौरा गाउन, नई दिल्ला।

के० वासुदेवन सक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 16-10-1985

प्रकम बार्षः, टी., एतः, एतः,----------

बायकर विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालयः, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज⊸2, नई दिल्ला

नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यु०/2/एरा० ग्रार०~1/ 3-85/905--भ्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) √ (जिसे **इ**समें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने की कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल 1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

न्नौर जिसको सं $\circ$  1/4 भाग,  $\mathfrak{k}-38$  (बेसमेंट) है तथा जो राजौरा गार्डन, नई दिल्ला में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्र<mark>नुसूचा में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है</mark>), रजिस्ट्रों-कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ला में भारताय रजिस्ट्रोकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 ला 16) के ग्रधीन, तारीस मार्च 1985

को पर्वोक्त संपरित के उचित बाजार सस्य से कम के परयमान प्रतिकल के सिए जन्तरित की गईं हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचितं बाबार मुख्य उसको बरयमान प्रतिफल से, एसे बरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंधरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) अर्धे भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्धय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 🗗 :---

- (क) बन्दरम् ते हुई किसी आय की नावत, उपर विभिनियम के वभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरों नवने में सुविधा के लिए; और∕या
- (ज) एसे किसी अाथ या किसो धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11)या उउँ आधीनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957) को 27) को **प्रयोजनार्थ** अंदरिती दवारा एकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा कोलिए;

अन्तः जब, उक्त अधिनियम की धारा 2,69-ग के अनुसर्ध , मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन रिम्नलियित व्यक्तियों अधीत ---

and the state of t श्रा रघुबार सिंह पुत्र श्रोः जोधा सिंह, निवासी— एल-18, नई दिल्लं साउथ एक्सटेंशन-2, नई दिल्लाः, जनरल श्रदारनीः श्रीमतीः विमला कुमारी पत्ना श्री गंगाविशन (2) श्रामती निर्मला देवी परनी श्री श्रीकिशन (3) श्रा महावार प्रसाद पुत्र श्रा काली पाम (4) श्रा रतन लाल पुत्र श्रा काल<sup>ः</sup> राम (5) श्रीः सुक्षील कुमार पुत्र श्रीः काली राम (6) श्राः बजरंग लाल पुन्न श्राः कालाः राम (7) श्रां गंगा बिशन पुत्र श्री *काली राम* (पार्टनर) मं रंगाबिधन एन्ड कम्पनी, निवासी-ई⊢38, राजौर: गार्डन, नई दिल्ल: ग्रीर मै० टाईम बिल्डर्स, राजौरं: गार्डन, नई दिल्लं।।

(भ्रन्तरक)

2. श्रा रघवार सिंह (एचयूएफ़), एस--18, नई दिल्ला, प्राउप एक्सटेंशन 2, नई दिल्लो । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी मंबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजयत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियमः, के अध्याय 20-क में भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

1/4, भाग, बंसमेंट फ्लोर, प्रो० नं० ई-38, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली

> कें० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक द्रायकर द्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारो**ख** 16--10-1985 मोहरः

प्ररूप आहर् .टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 भक्तूबर 1985

निर्वेश सं० प्राई० ए० सिं/एक्यु०/2/एस० प्रार०-1/3-85/906--प्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 3188 (न्यू) 290 (श्रोल्ड) है तथा जो गर्ला मुई वालान, मोरो गेट, हिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्राकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, ऐसे श्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व मों कमी करने वा उससे बचने में सूविधा के लिए; और/वा
- (का) एंसी किसी नाय वा किसी भन या नत्य नास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में हविभा के विद्यु;

अत: अब, उक्त अधिनियम को भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थातु:---

श्रा हन्दरजित पुत श्रा लाध्या मल' निवासी—
 3188. गला सुईवालान, मोरी गेट, दिल्ली,
 (2) श्रा जगदीण लाल पुत श्रा लोगराज,
 निवासी—2838 मोरी गेट, दिल्ली (3) श्रा
खराती लाल पुत्र श्री धारी लाल, निवासी
 3188 मोरी गेट, दिल्ला।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मुनील श्रुमार पुत्र श्री देश राज, निवासी—  $\widehat{al} = 2/3$ , श्रशीक बिहार, फेज= 2, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्यीकरण: ---इसमी प्रगृक्त शब्दों और पर्दों का, वो अवह अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभावित हाँ, वहरी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गंबा हाँ है!

## अनुसूची

1/3 श्रन-जिवाइडिड, प्रो० वैरिया नं० 3188 (न्यू) 290 (श्रीलंड) यली मुईवालाल, मोरो गेट, दिल्ला, सादार्दा 170 वर्ग गजा

> के० वासुदेवन**ः '** ाक्षमः **प्रा**धिकार्रः ग्रायकरः अध्यक्तः (निर:क्षण)

त्तहासः श्राथकर अत्युक्तः (निरःक्षण) रोज--2, दिल्ली, नई दिल्ली:-110002

नारीखाः 16-10-1985

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के अ**धी**न सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 प्रक्तूबर 1985 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०-1/ 3-85/907--ग्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के →3) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० 3188 (न्यू) 290 (ग्रोल्ड) है तथा जो गली मुईवालान, मोरी गेंट, दिल्ली में स्थित है (श्रीण इससे उपायद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल के पन्तृष्टू प्रतिशत से अभिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरित्याँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उक्षेष्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृथिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुस्थित के निए;

उत. अव, अक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुगरण मों, मों, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिसित व्यक्तितयों, अधिन :--- 33---356GL/85

 श्री इन्दरिजत पुत्र श्री लाध्या मल, निवासी— 3188 गली सुईवालान, मोरी गेट, दिल्ली (2) श्री जगदीण लाल पुत्र श्री लेख राज, निवासी—2838, मोरी गेट, दिल्ली, (3) श्री खराती लाल पुत्र श्री धारी लाल, निवासी— 3188, मोरी गेट, दिल्ली।

(श्रन्तरक)

2. श्री सुनील कुमार पुत्र श्री देण राज, निवासी— बी 2/3, श्रणोक विहार-2, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उकत संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकारन की तारीख स 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थात्रर संपत्ति में हितब्यू के किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्ची

1/3 श्रविभाजिट प्रो० नं० 3188 (न्यू) 290 (श्रोल्ड) गली सुईबालान, मोरी गेट, दिल्ली, नाधावी-

के० वासुदेवन, सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 16-10-1985

प्ररूप बार्च. टी. एन्. एस्.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत करकार

## कार्यासय, सहायक भायकर आधुक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंच~2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 ग्रक्तूबर 1985

निर्देश मं० ब्रार्ट० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ब्रार०-1/ 3-85/908---ब्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित नाजार मंल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 3188 (न्यू) 290 (श्रोल्ड) है तथा जो गली सुईवालान, मोरी गेट, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावढ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पत्ना बया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरून से हुई किसी पाय की बाबत उक्त विधिनियम के बधीन कर्र दोने के बन्तरक की दावित्य में कनी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यास प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अप, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, न्यर्थां श्री इन्दरजित पुत्र श्री लाध्या मल, निवासी—3188 गली मुईवालान, मोरी गेट, दिल्ली, (2) श्री जगदीण लाल पुत्र श्री लेख राज, निवासी—2838 मोरी गेट, दिल्ली, (3) श्री खराती लाल पुत्र श्री धारी लाल, निवासी—3188 मोरी गेट, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सुनील कुमार पुत्र श्री देश राज, निवासी— बी-2/5, श्रशोक विहार-2, दिल्ली। (श्रन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वकित संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षंप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाम निक्ति में किए जा सकी।

स्पष्टिशिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त आयकर किंपिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

1/3 भाग, प्रो० नं० 3188 (न्यू) 290 (घ्रोल्ड) गली सुईवालान, मोरी गेंट, दिल्ली, नादादी—170 वर्गगज।

> के० वासुदेवन सक्षम स्रधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 16—10—1985

गोहर:

प्रकल बाही, दी, एन् . एस . ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

## शास्त स्टब्स

कार्यासम, सहायक भागकर वायुक्त (निरक्षिण)

ग्राजीन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1985

निवेंश मं० ग्राई० ए० सी०-एक्यू०/2/एम० श्रार०-1/4-85/909--ग्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्रो० नं० 686; क्षेत्र नं० 14, है तथा जो चौक वारा टुटी सदर बाजार, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रग्रैल, 1985

को प्रविक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे जंतरच के लिए तय शाया गया प्रति-कन, निस्नलिखित उद्दोध्य से उचित अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से किंचत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त निपनियम के नधीन कर दोने के बन्दरक के दावित्व में कभी करने दा उद्यव नच्ने में सुविधा के लिए; कर्दर/वा
- (क) ऐसी किसी नाथ मा किसी भून या नस्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय नाय-कार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जभिनियम या भन्कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज जन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया वया या किया जाना चाहिए था, कियाने में नृतिथा के निए;

अत: अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) हे अधीत, निम्नितिषित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मैं० इन्डो फोरीन कामिशयल एजेन्सी (प्रोड्यूस) प्रा० लि०, 22, हनुमान रोड़, नई दिल्ली ढारा मैनेजिंग डायरेक्टर सरदार इकबाल सिंह पुत सरदार अर्जुन सिंह।

(श्रन्तरकः)

2. मैं० इन्दर मल बिश्मबर महाय, पार्टनर (1) श्री बिश्मबर महाय पुत्र श्री इन्दर मल (2) श्री रमेश चन्द गुप्ता पुत्र श्री इन्दर मल (3) श्री धरुन प्रमाद पुत्र श्री इन्दर मल (4) श्री रामलाल गुप्ता पुत्र श्री बिश्मबर महाय, 685, हाउम चौक बारा टुटी सदर बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिया कार्यवाहिया कृक करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप हू-

- (क) बस सुष्वा के राष्पण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुषता की तामील से 30 दिन की नविध, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में त्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितवज्ञुभ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाछ सिचित में किए जा सकोगें।

स्पन्नतीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पर्दों का, जो उक्त विभिन्तियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ध होगा, जो उस कथ्याय में दिया गया

#### अनुसूची

पहली, दूसरी, तीसरी मंजिल; प्रो० म्यूनिसिपल नं० 686, क्षेत्र 14, चौक बारा टुटी, सदर बाजार, दिल्ली।

> के० वासुवेबन, मक्षम श्रधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्ष्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, विस्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 16-10-1985

प्रकल कार्यः दी. एव. एव. ------

गायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-प (1) के विभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षक)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नर्ङ दिल्ली, दिनांक 16 ग्रक्तूबर 1985 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्य०/2/एस० ग्रार०-1/2/85 910--श्रतः सुझे, के० वासुदेवन,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-इ में अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्रो० नं० 687/14, है तथा जो चौक बाड़ा टुटी, सदर बाजार, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्व श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण कप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नारीख श्रग्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकत से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिकित में बास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- [क) बन्तरक्षं हुं किसी बाव की बावस सक्त मिनियम के अभीन कार दोने के बन्तरक के स्वित्य में कमी करने वा स्तर्श वचने में सुविभा के लिए, बार/मा
- (च) एसी किसी जाव वा किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियस, 1922 (1922 का 11) या जनत अभिनियस, या भन-कर अभिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्रुवारा प्रकट नहीं किया गया था से किया बाना चाहिए था, कियाने से ब्रुविभा के सिक्;

कतः कव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त विधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मै० इन्डो फोरीग कामिशयल एजेन्सी (प्रोडेक्स)
प्रा० लि०, 22, हनुमान रोड़, नई दिल्ली,
द्वारा मैनेजिंग डायरेक्टर सरदार इकबाल सिह
पुत्र सरदार अर्जुन सिंह।

(भ्रन्तरक)

2. मैं० इन्दर मल विषमबर सहाय पार्टनर (1) श्री विषमबर सहाय पुन्न श्री इन्दर मल (2) श्री रमेण चन्द गुप्ता पुन्न श्री इन्दर मल सहाय (3) श्री धरून प्रमाद महाय पुन्न इन्दर मल (4) श्री रामलाल पुन्न श्री विषमबर सहाय, 685, ग्राई० बी० हाउस, चौक बारा टुटी, मदर बाजार, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

सर्वे सङ्घ स्थाना पाड़ी करके प्राप्ति संस्थातित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## सक्त सम्मरित के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप:--

- (क) इध् बृष्णा के राज्यन में प्रकाशन की तार्थि है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी नविभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त क्षाना में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य क्यक्ति श्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्थानिकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जा उक्थ वृश्वित्वन, ने अध्यास 20-क में प्रिशाणित हैं, वहीं वर्ष कोगा को जस अध्यास में जिला नवा है।

## धनुसू<del>ची</del>

पहली, दूसरी और तीसरी फ्लोर, प्रो० म्यूनिसिपल नं० 687, क्षेत्र नं० 14, चौक वारा टुटी, सवर बाजार, दिल्ली।

के० वासुदेवन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 16-10-1985

## प्रकम आई. टी. एन. एक. ------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-त (1) ते नधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 प्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० भ्रार० $-1/3^-$  85---श्रतः मुझे, के० वासुदेशन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अभित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० प्रो० नं० 688, क्षेत्र 14 है तथा जो चौक बारा, दूटी, सदर बाजार, दिल्ली में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रीन, तारीख अप्रैल 1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह असिकल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिभक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरम ते हुई कियों अब की बादर, अक्ट वीधीनव्स के अधीन कर दोने से जन्तहरू थीं दायित्व में कती करने या उत्तसे वचने में बृणिया से सिए; नीर/वा

अतः वेव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जी, मी, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  मैं० इन्डो फोरीगन कमर्शीयल ऐजेन्सी (प्रोडेक्ट) प्रा० लि०, 22, हनुमान रोड़, नई दिल्ली, द्वारा मनेजिंग डायरेक्टर सरदार इकबाल सिंह पुत्र सरदार ग्रर्जुन सिंह।

(भ्रन्तरक)

2. मैं० इन्दर मल विषमभर सहाय पार्टनर (1) श्री विषमभर सहाय पुन्न श्री इन्दर मल (2) श्री रमेण चन्द गुष्ता पुन्न श्री इन्दर मल सहाय, (3) श्री धरुन प्रसाद पुन्न श्री इन्दर मल (4) श्री रामलाल गुष्ता पुन्न श्री विषमभर सहाय 685, श्राई० बी० हाउम, चौक बारा टूटी, सदर बाजार, दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सुखना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहिमां भूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;

अक्रथणः — इसमें बबुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा हैं।

#### नर्वता

म्युनिसिपल नं० 688, क्षेत्र नं० 14, चौक बारा टूटी, सदर बाजार, दिल्ली।

> के० वासुदेवन मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायक्षर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी ख:16-10-1985

मोष्ठर 🖫

प्ररूप आहे. टी. एन. एसा.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०-1/3-85/912—म्बत: मुझे, के० वासुदेवन,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्रो० नं० 689, क्षेत्र 14, है तथा जो चौक बारा टूटी सदर बाजार, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसस उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रोपल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे खश्यमान प्रदिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तिरती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अप्त: अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियां, अभित्:— मै० इन्डो फोरीगन कामणियल ऐजेन्सी (प्रोडेक्ट)
प्रा० लि०, 22, हनुमान रोड़, नई दिल्ली
बारा मनेजिंग डायरेक्टर सरदार इकबाल सिंह
पुत्र सरदार प्रजुन सिंह।

(ग्रन्तरक)

2: मैं० इन्दर मल विषम्भर सहाय पार्टनर (1) श्री विषम्भर सहाय पुत्र श्री इन्दर मल (2) श्री रमेश चन्द गृप्ता पुत्र श्री इन्दर मल सहाय (3) श्री धरून प्रसाद पुत्र इन्दर मल (4) श्री राम लाल गृप्ता पुत्र श्री विषम्भर सहाय, 685, श्राई० बी० हाउस, चौक बारा टूटी, सदर बाजार, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियमः, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गवा है।

## **धनु सूची**

पहली, दूसरी, तीसरी मंजिल, प्रो० डिवाइडिड बार्ड म्युनिसिपल नं० 689, क्षेत्र नं० 14, चौक बारा टूटी सदर बाजार, दिल्ली।

> कं० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीखा: 16-10-1985

मोह्रु 🛭

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.-----

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

#### भारत संदुक्तर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1985

निदेण सं० श्राई० ए० सी०/एक्सू०/2-एस-आर-/1 3-85/913--श्रात: मुझे, के० वासुदेवन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्मस्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रहः से लिधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्रो० नं० 690, क्षेत्र नं० 14 है तथा जो चौक वारा टूटी, सदर बाजार, दिल्ली में स्थित है ग्रौर) इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख श्रप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्व, उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसं क्ष्यमान प्रतिफल का पन्तह पानशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे बंतरण के जिए हव पास पता प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त बंतरण कियान में सासाविक कप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अलग्ण धंहुई ंकसी शाय की शायत., उक्त बॉधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मंक्री करने या उससे वचने में सुविधा के लिए;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय कार्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती धुवारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना वाहिए वा खियाने में ग्रिका के लिए,

अत: शब, उक्त जीधनियम की धारा 269-ग के जनुसरज में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् स्र--- 1. मैं० इन्डो फोरीगन कामिमयल ऐजेन्सी (प्रोडेक्ट) प्रा० लि०, 22, हनुमान रोड़, नई दिल्ली, द्वारा मनेजिंग डायरेक्टर सरदार इकबाल मिंह पुत्र श्री सरदार श्रर्जुन सिंह।

(ग्रन्तरक)

- मैं० इन्दर मल विश्म्बर सहाय पार्टनर (1)
   श्री विश्म्बर सहाय पुत्र श्री इन्दर मल (2)
   श्री रमेश चन्द गुप्ता पुत्र श्री इन्दर मल सहाय (3) श्री घरुन प्रमाद पुत्र श्री इन्दर मल
- (4) श्रो रामलाल गृष्ता पुत्र श्री विश्म्बर सहाय 685, श्राई० बी० हाउम, चौक ब्रारा टूटी, सदर बाजार, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के शिष्ट् कार्यवाहियां करता हुः।

बक्त ब्रम्मस्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़े भी क्षाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर स्थानितयों में से किया त्यों लें दिनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उन्हें स्थावर सम्मत्ति में हित-बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी से पास किसिस में दिवस का सकेंगे।

स्पञ्जीकरण: ----इसमें प्रयुक्त सम्बों और पदों का, जो उक्त अधि-निवम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

## ग्रनुसूची

पहली, दूसरी श्रीर तीसरी मंजिल शो० म्यूनिसिपल नं० 690, क्षेत्र नं० 14, चौक बारा टूटी, सदर बाजार दिल्ली।

> के० वासुदेवन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 16-10-1985

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

आर्थालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 नवम्थर 1985

निवेश सं० ग्रई-1/37—ईई/5839/84—85—-ग्रतः मुझे, पी० एन० दूबे;

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा जो, रावली हील श्रागर गवर्नमेंट साल्ट पान डिवीजन, शेख मिसरी रोड़, वडाला, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 5-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्य्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल कर पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित में शास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुइं किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का). एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिनी को, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकाद नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में न्रेजधा के लिए,

अतः असः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, रिक्निजियस व्यक्तियों, कर्यात् क्र—

1. मैं० जे० के० केमिकल्स लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

2. मै० कल्पक डेवलपमेंट कार्पोरेणन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन **के ितए** कार्यवाहियों करता ह**ं**।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के सम्बन्ध में कांडे भी बाक्षेप :---

(क) इस शूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध कार में समाया हांनी हो, के भीगर पर्यावत व्यक्तियों में कि पी व्यक्ति दुसारा;

इस स्थना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा स्कोंगे।

स्थव्छीकरणः--इसमे प्रयुवत शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नमा ही।

#### धनुसूची

जमीन का हिस्सा, जो रावली हिल ध्रागर, गवर्नमेंट साल्ट पान डिवीजन, शेख मिसरी रोड़, वडाला, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि फ्र॰ सं॰ ग्रई-1/37—ईई/6445/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 5-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

पी० एन० दूबे सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

नारीख: 11-11-1985

माष्ट्रर 🖈

प्रकर्, बार्स्, टी. एन., एव., ----

## भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सुचना

#### नारत वरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37-ई $\frac{4}{5}/6034/84$ -85--श्रतः मुझे, पी० एन० द्रबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 112, है जो, 11वीं मंजिल, सोमरसेट हाउस, 61-जी, भुलाभाई देसाई रोड़, बम्बई 26 में स्थित तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 20-3-85

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उकि ! बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृफे यह विक्वास करने का कारण है कि यथ,पूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से लिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में नास्तिक रूप से किंगत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुई किसी भाग की बाबत, उक्त मिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को जिन्हों भारतीय बायकर को भनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बॉभनियम, या धन-कर बिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के सिए;

जत: जब उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के जनुबरण में, में,, उक्त जिधिनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत: जिस्तिविधात अयिक्तयों, अधित ;—— 34—356GI/85 1. श्री विनयचनद्र उमेदलाल शहा।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ग्रशोक कुमार डुगर, 2. श्रीमती मिला डुगर 3. श्री विषिन कुमार डुगर श्रौर 4. श्री विनोध कुमार जैंन।

(भ्रन्तरिती)

श्री श्रशोक कुमार जेंन श्रौर 3 श्रन्य।
 (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जबन की कि। कार्यवाहियां करता हूं ।

## उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 बिन की सर्वीच या तत्संबंधी स्वित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्तमों में से किसी स्वित्त द्वारा
- (व), इस सूचना वे स्थापन में प्रकाशन की तारीय है 45 हिन के भीतर उच्य स्थापर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिथित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरणः —-इसमें प्रयुक्त शब्दों जाँर वदों का, जो उक्त जीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं जर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वस हैं।

## अमृत्यी

पर्लैट नं० 112, जो, 11वीं मंजिल, सोमरसेट हाउस, 61-जी०, भुलाभाई देसाई रोड़, बम्बई-26 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० घई-1/37-ईई/5121/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

पी० एन० दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 11-11-1985

## ण्डम बार्ड को <u>बार्ड हुन्। हुन्।</u>

## **अनुकुद्ध क्षि**र्विम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को बधीन सुचना

## RIST NEWS

क्रयांसय, सहायक मायकर भायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० भ्रई-1/37-ईई/5997/84-85--भ्रतः मुझे, पी० एन० दूबे,

**गायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें** इसके पण्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स ने नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति., जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० ई-2, जो पालाविमो, भुलाभाई देमाई रोड़, बम्बई-26 है तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कायलिय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-85

को पूर्जिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान बतिपाल वे लिए वन्सरित की गई है और मुकं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे एक्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिवास से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिबित उद्बेश्य से उपत अन्तरण निसित में गस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्स विधिनियम के अभीन कर दोने के अस्तरक के वाबित्य में कजी करने वा अवसे बचने में श्रीयभा ने सिए; और/बा
- (क) एसी किसी बाय या थिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने यें सुविधा के लिए;

कतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं. मं. छक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) की कथीन, निम्नसिवित क्ष्णितयों, अर्थात् :---

1. लेडी फायनी धनजीभाय बोमनजी।

(ग्रन्तरक)

2. डा० फायनी इ० पालिया।

(भ्रन्मरिती)

3. मैसर्स हिंदुस्तान थाम्सन श्रासोमियेटस लिमिटेह। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में संपत्ति है)

की यह स्थाना बारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के वर्जन की निष कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ध---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचनाकी सामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ड काबितयों मा स जिसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस स्थाना को राज्यात्र को धकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्स अधिनियम को अध्याय 20-का में परि-भाषित है, वहीं सर्थ होंगा को उस अध्याय में विया गया है।

#### वन्त्यी

पलट नं,० ई-2, जा, पालामिया ,भुलाभाइ दसाइ राड़, बम्बई-26 में स्थित है।

धनुसूची जैमा कि ऋ० मं० भ्रई-1/37-ईई/6361/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख: 7-11-1985

प्रकृप बार्च . टा. एव . एस . -----

नावकर निर्मागयभ, 1961 (1961 का 43) की चाड़ा 269-च (1) के संधीन ब्युगा

#### भारत चहकाह

## कार्यासय, संधायक बायकार बायुस्त (विरोक्त्य)

श्रर्जन रेंज—1, **बम्ब**ई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति विश्वका उचित बाबार बुक्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 53, जो, 5वी मंजिल, वैभव अवार्टमेंटस को-आप० हाउसिंग सोवाईटी लि०, आगर बेसार के सामने, म्युनिसियल मार्केट, एस० के० बोले रोड. दादर, बम्बई-28 हैं तथा जो बम्बई-28 में स्थित हैं (श्रीर इनमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण का से वींगत हैं), और जिनका करारनाम आप कर आवे-नियम 1961 की धारा 259 के, ख के अबोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 12-3-1985

प्राधिकारों के श्रीयोलय में रिजस्ट्री है, तारीख 12-3-1985 को पृथा कर सम्पृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण हैं कि यभाप्व कि संपरित का उचित बाजार बृष्य, उत्तके द्वयमान प्रतिफल से, एसे ध्वयमान प्रतिफल का पनक्र प्रतिवास सं अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्यरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्षान निम्नतिचित उद्योग से उचित अन्तरण निचित में बास्त-यिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी साम की शावत उक्त अधि-नियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कनी करने वा उसले वचने में सर्विका जै किए: बीर/वा
- (श) एसी किसी अग या किसी धन या अग्य आस्थिया की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गुन्य भा या किया जाना आहिए आ छिणाने में सुविधा के लिए;

कतः जा, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग भी अनुसरण माँ, माँ उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीजिक्त स्यक्तियाँ, अधीत हु—— (1) श्रीमती मेरी बनर्जी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुचित्रा चक्रवर्ती।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## जनत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी-बाक्शेव 🚎

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिहित में किए का सकेंगे।

स्पछि किरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशः नवा है।

## अनुसूची

फ्लैट नं ० 53, जो, 3वीं मंजिल, वैभव अपार्टमेंट स, को-आप् ० हाउसिंग मोसाईटी लि०, श्रागर वाझार के मामते, म्युनिसियल मार्केट, एस० के० बोले, रोड, दादर, बम्बई-28 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० प्रई-1/37-ईई/5566/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 12-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पो० एक हुई, तक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण), प्रजन रेंज-1, बस्बई

तारी**ख** : 7—11—1985.

प्ररूप नाई. टी. एन. एस.-----

## थायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई
बम्बई, दिनाँक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/6031/84-85:---ग्रतः मुझे, पी०एन० दुवे,

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्वों इसके परचात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 24-ए, जो, 2रो मजिल, "मे हेर अपार्ट-मेंटस" इमारत, अनोटी रोड़, अल्टामाउट रोड़ के सामते, बम्बई-26 है तथा जो बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उन्नाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 4-3-1985 को पूर्वों क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दश् मान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रदूह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) व बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से क्रें यह नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयः की वाबत, उक्त नियम फें अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/भा
- (स) एरे ी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय वायकर मिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिकित व्यक्तियों, अधितु:— (2) कमल एन० काठारी।

(ग्रन्तरक)

(2) निर्मला श्याम फेरवानी, शानू ण्याम फेरवारवानी, श्रौर सुविभा इवेस्टमेंट कंपनी प्रायवेट लि०।

(भ्रन्तरिती)

(3) ब्रिटानिया इंडस्ट्रिज लिमिटेंड । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के रज्जपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पार में हितााद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किये जा सकैंगे।

स्थिष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शादों और पदों का, जो उक्त अधिनिधम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भनुसूची

फ्लैट नं० 24-ए, जो, 2री मंजिल, "मेहेर ग्रपार्टमेंटस" इमारत, ग्रनोटी रोड़, ग्रल्टामाउंट रोड़ के मामते, बमाई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-।/37-ईई/6362/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 4-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

सारीखा: 7-11-1985.

मोहरः

## प्रकप बाइ .टी. एन. एस. ------

आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

#### भारत तरकार

## कार्यानय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 7 नवस्वर, 1985

निर्देश सं० म्रई-।/37-ईई/5807/84-85:--म्यतः मुझे, पी० एन० दुषे,

आयकण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंगील जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, जो, "रॉकडल", 16, एल० छी० रूपारेल मार्ग, मलबार हिल, बम्बई-6 है तथा जो बम्बई-6 में स्थित है (श्रीरइससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीरपूर्ण क्य से विणित है), श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है, तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एंगे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :-- (1) श्री मिनाचेहेर फिरोझक्षाँ लैंटोन ।

(भ्रन्तरक)

(2) हिन्दुस्थान लिवर लिमिडेड।

(श्रन्तरिती)

(3) अन्तरितियों।

(बह व्यक्ति जिसके श्रविभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रन्तरितयों।

(वह व्यक्ति, जित्तके बारे में अबं।-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितव**ढ** है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वो क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन व. संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैंट नं 3, जो, "रॉकडल", 16, एल विवि रूपारेल मार्ग, मलबार तील, बम्बई-6 में स्थिन है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37—ईई/5601/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रैंज-1, बम्बई

तारीख: 7-11-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बबर्म्ड

बम्बई, दिनाँक 11 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्रई - 1/37-ईई/6040/84-85:  $\rightarrow$ -ग्रनः मुझे, पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया हाँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मल्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

श्राँर जिसकी सं० 2/3 हिस्पा, श्रविभकत इंटरेस्ट जो, फ्लैंट नं० 5, मनहर डाक, लिट्रल गिब्ज रेड़, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूर्वा में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 20-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सविधा के लिए।

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण नें, मेंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियोंं, अर्थात् :---

- (1) श्री कमल कुमार कपूर ग्रौर श्री नरिंदर कपूर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री विजय कपूर (हि० अ० ५०)। (ग्रन्तरितो)
- (3) ग्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके ब्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) विजय कपूर । (वह व्यक्ति, जिसके

(वह व्यक्ति, जिसके बारे सं ग्रश्नो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह समाति से हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- ह) इस स्चना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाराः;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोडम्बाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

2/3 हिस्सा श्रविभक्त इंटरेस्ट जो, पर्नेट नं० मतहर डाह. लिटल गिब्ज रोड, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-1/37-ईई/6040/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनाँक 20-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 11-11-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** 

## की धारा 269 ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज**--** 1, बम्बई

बन्बई, दिनां : 11 नवम्बर, 1985

निर्देग गं० प्रई ·1 2/7 -ईई /5951/84--85 -- श्रतः मुझे, पीं० एन० दुबे,

बायकर जीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसके इसके पश्चात 'उन्तर विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक है

और जिसकी सं० जमींन के साथ स्ट्रक्चर्स, जो, इमारत सं० 54-56-ए, टन्स स्टींट, बम्बई-40008 है तथा जो बम्बई-8 में स्थित है (और इमरे उपायद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप में विणित है), और जि की उरारतामा आयश्चर अधिनियम, 1961 की धारा 269 सं, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में उस्जिस्टीं है, तारींख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल के गंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्नसिचित उद्वेष्य से उच्य अंतरण सिचित में शास्त्रीक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वन्तरम से हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी बाब या किसी भन या अस्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय नाय-कर निभिनयन, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनयम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय। भा या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा गरिया के सिद्धाः

सतः सवः, उत्तर विधितियमं की भारा 269-नं के संनुत्तरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-णं की उपधारा (1) के संगीतः निम्निसिकतं स्वक्तिकों, संस्ति ए--- (1) श्रीमती लतीफा बीबी उर्फ रबीग्ना बीबी, गुलाम मोहींद्दीन की उत्था, और इब्राहीम मोहम्मद कासकर की पत्नी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री उस्मात श्रलीमिया सैरवांग ।

(श्रग्तरितीं)

(३) भाष्ट्रा

बहु व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में अस्पत्ति है)।

(4) श्रन्तरितीं।

वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जातता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी कारके पृत्रोंबत सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां घुरु करता हुं।

## इनत सम्मरित के वर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी जनिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तसब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए था सकेंगे।

स्पच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त प्रव्यों और पदों का को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्य होगा, भो उस अध्याय में दिवा गना है।

## अनुसूची

गमीन के साथ स्ट्रक्चर, जो, इमारत नं०  $54-56-\eta$ , टैन्क स्ट्रींट, बबर्म्झ-400008 में स्थित है।

श्रनुभूची जैसा कि ऋ० सं० श्र\$-1/37/\$\$/5627/84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी बस्ब\$ द्वारा दिनाक 4-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकत श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रोंग्र-1, बस्बई

तारीख : 11—11--1985

माहर:

## प्रकल बाह् हुटी, एत. एत. -----

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

#### बारव बडकाउ

कार्याक्षय, सहायक बायकर बायक्त (निर्द्रीकाण) ग्रजन रेंज्या, बम्बर्ड

बम्बई दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देण सं० श्रष्ट्र-1/37 ईई/5212/84-85 -- श्रत मुझे, पीं० एन० दुबे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च थे अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विख्वास करने का काइण हैं कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित वाचार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकीं संज प्लाट नज 267, जो, सायन (पूर्व), इमारत और गैरेज के साथ, अम्बई में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिम्ट्रीं हर्ती अधिकारीं के कार्यालय, वस्बई में रजिस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तरीख 16-3-1985

को पूर्वोवरा सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विध्वास करने के आरण है कि यथापुनों कर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य हासके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रव अतिहात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) थोर अतिरित (जन्तिरितयों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तृब् पावा गवा प्रतिफल जिम्नसिविद्य उद्देश्य से उचित जन्तरण निवृद्ध के बास्तरण के बास्तरण के विश्व करने सामारण के बास्तरण के बास के बास

- (क) बन्तरण ते हुई जिसी बाव की वावत, उपत अधिनियम को अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के सुविधा क जिए; बॉर/वा
- (क) एती किसी बाय या किसी धन वा बन्स बारित्स्यों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्य अधिनियम वा धनुकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दौरती बुंबाए प्रकट वहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

म्नतः नव, उक्त निधिनियम की भारा 259-न ने निन्तरण में, नैं, उक्त औधनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिक :— (1) श्रीमती रत्नावाईगोपान वरंदीकर।

(भ्रन्तरक)

(2) सायत विश्वयानंस्या को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यशाहियां करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षपे :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सर्वधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित्यस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिलित में किए वा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त करूवों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, तहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### समस्य

स्रनुसूची जैना कि विलेख सु० वाम०-1681/77 और जं.. उपरितस्ट्रोर, वम्बई द्वारा दिनांक 16-3-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> ीं० एन० दुबे, सक्षम प्राधिकारीं, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंजे-1, बम्बई

नारीख : *7*—11⊶1985 ———

प्रकल बाह्र . टी./ एत . एव . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अभीन सूचना

#### सार्व बहुकार

## कार्याबक, सहायक नायकर नायुक्त (निर्काल)

श्रर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, विनांक 11 नधम्बर, 1985

निर्देश सं० म्राई--1/37--ईई/5213/84--85'----म्रात' मुझे, पी'० एन० दुवे,

बावकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इक्कों इक्कों पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं जमीन का हिस्सा, जिसका पुराना सर्वे जं 597, और नया नर्वे जं 3443, जो, स्ट्रक्चर्स के साथ, डिलाईट रोड, सी एम जं 2028, भायखला डिवीजन, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूस्य, उसके द्ययमान प्रतिफल से एंग्रे द्यवमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिग्रत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उच्चेत्य से उक्त जन्तरण निजित के बास्तविक रूप से केचित वहाँ किया थवा है ——

- (क) अन्तरम् ते हुई फिबी भाव की बावत , उवल विभिन्न के स्थीन कर दोने के बन्तरकः क राजित्व में काबी करने वा बच्चे बचने में सुधिना के शिए; बॉर/या
- (क) एंसी किसी साम या किसी धन या सन्य आस्ति में को, चिन्हें भारतीय साय-कर सिंधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर सिंधिनयम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था स्थिपानै में अध्या के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निनिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 35--356GI/85

(1) श्री मैफदी : श्रवीमाई लोखंडवाला, 2. शब्बर ध्रवीभाई लाखंडवाला, 3. झैतुनभाई श्रवीभाई लोखंडवाला, 4. िरीनवाई श्रवीभाई लोखंडवाला, 5. तारावाई श्रवीभाई लोवंडवाला, और (6)नफीसाबाईघलीभाई लाखंडवाता ।

(श्रन्तरक)

(2) मनिप एक्सपोर्ट प्रायवेट लिमिटेड ।

(ग्रन्तरिती)

(3) भाषून।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

कों यह स्थानः नारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के वर्षक के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस स्थान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, वां भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त शास्तियाँ में से किसी स्थानत द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राष्यभ में प्रकाशन की तारीत से 45 धिन के भीतर उक्त स्थापण संपत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा नभोहस्ताक्षणी के पाछ लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पथ्यीकरणः ----इसमे पगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### भग्स्की

जमीत हा हिस्ता, जिसका पुराना सर्वे० नं० 597 और नया गर्वे नं० 3443, स्ट्रम्बर्स के साथ, डिलाईट रोड, सी० एस० नं० 2028, भायन्द्रला डिलींबीजन, बस्बई में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैंा ि विलेख सं० वॉम०-2264/82 और जो, उपर्विस्ट्रा॰, वस्बई द्वारा दिनांक 19--3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे, स्क्षम प्राधिकारी, सहायश श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंजेची, बस्बर्ध

तारीख : 11 +11--1985. मोहर:

## द्रभव कार्न ही पुर , पर , कार्य कार्य

नायकर अधिनियम, 1961 (१९61 का 43) की भारा 269-न (1) में अभीन त्यना

#### बार्ड बरकार

## कार्यासम् , अहाय% बायकर नाय्यतः (निरीज्ञक)

श्चर्यत रेंच--I, मद्रारा

मद्रास, चिनांक 6 नघम्बर, 1985

निदेश मं० 1/मार्च/85:----अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल, बायकर बिशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चातः 'उबत अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जाएण है कि स्थापर संपत्ति; जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिपकी स० 89, वेंग्रटेय पेरुमल कोईल स्ट्रीट, पलनीपेट, है, जो ग्रटकोणम टाउन में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ में और पूर्ण रूप से विचित्र हैं), रिजिस्ट्रींकर्ता ग्रिधियारी के सायित्य, जे० एस० ग्रार०-धा, ग्रटकोणम (द० सं० 459/85) में भारतीय रिजिस्ट्री-करण ग्रिधित्यम, 1908 (1908 दा 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च, 1985

को पृष्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान श्रितफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि पथापृष्वित सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके रश्यमान प्रतिकात है, एमें स्थ्यमान प्रतिकार के न्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के धायिस्त में कमी करने या उत्तरो बचने में सुविधा के अब्द: कर्रवा
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विषय के जिए।

अतः अत्र. एव त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ , भैं , अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन , निम्निलिखित व्यक्तियों अधीत :----

(1) श्रीमती भार० भुन्द्रश्रम्माल और ग्रन्य ।

(अन्तर्क)

(2) श्रीडी० कण्णप्य चेट्टी।

(भ्रन्तरितीं)

को सह सूचना धारी कंपरको पृत्राचित सम्मतित और वर्षम के सिद् कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

## बबत बन्दरित के वर्षन के सम्बन्ध में खोदों भी बाकोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच सं
  45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्स
  व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति हुंगार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के शक्त सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शुक्यां और पर्यों का, जो उन्स् अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परि-भाषित हों, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय हो दिला गया हो।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण डोर सं० 89, वेंक्टेस पेरुमाल कोईल स्ट्रींट, पलनीपेट, श्रटकीणम--(द० सं० 459/85) ।

> श्रीमती एम० सामुबेल, थक्षम प्राधिकारी, सहायरः श्राय∴र श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, मद्रास ।

तारीख : 6-11-1985 मोहर*ः*  प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-म(1) के अभीत सुमना

भारत सरकार

## कार्यात्रयः, बहायक भागकार मानुन्त (निर्द्वाला)

श्रर्जन रेंज-I, मन्नास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निदेश रं० 2/मार्च/85 - - अत मुझे, श्रीमती एमं० सामुबेल, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने कर कारण है कि स्न्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- छ से अधिक हैं और जिसकी सं० श्रार० एस० सं० 19/1, हैं जो पेरुमूच्ची गांच में स्थित हैं (और इससे उपाबंड श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीवर्ता श्रधिकारों के स्मर्थतिय, जे० एस० श्रार० 1, श्रद्धकाणम (द० सं० 257/85) में भारतीय रजिस्ट्रीवरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित काजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण सिचित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गमा है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किली आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा को लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, उपाधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 अर्थ 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया धना धा या किया धाना चाहिए था, कियाने में सूविधा के शिवह;

नत: नव, उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के जन्हरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) फिन्जी देवाजी पटेल ।

PROFESSIONAL PROFE

(भ्रन्तरक)

- (2) 1 रतन्कीं पटेल और िक्जी डीं० पटेल,
  - माञ्जी डी० पटेल और मोहनलाल एम० पटेल,
  - रतन्की वीं० पटेल और किय्जी वी० पटेल । (भ्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्धारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-नव्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छा अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## बन्स्**ची**

भूमि—न्ध्रार० एस० सं० 19/1, पेहमूच्ची गांव (द० सं० 257/85)

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–I, मद्रास ।

तारीख: 6-11-1985

## प्रकथ बार्च , टी. एन . एव . ------

## बायकर विधित्रयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीन ब्रायना

#### संस्था के स्थान

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भर्जन रेंज-I, मद्राम

मद्राम, दिनांच 6 सवस्बर, 1985

निदेश सं ा 4/मार्च/85---श्रतः मुझे श्रीमती एस० पामुदेत. आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् , उक्त अधिनियम कहा एथा हुं) की पार 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को , यह ा व्यक्त करने का करण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उन्तित बाजार मृस्य 1,00,000/- रंः से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे० सं० 263/2. है, जो नामांगरी पेट गांव में स्थित है (और इससे उपाब्ध में और पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नामगिरी पेटे (दर्वाक 309/ 85 और 311/85 में भारतींय रजिस्ट्रीकरण श्रिकियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त तम्परित के उचित बाबार मून्य सं क्षम के ध्रधमाभ प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसं ध्रयमान प्रतिफल का मन्ध्रह प्रतिकत से विभिक्त है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच हों अन्तरण के सिए तय पाया क्या विफल, निम्नसिवित उद्देश्य से अन्तर अन्तरम जिल्लिक में वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया वया है क्ष्म

- (क) बन्तद्रश से हुए किसी जाब की बाबत, उत्तत बिध-जियम के सभीन कार दोनेके अल्लास्क की दाधित्व वे सभी कुरने वा उच्चे बचने में सुविधा की बिए; मीड/वा
- (व) एसी किसी जाय या किसी भन २० अन्य जास्सियों करे. जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 . (1922 का 11) ता दोल्ट ऑटिंग्डिंग्ड २० अन- कर जिम्हित (1957 की 37) औ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर अहाँ किया गर्मा भा या किया जाना चाहिए था, । छपान में सृविधी वै विद:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निटिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती सुलोचणम्बाल और मध्य ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती दनबारम्माल और टी॰ श्रहणाचलम । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के जीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति इसरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीम्य में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सम्बों और पदी का, था उच्छ सभिनियम, के सधीन अध्याय 20-क में परि-शावित हैं, वहीं अर्थ होगा, यो उस अध्याय कें दिवा वना है।

## **न्स्पी**

ङ्खि भूमि--सर्वे० सं० 263/2, 271/10, 272/3, नामगिरीपेट, सेलम जिला (द० सं० 309/85 और 311/85)।

श्रीमती एम० सामुबेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरौक्षण), धर्जन र्जेज-I, मद्रास ।

नारींख: 6-11-1985

मोसर:

प्ररूप आर्च ती. एत . एस . -----

बायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

(0)

(1) श्री एम० पी० कासीं चेट्टीं,

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीपी० नल्ल मृंतु और ।

(ग्रन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) • श्रजीत रोज-1, मद्राल

मद्राप्त, विनोक 6 नवम्बर, 1985

निदेश सं० 15/मार्ज / 85 - अतः मुझे, श्रीप्रती एम० सामुबेल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त कथिनियम' बहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्लास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० सर्वे० मं० 212/ !. ाटक्डलपट्टीं गांव है जो मद्राम में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध अनुसूचीं से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीं इर्ता अधिनारी के स्थानिक नामगिषैट्टें (द० मं० 316/85) में भारतीय जिस्ट्रीं एष श्रिधिनिक्स- 1908 (1908 का 16) के श्रिधी : जारीक मार्चे 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एम दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अस्तरितियाँ) के बीच एस उन्तर्भ के उस्तिक्त में वास्तिवद कम, विम्निसित उद्योध से उच्त अस्तरित कि विस्तिवदि से वास्तिवद हुए से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी आय की बाबस, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन वा अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अवह नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. । छपान म सृविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए काम्भ्वाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन कीं अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मित्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकीं।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भनुपूची

ृषि भूमि---एस० सं० 212/1, कांटक्षूलपट्टी गांच रासीपुरम तालुक, सेलम जिला (द० सं० 316/85)।

> श्रीमती **एम**० सामुवेल, नक्षम प्राधिकारी, स**इा**वक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज-1, मद्वास ।

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी. भी उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिक्ति व्यक्तिरहो, अर्थात् :---

तारींव : 6−11−1985

प्ररूप भाई. दी. एन. एक.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्राप्त, दिनों ं 6 नवम्बर, 1985

निदेण मं० 16, नार्च, 85 - -श्रन मुझे, श्रींमती एम० नामुबेल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधिक बाजार मूच्या 1.,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकों मं० श्राप्य ए १० वि० 314,1, 214,3, 315,1, 314,2, 313,1 है, जो ओमलूर गांप में स्थित है (और इतमें उपाबद्ध अधिपूचि में और पूर्ण क्य से प्रणित है), पिस्ट्रीएतीं अधिपारीं के नार्यालय औमलूर (द० स० 324/85) में भारतीय रिजन्द्री रूरण श्रिशियम 1908 (1908 रा 16) के अधीर, नारीज मार्च, 1985

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वर्यमान प्रतिफल से एसे स्थयमान प्रतिफल का पंद्रह शितशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बोच एसे अन्तरण के निए तय बाबा म्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किविद्या में बास्तिक है से किया गया है:——

- (क)। अन्तरण से हुई किसी आयः की वावतः, उक्त निवस के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व के कसी करने या उससे बचने में सूविभा के किहा; जीद/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुकरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन₄ निम्निसिक्त स्यमित्तयों, अर्थात् :--- (1) श्री पीं० चिन्नप्पन और ।

(म्रन्तरक)

(2) श्रींमती एम० पलनीयम्माल ।

(भ्रन्तरितीं)

को यह बूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्बन्धि के जर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को औं अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हित्तबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अक्षे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिसरणः --- इसमं प्रयूक्त शब्दो और पदों का, जो उच्च अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाविक हों, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## वनसूची

्षि मूमि -मैंग्त० नठ० 314/1इ 314/3इ 315/2, 314/2 और 313/1, ओमनूर गांव (द० नठ० 423/85)।

> श्रीमती एम० -तामुबेल मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास ।

तारीख : 6--11--1985

महित् :

प्ररूप बाह्रं. टी. एन. एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यातय, तहाबक आयंकर आयंक्त (निरीक्षेण) श्रर्जन रेंज-1, मदास

मद्रास, दिनां ह 6 नवस्वर 1985

निदेश सं० 24/मार्च/85 — प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल, जीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें फरवात उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-ख के के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर तम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकीं सं० धार० एम० सं० 94/6 वीं 1. 95/1 सीं, 95/2मीं है, जो अनन्दानपटीं में स्थित है (और इससे उपाबंध अनुसूचि में और पूर्ण रूप में वर्णित है). रिजस्ट्रीं ति धिकारीं के कार्यालय टाडगपट्टी (द० सं० 136/85 और 975/85 में भारतींय रिजस्ट्रींकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधींत, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त संबत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उनके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का बाजार मूल्य. उनके दश्यमान प्रतिकाल को बार अल्लारक (अल्लारकों) और अल्लारक (अल्लारकों) और अल्लारक (अल्लारकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्मानिसित उद्विषय में उचन अस्तरण लिखत को बास्तविक स्थास कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधि-बियम की अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कवी करने या उक्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ह) एँबी किली आव या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आतकर जिन्हों भारतीय आतकर जिन्हों भारतीय आतकर जिन्हों भारतीय आतकर जिन्हों नियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में नुविधा के लिए;

अत: अथं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिरिवन की धारा 269-च को उपधारा (1) के चधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : (1) श्री एम० सटरायन और ।

(ग्रन्तर∄)

(2) श्रीमती ए० स्वधम ।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी अमरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्व्यविद्यारं बुद्ध करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध ता तत्तम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजण्य वे प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिन्न जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण एम० मं० 94/6बीं 1, 95/1 मीं अं 95/2 मीं, अननदानपट्टीं गांच मेनम नालुः और जिला ।

एम० सांमुबेल, सक्षम प्राधिकारी स्वयक्ष श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रावन रोंगे-1, मद्रास

तारीख: 6-1!-1985

प्रकृष कार्यः, टी. **एतः एव**ं, -----

(1) आर तमत एक देवेडीयान ग्रीर

(श्रन्तरक)

(2) पा वाक देक एलावाएएमा स्थीर ।

(ब्रह्मरिन्।)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बावुक्त (निरीक्रक) श्रजंन रेज-, महास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निदेश सं० 31/मार्च/85:---अतः मूक्षे, श्रीमतः एम० सामुवेस, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त वधिनियम' कहा गवा हैं), की भाक 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिउको सं० मणिविलनधन गांव है, जो मद्रास में स्थित है (ग्रीर अपने उताबद्ध ग्रवसुचा में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रान्ति ग्रिधिकारी के कार्यालय दलैवासल (द० सं० 224/85) में भारताय रजिस्टोकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिशंन, तारीख मार्च, 1985

को प्वारंकत सम्पत्ति के जीवत बाबार ब्रुक्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापुनिक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल, का वन्द्रह प्रतिशत से बिधक हैं और बन्तरक (बन्तरकाँ) और बन्तरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तब पाया प्या प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चक्त से उच्च बन्तरण विधित वो बास्तविक कप से कर्मित नहीं किया वचा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, अन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य में कड़ी करने वा उच्छे बचने में बृत्यिधा के सिए; बीड़/बा
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी भन या बन्य अस्तियों को, जिस्हें भारतीय बाय-कर विभिनिश्व , 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्यम, या धनकर विभिन्यम, या धनकर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती ब्वारी प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुव्यिक्ष के लिए;

सतः अव, उक्त विधिनियम ही धारा 269-ग को अनसरण हों, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-व की सपधारा (1) के क्यीन, निम्मक्तिका व्यक्तिकार्यों, कर्यान हि—

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष्क कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सबध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपणी में प्रकाशन की तारीच है 45 दिस करी अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन में भीतार उस्ता स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य अविस्त दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त मों किए जा सकींगे।

स्मच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अभ्यास 20-क में परिभाषित इंतिहाँ अर्थ होगा. जो उस अभ्यास में विसा का मुंद

## **अनु**सूची

कृषि भीमि—स्मिणिशियाराज गांध अब्दर ठालुइ, नेलम जिला. (द० मं० 224/85) ।

> श्रीमता एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी (सहस्य ६ श्रायकर श्रायुक्त (वि**रीक्षण**). श्रजीन रोज**ा**, मद्रास ।

**तारी**ख: 6--⊥1--⊥985.

मोहरः

प्रस्त् बार्चं, टी. एन. एच. -----

कारकर विधिनियस, 1961 (196-1 का 43) की कारा 269-च (1) के स्पीन स्चना

#### भारत सहस्रह

कार्यात्तय, सहायक कायक र काय्क्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-I, भद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निदेश सं ० ४०/मार्च/85--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल, , कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ≰सके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-ब के मधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 /- र से अधिक हैं। भीर निमक्ती सं० एम० सं० 267/1, 269/2, श्रीर 454/3 है, जो आलाउन्थे कोम्बै गांव में रियत है (ग्रीर इससे उपाबद मन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिलिस्ट्रंशर्ता श्रधिरार्स् के कायिनिय नेन्द्रमंगलम (६० सं० ३१५/८५) में भारते य रिजस्ट्रेनरण श्रिप्रिनियम, 1908 (1908 भा 16) के श्रिधोन, तार्धेख मार्च, 85 क्षे पूर्वोक्त संपत्ति के उक्तिन वाजार सुक्त से कम के क्रयमान प्रतिकास को लिए करतियत की गई है बौद युक्ते बहु विश्वास कारने का कारण है कि यभापूर्वीक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मून्य उसके दश्यमान प्रक्रिफल से, एस अध्यमान प्रतिकल 🖚 श्रम्बह प्रतिकत से विभिक्ष ही और बन्तरक (बन्तरकों) तीर बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के दीच एसे अन्तरक के लिए अथ पाया संबर पतिकला, निम्नानिष्ठित उद्योषम् में उनन जनस्यक् सिविक में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया नवा है ---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी बाव की पावतः, उक्त विधिषयम के बधीन कर दोने के अन्तरक की समिष्य में कभी करने या उससे ज्वने में सुविधा के लिए; और/भा
- (बा) एसी किसी बाग या किसी अन या अस्य आहितयों की, त्रिल्हें भारतीय अहार उठर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, १९57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितं द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बंद: सव, अक्ट निर्मित्यन की बारा 269-व की अनुबंदन में, मैं, उक्त अधिनियम की धा 269-व की उपभाग (1) के अधीन निम्नितिश्वित व्यक्तिलों बर्धात् :--- 36GI/85

(1) श्रेर बालसुबमणि उडेयार ।

(भन्तरक)

(2) औं एस० ऐययम्पे रूमाल ।

(अन्तरिर्ता)

का वह ब्याना कारी करके प्वारंकत संपत्ति के नर्वन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति को वर्षत को सबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपण पे प्रकाशन की तारीस सं 4.5 दिन की जबिश कर तरसम्बन्धी स्थितियाँ पड़ सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त शांती हो, के भीतर पर्वोक्त स्थितियाँ में से किसी व्यक्ति द्वार।
- (स) इस सूचना को राज्यन्न में त्रकाशन की तारीस सी 45 दिन को भीतर उस्त स्थावर सम्मल्ति में द्वितवद्य किसी अन्य श्यक्ति. द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखिक में किह जा सकोंगे।

ज्यक्कीकरण:—-इसमें प्रमुक्त कव्यों और पद अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस च्याय में विधा गया हैं।

श्रनुसूची

कृषि भूमि—एस० सं० 267/1, 269/2 ग्रीर 454/3 वालवन्दीकोम्ब गांव, सेलम जिला ।

> श्रीमती एम० सामुवल. यक्षम प्राधिलारीत सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण). श्रुजन रेंज-I, महास

तारीख: 8-11-1985.

प्रारम भार्ष . टी . एव . एस . ....

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुभना

#### गारत तरकार

कार्यासय, महायक आयकार त्राय्**यत (निरक्षिण)** ग्रर्जन रेंज--1 मद्राश

मद्रास, दिनोएं 6 नवस्बर, 1985

निर्वेश लं 43/मार्च/85:—-- श्रतः मृक्षे, श्रं:मतं । एम । सामुबेल, श्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिश्ली संव एसव संव 60/1, 61/3 है, जो मोलपालैयम गांव में स्थित है (श्रीर इतमें उपावद्ध में श्रीप पूर्ण हर से विणित है) एजिस्ह्रंशानी श्रीध तर के शार्याचय राशिपुरम (दव सं. 392/ 85) में भारताय रिनिस्ट्रं एण ग्रीधिनियम 1908 (1908 रा 16) के श्रधान, नार्राख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त उपपृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास अरशे का कारण है कि गथापूर्वोक्त सपति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे जन्तरण के लिए तब पामा गया। प्रतिफल, निम्निसिवत उद्वर्षय से उक्त अन्तरण विविद्य में वास्तिक क्य से कियत मृहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई जिल्ली याच की वाबत, उक्त जां भारत्यका के क्षणीय कार थाने की अन्तरका की वारित्य में कभी अवस्त मा प्रमान वक्षणे में मिकिया के विक; साँद/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिकों को चिन्हों भारतीय आयकर विभिनित्तम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रशंकनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भन भा या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा व निष्टः

जतः प्रवा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण प्रो. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) क अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रः पा० भरतः यथ्य गोन्बरः भीर ।

(ब्रन्तरक)

(2) श्र: के० राजगीपाल ग्रीर ।

(भ्रन्तंदितः)

क न्यं श्रुपा प्रारी करके पृत्रींचत सम्पृतित के अर्थन के स्थिप कार्यगाहियों करता हुन्।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीश से 45 दिन की नविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी नविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थवितयों में से किसी स्थवित बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अच्च व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त कार्यो और पर्योका, जो उपक विभिनियम के विभाग 20-क में परिकाणित है, बड्डी वर्ष होगा जा उस वस्थाय में विद्या का है।

## भनुसूची

क्रिशि भूमि—एस० सं० 60/1, 61/3, मोलपालैयम गांव, सेलम जिला (द० सं० 392/85) ।

श्रीमती एम० सामूबेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), श्रुकंत रेंकिना, श्रद्धात ।

तारीख: 6--11-1985.

प्रकृत नार्द∴ टी. एन्, प्रकृ∑------

सम्बद्ध संश्रीनक्त, 1961 (1961 का 43) श्री भारा 269-म (1) के संशीत सुभना

#### **41746 87484**

## कार्यक्षयः, पहायक वायकार व्यव्यक्षयः (रिम्पीकाः,

ग्रर्जन रेंज-1, मब्रास मब्रास, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निर्देश मं० 45/मार्ज/85:—-ग्रनः भूमे, श्रामतः एम० सामुबेल,

कामकर वरिश्विमान, 1961 (1961 को 43) (चित्र इसमें इसके भववात् 'तनत निर्मित्र' नक्ष मधा ही), की भाषा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह निष्यास करने का कारण ही कि स्थानर तन्मति चित्रका जीवत् नामार मुख्य 1,00,000/- रह. से मधिक ही

स्रोर जिताने संघ एसक संघ 38/2बा, स्नानैट्ट्री पालैयम गांव है, जो महात में व्यित हैं (स्रोर इतने उपावद स्रनुसूत्रा में स्रोर पूर्ण का 1 सींगा है), रिविन्द्री हर्ती स्रक्षितारी के तार्यालय, रासं पुरम (दंब संघ 397/85) में भारताय रजिस्द्राहरण स्रक्षित्रियम, 1908 (1908 का 16) के स्रजीन, नारीख मार्च, 1985

को पूर्वेक्स सम्मक्ति के उचित कामार मून्य से कन के उच्चाक्षम प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मून्ने यह निक्यास का कारण है कि यापायूनोंक्स सम्मत्ति का उच्चित साचार मून्य, उसके उद्यम्भ प्रतिकल से, एसे अन्यभान प्रतिकल का प्रव्यू प्रतिक्रत से अधिक है और जन्तरक (अन्यरका) और जन्तिक्रिय (अन्तरिक्रिय) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पासा नया प्रतिकल , निक्नितिक्रिय उद्योद्य से उक्त अन्तरण निक्ति में शस्तिक्र क्य से क्रिक्त नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण वं हुई किसी नाम की बायत, उपस विधिनिका के अधीन कर दोने के अन्तरक के सामित्त में कभी करने या उदते अपने में सुविधा के सिक्; अर्रिश्वा
- (व) ऐसे किनी शव वा किनी भन या जन्म जास्तियों कार, जिन्हों भारतीय जायकर जीवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निविध्यम, या अंग-कर जीवनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासन के प्रतिस्था देश प्रस्ति देश प्रस्ति देश प्रकट नहीं किया नवा भा का किना वा की किना वा की किना वा की किना

नतः वयः, उन्तः सीमनियमं की भारा 269-ग के सनुबरण है, मैं, उन्नद्र अभिनियमं की भारा 269-ग की उपधारा (1) के जिस, निम्मिकिटिक समित्रमों, सर्थात् :---- (1) श्री कें जनतायणा गोन्छर श्रीर ।

(श्रन्तः ७)

(2) 1 श्री एम० मुझर्माणयम,
 श्री के० मुझर्माणयम,
श्री आर० बालमुझर्माणयम,
श्री ए० के० रामन ।

(अन्तरित:)

का वह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सञ्चिति के अर्थन क निष् कार्वताहियां पुरू करता हुं।

ं सम्बद्धि को कर्षन को सम्बन्ध में तहेर्द्द भी काक्षेत्र :---

- (क) इस ब्यान के राज्यत में प्रकारण की तारीय है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तालीस से 30 दिन की अवधि , को भी क्यिय वाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्स क्यिक्सियों में से किसी क्यित व्यक्तिया;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दिस्तबद्ध किन्दी जन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास स्थित में किन्वे जा सकने।

रनकाकि का:—इक्षयों त्रयुक्त याकों और पत्नों का, को उत्तर काकिनियत को अध्याय 20-क जो परिश्वतीयत हीं, तहीं वर्ध होगा को अब्ब अध्याय जो विका नवा हो।

#### वन्स्≪ी

कृषि भूमि—एस० स० 38/2 बा, श्रानैकट्टीपालैयम गांव, सेलम (६० स० 397/85) ।

एम० सामूबेल, सक्षम प्राविदादः, सहायतः श्रायतःर श्राक्युतः (निर्रःक्षण्), श्रजेन रोज-1, मद्रास ।

नार्र.**ब** : 6-11-1985

**ाक्य बाइ**ं. की. ९च / युर / -----

ৰামখনং ৰাখিনিয়ন, 1961 (1961 কা 43) কী খাড় 269-ম (1) ক লখীন কুমনা

#### HIST TENES

## आर्थातय, बहायक वायकर बाबुक्त (निरक्तिण)

मर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

निदेश मं० 47/मार्च/85:—-प्रतः सुक्ष, श्रामता एम० सामूबेल, बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जो कि भारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसका सं एस० सं 4/2, श्रमानि श्रमानि कोट्टायपट्टा गांव हैं, जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्राँर पूर्ण रूप से थणित है), रिजिस्ट्रायती श्रीधयारी के तार्थाक्षय रासं पूरम (दे स० 404/85) में भारताय रिजिस्ट्राकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधान, नाराख मार्च, 1985

का पूर्णेक्त सम्पति के उपित बाबार मून्य सं कम के दरयमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह किवास करने का कारण है कि सभापूर्णेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से., एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के बीच तम पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण सिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (च) बन्धरण से हुइ किसी बाव की बावसे; उपस् वीपीयवन के अभीम अर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे वभने में सविधा के निष्ट; बॉर्/बा
- (क) एंसी किसी बाब वा किसी धन वा अभ्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय शाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना जाहिए था कियाने में नृषिधा के निए;

बंदाः सद, उक्त विभिनियम् की भारा 269-न के अनुवरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के बधीर, निस्तिनियस व्यक्तियों अधार हु---- (1) श्री ग्रार० चिन्तु गोन्डर ग्रौर।

(स्रतन्रक)

(2) श्रा के० रन्दनामी ।

(ग्रन्स्रित्रे()

को यह कृपना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यनाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध के कोई भी आक्षोप हु---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यिक्तयों और स्वना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्स व्यक्तियों में से किसी क्यिक्त द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे ।

स्वक्यकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिम्मियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस अध्याय में किया गया है।

## त्रम् तूची

कृषि भूमि स्रौर घर---एस० सं० 4/2, स्रमानि कोट्टीयपट्टी गांव, सेलम।

> श्रीमती एम० सामुवेल, नक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), श्रुजन रोजे-1, मद्रास

तारी**च**: 6-11-1985

त्ररूप माइ. टी. एन. एस.-----

# बाक्कर निधनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म् (1) के वधीय सूचना

#### भारत संस्कार

भायां तय, सहायक आयकार वाणुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज--1, मद्रारा

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 57/मार्च/85: -- श्रतः मुझे, श्रांसतो एम० सामुबेल, आयकार लिखिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके प्रश्नात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हः . की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह' कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित्र बाजार मुख्य 1,09,000/- रहः से ब्रिक्क हैं

और जिसकें सं आर् एहा सं 205/2, 205/1 और 139/2 है, जो थम्पान्ट्र: में स्थित है (और इसके उपाबद्ध में और पूर्ण रेप के विणित है), रिलस्ट्र: तो अधितार के ामस्त्रिय ध्यमप्ट्टी (ए० सं ० 169/85) में महत्त था रिलस्ट्र एपण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान, ताराख मार्च, 1985

को प्रतिक्त तम्बन्ति के उचित्र बाबार बृल्य से कन के बक्राशान प्रतिकाल के जिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्याबा करने का कारण है कि मुक्ताबुर्विक तम्बन्ति का उचित्र बाधार मूल्ए, असके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल के पत्त्रह प्रतिकात से अभिक है और जन्तरक (कन्तरका) और (अन्तरिर्वत्या) के बीच एके बन्धरण के विद्यु तय पाया स्था फल निम्मलिकित उद्देश्य से उच्च अन्वरण किवित में बास्तिक में बास्तिक रूप से किथात नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण वे हुई जिल्हीं गाय की बावत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे यजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी नाम या किसी भन या अन्य जात्रिकाँ को, जिन्हीं भारतीय व्यवकर जीशीनवस, 1922 रा १९८५ को ११) या क्वल आंशीनवस, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया थर १००१ स्था जाता चाहिए था, हिस्सान मा जृधिया के सिए;

अतः जभः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीम, निम्लिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रां मता एम की लिए श्रीर ।

THE PARTY OF THE PARTY.

(भ्रन्तरक)

(2) श्री माइनार टेंग्० एम० श्रातन्त्रन श्रीर माइनेर टा० एम० मनोहर (श्रान्तिरितः)

की वह जूबना कारी करके पूर्वीयत संस्थित क अवस क स्वयं कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जन्म सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ;----

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विम की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की जबधित, जो भी जबधि काम में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्थितस स्थारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में दिवसव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावस्ताकरों के पाह निवित में किए जा सकते।

 स्पब्दोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जब्दा अधि-शिवम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं इस होगा, जो उस अध्याय दों दिया गया हो।

## जन्स्ची

कृषि भूमि-एस० सं० 205/2 205/1 श्रीर 139/2 थम्प्रमपट्टो गाँव, श्रातुर तालक, मेधम जिला द० सं० 169/85

> श्रीमती एम० सामवेल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयूक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेज-1, महास

तारीखा: 6-11-1985

प्रक्प नाइ. टी. एन. एत.-----

भागकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

## व्यक्तिक, सहायक मायकर वायुक्त (नियोधान)

ग्रर्जन रेंज-।, मन्नास मन्नास, विनौक 6 नवम्बर 1985 निदेश सं० 59/मार्च/85---ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

कारकार गिथित्वम, 1961 (1961 का 43). (किये हूड्यों क्सको वश्यात 'उक्त स्थितियम' कहा गया ही, की पाक 269-व के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रह. ते जीवन है

ग्रीर जिसकी सं० एस० सं० 293/2ए है, जो मोहनुर गाँव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूपरें से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिध कारी के कार्यालय, माहनूर (द० सं० 149/85) से भारतीय जिस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनोक मार्च 1985,

को वृत्रोंक्य सम्परिय के उचित सम्बार भूक्य से कन के सम्बनान मध् प्रतिकल के रिल्म भन्ति रव 4 करनं का .विश्वास हैं कि क्षा मह क्षारण पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्यः, उसके दश्यमान प्रति-फैन से, ऐसे दश्यकान प्रतिकल का बन्द्रद्व प्रतिसत से जीधक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच इसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिकास निज्नतिश्वित उद्देश्य ते जेक्त करतरण लिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया क्या है ६---

- (क) बन्तरण ते हुई किडी बाद की बादत, उनक विधित्तदन के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाक्तिय में कती करने वा उक्क वचने में नर्गवधा के किए; औह/वा
- (क) देवी निर्माणां ना का निर्माण ना सम्ब ना स्थित की, दिनहीं महातीय भावकार निर्माणकान, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्माणकान, वा क्य-कर कर्द्रविक्तन, 1957 हैं 1957 का 27) से प्रजीवार्ण अन्तरिही स्वाहत प्रकट नहीं किया गया था या निर्माण ना वाहिए था, कियान में स्विधा के निए;

कक्क: अब, उन्नत विश्वनिषय की भारा 269-व के, बनुसरण व", प्र", सक्क अविनियम की भारा 269-व की स्पथारा (1) के व्यक्ति: निरमीलिंखित व्यक्तियों, वर्षीय् ः--- (1) श्री भन्दुल कादर साहिब

(झन्तरक)

(2) श्री बाबू (उप नाम) इअलय

(मन्तरिती)

को बहु बुचना चारी करके पूर्वोक्त चन्द्रतित से सर्जन के जिसे अवर्जनिविद्यां युक्त करता हो।

उनत संगीत के मर्चन के संबंध में कोड़ों भी भाक्षेत्र :---

- (क). इस जूपना के समयन में प्रकासन की तारीय से 45 दिन की समीध ना तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की समीध, को धी नमीध नाथ में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति दुवाय;
- (व) इस क्षता के राजपत्र में प्रकाशन की दारीय दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वक्वीकरण :---इतमें प्रवृक्त प्रक्वी और वर्षों का, वो उक्क व्यक्तिव्यन, वे अच्याब 20-क में प्रिशाविक हूँ, वहीं अर्थ होना को उन्ह अभ्याद भाष्ट्रिया वक्त हूँ।

#### बनुबूबी

भूमि ग्रौर निर्माण --एस मं० 293/2ए, माहनूर गांव, नामक्कल तालुक, सेलम जिला (द० मं० 149/85)

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ∰ग्रर्जन रेंज–।, मद्रास

दिनाँक : 6-11-1985

प्रकृप बाह". टा. एन. एस. ----

ज़ाबकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) जे जभीन स्थना

## भारत तरकात

## कार्यासम, तहामक वायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, मद्राम मद्रास, दिनाँक 6 नवस्बर 1985 निदेश सं० 63/मार्च/85---श्चनः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात उपत अधिनियम) कहा गया है), की भार 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाबार ब्रुक्व 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जमकी सं एस नं 207/1के, 207/1वी, 207/1क 207/1एकम आई, 206/10, 207/1एम, 1207/1एक है, जो गजकोम्ब गाँव में थित है (श्रीर इसके उपाबद में श्रीर पूर्ण रूप में विण्त है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, एडमेंणट्टी (दसक सं 248/85) में भारतीय र जस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन मार्च, 1985, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपात बाजार मूल्य से कम के क्रमान वित्रक के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह वित्रक्त से अधिक है और अन्तरक (जन्तरका) और जन्तरिती (जन्तरितियों) से बीच एसे अन्तरक (जन्तरका) और जन्तरिती (जन्तरितियों) से बीच एसे अन्तरक के निए तब पावा जवा वित्रक निम्मांचित उब्देश्य से उक्त अन्तरक कि विवृत्त में गन्तिक क्य से कियत नहीं किया पावा है है

- (क) अन्तर्भ से हुई फिसी भाग की बाबत, उपस विभिन्न के बधीन कर बोने के अन्तरक के दांगिए में अभी करने वा उक्तर वचने में वृत्तिथा के जिल्ह; प्रीर/वा
- (च) एची किसी नाम या किसी भन या बन्स आस्तिकों को जिन्हों भारतीय नाय-कर अभिनित्रमा, 1922 (1922 का 11) या उक्त 'निर्मित्रमा, या अन-कर अभिनियम, या अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ जन्तरिसी ब्लास प्रकट नहीं किया गवा वा वा-किसा वाना वाहिए था, कियाने में स्थितर वे जिसा

बंधः वयः, उक्त विभिनियम की भारा 269-न के व्यक्तरण कें, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-च की उपधाद्य (1) कें वधीन, रनम्नलिबित व्यक्तियों, बक्क्त क्र- (1) श्री मृत्तु गोण्डर

(श्रन्तरक)

(2) श्रीपी० कुमरेसन

(श्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन् के ीज्य कार्यवाहियां करता हो।

## डक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में 'कोई' भी अक्षेप ६---

- (क) इस सूचना के राजपण को प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, को भी नविंध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति दुवादा;
- (क) इव ब्रांचना के युवपण में प्रकाशन की तारीब वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वाय वभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा सकीने।

स्थानका स्थाप प्रमुक्त कर्का शहर पर्यो का, की अर्थत विभाग के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु वर्ष होंगा को उस अध्याय में दिशा नवा हो।

## **अनुसू**ची

कृषि खेती भौर घर—एस० सं० 207/1के, 297/ 1बी, 207/1एन, 207/1वाई, 206/10, 206/6, 207/ 1एम, 207/1एन, कएटुमैपट्टी गाँव, नामक्कल तालूक, सेलम जिला (द० स० 248/85)

> श्रीमती एम० सामुबल सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक मामकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-।, मद्रास

दिनाँक : 6-11-85

प्रारूप अवर्षः टी. एन . एवा. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के अधीन कूमना

भारत उपकार

कार्बाजय,, तक्तवक आवकर आव्चत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 71/मार्च/85—श्रतः मुझे, श्रीमती एस० साम्बेल,

कारास्तर अधिनियम . 1961 (1961 का 43) (जिबे इसमें इसके परवात् 'डवर्ट अधिनियम' कहा एका हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षत्र प्राथिकारी की यह विख्याद करने का आरण है कि स्थावर सम्बद्धिः, जिसका द्विता बाजार मुख्य 1.00.000/- रा. से सीचक हैं

स्रौर जमकी सं श्रार एप सं 153, 2ए, एक र गाँव है, जो में स्थित है (भौर इसमे उपाबद्ध में भौर पूर्ण रूप मे विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, एक ट (द० सं 65, 85) मैं भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौंक 15 मार्च 1985

- (क) जन्तरण से सूर्व जिसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंदरक के रावित्य में कमी करने वा उसने वचने में सुविधा के मिश; और/वा
- (क) पासी किसी बाय या किसी भन या जन्य बास्तियों की, जिन्ही भारतीय जासकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या तकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम पा भनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए:

अत: अन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरग को, मी, जक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीत, निम्मनिक्षित व्यक्तिस्कों, अर्थास :---

- (1) श्री एम० एम० मो० चोक्किलिंगम ग्रौर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पी० श्रार० जी० गोविन्दराजन (श्रन्तरिती)

की वृद्ध सूक्षना बारी करके पूर्वोक्त जम्मित्स के कर्जन के जिल् कर्माकारिकां **करका ह**ै।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के स्वयन्त्र में कोई कार्यन है---

- (क) इस स्थान के सम्बद्ध में प्रकादन की तारतेय स 45 दिस की अविध सा तरबंदेंथी व्यक्तियों पर सुधना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी स्विध साद में दनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त स्वित्तमों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) या कुम्बा में खन्मत में त्रकारण की वासीय वें 45 विष् के धींकर अवद स्थापन सम्बन्धि में दिश्यक्ष किसी जन्म मानित द्वारा मभोहरकासारों के पार लिखित में किस वा सकोगें।

त्यक्रीकरण - इसमी प्रमुक्त शब्दों और पदी का, को जबत विकित्रण, के अभाव 20-क में परिश्राणिश ही, वहीं अर्थ होगा, को उन अभ्यान में दिर वसा ही।

## **म**भ्**ष्**ची

भूमि और निर्माण आर० एस० सं० 153/2ए, एर्काट गौष और तालुक, सेलम (बद० सं० 65/85)

> श्रीमती एम० नामुवेल सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 मद्रास

दिनौंक : 6-11-85

प्रकप साध", टी. एन . एस . ----

बायकर क्रिंपिनयम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन सुमृता

#### प्रारव सरकाड

भार्यात्तय, सहायक शायकर वायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-I मुद्रास

मद्रास दिनॉक 6 नवम्बर 1985 निवेंश सं० 75,मार्च,85—श्रतः मुझे श्रीमती एम० साम्बेल

शायकर शोधनियम, 1961 (1961 का 43) (शिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ौर जसकी सं०एम० म०  $41_{|1|}$  40|2| 41|1| 3|4, 53|5|  $53_{|2|}$  है जो पेरीटसी पगपाडी गाँव सेलम में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय वीरपाण्डी (द० मं० 350|85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाँक मार्च 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मूक्य से कम के प्रत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि बथाप्वॉक्त संपत्ति का उपित बाजार मूज्य, उसके प्रयमान प्रतिफल से, एसे प्रयमान प्रतिफल के फंड्र प्रतिपात से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फजा, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्त-किक क्य से कथित नहीं किया नवा है है——

- (क) अन्तरण वेहुई किसी आव की नायत, बन्ध अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उत्तर्ध वच्चे में सूर्विधा के निष्ट; और/मा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर की भीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा धकट नहीं किया गवर था या किया बाना चाहिए था, कियान में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधिन नियनसिक्ति अधिकार्यों, अधीत ४--- 37—356GI/85

(1) श्री एस० सुग्रमणि श्रीर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती डी० पेरुमाई

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरि करके पृत्रावित सम्पर्टित के वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

जनत संपत्ति के अर्थन् के संबंध में काई भी बाक्से है---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीचा है 45 दिन की जविध ना तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की जविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ज) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाहन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविध्त में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरणः इसमें प्रयुक्त सब्दों और पक्षे का, यो उक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ष होगा यो उस अध्याय में विस् पदा है।

## **मन्स्**ची

कृषि भूमि  $\longrightarrow$ एस० सं० 40|1 40|2 41|1 53|4, 53|5, 53|2, पेरीयसीगपाडी गाँव सेलम (द० सं०  $350^{1}$  85) ।

श्रीमित एम० सामुवेल यक्षम प्राधिकारी संहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I(।/सी), मद्रास

दिनांक : 6-11-85

प्रस्य आहे. दी., एव., एस.,------

सायकर विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यातय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्तज) श्रर्जन रोजन, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निदेश सं० 172/मार्चं<sub>/</sub>85—न्ध्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें इसमें प्रचाल 'उक्त जिधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख में अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वार करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० 127/2वी 3, 127/2वी 4, 127/2वी 2, प्राथलनाईबैंकनपट्टी गांव में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के बायिलय, सेन्दमंगलम (द० सं० 421/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 वा 16) के ग्रिधीन, दिनांक मार्च, 1985

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ,,एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितकां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्वेष्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्तिक ज्य से स्वित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरम से हुई किसी बाय की बाबत, उस्त अधि-नियम से अधीन कर दोने के अन्तरक के खायित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसि किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के दिवए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुबरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) ले सभीन, निम्नसि<u>धित व्यक्तिकां, अर्जात</u> ह—— (1) श्री करूपा गोण्डर भौर

(अन्सर्भः)

(2) श्री पी० सुन्नुलक्ष्मी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

### उन्तर सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाओप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जबिध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट अविकायों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ज) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारांध वं 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितनव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्थान्द्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों नी,र पदों का, को उक्त अधिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

### भमुस्ची

कृषि भूमि---एस० सं० 127/2बी3, 127/2बी4 झीर 127/2बी2, श्रावलनाईवकलपट्टी गांव, सेलम (दि० सं 421/ 85) ।

> भीमती एम • सामुनेज सक्षम प्राधिकारी ाह्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-I(प्राद्व/सी), मद्रास

दिनांक : 6~11**~85** 

मोइर:

म्बन बाह्र हो एन एव -----

बावकर वीमीनवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बचीन स्चना

#### नारत बहुत्सह

## कार्यानय, सहायक नायकर नायका (निरक्षिण) श्रर्जन रेजि-1, महास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निदेश सं० 173/मार्च/85---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके प्रचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सन्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- क से अधिक है

और जिसकी सं० ए० सं० 29/3, चिदम्पटपट्टी गांव में स्थित है (और इमसे उपाबद में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-मान प्राधि गारी के पार्यालय, सेन्दमंगलम (द० सं० 354/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 मा 16) के द्राधीन, दिनांक मार्च, 1985,

को व्योंगत सम्बन्ति के उचित बाजार मुक्य स कम के ज्यमान श्रीतकाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह निश्वास करने का कारण है कि संभावनींकत सम्पत्ति का उचित बाजार स्म्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का कन्द्र प्रतिकत से अधिक हैं और जन्तरक (जन्तदकाँ) और कन्तिकत (जन्तरितिकाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तब बाला जवा प्रतिकत, निश्निकांकत उच्चेश्य से उन्त जन्तरण निश्चत में वास्तविक क्य में काँधत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी नाम की नानत, जनत निष-णियन के स्थीन कह देथे के जन्तरफ के दाहितथ में क्सी करने या जन्ने स्थान में सुविधा के जिए; नीर/या
- (क) ऐसी किसी आए या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, जियाने के बुविधा के सिए;

अकः अव, उन्त विधिनयम की भारा 269-न के समुख्युल में, जो उन्त विधिनयम की भारा 269-व की उपभारा (1) के स्वयुक्त, निस्त्रसिंखित व्यक्तियों, जर्मात् ६--- (1) श्री ए० जगन्नावन

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती डी० सरस्वती ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्क सम्बद्धि के वर्षन के सम्बन्ध में श्रद्ध भी बाक्षपः--

- (क) इस ब्यान में रावपण में प्रकाशन की तारीब ते 45 विन की जबींच मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ।
- (व) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में दित-बंद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अभोहस्ताक्षरों के पास जिल्लित में किए का सकींगे।

स्पाक्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त श्रीधीनवस के अध्याय 20-क में परिधाषिट हैं, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

#### ग्रनु मुची

भूमि ग्रौर निर्माण ---एस० सं० 29/3, चिदम्परपट्टी गांव, सेलम (द० सं० 354/85)

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ृद्यर्जन रेंज-1(1/सी, मद्रास)

दिनांक : 6—11—**8**5

मोहरः :

प्रक्ष बाह् ुटी.एन., एस.,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत परकरर

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांकः 6 नवम्बर 1985

निदेश सं० 177/मार्च/85——ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेलः

अग्रकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- सं के अधीन सक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 1/14, वार्ड "सी, ब्लावः । है, जो श्रलागमपुरम पुदुर से सलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीअर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सुरमंगलम (द० सं० 618/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, , 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित गाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्वा प्रतिफल, निम्नलिख उच्च के से जन्तरण निकित में गास्तिवक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाइत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तय क्वने में सुविधा के लिए; और/वा
- (थ) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः अत, उक्ट बीधनियम की भारा 269-ग के बनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिबत व्यक्तियों, वर्षात् ⊑— (1) श्री एस० मुन्द्रराजन

(भ्रन्तरच)

(2) श्री मोहन राजेस

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र हि—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जबधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **मनू**सुची

भूमि—दी० एस० सं० 1/14, ब्लाक 1, बार्ड "सी", अलागपुरम पुदुर गांव, सेलम (द०सं० 618/85)

> श्रीमती एम० सामुबेल, मक्षम प्राधिकारी स**हा**यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।(श्राई/सी). मद्रास)

दिनांक : 6-11-85

मुख्य बार्च हो , तुर , मुख्य ----

भ√थकर विधिनियम, 1961 (1961 **का 43) की भारा** 269-घ /1) के बभीन सुचना

#### भारत सरकात

कार्यानम्, सक्षयक वायकर वायुक्त (निर्देशक)

श्चर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांकः 6 नवम्बर 1985

निदेश सं० 175/मार्च/85—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार (जिसे इसमें इसमें प्रकार (जिसे इसमें इसमें प्रकार (जिसे इसमें 263-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित नाजार मृज्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जियकी सं टी एस सं 1/21सी, 1/25, 1/27, ब्लाक 2, वार्ड सी है, जो ग्रलगपुरम पुदुर गांव, सेलम में स्थित है (ग्रर इसमें उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री हर्ता ग्रिश्व होते के कार्यालय, सुरमंगलम (द० सं ० 610 ग्रीर 611/85) में भारतीय रिजस्ट्री जिरण ग्रिश्च नियम, 1908 (1908 वा 16) के ग्रशीन दिनां हे मार्च, 1985, को पृत्तीं क्स मंपत्ति के जिसत बाबार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द है और मूं में यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृत्रों क्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल हिन्नलिखित उद्वेष्य से उन्त अंतरण लिखत में बासविक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्धहरू से हुन्दै किसी शाय की बाब्स, स्वस्त् विविद्यान के वधीन कर दोने के वंतरक के दासित्व में कानी करने या उन्नवेशकने में तृष्धा के निह्यू: शीर/या
- (स) ऐसी किसी बाव वा किसी धन वा वन्य वास्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या चन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधाजनार्थ बन्दिरिती क्याय प्रकट नहीं किया गया था गा किया वाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिद्धाः

जतः कवः, उक्त विधिनियम की धारा 269-म को बनुतरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बुधीन, निम्नतिचित व्यक्तिचाँ, वर्षात ⊯— (1) श्री एम० तंगवेल ग्रौर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती के० देइवाने प्राचि स्रौर

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के विक्य कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बद्धि के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस सूचना के एकपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्ल स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक्ष हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जा उक्त कथिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कथें होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्युची

भिम भ्रौर निर्माण ---टी० एस० सं० 1/21सी, 1/25, 1/27, ब्लाब 2, वार्ड 'सी', श्रलगपुरम पुबुर गांव, मेलम (द० सं० 610 श्रौर 611/85)

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रोज-1(ग्राष्ट्र)सी, मब्रास)

दिनांबः : 6-11-**8**5

## प्रकृत वार्षं हो दुन पुर ु----

## वानंबार वरिधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन शूचना

#### भारत बरकार

## कार्यस्य, सहावक नायकर नायकर (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-II, महास

मद्रास, विनांक 29 अन्तूबर 1985

निवेश सं० 34/मार्च 85---ग्रतः मुझे, श्रीमती एम• सामुबेल,

भावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (भिन्ने इसमें इसमें प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार भूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 12, नयावार्ड सं० 15 प्लाट सं० 2-सं० 56, 57 राजा श्रण्णा मले चेट्टियार रोड है जो संगन्र में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणित है रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्य, गांधीपुरम (लेख सं०1425/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च 1985

की पूर्वोक्त सम्मित्त के उपित बाजार कृत्य ते कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और पृश्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उपित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिकल ते एते दश्यमान प्रतिकल का पन्छ प्रतिकत से विभिक्त है और बन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एते बन्तरण के निए तब भाका गया प्रतिकल, निम्मितिकत उप्रवेचक से उपत बन्तरण किल्लिक में वास्तविक कम से कमित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाग की बाबत, उक्त जिथीनवज के जभीन कर दोने के बंदारक के दावित्य जे कती करने वा उससे वचने में सुरिव्धा के शिक्; जरि/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन वा अन्य अस्तियों को, चिन्हें भारतीय जायकर विधिनवन, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनवन, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती च्वारा प्रकट महीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के किए;

नदाः नव, उक्त विभिनियम की भारा 269-न के अनुसरक वो, वो, उक्त विभिन्नियम की भारा 269-क की उपभारा (1) के वभीन, निम्नसिविक काविसर्वों, बेबाँक र (1) श्री के वैद्यनाथन

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कें एम : प्रतिकासी ।

(ग्रन्तरिती)

को वह तुषका पारी करके पूर्वीकत सम्मत्ति के वर्षक के जिल्ल कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

### बन्द बन्दरित के वर्षन के संबंध में कोई भी बालोप हुनन-

- (क) इत त्यान के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इब ब्यूका के राज्यक में प्रकावन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्द्वकथ किसी नन्य कीक्त युवारा नभोड्स्ट्याक्षरों के शब निवित में किए वा सकोंचे।

लब्दिकरण:---इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, जो समय अधिनिजम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### बमुसूची

भूमि और मकान -- 56, 57, राजा घण्णामले चेट्टियार इ, संगनूर गांव, गांघीपुरम (लेख सं० 1425/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-Ш; महास

दिनकि : 29-19-85

मोहर 🏚

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भागकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

भागलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिमांक 4 मबम्बर 1985

निवेश सं० 43/मार्च 1985---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र हचने इसके परचात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया ह"), की भाष 269-- व के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारन है कि स्थानर कम्पत्ति, जितका उचित बाचार मुख्य 1,00,000 / - रः. से अधिक है

**भीर जिसकी सं० टी० एस० 1014-डोर सं० 11/409**, मे प्यालयम है, जो कोयम्बतूर तालुक में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबढ़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर लेख सं० 933/85 में भारतीय रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, दिर्माक मार्च 1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित दाजार मुख्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पेंक्क प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पादा नवन प्रतिपन्न निम्निनिवित उद्देष्य से उन्नत अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुंद्दें किसी आय की बाबत, मिभिनियम के मभीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के मिल्; भौर/या
- (ब) देसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिकों को, जिन्ह भारतीय जायकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-का 27) कर अधिनियम, 1957 (1957 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया **गया था या किया** जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभाके लिए।

अल: जब, उम्पत अधिनियम की धारा 269 न्य के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीन, निस्तिमिश्वत स्वीक्तयों, अर्थात् :---

(1) श्री पी० सुरुवैया

(अन्तरक)

(2) श्री एस० पी० एन० मागप्प चेट्टियार और अन्यों (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्ववाद्विमां कुरु करता हूं।

जनत संपत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तादीख से 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्नोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र के प्रकासन की तारीच ते. 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्रित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरगः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में सभा परिका-ही, यही जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### धनुसुची

मूमि भौर मकाम -भेट्टप्लपालयम रोड-टी० एस० सं० 1014-डोर सं० 11/409-कोयम्बद्धर-कोयम्बद्धर 933/85 1

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-II, मद्रास

**विमां**क : 4-11-85

ोहर:

### अक्य बाइ .टी. एम. इस . ------

भश्यकार अभिगियस, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-च (1) के अभीत सुचना

#### बारत शरकार

### कार्यासम, सङ्घायक जानकार नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंअ-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अक्तूबर 1985

निदेश सं० 47/मार्च 85--अतः मुझें, श्रीमती एम० सामुवेज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 क्य 43) (जिसे इक्सें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रुट. से अधिक है

भौर जिसकी सं० अनुप्परपालयम् गांव टी० एस० स० 1/919/ हिस्सा है, जो कोयम्बतूर में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री जर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर लेख सं० 1079/85 में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनों क मार्च 1985

का पृत्रोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के रहयमान प्रतिफल के निए अतिरित को गईं हैं और मुफ्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृश्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिस्ति से अधिक हैं और बंतरक (बंतरकों) और जत-रिसी (बंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के सिस् तय पाया प्या प्रतिकस निम्निलिखित उद्देश्य से उस्त बंतरण जिबित में बास्तीवृक्ष कर से बहुविश्व वृद्धी किया नवा हैं:----

- (क) बन्तरक से हुई किसी जान की बाबत, उक्त जिभिनेत्रम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने का उससे अचने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को पिन्ही भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थ प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युविधा से निष्

बतः जब उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 769-व की उपधारा (1) व विधीन, निम्नसिवित स्वक्तियों, धर्धात :----

- (1) मेससं विनायक कन्स्ट्रमणन्स डिस्ट्रक्ट कन्हैयालाल सवलदास प्राइवेष्ट लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) मेसर्स सुगुणा आष्टमोबेस्स, को पार्टें पर्स एम॰ पोन्नुस्वामी ग्रौर आर॰ शिवकुमार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करूके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्ववाहियां मुरू करता हुं।

क्क्स सम्मानि को सर्मन को सम्बन्ध मों कोई भी भाषीय :---

- (क) १६ जुमना के राज्यम में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, धों भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनाए;
- -(क) इस सूचना के राजयत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पणि में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा तकेंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वृष्टिन्दम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होंगा जो उस अध्याय में दिवा नवा हैं।

### मानुवी

भूमि श्रीर मकाम—टी० एस० सं० 1/919/17, हिस्सा— अनुष्परपालयम् गांव कोयम्बत्र टाउः। कोयम्बत्र लेख सं० सं० 1079/85

श्रीमती एम० सामुबेल एन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II मद्रास

विभांक : 29-10-85

माहर ह

प्ररूप बाइं.टॉ.एन.एस. -----

भाषकार संधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जान रज-II, मन्नास

मद्रास, दिमांक 29 अक्तूबर 1985

निदेश सं० 61/मार्च/85—अतः मुझें, श्रीमती एम० सामुबेल,

वासकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्रमके प्रपादत 'उथन अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सभ्यक्ति, जिसका उक्ति वादार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिउकी सं० 39 में 54 तक क्लाक सं० 30 आर० एस० सं० 344 में 358 तक मेलूर है, जो ।।। गांव कूनूर तालुक में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कूनूर लेख सं० 346/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि मधाप्योंक्स सम्पत्ति का उधित बाजार मुख्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है बार जन्तरक (जन्तरकों) और जन्त-रिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरक के लिए तय पावा गवा शतिफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त जन्तरक जिल्हित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गवा है कि

- (क) अन्तरण सं हुई किती बाव की वाबत उपत अर्थिनियम के बंधीन कर दोने के बन्तरक के बाबिएन में कमी करने या उससे बचने में सुविका के मिए, अर्थिश
- (क) ऐसी किसी आय या धन वा जन्य जान्तियाँ की, जिन्ही भारतीय जाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत जिमित्यम, प्रा धन-का अधिनियम, प्रा धन-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था. छिपार में सुविधा के विक्:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अग्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नालिमित व्यक्तियों, अर्थात् :--38—356GI/85

(1) श्री पी० सी० जोशुंबा को० पावर एजण्ट श्री टी० जे०न चेरियम ।

(अन्तरक)

(2) संयमं श्रीराम काफी श्रीर टी० प्लान्टेशनन्स (पाइवेट) लिमिटेड रिप्रेजेन्टेटिव श्रीमोटरस डायरेक्टर, श्री ए० बी० एस० राजा ।

(अन्तरिती)

हा वह मुक्त अपने कार्ज एकाकिए गुरुकिस के अचन के निर्माण कार्यवाहियां क्राक करता हो।

#### प्रकृत सम्मतित के अर्थन के सम्बन्ध में आहे औ बासोप्≥--

- (क) इस सूचर, जे राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीं से 30 दिन की जनिथ, जो भी व्यक्ति वाद में सवाय होती हो, के बीत्र पृत्रों कर व्यक्ति हो हो हो तर प्रवास कर विकास होता है कि व्यक्ति हो हो हो है कि व्यक्ति है कि व्यक्ति हो हो है कि व्यक्ति हो है कि व्यक्ति हो है कि व्यक्ति है कि व्यक्ति हो है कि व्यक्ति हो है कि व्यक्ति हो है कि व्यक्ति है कि व्यक्ति है कि व्यक्ति हो है कि व्यक्ति है कि
- (श) इ.स. स्थला के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाप्त स्थातित में हितवहुच किसी सन्य व्यक्तित ह्वाय व्यक्तिस्तासरी के शब्द िलीक हों हैकाए का सकीचे ।

अध्यक्तिया क जध्याय 20-क में परिभाषिक हुं , जहाँ हार्ग होगा को उस अध्याय में दिया

### अनस्**ची**

भूमि श्रौरमकान 39 से 54 तक ब्लाक सं० 30 आर॰ एस० सं० 344 से 358 तक मेलूर-111 गांव कुनूर तालुक कूनूर गांव लेख सं० 346/85 ।

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 29-10-85

माहर:

### प्रकथ बाह्र दी एन, इस . -----

# बायकर बीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अस्तूषर 1985 भिदेश सं० 62/मार्च 85--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिर्च इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार्य 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० आर० एस० सं० 2271/1ए 2सी 3 ए भीर आर० एस० सं० 2270/4 है, जो कूनूर में स्थित है (भौर इससे उपाध्व में भौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कूनूर लेखमसं० 415/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिमांक मार्च 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अवमान प्रतिफल के लिए अभ्यारित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्रथमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अभिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के निए: बौर/था
- (ख) ऐसी किसी आय. या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, चिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

क्तः वव, उक्त जाँभीनवन की धारा 269-न से वन्तरस में, में उक्त जिथिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों अर्थात :--- (1) श्री जे० किसोरीलाल पारेख

(अन्तरक)

(2) डा० जार्ज मेध्यूज श्रीर दूसरे।

(अन्तरिसी)

को बह सूचना चाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सिए कार्यग्रहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति बुवास;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबव्ध-किसी कन्य स्थावित ब्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्पक्किरण :---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो अक्त अभिनियम के सभ्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं कर्ष कोगा, जो उस अध्याय में दिया जवा हैं।

## **अनुसूची**

भूमि आर॰ एस॰ सं॰ 2271/1ए 2सी 3ए ग्रौर आर॰ एस॰ रेसं॰ 2270/4, कूनूर लेख सं॰ 415/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-11, मद्रास)

दिभांक : 30-10-85

भोहर :

प्रकृष सार्वं .टी .एन .एच . --------

बायकर अभिनितम, 1961 (1961 का 43) की गाय 269-म (1) से अभीत स्वता

#### शारत परकार

## कार्यालय्, सहायक भागकर नायुक्त (निर्देश्यक)

अर्जंन रेंज—II, मद्रास मद्रास, दिनांकः 29 अक्तूबर 1985 निदेश सं० 63/मार्चे 85——अतः मुझे, श्रीमती एम० मुबेल,

ायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) विनये इसमें खर्ज परचात् 'उन्ह अभिनियम' सहा नया हैं), की चारा 269- क अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का मारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य ,00,000/- रू. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 4 ठौण म्यू नीलिगरीस में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कूनूर लेख सं० 480/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीम, दिमांक मार्च 1985

हो पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययजान तिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास हर में का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मित्त का उचित बाजार ह्रुब्ब, उसके प्रश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के न्क्क प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकार) और प्रश्वारिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए अस त्या गंधा प्रतिफल, निम्निसित उद्योग से उक्त अन्तरण लिख में बास्त्रविक क्ष्य से क्षित नहीं किया गंधा हैं:——

- (कः) कराएक चे हुई किसी भाग का वावत सकत महिंग-निवम के नभीन कर दोने के मंतरक के दासित्य में कती करने ना स्वयं वचने में समिशा के सिंह; कीक्ष/पा
- (क) श्रेसी किसी बाग या किसी वन या अस्य वास्तियों को, विन्हीं भारतीय नामकर नीभनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर विभिनियम, या वनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के ज़िक्;

बतः वन, उत्तर विभिनियम की पारा 269-न वी विमृत्यस्य की, मी, उत्तर विभिनियम की भारा 269-च की अपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, वर्धात् :---

(1) श्री लूसी कोच्युवरीड

(अन्तरक)

(2) ई० जें० वरकीच्चम अलैयास वरगीस<sup>े</sup>। (अन्तरिती)

की वह बुक्ता बारी कर्ज पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आखेप ः---

- (क) इस बुज्जा के राज्यन के अकावन की तारीय से 45 दिन की अवधि वा तदसम्बन्धी श्वतित्यों पर क्षति। की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी बनिध बाब के बकाव्य होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तिकों के किसी व्यक्ति हुनाया;
- (न) इस सूचना के रावचन में प्रकासन की बारीक से 45 दिन के भीतर उक्तं स्थावर सम्पत्तिः में हित्-नव्ध किसी मन्य व्यक्ति इसारा मधोहस्ताक्षरी के पास विविध में किए का सकति।

स्वक्रोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जा अवस व्यक्तियम के वध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होया को उस अध्याय में विका एका हैं।

#### ननुसूची

भूमि श्रीर मकान 4 ठीन त्रयू दी० नीलगिरीस कूनूर कूनूर लेख सं० 480/85

> श्रीमती एम० सामुनेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, मद्रास

दिमांक : 29-10-85

## प्रका शार्ष की . एम . पृत . ...----

## मानकपु मधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 268-घ (1) से मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- मद्रास

मद्रास, दिनांक अक्तूबर 1985

निदेश सं० 67/माच 85--अनः मुझे श्रीमती एम० सामुदेल

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया इं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण ह″ कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- का से अधिक ह

ग्नौर जिसकी सं० लेख सं० 503 श्रौर 505/85 की श्रीडूल में वी हुई सम्पत्ति है जो में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) परिलस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दारापुरम लेख सं० 503 505/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीम दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिकत्तु को निए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिक्रत से जिसके हैं बाँड बंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्बेष्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तिविक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से **बुद्ध किसी आय की** बाबत, उक्त आधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में अपनी करने या उससे अचने में सूविभा के लिए; अधि/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भम या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

मंद्र: मन, उसत जीधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उसत जीधनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) में नधीण, निम्नलिचित व्यक्तिमुखों, अर्थात् :--- (1) श्री रामदास ग्रीर अन्यों।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० कुप्पुस्वामी गौंबर श्रौर अन्यों । (अन्तरिती)

न्धे वह सूचना कारी कड़के पूर्वोक्त सम्मित के वर्धन के लिए कार्यनाहिन्दें क्रस्ता हूं।

उक्त संबक्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र :----

- (क) इस क्वना के रख्यपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जनीश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर क्यां की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी जनीश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्यां द्यारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितद्र्थ किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात तिस्ति में किए का सकोंगे।

स्पष्कोकरणः — इसमें प्रमुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

लेख मं० 503, 505/85 की शैंड्यूल में वी हुई सम्पत्ति दारापुरम् ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सञ्जम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II मद्रास

दिनांक : 4-10-85

国使年 谢理<sup>1</sup> . 本1 . 疾4 . **读**第 . ------

बायकार जिवितियम, 1965 १८९६३ का 43) की भाषा 269-व (1) के अभीत संवतः

सारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांश 29 अन्तूषर 1985

मिदेश सं० 70/मार्च ४5 ---अतः भुझे श्रीमती एम० साम्बेल,

बत्यकर विधितवस, 1961 (1961 का 43) (कित इत्यें इसके पश्चात् 'नमस विधितियस' व्याप्त गया है), की पारा 269-स के वर्धात सक्षम प्राधिकारी की यह विध्यास स्वाप्त का कारण है कि स्थावर वस्पत्ति, कार्यका उपयोग वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से विधिक है

भीर जिसकी सं० वार्ड सं० 5—टी० एउ० सं० 36/2, गस्पा पोल्ला है, जो तिकतपूर पोल्लाय्यों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप ो प्रणित है,) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोल्लाच्ची लेख सं० 620—652/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 स 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985,

को पूर्वित सम्मत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के रायमान प्रक्रिय के लिए अन्तरित की मद्दे और मूक्ते यह विश्वास सहत्वे का कारण है कि यथाम्बॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उक्के स्वयंक्त प्रतिपत्ति सं, एसे सम्पत्ति प्रतिपत्त का पत्ति प्रविक्त से स्विक है की अन्यरक (क्लाइकों) की र बन्धाइकी (क्लावितियों) के बीन एसे बन्तद्व के निए तब पाम एसा प्रतिपत्त विकासितिय क्लावेस्य से उन्न क्लाइक् सिश्च में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (स) बरलप्य संशुद्ध शिक्षत ताथ को शायत , उत्तर अचित्रियम से वर्षाम कर दोने से बन्तपुरक में स्वित्रम में कभी करने या शक्स क्यने में स्वित्रम में लिए; और/या
- (क) एंडी किसी बाय या किसी जन मा अन्य जान्सिका को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रकार नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना जाहिए था खिभाने में सुविधा के लिए:

अबः स्वा, बन्द अभिनिष्य की पारा 269 व के अबुबस्य में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीसिंखित व्यक्तिों, सर्वाद् व--- (1) श्रोमती एम० रषीदा बेगम

(अन्तरक)

(2) श्री ए० कृष्णराज बेंगम श्रौर दूसरे (अन्तरिती)

कारे **क्ष्म् कृष्या बारी क्**रस्के पूर्णेया सम्पत्ति के अर्थन के सिक्ष् कार्य**पाहिल क्ष्म्या ह**ैं हैं

उपत सम्पन्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोर्च भी बाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की बर्बीध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीस से 30 विन की जबकि, को भी क्रवीब बाद में ब्रजान्त होती हो, के जीतर पर्धोचन व्यक्तियों में म किसी व्यक्ति स्थार;
- (क) इस सूचना के स्वयम में प्रकाशन की तारीं छ ते 45 दिन को भीतर उक्त स्थादार सम्मत्ति में हित्तक्ष्भ किती कम्य व्यक्ति द्वारा अभोइस्ताक्षरों के पास सिकित में किए वा सकोंगे।

#### अनुसूची

भूमि घौर मकान वार्ड सं० 5 टी० एस० सं० 36/37 गस्पा पोल्लाय्यी पोल्लाय्यी—तिरूप्पूर पोल्लाच्ची लेव सं० 620, 652/85

> श्रीमती एम० मामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेम रेंज-॥, मद्रास

दिनांक : 2**9-**10-85

## प्रकथ आर्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्<del>यत</del> (निरीक्षण) अर्जम रेंज-॥, मन्नास

मद्रास, दिनांक 29 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० 72/मार्च 1985--अतः मुझें, श्रीमती एम० साम्बेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम।' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० लेख सं० 854/85 की सैंड्यूल में वी हुई संपत्ति है, जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दारापुरम लेख म० 854/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स एसे स्थमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप स की थन नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के फिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी बुवारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण वा, का, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)] का अधीन, निम्हीलिखित व्यक्तियों, अधीत् ह— (1) श्री ए० एस० बादुलहरू।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० सारूलहमीय

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के जर्भन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्पर्क्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप 🖫---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबङ्घ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- ६समें प्रयूवत कव्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रगुवा

भूमि लेख सं० 854/85 की शैड्यूल में दी दुई सपत्ति दारापुरम लेख स० 854/85।

> श्रीमती एम० समुवेल सक्षम प्राधिकारी<sup>न</sup> सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-॥, मद्रास

दिमांक : 29-10-85

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिमांक 29 अक्तूबर 1985

मिदेश सं० 79/मार्च 85---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

नायकार मिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के मिनियम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारत हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उणित बाजार मृत्व 1,00,000/- रा. से मिनिक हैं

श्रोर जिसकी सं० आर० एस० 479/17, उट्टी गांलब है, जो उदगमण्डलम् लेख सं० 218/85 में स्थित है (श्रोर इससे उपाबक्ष में श्रोर पूर्ण रूप में बर्णित है), रिजस्ट्री गत्ती अधिकारी के कार्यालय, उदगमण्डलम् लेख सं० 218/85 में भारतीय रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, दिनांक मार्च 1985,

- को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयमान त्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाकार मृत्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिबों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्नलिचित उद्ध्यस्य से उक्त अन्तरण निचित मे ास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---
  - (क) बन्तरम् चं हुई किली नाव को वावतः, उपतः वीधीन्त्रत के वधीन कर दोने के बन्तरकः कं वानित्य में कनी करने ना उपने वचने में वृधिका के सिए: बाहु/वा
  - (क्) एसी किसी जाय या किसी यन या अन्य जानिसर्वा की, जिन्हों भारतीय ज्ञाय-अर निपिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिपिनियम, या धनकर निपिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधित, निम्नलिकित व्यक्तियों अधितः :---- (1) मेसमी लिज्जु नामस दुस्ट ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स होटल श्रोरूनेट (नीलगिरीस) श्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां युच करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अन्स्ची

भूमि श्रौर मकाम आर० एस० सं० 479/17 ऊट्टी रूरल गांव ऊट्टी लेख सं० 218/85।

> एम० सामुवेल मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 29-10-85

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अक्तूबर 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा से अधिक है ग्रौर जिसकी सं०कृषि खेती कोण्डेयम्यालयम् पेरियनाथकनपालयम् है, जो कोयम्बतूर तालुक में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियनायकन-पालयम एस० एफ/स० 13/3 कोयम्बतूर लेख 509 तथा 510/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधी, दिनांक मार्च 1985, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हा कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एेसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निस्तित धें बारतिवक रूप से किशत नहीं किया नया है है-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिथों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए:

अत: बंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात क्रिक

(1) श्री ए० वेंकटरवापी नायड् ग्रौर श्रीमती बी॰ वी० गशिकला ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स हैन्निड मीड्ह कम्पनी लिमिटेड । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्ष्रिक्तियों में से किसी क्ष्रिक्त द्वारा:
- (स) इस नचना है राजप्य में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त कन्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि खेती—-एस० एक० सं० 123/3, कोण्डैयप्म्पालयम पेरियनायान पालयम् कोयम्बतूर पेरियमायकनपालयम् लेख सं० 509 तथा 510/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल जञ्जन प्राधिकारी सहायक आधकर स्नायुरा (निरीक्षण) अर्जन रेंज~II, मद्रास

दिनांक : 29-10-85

साहर .

भूकतः, बाह्यः, २१. वसः, वृषः, काकः

भागकार वर्षाचीनगर। 1961 (1961 का 43) की भारत २६६०-व (१) के क्रमीन समारा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भावत्रत (निरीक्षण) ध्रजन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 श्रक्तूबर 1985

निवेश सं० 82/मार्च 1985--- ग्रतः मुझे, श्रीमती एम 🙋 सामुबेल,

आक्र*ाक* अभिनियस, 1961 (1961 **का 43) (विक्रें कुल्हें** इसके परचात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 260-क के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी की, यह विश्वास करने का कारण मु<sup>क्ष</sup>ेक स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित शकार अस्व 1,00,000/- एत. से अधिक हैं

भौर जिसकी मं० क्लिपटन हाउस उदगमण्डलम् निलिभीस में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, श्रट्टी लेख सं० 264/85 में भारतीय रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1985,

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उपित वाकार मृत्य से कम के उपयमान प्रतिफाल की लिए अंतरित की मद्दें ही और मुक्ते यह विद्यास कारने करून का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्बक्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिकाल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिखत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गवा प्रतिफास, निभ्नसिवित उद्बोस्य से जनत अन्तरण जिल्लित में जास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नग्तरण से हुई सिक्टी बाय की वायत उक्त अधि-नियम की बचीन कर वोने के बस्तपक के वासिस्य वो **अज्ञी अपरत है।** प्रदेशिये **सम्प्रांकी स्पायका के लिए**: ीर/वा
- (ब) एसी किसी काम या किसी भए या अल्प कास्तियाँ को जिल्हा भारतीय पाय-कर अधिनियम । 1922 (1922 का 11) या उक्त ऑभनियम, जा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में हिन्छ। के लिए?

अत: अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में अक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (!) के सामीन । विकास में अधिकार नारी सन्तर्म । अन्तराह 356GI/85

(1) ভা০ एन० बी० नन्जपा श्रौर श्रीमती टी० जयम्माल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० करणाकरन ग्रीर ग्रन्यों । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वाकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए ार्यवा**हियां करता हुं।** 

जन्स सम्पर्धिन की बार्जा, की कुटाक्य वा कोशी भी जासीय :--

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशम की तारीख सं 45 दिन का अवधि या तत्शम्बन्धा व्यक्तियाँ पर ब्रूपना करी तामील ल ३० दिन करी अवसि, जो भी अव्यक्ति बाद माँ समाध्य हांदी हो. के शीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दंगारा:
- (बा) इस सचना क राज्यात्र मा प्रकाशन का तारीख़ से 45 विन के भीतर उद्योग स्थाप सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क प्राय किमिल में किए जा मकेंगे।

स्वकटीकरणः -- इसमें प्रयुक्त अध्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुर जर्थ होता. जो उस अध्याय में दिया न्द्रव्यक्ष हा है।

#### अन्सूची

भूमि भौर मकान श्रार० एस० सं० 4188/2, 0, 41 एकस क्लिफ्टन हाउम लेख मं० 264/85---उट्टी।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास 6

दिनांक : 29-10-85

वोहर 🖫

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीम स्चना

#### भारत सरकार

## क्शर्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 29 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं 83/मार्च 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से जिथक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्रार० एस० सं० 6/3/8/3-9/1-227/1-273/1, 465 जाकामरें गांव है, जो कोट्टिगिरी कोणवाक्कोरे नीलिगिरीस में स्थित (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय उट्टी लेख सं० 267, 268 269 तथा 296/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का (16) के ग्राधीन, दिनांक मार्च 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित टाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अच्छे में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिर को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियानों में सुविधा के लिए;

ं लंत: अब, डक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म. में, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अधीत :--- (1) दी मलबार प्रावित्स श्राफ दी कांग्रेगेशनस श्राफ कार्मेलिटीस श्राफ मेरी इम्माकुलेट सेंट श्री जेरामन श्रोर दूसरे

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जे० रखी ग्रीर जे० मुरेश।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### पनुसूची

भूमि——भार० एस० सं० 6/3, 8/3, 6/3, 9/1, 273/1 तथा 465 कृषि खेती——जाकानरे गांव कोत्तिगिरी —कोण-वाक्कोर गांव, नीलगिरीस ऊट्टी लेख सं० 267, 268, 269, 296/85।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

विनोक : 29-10-85

प्रक्य शार्ष . टी . यून . एस . \*\*\*\*\*\*\*\*

जायकर जधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-च (1) के जभीन सुष्ता

## प्रारत पर्रकाड

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-∏, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० 84/मार्च 1985—-ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० स्नार० एस० सं० 273/3, कोणवाक्करे गांव है, जो नीलगिरी में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्नीर पूर्ण कप से विज्ञत है), रिजस्ट्रीकर्ता स्नधिकारी के कार्यालय उन्हीं लेख सं० 297/298/85 में रिजस्ट्री करण स्निधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्नधीन, दिनांक मार्च 1985,

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह्2प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में गस्तिक क्व से किंचिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से इ.इ. किसी बाय की वायत, उक्त विश्वितम ने वर्षीत कर दोने के अन्तरक नें दायित्व में कमी करने या उससे वपने में स्विधा से मिए; बॉर/या
- (च) ऐसी किसी आव वा किसी धन वा अन्य बास्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त प्रक्षिनियम, या धन-कर्ष बिशिवयम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ प्रस्तिति (धारी अक्त नहीं किया वया वा या किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुविका के लिए)

मतः अव. उक्त विभिनियन की भारा 269-न के बन्तरक मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मलबार प्राविन्स श्राफ दी कांग्रगेशन्स श्राफ कार्मेलिटीज श्राफ मेरी ईम्माकुलेट, सेंठ तामस प्राविन्स केरला ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जे० कण्प्रम्माल ।

(भन्तरिती)

को यह त्याना चारी कारके पूर्वोक्त सम्मरित के वर्णन के जिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकावन की तारीस से 45 दिन की नदींथ या तरसंबंधी अवस्थितयों प्र सूचना की तासीस से 30 दिन की स्वधि, जो भी स्वधि सक्ष में समाप्त होती हो, के मीतर प्रविक्त व्यक्तिसों में से किसी स्वधित द्वारा;
- (च) इत स्वमा के राजपन के प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में क्रिन्यवथ किसी अन्य व्यक्ति व्यास अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए या सकेंगे।

स्थळकरण : इसमें प्रवृक्त कर्मों और पदों का, यो उपस् कथिनियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होता यो उस अध्यास में विद्या नवा है।

## न्युची

भूमि ग्रार० एस० सं० 273/3, 16.14 एकर्स, कोण-वाक्कौर गांव नीलगिरीस ऊट्टी लेख सं० 297/85।

> श्रीमती एम सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज- I, मद्रास-6

विनांक : 30-10-85

प्ररूप आइं.टी.एन.एस-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निर्माक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 ग्रक्तूबर 1985

निदेश सं० 87/मार्च 1985---ग्रतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुबेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह यिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जी० एम० सं० 686/3, कल्लाघट्टी गांव गांधीपुरम है, जो कोयम्बतूर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम लेख सं० 943/85 में भारतीय राजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रौतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अम्तरण से हुई िकसी आय की बावत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरीर्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया पात: बाहिए था फ्रिपान में मुस्सा के निए;

असः श्राव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन नियमणितिक व्यिक्तणों. अधीत --- (1) श्री म्नार० शेलवराज

(अन्तरक)

(2) श्री चिजन्नस्वामी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके परांक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किथी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यविश दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित मी दिए जा सकेंगे।

ग्यस्टीकरण -- इसमं प्रयुवत शब्दों और पदौं का, भो उक्त अधिनित्तम के ए याग 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो एस अध्याय में विया गया है।

#### बन्स्ची

भूमि जी०एस०सं० 686/3, कल्लाघट्टी, गांव गांधीपुरम, कोयम्बतूर गांधीपुरम, लेख सं० 943/85 ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 29-10-85

बस्य बाह' ही एन. एस.----

बाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्याक्रय, सहारक बायकर जायुक्त (१नराक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 ग्रक्तूबर 1985

निदेश सं० 130/मार्च/865—-ग्रतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल,

अस्थकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० वेंकटपुरम गांव (लिट्टिल मौण्ठ) टी० एस० सं० 2 ब्लाक 4 की हिस्सा है, जो में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती स्रधिकारी के कार्यालय, स्रज्यार लेख सं० 660 तथा 661 85, में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक मार्च 1985,

को पृतिकत सम्पाल के तांचन वाजार मृत्या में कर के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार भृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के यौच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया गरिफल, निम्मलिबित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अम्तरिक हम से कांचन नहीं किया गया है

- (क) बन्तरभ के हुई भिन्ती भाव की गावत, उक्त निधिनियम के नभीन कर दोने के अन्तरक की लिएएय में कभी करने था उसके क्यने के सुविधा अंतिहा;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तिरिती बुंबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सीविधा के निरुद्ध

बक्ष: अब उपल बिविनयम की धारा 269-म के बन्धरक में, में, उक्त विधिनयम की धारा 269-म की उपधारा है वधीन, निम्नीतिश्वत व्यक्तियों, वधीत हिन्स

- (1) श्रीमती तेरेसा बुडमान ग्रौर दूसरे (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स विश्वशांति की मनेजिंग बिल्डर्स पार्टनर (अन्तरिती)

को वह बुचना जारी करके प्यों कर सम्पत्ति के लाउन के निष्

उक्त सम्पत्ति के कर्पन के मम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सवेश व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, भा भी अविधि बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पूर्विन्द व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थमा के राजपत्र मा अकाशन की गारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर शम्मीम में हितबक्क किसी जन्म व्यावक द्वारा अधाहस्तानरी। के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिकार्षिक हैं, वहीं अर्थ हागा जा उस अध्याय मा । उस गमा है।

#### अनुसूची

भूमि वेंकटपुरम गांव (लिट्टिल मौंठ) टी० एस० सं० 2 ब्लाक सं० 4, वेंकटपुरम गांव अडय्यार लेख सं० 660/661/ 85 ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 30-10-85

Control of the second

### प्रकृष् बार्च. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ७७३-भ (1) अ अभीन सुभन्द

#### भारत प्रकार

कायांलय, सहायक नायकर नायुक्त (निरोक्तण)

म्रजन रेंज-II, मब्रास मद्राक्ष, दिनांक 5 नवस्वर 1985

निवेश सं० 19/मार्च 85—-ग्रतः मुझे, श्रोमतो एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिनका मं० 908, पाँ० एच० रोड, ग्रीर 9ए, अलगण्य चेट्टियार रोड है, जो पुरमताकरम् मदाम में स्थित है (ग्रीर इससे उत्तगद अनुसूची में श्रीर पूर्ज रूप में विजित है), रिक्टिंक्ती श्रीक्षेत्रारा के अर्थालय, पुरस्ताकरूम् केंद्र मं० 508/85 में रिजस्ट्रेंक्चण श्रीधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के ग्राधान, दिनांक मार्च 1985,

को पूर्वीकत सम्पक्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्दार प्रतिकात स अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तब पाना गया प्रति-क्ल निम्मतिस्ति संब्देश्व से उनत अन्तरण सिचित में गास्तिक क्ष्य से अधिक नम्हीं किया बना है उनन

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

सतः अस्, उस्त सभिनियम औं भाग 269-ग के अनुसरण में, मैं, उस्त अभिनियम की भाग 269-घ के रमभारा (1) के सभीन, निश्वसिक्त स्रीत्तार्थों. सभातः— (1) श्राः सी० शिवणंकरन ।

(म्रन्तरक)

(2) श्रा वी० रोंगी**ट्टै**यन्

(भ्रन्तरिती)

भा बह श्वना भारी करके भृशांक्त सम्मात्त के मुर्चन् के निम् कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी वाश्रोप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाचन को सारीच सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील सं 30 दिन की अवधि , को भी तव्हीं वाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में सं किसी क्यूक्ति इसाइक्ट्र
- (ण) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

श्यक्योकश्यः -- प्रसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, वी क्ष्यक् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्युवी

भुमि श्रीर मकान 908, पी० एच० रोड श्रीर 9ए, डाक्टर ग्रलगप्प चेट्टियार रोड, पुरशवाक्कम , मद्रास पुरशवा-क्कम छेख सं० 508/85।

> श्रीमती एम० सामूबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-II, मद्रास

दिनांक : 5-11--1985

मोहर ∶

## प्रक्ष बाइं.डी.एनं.एस.; ------

कार्याक्षय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

जायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार कार्यानवः, सद्दावक धावकर धावुक्त (निरीक्रण)

श्चर्जन रेंज II मुद्रास

मद्रास दिनांक 5 नवम्बर 1985

ं निदेश सं० 225 मार्च 85---श्रतः मुझे, श्रामती एम० सामुबेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसमें इसके पश्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाचार ब्रस्क 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिस की संव वार्ड संव 6, संव 114 बैंसर बद्म , छूम्ब-कोणम श्रानगर कालनी एक दियत है, जो टीव एसव संव 2284 2279/1 तथा 2283 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में पूर्ण रूप ये प्रणित है), रजिस्ट्री इति श्रीधकारी के कार्यालय, तंजाबुर लेख संव 479/85 में भारताय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 ा 16 के श्रिधीन मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बावार यूज्य से कम के स्थायां प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यूओं यह विकास करने का कारण है कि यचावूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार गृज्य, असके स्थायान प्रतिफल से, एसे स्थायांन प्रतिफल का बंद्रह प्रतिकात से विभक्त है जीर बंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण से स्थिए तस पासा गया प्रष्टि-कम निम्मितियाँ। उद्देश्य से उक्त सम्बर्ग विभिन्न में गाला-विभक्त से सम्बर्ग से सम्वर्ग से सम्बर्ग से स

- (क) जन्तरण वे हुइ किसी जाय की वायत उचत विध-चित्रक में बधीध कर वोचे के करूरक के वादित्य में अभी करने था अवचे म्थाने में स्विधा के किए; ब्लीद/या
- (क) ऐसी किसी आप वा किसी थन या कस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विशिष्टमान के 27) भन कर विधिन्यम, 1957 (1957 का 27) भे प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

बतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक मो, मों, जन्म क्षिपिनयम की धारा 260-घ की राष्ट्रभारा (।) के अधीन, निम्नलिखित त्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रा वं । ग्रार० स्वामीन। थन

(श्रन्तरक)

(2) প্রাচ্নত ক্রজন

(श्रन्तरिती)

की वह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के कर्जन के सिष्ट् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्राण;
- (वा) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधाहस्ताक्षरी के पास विविद्यत में किए जा सकी?

स्पाकतीकरणः--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, को उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा को उस अध्याय में विका गया है।

#### नन्स्यो

भुमि और मकान टी० एत० सं० 2284, 2279/1 तथा 2283, बाडु सं० 6, सं० 114 वैलठ वट्टम श्रीतगर जालनी, कुम्बकोणम तंजाबुर—तंजाबर लेख सं० 479/85

> श्रीमती एम० सांग्र्वेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-II, मद्रास

दिनांक : 5 नवम्बर 1985

रोमह

प्रकृष नाई .टी.एन.एम.

बारभाए कृष्णित्रसम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 209-व (1) के बधीन स्वना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्राय, दिनां ः 5 नवस्य

निदेश तं० 103/मर्ग्च 85-- श्राः **मुझे**, श्रांमतं। एम० सामवेल,

ष्ट्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रसात 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उष्टित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जित्त िसं एप प्राप्त १८ में स्थित है (ग्रीर गार्डन् ोड है, जो नुगम्बाक्य मद्राप्त १८ में स्थित है (ग्रीर इसने उनावद में और पूर्ण का सं प्राणित है), रजिस्ट्री इति ग्रीध हारों के कार्यालय, थौतन्डलैंड लेख सं 85/85 में भारतीय रजिस्ट्र एरण ग्रीधिन्यम् , 1908 (1908 वर्ष 16) के ग्राधान, दिनांक मार्च 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्रश्य करने का कारण है कि यथापूर्वों यत सम्पत्ति का उचित्त बाजार भूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल के एसे द्रश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और बंतरक (बंतरकों) और वंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया इंटिफल निम्निकिटन उद्देश्य से उसते बन्तरण कि लिए से बालर के बालर के स्थान कर के स्थान के साथ की स्थान कर के साथ की साथ की

- (क) अन्तरण म हुए किसी आय को बाबत, उपके नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए;
- (ध) एसी किसी जोड या किसी कर या करण करिस्ती की, विन्हा जारतीय जानकर अधिनियम, १६२१ (1922 का 11) या उक्स विधिनयम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के जिया में जन्मी जन्मी कर्मारती हुमारा प्रकट नहीं किया गया या वा या किया बागा वाहिए था, क्रियार्थ के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, भे उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) (1) श्राः शर्बार ग्रहमद हासिम

(अन्तरह)

(2) श्रासतो। एस० एम० ए० रहिला और दूसरे (ग्रन्तरिर्ता)

की यह सूचना जारी करके पूनाँचत संपत्ति के नर्जन के लिस वर्णनाहियां करता हो।

उक्त सम्बन्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी मालेप क-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 हिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 जिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्द्ध किसी जन्य व्यक्ति द्नारा अधोहस्ताक्षरी के

स्वथ्दीकरणः इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जा उक्स जीभनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा नया है।

#### अनुसूची

नृति और न ात -गुराना सं० 15, नया सं० 6, प्रैका-प2त, गार्डन रोड, नृगम्बाक्कम मद्रास थौसन्डलैटस लेख सं० 85/1985 ।

> श्रायतं। एम० साम्बेल जन्म प्राधिकारं। प्रहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रार्वन रेजं-II, मद्रास

दिनां ह : 5-11-85

## प्रकर नाइ. टी. एन. एस.----

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सुमना

#### भारत सरकार

## 

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० 126/मार्च 1985------प्रतः मु**मे**, श्रीमती एम० सामुबेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इतमें इसके पश्चात 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसको सं टा एम सं 108, पट्टा सं 65, 121, ईक हाट्ट्र तांगल है, जो स्थित है । प्रौर इसमे उपाबद में प्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रान्ति प्रधिकार, के कार्यालय, मद्रास दक्षिण में भारताय रजिस्ट्राक्त प्रधिकार, के कार्यालय, मद्रास दक्षिण में भारताय रजिस्ट्राक्त प्रधिकार, के कार्यालय, मद्रास दक्षिण में भारताय रजिस्ट्राक्त प्रधिकार, को पृथिक सम्पत्ति के उपित बाबार मृस्य से कम के व्ययमान प्रतिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करन का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उपित बाबार मृस्य, उसके व्ययमान प्रतिक्त से, एसे व्ययमान प्रतिक्त का पन्द्र प्रतिकत से विभक्त है और बन्तरक (बन्तरक) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्नतियों उद्देश्य से उन्त व्यवस्य विक्रित वे वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया वास है कन्तरण विम्नतियों

- (वा) मन्त्राहरू वे हुन्द्र किवी नाम की नामकः। वस्त्र मुचिनियम् के स्थीत् कह देने के ब्युक्त के राजित्य में कमी करने ना स्वयं नजने में . बुह्तिया के सिए; बॉर/वा
- (थ) एसे किसी जाब या किसी धन वा बन्य जारिखां की, चिन्हों भारतीय बावकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, वा धन- कर विभिनियम, वा धन- कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रबोधनार्थ अन्तरिती व्वायु प्रकट नहीं किया जया था या किया बाना वाहिए बा, खिपाने में सुविधा के किए;

अतः भवः, उक्त जीधीनवन की धारा 269-व के जनुबरक वाँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (17 को अधीन:, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 40—356GI/85 (1) ई० सुन्द्ररेशन ग्रीर ग्रन्थों

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० संजीर्वा ग्रीर ग्रन्यों ।

(ग्रःसरिती)

का बृह् सूचना चारी करके पूर्वोक्त, स्व्यृत्ति के वर्धन के लिए कार्वशहिनां करू करता हूं।

क्यत बन्धाल क ब्रान क सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी स्पितिसों पर सूचना की तामील ते 30 दिन की जबिध , जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्विक्तयों में से किसी स्पित बुकाय;
- (क) इस बूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात विविद्य में किए का सकांगे।

स्वकाकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और श्वों का, जो उनक जिथितिवस, के सभ्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस सभ्याय में दिवा नवा है।

#### वप्युपी

भिम 121, ईक्काठ्ठ तांगल ग्रार० एस० मं० 951 टी० एस० सं० 108, पट्टा सं० 65 दक्षिण मद्रास लेख सं० 636/85 ।

> र्श्वःसतः एम० साम्बेल सक्षम प्राधिकारः महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरक्षिण) ग्रजन रेज-II मद्रास

दिनांक: 5-·11-·1985

मोडर:

प्ररूप आहुर.टी.एन.एस.-----

नायकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

भार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज→2, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 5 नवम्बर, 1985

निवेश सं० 127/मार्च 85—प्रत: मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिक्षे इक्का इसके प्रकार जिल्ले अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृस्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 338, श्रण्णा ण्वालें, मद्रास है, जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रार पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मद्रास थाउथ (दक्षिण) लेख संख्या 655/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और कृष्ठे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है कौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बौस एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिवित अक्षांच्य से उक्त करूरण निवित्त में वास्तिविक क्य से क्रिक्स प्रकृतिका में वास्तिविक क्य से क्रिक्स

- क्तं) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्तं अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में दुविधा दायित्व की लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए.

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिओं अर्थात् :— (1) श्री ए० एम० दस्तगिर बैंग

(मन्तरक)

(2) श्री पी० सत्यनारायणन् ग्रीर पी० मणि कर्ठेन (मैनर्स) रिप्रेसेन्टिड बाई बी० पद्मनाभन

(भ्रन्तरिती)

का वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिष् कार्यकाहियां सूक करता हुं।

बनत बज्यति के नर्बन के बंबंध में कोई भी बाक्षेप ::----

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन की अवीध वा तत्त्रश्रमभी व्यक्तियों पर बूचना की तालीज वे 30 दिन की अवीध, वो बी अवीध कर्य में समाप्त होती हो, जे भीतर पूर्वोच्स व्यक्तियों में से जिसी व्यक्तित बुवारा;
- (व) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की शाहीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, क्योहस्ताक्षरी के पास किवित में किए वा सकेंगे।

स्वच्यीकरणः — इत्ते अवृत्य बन्दों बीर पदों का, को उत्तर वृद्धिनियम, के नम्बाव 20-क में परिभावित इ, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिस्म-नवा है.

#### अनुसूखी

भूमि श्रौर मकान टी० एस० सं० 88, ब्लाक स० 10, डोर सं० 338, ग्रण्णा शालै, मद्रास मद्रास दक्षिण लेख सं० 655/85।

> श्रीमती एम० मान्वेल मज्ञम प्राधिकारो महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन र्रज-2, मद्रास

तारीख: 5-11-1985

मोहर 🍦

अभव्य आहे. तो . एन . एस . ~-----

**कार्यकार विधितिसम, 1961 (1961 का 43) की** भारा 269-७ (1) के अधीर स्थाना

#### 1134 AM

काश्रीमयः, सहायक सायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-II मद्रास,

मद्रास, दिनौक 5 नवम्बर, 1985

निवेश सं० 131/मार्च 85---- प्रत: मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

नासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथार (उक्त अभिनियम कहा गया है), की धारा 269-व के अभीन पश्चम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण कि स्वाधर सम्पत्ति, विक्रका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या भूमि है, जो ग्रडयार में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्याचय भ्रष्ठयार लेख मं० 412 85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधि नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 85

का पृथितिय सम्प्रेरित के उधित बाजार मृत्य से कम के व्यमान प्रतिकल के सिए जन्तरित की गई है जार मुकं यह विकास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्प्रित का उधित बाजार मृत्य, उत्तक रव्यकान प्रतिकल से एसे रव्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिखी (अंतरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिक कत निम्निक्षिक उच्चक्य से उक्त जन्तरण सिक्षित में वास्त-हैक क्य से क्रिक्क नहीं किया गया है :----

- (क) अन्यद्रण ते हुद्र कियो नाय की नावत , उत्तर निध-निष्य भी नदीय कर दोने की अन्यदक की व्यक्तिय में कभी करने वा उत्तर्ध बचने में सुनिधा के निष्; जीत/वा
- (1922 का 11) या जन्म जा करी भन या जन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्म जीभिनियम, वा भनकार अभिनियम, 1957 (\$257 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया नवा या किया थाना वाहिए था, कियाने में सुनिया के सिए;

बत: अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-व वी वन्तरक मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसिया व्यक्तियों, बच्ची

- (1) श्रीमती गज लक्ष्मी श्रीर गोपिकाम्बाल (श्रन्तरक)
- (2) मैंसर्स तिमलनाडू सेन्ट्रल एक्साइज एण्ड कस्टम्स एम्प्लाईज को-श्रापरेटिब हाउस बिल्डिंग सोसाईटी

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए बार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त संपरिस के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी-बाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 बिन को अविधि या तत्संबधी ध्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 बिन की व्यक्ति औं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रागर;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर उसस स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ हात्रेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि-ग्रडयार (1.37 एकर्स) ग्राडयार लेख सं० 712/ 85।

> श्रीमती एम० पामुबेल पक्षम प्राधिकारी महाबक आवहर प्रायुक्त (शिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, महास

तारीख: 5-11-1985

मो**ह**र

प्रारूप बाइं.टी.एन.एत्.-----

आयकर नौभिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के नभीत सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, महास

मद्रास, दिनाँक 5 नवम्बर, 1985

निवेश सं० 137/मार्च 85--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कायकर ऑधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त किथनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार नृश्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

म्रीर जिसकी संख्या 4, केसन्छ पार्क स्ट्रीट, टी० नगर है, जो मद्रास-17 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 364/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 85

की पूर्विक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के कायमान् प्रीत्फल के लिए अर्वारत की गई हैं और मुम्से यह जिस्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके वस्त्रमान प्रतिफल से, एसे अवनान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के किए स्थ पासा बवा हतिफला, निम्नसिवित उद्देश्य से अच्य अन्तरण कि वितर में बास्कृतिक कम से किंचर नहीं किया जवा है

- ूँक) मन्तरण ते हुई किली नाय की गायत जनत नियन नियम के नपीन कर दोने में बंदारक में दावित्य में करी करने या उसके बहने में बूहिनथा के निष्; और/वा
- (क) एसी किसी नाम या किसी भन या नत्य नास्तियों की, जिन्हीं भारतीय नाय-कर निर्मित्यम, 1922 (1922 की 11) या उच्छ निर्मित्यम, वा भव-कर निर्मित्यम, वा भव-कर निर्मित्यम, 1957 (1957 की 27) की प्रमोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था, कियाने ने वृत्या में किया वाहिए था, कियाने ने वृत्या में किया

नतः नम, उनत निमित्तम की भारा 269-य के ननुसरण में, में, उनत निभित्तम की भारा 269-म की उपभारा (1) के न्यान, निम्मनिधित न्यानिध्यों, नर्यात् :---

- (1) श्री पी० के० नंदगोपाल ग्रीर श्रन्यों
  - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री शांतिलाज एम० मेवा श्रीर श्रन्यों (श्रन्तरिती)

ನ ಮಾಡುವರಗಳು ೨೦೦೫ ನ ನಾರ್ವಿ ಕಾರ್ಚಿಸಿ ಮಾಡುವರಗನ್ನು

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वृजन के सिध कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उसत सम्परित के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की ताबील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति इवारा,
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वक्क भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वक्क भित्र कर्म कर्म कर्म कर्म कर्म करें। के वास लिकिस में किए जा सकेंगे। क

स्पृष्टीकद्रण्ड—इसमें प्रयुक्त कान्यों नीर पदों का, जो उक्त विभिन्नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं:

## अनुसूची

भूमि और मकान मं० 4, क्रेसन्ठ पार्क स्ट्रीट, टी० नगः मबास-17, टी० नगर लेख सं० 364/85।

> श्रीमती एम० नामुबेह सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

सारीख: 5-11-1985

प्ररूप **वाह**ें, टी, एन<sub>ी</sub> एस<sub>ओवनकारण</sub>

बायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नभीन सुचमा

#### भारत सरकारु

भागलिय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 5 नवस्बर, 1985

निवेश सं० 138/मार्च 85---श्रत: मुझे, श्रीमती एम• साम् वेस,

भायकर अभिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है"),, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रत. से मधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 7, (पुराना सं० 14) ग्ररूलम्माल स्ट्रीट है, जो टी॰ नगर मद्रास~17 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 370/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 85

को पूर्वे क्ति सम्पत्ति के उषित बाबार मृल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्सि का जीवत बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पदेह प्रशिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त मन्तरण निवित में नास्त-बिक रूप से कथित नहीं किया गया है अ-

- (क) मन्तरण से हुई किसी नाव की नावत, उनत विधिनियम के वधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तस वचने में सुविधा थं निए; नि⊈∕वा
- (ख) एसी किसी जाम या किसी भन या जन्य जास्तिवा को, विनह भारतीय जाय-कर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर विभिनिष्क, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थं **अतरिती द्**यारा प्रकट नहा । कया गया बावा क्रिया ज्ञाना आहिए था, स्थिपाने में सुविधा A CHES

कतः चव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) 🐧 अभी 🐫 निम्नलिश्वित व्यक्तियों, वर्षाच्य

(1) श्री विनय कुमार सी० परेख

(अन्तरक)

(2) श्री चंद्रकाँत एम० टोलिया श्रौर दूसरे (भन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनवः सम्पृतितः के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सचना की ताजीत से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख है दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे:

स्पव्यक्तिरण:---इत्में प्रमुक्त प्रस्तें और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि और मकान-7, (पुराना सं० 14), श्रवसम्मा स स्ट्रीट, टी० नगर मद्रास-17, टी० नगर लेख सं० 370/ 851

> श्रोमती एमः साम्वेस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 5-11-1985

प्रकृष बाह्". दी. एव. एव. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-ज (1) के अभीन स्वना

#### मारत बहुकार

## कार्याजय , सहायक मायकर भाग्यत (गिडीकाण)

श्रर्जन रेज-2, मद्रास

मुब्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० 139/मार्च 85--श्रनः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

नामकर अधिन्यम. 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसमें परकार 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), जी भारा 269-ज के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या टो० एस० सं० 6120,2,-57 वेंदाट-नारायणा रोड़, टी० नगर है, जो मद्रास-17 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुत्री में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीजर्ता श्रधिकारी के कार्यावय, टी० नगर लेख मं० 375,85 में भारतीय ध्रैरिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 ा 16) के श्रधीन मार्च 1985

को प्रांक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूडे यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथाप्तितत सम्मत्ति का उचित क्लबार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरित्रियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्ति उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संबुद्धं विक्षी बाव की बावस, समस अभिनियम के अभीन करंदे वेने के अम्लरक के बारियरण में कनीं करने या उत्तरों क्याने में स्रीविधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 को 111 मा उक्ष्म संधीनसम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया प्या था विकास पाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए,

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण व , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) व अधीन, निम्निस्तित व्यक्तिकों, अवस्ति के

- 1) श्रीमती वी०रमणी बाय और 4 अन्यों (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती एन० सावित्री

ं(ग्रन्सरिती)

को बहु स्पना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के सवपत्र में प्रकाशन की वारी के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की वारीब तें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अनाहम्सायरा के पास सिचित में फिए जा सकेंगे।

स्थव्योकरण :--इसमा प्रयुक्त शब्दा और पदा का, जो उक्त अधितियम के अध्याय २०-क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गया है।

## अमुसूची

भूमि ग्रौर मकान-टी० एस० सं० 6120/2, 57, वेंकटनारायणा रोड़, टी० नगर, मद्रास-17 टी० नगर लेख सं० 375/85।

> श्रोमतो एम० सामुबेल सक्षम प्राप्ते धारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रैंज-2, मद्रास

तारीख: 5-11-1985

प्रकप बार्ड . टी . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुबना

## भारत सरकार

कार्यातय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निदेश सं० 140/मार्च 85---यतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्भावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या टी० एस० प्सं० 6120,2,57 वेंकट- नारायणा रोड़ है, जो टी० नगर मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधनारी के कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 376,85 में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, मार्च 85

की पृथितित सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बालाबिक स्प से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण पं हुई किसी जान की बाबत, करत वीधिमियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के समित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के सिय; बॉर/बा
- (च) ऐसी किसी बाध या किसी भन या जन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की सिष्ट;

भव: सब, उक्त अधिनियम की भारा 260-ग के अनुसरण मों, मों अक्त अधिनियम की भारा 260-म की उपभारा (1) के अधीर: निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती बी० रमणी बाई ग्रीर 4 श्रन्यों . (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रार॰ नारायण स्वामी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिष्ट् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के प्रक सिसित में किए जा सकोंगे।

स्वक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिमा पना है।

## क्रीसंबी

भूमि श्रीर मकान टी० नगर, मद्रास 57, वेंकटनारायणा रोड, मद्राप्त टी० नगर लेख सं० 376[85

> श्रीमती एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्णन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 5-11-1985

## प्रकृप . कार्ड . टी. एस . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्थाना

#### भारत सरकाडु

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंग-17, मद्राप

मद्रास, दिनां र 5 नवम्बर, 1985

निदेश सं० 141/मार्चे 85--ग्रन: मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बारकार सिंधिनियरं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियरं कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्रविकारी को, यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार भूल्य 1,00,090/- रा. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी मंख्या 6, वें तट स्वामी स्ट्रीट, टी० नगर है, जो मद्राप्त-17 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्ष्म से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 384/85 में रिजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के श्रिधीन मार्च 85

को पूर्वोक्स सम्मिश्त के उणित बाजार मृत्य से कम के स्वयमन अधियम के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास अपने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्मिश्त का उणित बाजार बृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐमें स्थमान प्रतिफल का बज्द प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तब पाया बचा प्रतिकत निम्निशिष्त स्वयंश्व से स्वत बंतरण विश्वित वे भारतिक क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के ब्यौन कर दोने के बन्तहरूक के समित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए: बार/वा
- (ख) ऐसी किमी आय या िकसी धन या अन्य आमिस्तयों को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या िकया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के िलए;

बत: अघ . उक्त जीधीनयम की धारा 269-न के बन्सरण वं, वं, उक्त जीधीनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) ■ जधीन, निकासिक व्यक्तियों, जवारी अ— (1) श्री एस० नटराजन श्रीर 5 भन्यों

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ए० त्री० ग्रार० जम्बुलिंगम् (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्णन के निष् कार्यवाहियां कृष्ठ करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के कर्पन के तंबंध में कोड भी आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकासन की तारीच हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति इवारा अधीहरताक्षरी के
  पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्वाधिकरण:—इसमें प्रयुक्त धन्दों और पदों का, आ उक्त जिथिनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनु**सूर्य**े

भूमि और मकान-6, वेंकटेशन स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास-17, टी० नगर लेख सं० 384/85।

> भीमती एम० सामुवेल मक्षम प्राविकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, मद्रास

ता**रीख: 5-11-1985** 

## प्रक्रम नाइ<sup>‡</sup>. टी. एन. एस.

(1) श्री वी० की जान

(मन्तरक)

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना (2) श्रीमती लिल्ली सामस

(भ्रन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मत्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निदेश मं० 144/मार्च 85---श्रन : मुझे, श्रीमती एम० सामवेल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेपश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्ति, जिसका उचित वाचार मृख्य 100,006/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी संख्या 13, (पुराना सं० 46) रसुल श्रोमरा बहादुर 6 स्ट्रीट में, जो मद्रास 14 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीयर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिलकेन लेख सं० 229/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 85

को प्रवंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रव्य, उमके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, मिम्निलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुन्द किसी नाम की गमत, उनव अधि-नियम के अधीन कर दोने के जंतरक के धानित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; बरि/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या कन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

को ग्रष्ट सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवादियां करता हुं।

सक्त सम्मत्ति के नवीन के संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख न 45 विन की अविभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की जबिभ, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी अमितत द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिक में से किए चा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित नी, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया या है।

## वन्त्वी

भूमि श्रौर मकान-13, रसूल श्रोमरा बहादुर 6 स्ट्रीट, रायपेट्टा-मद्रास 494, द्रिलिकेन लेख सं० 229/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मदास

तारीख: 5-11-1985

## प्रकार बाइ . टी . एव . एख . -----

बायकर सोधनियस, 1961 (1961 का 43) को धारा धारा 269-व (1) के संधीन सुचना

#### STOR STORE

कार्यालब, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिलांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० 162/मार्च 85--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसकें इसकें प्रथात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि न्यावर सम्मित्त, जिसका उचित वाचार मुख्य १,00,000/-छ से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या 11, 8वां स्ट्रीष्ट, डा० राधाकृष्णम रोक्ष, है, जो मैलापुर-मद्रास-4, आर० एस० सं० 1902/10 श्रौर 11 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर लेख सं० 259/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अश्रीन मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यामान प्रतिकान के निए अन्तरित की पद्दं है और अन्ने वह विकास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त सम्पन्ति का उचित बाजार भून्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से एसे दृश्यमान प्रतिकास का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिता) के बीच एसे जन्तरन के विष् प्रव पावा पना प्रविकास, विकासित उप्योक्त से स्वयं अन्वरण विविद्य में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बलाइम से हुई फिड़ी बाय क्षी बाबस, उपस बीपनियम के अधीन कर दोने से बलाइफ से बाबिटम में कनी करने ना उन्हों बचने से वृत्तिया के लिए; बॉर/वा
- (व) वंदी कियी वास् वा कियी वन वा कम् वास्तिकों को, विक्षें प्रारतीय वाय-कर विधिनवस्त, 1922 (1922 का 11) या उपता विधिनवस्त, वा धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहियेथा. विध्यान संस्थित के विध्यः

नतः भव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) से स्थीम, निम्नसिकित व्यक्तियों अधित उ (1) श्री आर० के० लिगमपाल राज श्रीर श्रीमती के० मुलम्माल

(अन्तरक)

(2) श्री जे॰ वी॰ गोविंद राव ग्रीर, श्रीमती जी॰ वी॰ बाई

(अन्तरिती)

को कह सुमना कारी करके पुनामित सम्पृतित के नर्पन के विष् कार्यवाहियां करता हुई ।

#### इक्द क्रम्पित के वर्षन के सम्बन्ध के कोई भी नावोप:--

- (क) इस स्वता के राजपन में प्रकायन की शारीक से 45 दिव की वर्षीय वा सरक्ष्यकां का स्वयं वर क्ष्यका की सामीत के 30 दिन की वर्षीय, वो भी वर्षीय कार में समान्य होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति हुवारा?
- (व) इस ब्रुचना के राजपन में जकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितनक्थ रिक्सी कन्य व्यक्तित ब्यारा नभोहस्ताक्षरी के शब सिचित में किए वा सकीगी।

श्र्वकाकिरण:---इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, वो उन्नव विधिनियम के कथ्याय 20-क में परिभावित हैं, बही कर्ज होना को उस कथ्याद में दिवा क्या हैं है

## अनुसूची

पूमि श्रोर मकान-11, 8वां स्ट्रीट डाक्टर राधा कृष्णन् रोड़ मैलापुर मन्नास-4 आर० एस० सं० 1092/10 श्रोर 11 मैलापुर/लेख सं० 259/85।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 5-11-1985

प्ररूप आही.टी.एम.एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### नारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिमांक 5 भवम्बर 1985

निवेश सं० 164/मार्च 85---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके पश्चाक 'उकत अधिनियम' कहा वया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपनत बाबार मृत्य 1,00,000/-क से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 193 सेंट मेरीस रोड़ आलवार पेठ है जो मद्रास 13 में स्थित है (श्रीर इससे उपाधक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय. मैलापुर लेख सं० 267/85 में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 85

का पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यभान इतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास इरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार धूल्य, उसके धर्यमान प्रतिफल से, एसे धर्यमान प्रतिफल के क्लाइ प्रतिकत से किथक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया बबा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विष्य से उक्त बन्तरण लिखित के बास्तिक क्ला से धरित नहीं किया पाया है है—

- (क्यू) व्यारम् ते हुई क्रिकी बाव की बावस्त, उपस् अधिनियम से वधीन कर दोने में व्यारक से शामित्य में क्यी कडुने वा उससे वचने में सुविधा के सिक्श क्षीड़/बा
- (क) एची किसी जाम वा किसी भन या अन्य शास्तियों की प्रिवाह भारतीय शासकर विभिन्निया, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गता था ता किया जाना भाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री एन० वेंकट सुत्रहमण्यम
- (अन्तरक)
- (2) श्री के० सुन्नमणियन

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के जिए कार्यनाहियां करता हुँ।

उन्हा सम्परित के अर्चन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभीतस्याक्षरी के पास । लोकर मार्थित जा सके गा

भूमि ग्रौर मकाप-193, सेंट मेरीस रोड़ आलवर-पेठ मद्रास-18 मलापुर लेख सं० 267/85।

> श्रीमती एम० सामुवेल' मक्षम प्राधिकारी' सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मदास-6

नारीख: 5-11-1985

प्ररूप आहें. ही. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जम रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निदेश सं० 165/मार्च 85—अत: मुझों श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर जीधनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भविष्य (उन्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संर्पात जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं
भीर जिसकी संख्या 17 जेत नगर 3 स्ट्रीष्ट आर० ए०
पुरम है जो मद्रास 28 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध
अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय मैलापुर लेख सं० 274/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च

को पूर्वोक्त संम्यत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि सभापृष्वित संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिक्क्ष विम्नालिखत उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बायस, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य वास्सियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय अन्सरिती द्सारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियानें में जुनिशा के लिए।

नवः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भा, मा, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के नधीन, नियमिशिकत व्यक्तियों, नर्थात् (1) श्री के० मणि

(अन्तरक)

(2) श्री एम० मणि भौर अन्यों

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्नाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्ध्यी

भूमि श्रीर मकान-17 (पुरामा सं० 10) जेंन नगर 3 स्ट्रीष्ट राजा अण्णामलैपुरम मद्रास-28 मैलापुर लेख सं० 274/85।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

**सारीण: 5-11-1985** 

प्रक्य बाही ही. एन. एस. - - -

नायकर व्यथितियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269 मा(1) के वधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालम, सहायक भाषकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० 178/मार्च 85---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विन्ने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख क्ष अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह निश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाखार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट सीर-अपार्टमेंट्स-2 भीमण्ण-मुदली स्ट्रीट है जो मद्रास-18 में स्थित है (श्रीर इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है). रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय मैलापुर लेख सं० 276/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 85

को प्वेंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में बास्तीवक रूप कम से किथत नहीं किया वया है उन्न

- (क), अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व श्रांकमी करने या उससे अचने मां सुविधा के लिए; बार/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियान में सुविधा के लिए।

बत: बब, उक्त निभिनियम की भारा 269-ग की जन्तरण हो, मी, उक्त निभिनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती ए० मीनाक्षी सुंदरी

(अन्तरक)

(2) श्री बी० आर० शिवराज

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा काइ। भा आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृजना की तामील में 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति सुवारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति मो हित- जब्ध किसी जाय व्याग इस्ता अपहस्साक्षरी के गए सिखित मों किए जा सकींगे।

स्वध्दीकरण :---इसमा वयकत शरू नरे पता का, जो जिक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहां अथ हरता, जो त्या वराक्ष्य मा दिया गया है ।

## श्रन् सूची

प्लाष्ट-सी-2, सुमन्त अपार्टमेंटस-2, बीमण्ण मुदला स्ट्रीट, मद्रास-18 मैलापुर लेख सं० 276/85 ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-2, मद्रास

नारीख: 5-11-1985

**क्ष्म वार्ष**ः **दी**ः **पर्**त **वस**्यास्थ

(1) श्री भे० लारजन

(2) श्री वी० ग्रार०गुरूनाथन्

(ग्रन्सरक)

(मन्तरिती)

नामकर निर्मातमम्, 1961 (1961 का 43) की

वारा 269-व (1) वे वर्षीन सूच्या

STATE OF THE PARTY

कार्यासन, तक्कानक भागकर नाम्बत (रिक्रीकाण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निदेश म० 179/मार्च 85----ग्रत: मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (रिवर्स इसमें इसके परवाक्ष्म 'जनत विभिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवयस करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, विसका उचित वाकार सूक्त्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 21, मचरम वर्च रोड़ मंदवेलिप्पाक्तम है, जो मद्रास-28 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकित अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर लेख संख्या 277/85 में रिजस्ट्रीकिरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 85

को पूर्वोक्त तस्पत्ति के उचित वाचार मृत्य से कम के क्ष्यवान व्रतिकास के लिए अम्बरित की गई है और मृत्ये वह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का शोचत वाचार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकास तो, एके क्ष्यमान व्रतिकास का पंत्रह प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्ति। (अम्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए ब्रय पाया भ्या प्रतिकास निम्नितिबात उद्देश्य से उक्त अन्तरण हिस्बत वं बास्तिकक कम से बिधक नहीं किया गया है ----

- (क) जन्तरण से हुई फिसी जाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी अप या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) वा उक्त वृधिनियस, मा जब-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुनिधा के जिए।

बतः जब, जनत अधिनियम की पारा 269-ग के अनुसद्भ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—— को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपरित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाशेप :--

- (क) इस स्वता के रावपन में प्रकाशन की तार्डींश के 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पृष्ठ स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (क) इत स्वना के राज्यन में प्रकातन की तारीं वे 45 जिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ्भ किसी जन्म व्यक्ति व्वारा वभाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सक्ति।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उत्तर अध्याय में दिया

## भनुसूची

भूमि और मकान-21 लासेरम चर्च रोड़, मंदनेलिप्पा-क्कम मद्रास-28 मैनापुर लेख सं० 277/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, महास

तारीख: 5-11-1985

मोहर

प्रकृष बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-2, भद्रास

मद्रास, दिनांक 5 तबम्बर, 1985

नि**देश** सं० 184/मार्चे 85--श्रतः मुझे, श्रीमती ए.म० सामवेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकीं संख्या 81, लास चर्च रोड़. मैलापुर है, जो मदान-14 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर लेख मं० 298/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 85

को पूर्वोजत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यममन 'तिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वंशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्यमान प्रतिफल का कृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्यमान प्रतिफल का कृष्य प्रतिशत से आधक है और अंतर्क (अंतरका) और अंत-रिखी (अंतरितिबा) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाना गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेषम से उसत बंतरण सिवित में कारदिवक रूप से किया नहीं किया बया है किया

- (क) जैतरण से हुई किसी जान की नावत, उनत जीध-मियम के अभीन कर दोने के जैतरक के वायित्व में कभी करने मा उससे बचने में सुनिधा के जिए; जौर/वा
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियी को जिन्हों भारतीय जानकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डियाने में सविधा के लिए;

बतः वद, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्धरण कों, कीं, उक्त विधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1}-के वधीन, निम्मीतिकार व्यक्तिवी, वधीत लें (1) श्री एम० गणपति सुकहमणीयम्

(भ्रन्तरक)

(2) श्री स्टीवन मेन

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विष्

# रुवत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध को कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तायज्ञ से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की नवधि, जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्बत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ति में किए जा सकोंगे।

स्यक्कीकरण: --- इतमें प्रयुक्त सम्बां और पदों का, को उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### 444

प्लाट 1/16 प्रभिन्न हिस्सा 4161 स्केग्नर फौट में और प्लाट 81, लस चर्च रोड मैलापुर मदास-4, मैलापुर लेख सं० 298/85

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 5~11~1985

प्ररूप नाइ .टी. एत. एस. ------

ra 1061 (1061 का 42**) की** 

भायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

## WALL STATE

# कार्यांचय, सहायक आधकर आय्क्त (किरीक्क)

न्नज़िन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निदेश मं ० 185/मार्च 85~-ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसमें वस्त्रों परचात 'उपत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के वधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या आर० एस० सं० 1692/30 बी ब्लाक सं० 35, 18, बालैया अधिन्यू है, जो लस चर्च रोड़ मैगलर मद्राम 4 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर लेख सं० 299/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 85 को पूर्वोक्त संपत्ति के जिपस बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिपक्त के लिए बन्तरित की गई है और मूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्त सम्पत्ति का उपात बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिपक्त से, एसे दृष्यमान प्रतिपक्त का पन्तर प्रतिपक्त का पन्तर प्रतिपक्त की विश्व का पन्तर प्रतिपक्त की विश्व का पन्तर प्रतिपक्त से विश्व का पन्तर प्रतिपक्त की विश्व का पन्तर प्रतिपक्त से विश्व का पन्तर प्रतिपक्त से विश्व का पन्तर प्रतिपक्त की विश्व का प्रतिपक्त का प्रतिपक्त की विश्व का प्रतिपक्त का प्रतिपक्त की विश्व का प्रतिपक्त की विश्व का प्रतिपक्त का प्रतिपक्त का प्रतिपक्त की विश्व का प्रतिपक्त का प्रतिपक्त की विश्व का प्रतिपक्त का प्रतिपक्त की विश्व का प्रतिपक्त का प

- (क) अन्तरण से हुन्दे किसी थाय की शश्चक, स्थक अधिनियम में सर्वीत कर को में में अन्तरक वी वाजित्य में कमी करते के स्वामे नमने में स्वीतका के जिल्हें स्वीत/का
- ेंक) ऐसी किसी आप का किसी धन वा सम्य आसितां कों, जिन्हें भारतीय साथ-कार निधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जनत निधिनियम, बा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा ना मिश्रा जाना चाहिए था, कियाने में निस्था औ सिद्ध;

कतः कम, उपत मधिनियम की धारा 269-ग के अन्वरण में, मैं, अकत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री जगन सूरी।

(प्रतरक)

(2) श्री ए० श्रक्वम∉र।

्भ्रन्तरितीं)

को बहु बुचना बारी करके प्रबंक्त संबक्ति के बर्चन के जिल्क कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त बंगरित के कर्बन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राष्यत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की सविध या तत्संवंधी व्यक्तियों पर ब्यान की तामील से 30 दिन की सविध, को भी नविध से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसिवत में किए वा सकीये:

सम्बद्धिकरणः ----इसमें प्रयुक्त सम्बद्धि वीर पदीं का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एका हैं।

#### वरसंची

भूमि 18, बालैया अधिय्, लस चर्च रोड़ मैलापूर महास-4 मैलापूर लेख सं० 299/85।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिवारीं सहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्वत रेंज-2, महास

तारीख: 5~11~1985

प्रकप बाहैं.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, महास

मद्रास, दिनांदः 5 नश्रम्बर, 1985

निदेश १ ० 157/मार्च 85—ग्रत: मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपिन गजार मल्य 1,00,000/-छ. से अधिक हैं

और जिपकीं सं० 6, III मेश्न मेश्न रोड़ टैल पोस्ट कालोनी वेस्ट माम्बलम है, जो मद्रास 33 में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध श्रनुसूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ती श्रिधि हारीं के कार्यात्रय, मद्रास सेंट्रल लेख सं० 315/ 85 में रजिस्ट्री हरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दिवयमान प्रतिकास के लिए बन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसक दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण रिजिकत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत., उक्त बाधितयम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कनी करने या उत्तते वचने में सुविधा के सिए; बार्ड/बा
- (क) एको किसी जाय या किसी धन अस्य बास्तियाँ का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था रा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

नतः वन, उन्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त आभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीत जिम्मालीकत व्यक्तियों, अधीत् ह——
42—356GI/85

(1) श्री एम० पार्थणारति ।

(ग्रस्तरक)

(2) श्री ग्रार० विश्वनाथन्।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सध्यक्ति के वर्णन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नामेंच धनन

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, को भी अविश्व मां समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थितयों में से किसी स्थानत द्वाराः
- (क) इस स्थान के राजपम भें प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के १११० निक्षित में किए था सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवा का, थो उनके हिंधानियम के अध्याय 20 क में परिभाषिक है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# जनसङ्गी

भूमि और महान-6, III मेइन स्ट्रीट टेलीपोस्ट कालोनी वेस्ट माम्बलम मदाल-33, मद्राक्ष सेन्ट्रल लेख सं० 315/85 85

> श्रीमती एम० सामुवेल सञ्जम प्राधिारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--2, मद्रास

तारीख: 5-11-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० 192/मार्च 85---ग्रत: मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि प्रावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

,00,000/- रु. से अधिक हैं भीर जिसकी सं 19, नरिसहपुरम मैलापूर है, जो मद्रास 4 में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मलापूर लेख सं 327/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन माच 1985

नं पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान निफल के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विद्यास करने कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार ल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का ल्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में स्तिवक ख्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) । अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .---

- (1) श्री एन० श्रीनिधासय्यर श्रीर श्रन्यों (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती ए० मीना राव (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 बिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, तहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

भूमि ग्रीर मकान-मैलापूर 19, नरसिंहपुरम मद्रास 4 मैलापुर लेख सं० 327/85।

श्रीमतो एम० सामुवेल मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 5-11-1985

प्रकार मार्च , दी , हुन , प्रवा ,-----

नायकर निर्धानयम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुचना

### मार्त वरकार

# कार्यासय, सहायक जायकर बायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-2, मदास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेस सं० 198/मार्च 85—म्प्रत: मुझे, श्रीमती एम० सामवेल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरवास करने का कारण हैं कि स्वाव्य सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 46, सर सी० पी० रामस्वामिश्रय्यर स्ट्रीट है, जो अभिरामपुरम मद्रास 28 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, मैलापुर लेख सं० 359/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन मार्च 1985

को पूर्वोधत सम्मित्त के उचित बाजार मुख्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्प, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का बंद्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाकत, जक्त बीधिन्यम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में द्विधा के जिस्ह और या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धम या अन्य बास्तियों को, जिन्ही भारतीय बायकार बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उवत बिधिनयम, या धर-कार अधिनयम, 1957 (1957 का 27) भी अधिकार्य जनस्ति व्यास प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना चाहिए था, खियाने में सृविधा भी सिए;

नतः अस, उक्त जीधनियम की धारा 269-व की जनसरक् में, में, उक्त जीधनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्निश्चित व्यक्तियों, वर्षात ह— (1) श्री के० ए० गोल्ल मृत्तु

(भन्तरक)

(2) श्री पी० एल० चिदम्बरम

(भारतिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतिस के वर्जन के निस्क कार्यनाहियां करता हुई .!.

# उन्त हन्यरित के नर्डम के कम्बन्द में कोई श्री बाक्षेप हा---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्पना की तामीब है 30 दिन की स्विध, को भी विश्व किया में दमान्य होती हो, के भीतर प्रविक्य करितायों में से किसी व्यक्ति दुवाय;
- (व) इत स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबदूध किसी अन्य स्थानत द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सुकेंगे।

न्यच्छीकरण : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को सबस अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

भूमि-मैलापुर गांव डोर सं० 46, सर सी० पी० राम स्वामी अय्यर रोड़, अभिरामपुरम मैलापुर लेख सं० 359/ 85

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 5-11-1985

मोष्ठर 🖫

प्रकर बाह्र टी., एव. एस. ५-----

आयकडु विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वाना

### HILL STATE

# श्चार्वाक्य , सहायक बायकर बायुक्त (विद्वीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, विनांक 5 नवम्बर 1985

निवेश सं० 205/मार्च 85--- ग्रत: मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'जनत निधनियम' अहा गया हैं), की धारा 269 स के मधीन सक्षत्र प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित्र वाचारु मृत्व 1,00,000/- स्त. से अभिक **ह**ै

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 174/1 हिस्सा 173/3 हिस्सा, 173/5 है जो एण्णुर गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधद भनुमूची में भौर पूर्ण रुप से वर्णित है ) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय मद्रास दक्षिण लेख सं० 729 से 732/ 85 तक में भारतीय रजिदीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 85

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य है कम के ज्यामान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से विधिक है और भतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के भीच एेसे असरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,, निम्निसित उद्देश्य के उक्त अंतरण लिखित में वास्त्रीयक रूप से किशव नहीं किया गया है ६---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विध-नियम के अभीन कर देने के संतरक के वास्तिक में कमी करने या उनसे महाने में सविभा को जिए: माउ/वा
- (ब) ऐसी किसी आय या कसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, बा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए भा छिपाने में सुविधा ने निए:

अतः वय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) 🛋 मधीम, गिम्नलिसित स्पव्तियों वर्षात् 🎩--

(1) श्रीमती डी० नागभूषणम श्रीर भ्रन्यों

(ग्रन्तरक)

(2) मेस्सर्स वी० जी० पी० हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पर्धि के वर्णम भी सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी कं पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

# मन्त्रची

भूमि- सर्वे सं० 174/1 हिस्सा, 173/3 हिस्सा, 173/ 5 एण्णूर गांव 729 से 732 तक मद्रास दक्षिण

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास- 6

तारीख: 5-11-1985

अक्ष बाह्रे.टी.एन.एक् वचननतन्त्रवातत्रव

ागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन स्वना

## भाइत वरकार

## कार्यांनय, सहायक आयकर नायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-2, मद्रास

मब्रास, विनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० 209/मार्च 85—न्य्रत: मुझे, श्रीमती एम० सामवेल

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क कें अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० 52, जिस्टस रामस्वामि रोड कामराज भ्रविन्यू है, जो मद्रास-20 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबज्ध भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रुप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय मद्रास साउथ लेख सं० 887/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन मार्च 85

को पूर्वेक्ति सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का बारण है कि मधाप्यों कत सम्पित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) नन्तारम वे हुई कि वी मान की नामकः, अकल नामिनियम के नमीन कर दोने के बन्तरक के पासिस्थ को कबी करने का छवचे बचने को सुविधा के जिए; बीट/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एस० एम० बांस

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एंस० बालु नायडु

(भ्रन्तिरती)

को बहु सूचना कारी करके पृत्रोंनत सम्मिति में नर्जन के निष्

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाखेय:----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील ये 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों कर व्यक्तिया में से किसी ज्यक्ति तुनारा;
- (च) इस स्वता के राजपत्र को प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हित-बद्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गास निवित्त मों किये वा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वो का, वो उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

भूमी श्रौर मकान-52 जिस्टस रामस्वामी रोड, कामराज श्रविन्यू मद्रास 20 मद्रास साउथ लेख सं० 887/85

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 5-11-1985

प्रस्य बाह्यं हो हो प्रस्ता प्रश्चानननननन

# भायकार सभिनियम, 1961 (1961 सा 43) की भारा 269-म (1) के नभीन क्षांवा

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बाय्क्स (निरक्षिण) अर्जन रेंड-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्वेश सं० 214/मार्च 85---श्रन: मुझे, श्रांमती एम० जामू वेलें जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बाध 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जित्तका पं० अध्यपन तेंगल गांत श्रापेरल्यूट्टा ताल् ह है, जो चेंगलाट डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (श्रीप इसमें उपावद्ध श्रमुभुवा में श्रीप पूर्ण रूप से विणित है), रिक्ट्रिंश्ती श्रीध-तारा के वार्यालय, मदाल (दक्षिण) लेख गं० 944/85 में भारताय रिक्ट्रिंग्ण श्रीधिनियम, 1908 (1908 श 16) के श्रधान मार्च 85

को पूर्वोक्त सम्परित को उषित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफाल को लिए अन्तारित को गई है और मुम्म यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्योक्त संपर्तित को उपित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंवरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उष्देष्य से अक्त अंतरण किथित में वास्तविक स्य से किथा गई किया गया है है—

- (क) बनारण सं हुई कि वीं बाव की वाबत , उन्ध बीधितवस के बधीन कड़ दोने के अन्तरक के धीनल में क्रमी करने वा उत्तर्ध वजने में सुविधा के बिद्द; बीट्/का
- (व) ऐसी किसी नाय या किसी भन या नत्य वास्तियों को विन्हें सारतीय नायकह निभीनयम, 1922 (1922 का 11) वा उपल विभीनयम, ना भव-कर विभीनयम, ना भव-कर विभीनयम, 1957 (1957 का 27) जो प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा वी विद्या।

वतः जन, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के जनुसरक जे, जे, उक्त जीवनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के जधीन निज्यक्तिकित व्यक्तिकरों, अर्थात् के--- (1) श्रं। कें वा गजपति।

(श्रन्तरक)

(2) श्रं। संं० सत्यनारायणा श्रीर भ्रन्यों । (श्रन्तरिती)

को यह सुचता जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को बर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का 45 विस की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ज) इब सूचना के हाज्यम के प्रकारन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनपूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्थाक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकर्य।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम, को अध्याय 20-का में परि-भाषित हैं, दही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया —

### मन्स्यी

भुमि-अध्यप्तन तिगल गांव, श्री पेरम्बूटुर सालुक चेंगलपट डिस्ट्रिक्ट (मद्रास दक्षिण) लेख सं० 944/85।

> श्रीमती एम० सामूबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जनरेंज-2, मद्रास

तार्**ख**: 5-11-1985

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

# बार्कर बरिपनियम, 1961 (196; का 43) की बारा 269-व (1) वे वधीन बुवना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. महाम

मद्रास, दिवां ६ 5 नधम्बर, 1985

निर्नेश सं० 217/म(चं 84----ग्रत: मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पर्वात प्रिक्त अधिनियम कहा गया है) की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार बृख्य 1,06,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसका संख्या 114, बेंकट रंगम स्ट्रांट है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रमुसूर्चा में भीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रांवर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ट्रिप्लिकेन लेख सं० 176/85 में रिजस्ट्रांकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान मार्च

को प्रेवित सम्मित को स्वित बाजार मृस्य से कम को क्षत्रभान प्रतिफल को जिए अम्मिरित की नहीं ही और भूको वह विश्वास करने का कारण ही कि यथाप्रेवित संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का मृद्ध प्रतिकात से अभिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) को शीख एसे अंतरण को लिए तस पावा नवा प्रतिक फल निम्निलिखित उत्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया ही

- (क) जन्तरण से हुई किती जान की नावत, उपक किपिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दाविषय में कमी करने या उससे नकने में सुविधा के सिद्; ऑर/या
- (क) पंती किवी आव वा किवी अव वा बान बारितवीं का, विन्हें भारतीय सायकर विभिन्निका, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्निका वा भनकर विभिन्निका, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना थाहिए था, छिपाने जें सुविधा के सिद्धः

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्राः पार्थशास्तः ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० डी० केशवन।

(भ्रन्तरित*ः*)

की वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को सर्वन की लिए कार्यवाहियों करता हो।

उक्त संपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विश्व की बनीध का तत्साक्तरण क्यांक्तका पर स्वान की तामीब से 30 विन की अविष्, को भी वयि वास में हमाप्त होती हो, से भीतर प्रवास व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्वाराः
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
  45 दिन के मीतर उजत स्थावर अपर्णास में दिन के मीतर उजत स्थावर अपर्णास में दिन के मीतर उजत स्थावर अपर्णास में दिन से विमा मा कराय ।

स्वस्तीकरण :---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के निष्याय 20-क में परिभागिक है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।।

# नन्त्यी

भूमि ग्रीर मकान-114, वेंबटरंगम स्ट्रंट मद्रास द्रिष्लिकेन लेख सं० 176/85

> श्रॅं,मर्तः एम० सामूबेल राक्षम प्राधितार्रः सहःयक ज्ञायसर प्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेजें−2, महास

तार्षाः 5-11-1985

मोहरः

प्ररूप बाह्र . टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के कथीन त्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज--2, मद्रास
मद्रास, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० 219/मार्च 85—श्रत: मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्भात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं ित तिरूककरुगावुर है, जो शीरगाली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोक्ता, अधिकारी के कार्यालय, शीरगाली छेख सं (3 नम्बरम) 217/84 में रिजस्ट्रोकरण ग्रीधिनियम 1908 (1908 का 18) के ग्रीधीन मार्च 85

को प्रॉक्त सम्पत्ति को उपित बाबार मूस्य से कम के बश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उपित बाबार मूस्य, उसके बश्यमान प्रतिकल से, ऐसे बश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से विधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण कि सिवत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) वंतरण से हुई किसी बाय की बाबया अध्या विचित्रम के ब्रंभीन कड़ दोने हो बंतरक के शियरच में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी जाय वा किसी धन वा जम्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-पान अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिनी दवारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविभा के लिए:

बत: बब, उक्त विधित्यम की धारा 269-ग के बनुसरण बें, में, उक्त विधित्यम की धारा 269-च की उपधारा (1) औं बधीन. निम्नृति⊈देश व्यक्तिकों<sub>ः</sub> वधीत् व्यक्त

- (1) श्रामतः पा० एस० ए० ग्रलमेसू ग्रान्ताः । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री टो॰ वी॰ मनोहरन । (धनारिता)

का यह स्थाना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्बन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के बर्जन ।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये का सकर्ग।

स्पार्काकरण: ---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवस दवा है।

## अनुजूची

भूवि ग्रीर महान-तिह्वहरूहणाबुर, ग्रीरकाली, ग्रीरकाली लेख सं० 217/85 (3 नम्बरस)

> श्रीमती एम० सामूवेल सक्षम प्राधिकारीक सहायक श्रीयकर श्रीयुक्त (निर्दक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 5-11-1985

# प्रकृत बाह्र . टी. हम. एक . ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्थना

## बारत एउकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रार्नेन रेंज-2, मद्रास

मद्रात, दिनां ह 5 नवस्वर 1985

निर्देश सं० 220/मार्च 85—ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'तक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधी सक्षम प्रशिधकारी की, यह विश्वास करने का कारण के कि सनवर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रुट से अधिक है

श्रीरितिका सं० 5/58 5/59 ए, कोलाई वेश्वी है, जो सरवर्ताणम् में स्थित है (श्रीय घर्स) उपाबद्ध श्रमुसुवी में श्रीर पूर्ण कर से विणा है), रिवस्ट्रेंटर्सा रिधवारी के सामिति, रहवर्तगराम् हेख सं० 816/85 में रिविट्रेंट्रेंट्रेंण श्रीरिविट्स, 1908 (1908 रा 16) के अश्रास मार्च 85

को प्यंवित संपत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को जिए अन्तरित को गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उशकी दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की शिवित्व में कभी करने या उत्तस्त विका से स्तुविधा ें शिव्य मों कभी करने या उत्तस्त विका में सुविधा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों करे, जिन्हों भारतीय बाय-कर बिधनियम, 1922 (1922 रा 11) या उपल बाधिनियम, बर धन-कर अगिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-व के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की संप्रधारा (1) के अधीत जिम्मिलिखित व्यक्तियों अधीत ह— 43---356GI/85

(1) श्रः एस० के० रित्तनवेस ।

(प्रन्धरक)

(2) श्रीः टी० के० रंगस्वामि ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके पृत्रों का सम्मित के स्थान के जिल् कार्यवाहियां करता है।

# उन्त सम्मत्ति के नवीन भी सम्बन्ध में कोई भी बासीए 🖛

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, सो भी अविधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्विक ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकेंगे।

स्वक्यीकरण:--६समें प्रगुक्त कन्यों और वयों का, वा उक्स विभिनियम के अध्याद 20-क में परिभावित हैं, वहीं क्यें होंगा को उस अध्याद में दिया गया है।

# प्रनुस<del>्</del>ची

भूमि ग्रीर महान 5/58, 5/59 ए, कोलक्कड वोधी, सरयमंगलम, । सरयमंगलम् छेख सं० 816/85 ।

> श्रीमती एम० साम्वेल सक्षम प्राधि गरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर:क्षण) श्रजन रेंज-2, महास

सारीख: 5-11-1985

म्हप् नार्दे हो , एवं , एसं .-----

# बाधकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

आरक्ष सम्बद्धाः

कार्यालय,, सहायक आयकर आय्कत (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, महास

मद्रास, दिनां ह 5 नजम्बर 1985

निर्देश सं० 226/मार्च 85---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकत प्राधिकारी को, यह विश्वात करने व्यक्तारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

भीर जिसकी संश्र भारत एसत सं. 408/5, श्रीकिलि विदुम् है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनूस्ची में श्रीर पूर्ण रुप से विशित है), रिजस्ट्री कर्ती श्रीधारारों के सार्थालय श्रीरकाली लेख संश् 176/85 में रिजस्ट्री प्ररण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन सार्च 85

को पूर्विक्त सम्परित के उपित नाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवाँक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, जसके स्रयमान प्रतिफल से ऐसे स्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उपन अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त इिश्तियम के अधीन कर दोने के अंतक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय था किसी भन का सस्य ज्यास्तिकों की किसी आरतीय लायकोर विभिनियम, 1922 (1999 का 14) एए एक्सा विभिनियम, का अवकार विभिनियम, का अवकार विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीप, निम्नलिशिक व्यक्तियों, संधति :--- (1) श्रीमती सिल्पुरसुंदरी धम्माल ।

(मन्तरक)

(2) श्री मृहमदवेरीफ़्।

(मन्द्ररिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांध्र भी बाक्षेप ा-

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (सं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसिंग में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण: — इसमें गरीवत भट्यों और पद्यों का, जो उत्तर अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

मुमि: → मोरकाली (म्राट० एस० सं० 408/5)मीरकाली केख सं० 176/85 ।

श्रीमती एम० साम्**वेल** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रीयुक्त (निरोक्षण) श्रजेन रेंज-2, मश्रास

नारीख: 5-11-1985

# AND AND A STATE OF THE PARTY OF

भाषा विश्व कि प्रतिकार, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-च (1) के अभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेज-2, महार

मद्रास, दिनांक 5 नवस्वर, 1985

निर्वेश सं॰ 227/मार्च 85--धतः मुझे, श्रीमती एम॰ साम्बेल,

शायकर जांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,06,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसको सं० 61, ईश्वरदास लाला स्ट्रीट ट्रिन्लीकेन् है जो मद्रास-5 में स्थित है (और इससे उनावत अनुसूची में औरप्पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीतर्ता अधिदारी के वार्या लय, ट्रिप्लिकेन् लेख सं० 182/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नार्च 85

को पूर्वीकत सम्मत्ति के जीवत बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान व्रतिफाल के लिए बन्त्रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य असम दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह असम दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीतिकत उद्वेषय से उक्त अन्तरण कि विष् के विश्वास में बास्तिक इप से कामन्तरण सिविक में वास्तिक इप से कामन पर से कामन

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वासित्व में कभी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्रियधा के लिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं', में', उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिकिए व्यक्तियों. अर्थात् ३---मोहर ७

- (1) श्रीमती सी० पी० ताराबाई ग्रीर ग्रन्थों। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमतो के॰ षेण्वगत्रल्ली ग्रीर के क्रुष्णन्। (भ्रन्तरिती)

भी यह स्थान कारी कारक कि. कि. कि हम्मृतिष् भी अर्थक के विक् कार्यवाहियों करता हो।

# वनत सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में काई नी बाधोद:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि साद में समाप्त हाती हो, को भीतर पूर्वीक्त स्विसी में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (क) इस सुमना के राज्यंत्र माँ प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के संकर उक्त स्थावण सम्मस्ति में हितबब्ध कि ही बन्य व्यक्ति व्याप अधोहस्ताकारी के पास निश्चत में किए आ धकोंगे।

लब्दीकरणः—-इसमें प्रमुक्त शब्दों बीड वर्ष का व्याप विकास कि अध्याप 20-क में परिभाषित है, वहीं अभे होंगा जो उस अध्याप में पिया गुया है।

## अभूसूची

भूमि और मकान ईश्वरदास लाला स्ट्रीट द्रिष्लिकेन। मद्रास 182/85- द्रिष्लिकेन।

> श्रीमती एम० सामूबेल ं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−2 मक्षस

सारी**ख:** 5-11-1985

प्ररूप बार्च<u>ः</u> द<u>ी. पुनः पुसः</u> 🛪 🗈 ६

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के मधीन सुवता

#### भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंड्-2, महास

मद्राप, दिनां : 5 नवम्बर 1985

निर्वेश सं० 1/मार्च 85---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कारक विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलाए उनत विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह प्रश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसका सं ० टा० एव० सं ० 2 (हिस्सा) दण्डायुक्तपाणि नगर है, जो श्रह्मार महात में स्थित है (श्रार दक्षसे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर १ १ एं रूप ने विजित है), रिजिस्ट्र की श्रीविद्यार के कार्यालय, उत्तर मद्रास लेख सं ० 705 श्रीर 706/85 में रिजिस्ट्रें। रिण श्रीविन्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रीवंन मार्च 85

करें प्रांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रममान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रममान प्रतिकल से, एसे ध्रममान प्रतिकल का बंद्धह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वत में बास्यिक अप से कथित नहीं किया गया है

- (क) कुलारण से हुन किसी आप की वावत । उक्त विधिनियम के वृधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्थ में कमी कुरने या उत्तसे बुजने में सुविधा के लिए; बॉट/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, धिनहुँ भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था खिपाने में सुविधा के निए:

भतः अन उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्निचिष्ठ व्यक्तियों, अर्थात् ।——

- (1) श्रा डा॰ श्रास्य एतः जारा श्रास् श्रास्ता । (श्रास्तर)
- (2) श्रीमती एम० कला रेडी श्रीर दूसरे (श्रसारिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्षन के बिक्क कार्यकाष्ट्रियां शहर करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वनः के राजपत्र में प्रकाशन की कारीय सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांपश व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस स्वना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिउबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, का निश् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या हैं।

## पनुसूची

मुमि—टो॰ एस॰ सं॰ 2 (हिस्सा) दण्डायुक्ताणि नगर, भड़वार मद्रास उत्तर मद्रास लेख सं॰ 705 और 706/ 85 ।

> श्रीमती एम० सीमूदेस जन्न न्राधि हारी सहायक भ्रायकर भ्रायु (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, मद्राक्ष

सारोख: 5-11-1985

मोहरः

प्रस्य बाह्यं, टी. पुन. एष. -----

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-भ (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्राय, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्धेः सं० 76/मार्च 85--अः मुझे, अं।मते। एम० सामुबेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

प्रीत जिल्ला गं कुमा तालाम गंव है, जो कोयम्बतुर में स्थित है (प्रीत इस) उपावद अनुसूचा में प्रीर पूर्ण रूप से विणा है), रिनिस्ट्रा ति अधि तरें। के वायिलय कोयम्बतुर से विणा है), रिनिस्ट्रा ति अधि तरें। के वायिलय कोयम्बतुर लेख तं वाप 104, 1103/85 में भारताय रिजिस्ट्रायरण प्रधि-नियम, 1908 (1908 ता 16) के प्रधान मार्च 85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम् के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्र यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अतारितयों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण हिषक में प्रस्तिक स्प से स्थित नहीं दिशा नया है क्रिया प्रसादिक स्प से स्थित नहीं दिशा नया है क्रिया प्रसादिक स्प से स्थित नहीं दिशा नया है क्रिय

- (क) बन्तरण थे हुए किसी बाय की बाबत, उक्छ शींभीनयम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कृमी करने या उत्तक्षेत्र बच्चने हों सुविधा के सिप्तु मीड/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य गास्तियों की जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा वे सिष्

वतः व्या, उक्त विधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधन्य (1) के बचीन, निम्निविधित व्यक्तिमों, अर्थात् क्र⊶

- (1) श्राः के विजनपुनार ।
- (श्रदार ह)
- (2) श्रंग को हिलाल और अन्यों

(भन्तिरती)

को यह सुचना जारी करके पुत्रेक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड्र भी बाओप 🌫

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश 45 दिन की क्षत्रीध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन को अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के शाह जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित ही, कही अर्थ होगा को उक्ष अभ्याय में दिश गया है।

## मनुसुची

भूमि-कुमारपालयम गांव, कोयम्बतुर धालुक कोयम्बतुर छेख सं॰ 1103, 1104/85।

> श्रीमती एम० सामूबेस सक्षम प्रावि : रि सहायक प्रायकर श्रीयुक्त (निरःक्षण) स्रजंन रेंज-2, महास

वारीख: 5-11-1985

प्ररूप बाह् .टी.एन.एस..-----

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) ने जभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आग्वत (निरक्षिण) धर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, विनोक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० 128/मार्च, 1985--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं० कृषि खेती सर्वे सं० 193/2, 258, 174/1, 195, 194/5, 173/2, 173/7 है तथा जो एण्णूर गांव में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में मीर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीवार्त अधिवारी के कार्यालय, दक्षिण मद्रास लेख सं० 668 से 760 तब रिजस्ट्रीवारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख मार्च, 1985

बड़े पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कर्ष का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, ससके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमुह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका ) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तविक इस से कथित नहीं किया गया है ६—

- (क) काराण से हुइ किसीं भाग की बावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ए'सी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया आना जाहिए था, खिपानी में सुविधा के लिए;

वरः वथ, उक्त विभिनियम की भाग 269-ग के बन्सरण को, मी, उक्त अभिनियम की भाग 269-घ की उपधाग (1) इंबर्धन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों,, अर्थात् क्ष्मान् (1) श्रोवी० नागम्यणम् ग्रीर ग्रन्य।

(ग्रन्तरकः)

(2) मैं वी विश्वा पार्वा ही सिंग प्रार्वा लिये। (भ्रम्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्धन के सिपु कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कं 45 दिन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविश्व, को भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब व्यक्षि किसी व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्सूची

कृषि खंती---सर्व सं० 193/2, 258, 174/1 एण्णूर गांच--- दक्षिण मद्रास । लेख सं० 668, 7669, 670/85।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिवारी है सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, मद्रास

सारीख : 5-11-198**5** 

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, मदास

मद्रास, दिनांकः 1 नवम्बर 1985

निदेश सं० 152/मार्च 1985--- ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिन्नो सं० 1/5 हिस्सा स्रोतिक भूमि स्रार० एप० सं० 2/17 स्रोर 2/41 (सं० 7, 7 ए स्रोर 7 वी) है सथा जो कोडम्बाहम हाई रोड, मद्रास में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीहर्ता स्रिधशारी के कार्यालय, मद्रास सेन्ट्रन लेख सं० 251, 252 श्रोर 253/85 में भारतीय रिजस्ट्रीहरण स्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के स्रिधीन, सारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र बाजार मृत्य से कम के रूप्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापबींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित अव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुइ किसी आप की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या कत्य ब्रास्तियों की जिन्हों भारतीय अयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुप्रक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात क—

- (1) श्री ए० बी० एम० जाफरडीन श्रीर ग्रम्य। (श्रन्तरस)
- (2) कुमारी बफीशा भानू भीर भन्य। (भन्तरिती)

को यह सुचना कारी कारके पूर्वीक्त सम्पर्टित के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्पर्ित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप द-

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 15 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर तुष्या की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जिल्हा को साम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस स्भाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त इन्दी और पदों का की सकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया यस है।

## **मन्स्**ची

भूमि → 1/5 अभिन्न हिस्सा — मार० एस० सं० 2/17 और 2/41 (सं० 7, 7 ए और 7 वी) कोडम्स — बावम हाई रोड, मद्रास, मद्रास सेन्द्रल लेख सं० 251, 252 और 253/85 है।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) वे श्रुजन रेंज-2, महास

सारीख: 1-11-1985

प्रकृप आहु . टी . एन . एर . -----

बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की उत्प 269-व (1) के बुधीन सुचना

## मारत सरकाक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनोदः 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० 158,मार्च, 1985--ग्रतः मुझे, श्रीमदी एम० राम्बेल,

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें भिन्ने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कार्ण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृष्य

1,00 000/- रा. से अधिक हैं । धीर जिसकी सं 174 एलडाम्स रोड, तेनामपेठ हैं तथा जी भद्राप-18 में स्थित है (क्रीर इसते उपाबद्ध अनुसूची में क्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिनस्ट्री रिव अधि तरी के सायीलय, मदास तेन्द्रल तेनामपेठ लेख सं 329/85 में रिनस्ट्री रिप अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के तिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अन्तरिक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिख दृद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अस्तरण से हुई किसी जाय की शब्त, समझ सिंधिनयम के ज्योन कर दोने के जैतरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) एसी किसी बाव या किसी वन या अन्य धास्तिवी को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त विधिनियमः भी भारा 269-ग के वनुसरण के, में,, उक्त विधिनियम करे पारा 269-म की जनभारा (1) हे विधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियों विधीतः क्

- (1) श्रीनती लिला सुमारो श्रीर यमुना देयो। (अन्तरक)
- (2) श्री मुहम्मद हाजी श्रीर श्रव्यकार हाजी । (अन्तरिती)

को यह स्पना पारी ए.दुको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हो ।

डफ्ट सम्पत्ति के बर्शन के सम्बन्ध में कोई' भी आक्षेप :---

- (ह) इस सुच्या के एजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि धाद में समाप्त हाती हो से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसा अवधि कराए।
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को कार के कि कि 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनकृष किसी कन्य व्यक्ति क्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निवित् में किए पर सकेंगे।

स्वितिरण 1 - प्राप्त प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त किथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिट है, वहीं अर्थ होंगा जा उस अध्याय में दिया देश हैं।

अनुन्वी '

मूमि और महान--174, एलडाम्स रोड, तेताम्पेठ मद्रांत -18 मद्रास क्षेत्रल । नेख सं० 329,85।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारो सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) प्रार्जन रेंज-2, मद्रास

सारीख: 5-11-1985

मोहर 🛊

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

# बावकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ब्योग ब्याग

भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, महास मक्षाम, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० 187/मार्च, 1985---श्रतः मुझ् श्रीमती एम० साम्बेल,

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके परकात 'उनत विधिनियम' कहा नहा हैं), की भारा 269-क के मधीन सक्षम प्राधिकारों को बहु विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, विसका उजित बाधार नृत्य, 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिस्की सं० 146 ईजम्बाक्सम गांव ग्रैदापेठ तालूक है तथा जो मंगलपेठ डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधकारी के दार्यालय, श्रडयार लेख सं० 521,85 में रजिस्ट्रीयरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शितफास के लिए बंतरित की गई है और बुक्के वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से, ऐसे ख्यमान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) से बीच ऐसे बंतरण के लिय तय पाया स्वा प्रतिकास निम्नितियत उस्कोंन से बक्त सम्बरण निम्नित में गल्सिक एए से किया नहीं किया नवा है:--

- [स्त] बस्तरण संहुई फिली बाव की बाइए, उक्त विधिनियम के बंधीन कर दोने के बन्तरण के खीबल में कनी करने वा उक्तमें बचने में सुविधा श्री किए; बीस्त/मा
- (य) एसी किसी जान ना किसी धन या जन्म नास्सिनों की, जिन्हों भारतीय नाम-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर निधिनयम, या धन-कर जीधीनयम, या धन-कर जीधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जन्मिंदिती ब्यारा प्रकट नहीं किया यया या वा वा किया जाना जातिए था, छिनाने ही सुनिधा के लिए;

(1) श्री गिरीन श्रसरफ हुसैन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जयन्ती ज्यांति।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत अविकायों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूबना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास अधाहस्ताकारी के पास लिखत में किए पा सकेंगे।

स्वध्दीकरणः -----इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उर्वतः अधिनियंत्र के अध्याय 20-क में पी।भाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्वा हैं [8]

#### सरस्य

खेती-सं 43, इंजम्बाक्कम गांव शैवापठ चेंगलपेठ ग्रडमार लेख सं० 521/85 ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मब्रास

तारीख: 5-11-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) को अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरोक्तण) प्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3823/2/85-86--श्रतः मुझे, जी०के० पंड्याः

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं तीन मंजला बिल्डींग नं 4, इंग्डीया टैक्सटाइल है, तथा जो मारकेट, सुरत में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 37 EE के श्रीधन, दिनांक 28 फरवरी, 1985 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकृत से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उच्चेष्य में उक्त जन्तरण सिक्त में अस्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुन्दें किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियस के बधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के जिला और/वा
- (ख) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के बिए;

वतः जव, उच्त विधितियतं की धारा 269-ए के जनुसरक वो, मी, उच्त विधितियमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) वे वधीत, निम्नसिचित व्यक्तियों, वधित हु---- (1) मैं० संजीव विल्डर्स प्रा० लि०। रिग रोड, सूरत

(श्रन्तरक)

(2) श्री हर गोपाल महोन्ता 85, नेताजी रोड, कलकता।

(मन्तरिती)

को यह स्थना जारी कारके प्रवेक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति को नर्जन के संबंध में कोई भी नासीप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीच चै 45 दिन की स्विध या लस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अविध बाद में समाप्त झोती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्ष 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात् निक्ति में किए जा सकींगे।

स्वव्यक्तिरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त व्यक्तियम, को अध्वाव 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जन्सू जी

37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 28 फरवरी, 1985 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रष्टमदाबाद

तारी**ख** : 9-10-19**85** 

ोहर:

प्रसम्म आहे. टी. एत. एस., ७ - -

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

### भारत सरकारु

## कार्यासय, सहायक नायकर भागूका (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, म्रहमदाबाद

श्रहमवाबाद, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० जी० श्रार०नं० 3824/2/85--86---श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकश्यस कारन का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं तोन मंजिला बिल्डिंग नं 4, इंण्डिया टेक्सटाइल्म है तथा जो भार्केट, सुरस में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रानुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधिनारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रोन करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 28-2-1985

को प्लेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करारे का कारण है कि यथापूर्लोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तर्ण के जिए तब पामा गया प्रतिकल, निम्मितिकित उद्देश्य से उस्त अन्तरण सिचित में वास्तियक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाग की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के स्विथित में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के सिए; स्रोट्/भा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में मृविधा के सिए;

श्रतः अब, उक्त श्रींधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :— (1) म० संजोव बिल्डर्स प्रा० लि०, रिंग रोड, सुरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० विमला सागरी, 31 बी, एटलस श्रपार्टमेंट, बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सुषमा जारी कारके पृत्तेक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां पूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, को भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ जनास्त मा कार्यका अवस्ति ह

ल्पर्ध्याकरण:—-इसमं प्रमुवर कल्टा और उसे का, ओ उस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय मो दिम नवा है।

#### मन्द्र की

37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 28-2-85 को पेश किया गया है ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायूक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज-2, भ्रहमदाबाद

तारीख: 9-10-1985

मोद्दर 🛭

# प्रक्ष बाह् ु खीं पुर ्र सुर ु --४४----

# बायका विभिन्नम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-2, श्चहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 9 श्रक्तुबर 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3825/2/85-86--श्रतः मुझे जी० के० पंड्या

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर तम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी मं० दुर्कांन नं० 4, इण्डिया मार्केट, सुरत में स्थित है (स्रीर इससे उपाबस स्नन्यूचा में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राक्ती अधिवारी के कार्यालय, सहमदाबाद में रजिस्ट्राकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के सर्धान, तार्राख 25-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफाल, निम्नितिबत उद्देश्य से उन्तर अन्तरण सिचित में वास्तविक क्य से कथित यहीं किया गया है ॥

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मिनियम के जभीन कर देने के ब्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या तससे वचने में सुविधा के सिए; बांड/बा
- (च) एंसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, क्रियाचे में सुविभा की जिल्हा;

बर्त अवन अधिनियम की धारा 269-न से सन्सरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं असर्जाव बिल्डर्स प्रा० लि०, रिंग रोड, सुरत ।

(म्रन्तर्क)

(2) मिसेस निर्माला भट्टार, 31 बो, एटलास भ्रापार्टमेंट्स, अम्बई ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जनिभ ना तत्सवंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खों भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकती।

स्वव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पताँ का, को उक्त व्यक्तियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया पया हैं≀

# श्रनुस<del>ूची</del>

37 ईई का फ़ार्म यह कार्यालय में दिनांक 25-2-85 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्ष प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 9-10-1985

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

भ्रजी रेज-2, भ्रहमदाबाद

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3826/2/85-86--- प्रतः मुक्षे, जी० के० पंडया

माण्कर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० तीन मंजिला बिल्डिंग नंम 4, इण्डिया टेनउटाइल्स मार्केट, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबछ अक्टूबा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के अर्थात्म, अनुमदाबाद में रिजिस्ट्री करण श्रीधनियम, 37 ईई का 16 के श्रिवीन तारीख 26-2-85

कते पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वाम करने का कारण है

कि यथाप्कें कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसं दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के श्रीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——•

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे बचने मी सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण मं, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थास् :— (1) मं राजाव बिल्डर्स प्रा० लि०, रिंग रोड, सूरत ।

(अन्तरक)

मिसेस उमिला डगा,
 31-बी, एटलस प्रपार्टमेंट्स,
 बम्बई।

(ग्रन्तिरतं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन को संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्ची

37 ईई का फ़ार्म यह कार्यालय में दिनांक 26-2-85 को पेण किया गया है।

> जी० के० पंडया मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तरीख: 9-10-1985

मीहर:

प्ररूप बाइ, टी.एन.एस.,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमधाबाध

श्रहमदाबाद, दिनाक 9 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० पी० श्रार० सं० 3827/2/85 -- 86--श्रतः मृश्र, जी० के० पंड्या

अग्रेकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का क्यारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसको मं जतोन मंजिला बिल्डिंग इण्डिया टैक्सटाइल मार्थट, है तथा जो पूरत में स्थित है (श्रीर इसरे उपावड सनुसूचों में श्रौर पूर्ण का से वणित है), रजिस्ट्राकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में 37 ईई० के श्रधीन तारीख 18-2-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण जिखित मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई िकसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दािबत्य में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, कियाने में सविधा को सिद्ध;

अतः वयः, उक्त विभिनियमं की भाषा 269-ए के वनुसरण हों, मीं, उक्त विभिनियमं की भाषा 269-म की उपभाषा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :--- (1) संजीय विरुद्धर्स प्रा० लि० रिंग रोड, सूरत ।

(ग्रन्तर्क)

(2) श्री शिव कुभार एल० बगला श्री विनोद एल० बगला, बरली, बम्बई ।

(ग्रन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की सबिध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नगुज्ञी

37-ईई का फ़ार्म यह कार्यालय में दिनांक 18-2-85 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख : 9-10-1985

मोहर 🤢

ं प्ररूप भार्यः, टीः, एनः, एतः,------

# नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरका

# कार्यालयः, सहायक अायकर आयुक्त (निष्ठीक्षण)

श्रजंन रेंज-2, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 9 भ्रक्तूबर 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3828/2/85-86--- श्रासः मुझी, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० तीन मंजला बिल्डिंग, इण्डिया टेक्स~ टाइल्स है तथा जो मार्केट, सुरत में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूर्या में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री— कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, भ्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण भाधिनियम, 37 ईई का 16 के भ्रधीन तारीख 26-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुर्फे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; नौर/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें अधिनियम, या एन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधाननार्थ अन्तरिती देशरा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुरिश्य के लिए;

कतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिखता व्यक्तयों, अर्थात् :--- (1) मैं० संजीय बिल्डर्स प्रा० लि०, रिग. रोड, सुरत ।

**(भ्र**न्तरक)

(2) श्रीं कृष्ण कुमार बागरी,
 31-बी, एदलस ग्रपार्टमेंट,
 बम्बई।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुपना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ता

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी त्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकासन की तारी ह ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहसाधार्य के जस्स निवित में किए जा सकों ने।

स्पष्टिक प्याः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिकाधित हैं , वहीं वर्ष होगा थी उस वध्याय में दिया गया है।

## नगुसुची

37 ईई का फ़ार्म पर कार्यालय में दिनांक 26-2-85 को पेश किया गया है।

जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-II, श्रहमवाबाद

नारीख: 9-10-1985

श्रक्य बार्ड, टौ. एन्. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

## नारत वरकाड

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-2, श्रह्मदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 9 श्रक्तुश्वर 1985

निदेश मं० पी० ग्रार० नं० 3829/2/85-86---ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-र के दधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विद्वास करने के कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं जोन मंजिला बिल्डिंग नं 4, इण्डिया टेक्सटाइल्स है तथा जो मार्केट भूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद भ्रतूषुची में ग्रीर पूर्ण का से वर्णित है), रिजर्स्ट्रांकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजर्स्ट्रांकरण ग्रीधितियम, 37 ईई का 16 के श्रीधीन सारीख 26-2-1985

का पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसकें द्रह्ममान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्त-रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, जिम्निलिसित उद्देश्य से उसत अंतरण निषित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइं किसी जाय की बाबत, उक्त बीधीनवज्ञ के वधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/बा
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय लायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवेषनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया नेवा था या किया जाना चाहिए वा कियाने में सुविधा में लिए;

क्तः अत्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के स्थीर निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) संजीव बिल्डर्स प्रा० लि० रिंग रोड सुरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) मिलेस मंजु सागरी,31-बी, एटलस ग्रवाटेमेंट,वम्बई-6।

ान्तरिती)

को यह स्वता नारी करके पृशासिक सम्पत्ति के नर्बन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त स्मिति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्था के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का क्षेत्र 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इ.स. स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकारी

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त बन्दों और पदों का, जो उक्त विभिनयम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं कर्ष होगा वो उस कथ्याय में विका क्वा है।

# धनुसूची

37 ईई का फ़ार्म यह कार्यालय में दिनांक 26-2-1985 को पेश किया गया है।

जी० के० पंडयां सक्षम प्राधिवारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

सारी**ख**: 9-10-1985

प्रारतप बार्च. टी. एन. एड.-----

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) 5ी धारा 269-व (1) के वधीन सुपना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्राक्ति)

भर्जन रेंज-2, भहमदाबाद भहमदाबाद, दिनीक 11 भन्तूबर 1985 निदेश सं० पो० भार० न० 3830/2/85-86---अतः

मुझे, जी० के० पंडया

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित्र नाजार मच्या 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जितको सं० जे-102, इण्डिया टेक्तटाइल्स मार्केट सूरत में स्थित है (श्रीर इसने उताबद अनुसूर्व में श्रीर पूर्ण का से वर्णित है), रजिस्ट्रीति श्रिधनारी के वार्यास्य, श्राहमदाबाद में रजिस्ट्रीतरण श्रिधनियम, 37 ईई का 16 के श्रावीन तारीख 4-2-1985

को पूर्वेक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिएत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है रू

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दासित्व में कभी करने या उससे अभने में सविधा के लिए; और/बा
- (का) एसी किसी साय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च करिन्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्थीय. निम्नलिखिल पिक्तयों, अर्थात ह— 45—356GI/85

(1) मैं० संजं:व प्रिमिसेसकौ० झापरेटिव सोसाइटी,सूरत ।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती हेमौजिनी टिटुभाई पटेल. मानपुरा, भूरत ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के सिक् कार्यवाहियों करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पड़ स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (त) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबय्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्का अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिण है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यस है।

# अनुसूची

37 ईई॰ का फ़ार्म यह कार्यालय में दिनाक 4-2-85 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, महमराबाद

तारीख : 11-10-1985

मोहर

## प्रकृष आहे. टी. एत. एस.,-----

बाधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

श्रहमदावाद, धिनां∵ 11 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० पी० श्राप्तः नं० 3881/2/85--86---श्रतः मुक्षे, जी० के० पंडया

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का श्रारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जे -- 707, 708 इण्डिया टेक्सटाइल मार्केट है सथा जो सूफा से स्थित है (ग्रीर इपसे उपाबत श्रमुसूची) में ग्रीर पूर्ण का से विशित है), रजिस्ट्री ती श्रीधितारी के लिशिल्य, श्रमुस्दालाय में रिल्ट्रिट एण श्रीधिनियम, 37 ईई हा 16 के श्रास्त तार का 23-2-1985

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित् को गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्थ. उशके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिणत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया बतिफल निम्हिलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण िहतित में बास्तिकक रूप से कथिन नहीं किया गया है:--

- हैंकों करनारक में हुन किसी जान जी शास्त्र, उसत अधिनियंत्र के अभीन कर बोने थे ताहरक हैं बायिरक में कमी कारने मा उससे मजने में सुधिका अभिक्षा बारि/मा
- (च) ऐसी किसी नाय या कसा धन या जन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय असावर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जिल्ल निधिनियम, या धन-कर निधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इसारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना चाहिए था, किपाने में सुविधा है सिए;

क्षण्यः श्या उक्त विधिनियम् की धारा 260-म के अन्सरण वं, कें, उक्त विधिनियम् की धारा 269-च की उपधारा (1) वे वधील, निम्निसिस्त व्यक्तियों, वर्षात् :--- (1) मैं० संजय शिमिसेय को० भागरेटिय सोसाइटा, रिंग रोड, सुरत ।

(मन्दरक)

(2) मैं० जे० के० सिथेटिक्स, देसाई रोड, बम्बई ।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन को लिए कार्यकारियां करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति द्
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ निस्तित में किए जा सकरें।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें अयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा यवा हैं।।

# **बन्**स्ची

37 ईई का फ़ार्म यह कार्यालय में दिनांक 23-2-85 को पेश किया गया है।

> जीं० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

मारीख : 11-10-198**5** 

# प्रक्ष बाइं टी.एन्.एड 🕫 🗝 🖼

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

### मारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाखाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 अन्तूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3832/2/85-86--अतः मुझे, जी० के० पंडया

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिनकी सं० जे-104, इण्डिया टेक्सप्टाइल मार्केट है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपत्बद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिल्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37 ईई का 16 के अधीन तारीख 4-2-1985

को प्रवंक्त सम्पतित के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार पृष्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पृत्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरका) और अन्तरित के लिए तब पाया बबा प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिल के बास्तिक के बास्तिक के साम्या प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिल के बास्तिक के से साम्या प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिल के बास्तिक के सम्मानिक के समानिक के सम्मानिक के सम्मानिक के सम्मानिक के सम्मानिक के समानिक के सानिक के समानिक के समा

- (क) अन्तरण से सुद्ध किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रयट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः जब, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के अन्तरक भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) मैं० संजीव प्रिमितेत को० आपरेटिव सोसाइटी, मूरत।

(अन्तरक)

(2) पटेल कंकु सरन ग्रंसालाल, हरिपुरा मुख्य मार्ग. सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई गासोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाण होती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूवारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पथ्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विजा गणा हैं।

# श्रनुसूची

37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 4-2-85 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

सारीख : 11-10-1985

मोइर :

प्ररूपः भार्यः दीः एनः एस् , = - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 11 अन्तूबर 1985

निदेश सं० सं० पी० आर० नं० 3833/2/85-86-अतः मुझे, जी० के० पंडया बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है औन जिसकी सं भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० जे-605, इण्डिया टैन्सटाइल मार्केट है तथा जो भूरत में स्थित है (श्रीर इसमे उपाधव अनुसूची में प्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिल्द्री ति अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्दी करण अधि-नियम, 137 ईई का 16 के अबीन तारीख को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित् बाबार मुस्य, उसके दश्यभान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंत-रिली (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में शस्त्रविक रूप सं कथित नहीं किया प्रभा हूँ :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबक, उक्त बीधिनयम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ का, जिन्ही भारतीय बायकर विभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बत् अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन - निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्- (1) मैं० संजीव त्रिमितेस को० आपरेटिव हाउसिंग सोताइटी, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) मैं ० सुरेखा टेम्सटाइल, 63/71, ढेडी शेड अगिनारी, भुवनेस्वर, सम्बद्ध।

(प्रन्तीरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

टक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास निविध में किए जा सकारी।

स्थध्दीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया पया हैं।

## धनुसूची

37 ईई का फार्म यह कार्यालय में दिलांक 4-2-85 की पेश किया गया है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 11-10-1985

# प्रकृष् भार<sup>्</sup>, ह<u>ाँ सुन्, एवं, स्स्त्र</u>ास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनां रु 11 अन्तूबर 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3834/2/85-86--अतः मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उयत अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा '269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि वधापुर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

100,000/- रु. से अधिक हैं

गीर जिसकी सं जे जे जे जे विश्व हैं एडिया देगा दाहल मार्केंद्र
है स्था जो रिंग रोड, स्रक्त में स्थित हैं (शीर इससे उप बड़ेंद्र
अनुसूची में शीर पूर्ण रूप से बॉणा हैं), रिजार्ट्री हतीं
अधिकारी के कार्यालय, अहम शबाद में रिजर्ट्री करण अधिक्तिम, 37 ईई का 16 के अधीन तारीख 8-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान वित्रक्त के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का क्लाइ प्रतिशत अभिक है और अन्तरक (जंतरकों) और अंतरिली (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्लिखत में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुंदै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के श्रीयत्व में कमी करने या उसले बचने में लुविधा के सिक्तृ बोट्र∕या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 [(1922 का 11) या उनत अधिनियम बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः जब, उक्त जाधनियम की धारा 269-ए की जनसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मै० संजीव त्रिमितेत को० आपरेटिय सासाइटी, रिंग रोड, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्रीकमला देवी जें० अप्रवाल, अप्रवाल नगर, महाराष्ट्र।

(अन्दर्शिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीत वें 45 दिन के भीतर अबत स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिया गया है।

## **अ**नुसूची

37 ईर्ष्ट का फार्म यह कार्यातय में दिनां ह 8-2-85 को पेश किया गया है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिनारी विद्यम आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

तारीख: 11-10-1985

मोहर 🕽

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाय

भारमहाबाद, दिनीक 11 भनतूबर 1985

िदेंग सं ० पी ० भार ० न ० 3835/2/05-86-भार:, मुझे, फीं ० वे ० पंडरा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार 1,00,000/- रा. से अधिक है

और कि की सं० पनैट त० 5-की, रिष छाया प्रपार्टमेंट है, तथा को सूल में रियत हैं) (और इससे उपायद प्रतुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रिनस्ट्री की प्रधिकारी के वार्यालय, प्रहमशाबाद में रिनस्ट्री रिण प्रधितियम 37-ई है के प्रधीत, तारीक 26 फरवरी, 1985

- को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रशिक्षल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, एसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत का निम्नितिशत उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नित के बास्तविक सम्मतिश्वत उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नित के बास्तविक सम्मत्ति के समित नहीं दिस्या गया है ——
  - (क) भ्रम्तरभ से हुई किसी बाब की बाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरका औ दायित्व में करने या उससे बुबने मी सुविका के लिए; और/या
  - (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए;

अतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै जनसरण को, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन) निम्नितिविद अधीयस्थों। अर्धात् हुन्स 1. मै॰ रवि इंटरप्रार्षेत्र साम परा, सूरत ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री माणे प्रचन्द मोतींलाल L-1064 सूरत टैंग्सटाइल मार्कीट, रिंग रोह, सूरत

(भन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के विष कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

द्वतत् सुम्पृतित् के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बास्रेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं, 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, थो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त इधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित ही, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्स्चा

सं० 37-१६ ६ का फार्म यह कार्यांलय में विनीक 26-2-85 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक सायकर सायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-1, सहमदाबाद

तारीख: 11-10-1985

मोहरु 🕨

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### मारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

षर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

बहुमहाबाद, धिनीर 11 प्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० पी० छार० नं० 3836/2/85-86-श्रतः, मुझे, जी० के० पंडरा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार जून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिल्ली सं पतेट नं 4-ए, रिवताल ध्राहिमें है, तथा जो सूरत --ध्राबा लाइन्त में विवत है (ऑह इ.से उत्तबद्ध ध्रमुसूबी में और पूर्ण रूप से चिंगत है) रिटाई/ ती अधितारी के क्यीन्य, श्राह्मशाबाद में रिजिड़ी तरण अधितियम, 37-ईई के श्रवीन, तारीज 26 फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्जोंकत संपत्ति का अगावन बाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वत में वास्तिक रूप से किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाम काँ जाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक कें दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में पृत्रिक्षा के लिए; और या/
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य लास्तियाँ धरे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिएनने बें स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :-- 1. मै॰ रवि इन्टरप्राईश सानपुरा, सूरत

(प्रस्तरह)

7 श्री सीतारम भाई श्रार० गोयल 302, राधिका टेरेस, नानपुरा, सुरत

(भ्रग्वरिती)

का यह स्थान चारी करुके पूर्वीक्त संपरित के अर्थन के निय कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिनतयों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में निग्र जा सकरी।

स्पर्ध्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त 'सन्यों और पदों का, ओ उक्त निधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्ध होगा जो उस्र अध्याय में दिया पया है।

# वन्त्वी

37-१ ५ जा फार्म यह कार्यातय में दिनांक 2G-2-85 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिशारी सहायम प्रायमर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्थन रेंज-1, प्रहमदाबाद

तारीख 11-10-1985 मोहंर∎ प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-1, प्रहमदाबाद

ष्परमदाबाय, दिनांक 11 प्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० पी० भार० नं० 3837/II/85-86 - यत:, मुझे, जी० के० पंडया,

बावकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिनकी सं० प्लाट नं० 613, रिवछता अनार्टमेंट है तथा जो मूल में स्थित है (और इन्से उनाबद अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से घरित है), रिल्डिकित अधिशारी के नार्यात्म, अहमदाबाद में 37-ईई के अधीर, तारील 26 फरवरी, 1985

को प्रश्नित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों क्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य , उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरितीं (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वितिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिसिस में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है ह---

- (क) इस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंद व्यक्तियों, अर्थात् ।——

 मै॰ रिव इन्टरप्राप्तिः नामपुरा, प्रम्युर स्ट्रीट, सुरत

(भ्रन्तरक)

2. श्री शशिकान्त छोटालाल पटेल द्वारा मनुद्राई पटेल मानपुरा, सूरत

(अन्तरिर्धः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितद्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो जकत अधि-नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा क्रो उस अध्याय में दिया गया है।

## श्र रूनुचो

37-दिई का फोर्न इस कार्यातव में दिनोक 20-2-85 को पेश स्थि।

> णी० भेः पंडवा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (िरीक्षण) ग्रजैन रेंज-II, शहमजाबाद

वारीख: 11-10-1985 मोहर 🛭 प्रकार कहा, सी. एवं. एसं. 🤋 - + 🗝 -- 🤉

भावकर विधिनियम्. 1961 (1961 का 43) की क्या 269-म (1) के मधीन सूचका

#### मार्ट्स सर्पत्र

कार्वासम, सहावक मायकर भाग्वत (निरक्षिण)

धर्जन रेंज-II, ध्रहमदाबाद

**घ**हमदाबाद, दिनांक 11 घ्रष्मुबर 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० सं० 3838/II/85-86-यत: मुझे, जीं० के० पंडया.

मानकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) *(*जिल्से इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की अहरा 269-क के अधीन सक्तम प्राविकारी को यह विकास करने का जारण ही कि स्थावर सध्यक्ति जिसका संवित बाधार प्रथ्य 1,00,000∕-क. से **वधिक ह**ै

और जिसकी मं० फ्लैट नं० 6-सी, रचि तेज प्रपार्टमेंट है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता प्रधिकारी के रायलिय, श्रहमदाबाद में 37-ईई के श्रधीन, तारीव्ह 26-2-85 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान परिकाल के दिया अपनियन की ए**हाँ हैं जोर स्के यह विका**तन करने का व्यारण है कि यथापूर्णीवत सम्पत्ति का उचित यादार भारत , उसके क्ल्पमान प्रतिकल से ए से क्ल्पमान प्रतिकल का पंदाह प्रतिकास विधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरिक्तिमाँ) के कीच एोसे अस्तरण के लिए तय गया गरा प्रतिकत निक्तिनिवृत संब्द्धिय में उक्त करत्यक निश्चित यों प्राप्त्रिक स्प से क्षित्र नहीं किया गया है :----

- (क) *नर*/रन *हे हुई* किया नाव नी नारंत, उक्त जी क्षियंत्र के अधीन कर दोने के बन्तरक के श्रीयत्य को कार्यु पुत्रको मा अवको अन्य है है हिमार की निवस 75 T 778
- 🐌) होती कि सी जास या कि सी भन वा त्रांक आ स्तिजी को चिन्ही भारत/य आयकार को बीबबा, 1922 (19:22 का 11) या उन्नच / विश्विया, या वनकार अविनिवास, 1957 \1957 फ 27) के बबार नार्थ सन्दरिती देवारा प्रश्नाप्त नहीं किया गुद्धा भा या किया जाना अहिहा भर किराने भी समिया के लिए:

अ**तः अव, क्रवत अधितियम की धात्र 2**60-र के अनसरण मों, मीं, अध्यक्ष अधिनियम की गत 2699 मां भी उपकास (1) के अधीन, निक्मीलिश्वित व्यक्तिओं, प्रभात 🕾 -46--356GI/85

- (1.) भै॰ रिव इन्टरपाईन नानपुरा, सूरत (श्रन्तरक्)
- (2) श्रीमती मधितावडन रचिन्द्र श्रार्य, बन्धपन अशर्टमेंट, घांड दौड - रोड, मु 🐴

(ग्रन्तरिती)

की यह कृषना बारी करको भूषींकत संपक्ति के अर्थन के किय राजीयां फेर्स सरका 🚛 🕽

उक्त सम्पत्ति के अपने के धंनंध में कोर्ड भी बाबार :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की शारीस से 45 जिन की संविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर **ब्**चना करी प्रामील **घे 30** विन करी अवधि , जो भी अविध वाय की बमाप्त होती हो, के भीतर प्रकेषत व्या वत्यां में से किसी व्यक्ति बुकारा;
- (क) इस इस्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 विन को भीतर उक्त स्मावर सम्मत्ति में हिन्द-बद्दभ नेकसी अन्य व्यक्ति क्यारा अभोहस्ताक्षरी 📽 तम लि**षित में किए वा सकेंगे।**

र क्यों वजान शक्यों अ**रि पर्यों का, जो सक**र अवस्थ भेशास्यः मिविनियम के कभ्याय 20-क में नवर परिभारिक ं, रहा प्रमंहांक जो उस अध्याय में दिशा यवा 🐉 👢

37-ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनांक 26-2-85 को पेश ियागया है।

> जी० के० पंडया प्राधिकारी लक्षम सहायक आय*ाः* श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंन-गा. ग्रहमदाबाद

नारीख : 11-10-1985

प्रकृप आइ.टी.एन.एस-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

भ्रजन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 24 श्रक्तूबर 1985 निर्देश सं०पी० श्रार० नं० 3839/II-86-85——यतः, मुझे, जी० के० पंडया,

बांधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी संव गेड, पीव ग्राईव डीव मीव गारेया है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची सें श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति है उचित बाजार नूल्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहममान प्रतिफल से, एसे रहममान प्रतिफल के वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उस्तरेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें. जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-ग के अनसरण में, मी, उक्तं अधिनियमं की धारा २८०-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—  श्री रमेश भाई नाथा भाई पटेल श्रीर अन्य हरिकृपा, श्रलकापुरी, बड़ौदा

(भ्रन्तरक)

 श्री डाह्या भाई काशीभाई पटेल, इन्डस्ट्रीयल शेड, गरिया, बड़ौदा

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्बक्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमव्भ किसी उन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यन्द्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उथता जिला अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

### अनस्यो

गेडजो गाखा में स्थित है जिसकी कुल कीमत 155000 रुपए है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहाक्क श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख : 28-10-1985

प्रकृष बार्ष टी.एन.एस. ------

# बायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के नमीन स्थान

### नाइत समुकार

कार्यात्तय, सहायक जायकर आस्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-<sup>I</sup>, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 24 श्रक्तुबर 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3840/II/85-86---यतः, मुझे, जी० के० पंड्या.

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उन्त विभिन्नम' महा गया हैं), की भारा 2'69-ख के अभीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

भौर जिसकी सं० जमीन ग्रौर मकान एस० नं० 479/2-3 है तथा जो पादरा रोड़, बड़ौदा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिनकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मृत्य से कम के सममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मृत्य, सक्ते स्थमान प्रतिकल से एसे स्थमान प्रतिकल का पत्प्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के दौच एसे सन्तरण के बिए तथ गवा गया प्रतिफल, विम्निविचत उद्देश्य से स्वत्र अन्तरक बिचत में वारसिक रूप से किथत नहीं किया क्या है :—

- (क) कलारण से हुई किसी साम की नावत, उपस विश्विषयन के बचीन कर देने के कलारक के बामित्व में कमीं करमें या उपसे नजने में स्विधा के लिए; मौर्/श
- (क) ऐसी किसी जाव वा किसी थन या जन्य जास्तिकों की चिन्हों भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उंद्या विभिनियम, या धनकर सिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, क्विपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः अवः अभिनियमं की धारा 269-ग के अनुतरण हें, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) हे अभीन, निकारितीयतं व्यक्तिसम्में, वशीत् हें—  श्री यशवंतराय नाना साहेब शिदे, पादरा रोड, बडौदा ।

(भन्तरक)

 मै० दीपशारण सोसायटी जुल पादरा रोड़, बड़ौदा।

(भ्रन्सरिती)

की यह . तुक्ता भारी करके न्वॉक्त सम्पत्ति के वर्षन के निश् कार्वनाहियां पुरू करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी जाओप '---

- (क) इब सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच हैं
  45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) ६स स्वना के राजपत्र का प्रकाशन की तारोप स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर गम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अशहस्ताक्षर। के पास लिखित में किए दें रहा।

स्पष्डीकरणः :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मिलिकयत जो बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल मूल्य 10,50,000 रुपए हैं ग्रीर 19-3-85 को रिजस्टर्ड की गई है।

> र्जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-I, श्रहमदाबाव

तारीख : 24-10-1985

प्रारूप आर्घ.टी.एन.एस्.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

# कार्यालय, तहायक जायकर बायकत (निरक्षिण)

धर्जन रेंज- 1, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 प्रश्तूवर 1985

निर्देश सं०पी० ग्रार० नं० 3841/85-86 — यतः मुझे, जी० के०पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्ते इक्षण इक्षक परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० जमीन श्रौर मकान ग्रानन्द नगर मोपायटी है तथा जो जतेलपुर, बड़ौदा में स्थित है (श्रौर इनसे उपायड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिणत है) रिजर्ड्यकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बड़ौदा मे रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के इस्पमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभे यह विश्वास

मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एोसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और बन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निल्तिया में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हो :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय का जानत, उन्तर अधिनियम के जभीन कर दोने के अंतरक के दायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा के निए;

अतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नोसिक व्यक्तियों, अर्थातः—  मणीबहुन मेधाजी राजा चौहान रेस कोर्स रोड़, बड़ौदा ।

(भ्रन्त रकः)

 श्री मणीबहन माशा राम शाह
 58, संपत्तराव कालोनी, श्रलकापुरी, बड़ौदा ।

(ग्रन्सरिती)

को यह \सूचना जारी करके पृथीकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

्उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में हितबब्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंने।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उच्त अभिनिवय के अभ्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में विया गया है।

### अनुसूची

मलिकयत बड़ौवा में स्थित है जिसका कुल मूल्य 5,00,000 रुपए है और मार्च, 85 में रजिस्टर्ड की गई है।

पी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

नारीख : 24-10-1985

प्ररूप आर्घः टी. एन, एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 24 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं०  $3842/\Pi/85$ - 86—यतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. सं अधिक ही

भौर जिसकी सं॰ शास्त्रों नगर, सोसायटी, 46 है तथा जो बड़ीदा में स्थित है ('ग्रारइसस अपाबद्ध श्रनुत्वा में ग्रोरपूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रा इर्ता ग्रीधकारों के कार्यालय; बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख मार्च, 1985

- (क) वन्तरम वं हुइ किसी शाव की शावह, उक्त अभिनियम के अभीन कर द'ने के बन्तरक की यमिल्य में क्सी करने ये। उत्तर बचने में बुविधा के बिद; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

मतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), को अधीन, निम्नोलिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री मणीसरन छगनभाई पटेल
 शास्त्री नगर सोक्षाइटी०, निजामपुरा,
 बडौदा।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती दमयंती बहन नंदिन चन्द्र सोनी, छाजी, जिला—बड़ौदा ।

(भ्रन्तरिती)

को वह बुचना बाड़ी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं ।

अवस सम्पतित के अर्थन के भएनका में कार्य मी अफ्लेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक श 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदश व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किस का सकोंगे

### अनुसूची

मिलकयत जो बड़ौदा में स्थित है जितका कुल मूल्य 2,25,000 रुपए है और मार्च 1985 में रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया ात्रम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

सारीच : 24-10-1985

बाय हार लिंगितयम, 1960 (1961 का.43) की शारा 259-म (६) के अपीन सुबना

### भारत स्रकार

कार्यालय . सहाया आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 24 अक्तूबर 1985

निर्देश सं ० पी० आर० नं० 3843/II/85-86—यतः, मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम्' कहा भया हैं), की वाद 269-द के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० मकान 547 चौ० मी० है तथा जो रावपुरा, बड़ौदा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम से कम दृश्यमान शितकल के निए अन्तरित की गई है और मृझं यह बिश्वास करने क्षिरण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में शस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बच्चरण संहुई किसी बाव की वावत, उसक शीर्थानवम के बधीन कर दोने के बन्तरक के शांवरव में कभी करने वा तबसे वचने में सुविधा के जिए: सीर्थका
- (क) एसं, किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जो, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, का जन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्रीमती कमलाबेन कमलाकर पागेदार मटरुछाया, बम्बई।

(अन्तरक)

2. गिरिजा रीयल इस्टेट डवलपर्स तरसाली, बड़ौदा ।

and the control of th

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं !

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की हारीय से 45 दिन की जनिय या तत्सवधी व्यक्तियों अव सूचना की तामील से 30 दिन की जनिय, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तबह्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए सा सकेंगे।

स्पष्टिंगिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जनसची

मिलिकियत जो बड़ौदा में स्थित है जिसकी कुल म्ल्य 5,21,000 रुपए है श्रौर मार्च 85 में रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया सक्षमं प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 24-10-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ' टी. एत. एस.----

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन मुचना

भारत सरकार

कार्जालय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 14 अक्तूबर 1985

निर्देश सं०पी० आर० नं० 3844/II/85-86—यतः, मझ. जी० के० पंडया,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हैसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० आफिस नं० 905, बम्बई मार्कीट है तथा जो उमरवाड़ा, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद 37ईई के अधीन, तारीख 2 फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्य-मान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्ट अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक के खिस्टा में कभी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/धा

चतः वतः, उक्त द्रीधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 209-घ की उपधारा (1) के बधीश, निम्बलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  बोम्बे मार्कीट आर्ट सिल्क को-ग्रो० सोसायटी, उमरवाड़ा सुरत।

(अन्तरक)

 मै० राम टेक्सटाइल आर० ए० मक्कर, चांदनी चौक, दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह स्थना बारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हिस्तबहूण किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्यष्टीकरण: ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वीधनियम के प्रश्वाय 20-क में परिशाधित इ वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### मन्स्यी

फोर्म नं० 37-ईई इस कार्यालय में 2-2-85 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 24-10-1985

वक्त बार्च हो एक.एव .-----

काशकार क्षिपित्रम, 1961 (1961 का 43) कहीं भारा 269-व (1) के अ**धीर स्वता** 

#### नारत सरकार

श्वार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिमांक 14 अन्तूबर 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3845/II/85-86—यतः, मुझे, जी० के ० पंडया.

जायकर अधिनियम, 1961 (1951 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं अाफिस नं 1003 बोम्बे मार्कीट है, तथा जो सूरत में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में 37-ईई के अधीन, तारीख 2 फरवरी, 1985 को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वंत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त प्रथितियम के अधीन कार तान के अन्तरक ही राधिक में समी कारने या उससे क्याने में मृद्धि के किया: कीर्यका
- (क प्रेसी किसा आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या (न-४) ऑधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गार भा या किया अना चाहिए था, छिपाने में सविधा के किए;

ंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-स के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) को उक्षीत, निम्नसि**धित व्यक्तियों, वर्षात् ह—**—  बोम्बे मःर्कीट आर्ट सिल्क को-आप० सोसायटी, उमरवाड़ा, सूरत

(अन्तरक)

 श्रीमती जीजावती रमण लाल ग्रौर अन्य रामपुरा रोड़, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में के किए में क्रिक्ट स्वाप्त
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 कि मीए कि म्यान समाति में दिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए क मकेंगे।

स्थिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गगा हैं।

### अनुसूची

37-ई ई का फोर्म इस हायलिय में 2-2-85 को पेश किया गया है।

> जीं० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबा दे

तारीख: 14-10-1985

त्रकत बाह<sup>र</sup>ु टी. एव<sub>ं</sub> एत , ------

बाधकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-व (1) के वधीन सूचना

#### हाइस वास्त्राह

# क्रमांस्थ, बहायक सायकार नामुक्त (निद्वासन)

अर्जन रेंज-ा, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 14 अन्तुबर 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3846/II/85-86---यम:, मुझे, जी० के० पंडया.

नायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) (विसे इससे इसके प्रभात 'उक्त अधिनियत' कहा गमा ह"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रोफिस नं० 508, श्राम्बे मार्कीट है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में 37-ईई०के अधीम, तारीख 2 फरवरी, 1985

को पूर्वीका संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से

एसे उदयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जंतरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण लं हुई किसी नाम फी नामत, उत्त विधिनियम के अभीन कर दोने के बन्सरक के दाबित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के किए; बीर/बा
- (u) (मी किसी जाय या किनी भन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा. कियाने से सविधा में लिए:

बत. ६४, उसत विधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण बे, में विक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---47---356GI/85

1. बाम्बे मार्कीट आर्ट सिल्क को-ध्रो० सोसायटी. उमरवाङा, सूरत ।

(अन्तरक)

2. मै० श्रीकान्त सीता राम शारदा एम० जे० मार्कीष्ट, बम्बर्छ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्धन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 विन की अवधि वातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ याद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींकर नप्रश्वितामां को से स्थिती **न्यानित बुवारा**;
- (वा) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीवा सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवदथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पान लिकित में किए जा सकरेंगे।

स्थळीकरणः ---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदो का, बो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया 🗗 🛚

### अनुसूची

37-ई ई का फोर्म इस कार्यालय में दिशांक 2-2-85 को पेश कियागया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 14-10-1985

प्ररूप आह्<sup>र</sup>.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज- $\mathbf{I}$ , अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनां ह 14 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० पी० आग्० नं०  $3847/I^{I}/85-86$ —श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

ष्ठायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण- है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रौर जिसकी सं प्रलैट जे, 505, इंडिया टैक्सटाइल मार्कीट, है, तथा जो सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वांणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में 37-ईई० के श्रधीन, तारीख 4 फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के जीवत वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जियत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान जीविक से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्गष्ट प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- मै० संजीय प्रिमाईसीस को-स्नौ० रिज०,
 रिग रोड़, सूरत।

(भ्रन्तरक)

 श्री संदीप कुमार लोहिया, कलकत्ता-37 ।

(भ्रन्तरिती)

,को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के और्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा धिरभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

### वन्स्वी

37-ई ईका फोर्म इस कार्यालय में दिनांक 4-2-85 में पेण किया गया है ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 24-10-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस्।.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्स (निरक्षिण)

श्चर्णन रेंज-1, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाीाद, दिनांक 14 श्रक्तुबर 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3848/2/85-86—यतः मुझे, जी० के० पंख्या,

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/-रु से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० दुकान नं० टी-2115, बोम्बे मार्कीट है, तथा जो सूरत में स्थित है (भीर इससे उराबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 11 मार्च, 1985

की प्थेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रिक्तल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्णिकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहुद्दाकसी आयं का बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  श्रीमती सरस्वती बेंन मोहन लाल अथवा लाईन्स, सूरत

(अन्तरक)

 श्री बमंती लाल रोशन लाल सलाबतपुरा, सूरत

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्ति यों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

भण स थाँ।

दुकान जो सूरत टैक्सटाईल्स मार्कीट सूरत में 2176 नम्बर पर 11-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के०पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 14-10-1985

## त्रसम् भाद्गे.टी.एन.एत.,------

# गायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बंधीन सूचना

#### भारक करकार

# कार्यासय, तहायक नायकार नायुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज-1, श्रमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1985 निर्वेश सं० पी० भ्रार० नं० 3849/2/85-86——यतः मुझे, जी० के० पंडया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्सें इसके परवात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269--व के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंसि, जिसका उचित बाजार कृष्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान, गोधरा है, तथा जो गोधरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूत्री में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गोधरा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13 मार्च, 1985

को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वभाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से अभिक है और मन्तरक (मन्तरकों) जौर बन्तरिती (अन्तरितिवाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण च्लिक्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुइं फिली बाब की बाबस, उपक विभिन्निया के अभीत कर दोने के अन्तरक की दानित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के फिए; बॉट/बा
- (च) एसी किसी या किसी धन या अन्य असित्यों को जिन्हें भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए।

नतः जन, स्वतः नीभृतियम की भारा 269-ग के अनुसरण में में, उनत अभितियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जभीत, निम्मिसितित व्यक्तिस्थों, अभृति :---

1. श्री नरेन्द्र कुमार रतीलाल सूबे गोधरा (पंचमहरू)

(भ्रन्तरक)

2. श्री मुहम्मद हुसैन कुरबान हुसैन मीठीबोरवाला गोधरा (पंचमहल)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मात्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सन्दर्शित के अर्थन के अंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत तुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूमना की तासीस से 30 दिन की सर्वाध, जो औ सम्बंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वित्यों में से किसी स्वनित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबध्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए का सकोंगें।

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभावित ो वर्ष होगा जो उस वध्याय में दिया

#### arrest.

मकान जो 6 गोधरा में स्थित है जिसका कुल मूरुय 2,50,000 रुपण है भ्रौर दिनांक 13-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

मोहर: 15-10-1985

मोहर 🕄

प्रकम अक्षिः, टी. एवः एवः ------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ध्वर्जन रेंज-1, घ्रहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनांक 15 श्रन्तूबर 1985 र्रें

निर्देश सं० पी० झार० नं० 3850/2/85-86---यतः शृमुझे, जी० के० पंडया,

लाभकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह मिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 415/24, गांधीनगर है, तथा जो गाँधी नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विज्ञित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 मार्च 1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के जिल्ला बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निकित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि विद्या में नाम्सविक क्य से कियन नहीं किया गया है :—

- (क) वितरण ते हुई किसी आय की वाबत, उपत अभिनियम के अभीन कर घेने के अन्तरक जै बाबित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के बिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाब का किसी भन या अन्य कास्सिबों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहरी किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थितने में सुविधा के लिए।

जतः अध्, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के जनुसरण मी, मी, इक्ति जीभीनियम की भारा 269 घ की लेपभारा (1) के जभीतः सिम्नलिक्ति व्यक्तिकारीं अभीतः :--  परीख कुबेरदास प्रभुदास कापड बाजार, कपड्वंज

(भ्रन्सरक)

2. श्री गिरीश मधुकर गुप्ता सेन्टर—22 गांधीनगर

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वों क्स सम्परित के कर्जन के सिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

बक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🛌

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्कान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विषिध माद में समाप्त होती हो, के जीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकती।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

# **पनु**सूची

पलैट जो गांधीनगर में स्थित है जिसका कुल मूल्य 2,15,000 रुपए है और 28-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है। जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, भ्रह्मदाबाद

सारीच : 15-10-1985

# प्रकृत कार्य . टी . युन् , एक , ल्लान्य व्यवस्थान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

### नार्त बहुकाह

# धार्याचय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, श्रष्टमदाबाध

श्रहमदाबाद दिनांक 14 श्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० पीं०थार० नं० 3851/॥/85/86—⊸ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्थात् 'उकत अधिनियम' कहा नया है"), की भारा 269-व की अभीव सक्षम प्राचिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्मतित, जिसका उचित वाजार मुक्य 1,00,000/- रह से अधिक है

और जिशकी संव दुशान नंव एल-19, बाजि मार्कीट, है तथा जी जमरबाग, सूरत में स्थित है (और इश्वे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्णक्रप से विणित है), रिजस्ट्रीवर्ता अधिवारी के वार्यावया, सूरत में रिजस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख 22-3-1985,

करे पूर्वीकत संपरित के तिकत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिक्त के लिए अस्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यकान प्रीतिक्त से एसे दश्यमान प्रतिकत के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरियितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्य पाया गया प्रतिकत, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में भास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरक वे हुई कि बी नाम की नामय, उक्स विभागम के अभीय कर दोने के बन्तरक के दायित्व के क्रमी करने या उत्तत बचने में तुनिधा के हैं क्रमी दें
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, ख्याने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरक में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) है अभीन, निम्नसिधित व्यक्तियमों, अर्थाब् क्र---  शाह मोहनलाल दानमल मटी,
 जिला-सूरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) उषासरन जी० बग्गा सहयोग सोमाइटी सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिख कार्यवाहियां करता हु:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बविध या नत्संबंधी व्यक्तिमाँ पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकावन की तारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बत्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त विभिन्नमा, के कथ्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **धम्स्**ची

बुकान नं० एल-19 जो उमरबाखा में स्थित हैं। सब रजिस्ट्रार स्रस में 6252 नं० पर दिनांक 22-3-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पं**ड**या सक्षम प्राधिकारीं सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 14-10-1985

# श्रक्ष बाह् .टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

#### धारत सरकार

# कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रें ज, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद दिनांक 14 ग्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3852/II/858/6-- अतः मुझे, जी०के० पंडया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की क्षारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव दुवान नंव 20, बाम्बे मार्कीट है तथा जो उमर वाडा सूरत में, स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूर्ची में और पूर्णरूप से विणित है), रिवस्ट्रीति कि हिटार्र, वे वायित्र, स्वत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-3-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल में, एसे द्रश्यमान प्रतिफल में एसे द्रश्यमान प्रतिफल में क्वार कन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में सम्बद्धिक रूप से कथित नहीं किया गया ही:——

- (क) नत्रण से हुई किसी नाव की बाबत, उक्त विधित्तियम के अधीन गार दोने को जन्तरक वे दाणित्य को कामी कारन का उनमें बचार में मृतिया के सिए; जीर/बा
- (क) एसी किसी बाब वा किसी धून या बन्य बास्त्यों का, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया का कर्षण था, लिएको हो स्विका के सिक्

कतः । अब उक्त अधिनियम की धारा २६३-ग के जनुमरण के , में , उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ को उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थातु :---

(1) मे० हरिहर सिल्ट ट्रेडर्स, रामपुरा, मुख्य मार्ग, सूरत ।

(ग्रन्तरःः)

(2) खमानभाई सोहनलालजी, बाम्बे मार्कीट, उमरवाडा।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षंप ----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की स्वधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य किसी बन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकी।

स्पब्दीकरणः - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा के उस अध्याय में दिया क्या हैं।

# त्रनुसूच<sup>ि</sup>

दुकान जो उमरवाडा, सूरत में स्थित है, सबरजिस्ट्रार, सूरत में 2593 न० पर दिनांश 22-3-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जीं ब्लें व पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, स्रहमदाबाद

तारीख: 14-10-1985

प्रकल बाह्र', टी. एन. एष.

# नावकर निर्माणवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नवीन क्यान

#### श्रारतं सरकार

कामांसम , सहायक नामकर नामुक्त (नियासका)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमधाबाद, दिनांक 14 श्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० पीं० भ्राप्त नं० 3853/।।/85-86 भ्रतः मुझे, जीं० के० पंड्या,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और त्रिसकी सं० 93, जमालपारा, नवसारी है, तथा जो नवसारी, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्णरूप से पणित है), एजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकर्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-3-85

को प्रांक्त सम्पत्ति ने उचित बाबार मृत्य से कम के क्यमान वित्यस के सिए अव्यक्तिक की वर्ष है और मुझे वह विक्यास करने का कारण है कि वयापूर्वेक्त सम्वत्ति का उचित बाजार मृत्य उनके स्ववनान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरिक के लिए तब पामा गमा विकास कि कि कि कि कि कि कि कि सिंह के सम्वतिक संविक्त के सिंह के कन्तरित के सिंह के सिंह के सम्वतिक से सिंह के सिंह क

- (क) बन्तरक से हुई किसी बाव की वावत, उक्त जीभीनवम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वावित्व में कनी कर्त वा उच्च वक्त में बुविधा के लिए: और/मा
- (श) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उच्छ जीविनयम, वा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था जा किया आना चाहिए वा, जिनाने जो त्यिभा के विका;

अतः अव, उक्त विधिनियम, की भारा 269-न के बन्दरक , की, पक्त विधिनियम की भारा 269-स की ल्पान्स (1) अधीन, विभनिसिस व्यक्तियों, स्थिति :---- (1) श्रह्मद ईशाः जोगी और श्रन्य, नवशारी ।

(भ्रन्तरक)

(2) शिवप्रभानीकुरपा को० ग्राप० हाउसिंग मो० रामजान दहयाजाल पंड्या, नवसारीं।

(ब्रन्तरितीं)

को यह सूचना वारा करके पूर्वीक्ष्ठ संपत्ति के अर्चन के निए कार्यवाहियों करता हो।

क्क्य कम्परित में अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बालेप:--

- (क) इस सुक्या के राक्यत को प्रकाशन की तारीं से तर दिन की अवधि या तत्सवंधी कार्यित्यों पर नृक्या की कामीन के 30 दिन की अवधि यो भी क्यूटिंग के को कामीन के विकास को होते हो, के बीचर प्रविकास के से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान को नाजवन यो प्रकाशन की बारीस से 45 दिन को भीतर जनन न्यावर संपत्ति में हित्तवक्ष किसी अन्य न्यक्ति क्वारा, वभोहस्ताक्षरी के पास लिकिस में किस का सकींगे।

स्पाक्तीकरण: इसमे प्रमुक्त सन्धां और पदा का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं के हिल्ला जो उस अन्याय में विश्ली स्या हैं।

### **ध**न्स्**धी**

मिल्यत जो जमानगारा जि० तक्षमारा में स्थित है 736/85 दिनांक 28-3-85 में रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायह श्रायकर श्रायक्त निरीक्षण) श्रजैन रेंत्र-1, श्रहमदाबाद

तार/ख: 14-10-1985

मोहर .

# प्रकृष आर्च ,हो . एतं . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाघ

प्रहमदाबाद दिनांक 14 प्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3854/॥/85-86--- ग्रतः मुझे, जी०के० पंडपा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

सीर निवकी संश्मात नापी नंश 482, वार्ड नंश 2, है तथा जो नापी में स्थित है नसें (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप सेविंगत है), ( रिल्ड्रिकर्ती अधिकारी के तायिका, पारडी, में रिल्ड्रिक्ट्रिकर्ता अधिकारी के तायिका, पारडी, में रिल्ड्रिक्ट्र

भी पूर्वोक्षण सम्पत्ति के उन्तित काजार मृल्य से कम के रव्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित जाजार मृन्य, उसके रव्यमान प्रतिकल में, एसे रव्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकृत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

कतः कवः, उत्तर त्रिभिनयमं की धारा 260-ग के क्रम्मरक मैं. मैं जात अधिनियमं की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अभीनः रिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १----48--356GI/85 (1) मृभताज सुल्तान प्रधान नैनः धमन जंपा बाजा बहोदा ।

(भन्तरक)

(2) श्रीं शाहजादा हाजी मोहमद सापीवाला, बदार रोड, बापी, जिला-सलसाड़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को कर्जन के लिख कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) लय स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है ्, दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धींकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

# वन्स्ची

मिरुशत जो वापी में स्थित है। सब रजिस्ट्राए पानी में 201 नं पर दिनांक 26-3-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० क्षे० पंडया सक्षम प्राधितारी सिहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

तारीख: 14-10-1985

मोहर

प्रकृष आहे. दी., एवं . एवं हा लक्कान्ट्रजन

बायकर बॉधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-प (1) जी बजीन न्या

#### प्राप्तम सुरक्तर

क्षवालय , अनुस्यक अध्यक्त र अध्यक्त (विद्रीक्षण)

म्रर्जन रेंज ॥, श्रहमदाबाद म्रहमदाबाद, दिनौंक 14श्रक्तूबर, 1985

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 3855/।।/85-86-- श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

बावकर क्रिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पण्याल 'उक्त मिपिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन शक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मुख्य 1.00.000/- का से अधिक हैं

भ्रोर जिसकी सं० जमीन भ्रोर मकान वापी 2344 है, तथा जो वापी में स्थित है (और इससे उपाबंद्ध श्रनुसूची में भ्रोर पूर्णरूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पारडी में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीवीन, तारीख

को प्वेंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मफों यह विक्वाल करने का कारण है कि गशानवींचर गंपनि का जिल्हा राजार मृत्य सकते दृष्यमान प्रतिफल को पन्दृह प्रतिकार से अधिक है और अन्तरक (कन्तरकों) और अन्तरित्री (जन्तरित्रों) के पिए एपे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलीबत उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तरिक क्य से कींचत कहीं किया सवा है "

- (क) जंतरण से हुए किसी आय की बाबत, जबत विधिक विवय को सधीन कर बोने के उन्तरक के दाशिए कें करी करके या उससे बचने कें सुविधा के डिल्ट: बीर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1972 (१९८० का १६) के कुट अधिनियम, 1972 के कुट अधिनियम, 1972 के कुट अधिनियम, १९३७ के कुट अधिनियम, १९३७ के विकास प्रकट महीं किया गर्म था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुरिक्षा के निए;

जत: शब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण जें, में, उक्रन अधिनियम की भारा 269-व की जपधारा (गें के अधीन, निम्निसिंख व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) शाहशैकरलाल वेनामी वापी सा० पारडी ।

(मन्तरक)

(2) शाह मूलचन्य मिश्री सास वापी ता॰ यलसाड ।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्मनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तासील से 30 दिन की बविध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितर में से किसी स्थित दवाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास बिदित में किए वा सकेंगे।

स्पद्धीकरण ह-इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्क बीधनियम के बध्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया स्या हैं 5

### जनसर्ची

मिलकत जो बापी में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, पारडी में 390 मं॰ पर दिनौंक 15-3-1985 को रजिस्टर्ड की गई है। जी॰ के॰ पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रैंज-11, भ्रहमशबाद

तारीख: 14-10-1985

भाहर 🛊

प्रकप् , बार्च, टी. एन , एस्. - - - -

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज II, धहमदाबाद

म्रहमवाबाद, दिनौंक 24 भक्तूबर 1985

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 3856/II/85-86 श्रतः मुझें, जी० के० पंडया,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उित्व बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं उमरवाडा, रिंगरोड, टी० पी० एस० नं० 8, है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपावत अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री क्रा श्रिवकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 25-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिख्वास करने का कारण है कि युभापूर्वोक्त संपास्त का जीवत् बाजार मूल्य उसके धर्यमान प्रतिफल सं, एसे धर्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तर्कों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ् बावा गया प्रतिफल निम्नितिषित सं बुदेश्य हो उनत अन्तरण बिद्वित में बास्तविक क्य से क्षित नहीं किया प्रवाह है।

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य वी कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियां का. जिन्हों भारतीय आय-कर आधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, 22 धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था खिपाने में सुविधा के सिए;

बतः कव, उक्त मिनियम की भारा 269-ग के बन्तरण में, में, उक्त मिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् स्र--- (1) धनभुखलाल ग्रात्माराम जरीवाला नवापुरा, सूरत।

(ग्रन्तरक)

(2) टेक्सटाइल्स ट्रेंडर्स एसोसिएशन, रिंग रोड, सूरत ।

(प्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करवाँ पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन ही हैंबधू कार्यवाहियों करता हैं कि

बन्द सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अवधि था तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाचन की तारीब ले २० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में रूपप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भी पर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अल्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सर्दें थे।

. स्वच्छीकरण :---हरण्ये प्रयुक्त शब्दों अर्था, पवाँ का, वा उक्छ अधिभ्यम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अभ्यास में दिया ग्या है।

### **प्रन्**सूची

मिलकत जो उमरबाडा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 2825 नं० पर दिनौंक 29-3-1985 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज II, श्रह्मबाबाट

तारीख: 24-10-1985

में≀हरः

प्ररूप आई. टी. पुन्, पुस्, अन्यसम्बद्धाः

बायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-भ (1) के अर्थन स्वना

#### प्रारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-II, महमदाबाद

महमदाबाव, दिनाँक 24 अक्तूबर 1985

निदेश सं० पी० मार० नं० 3857/11/85-86— मतः मझे, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात् 'उनन अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मीर जिनकी सं ० 8पैकी, 138 प्लाट नं ० 10 है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्गरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अविकारों के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण मित्रित मित्रित अविकारों के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण मित्रित्म , 1908 (1908 का 16) के अवीत, तारीख 29-3-85 को पूर्वों कर सम्पत्ति के जिसत बाजार नृत्य सं कम के ध्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उनित बाजार मून्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से विधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेर्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है 4—

- (क) जंतरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाव वा किसी वन वा बन्य जास्तिथी को, जिन्हें भारतीय आयकार वृधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः वनः उक्त विधिनियम की भारा 269-ण को बन्तरण को, को, उक्त विधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) को वधीन, निम्हिलिखित व्यक्तियमों, वर्षा ७ स्ट (1) कीरीट दयाराम जरीवाला गोलमण्डी, सूरत ।

(घन्तरक)

(2) टेक्सटाइल्स ट्रेंडर्स एसोसिएशन, सूरत टेक्सटाइल मार्केट रिंग रोड, सूरत ।

(भग्वीसी)

का बहु सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पर्टित के वर्जन के जिए कार्यकाहियां कारता हो।

उक्त सुम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रकेत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याय:
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रसूचत जन्दों और पदों का, जो जनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित इं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### ध्य तुपू सी

प्लाट नं 0 10, जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 2829 नं 0 पर दिनोंक 29-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया सदाम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-II, महुमदाबाद

सारी**ख**: 24-10-1985

मोहर 🛢

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-II; प्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिनाँक 15 मन्तूबर 1985

निदेश सं० पी० भार० नं० 3858/II/85-86-- म्रतः मुझे, जी०के पंडया,

सायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहे से अधिक हैं

श्रीर जितकी सं० मकान-गोः या एक जो० नं० 233/1 है तथा जो 33/2/1 गोदरा में स्थित है (श्रीर इससे उराबद्ध श्रनुपूत्रों में धीर पूर्णरूप से विणत है), रजिल्ड्रोकर्ता श्रविकारी के कार्यालय, गोदरा में रजिल्ड्रोकरण श्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन, हारीख 13-3-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रितिकल के लिए प्रस्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पर्वाह रित्यात से मिधिक है मीर प्रस्तरक (अस्तरकों) मीर अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया विश्वसः, निम्नलिधित उद्देश्य से उन्त ध्रस्तरण विश्वत विश्वत क्या से कालत कर से कालत नहीं कथा प्रया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि -नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बखने में सुविधा के लिए; कौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से ब्रिका के निष्;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिखित स्युक्तियों, अर्थात् के (1) श्रीमतीं श्यामलाल बहुत लस्तुभाई दूवें, कलोल, गोदरा।

(भ्रन्तरक)

(2) मोहम्मद हुसेन कुरमान हुसेन माडीबारें वाला, गोवरा।

(मग्दरियो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं खें ते 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकांगे।

स्पट्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम,, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया ग्या है।

### अनुसूची

जमीन जो गोइरा में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, गोइरा में 597 नं पर दिनौक 13-3-85 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भजंन रॅज-II, शहमदाबाद

**सारीख: 24-10-1985** 

प्रस्य बार्यः ही. एत्., १स.,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरक्षिण)

प्रजंन रेंज-II, प्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिनोक 24 मक्तूबर 1985

निशर्दे सं० पी० सार० नं० 3859/II/85-86—मातः मुझे, जी०के० पंख्या,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० बुकान नं० 3126, सूरत टैक्सटाईल मार्केट, है, तथा जो सूरत में स्थित है, (और इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वाणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8-3-1985

को प्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाउवांकत सम्पत्ति का उचित बाजार बुख्द, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है...

- (क) बन्तरण वे हुए कियी बाग की बावल, उनक ब्रिपिन्वन के अभीत कड़ बने के बन्तरक के ब्रिपिन्व के कनी कड़ने वा उनके न्यान के ब्रिप्त के सिए; ब्रीड/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या किसी जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ जन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, कियाने में सूनिया के सिए;

कतः कव, उक्त किथिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन, निस्निविधित व्यक्तियाँ, वर्धात् (1) मै॰ दीयक टैक्सटाईल, ग्रार० एम॰ जरीवाला, खरादी शेरी, श्रोपा खाजार, सुरत।

(मन्तरक)

(2) जूनेजा, टैक्सटाईल, एम० टी० जूनेजा, रामनगर, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्पन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्या व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिसम्बद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया नया है 🏗

#### मन्त्रम् ।

दुकान नं 0 17, जो सूरत टैक्सटाईल मारकेंट में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 2137 नं 0 पर विनोक 8-3-85 को रजिस्टर्ज की गई है।

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 24-10-85

मोहर 🖫

प्ररूप आहुं.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भाग्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-II, अहमदाबाद भहमदाबाद, दिनांक 24 श्रक्तुबर 1985

निदेश सं ० पी० श्रार० नं० 3860/II/85-86--- यतः मुझे, जी०के० पंडया,

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/~ रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० दुकान नं० 3086, सूरत टैक्सटाईल मारकेट, है तया जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यात्रय, सूरत में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक 18-3-1985

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दरणमान वितिष्ठत के लिए कम्मरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि संभापवोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिष्ठल से, एसे दृष्यमान प्रतिष्ठल का नृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिष्ठल से, एसे दृष्यमान प्रतिष्ठल का नृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिष्ठल का नृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिष्ठल का नृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिष्ठल का नृत्य प्रतिष्ठत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पामा च्या प्रतिष्ठल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी काय की बाबत अक्त अधिन नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किशी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनु-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विक्षा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-य क अन्सरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्री चिमनभाई मदान भाई, जरीयाला, मोटी शेरी, सूरत ।

(भन्तरक)

(2) मैं एल के सिरुक, कीरीटमल लाल चन्द, बेंगमपुरा, सूरत ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के कर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

त्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा थो उस अध्याय में दिवा नमा है।

# धम् सूची

दुकान जो सूरत टैक्सटाईल मारकेट में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार, सूरत में 2426 नं० पर दिनांक 18-3-85 की रिजस्ट्रई की गई है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सस्यक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज-II, द्यहमदादाव

दिनांक : 24-10-1985

# प्रचल ब्राइट्टि <u>टी. एक इ</u> एक <sub>य</sub> कर करन

# आयकर जीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन सुचना

### शास्त बर्डकार

कार्याक्षक, बहायक जायकर जास्कत (निराक्षक) धर्णन रेंज-गा, अहमदाबाद

भ्रहमदाबाष, दिनांक 24 भ्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० पी० भार० 3861/II/85-86—यतः मुझे, जी०के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृज्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

मीर जिसकी सं० प्लाट नं०बी है, तथा जो उधना, उद्योगनगर उधना, में स्थित है (भीर इससे उपावद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन दिनांक 22-3-85

को प्योंक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार बस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया वितिकृत, निम्नितिबत उद्देश्य से उन्त अन्तरण निश्चिष्ठ में बास्तिकृत कम्मिन क्या के किए तथ पाया विश्वास

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की वाचत, उज्ज जिभिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने मा उससे वधने में सुविधा के सिए; ज़ांड/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वें प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जत: जब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-म के जनसरण क्रं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीर निम्निजिति व्यक्तियों, क्रव्या :---

(1) पल्वराईज मेटल्स, : मागीवार: श्री भूपेन्द्र गुणवंत भाई पटेल श्रीर श्रन्य, उधना उद्योगनगर, सुरत ।

(भन्तरक)

(2) श्री रमेशचन्द्र उमया शंकर पंड्या, भीर भन्य उधना, उद्योग नगर , सूरत।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के सिष् कार्यगाहियां करता हुं।

सकत सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्त की 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तं अभिष्यम, क अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **जन्**स्ची

मिलकियत जो उधना, उद्योगनगर में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार सूरत में 1664 नंबर पर मार्च, 1985 में रिजस्टडं की गई है।

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, भहमदाबाद

दिनांक: 24-10-85

मोहर ३

प्रस्प आई.टी.एन.एस.-----

बाग्कर विधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के वधीन स्वना

### भारत सरकार

धार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीत रेंज-II, अहमदाबाद

ग्रस्मदावाव, दिनांक 24 ग्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० पी० म्रार० नं० 3862/II/85-86—यतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'एयत' अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिंमकी सं० वंगला नं० 39, शांतिनिकेतन सोपायटी है, तथा जो सूरत में स्थित हैं (श्रीर इसने उपाबद्व अन्म्ची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विजित हैं) रिजिम्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8-3-1985

को प्र्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूक्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह त्रिक्षास करने का कारण है कि यथापर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूक्यमान प्रतिफल से, एसे रूक्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में शस्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय कीं, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कीं दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- '(ख)' एमी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

सतः अत्र, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनिया की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन रिपनलिखिल करिक्षमें, कर्कात १---

49 -- 356GI/85

(1) मणीबहन, हरिभाई, शांतिनिकेतन सोसायटी, सूरत ।

(प्रन्तरक)

(2) छोटुभाई रणछोड़जी वगी, सुमुल डेरी रोड, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्धन के आइ कार्यनाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंकस व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के श्रंच लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

# जन्स्यी

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में
2134 नंबर पर दिनांक 8-3-1985 को रजिस्टर्ड की गई है।
जी० के० पंड्या,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज-म्ब, महमदाबाद

दिन'क: 24-10-85

मोहरः

प्रकार कार्य : द्रीन एक : १४ :-----

बाकक्ष मिरिनयम, 1961 (1961 का 43) की बाड़ा 269-म (1) के संधीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्यासन, सहायक नायकर आवृक्त (निट्रांसन)

म्रर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

शहमदाबाद, दिनौंक 24 शक्तूबर, 1985 निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3863/∏ 85-86—यन:मुझे, जी०के०पंडया;

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० वार्ड नं० 5. नोंद नं० 384/ए०, है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यासय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनौक 18-3-1985

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचिए बाजार मृत्य से कम के द्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और भूमें यह विश्वास कर? का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपरित का उचित बाजार बृत्य उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिस्त उद्घेष्य से उक्त अन्तरण विश्वित में बान्तिक रूप से क्षिण नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से सुद किसी आक की बाबत, सबत बीपीनबम के बभीन कात दोने के बन्तरुक हैं वाधितव में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के त्वार के करने
- (ण) एसी किसी नाम मा किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जेतिरिती द्यारा प्रकट नहीं किया भवा था या किया जाना चाहिए था, खियाने जे स्वीत्या के सिद्धा;

क्यः गवः, उक्तः गीधिनयम कौ धारा 269-ग के अन्सरण जो, मी, अधि गिधिनयम की धारा 269-भ की छपधारा (1) के अधीनः, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) कोकीलाअहन दलपतराम कुबेरदास, वाडी फलीया, सूरत ।

(मस्तरक)

(2) भायशाबीबी भव्दुल रहमान, हरिपुरा, भूरत ।

(मग्जरिती)

को यह शृचना भारी करके पूर्वोक्त सम्मित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना कि तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी वे पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

क्यस्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, थे। उक्त विधिनियम के अध्याय ?0-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया पंचा है।

# घनुसूची

मकान जो सूरत में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार, सूरत में 2420 नंबर पर दिनांक 18-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंडया, तक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रॅज-II, भहमदाबाद

दिनौक: 24-10-85

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-II, शहमदाबाव

महमदाबाव, दिनौक 24 मन्तूबर, 1985

निदेश सं० पी० भार० नं० 3864/II 85-86—यदः मुर्से; मुझे जी० कें० पंडया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृस्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० इमरवाडा, रिंग रोड, प्लाट नं० 11 है, तथा जो सूरत में स्थित है (श्रोर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विजत है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनौंक 29-3-1985

को प्रोंबर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उराके द्वयमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकात में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तम से सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के किए? और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् क्र—

 श्री रतीलाल बल्लममाई जरी वाला, वाडी फलीया स्रत ।

(अन्तरक)

 टैक्सटाईल ट्रेडर्स, एसोशियेशन, सूरत टैक्सटाईल मारकेट, मूरत ।

(श्रन्तरिती)

को यह गुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिद्ध कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितस्वूध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्दिकरणः --- इसमें प्रयुक्त कृष्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **मन्**सूची

प्साट नं 11, जो सूरत में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 2827 नंबर पर, दिनांक 29-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, श्रह्मदाबाद

दिनांक: 24-10-85

प्ररूप आई.टी.एन.एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

पर्जन रेंज-II, घ्रहमवाबाद

महमदाबाद, विनांक 24 प्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० पी० भार० नं० 3865/II/85-86---यत: मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से किधिक है

भौर जिसकी सं० 8, प्लाट नं० 13 है, तथा जो रिंग रोड, सूरत में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से थिंगत है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रविकारों के कार्यालग, सूरत सें रिजस्ट्रीकरण श्रविनियम, 1985 (1908 का 16) के भवीन विनौक 29-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आब ो बाबत, उक्त अधिक नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिओं को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए?

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण् के, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अं अधिन निम्निसित व्यक्तियों, अधित क्रिक्त  श्री श्रजय मानेक्लाल रेशम वाला, सुरत ।

(भन्तरक)

 टैक्सटाईल ट्रेडर्स एसोशिएशन, सूरत टैक्सटाईल मारकेट, सूरत ।

(श्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बन्स्ची

पलैट नं 13, जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरम सें 2828, नंबर पर दिनौक 29-3-85 को रजिस्टडं किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-II, भ्रहमदाबाद

दिनाँक: 24-10-1985

प्रारूप आई. टी.एन.एस. -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) से अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद

सहमदावाद, दिनौंक 24 श्रक्तूबर 1985

निरेश संभ्योभ्यार० नं० 3866/II/85-86—श्रतः मुझे, जी०के० पंडया

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जितकी सं० प्लाट नं० 15, श्रमखाडा, रिंग रोड, है, स्था जो सूरत में स्थित है (श्रीर इत्ते उताबद्ध श्रनुभूवी में श्रीरजी पूर्ण का से वाँगत है) रिजिन्द्रोक्ती श्रीयकारों के कार्यालय, सूरत में रिजिस्ट्रीकरण श्रीयितियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन दिनौक, 29-3-1985

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम् के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त संस्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिवृक्ष क्य से कृथित नहीं किया गया है ह—

- (क) बन्तरण सं हुइ किसी नाय की बाबत, उक्स किसी नियम की बन्तरक की वासरक में कमी करने या उससे ब्बने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्ति को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकेट नहीं किया भया या किया धाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा की लिए;

बत: बब: उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरच भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिश्चित व्यक्तियों, अर्थात्:—  श्री प्रदोग रतोलास जरीवाला, मुख्य मार्ग, सूरत ।

(भागतरह)

 टैन तटाईल ट्रेडर्स एसामिएसन, श्री डी० जी० माह, सूरत टैनसटाईल मारकेट, सूरत ।

(मन्दरितो)

वं । यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्राहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस हैं
  45 दिन की अवधि या तस्संबंधः व्यक्तियों पृद्धः
  सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोककः
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उन्दा स्थानर सम्मित में हित- बद्ध किती व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिख्य में किए का स्कींगे।

रम्प्यक्रिक्षण्ड—इसमें प्रयम्त सम्बाधीर पदी का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहते सर्व होगा जो उस अध्याय में दिया पंचा हैं।

# क्रम्स्ची

प्लाट नं० 15, जो रिंग रोड, सूरत में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार सूरत सें 2824 नंबर, पर दिनौक 29-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्रार्विकारी सहायक धायकर घायुक्त (निरोक्षम) धर्जन रेंज-II, श्रहमश्रवाद

दिनौक: 24-10-85

माहर:

प्ररूप बार्<u>स</u>्टी<u>.एन.एत.</u>------

बायक दुविनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सुचना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 14 मन्तूबर, 1985

निदेश सं० पी० अ/र० नं० 3867/II/85-86--अतः मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-फ. से अधिक **ह**ै

ग्रौर जिसकी संव टीवपीव एसव 8, पैकी 14 है, तथा जो उमरवाडा, सूरत में स्थित है (भीर इसस उपाबद भनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वोणत है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनांक 29-3-1985

का पूर्वाक्स सम्पात्त के उपिट वाजार मूल्य से कम कै अवयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उहके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल गिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया 🗗 🖫

- (फ) बन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत उपत विधन नियम के मधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसके बज़ने में सुविधा को लिए; ब्रॉर∕या
- (न) एसी किसी वाय या किसी भन या वन्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधितियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त मधिनियम, या भन-कर विनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा च्छे तिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) 📂 इधीन्, निम्नलिखित स्पन्तियों, अर्थात् ६---

1. श्री भरत कुमार, रतीलाल जरीबाला, सूरत ।

(मन्तरक)

2. टैक्तटाईल ट्रेडर्स एसोशिएशन, देवी लाल गाह, रिंग रोड, सूरत ।

(मतरिती

की यह सुचना जारी करके पूर्वोक्ल सम्पत्ति क वजन का लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना कै राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अर्वाध या तरलम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद गे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त म्यक्तियां में के किसी स्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्थाना को राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यन्तित द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उन्त लीपनियम, नः अध्याद 20-क मा परिभाषित हा, वही अर्थ हागित, जो उस अध्याय में दिया गवा 🗗 📗

# अनुसूची

प्लाट नं० 14, जो सूरत म स्थित है। सब-र्राजरू र सूरत में, 2826 नंबर पर दिनांक 29-3-1985 की रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ∙जी०के० पंडया, 🖁 सक्षम प्राधिकारी सरायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-एव, मस्मवाहाद

दिनांक 14-10-85 मोहर 🗧

प्ररूप बार्ड, दी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन म्चना

#### पारत सरकार

कार्यातय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

**म**र्जन रेंज-II, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 29 श्रवतुवर 1985

निदेश सं० पी० ऋंगर० नं० 3868/II/85-86---- अतः मुझे, जी० के॰ पंडया.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धीर जिसकी सं० वार्ड नं० 2, नौध नं० 4614 है, तथा जो सगरामपूरा सूरत में स्थित है (धीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में धीर पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-3-1985

को पूर्वे क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथाप्कें कित सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके रहसमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंबरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उवत अंतरण जिख्ति में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन आधिनियम, या भन-भर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए:

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के स्थीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—  तारा बैन, दयालजी देसाई मीर अग्य 32-ए-श्रीजंबम सोतायटी नवरंगपुरा, भहमवाबाद।

(ग्रम्तरक)

 श्री की मतवाई, जेठानन्द, लाल वानी,
 १-ए गीकुल नगर सिंदी सीताप्रटी मकरपुरा,
 वडीवा ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए व भवाहियां करता हो।

सकत सम्मत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) एस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि, ओ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में संक्तिसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्डीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया स्या हैं।

### धनसूची

मकान जो सूरत में, स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 2334 नंबर, पर दिनांक 15-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

णी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजीन रेज-II, ग्रक्षेनराजाव

विनोक: 29-10-85

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालदा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

> धर्जन रॉज-II, घहमदाबाद घहमदाबाद, दिनांक 28 घनतुबर, 1985

निर्देश सं० पी० घार० नं 3869/II/85-86— मतः मुझे, जी०के० पंडया

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० धुकान नं० 3218, सूरत टैक्सटाईल माहिट, है, तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अन्सूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय में, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक 8-3-1985

फो प्तोंकत सम्पत्ति के उपित बाजार मत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करते का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य. तरुके दृश्यमान प्रतिफल को एम्से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्यत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बीच एमें अन्तरण के लिए है पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत वस्तर्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरव दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सावधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता बाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

गतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्कित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री महेण्द्र शान्तीलाल तथा घन्य भंगलक्षास मार्गेट,
 वम्बई ।

(मन्तरक)

 श्री रमेश कुमार भोमप्रकाश भाटिया, रिग रोड, सूरत।

(मन्तरिती)

١,

को यह स्वतः जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहिणां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा यथाह्स्ताक्षरी के रास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त इन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

### अनुसूची

दुकान जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 2112, नंबर पर दिनांक 8-3-1985 को रिजस्ट कें किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक 29-10-85 मोहर :

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक नायकर वायुक्त (निरीक्षण)

प्रजीत जरेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 29 श्रक्तुबर, 1985

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 3870/U/85-86—- ग्रतः मुझे, जी० के० पंडाया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० सी-3022, सूरत टैंक्सटार्डल मारकेट, है, तथा जो रिंग रोड, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 8-3-1985

को प्रांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अने या अन्य जास्तियों करें जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया करें। या जिल्ला जाना चाहिए या, खिपाने में परिवास के किए।

अतः अधः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरणः में, मैं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-घ की उपधारा (1) में प्रधोन निम्निकित व्यक्तियों, अर्थातः :——
50—356G1/85

 नरेंन्द्र उद्योग, प्रा० लिमिटेड, डाईरेक्टर, श्रार० सी० जैन, नरीमन प्वाइन्ट, बम्बई ।

(ग्रन्तरक)

 श्री राजेण्यरप्रसाद के० गुप्ता, केश्चर श्राफ शोभा देडर्स, रिग रोड, सुरत।

(श्रन्तरिती)

को भट्ट सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहिया १-१० करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आअंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की दामील से 30 विन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकासल की तारीब से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह्म किसी जन्य स्थावत द्वार, वभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

म्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त अन्दों जीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

दुकान जो सूरत में स्थित है। सबरजिस्ट्रार सूरत में 2132 नंबर, पर दिनांक 8-3-1985 को रिजम्टर्ड की गई है।

जी० के० पं**डा**या, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक 29-10-1985 मोहर : प्रारूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) की धारा 269-भ के अधीन सुभना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदावाद

श्रहमदाबाद, दिनां । 29 श्रस्तूबर 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3871/II/85-86---ग्रतः मुझे, जी० के० पंडाया.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिहा बाजार मृत्य 1.,00,000/- गा. से अधिक है

और िसकी मं० वार्ड नं० 1, नौध नं० 864/ए/1, प्लाट नं० 601 है, तथा जो नानपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रींटर्ना अधिकारीं के ार्यालय, मूरत में रजिस्ट्रींटर्ग अधिकियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन दिनोग 14-3-1985

को पूर्वोवत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिल्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्ः— गिरीण ट्रेडिंग कं० ,
 60, किरलेंस्किर रेडि,
 वम्बई-400028

(भ्रन्तरक)

 मैसर्म यूनाइटेड इ डिया, इन्स्युरेन्स कं०. मूप्रीम चैम्बर्स रिंग रॉड, मुख्य ।

(भ्रन्तरिती).

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हूं।

उषत मम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारींख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन कें भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पटोकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### श्रनुसूची

फ्लंट न० 801, जो सूरत में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार सूरत में 2320 नबर पर दिनांत 14-3-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पं**ड**या, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-11, श्रहमदाबाद

दिनां रु 29-10-1985 मोहरः प्रक्ष बाह्य भी , एवं , एवं . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

### मारुव दरकाडुः

# कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-][,श्रहमदाबाद

अहमताबाद, दिनांक 30 श्रमतुबर 1985

निदेशसं० पी० श्रार० नं० 3872/II/85-86—⊷श्रतः मुझे, जी०के० पं**डा**या

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकीं संव फ्लैट 151399, चीव मीव मंडाली है, तथा जो जिला मेहसाना में स्थित हैं (और इससे उपावड अनुसूची में और जा पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय मेहसाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-3-1985

का पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपारत का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, 'नम्मिलिश्चत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में अम्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाधनार्थ जन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया नवा धा वा किया धाना चाहिए था, जियाने में सूब्धा डी किए;

क्रतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के बन्धरण प्रो, मी, उक्त अधिनिगम को भारा 269-च की उपधारा (1) ह अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :-- श्रीं कंघन **ब**ने, मोतीलाल दोशी, दो<mark>शीवा</mark>डी, विजापुर ।

(भ्रन्मेरक)

2. निरमा प्रा० लिमिटेड, पोपुलर हाउस, ग्राश्रम रोड, नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद-9।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्प्रति के अर्जन के सिए कार्बदाहियां करही हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना क राधपत्र में प्रकाशन की तारीचा के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी सर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीन।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयूक्त कव्यों और पर्यों का, आं सक्त विभिनियम, के अध्यास 20-का में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्यास में दिया गया है।

# अनुसूची

ृष्लाट जो मंडालीं, जिला मेहसाना में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, मेहसाना में 648 नंबर पर दिनांक 31-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जीं० के॰ पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, श्रहमदाबाद

दिनांच 30-10-85। मोस्र

# शस्त्र नार्यो वर्षेत्र सुरक्षा सुरक्ष क्रमान्यम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन सुचना

### जारत बहुकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन र ज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 30 श्रक्तूबर, 1985

निदेश मं० पीं० प्रार्० नं० 3872/II/85-86—प्रातः मुझे, जीं० के० पंडया,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचार 'उक्त मधिनियम' कहां गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकीं सं ० प्लाट नं ० 166, मंडाली है, तथा जो जिला मेंहसाना में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारीं के टार्यालय मेंहसाना में, रिजस्ट्रींकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 सा 16) के ग्रधीन दिनांक 29-3-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह यथा पूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके प्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नेलिखित उद्वरेग से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बच्चरण से हुई किसी बाद की बावस, कक्ट बीधनियन के बुधीन कर देने के बन्तुक कें शीयर में कमी करने ना अससे बचने में सुनिधा के निए; बॉट/ना
- ह) ऐसी किसी जाब या किसी अन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिस्तियों या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया जाना वा किया जाना वाहिए था, डियाने वें स्विधा के निर्द;

बतः वय, उपन विविधम की भारा 269-न के जन्तरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :----  श्रीमतीं लींतावतीं वेत जयतींताल गाह, वोषीं वाडा, विजापुर ।

(अन्तरक)

निरमा प्रा० लिमि०
 पोपुलर हाउस,
 ग्राश्रम रोड,
 ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के संसंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्विका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृजारा;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीश स 45 विनं के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सूच्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्वाकारणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों नीरु पदों का, वह उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित दूरी, बही अर्थ हरेगर को उस अध्याय में दिया

### अनुसुधी

प्लाट जो मंडालीं जिला मेहशाणा में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार मेहसाणा में 29-3-85 को रिजस्टिई किया गया है जिसका सुल मूल्य, 1,12,750/- रुपये हैं।

> र्जी० **के० पंद्रया** सक्षम प्राधिकारी हायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

विनांक: 30-1.0-1985

प्रकृप बाह् , हा . युव , वृद्ध . अन्य

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) अं तथीन स्वना

#### भारत सुरकार

कार्यातय, सहायक कायकर आयुक्त (निराक्षिक) अर्जन रोज-मा, श्रहमदाबाद

प्रहमदाबाद, दिना 🖯 30 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3874/II/85-86 – श्रतः मुझे, जी० के० पंडाया

जायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के वभीन सक्षय प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुस्य 1,00,000/-रा. से अधिक ही

आर जिसकी में ० प्लाट बनाइ ने० 16, मंडाली है, तथा जो जिला महसाना में स्थित है (आर इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिचस्ट्रीं ने श्रिधिवारी के बार्यालय, मेहसाना में रिजस्ट्रींकरण श्रिधिक्यम, 1908 (1908 वा 16) के श्रिधीन दिनों 29-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयंत्राव प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके स्वयमान प्रतिपत्त से एसे स्वयमान प्रतिपत्त का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पावा क्या प्रतिपत्त , निम्निजिस्त उद्यक्षित से उचित कन्तरण कि सिकत मिनिजिस्त उद्यक्षित से उचित कन्तरण मिनिजत में बास्तिवक रूप से कियत नहीं किया ग्वा है उ

- (क) जन्तरण से हुई किसी आज की बाबत उक्त बीध्रित्य से स्थीन कर योगे के स्फाइक से श्रीयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीड/बा
- (वा) एंसी किसी आध मा किसी भग मा सम्य वास्तियों का। जिन्हों भारतीय कायकर अधिक्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोद्यान्य जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया ववा वा बाहिए था छिपाने में स्विधा के किए;

अत: अत, उन्नत जीधीनयम की धारा 269-घ के अनुसरण में, में, धनत नीधीनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कि वर्धान, निम्नितिधित व्यक्तियों, वर्षाय मुक्त

 श्रीं कुमारपाल, रतीलाल दोशी, दोशीं वाडो, विजापुर ।

(भ्रन्तर्क)

 निरमा कॅमिकल वर्क्स;
 पोपुलर, हाउत, आश्रम रोड श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृशांकत संपरित के अर्थन के सिष् आर्यवाहिया करता हुएं।

उपत संपरित के वर्षन के संग्य में कोई भी जाओं। :---

- (क) इस सूचना के राजपश मा प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की क्ष्यधि, भी भी बद्धि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्रभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं वर्ष क्षेगा, जो उस वध्याय में विधा गवा।

# अनुसूची

प्लाट नं ० 16. जो मंडाली जिला मेहभाना में स्थित है। सत्र-रिक्ट्रार मेहसाना में 649-नंबर पर दिनांक 29-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारीं सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-H, श्रक्कमदाबाद

दिनांश: 30-10-1985

माहर:

HEAR MIN . 27. UN . WONDERSONNER

# जायकर मुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

## नारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज-II, ग्रहमधाबाध

श्रहडदाबाद, दिनांक 30 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० पीं० श्रार० तं० 3875/॥/85→86----ग्रतः मुझे जी० के० पंड्या,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रहा साजिशक हैं

और जिसकी सं० प्लाट दहेगाम है। तथा जो जि० ग्रहमदाबाद में स्थित हैं (और इसके उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण कप से ब्राणित हैं) रजिस्ट्रीयनां ग्रिधियारीं के कार्यालय, ६ हेगाम में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांस 22-3-1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षतमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्स निम्निंशित उद्शेष्य में उसत बन्तरण शिवित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया यया है —

- (क) बन्तरभ शंहुर्य किसी शाव की बावत, उक्त विधिनमध्य के वधीन कर योने के बन्तरक के वाधित्य में कनी कड़ने वा उद्दर्श वचने में सुविधा के सिए; सरि/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन वा बन्य बास्तियों कां, 'जिन्हें भारतीय बाय-कर बीधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बीधिनयम, 1922 का 11) या उक्त बीधिनयम, या अनकर क्रिंधीनयम, 1957 (1957 रा 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरती बुवारा प्रकट नहीं किया मवा था या किया बावा बाहिए वा, कियाने प्रवृत्विका के टिक्स के टिक

कतः वाव, अकत विधिनियम, की भारा 269-म के वनुष्ठरण मों, मों, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अथित् :--- (1) शास्त्रीनगर की० ओ० हा० सोसायटी कान्तीभाई बालाभाई दहेगाम।

(भ्रन्तर्ह)

(2) श्रीं जितेन्द्र कुमार परशोत्तम दास दोशी महीयल, जि० साय**ड** ।

(ग्रन्तरितीं)

को यह स्थान वारी करके पूर्वोक्त सम्मरित से वर्षन के विष कार्यगितियों करता हुं।

## उन्ह सम्पत्ति के वर्षन के सन्दर्भ में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यण में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, आ भी व्यक्तियाँ में समाप्त हाती हो, अभीतर प्रकार स्वाविध्यों में से किसी अविध्य दुवारन,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपर्तित में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए या सकोंगे।

स्वष्टीकरण: ---इसमे प्रयास शब्दों और पदों का, जो जक्स विभिन्तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय भे दिया गया हैं।

# **धनुस्**चीं

प्लाट जो दहेगाम में स्थित है। यब रजिस्ट्रार दहेगाम में 625 नम्बर पर दिनांत 22-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जीं० के० पं**ड**या सक्षम प्राधिकारीं स्टायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज-II, श्रहमदाबाद

दिनांक : . 30-10-1985

\_\_\_\_\_\_\_

# प्रस्य कार्य, टी., युन्, प्रस्तु------

भागभर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### मार**त** सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदावाद श्रहमदाबाद, दिनांक 30 श्रक्तुबर 1985

निदेश मं० पी० ग्रार० मं० 3876/II/85-86---ग्रतः मझे, जी० के० पं**ड**या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० जिमी। और महान, गेक्षी, है। तथा जो बड़ौदा में स्थित है (और इसमें उपाबड अनुसूची में और पूर्णरूप में बॉणन है). रजिस्ट्रीइर्ता अधिकारी के दार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीइरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रंबीन, दिनांक मार्च 1985

आ पूबों के संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूबों कर संपरित का उचित बाबार भूल्य, उसके इरयमान प्रतिफल से एसे इर्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरितिथों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का, निम्निलिसित उद्वेश्य से उक्त जन्तरण निस्ति में बास्तिका, निम्निलिसित उद्वेश्य से उक्त जन्तरण निस्ति में बास्तिका कर से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसि किमी बाब या किसी वन या बन्च वास्तियों करें, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या अनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ वस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गया वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

कतः अज्ञ, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कं, म<sup>ग</sup>, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) \* अधीन निजनितिक करिक्तकों, **कर्यात** क्रम्म (1) संजय कारपारेणन
पालाबीबेन भूपेन्द्र पटेल
फनेहपुरा,
बर्जीदा ।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री रज्नीकान्त मन्भाई पटेल 6-कृष्णकुंज जेवलपुर, वडौंदा ।

(श्रन्तरितीं)

का यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यभा**हियां कारता** हाः

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध के काई भी बाओप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं 45 दिन की जबिश या तत्सवंधी अयिक्तयों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी जबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वों कर स्वित्यों में से किली स्ववित्त द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अथोह्स्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकेंगे।

स्थळीक रणः — इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, थी अक्ट विकियम, के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा थी उस अध्याय में विया क्या हैंं।

## श्रनुसूची

जमीन और सकान जो गोवी बड़ौदा में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार बड़ौदा में मार्च 85 में रजिस्टर्ड की गयी है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारीं सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरी ग्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 30-10-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 263-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- ', अहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिलांक 30 अक्षतूबर 1985

निदेण सं० पी० श्रार० सं० 3877/∏/85—86-----श्रतः मृझे, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिपकी सं० श्रार० एस० सं० 79 है। तथा जो सुमान-पुरा, बड़ौदा में स्थित हैं (और इस्के उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण क्य से चिंगत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रविकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्री इरण प्रधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीत, मार्च 1985,

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाज र जल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के िक् कि रित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि अध्याप्रवेक्ति सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान ग्रीतफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आास्त्या को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिक्त व्यक्तियों, अधीन:——

 श्री सुनीलकुमार ईन्द्रलाल णाह रेमकोर्न, बडौदा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भरत ए० दिजीत नेपियन्सी रो**ड**, बड़ौदा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जर के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

#### अन्सूची

मिल्कत जो सुमानपुरा में स्थित ् ट्रार, बड़ौदा में मार्च 85 में रजिस्टर्ड की गयी है। जिसका कुल मूल्य 6,00,000/– काए है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-⊞ा, श्रहमदाबाद

दिनोंक : 30-10-1985

प्ररूप आर्हे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ब्रहमधाबाद, दिनांक 30 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० सं० 3878/II/85—86-----**श**त: मुझे, जी० के० पं**ड्**या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके देखात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिखास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट 2066, 2067, नवसारी है तथा जो नवसारी में स्थित है (और इपसे उपायं श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है). रिजिस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवतारी में रिजिस्ट्री हर्ण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिशीन, दिनां ह 8-3-85,

का प्रविक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के तिए अंतरित का गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निति सित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिन्यिम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व ने कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गौर/या
- (क) ऐंग्री किसी भाग या किसी धन या अस्य बास्तियां को, जिन्हें भारतीय आगफर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्क अन्तिरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना धानिए था, खिथाने से न्विभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—→ 51—356GI/85  श्री हिरालाल छोटालाल शाह मे० एच० मी० बाह एण्ड कं०, स्टेणन के लामने, सूरत ।

(भन्तरक)

(2) मे० सपना बिल्डर्स, एम० पी० रोड, बड़ौदा ।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संम्बन्ध में को**ई भी आक्षेप**ः—

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध मा तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब के किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पान 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तिणें पर लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्ल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

## अन्सूची

प्लॉट जो नवसारा में स्थित है। जिसका कुल मूल्य 3,74,321 — रुपए है। सझ-रजिस्ट्रार घमारो में 8-·3--85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंद्वया सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-,II श्रहमदाबाद

विनांक 30-10-1985 मोहर **बक्त्य आरह**े ही १५ तस.

# नायकार मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-व (1) के मधीन स्वता

## हारव दरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज⊸॥, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, धिनाँक 30 प्रक्तूबर 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० सं० 3879/॥/85-86--ग्रतः मृक्षे, जी० के० पंडया,

जासकर विधितिसम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इस्कें इसकें प्रचात 'उन्त विधित्यम' कहा गया हैं), की धाय 269-च के वृक्षीन समस प्राधिकारी को यह विश्वात करने का आरण हैं कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित वाबार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट 518 चौ० मी० नवसारी है। तथा जो नवसारी में स्थित है (श्रीर इतसे उपावब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनौंक 29-3-85.

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के इध्यवान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और नुभो यह निक्यास

करने का कारण ही कि यथापूर्विक्स सम्पन्ति का उचित वाजार भूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकाँ) और अक्सीरसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ नावा गया प्रतिफल निम्निसिखित उद्विष्य से उद्युख अप्रत्य विद्युखन

- (क) नन्तरण से हुई किसी नाथ की नानत, उनके निविषय के नपीन कार को के सम्बद्ध में वाजित्व में क्वी कहने के उनके नचने में कृषिका ले तिहा; क्षीर/या
- (क) एसी किसी बाद वा किसी थन या जन्म जास्तियाँ की विक्षं भारतीय आयं-कर मिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या थन्-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिमाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृत्ररण जे, जे, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा '') के अधीन, निम्नतिकित व्यक्तियों, अर्थाट :--- (1) श्रीमती कल्पनाराय नारायणी देसाई भाशा नगर, नवसारी ।

(अन्तरक)

(2) नारायण भ्रपार्टमेंट पी० डी० वेसाई, नवसारी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके नृवोंक्त, बस्म्स्ति के अर्थन के किय कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उनका उन्पृतिह को वर्षन को संबंध में कोई भी साक्षेप :---

- (का) इस त्याना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें
  45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तानीन से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतन पूर्विकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में दिन्द विद्या किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए वा सकोंगे।

पक्षीकरण — इसमें प्रवृक्त क्षम्यों और पयों का, जो उक्त जिथितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

# प्रनुसूची

प्लाट जो नवसारी में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार, नवसारी में 29-3-85 को रिजस्टर्ड किया गया है। जिसका कुल मूल्य 2,36,721/- रुपए है।

> जी० के० पंडया ्रेयक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅंज—II, श्रहमदाबाद

दिनांक : 30-10-85

# प्रस्क बार्ड . टी . एव . एतं . -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्याजव , सहायक वायकर वायुक्त (निरोक्तज)

धर्जन रेंज-II, धहमदाबाद

घ्रहमदाबाद, दिनाँक 30 ध्रक्तूबर 1985

निदेश सं० पी० स्नार० सं० 3880/II/85-86---श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जमीन श्रौर मकान नवसारी हैं । तथा जो नवसारी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का भा 16) के श्रधान, दिनांक 26-3-1985

कां पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मुल्य से कम के पश्यमान अन्सरित लिए की गर्द मभ्रे यह विश्वास करने का कारण है यथाप्वींक्त सम्परित का उचित बाजार मुख्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे दृदयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) आर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्द्रोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) मृत्यारम सं हुई किसी मानुकी नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाब वा किसी बन या बन्स बास्तिवाँ को, चिन्हें भारतीय बाब-कर विधिवयम, 1922 (1922 का 11) या उनत विधिवयम, शा धन-कर विधिवयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था, कियाने में द्विधा के लिए;

क्ता जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण प्राप्त अधितियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) श्री गुणवन्तराय नारायणी देसाई ग्राणानगर, नवसारी ।

(अन्तरक)

(2) एस० जी० देसाई, श्राशानगर श्रपार्टमेंट नवसारी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के क्षिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उपरा संगत्ति के अपने की संबंध में कोई भी शाओंब :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि यद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त भ्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  विविद्य में किए वा सकति।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पद्या है।

## भनुसूची

जमीन श्रीर मकान जो नवसारी में स्थित है। जिसका कुल मूल्य 515,879 / रुपए है। सब रजिस्ट्रार नवसारी में 751 नम्बर पर दिनाँक 26-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जनरेंज–II, ग्रहमदाबाद

दिनौंक : 30-10-85

मोहर : श्रहमदाबाद

# प्ररूप बाह् .टी. एन . एस . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)
श्रर्जन रेंज-II, श्रहमवाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 30 ग्रक्तूबर 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पष्ट्याल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० प्लाट 21--ए, चरोत्तर को० ग्रो० हा० सोसायटी है नथा जो पादरा रोड, बड़ौदा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूंर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्री करण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक 19-3-

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते गह विश्वास करने का कारण है कि यथा। पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरक) और अंतरिती लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिस्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण लिस्ति में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के समित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) श्री छोटुभाई गोपालजी होल्डर ता० नवसारी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सङ्गुलासरन मनुभाई पटैल बड़ौदा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों प्रर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्षरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

प्लोट जो बड़ौदा में स्थित है। जिसका कुल मूल्य 56782/- घपए है। सब रजिस्ट्रार बड़ौदा में 2257 नम्बर पर 19-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जो० के० पंडया पत्रन आबि हारी सहायक आबहर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

दिनौंक: 30-10-1985

# प्रकृष वाद .टी. एन. एक. -----

आयमंद अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार कार्यस्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्रिक)

प्रार्जन $\sqrt[7]{t}$  ज $=\mathrm{I}^{\mathrm{I}}$ , प्रहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनाँक 30 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० पी० फ्रार० सं० 3882/II/85-86--श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

वायकर वाँभनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें इसमें परनाए 'उन्स वाँभनियम' कहा गया हैं), को नारा 269-वा के अभीन सक्षत्र प्राधिकारों को यह निक्नास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 100,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 615, जांम्सुआ, ता० डमोई, है। तथा जो डमोई में स्थित है (स्रौर इनसे उगाबद्ध प्रतृसूची में स्रौर पूर्ण रूप मे वर्गित है), रजिस्ट्री हर्ती अधिकारों के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के सधीन, दिनौंक मार्च 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार शृश्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह और -मूझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंशरिशी (अन्तरिश्तियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गमा जिसका, निस्तिविद उद्देश्य से उक्त जन्तरण निविद्य में स्तिविक स्पार्थ कथित नहीं किया गया है:—

- (क) कम्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, स्वयं विधितियंत्र के संधीन कर दोने के अन्तरण के वर्तप्रस्थ में कनी करने या उत्ससे वयने में सुविधा के विधः, व्योद/वा
- (व) एती किली बाव या फिली धन वा बच्च बास्तिनों नमें, चिन्हें बारतीय वाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त विधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अंग्लीरती हुवारा प्रकर वहीं किया ववा वा वा वा वावा वावा वावा वाहिए था, क्रियाने में स्विधा में विश्वा

जल: जल, उमल कामानयम का मारा 269-ग क अनुतरण है अभीन, निम्नसिमित व्यक्तिमाँ, मश्री :---

(1) श्री काशीभाई गोविंदमाई पटेल, म्सुन्ना, ता० जि०—-बड़ौदा ।

(भ्रन्तरक)

(2) युमुफभाई चाँदभाई मलाईवाला चुनीटी वाहन व्याबार सहकारी मंडली दाभोई ।

(अन्तरितो)

को यह नृषमा कारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के वर्षण के किए कार्ववाहियां करता हुं।

चक्छ कम्पील के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (कः) इस न्यान के राज्यक में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की सर्वीभ या तत्सम्बन्धी क्यन्तियों पर न्यान की तामील से 30 दिन की क्यिश, वो भी कर्वीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतिक स्वस्तियों में से किसी क्यन्तित द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकारन की तारीस के 4.5 थिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिन्न-मब्भ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी खें पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -----इसमे प्रयुगत सन्धा और पदो का, जो उक्त अधिन नियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं यही अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया नवा है।

## वनुसुची

मिसिकियत जाम्मुया में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, बड़ौदा में 26-3-85 की रिजस्टर्ड की गयी है। जिसका कुल मूस्य 2,25,000/- रुपए है।

जो० के० पंडया मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रापकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदावाद

दिनाँक : 30-10-1985

The second secon

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सचनः

#### भारत संस्कार

कार्याजय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज $-{
m II}$ , श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनौंक 30 भ्रक्तूबर 1985

निदेश सं० पी० श्रार० सं० 3883/II/85-86---ग्रतः मुझे, जी०के० पंडया,

कायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पद्मात 'ज्वत अधिनियम' कहा गया है), की भार 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावन सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मृल्य 1,00,000/- गा. से अधिक है

िश्रौर जिसकी सं० आर० एम० सं० 1156, 280 चौ० मी० है, तथा जो क्लोल सें स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, क्लोल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक मार्च 1985,

को प्यांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के प्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गईं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थाप्यों अत स्थीन का उचित बाजार मृल्य, उसके प्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्यह श्रितशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के सिए त्य पाता गवा प्रतिफल, निम्नलिबित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अंतरण से हुई किसी आब की बायत, उक्त अधि-अधिनिय्म के बधीन कर बेने के वस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में बुविधा के किए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी थव वा बन्ध वास्तियों का, विकट्ट भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा अधिराधः

करा: जब, उक्त विधिनियन की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) जैवियर्स केसवजी मंडल प्रा० लि० फार्वर स्रन्तोन डीसोजा नवरंगपरा ।

(श्रन्तरंक)

(2) नेशनल ट्रेंडिंग कं० कलोला।

(अन्तरितो)

को बहु सूचमा बारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्चन के किह कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोइ भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की उरिध्य भें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्याः पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविध शद में समाप्त होती हो, के थीतर पर्योजक व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बुवाए:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त जिस्तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दियाः गवा है।

**मनुसूची** 

मलिकयत जो कलोल में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, कलोल में 297 नम्बर पर मार्च 85 में रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडयः
यक्षम प्राधिकारी
सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

दिनाँक : 30-10-1985

मोहरः

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . ------

आयकार बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन स्वना

## प्रारव सरकार

# कार्यासय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, धहमदासाद

भ्रहमराबाद, दिनांक 30 भ्रक्तूबर 1985

निवेश नं० पी० भार० नं० 3884/2/85-86---- श्रतः मुझ जी० के० पंडया

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियस' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरित, चित्रका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं कमशः सं व नं 42, प्लाट नं 3 है, सथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपायद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्सा श्रधकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 28-3-85

को प्रवेक्ति सम्पतित के उण्यत बाधार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिकल के लिए कर्तारित की गई है और मृभ्ये यह विश्वात करमें का कारण है कि मधाप्रवेक्त सम्पत्ति का उण्यत बाधार मृत्य . उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एमे क्यमान प्रतिकल का यदह प्रतिकृत से अधिक है और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे कर्तरण के निए तब बाग गया प्रतिक्ष कर निम्नितियों ते उद्योग्य से उक्त जंतरण लिखंड मो बास्तविक क्य से क्षित नहीं किया गया है ---

- (म) अस्तरण में हुन्द्री जिल्ली बाब की बाबक छक्त गीधीनवन के नवींन कर दोगें के मन्तरक कें राजित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; गीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या जन्म जास्तिकों के जिन्हों भागतीय आग-कार अधिनियम. 1922 (1922 का 11) वा उक्त जीविनियम, या धनकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मिरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरक में मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मतिकित व्यक्तियों, कथीत :--- (1) माह एन्टरप्राईस अंबीका सदन पीटर मोहल्ला, नानपुरा, सूरत,

(भ्रन्तरक)

(2) बैंक भ्राफ बड़ौदा सैयदपुरा, सूरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्वों पर स्थता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिल्बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंने।

स्पष्टिभेकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गमा है.

## वन्स्ची

मिलकत जो उमरा में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 2728 नंबर पर 28-3-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी०के०पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमयाबाद

तारीख: 30-10-85

प्रकण कार्द्र . टी. एन. एस. ------

नामकार निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व् (1) के नभीन स्वना

#### नारत सरकार

# श्रावीकन्, बद्धायक कावकर वाक्षत (निरक्षिक)

धर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 30 भ्रक्तूबर, 1985

निर्देश नं० पी० ग्रार० नं० 3885/2/85~86---ग्रतः मु जी०के० पंडया

बायकार व्यथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त लिथितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण ह कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 9 है तथा जो सिवलसा में स्थित है (भौर इससे उपाब स श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 37ईई के श्रधीन 19-1-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाकार शूम्य ते कव के दिवसाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्व हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्ट सम्पत्ति का उपित बाजार मूख्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और क्तिरिती (अन्तरितियों) के बीच इसे जन्तरण के तिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निविश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से शुर्च किसी आग की शावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दान के अन्तरक के बाजित्व में कभी करने वा उसके क्याने में बुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी बाब यां किसी भन वा बन्य झास्त्यां की, विन्हें भारतीय नायकर विभिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनियस, या भनकर अभिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्याप्रनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या भा या किया जाना चाहिए थां, छिपाने प्रास्तिक स्तिक स्ति

बतः बब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) साम्बुदित हिविब मयानी 78 नारायण धुरु स्ट्रीट बम्बई

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मक्रयुरी टेक्सटाईल प्रा० लि० नवरोजी रोड, बम्बर्ट

(भ्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यज्ञाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जा के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट जो मिलवसा में स्थित है। 37ईई के फार्म पर कार्यालय में पेश किया गया है।

> जी० के० पंछया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजनरेंज-2, शहमदास्रा

तारीख: 30-10-85

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहनदावाद, दिनांक 30 अक्तूबर, 1985

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियत' कहा गया है), की धारा 269-स के अधिन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास दारने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्री रिजितको सं० 475, हिस्ता नं० 1, सुरत है। तथा जो सुरत में स्थित है (बीट इनो उनल इस्तान्तों में श्रीर पूर्ण कर से बणित है) रजिस्ट्रोक्करी प्रधिकारी के कार्योक्य सूरत में रजिस्ट्रीकरण द्धधिनितम, 1903 (1908 को 16) के द्रश्रीन 22-3-85 करे पर्वे अन समित के उचित बाजार मत्या से कमा के इध्यमान प्रतिकृत को लिए कर रिष्ठ की गर्द है और मुश्रे यह विस्वास करने का कारण ही कि यक्षा परिवेश संपत्ति का **बाजार** मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल **रश्य**मान प्रतिफल के एन्द्रह प्रतिघरं: से अधिक 🕏 और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित **खद्दोर**य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ट्रविक रूप से क**श्यित** महीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हर्ड किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीर कर दोने के लन्तरक के दारित्य को नगी करने या उससे दचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (भ) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, 1957 (1997 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था गा किया काता चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

शतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के सनसरण में, कें, त्रात क्यिनियम की धारा 260 म की क्षथाता (1) भे कार्या, विवाधितिक व्यक्तियों, अर्थात् :— 52—356 GI/85 (1) श्री पान इलायेग पनीत्वाद्य देताई साथिए रोड, सुरत !

(मन्तरक)

(2) श्री बाबूभाई जिटलदास सूरतवाला दर्पण सोक्षायटी सूरता।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध भी कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पान के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 पिन की अविधि या नलावंधी व्यक्तियों पर स्वा की ताभील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मो समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चान के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विश के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हिनक्ष्य किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्धित मों विद्यु जा सफीयो।

स्पाद्धीकरण:--ध्ममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में शिका गया है।

## धनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रिज्रिट्रार सूरत में 1751 नम्बर पर दिनांक 22-3-85 को रिजिस्टर्ड की गई है।

> जी०के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाव

सारीख: 30-10-85

धरूष् शाहं . टी . एन . एस .- - न मन्द्र

भावकड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के उधीन सचना

#### भागत मरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त आयुवत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, म्रहमदाबाद

ग्रहमदावाद, दिनांक 30 ग्रक्तूवर 1985

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 3887/2/85-86-श्रतः मुझे, जी०के० पंडया

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परम्पार किया किया किया का प्राप्त ग्राम है), की धारा 269-स के स्थाप का का प्राप्त को यह जिल्हास करने का कारण है जि स्थापन राज्यों के जिए का प्राप्त माजार मूल्य 1,00,000/- रु. से द्रीधक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट, नर्गदनगर, श्रुटवा लाईन्स है। तथा जो सूरत में स्थित है (शैर इससे उपायद्ध श्रन्स्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 2-3-85

को पूर्वोंकर गणित के लिकत दाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रीतपास के ति विश्वास करने का कारण ही कि व्यापयोंक्त सम्यत्ति का उचित बाजार मृत्य, अपने त्राया के शिला प्रीतपास सम्यत्ति का उचित बाजार मृत्य, अपने त्राया के शिला पे, एसे उपयमान प्रतिपास के प्रमृत्या के पार्टी प्राप्त के (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्नित्सित उद्योश्य से उच्त अन्तरण निश्चित में बाखांबक रूप से कांचित नहीं किया गया है :—

> ्रिक्ष से शुर्ध किसी साम की बातस, **एक्स** ं के अभीन कर दर्न के कन्नरक के रेंगणी परने या उससे वससे के प्रविधा के किए, बॉर/सा

> (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय एएकर नांधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एएडेडर के जरिंदी इतार एकट नहीं किया गया था विसा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

क्षत अब उनत विधिनियम की धारा 269 स की प्रमाणका, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के नधीन, निम्निचित व्यक्तियों, सर्थात् :—

(1) श्री नवीन वीरमणिशंकर दवे खड़िया चकला, सूरत।

(ग्रन्तरक)

(2) स्टेट बैंक स्राफ सौराष्ट्र दरगारठ, भावनगरा

(भ्रन्तरिती)

को यह स्पना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के हिनए कार्यवाहियां कारता है।

उक्त मम्पनि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट जो नर्मदनगर में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 2037 नबर पर दिनांक 2-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 30-10-85

प्ररूप बाई .टी . एन . एस . -----

बायकर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) औं भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### शारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निर्क्षिण)

म्रर्जन रेंज-2, म्रहमदाबाद म्रहमदाबाद, दिनाँक 30 म्रक्तूबर, 1985

निर्देश नं० पी० ग्रार० नं० 3888/2/85-86--ग्रतः मुझे जी० के० पंडया

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

श्रीर जितको सं० सुल तानावाद हुमास है। तथा जो जिला सूरत में स्थित है (ग्रीर इतसे उपावद श्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिविकारी के कार्यालय सूरत से रिजस्ट्रीकरण ग्रिविनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिवेश 2-3-85 को पूर्णेक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रांतशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रदिष्ण कर्य जिल्लाका उद्देश्य से उक्त कन्तरण निर्मेशत में ग्रम्लिक क्रिंग क्रिक्त में व्यक्तिका उद्देश्य से उक्त कन्तरण निर्मेशत में ग्रम्लिक क्रिंग विश्व से क्रिक्त वहाँ किया गया हैं----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कभी करने वा उसके बचने में सुविधा के लिए; आहें/सा
- (क) प्रेसी किसी बाय या किसी अन या जन्य जास्तियों की, जिन्हीं भारतीय वाय-कर जीधीनयम, 1922 (1322 का ं रे या उक्त अधिनियम, सा वन-कर की भारतीय में, 1957 (1957 का 27), के प्रयो पर्य अपना है शिरा ग्रांति प्रकट नहीं किया ग्रांति था यह में सुविधा के तिका

बरा: मन, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) हंसमुखभाई लक्ष्मगभाई गोर्धन भाई लक्ष्मगभाई सूरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री डाकोरभाई प्रभुभाई पटेल सूरत

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यजाहियां करता हु।

उक्त रूपित के बर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी नाक्षंप :--

- (क) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, क भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते कि कि कर कर हरी।
- (व) इस धूनमा की उपन्य पं प्रकार र की सहस्त के 45 धिन की भावर उपन स्थाप्तर अभ्याल मा (इतबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास (सर्वेक्ष प्राप्तर प्रकार ।

स्वाकरणः - इसमें प्रयुक्त धान्दों और पदों का, को उपन बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उठ अध्याय में दिया पया हैं।

## **मन्**स्ची

मिलकत जो जुलजानपुरा, सुरत में स्थित है। सव रजिस्ट्रार सूरत में 2058 नंबर पर दिनाँक 2-3-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जो० के० पंडपा जलम प्राविकारो सहायक आयकर प्रापुक्त (विरोक्षण) अर्जनरेंज-2, श्रह्मदावाद

तारीख: 30-10-85

मोहार 🖁

प्रस्य साप्तं टी एन एन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार.

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज- 2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 30 श्रक्तूबर, 1985

निदेश नं० पी० ग्रार $\circ$  नं० 3889/2/85-86—ग्रतः मुझे जी०के॰ पंडया

बायकर द्रिधिनियश, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'अवत अधिवियमं कहा गया है), की धारा अस्तु के अधीन राज्यम प्राधिकारों की यह रिकास करने का कारण हो कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हो

1,00,000/- रु. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव वार्ड नंव 5, हिरिपुरा है तथा जो सूरत में

स्थित है (श्रीर इतसे उनाबढ़ अनुपूर्वा में श्रीर पूर्ण रून से विजित

है) रिजस्ट्री कर्ता श्रिवकारों के कार्यालन सूरत में रिजस्ट्री करण
श्रिविनियम, 1908 (1908 का 10) के श्रवोग 11-3-85

को पूर्वीवत सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
श्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एरो दश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया
श्रितिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिन में
बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व कों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए॥ और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रोमती वचुयेनपरनी वायूभाई मजनलाल हरिपुरा, सूरत

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चं कताल घेलामाई रानीतालाव, सूरत ।

(ग्रन्तीस्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना को राजण्य में एकाइन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किस दा सकरें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलकत हरिपुरा सूरत में स्थित है। सब रिनिःट्रार, सूरत में 2171 नंबर पर दिनौंक 11-3-85 को रिनिःटर्ड की गई है।

> जी० के० पंडना सजन प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजंतरेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 30-10-85

मोहर 🕆

इस्प आई ० टी० एन्० एस०--

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, श्रह्मराबाद

ष्महमराबाद, रिसोह अञ्चास्त्रर 1935

निरेश तं० पो० श्र∷र० तं० 3395/2/85-8 — श्रत मुझे जी०के०पंडया

माधकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी हो यह विश्वास करते स्व कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हो

भीरिनितिहो सं० प्लाड गं० 11, वागा गं० 11, वागा है। स्थाजो वधाना लूरत में लिया है (बोर इसते वस्ताड अनुसूती में पूर्ण रूप से विभिन्न है) पिल्ड्री ब्ली श्रीय हारों के कागलिए सुतत मैं रिनिट्ट्री हरण श्रीबिनियम, 1993 (1993 का 16) के श्रामीत 26-3-85

को पूर्णेक्त समारित के उचित वाजार मूल्य से कृत के स्वामान प्रतिकल के लिए उन्हरित की गई है और मूझे यह विश्वास को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के स्प्यमान करा ना बारण है कि यथानुकोंकत सम्पत्ति का उचित बालार मूल्य, सस्के इस्टमान प्रतिकल से एसे स्थ्यमान प्रतिकल का पंग्रह प्रतिकात स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिकल निमालिखत उप्योध्य से उवत धातरण लिखित में सास्त्रिक एप स कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; वौर/श
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आवजार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाकत अधिनियम, या भाकत अधिनियम, (957 (1957 को 27) के प्रांचनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यदा या या किया जाना धाहिए था, धिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव. उक्त अधिनियम की धारा 269 स के बन्सरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीत, निम्निविधित व्यक्तिसों, स्थित् (1) श्री राजेन्द्र बाधाताल गांधी लाल पहासुर शारली रोड, बस्बई

(प्रतारक)

(2) श्री भंवरमल जयहरजी जैन उधाना उपीयनगर, सरकारी संघं उधाना, सूरत

(श्रम्बीस्ती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप ;---

- (क) इस सूचना के राजगत्र मों प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की स्वीध या तरसंजंधी का बितयों पर सूबना की तामीच से 30 दिन की अवधि, को भी अपनिय दाय मों समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्या कि दों में से विक्षी क्यांकत द्वारा;
- (ख) इस स्वता वे रजात मों प्रकाशन का तारीख से -45 दिन के भीतर उन्त स्थापर सम्पत्ति मो हितबद्ध विभी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित मी किए जा सकेगे।

स्प्रतीकरण:---इसमी प्रमुखा कायी और पदों का, तो उकत अधिनियम, के सध्याय 20-क मी परिभाषित है, यही अर्थ होना को उस अध्याय मी दिया गया हो।

## धनुस्ची

प्लाट नं० 11, जो उत्राता ने स्थित है। सब रिनिस्ट्रार, सूरत में 2274 नंबर पर दिनांक 26-3-85 की रिनिस्टर्ड गई है।

> जो० के० पंडना सजन प्राणिकारो सहायक घानकर घानुक्त (निरीज्ञम) घर्नन रेंज-2, घहुमदावाद

तारीख: 30-10-85

मोहरः

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- 2, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 30 श्रम्तूबर, 1985

निदेश नं० पो० म्रार०नं० 3891/2/85→86→-म्रतः मुझे फी०मेः० पंड्या

श्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स से अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रन. से अधिक है

मौर जिल्ला सं० दुकान नं० के- 1289, रिगरोड हैं जिया जो सूरत में स्थित है (स्रीर इत्ते उरावद्ध अनुतूचों में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीन ती स्रधिकारी के कार्यालय सूच्या में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1903 (1908 का 16) के स्रधीन 18-3-85

को पृशंकित सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रातफाट के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदात से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नांसितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के िलए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सूविधा के तिए;

जतः हव, उनत जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कें अधीन, निस्ति खित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० सामरलाल एम० कलागवाद, सूरत।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीचन्द्र भेघराज केतवानी श्रीमग्रहाल भेघराज केतवानी श्रस्थिनी श्रमार्टभेन्ट सुरत ।

(ध्रन्तिरती)

को यह राचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हो।

उवत संपत्ति की अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस रूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ग किसी व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीतरण :--इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 2419 नम्बर पर 18-3-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, घहमदाबाद

तारीख: 30-10-85

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रजन रेंज-2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 31 ग्रन्तूबर, 1985

निदेश नं० पी० झार० नं० 3892/2/85-86--- ग्रतः मुझे जी० के० पंड्या

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चान् उक्त अधिनियम' कहा गया हो, हो थारे 269-स के अधीन सक्षम किथान है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अभित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० नं० 750/1, इन्द्राल है। तथा जो तात डी में स्थित है (श्रीर इसके उपायक श्रत्मूची में श्रीप पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीयर्जी श्रीधकारी के कार्यालय याडी में रिजस्ट्रकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-3-85

को पूर्वोक्त सम्पिति के उत्तित वाजार मन्य से कम के दशामान गितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का वारण है कि यथाप्वेंक्ति सम्पित का उचित दाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का ग्ल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का ग्ल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का ग्ल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल का गित्र अस्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम प्रमा गमा गित्रफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण संहाई किसी आय की वावल, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व मों कमी करमें या उसमें बच्चने मों सुविधा के लिए; बौर्/याः
- (ब) धोसी किसी बाय या किसी धन या जन्स आस्तियां को, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं जिला गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अया, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री झनेरभाई हीरामाई वेसाई ईन्द्राल, ता-कणी ।

(अन्तरक)

(2) पटेल मेटल इन्डस्ट्रीज भार०जे० पटेल, नारणपुरा, ध्रहमदाबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान्त की नाशील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना कें, राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दश्र किसी अन्य य्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास रिक्तित में किए जा सकेंगे।

स्पय्योकरण:--इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हों, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

# सन्सूची

मिलकत जो ईन्द्राल में स्थित है सब रजिस्ट्रार, कड़ी में 14-3-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, श्रहमदावाद

तारीच: 31-10-85

प्रकृप आर्ध.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

ष्प्रहमदाबाद, दिनांक 31 प्रमनुवर, 1985

नि≷ेश नं० पी० फ्राट० नं० 3893/II/85-86---फ्रजः मुझे जी०के० पंड्या

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 था 43) (जिसे इसमें पर्पात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विशास दारने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से विविज है

श्रीर जितिको सं० 770, 15578 चौ० मी० है तथा जो ईब्बाल ता० कड़ी में स्थित है (श्रीर धार उत्ताखद्ध श्रामुची में श्रीर पूर्ण कर से विणित है) रिकिट्रीकर्ती ध्रिकिट्री के कायस्थिय कड़ी में रिकिट्रीकरण अधिकित्त, 1908 (1903 का 16) के भीवीत 14-3-85

को पूर्वोद्देश संपत्ति को उचित वापार माला से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अंदरिन को गए ही और मूझे यह विदेशस करने का कारण ही फि स्थानूर्वोद्देश संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तर-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देशन से उच्छ अन्तरण लिखित में पास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया ही:——

- (क) अंतरण से हुई किगी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के शधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय सा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री गमेमनाई ही समाई देसाई ईन्द्राल, ता० कडी ।

(प्रत्तरक)

(2) पटेल रोलिंग मिल्ल भ्रमुतलाल जोनजाराम पटेल कलोल ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हो ।

उदत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना हो राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी स्विक्यों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद मो समाज होती हो, को भीतर पूर्णिकत स्विद्यों मो से जिसी व्यक्ति स्वारा;
- (ह) इस स्वना के राजपन में प्रकाशर की तारीक्ष से 45 विश को भीतर एकत रक्षावर सम्पत्ति में हित-व्यथ किसी अन्य गामिल क्याग, अथाहरताक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त कर्वों और पदों वा, जो उक्त अधिकियम, के अधार 20-क में स्था परिभाषित हो, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया ही।

# अनुसुची

मिलकत जो ईन्द्राल में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, कशी में 275 नंबर पर 14-3-85 को रिजस्टिंड की गई है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, शहमदाबाद

तारीख: 31-10-85

# क्षण वाद्रो<sub>ले</sub> हो<sub>ले</sub> एक<sub>ः</sub> एक<sub>ः</sub>-व---व--

साधक र जीपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के जुधीन सुचना

## भारत सरकारु

# कार्यानयः सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 31 म्रक्तूबर 1985

निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 3894/II/85-86--- ग्रतः सुझे जी० के० पंछया

नाधकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्ते मिनियम' कहा गया है, की भारा 269- जन्मे सभीन समय प्राधिकारी को,, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति विसका उचित वावार गर्क !

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी० 403, बद्रीमहल अपार्टमेन्ट
है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची
में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 37ईई के
श्रीन 1-1-85

को पृथाँकत सम्मत्ति के जीवत बाबार मृत्य से कम के क्षयमान श्रीतफास के निए बन्तरित की वहाँ हो, बीर मुख्ये यह विश्वास करने का कारन हो कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का जीवत् वासार बुक्य, उसके क्षमाय प्रीतकत् से ऐसे क्षयमान प्रतिफात का पंक्र प्रतिचात से अभिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच होडे बन्तरण के सिंह तब पावा नवा प्रतिकास, निम्मृतिकित समुद्रों किया गया है ह—

- (क) अन्वरम वं हुई किवी शाव की वायत जनत निध-रियब के वरीन कर दोने के बनारक से दाजिला हो कभी करने वा जबसे वयने में तुनिधा के लिए: बीर/वा
- (थ) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य जान्तियों की, जिन्हों बारतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनके जीवनियम या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध बन्तिरती इवाच प्रकट वहीं किया प्रया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में जुविचा के लिए:

(1) श्री रमेशचन्द्र पानाचन्द **सवे**री गोपीपुरा, सुरत।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री खतीजा मालेभाई सदामहल, सूरत ।

।(भन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के हिसप कार्यवाहिया शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह—

- (क) कह त्यमा के राजपम में प्रकाशन की तारीच है 45 दिय की अवधि वा उत्संबंधी व्यक्तियों दर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी जनभि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गास निस्ति में किए का सकेंगे।

स्वष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गड़ा ही।

## अमुसुची

फोर्म नं ० ् 3 ७ईई यह कार्यालय में जनवरी 85 मे पण किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज-2, भ्रहमदाबाट

तारीख: 31-10-85

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, महमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 31 श्रक्तूबर, 1985

निदेश नं०पी० श्रार० नं० 3895/II/85-86--श्रतः मुझे जी० के० पंडया

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मस्तानपुरा भरूप है तथा जो सर्वे ० नं० 385 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भरुच में रजिस्ट्रीकरण

**अ**धिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-3-85 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

प्तनंका कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित दाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे व्ययमान प्रतिकल के पन्द्रड प्रतिकत से अधिक है **भीर अंतर**क (अंतरकों) और अंतरितो (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शतिफल, निम्नलिखित उददंश्य से उत्त अन्तरण निमित में वास्तविक रूप से कथित मही विका गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में स्विधा के लिए; और/या
- (€) ऐसी किसी आय या जिसी धर या अन्य आस्तियो को, जिन्हीं भारतीय आस्वार चिश्रांसयम्. 1022 (1922 व्य 11) या उट्ट अधिरियम, या धनकर अधिरियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति है दवारा गवट नही विका गण था हा किए। जाना चरिहार था, छिपाने में भी प्रचा के लिए:

अतः अत, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम नी धारा 260-ए की उपभाग (1) हे क्तीर विकारियमिय हा " असी . ...

The survey of th The second of th (1) श्री ईकबाल दुग्रा हसनमियाँ अहमदावाद ।

(म्रन्तरक)

(2) गाला एण्ड कं ईब्राहीम हाजी ईस्माईल नानजी चाली, फतेहगंज, बडौदा।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जरे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याः 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# प्रनुसूची 📗

मिलकत जो मस्तानपुरा, भरुच ; स्थित है। सब रजिस्ट्रार भरुच में 419 नंबर पर दिनांक 14-3-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 31-10-85

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ----

बामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीव स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज- प्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 31 अक्तूबर 1985

निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 3896/2/85--86----- ग्रतः मुझे, जी०के० पंडया

बावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गगा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि बचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अस्थ 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिन्नी संव आलपाड बना नंव 210, है तथा जो जिला सूरत में स्थित है (और इ.से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण म्य से विणत है) रिजस्ट्रीनती अधिकारी के वार्यालय ओलपाड में रिजस्ट्रीनरण अधिनियम, 1908 (1908 ना 16) के अधीन 23-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए बन्तिर्ति की गृह हो और मुम्हे यह विस्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकर संपत्ति का अधित बाजार बुस्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल संप्ते दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्निक्तिस जूदकेय से स्वस्तु जून्तरण निश्चित थें कास्तिविक स्वस्त से कथित बुहीं किया गया है दे—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बारियल में सभी करने दा उसके उपने भा शुध्धध के शिक्ट; भार/वा
- (च) एंसी किसी जान ना किसी थन ना जन्म आस्तियों का, चिन्हें भारतीय जानकर जिमितियनम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या थन-कर ऑधिनियम, 1957 (1957 कर 27) के प्रयोगताल जन्तरिक्षी ब्यादा प्रकट नहीं किया नका भा मा किया जाना चाहिए था, जियान में सुनिया के लिए;

बत: वंब, उक्त विभिनियम की भारा 269-म के वनुसरक वो, में, अक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीतः निम्मलिखित व्यक्तियाँ, बर्भात् :--- (1) श्री श्रादाजो मुजाजी पटेल ओलपाड ।

(श्रन्तरङ्)

(2) दुयोगनगर कीन्यो० सोसायटी हिरामोदीनी योरी रिंगरोड, सूरत

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना भारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के सिए अअवाहियां करता हाः

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी बाक्षंप :---

- (क) पर कामार से तास्पार में प्रकाशन की तार्रिश के किए पर सा तरमायन भी व्यक्तिसामी का कर पर से सा तरमायन की व्यक्ति का की स्वाध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वीकत व्यक्तिमा भें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अना व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास शिवित में किए जा सकींगे।

व्यक्तिकरणः - -- इसमा प्रयानस कारणा वर्षा पदा का, को उक्त किथीनधान की अध्यास 20-क में परिमाणिक ही, उहीं स्थानस, जी उस अध्यास में दिया भया भार

## अनुसूची

मिलकत ओलपाड में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, ओलपाड में 3774 नंबर पर दिनांत 23~3~85 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जैन रेज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 31-10-85

माध्वर :

# त्रक्त वार्षां द्वी त्र **एक**्षानसम्बद्धाः

# बावकर मीभीननम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) में स्पीन क्यान

#### BISE SSMI

# कार्यातय, सहायक वायकार वायकत (निर्वेशक)

अर्जन रोंच-2, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 31 श्रक्तूबर, 1985

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 3897/2/85-86--श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

कावकर विभिन्निन, 1961 (1961 का 43) विके दक्षें इसके दक्के दक्के दक्के दक्के विभिन्निन के कहा परा है, की भारा 269-के के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, पितका उचित वाकार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 2 पुष्पाजली श्रपार्टमेन्ट है। तथा जो सूरत में स्थित है (और उन्हों उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधितयम 37ईई के अधीन 10-1-85

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह जिस्तास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्ष्य सम्पत्ति का उचित बाजार बृस्थ, उसके अवमान प्रतिकल से, एसे अवमान प्रतिकल का पंद्रह् बृत्वित से विभक है और बन्तरक (बन्तरका) और अन्तरिती (बन्तरितियाँ) के यौच एसे बन्तरण के लिए तम पामा गया ब्रिक्त, निम्नतियित उद्देश्य से उन्त बन्तरण निवित्त में स्एस्टिक कम से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाब की बाबत, उक्त वीधीनवम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) देवी किसी नाम या किसी धन या जन्म वास्तियों के, चिन्हें भारतीय नाम-कर निधानियम, 1922 (1922 का 11) या उनत नाधिनियम, या धन-कर निधानियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ जन्तरिती वृत्रारा प्रकट नहीं किया गया ना वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के विद्धाः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा '1) हे अधीन, निम्निचित्र व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेर्स्स मेहर सोली मेसानीया भानके मेन्यन डी-लग्न्कर लेन, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) लोहिया मणीन लिमिटेड, नरीमान पाईन्ट, बम्बई-21।

(म्रन्तरिती)

को यह तुमना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई' भी बाक्षेप :---

- (क) इस भूजना में राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जबभिया तत्सम्बन्धी व्यवित्यों पर जूजना की तामीज से 30 दिन की जबभि, जो भी जबभि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबस्थ किसी बन्ध व्यक्ति इवाय वधोइस्ताक्षरी के पास सिवित में किस्र था बकोंने।

स्वक्यकेकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बों नीर पदों का, या समस है, यही वर्ष होगा, यो उस वस्थाय में दिया गडा है।

# वर्ष्यी

फार्म नं० 37ईई पर कार्यालय में दिनांक 10-1-85 की पेण किया गया है।

जी० के० पंष्टया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमक्षाबाद

तारींख: 31-10-85

प्रस्प बार्ड्ः टी., एव., एव., -------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्तव, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 31 धन्तूबर 1985

निदेश नं० पी० म्रार.० नं० 3898/2/85-86---म्रतः मुझे, जी० के० पंडया

भायकर ब्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान—श्रानन्द टी० पी० ए५० नं० 2 है। तथा जो आनन्द में स्थित है (और इससे जगवड़ अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारिक कार्याव्य आत्राह्य में रजिस्ट्रीकरण अधिकारिक कार्याव्य आत्राह्य में रजिस्ट्रीकरण अधिकारिक कार्याव्य आविन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीक 14~3~85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि बधापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल को पत्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वित्तका, निम्निसित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिका है स—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उदासे बचने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (ण) एसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औ प्रयोजनार्थ अन्तरिती हुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

बत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिश व्यक्तियों, अभित ु---

(1) बाबुभाई गरपोतमभाई श्रानन्द।

(श्रन्तर३ः)

(2) श्री रामनारायण रामदितमल श्ररोरा रायारगंज, ता० श्रानन्द।

(भ्रन्तरिनी)

को यह सुमना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध में 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मं 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में जितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकोंगे

स्पर्धांकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों जोर पद्यों का, जो जनता अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

#### BERT

मकात जो श्रानन्द में स्थित है। सब रिजस्ट्रार ब्रानस्द में 1073 नंबर पर दिनांक 14-3-85 में रिजस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंड्या नक्षम प्राधिनारी नहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) शर्जन रोज-2, श्रहमदाबाद

तारींख: 31-10-85

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निदेश सं० लुधियाना/797/84-85---- अतः मृझे जोगिन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कर्ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं कान नं 378 सी है तथा जो फेज 1 अरबन इस्टेट, ढंढारी कलां लुधियाना में स्थित है (और इसमें, उनाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अिंव- वारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल फे लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पति का उचित बाजार जूक्य, उसके क्यमान प्रतिफल सं, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्य से साम्बद्ध कहीं क्या बवा है दे—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय वा किसी धन वा जन्म जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकों, अर्थात् ः—

- (1) श्री भरत भूषण पुत्न श्री वीर भानगुष्ता, निवासी 1157/1, सामने डेरा कलसीया, मिल्लर गंज, लुश्चियाना (श्रन्तरक)
- (2) श्री बलबीर सिंह पुत्र श्री सोहन मिह, बी-22, को बल प्याइंट, ढंढारी कलां, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रबोधन सम्मान के बर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी सब्धि बाद में समाप्त होती हो , को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाए;
- (ब) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की सारीख बें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथाहरसाक्षरों के पास -

स्पट्टाकरणः — इसमें प्रयुक्त काच्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नगुसूची

मकान नं० 378 मी'० का 1/3 भाग जो कि फेज I, श्ररजन इस्टेट, ढंढारी कलां लुधियाना में स्थित है। (श्रर्थात वह जायदाद : जो कि रजिस्ट्रीक्ती अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 13304 माह मार्च 1985 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र मिह् मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त निरीक्षण) स्रजन रेंज, सुधियाना

तारीख: 1.1-11-1985

मोहर 🖫

प्रकार सार्व हो, वस प्रमुखन कर ।

टारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुथियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० लुधियाना/713/84-85---म्रतः मुझे जोगिन्द्र सिंह,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्नकी सं० मकान नं० XX-1166/3का 1/2 भाग है तथा जो करतार लिह सराफा नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और,पूर्ण रूप चर्णित है), रिजिस्ट्री श्रित प्रिधिशारी के ट्रायलिय लुधियाना में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ट्रा 16) के अधीन तारींख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरोक्यें) और अंतरिती (अन्तरितियों) के दीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; आदि/सा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय अवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) दर उक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ात: धव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के गधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) त्रिगेडियर इन्द्रपाल तिह बराड़ पुत्र श्री गुरुवक्शिसह बराड़, निवासी मकान नं० 1884/4, पीली सड़क, रघुमाजरा, पटियाला द्वारा जी० पी० ए०, श्री मुखतियार सिंह सोडी पुत्र श्री राम सिंह निवासी कोठी नं०: 96, नार्थ चिजय नगर कालोनी, ग्रागरा
- (2) श्री सूखदेव सिंह
  पुत्र श्री मुख्तियार सिंह
  निवासी गांव सेखा, सब तहसील पलोध,
  जिला लुधियाना ग्रब कोठी नं०: 96,
  नार्थ विजय नगर, कालोनीं, ग्रागरा।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार दिख्त में किए जा सकी।

स्वष्टोकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

मकान नं ः बी 20/1163/3 का 1/2 भाग, करतार सिंह मराफा नगर, लुधियाना । (श्रयीत चह जायदाद जो हिः रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी लुधियाना के विलेख संख्या 1448 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है।

जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 8-11-1985

प्रमण आहो. टी. एन. एस. ----- (1) थी संजीव अग्र

आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंट्र, लुधियाना

ल्धियाना, दिनां 🖰 🖇 नवम्बर 1985

निदेश सं० जुधियाना/780/84--85—-ग्रतः मुझे जोगिन्द्र सिंह्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

और जिएकी संव मान नंव वी 19/174 है तथा जो मेजर गुरवयाल फिह रोड, एतियाना में स्थित हैं (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण क्या से बॉणित हैं), रितस्ट्रींकर्ता अधिकारी के नार्यात्य लुधियाना में, रिजस्ट्रीक्षण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विष्कृत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री संजीव अग्रवाल पुत्र श्री किशोर लाल अग्रवाल, चरजना अग्रवाल पुर्वी श्री िणार लाल अग्रवाल, जिवासी 124 दीवाल, लुधियाना
- (2) श्रीमती पन्ना देवी
  पतनी श्री भगवानी दत्त,
  श्रीमती श्ररुणा गोयल,
  पत्नी श्री हरदवारी लाल,
  निवासी मंडी केसर गंज,
  लुधियाना

(भ्रन्तरितीं)

(ग्रन्तरङ्)

(3) श्री मखन लाल निवासी महातनं०: बी 19/174, मेजर गुरदियाल सिंह रोड लुधियाना बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तागील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्ति यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित े, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गही।

## अनुस्ची

मकान नं० वी-19/174, मेजर गुरवियाल सिंह रोड लुधियाना। (ग्रंथीत वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रंधिकारी, लुधियाना के विलेख नंख्या 1323 माह मार्च, 1989 के तहत दर्ज है )

> जोगिन्द्र सिंह) मक्षम प्राधिकारी गहाय ह स्रायक्ष प्रायुक्त निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8-11-1985

क्रीर :

# प्रकम् , बाह्", टी., एत., एव., :----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत बरका

# कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मुधियाना

लुधियाना, दिनां ह 1 नवम्बर, 1985

निवेश मं० लुधि/683ए/84-85--- झतः मुझे जोगिन्द्रर सिंह अध्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिए हीं संव मारानंव वीं-8 219 र भाग, है तथा जो मोचपुरा बादार, लुधियाना में स्थित है (और इस उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रिजस्ट्री र्ता प्रधितारी के लायांत्रप्र लुधियाना में, रिजस्ट्री रण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1985

को प्रवीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्थयमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मृत्य, उसके स्थयमान प्रतिफल से, ऐसे स्थयमान प्रतिफल का पत्तस् प्रतिचत से विभक्त है और बन्तरक (अन्तरक्ते) श्रीर बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया प्या प्रतिफन निम्नलिखित उद्योच्य से उक्त बंतरण मिनियत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंदारण से हुए किसी नाय की नान्त, जक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के धामिला में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के निष्; जड़ि/वा
- (क) एती किसी जाय मा किसी पण पा करव जास्तियों नहीं, जिस्हें भारतीय आय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा प्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रमा था मा किया जाना वाहिए था, किया में हिसस के निए;

बतः बंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--54--356GI,85

(1) श्री मती जसवन्त कौर
पत्नी श्री बीर सिंह
श्री वीर सिंह पुत्र श्री राम िंह
श्रीमती परमजीत कौर
पत्नी श्री कुलवन्त सिंह
श्री देशा सिंह
पुत्र श्री गनपत राय
निवासी बी 8--219, मोचपुरा बाजार
लुधियाना

(प्रन्तरः)

(2) सर्व श्री राम नारायण
सीता राम, श्रशोक कुमार
पुतान श्री नन्द लाल
निवासी 1836 बस्गी श्रमेंदुतापुर लुधियाना,
सर्वश्री प्रकाश जन्द,
केशो राम, पुतान श्री हत्स राज तथा
सर्वश्री गेंजा राम बनारसी दास
पुतान श्री राम गोपाल, निवासी 494/19
हरपाल नगर लुधियाना

(भ्रन्तरितीं)ज

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के निष् कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

# इक्त सम्मन्ति के वर्जन के तंत्रिय में कोई भी वाक्ये :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीं से ब र परन को अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिंग, को औ बब्धि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारत;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्वृद्धिरण: इसमें प्रयुक्त शब्दा जांद्र पवा का, वा उज्ज विभिनयम के अध्याय 20-क में परिकारियर है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गमा है।

## अनुसूची

मकान नं बी-8-21 हा हिस्डा जो ि मोबपुर बाजार लुधियाना में स्थित है (प्रथति वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीं ती प्रक्षि गरी, लुधियाना के विलेख संख्या 12147 माह मार्च 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्रर सिंह सक्षम प्राधिदारी सहाय ः स्नायश्रर स्नायुक्त ं (निरीक्षण) स्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 1-11-1985

शेहर:

## मुक्का बार्ष हो . युन् . युक् . -----

बासकर बाधानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्याशय, सहायक कायकर भागृक्त (निर्दाक्षक)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० लुधियाना/827/84-85--श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बहवात 'उक्त विभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के विभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित अवार सस्थ 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० सी० एफ नं० 33 का 1/2 भाग ह तथा जो सरभा नगर, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाब इ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफन के निए बंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वजापुर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार भ्रव्य, उवके स्वयमान प्रतिफन को पत्त्व को पत्त्व प्रतिफन को पत्ति का प्रतिफन को पत्त्व प्रतिणत कि के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नसिचित उद्वदेस से उक्त अन्तरण जिसत प्रविक्त परितिष्ठ कर से किसत महीरिक कर से किसत महीरिक महीरिक कर से किसत महीरिक महीरिक कर से किसत महीरिक से स्वार्थ है "----

- (क) बन्तरम् वं हुन्द्रं निम्नी नाम की बन्नतः, राभर्य वृत्तिविवत् में बनीम कर योगे के सन्तरक के वावित्व में कभी करने वा उससे बन्नों में सुवित्वा के किए; विक्र/मा
- (ण) एसी किसी बाग या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विभा के सिए;

बक्त: अंब, उक्त अधिनिवम की धारा 269-ग के अनुसरण बो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को बधीन, निस्निलिखित स्थिकिकों. बचित स—- (1) श्री तरनजीत सिंह पुत्र श्री दर्शन सिंह, निवासी 124सी, माक्ल हाऊस लुधियाना

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मोहिन्द्र कौर पत्नी श्री तजेन्द्र सिंह निवासी पास सराया नगर, लुधियाना ।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां सुरु करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के बम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाबन की तारीब ने 45 दिन की बनीच या ग्रत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर कृषना की तामीत से 30 दिन की बन्धि, को भी बनीध नाव में समाप्त होती हो, से भीतर पृत्रों कल व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस सुवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किस में किए चा सकेंगे।

सम्बोकरण: - इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उर पता है।

# अनुसूची

एस० सी० एफ० नं० 33 का 1/2 भाग, सरभा नगर, लुधियाना। (श्रयांत वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 135.64 माह मार्च 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8-11-1985

प्ररूप आर्द्दरी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निदेश मं० लुधियाना/683/84-85--- अतः मुझे जोगिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें गरचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि म्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजगर मल्य

1,00,000/- रह. में अधिक **ह**ै

ग्रीर जिसकी संब बूथ नंब 38 तथा 39, है तथा जो भावीड़ हाऊस, ल्धियाना में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का

16) के ग्रधीन तारीख मार्च, 1985

को पर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मन्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित क्षाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत~ रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल नियनिति चित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख़) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधाके लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के मधीन । निम्निलिक्त व्यक्तियों , मर्थात् ६---

(1) मैसर्स नवयुग लैंड भादौड़ हाऊस, लुधियाना द्वारा श्री ग्रमरजीत सिंह पूर्व श्री ध्यान सिंह निवासी सलीम टाबरी, लुधियानातथा बतौर ग्रटानी श्री महेन्द्र सिंह पुत्र श्री ध्यान सिंह, श्री दया सिंह पुत्र श्री जमाल सिंह, तथा श्री बलबीर सिंह पुत्र श्री तेजा सिंह तथा श्रीमती रिशपाल कौर पत्नी बलबीर सिंह तथा श्रीमती महेन्द्र कौर पत्नी श्री ग्रमश्जीत सिंह निवासी सलीम टाबटी लुधियाना तथा श्री बलवन्त सिंह पुत्रश्री श्रजुंन सिंह निवासी मोती नगर लुधियाना तथा तथा श्री बलबीर सिंह पुत्र श्री ग्रमर सिंह निवासी खड़ मोहल्ला लुधियाना तथा श्री उत्तम जीत सिंह पुत्र श्री सन्तांख सिंह निवासी रमेश

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हरभजन सिंहं सोहल पुत्र श्री श्रीतम सिंह, निवासी 164ए, सराय नगर, लुधियाना

(भ्रन्तरि

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए. कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्तित व्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-है, यही अर्थ होगा जी उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

ब्य नं 38 ग्रीर 39, भादीड़ हाउस, लुधियाना ( अर्थातः वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 12/35 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज) है।

जोगिन्दर सिंह मक्षम प्राधिकारी

्सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

नारीख: 11~11-1985

## **धक्य बाइ**ं ् दी , प्रभा, प्रभा<sub>य</sub> ==========

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० लुधियाना/759/84-85--श्रतः मुझे जोगिन्द्र सिंह,

कायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त मिनियम' केंद्रा गंवा धूँ), की पारा 269- व के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विंग्वीस करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं भूमि 4 कनाल है तथा जो गांव फागला तहसील तथा जिला लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरक अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य सं कम के रायमान प्रतिपक्ष को लिए अन्तरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार बुख, संस्के कारमान प्रतिकत्त से ऐसे कारमान प्रतिकत का अल्झ प्रतिकत से विश्व है और संतरक (संतरकों) और संतरिती (अंति।तियों) के यीच एके अल्डरण के मिए तम रावा गवा प्रतिक क्स पिक्तिविक्त स्वयंक्य से उस्त संतरण निवित्त में बाक्तिक क्स से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरभ से हुए किसी बाय की बायद कका अधि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मो कभी करने या उम्रस्थे बचने में सुविभा के लिए बीहर/या
- (व) होती किसी बाध या किसी धन या करण जास्त्यों को, विनहीं भारतीय बाधकर विधिनयन, 1922 (1922 को 1) वा उक्त व्यक्तियन, १९४२ कर विधिनयन, १९५७ कर विधिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रवीधनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गया का या कियाने में नृतिधा के सिए;

अंत: अब, उयल अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रीमती कृष्णा रानी पत्नी श्री राज कुमार निधासी 363, गुरु नानक पुरा, सिवल लाईनज लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री विक्रमजीत सिंह पुत्र श्री प्रवतार सिंह, निवासी 1-/28, पंजाब एगरीकलचरल यूनीवसेटी लुधियाना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पृत्रोंक्त सपांत्त के अर्जन के तिहर कार्यवाहिया गृह करता हु।

## उक्त संपत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति दुवारा;
- (अ) इस सुका के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकींगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा जे, उस अध्याय में दिया नवा है।

## अनुसूची

भूमि 4 कनाल जो कि गांव फागला तहसील तथा जिला लुधियाना में स्थित है (प्रर्थात वह जयदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 13021 माह सार्च. 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्दर सिंह् नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियनान

नारीख: 8-11-1985

प्ररूप वार्षं .टी .एन . एस .-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निदेश सं० सोलन/12/84-85--- ग्रतः मुझे जोगिन्दर सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का .:3) (जिसे इसमें इसके पर्वातः 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन स्थम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं तथा जो कि प्रजी

श्रीर जिसकी सं वार मंजिला बिल्डिंग है तथा जो कि श्रंजी मशक्षम फार्म, के नाम जानी जाती है, श्रंजी तहसील तथा जिला सोलन में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप बर्णित है), रिजिल्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोलन में, रिजिल्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (190 1908 का 16 के अधीत तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अविक अपित और अतिरक (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंत: अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ण की, अनुसरण मो, मौं अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री श्रवणनी कुमार प्राग्गर पुत्र श्री ज्ञान चन्द प्राग्गर निवासी मंपरों जिलासोलन (हि० प्र०)

(अन्तरक)

(2) श्री जगजीवन लाल सूद (व्यष्टि)
श्री जगजीवन लाल सूद
(हिन्दू श्रविभक्त कुटुम्ब)
श्री जितन्द्र कुमार सूद (व्यष्टि)
श्री जितन्द्र कुमार सूद
(हिन्दू ग्रविभक्त कुटुम्ब)
श्री बलबीर सूद तथा
श्रीमक्षी रंजना सूद द्वारा मैसर्ज दी
टरैक्टर्ज जी०टी० रोड
तरन तारन जिला श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

(3) मैसर्ज राघव इलैक्ट्रोनिक्स प्राईबेट लिमिटेड, सोलन-173211 (हि॰ प्र) (वह व्यक्ति, जिसके प्रशिभोग में सम्पति है)

की यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करक्षा हुं।

उनत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए का सकतेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन्स्**च**ै

चार जिला बिल्डिंग जो कि ''ग्रंजी मणरूम फार्म, के नाम में जाना जाती है तथा जो कि ग्रंजी तहसील तथा जिला सोलन में स्थित है (ग्रर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी सोलन के विलेख संख्या 102 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11−11−1985

# **शक्य नार**्टी. एन. एस 🖓 🚐 🚃 🗝 😁

जायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) जे सभीत तुम्ला

#### नारत राज्यार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुढियाना,दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० लुधियाना 689/84-85---- प्रतः मुझे जोगिन्दर सिंह

आदकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 464 है) तथा जो माडल टाउन, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूपमे वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, राजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति से उचित बाचार मृत्य से कम कै दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किथित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया पता है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त अधि-निवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सविभा के लिए आर्थ/बा
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य आस्तियों किसी किसी बाव या किसी धन या अन्य आस्तियों किसी, जिन्हों भारतीय भायकर अधिनियम ग 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था किया धाना जाहिए वा, खिवाने में सुविधा व किया

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्रीमती तरिपता नय्यर पत्नी श्री इकबाल नय्यर निवासी 464 माडलाउन लुधियाना
- (2) श्री गुरिवयाल सिंह

  पुत्र श्री प्रेम सिंह,
  श्रीमती श्रमृत गौर,

  पत्नी श्री गुरिवयाल सिंह,
  श्री कुलवन्त सिंह पुत्र श्री गुरिवयाल सिंह,
  श्रीमती भूपिन्वर कौर पत्नी श्री दलजीत सिंह
  निवासी 4/49 डब्ल्यू ई० ए० करोल बाग,
  नई दिल्ली
  श्रीमती बलवन्त कौर
  पत्नी श्री इन्द्र सिंह, श्री मुरिन्दर पाल सिंह
  पुत्र श्री हरवन्त सिंह, श्री मती सुरेन्द्र कौर
  पत्नी सुन्देद्र पाल सिंह निवासी 15/ए, 39 डब्ल्यू
  ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री मोहन सिंह पुत्र श्री करतार सिंह श्रीमती मोहिन्द्र कौर पत्नी श्री कह बाल सिंह' दोनों निवासी 464, माडल टाउन, लुधियाता (यह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन ंखे लिए कार्यवाही करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन की जबिंध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर संपत्ति में हित-क्वूथ किसी जन्म क्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकारी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पार्कीकारणः -- इसमें अयुक्त सम्बों और पदों का, जो उक्त स्विधिका के अभाग 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कुर्य होगा को उस अभाग में किया गया हैं।

## अनुसूची

मकान नं० 464 माडल टाउन लुथियाना (ग्रर्थान वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 12293 माह मार्च 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्दर

सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

अवस रवह सु

तारीख: 8→11→85

**प्रकर नार्द**्ध **टो**्र एव**् एक**्रम्मानस्य

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) से अभीन त्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्ति)

श्रर्जन रेंज, लिधयाना

लंधियाता दिनांक 11 नवस्वर 1985

निदेश सं० लुधियाना/736/84-85--श्रतः मृझे जोगिन्द्र सिंह

बायकं कि सिनयम, 1961 (1961 की 43) (विसे इसमें इसके परकार 'उनत कि मिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाधार मृत्य 1,00,000/- 75 से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० जी-20-3260 का भाग है तथा जो गुरुदेव नगर, लुधियना में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय नुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1)08 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

को प्वामित सम्मिति को उचित बाजार मृस्य सं कम को ज्यमान प्रतिफाल को लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते मेह विश्वास करने का कारण हाँ कि यथापुर्गोक्त सम्मित्स का उचित बाबार मृस्य, उसके वश्यमान प्रतिफात से, ए'से दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रोत्तासत से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच ए ते अन्तरण के सिए तय पाना पया प्रतिफास, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित्त बें वास्तविक रूप से कि बात नहीं किया पता है :---

- (क) बन्धरण से हुइं किसी बाद की बादत करक अधिनियम के सभीन कर दोने के बन्धरक के वादित्व में कमी करने वा अबसे बज़दे में सुविधा के सिएए बर्डि/वा
- (थ) एवी किसी शाय या किसी थन वा बल्न शास्तियों का जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1.922 का 11) या जिल्ल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिलाने वें सुविधा के जिन्ह;

सरः गयः, उत्तर अभिनियम का भारा 269-न क बनुसरण मं, मं, उत्तर अभिनियम को भारा 269-य को उपधारा (1) ये स्थीन⊛ द्विमाबिक्ट महिसागों, यथात् हनः (1) श्रीमती चम्पा रानी पत्नी श्री वोर भान निवासी गौव गहीर बोपा राम, तहसील पटटी जिला ग्रमृतसर

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती गुरजीत कौर पत्नी जसवन्त सिंह, 215 स्यू माडल टाऊन, लुधियाना

(अन्तरिती)

को वह स्थान जारी करके पृथीक्त सम्पत्ति को अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के तंबंध में कोई भी जाक्षेप ----

- (क) इत घ्वना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अर्थाध, जो भी वर्वीय वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के शीवर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निसित में किए जा सकोंगे:

## मनुसूची

मकान नं० बी -XX-3260 का भाग, गुरदेव नगर, लुधियाना (श्रर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 12635 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर द्वायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 11-11-1985

प्ररूप बाइ. टी. एव. एस.----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यासय.. सहायक भावकर नामुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जनरेंज, लुधियाना लुधियाना,दिनाँक 11 नवम्बर, 1985

निदेश सं ० लुधियाना 5728,84-86--श्रतः मुझे जोगिन्द्र सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्रवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मृख्य 1,00000/-रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० बी-—XX-3260 का हिस्सा है तथा जो गुरदेव नगर, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वाक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूब्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाकार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिद्यत से अविक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए च्य पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरफ सिवित वास्तिवक क्य म अधिन नहीं किया गया है :---

- (क) कन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त विध-विधित्यम के अभीन कर दोने के अन्तरक के साधित्व में कमी करने था उससे ब्लाने में सृष्टिया के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या थन या जन्य आस्तियों की, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, जिक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उन्नल अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीर, निक्कलिकित व्यविक्कों, जनकि में— (1) श्रीमती चंपा रानी पुत्री श्री वीर भान, निवासी गाँव शहीद बोधा राय, तहसोल पटंटी जिला स्रमृतसर

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती गुरजीत कौर पत्नी श्रो जनवन्त सिंह, 215, न्यू माडल टाऊन, लुधियाना

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पृशाँकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कां 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की अविधि, जो भी वविधि श्रोद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (कं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यक्कीकरणः----इसमें प्रमुक्त सब्यों और पर्वो का., वो उनत अभिनियम के अभाय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अभ्याय में विया गया हैं।

## यगुज्

मकान नं० बो-XX---326क का भाग, गुरदेव नगर, लुधियाना (भ्रथित वह जायशद जो कि रिजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारो, लुधियाना के विलेख सं० 11608 माह मार्च 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र निह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-11-1985

प्रकप् बाइं व टॉ व एन व एस व ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन स्कृता

## तारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रजेन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनौंक 11 नवस्थर, 1985

निदेश सं० लुबियाना/741/84-85--- प्रतः मुझे जोगिन्द्र सिंह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का द्वारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

षीर जिन्नकी सं० मकान नं० बी-20-3260 का भाग, है तथा जो गुरदेव नगर, लुबियाना में स्थित है (ब्रीर इपसे उपानद्ध धनुसूची में ब्रीर पूर्ण घप से बॉलत है), रिज्योक्ती ब्रिविकारी के भायांस्य लुबियाना में, रिजस्ट्रोकरण अबिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमाब वितिष्ण के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिष्णल से, एसे दृश्यमान प्रतिष्णल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वितिष्णत निम्नलिखित उद्देशयों से उक्त अन्तरण निधित दें वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आयत, उक्छ अभिनिय्म के अभीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व यो कमी करने या उससे अवने में सृष्टिश के त्रिए; बौड/या
- (ण) ऐसी किसी जाम मा किसी धन मा अन्य जास्तियों का जिम्हें भारतीय जाय-कर जिम्हिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्ड प्रमाजनार्थ अन्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में मृतिधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) भी अभीग, निम्नलिखित व्यक्तियों ॥ कथाँत :—— \$5—356GI/85 (1) श्रोमती चंहाराती पुत्रीश्रीवीर भान, निजासी गाँव सहीद बोगाराय, सहसोल पट्टी जिला अमृतसर।

(घन्तरक)

(2) श्रीमती गुरजीत कौर पत्नी श्री जनभन सिंह, 215 न्यू माडल टाऊन, लुधियाना।

(भन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थिति व्यास अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे 1

स्पष्टिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्क अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया भ्या हैं।

# अनुसूची

सहात नं० बी-20--3260 का माग, गुरदेव नगर, मुजियाता। (प्रयोत वह जागराप्र जो हि रिनेट्री हर्ग प्रयि-कारो, नुवियाता के वितेख संख्या 12775 माह पार्व, 1985 के सहत वर्ण है)

> जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजंन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-11-1985

# बस्य बाइं.टी.एन.एस.

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याजयः महान्क आयकर आय्क्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाँक 11 नवम्बर, 1985

निदेश सं० लुधियाना/738,84-85--ग्रतः मुके जोगिन्द्र सिंह,

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रिपिनियम' कहा गया है), की धारा 289-न के अधीन सक्षम प्राविकारी को यह विश्वास करने का कःरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000 (- का को किस्ता है)

ग्रीर जिसकी सं मान नं ं वी-20—3260 का भाग, है तथा जो गुरदेव नगर, तुवियाना में त्यित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिन्द्री नर्ता ग्रिविशारी के कार्यालय लुवियाना में, रजिन्द्री नर्रा ग्रिविनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रवीन तारीब मार्च, 1985

को पूर्वेवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिकात से विश्वास है परे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल. जिन्तिजित अवविश्व से उवत अन्तरण निवित्त में बास्तिविक मण से ब्रिथन नहीं किया गया है:--

- (क) अल्लाक संज्ञा शिक्सी साथ की बावत. जनत रीपिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्य में ककी करने या उससे बचने में सुविधा के शिक्स और/या
- (ख) एसी किसी आप या फिसी ६० पा अन्य आस्तियों को फिर्टी भवतीय स्थानक रिप्टी भवतीय स्थानक रिप्टी भवतीय स्थानक अधिनियम, 1922 (1000 के 11) या उनक अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगवार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में। जन्न एधिनियम की भारा 269-घ की ल्पधारा (1) को अभीय किल्लिकित चाकिनग्रों, अर्थान् :--- (1) श्रीमती चंपारानी पुत्री श्रीवीर भान, निवासी गाँव शहोद बोपाराय, तहसील पट्टी, जिला श्रमृतसर ।

(अन्नरक)

(2) श्रीमती गुरजीत कौर पत्नी श्री जसवन्त सिंह, 215 न्यू माडल टाऊन, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त त्र्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास िलखित में किये जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

# धनुसूची

मकान नं बी-20-3260 का भाग, गुरदेव नगर लुधियाना (प्रयीत वह जायदाद जो कि रिजिस्ट्रोकर्ती प्रधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 12700 माहमार्च 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज, लुधियाना।

तारीख: 11-11-1985

मोदर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 8 नवन्बर, 1985

निदेश सं० सुधियाना/707/84-85--श्रतः मुझे, जोगिन्दर सिष्ठ

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधिक बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जितकी सं बी-XX--1195/21 का हिस्पा है तथा जो सरामा नगर, लुधियाना में स्थित है (और इनसे उनाबढ अनुसूची में शौर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्याख्य लुधियाना में, रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

की पूर्व क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिणत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय, की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; सीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः वस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री गोड़ बहादुर प्रसाद पुत श्री जे० वा० प्रसाः, निवासी 21—आई, मरामा नगर, लुधिसाना ।

(अस्तर्ङ)

(2) श्रीमती सुरेन्द्र कीर पत्नो श्री गनगीत जिंह, श्री मनजीत जिंह पुत्र श्री बचन जिंह, निवासी 7-ई, जराभा नगर, सुधियाना

कों यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पर्श के दर्जन के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीर्द्र भी आक्षेत :---

- (क) इस सूचना के राजवण मी प्रयादन की नारीन से 45 दिन की अवधि का कराकाणी की नारीन पर सूचना की कामील से 30 दिन को नारी, जो भी अवधि बाद मी समाप्त होती हो, जो भीकर प्रवित्त व्यवितयों मों से किकी व्यवित प्रवास प्राप्त
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की मीशर उन्त स्थानर समानि मो हितयद्व किसी बन्य कारित स्थान बधोहरना कर कर पास निधित मों किए जा सकेती।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्स्थी

मकान नं वी-XX-1195/21 जा भाष, तराभा नगर, लुधियाना। (प्रयांत जावसद जो कि ही उद्देशकों अविकास, लुधियाना के विलेख संख्या 12455 माहभाष, 1935 के तहत दर्ज है)

जोगिन्दर सि**ह्** प्रतम गाविकारी तहायक ग्राय हर जायुनत (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लुखियास

तारीख: 8-11-1985

मोहद्र :

प्ररूप. बार्डि. टी. एत. एस्तुत ४ अ + ० ७

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभी स्वना

## भारत क्रकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, लुधियामा

लुधियाना, 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० लुधियाना/818/84~85—अत: मुर्झे, जोगिन्दर सिंह;

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

घौर जिसकी सं मकान नं बी-XX-1195/21का भाग है तथा जो सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिल्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिल्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

का पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्निसित तब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप के कथित नहीं किया गया है ध—

- हिंकी अन्तरण से हुई फिली आय की बाबत । सकत किश्रीनयभ के अभीन कर दोने के अन्तरक क दायित्य में कभी करने या सहसे स्वानं में सुविधा के निए; बौर/बा
- (ब) ऐसी फिसी अप या किसी अन पा कन्य बास्तियाँ का, जिन्हा भारतीय आध-कर बांधानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, (957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, कियाने में हिंगा बे सिए?

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के बनुसरण जै, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री गोढ़ बहाबुर प्रशाद पुत, श्री जे० बी० प्रशाद, निवासी 21—आई, सराभा मगर, सुधियाना

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरेन्द्र कोर पत्नी, श्री मनजीत सिंह, श्री मनजीत सिंह पुत्र श्री बचन सिंह, 7 ई, सराभा नगर, सुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

समत सम्पत्ति के वर्षन ने संबंध में कोई भी नामपे :---

- (क) इस स्वना के राजपक जें प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास विकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण हि—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं.॥

# बन्स्त्री

मकाम नं बी-XX-1195/21 का भाग, सराभा मगर, लुधियाना। (अर्थात् वह जायदाव जो कि रिजिस्ट्रीक्ती अधिकारी, लुधियाका के विलेख संख्या 13521 माह मार्च, 1985 के सहत दर्ज है।

जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियामा

तारीख: 8-11-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. का-----

ायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक शायकर आयुक्त (निर्यासक) अर्जन रेंज, लुधियाना

शुधियाना, दिनांक 8 मनम्बर 1985 निरोत सं ० लुधियाना/720/84--85---अतः मुझै, जोगिगद्र सिंह,

शायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्दर्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

पीर जिन्नकी संख्या महान नं बी-20-1195/21 का भाग, है तथा जो सराया नगर, लुधियाना में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में घार पूर्ण का से वींगा है), रिजाड़ी हतीं अधिहारी के कार्यालय, लुधियाना में रिजाड़ी करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के घारीन, तारीख मार्च, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के द्रयमान व्यक्तिक के लिए अन्तरित की गई है और मृझे वह विश्वास करों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया चया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है द्र—

- (क) जनसरण ह हूर फिट्डी जाय की बाबत, उन्सर बीधनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उन्नयं बचने में सुविधा के सिए: बार्/या
- (क) ऐसी किसी लाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या विशा बाना वाहिए था, कियाने में सविधा के स्विए;

बोत: बाब, उक्त विधिनियम को धारा 269-ग के बनुसरण बो, मी, उथत विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, कथाँव हुन्स (1) श्री गोढ़ बहादुर प्रवाद पुत्र, श्री जें० बी० प्रवाद निवासी 21-आई, सराया नगर, सृधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरेन्द्र कौर पत्नी, श्री मनजीत सिंह, श्री मनजीत सिंह पुत्र, श्री बनन सिंह, निवासी 7-ई सराया नगर, सुधियाना

(अम्बर्गिती)

को यह सूचना भारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के सिष् कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के बं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकति।

स्वक्कीकरण द—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया हैं।

#### पत्र वर्षी

मज्ञाम नं बी-20-1195/21 का भाग, सराया भगर, सुधियाना। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिल्ली कर्ता अधि-कारी, लुधियाना के विलेख संख्या 12560 माह् मार्च, 1985 के सहस दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सह्ययक झायकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, सुधियाना

सारीख: 8-11-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) फी धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवस्थर 1985

रिदेश सं० लुबियाना/740/84-85--अतः मुझें, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिज्ञकी संख्या मकाम नं बी-20-3387 का 1/2 भाग है तथा जो गुरदेव नगर, लुधियामा में स्थित है (भीर इस्स उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिअस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय, लुधियामा में रिजस्ट्रीकरण अधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अवीप, सारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का गारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दापित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अपर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधर की लए;

शत: अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण सै. मैं., उमत अधिनियम की धारा 269-थ की ∪पधारा (1) के सभीन, गिम्नलिखिठ व्यक्तियों, सभीत् :---

- (1) श्रीमती हारसेम कुमारी पुत्नी, श्री बतदेव कृष्ण निवासी मकात नं० बी-20-3387; गुरदेव नगर, लुबियाना (अन्तरक)
- (2) श्री मरेन्द्र कुमार पाठक पुत्न, श्री बलदेव कृष्ण, िवासी मकान नं बी-20-3387, गुरदेव मगर सुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू ।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अवधि या सत्संवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वान है राजपण मो प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर अकत स्थावर संपत्ति मों हितबद्ध करें कि पास विकास के पास सिक्ति मों किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है :

## अन्स्ची

म काल नं वी-20-3387 का 1/2 माग, गुरदेव मगर, लुधियाला। (अर्थात् वह जायदाद जी कि र्याजदीक्ती अधिकारी, लुधियाला के बिलेख संख्या 12738 माह मार्च, 1985 के एड्स दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लिधयाना

तारीख: 8-11-1985

प्रकप बाहाँ, टी. एन. एस.-----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जंन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निदेश सं० लुधियाना/747 ए/84-85--अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या महाम नं० वी-20-3387 ला 1/2 भाग है तथा जो गुरोब मन्द्र, लुधियाना में विधा है (ब्रॉर इससे उपाबक अनुसूची में ब्रीट पूर्ण रूप से धींना है), रिक्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिकट्री-करण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अबीन, सारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित दाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित दाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त सिंधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे दंशने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनोर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में स्विभा औं सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम वर्धे धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती सरसेम कुमारी पुत्री, श्री बलदेव कुष्ण, निवासी महात नं बी-20-3387; गुरदेव नगर, लुधियाना (अस्तरक)
- (2) श्रीमती रमा पाठक परनी; श्री गरेन्द्र कुमार, निवासी महान नं० बी-20-3387, गुरदेव नगर, लुधियाना

(अग्रहरिती)

को यह मृजना जारी करके पृत्रोकत संस्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां गृरू करता हुं।

क्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील मे 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कर्ण।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं ॥

## अनुसूची

महाभ नं बी-20-3387 हा 1/2 भाग, गुररेव नगर लुबिबाना। (अर्थात् वह जायबाद जो हि रिनिद्धो-कर्ता अबिहारी, लुबिबाना के विलेख संख्या 12828 माह मार्च, 1985 के सहत धर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सम्राम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) वर्जन रेंज, लुबियाना

तारीख: 8-11-1985

मोहर 🏻

भक्त बार्युः दीन् एकः, ध्रुतः, - н कला

श्रायकः विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के व्योन सुवना

## भारत सरकार

कार्णलय, उहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) धर्जन रेंज, लुशियाना 11 नवस्वर 1985

निवेश सं॰ लुधियाना/737/84-85-मत: मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति ,जिसका उचित बाजार भृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० एस० सी० एफ० नं० 17 का 1/2 भाग, है तथा जो जबहर नगर कैंप, माडल टाउन रोड सुबियाना है स्थित है (और इसने उपावद्ध प्रमुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), रजिल्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सुबियाना में रजिल्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान अतिफल से, ऐसे रश्यमान अतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरक विद्यास

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उन्तर विभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के समित्य में कमी करने या उसने बनने में सूनिया के सिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर असिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के चिए;

सधाः जव, शक्त विधिनियम की धारा 269-म के बनुसरक के, जे, उनत विधिनियम की धारा 269-म के उपभार (1) दे बकीय निम्निक्षित व्यक्तियों, वर्षात् ॥—— (1) श्री श्रजय सिंह पुत, श्री श्रणपाल, बेरी भवन, कालेज रोड, लुधियाना।

(मन्तरक)

(2) श्री श्रमर नाथ पुत्र, श्री सुःदर सिंह, 142, माइल टाऊन रोड, सुधियाना।

(प्रन्तरिती)

(3) श्रीमती गुरप्रीत कौर पत्नी,
हा० मतवीर सिंह,
निवासी लुधियाना रो इ, रायकोट,
सहसील जाराओ, जिला लुधियाना
(बह व्यक्ति, जिसके बारे में पधीहस्ताक्षरी जानता है कि बह

कार्य सम्बना जारी करके पृथिकतः सम्पत्ति के अर्थन के सिद्द कार्यवाहियां करता हुंगू।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप र—

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकारन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविश्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब चें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाच लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्षीकरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिश्

## नग्तुनी

एस॰ सी॰ एफ॰ नं॰ 7 का 1/2 माग, जवाहर नगर कींप, माडन टाऊन रोड़, लुधियाना। श्रर्थात वह जियादाद जो कि रजिल्ड्री कर्ता श्रधिकारी, लुधियाना के जिलेख संख्या 12681 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-11-1985] मोर:,

# प्रकृष बाहु , ही, एव, एव.-----

जायकए अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन सुकना

## भारत बरकाड

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर, 1985

निवेश सं० लुधियाना/717 ए/84~85—-म्रत: मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इत्सें इसके पश्चात् 'उन्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का क़ारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य,

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी संख्या एस० सी० एफ० नं० 7 का 1/2 भाग,
है तथा जो अवाहर नगर कैंप, माडल टाऊन रोड़, लुधियाना
में स्थित हैं (और इससें उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप
से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना
में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान ग्रीतफाल को लिए अन्तरित की गद्दें हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि रुभापुनाँक्त संपन्ति का उचित अरखार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिन् कम निम्नसिवित उद्योक से उस्त वन्तरण कि विश्व में बाक्तविक इप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- इंक) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उनत अधिनियम के वभीन कर देने के अभारक के वायित्व में कमी करने या उद्यंश बचने में सुविधा की लिए; बीट/बा
- (भ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा से लिए;

जत: अब, उच्च अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में में अश्रम अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) है भ्रमीक. निकालिखिल व्यक्तियों, अभारत हैं⇒ 56 —356 GI/85 (1) श्री राजबीर सिंह पुत्त, श्री यणपाल, निवासी बेरी भवन, कालेज रोड़, लुधियाना

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गुरजीत कौर पुत्नी, श्री वरयाम सिंह, मंकान नं० 1007, इस्लाम गंज, लुधियाना

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रीमती हरनाम कौर पत्नी, श्री खजान सिंह, 516 एल० माडल टाऊन, लिधयाना।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का शह सूचना अरही कारके पृथींकत संपरित की अर्थन के सिद्ध अर्थियाहियां अरहा हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे.

रन्द्यीकपुन्: इसमें प्रयुक्त वर्षों और पदों का, जो दक्क अधिनियम में अध्याय 20-क में परिआवित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया हो।

# मनुसूची

एस० सी० एफ० नं० 7 का 1/2 भाग, जबाहर नगर कैंप, माडल टाऊन रोड़ लुधियाना। (प्रश्नीत वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 12541 माह माहं, 1985 के तहत दजं है)।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी <sub>पहा</sub>यक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-11-1985

## प्रका बाही, डी., एवं , ६वा, लाल्यन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहाय: श्राय:तर श्रायुक्त (तिरीक्षण)

**ध**र्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवस्बर 1985 निदेश सं० लुधियाना/742/84-85--म्प्रत: मुझे, जोगिन्द्र सिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के कधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. सं अधिक ही

और जिसकी संख्या एस० सी० एफ० न० 7 का 1/2 भाग, है तथा जो जवाहर नगर कैंप, माडल टाऊन रोड़, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं क्षम के दश्यमान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वामित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के सिए; और/मा
- (क) एंगी किसी क्षाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया । जाना साहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

कतः अयः जवतः किपनियम की धारा 269-स्थ के जनसरण में, में, जनत अधिनियम की धारा 269-क्ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलि**सित व्यक्तियों, अधी**त — (1) श्री श्रमर सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह, निवासी 142, न्यू माडल टाऊन, लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती गुरप्रीत कौर पत्नी डा॰ मनबीर सिंह, निवासी लुधियाना रोड़, रायकोट, तहसील जगराओं, जिला लुधियाना।

(ग्रन्तिरती)

को यह सुचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपास के वर्णन के संबंध में कोई भी वालोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए का सकेंगे।

स्यव्होकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा यया है।

# अनुसूची

एस० सी० एफ० नं० 7 का 1/2 भाग, जगाहर नगर कैंप, माइल टाऊन रोड़, लुधियाना। (प्रश्नीत वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 12778 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-11-1985

प्र<del>रूप बार्ह्</del> , टी., एन., एस<u>.,</u>------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च को अभीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यांलया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लूधियाना लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर, 1985

निदेश सं० लुधियाना/732/84-85--अतः मुझे, जोगिन्द्र

"सह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या एस० सी० एफ० नं० 7 का 1/2 भाग, जवाहर नगर कैंप, माडल टाउन रोड लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मार्च 1985

को प्वेंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह शितक्ष स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तिक रूप से किथा गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा को लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अत: जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त जिथिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कै जिथेन, निम्नीनिधित व्यक्तियों, अर्थात् ६(1) श्रीमती गुरजीत कौर पुत्री श्री वरयाम सिंह, निवासी मकान नं० 1007, इसलाम गंज, लुधियाना

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती हरनाम कौर परनी श्री खजीन सिंह, 516 एल माङल टाऊन, लुधियाना

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना आरो करके पूर्वोक्त सम्मिस के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इयारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयंकत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ९रिभाषित हैं, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

एस० सी० एफ० नं० 7 का 1/2 भाग, जवाहर नग कैंप, माडल टाऊन रोड़ लुधियाना। (ग्रर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 12628 माह मार्व, 1985 के तहत वर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-11-1985

मोष्टर 🛭

# सक्य बाह्र दी, पुन, एक. ------

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43), का भारा 269-व (1) को मधीन सुकता

## भारत बरुकार

# कार्याजय, सहायक नायकर नायुक्त (विद्वक्षिण)

ग्रजंन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर 1985 निदेश सं० लुधि०/753/84-85--ग्रह: मुझे, जोगिन्द्र सिष्ठ,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परभात 'उनत अभिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका निजत बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी संख्या 1/4 हिस्सा मकान नं बी-18, 339 (641 स्राप्त) है तथा जो माडल टाऊन लुधियाना में स्थित हैं (स्रीर इससे उपाबद्ध स्रनुसुना में स्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रोकर्ता स्रिधिकारी के कार्यालय, लूधियाना में रिजिस्ट्रोकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्णेक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य सं कम के श्रवसान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णेक्त संपत्ति को उपित बाजार मूल्य, असके श्रवमान प्रतिफल से एसे श्रवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिशित उज्वेश्य से उष्ध अन्तर्ण कि विश्व पर्मा गया प्रतिफल, निम्नलिशित उज्वेश्य से उष्ध अन्तर्ण कि विश्व पर्मा गया प्रतिफल, निम्नलिशित उज्वेश्य स्था से उष्ध अन्तर्ण कि विश्व पर्मा है —

- (क) मन्तरण से हुई किसी नाय की नावत उनक विधिनयन के वधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्थ में कनी कुडने का अनुसे कुनने में सुविधा भी सिस्; और/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोध-गार्थ अस्तिरिती ब्याच प्रकट नहीं किया थया वा सा किया असा असीहए था किया में कृतिभर के किया

बतः ज्व, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात ध— (1) श्रो पुष्पिन्द्र कुमार पुत श्रो हरबंस लाल, निवासी 641-श्रार भाउल टाऊन, लूधियाना।

(भन्तरक)

(2) श्री बलबीर सिंह भानन्द पुत श्री ग्रानन्द सिंह निवासी 158-ग्रार० माडल टाऊन, सुधियाना।

(अन्तरितं/)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति कं वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

चक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश प्र 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील सं 30 दिन की वयिष, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, ये भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ट 45 दिन के भीतार उक्त स्थानर सम्मास्ति में हितबष्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिसित में फिल्जा सकों।

स्यक्ष्यीकरमा --- रमभी प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया गया है।

## धनुसूची

1/4 हिस्सा मक्षान नं० बो-18-339 (641-धार०) माडल टाऊन लुधियाना । (श्रधीत् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रो कर्ता श्रधिकारी के विलेख संख्या नं० 12923 मार्च 1985 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरक्षिण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-11-1985

महिर 🖫

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर, 1985 निदेश संबे लूधियाना/754/84-85--श्चनः मुझे, जोगिन्द्र जिह्न,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस भें इसके पश्चात् 'उक्त किधीायम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या महान नं बी(-18-339 (641 ग्रार) का 1/4 भाग है तथा जो माडल टाऊन, लूधिय में स्थित है , और इससे उपाबद्ध ग्रनुस्वा में ग्रीर पूर्ण रू से बिणत है), रजिस्ट्रावर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, लुधियान में; रजिस्ट्राकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधान, तार्राख मार्च, 1985

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वस्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) करतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर्/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण जो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निज्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--  श्र: पुषिदर कुमार पुत
 श्र: हरबन्स लाल,
 निवासी 641 ग्रार, माडल टाऊन, लुधियाना

(भ्रन्तरक)

(2) श्रामता कुलबार कौर पर्ता श्रा बलबार सिंह, 158 श्रार, माडल टाऊन, लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सर्थोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया पया है।

## अभूस्यो

मकान नं॰ बी-18-339 (641-ग्रार) का 1/4 भाग माडल टाऊन, लूधियाना। (ग्रर्थात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रोऽर्ता लुधिहारी, लुधियाना के विलेख संख्या 12951 माह मार्च, 1985 के ठहर दर्ज हैं)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख: 11-11-1985

ब्रह्म बाह<sup>क</sup>् दी. एत*्* एत*्व*------

# भावकुड विधिनवस्तः 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-छ (1) के वधीन सूचना

## DIST SSUE

# कार्याभय, सहायक नायकर वायुक्त (निर्दाक्षन)

भ्रजेंन रेंज, लूधियाना लूधियाना, दिनांक 11 नवम्बर, 1985 निदेश सं० लूधियाना/776/85-85--श्रत: मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ता, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

धीर जिसकी संख्या मकान नं० बी-1-1216 का हिस्सी है तथा जो बिन्द्रायन रोड़ तथा बैन रोड़, रियल लाईनज लूधियाना में स्थित हैं (श्रीर इस्से उपाबद्ध मनुसूर्ची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रोकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, लूधियाना में, रिजस्ट्रोकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रायीन, तारीख मार्च 1985

की पूर्वोकत सम्परित के स्वित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमाय प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वत करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्परित का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल हो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचत से बिधक है और कत्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है है——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त जीव-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (स) ऐसी किसी साय या किसी भन या अन्य नारिसयों को, जिन्हों भारतीय सायकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना आहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

भतः अन्, उनतः अधिनियमं की धारा 269-ए के अनुसरण भौ, मौ, उनतः अधिनियमं की धारा 269-व की जनधारा (1) के अधीतः, निम्नुलितिकाः अस्टिन्यम्हें हा अधितः हु----

- (1) श्री गूरदास राम गूण्ता पुत्र, श्री राम बहादुर लभु राम, लूधियाना श्रव 2-डब्ल्यु; श्रण्धरा को-ग्राण्रेटिव हाउसिंग सोसायटी, 61 बी, पाली हिल रोड़, बांदरा, बम्बई-50 (श्रन्तरक)
- (2) श्री मन्रोष गुप्ता पुत्र श्री पुरन चन्द गूप्ता 70 ग्राई सराया नगर, लूधियाना

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# क्षत् कल्तिस् के वर्षव् से सम्बन्ध् में कोई भी नायोप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति व्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास किए जा सक्यों।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्दों और पवाँ का, जो उक्त किश्विमयम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं कर्य होंगा जो उस बध्याव कें विया गया है।

# अनुसूची

महान नं बी-I-1216 का हिस्सा, बिन्दरावन रोड़ तथा बैंक रोड़, सिवल लाईनज लूधियाना। (म्रर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्राकर्ता म्रधिकारी लूधियाना के विलेख संख्या 13197 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र <sup>प्</sup>सह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-लूधियाना

तारीखा: 11-11-1985

प्ररूप आहें, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घके अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज लुधियाना
लुधियाना, दिनौंक 11 नवम्बर, 1985
निदेश सं० लुधियाना/792/84-85--श्रतः मुझे, जोगिन्द्र
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मृल्य 1.,00:000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या जायदाव नं बी—1-1216 है तथा जो बिन्दरावन रोड़ कथा बैंक रोड़, सियल लाईनज लुधियाना सें स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय लुधियाना सें, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार एसे क्ष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्युदेश्य से एक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों., उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री गुरवास राम गुप्ता पुत्र श्री राय बहादुर लगू राम, निवासी बी-1-1216, चौके कैलाण सिनेमा लुधियाना श्रव डब्ल्यू श्रपसरा कोश्राप्रेटिव हार्ऊसिंग सोसायटी, 61 बी, पाली हिल रोड़, बाँदरा, बम्बई-50

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्री ध्ररिवन्द जैन,
श्री राजेश जैन,
श्री रजनीश जैन,
पुत्र श्री मोस्न जैन,
पुत्र श्री मोस्न जैन,
निवासी 1243/िक्चलू नगर, लुधियाना तथा,
श्री मनीश गुप्ता पुत्र
श्री पुरण चन्द गुप्ता,
निवासी 70 ध्राई, सरया नगर, लुधियाना तथा
श्री विजय कुमार पुत्र
श्री दियाल चन्द गुप्ता,
निवासी 81 श्राई, सराया नगर,
लुधियाना

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के आर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4. दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अष्टिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गया हैं।

## अनुसुची

जायदाद नं० बी—I-1216, जिंदरावन रोड़ तथा बैंक रोड़, सिवईल लाईनज, लुधियाना। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 13307 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-11-1985

# त्रक्य बार्च .टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) के बभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर बायक्त (निरक्तिण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाँक 11 नवम्बर, 1985 निवेश सं० लुधियाना/805/84-85--ग्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

बायकर अभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या मकान नं० बी—I-1216 है तथा जो बिंदराबन रोड़ तथा बैंक रोड़, सिवल लाईनज लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख मार्च, 1985

को प्रॉक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के रहयमान प्रतिफल को सिए अंतरित की गई है जार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्ट संपत्ति का उचित्त बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफ ल्नीम्निसित उद्योग से उच्न अन्तरण जिन्ति के बास्तिक रूप से कथित नहीं विक्रमा गया है :--

- (क) जन्तरण के हुई किसी आप की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा से सिए; और/वा
- (श) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सत: अवं, स्वत अधिनियम की घारा 269-ग के बनुसरण क्रं, क्रें क्षक्र अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के क्योर, भिक्रानिचित्त व्यक्तियों, वर्षात् १५--- (1) श्री गुरदास राम गुप्ता पुत श्री राय बहादुर लभू राम गुप्ता, लुधियाना अव 2 डब्ल्यू०, श्रपसरा को० ग्रा० हाउसिंग सोसायटी, 61 बी पानी हिल रोड़, बाँदरा बम्बई-50

(ग्रन्तरक)

(2) सर्वश्री श्रारविन्द जैन, श्री राजण जैन तथा श्री रजनोग्र जैन, पुतान श्री मोहन लाल, निवासी 124 डी० किंचलू नगर, लुधियाना

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की लारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा ककोंगे।

स्वष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त घट्यों और पर्वों का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में वरिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

#### यनसर्थ

मकान नं० बी—I—1216 का भाग, बिन्दराबन रोड़ तथा बैंक रोड़, सिवल लाईनज लुधियाना। (श्रर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिविकारी लुधियाना के विजेब संख्या 13422 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिं. सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, लुधियःना

तारीख: 11-11-1985

प्रकथ नाहाँ . टी., प्रन , एस , -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

ष्ट्राम्बिय, सहायक अग्यकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लुबियाना

लुधियाता, दिताँक 11 नत्रव्यर, 1985

निदेश सं० लुबिनामा 790/84-35--प्रतः मुझे, जोगिर सिंह,

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात (उक्त अधिनियम) कहा गया है)., की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धीर निकती संख्या माना नं० बी-1-1216 का 1/20 भाग है स्था जो विद्यार रोड़ तमा बैंत रोड़ विस्त लाईन्स सुधिनाना में थिए हैं (कीर इस्ते उसाद्ध धनुसूत्रों में और पूर्ण रूप से बींगा हैं), रिलिफ्लोक्सी ध्रिक्तिर के कार्यालय, सुधियाना में रिलिफ्लीक्सण ध्रिक्तिन, 1908 (1908 का 16) के श्रिकीन, सारीब मार्च, 1985

को प्रेंबित सम्पादित के लेकिन बाजार मान्य से कम के द्रियमान प्रतिफाल के लिए अर्जारत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रुयमान प्रतिकल सो, एमें द्रुयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और प्रतिस्ती (अन्तरितिरों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तण गाया मया प्रतिफल, निम्निटिसित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण विखित में मास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मत्तरण से हुए किसी माय की बाबत. उक्त मधिनियम के अधीन अब दोने की सन्तरक के दायित्व में मनी करने था उन्नी दनने में ब्रीचिधा के सिए; मीत/या
- एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में स्रोवधा के लिए;

बतः वाग, उचत अधिनियम की धारा 269-ग की अनसरण में, भी, कल्ल अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के भधीम, निस्तिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 57—356 GI/85 (1) श्री नुरतात राम गुआ पुत्र श्री राज बहादुर लहनू राम, निवासी बी-1-1216, चींक कैलाज सिनेमा, लुजितास स्त्रज इंडर्ज् स्त्रतारा को-कार्येडिक हाडींता सोजार्थो, 61-बी, पानी दिल रोड़, बोंदरा, कम्बई-30 ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री मनोता गुप्ता पुत्र श्री पुरम चन्द गुप्ता, राज-पाई, सराया नगर, शुजिनाता।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी कारके पूर्वांक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस मुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश बैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: - इसमें प्रयास्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कपिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होण, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

महान नं बी-1-1216 का 1/20 भाग, विन्द्रायन रोड़ तथा वैक रोड़, निवन लाहिंग लुबियाना। (प्रयोत ् घह जायका जी कि रिजिट्टीवर्ग स्विकारो, लुबियाना के विनेख सख्ता 13389 माह मार्व, 1985 के तहत दर्ग है)।

जोगिन्द्र जिह् सक्षम प्राधिकारो सहायक भागकर भागुक्त (निरोक्षम) भागेन रोंग, लुधियाना

नारीख: 11-11-1985

# क्ष्म्य आहें <u>टी</u>. एन , एस ., ------

बायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) औं बधीन सुब्ता

### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिक) प्रजेन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनौंक 11 नवम्बर, 1985

निदेश सं० लुधियाना/785/84-85--श्रत: मुझे,जोगिन्द्र सिष्ठ.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या मकान नं० बी-1-1216 का 1/20 भाग है, तथा जो बिन्द्रानन रोड़ तथा बैंक रोड़ सित्रल लाईन्स सुधियाना में स्थित है (प्रीर इनसे उपाबद्ध प्रानुसूनी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, सुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण प्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1985

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित वें उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- हैंक) जन्मरण सं हुई किसी बाय की वाबद, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा से बिहा; क्रीड़/सा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, उस्ति अनस्य अधिनियम, उस्ति अनस्य अधिनियम, उस्ति अनस्य अधिनियम, उस्ति अनस्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उन्धारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों अर्थात —— (1) श्री गुरदात राम गुप्ता पुत्र स्व. श्री राय बहादुर लम्मू राम, निवासी बी-1-1216, चींक कैलाय जिनेमा लुधियाना श्रव डब्ल्यू० श्राप्तरा कोशा० हार्जीतम सोताईटी, 61-बी, पाली हित रोड़ बांदरा, बम्बई-50

(अधारक)

(2) सर्बश्री श्ररविन्द जैन, श्री राजेग जैन, श्री रजनोश जैन पुतान, श्री मोहन लाल, निवासी 124, डा० फिनलू नगर, लुधियाना

(ग्रस्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

एक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पितयों पद स्चना की तामीन से 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पृतिकारों में से किसी स्पित्य दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्दीकरणः --- इसमे प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया स्या है।

## अनुसूची

मकान नं० बी→1-1216 का 1/20 भाग, बिस्प्रावत रोड़ तथा बैंक रोड़, तिबल लाईश्व, लुबियाता। (प्रायीत् बहु जायदाद जो कि रिजिट्टोक्ती श्रीबकारो, लुबियाता के बिलेख संख्या 13272 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह सञ्जन प्राधिकारी सहायक श्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुखियाना

तारीख: 11-11-1985

मोहर ः

## शक्य बार्च हो , एव् पुत्र , क्यारकारकार

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सधीन स्पना

## गाउन चरकार

# कार्यास्य, सहायक नायकर नायक (निर्दालक)

धर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनाँक 11 नवस्बर, 1985 निदेश सं० लुधियाना/794/84-85--प्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परपात् 'उन्त निर्मानयम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के निर्मान सक्षम प्राधिकारी की यह निर्मास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिन्नकी सं० हुकान नं० बी-7-579/1 का भाग है तथा जो केसर गंज रोड लुधियाना से स्थित है (श्रीर इससे उनाबद्ध अनुसूचा से श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिल्ट्रोकर्ती अधिकारों के कार्यालय, लुधियाना में, रिजिल्ट्रोकर्ती श्रीयोगन, 1908 (1908 का 18) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे पश्यमान प्रपिफल का पन्द्रह प्रतिश्व से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण जिस्त में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; आद/या
- (थ) एसी किसी नाय या निसी वभ या अप्य वास्तिन्ति को जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकल्पार्थ अनुस्ति विद्या प्रकट नृष्टी किया गया था था किया करना अधिन्य पर, अध्यास अधिन्य के सुन्ति का हिन्द भर, अध्यास के सुन्ति क

जाता अब, सबस अधिनियम की धारा 269-ग की जनसरज में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिक्त व्यक्तियों, अधीत :— (1) श्रीमती लीला बन्ती विधवा, तथा श्री सुभाष चन्द्र पुत्र, श्री ज्ञान चन्द प्रपने लिए तथा बतौर, जीपीए श्री रमेश चन्द्र, श्री सतीश कुमार श्रीमती कैलाश रानी तथा, श्रीमती परमिला रानी, निवासी मकान नं० 579/1, केलर गंज रोड़, लुधियाना

(श्रन्तरक)

(2) श्री मनतोष कुमार पुत्र, श्री सुन्दर दास, निवासी 974/1, राजपुरा रोड़, सिवल लाईनज लुधियाना

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना चारी करके पृत्रों कत संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां कारता हों।

## बनत् सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाषांप:--

- (क) इस त्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीज के 45 विन की जनति ना तत्वम्बन्धी व्यक्तित्वों पुष्ठ स्वान की तामील से 30 दिन की ननिथा, भी भी मनीथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कह व्यक्तियुक्तें में से किसी स्पृतित बुवारा;
- (व) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवबृष् किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वृष्हिस्ताक्षद्वी में शाह्र सिविक में किए या सकेंगे।

स्पच्छीकरण ह---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## प्रनुसुची

दुकान नं∘ बी⊶7-579/1, का भाग जो कि केसर गंज रोड़, लुधियाना सें स्थित है। (ग्रर्थात् वह जायदाद. जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 13349 माह मार्च 1985 के तस्त दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सस्यक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लुधियाना

सारीख: 11-11-1985

प्ररूप आइ<sup>1</sup>.टी.एन.एस.-----

खायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शाय्क्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांच 11 नवस्वर, 1985 निदेश सं० लुथियाना/779/84-85--ग्राः म्झे, जोगिन्द्र

ि निदेश सं० लुबियाना/779/84-85--प्राः मुझै, जोगिन्द्र

सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

भौर जितकी संख्या दुएत तं० बी-7-579/1 का भाग है तथा जो केनर गंज रोड़ लुबिनाम से स्थित हैं (प्रोर इससे उपाबद अनुत्रों में प्रोर पूर्ण का में प्रीमा हैं), रिनर्ट्रा-कर्ता प्रधिकारी के जामिला, जुबियाना सें, रिनर्ट्राकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रयोग, लारोब मार्च, 1985 े

को पूर्वोक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरफ (जन्तरकों) और जन्त-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरे/या
- (खं) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आग्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

छतः गवः, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रोमतो लोला वस्तो निम्ना तथम,
श्री जुमान चन्द्र पुत्र,
श्री जान चन्द्र अन्ते लिए तमा बतौर,
जी० पो० ए० श्रो रन्ता चन्द्र,
श्री सतीच जुमार,
श्रोमती कैलात रानो,
श्रोमती पर्मिना रानो,
निवातो महान नं० 579/1 हेन्स नंज रोड़
लुप्रियाता

'अस्तरक**)** 

(2) श्री मंतीय कुमार पुत्र, श्री नुसर दात्र, निसता 974/1 राजपुरा रोड़, जिबल लाईनज, लुबिबाना

(प्रस्तीको)

(3) मैंग्रर्ज गनेन टी० कंपनी, केनर गंज रोड़, लुजियाना

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिमोग में सम्बद्धि हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील ते 45 दिन की जनिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मो समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस राचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिक नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नगस्ची

षुकान न॰ बी-7-579/1 का भाग, जो कि केतर गंज रोड़ लुधियाता सें स्थित है (प्रतीत् वर् जायता जो कि रिनिड्ने क्वी अधिकारों, लुधियाता के नितेत्र संख्या 13228 माह मार्च, 1985 के तहा दर्ज हैं)।

जोगित्त्र तिह् ंसक्षम प्राधिकारी सस्तयक प्रायकर श्रायुक्त (निरोज्जम) श्रवंत रेंज, लिबयाना

तारीख: 11-11-1985

प्रकप मार्थः, दी. एन. एस.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 चनम्बर, 1985 निदेश रां० जगरायो/2/कन/84-86--अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

भागकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त आधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसको संख्या भूमि 5 कताल 16 भरला है तथा जो गांव भगवार लोगो कतां तहतीन जगराओं में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बॉणत है), रिष्टि, वर्षा शिक्षित कि के प्राथित करण भिवित्यम, 1908 (1908 का 16) के प्राथीन, तारीज मार्च, 1985

को प्यंकित सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षण, निम्नतिबित उद्देश्य से उक्त बातरण लिबित में बास्ता-

- (क) वश्वरण ते हुई कि की माय की वावत सकत वृद्धित निवस के वशीन कर दोने के बल्तरक के दायित्य वाँ कभी करने या: सुससे यचने में सुविधा के बिह्ने। सार या/
- (स) एँसी किसी आय या । कसा घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-अप अधिनियम, विश्वास, विश्वा

बतः बंबं, उक्तं अधिनियम कौ धारा 269-ग कै, अनुसरक मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धाहा 269-प की उपधारा (1) के बधीन, जिस्लिकिक व्यक्तियों, बधित ह—र (1) श्री चान्द सिंह पुत्र, श्री कपूर सिंह, निवासी गांव श्रमपार लागें कजां तहसील जगराश्री जिला लुधियाना

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्री हरमजन सिंह,
श्री बरुदेव सिंह,
श्री श्रमरजीत सिंह पुत्रान,
श्री फगन सिंह,
नियासी गांव श्रमवार लोगी कला,
तहसील जगराश्री, जिला लुधियाना

(श्रयतिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वनः के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन का अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना को तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त स्थिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों चे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयूजत इच्दों और पदों का, को जनत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

हा । अनास 16 भरना जो कि गांव प्रगवार लोगों कलो तहसीन जगराम्रों जिला नुधियाना में स्थित है (भर्यात वह जायदाव जो कि रिजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी, जगरामों के विलेख संख्या 5061 माहमार्च, 1985 के तहन क्र है)।

षोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

सारीख: 11-11-1985

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जुधियाना शुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर, 1985

तिवेश सं० जगराबों/3/कम/84-85-प्रत: मुझे,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी ।संख्या भूमि 6 कनाल 16 मरला है तथा जो गांव अगवार लोगों कलां, तहसील जगराओं में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगराओं में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजा रमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गईं ही और मूझे यह विद्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रहु प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) भे बोच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निस्दित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः वस, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, विम्निजियक व्यक्तियों, अर्थातः

- (1) श्री चांद सिंह पुत्र, श्री कपूर सिंह, निवासी धगवार लोगों कलां, तहसील जगरायों, जिला सुधियाना
- (2) श्री कमल सिंह पुत्र, श्री श्रर्जुन सिंह, नित्रसी गांव श्रगतार लोपों कला, तहुसोल जगरास्रों जिला लुधियाना

(अन्तरिती)

(पन्तरक)

को यह सूचना अगरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी कविध बाद में समाप्त होता हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त इन्दर्ग और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, क्षेत्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होग। जो उस अध्याय में दिया गया है।

# धनुसूची

भूमि 6 फनाल 16 मरला जो कि गांव लोगों कल सस्सील जगराओं जिला लुधियाना में स्थित है। (पर्यात वह जायबाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, जगराओं के विलेख संख्या 5062 माह मार्च, 1985 के तहत वर्ज है)।

कोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, सुधियाना

सारीख: 11-11-1985

प्ररूप आहा.टी.एन.एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कायकत (निरीक्षण) कर्जन रेंज, लुधियाना

लधियाना, दिनां 11 नवम्बर, 1985

निदेश सं॰ लुधियाना/690 ए/84-85--अत: मुझे फोगिन्द्र सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

मारे िहरकी संस्था स्थान नं कि -16-2652/5 एकं 3 का 1/4 भाग है स्था जो ग्रीन फीरड मारल ग्रम,/ लुधियाना में स्थित है (श्रीर इसस उपाबद इन्स्किं में भी पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्य रूप, लुधियाना में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोज्ञत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उगत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्तिनिक्त व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हरविन्द्र पाल सिंह पुत्र, श्री संतोख सिंह, निवासी 185, ग्रीन फील्ड माहल ग्राम, लुधियाना

(धन्तरक)

(2) श्रीमती मनजीत कौर पत्नी, श्री तरलोक सिंह, निवासी मकान नं∘ बी⊶18-3652/ 5 एच०/3, ग्रीन फील्ड, माइल ग्राम, सृधियाना

(मन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की उविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# अनुस्ची

मकान मं∘ बी-18-3652/5 एच०/3 का भाग जो कि प'न फील्ड, माल ग्राम, लुधियाना में स्थित है (ग्रयांत मह जायदाव जो कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 12328 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, सृधियाना

सारीख: 11-11-1985

# प्ररूप नाई. दी. एन. एस ,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

## भारत संरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्कत (निरोक्षण) अर्जन रेज लूधियाना लूधियाना, दिनांक 11 नवन्वर, 1985 ∴्िनदेक स० लिधियाना/704/84-85—अतः मुझे जोगिनद्र सिंह्

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक्त परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जित्रकी संख्या महाग नं० बी-18-3652/5 एच 3 ता 1/4 भाग है राग जो ग्रीम फीस्ड मास्त ग्राम सिंधसारा में स्थित है (ग्रीट इत्तने उपायद अनुपूची में श्रीर पूर्ण कप से बाँगा है) राजिन्द्री तर्न अधि तरी के सायालग सिंधसाम में राजिन्द्री तरण अधितियम 1908 (1908 का 16) के अधीम तारीख मार्च 1985

की पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार भूज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर शिवात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम भूजों ग्या प्रतिफल, निम्तिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्व में वास्तिबिक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए;
- (ख) एसा किसा आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 वा 11) या उक्त अधिनयम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/धा

अतः अव, उक्त अधिनियम को धारा 269-गृ को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधाराः (1) जे अधीन् विम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात् ध—

- (1) श्री हरिबन्द्र पाल सिंह पुत्र श्री संतोब सिंह निवासी 185 ग्रीन फीरड माडन ग्रीम सबियासा (अस्तरक)
- (2) श्रीमती मतजीत कौर पत्ती श्री तरलो तिहा तिस्ती महारानं वो न18-3352/5 एत/3 ग्रीत फीटड माडत ग्राम लिखाता

(अन्तरिको)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्चन के लिए कार्यनाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्ष्रेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्विक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टोकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रया है।

# **ब**न्स्ची

महाप नं वी-18-3352/5 एव/3 का भाग माडत ग्राम लिजाला। अर्जीत् यह जानसद जो दि स्थिली हो अधिकारी लिजियाला के त्रिलेज संख्या 12438 माह मार्च 1985 के सहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी राहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लोबिजासा

सारीख: 11-11-1985

प्ररूप बाहु टी. एम : एस . -----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीन सूचना

## भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लुधियामा
सुधियाना, दिनांक 11 मवम्बर 1985
निवेश सं० लुधियाना/694/84-85--अत े मुझे, जोगिन्द्र
सिंह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से आधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या मकान नं० बी-18-3652/5 एच/3 का भाग है तथा जो ग्रीम फील्ड, मंडल ग्र.म, लुक्षियामा में स्थित है (श्रीर इससे उप.बद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बॉणत है), राजस्ट्रीकर्ता अधिक री के कार्यालय, लुधियामा मं, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान अतिक क के लिए अन्तरित की गई हैं और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण हैं कि बचापृकांक्त सम्मत्ति का उचित काजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिक ल के एते दश्यमान प्रतिक ल के क्ष्मह मीतवात से अधिक हैं और अंसरक (बंतरकों) और अंसरिती बन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिक ल, मिम्निवित उद्वर्षण से उमत जन्तरण विवित्त में बासरीवक कम से किसत नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्दरण वे हुई किसी शाव की बाबद, उत्तर विधिनियम के अधीन कर दोने के जन्दरक के दावित्य में क्सी करने वा उत्तर्श बचने में सुविधा के सिए; वॉर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना काहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अपा: अब, उक्त अभिनानयम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री हरविन्द्र पाल सिंह पुत्र, श्री संतोब सिंह, निकासी 185, ग्रीत फील्ड, माडल ग्राम, ल्धियाना

(अन्तरक)

(2) श्री मित सलजीत कौर पश्ती, श्री तरलोक सिंह, निवासी मकान नं० बी-18-3652/ 5 एच/3 ग्रीन फील्ड, माडल ग्राम, लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिल्ह के वर्षन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं ते 45 दिन की सर्वाध मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हाने, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किसे या सकनी।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स जिथिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया सवा हैं।

## श्रनुसूची

मकाम न० बी-18-3652/5 एच/3 का भाग जो कि ग्रीन फील्ड, माइल ग्राम, लिधियाना में स्थित है। अर्थात् वह जाग्रदाद जो कि रिजिस्ट्री हर्ना अधिकारी लिधियाना के विलेख संख्या 12363 मार्च मार्च, 1985 के तहत दर्ज है। ।

जोगिन्द्र सिंह सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज, लिखियाना

तारीख: 11-11-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आंड', ती, एन, एव. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्पना

## भारत तरकार

# अजाम रेंज, लुधियामा

लुधियाना, विनांक 8 तवस्वर, 1985 निवेश सं० लुधियाना/760/84-85--अत : मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर विधिनवम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें परवात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की बारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर संपरित, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या मकाम नं० बी-XV/959 का भाग है तथा जो इंडस्ट्रियल एरीया 'बी' लिधियाना में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीम तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथण्योंक्त संपत्ति का उचित आज़ार मूल्य; जमके दश्यमान भी उन्तर में ऐसे दश्यमान प्रतिफल के सम्बद्ध प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तथ वाला पान प्रतिकाल, जिम्मानिश्चित उद्देश्य से उच्त अन्तरण अभारतिया में पान विश्वास स्वास्तरिक के स्वास्तरिक स्वास्ति स्वास्तरिक स्वास्तरिक स्वास्तरिक स्वास्तरिक स्वास्तरिक स्वास्तरिक स्वास्तरिक स्वास्तरिक स्वास स्वास्तरिक स्वास स्वा

- (क) बंबरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त बीधनियस के जभीन कर दोने के जन्तरक वें बायित्य में कमी फरशेश उससे अपने में सुविधा के लिए: सौर/बा
- (क) एसी किसी माम या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (१९22 का 11) या उपका अधिनियम, या सन् अप्र श्रीधीनपण 1957 (1957 का 27) स्र प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता का जिल्हा था, कियाने में स्रित्य ये किया

ं कराः वाचा, अवस्त विधितियम की धारा 269-ग को वानुसरण मं, वीं, उन्त विधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कार्णीन, निम्मिणिकन व्यक्तियों, वधित :--- (1) श्री उत्तम सिंह पुत्र, श्री सुन्दर सिंह, निवासी प्रताप हाउस, प्रताप नगर, ल्थियाना । (अन्तरक)

ತ್ರಗಳಲ್ಲಿ ಸಂಪರ್ಧಿಸಲಾಗಿ ಮುಖ್ಯವಾಗಿ ಮುಟ

(2) मैंसर्ज मैंपको इंडस्ट्रीज, 61 बी, इंडस्ट्रियल एरीया ए एकाटेंगन, लुधियाना,

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45' दिन की अविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी बंबिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति को चित्रसी व्यक्तित स्वाप्त.
- (च) इस सूचना के अजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मेथ हिनकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकीं।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया या है।

## अनुसूची

मकात नं० बी-XV/959 का भाग जो कि इंडस्ट्रियल एरीया बी लुधियामा में स्थित हैं। (अर्गत् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के बिलेख संख्या 13031 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज हैं)।.

जोगिन्द्र सिंह ाक्षम प्राधिकारी सहत्यक गायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8-11-1985

# प्ररूप बार्ड .टी .एन .एस . -----

बायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज, लुधियाना

लुधियामा, दिनांक 8 मवम्बर, 1985 निदेश सं० लुधियाना/798/34-85--अतः मुझ, जोगिन्द्र सिंह,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी संख्या मकान नं० बी-XV/959 के भाग है तथा जो इंडस्ट्रियन एरीया जी, लुधियाना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनलूची में श्रीर पूर्ण रूप के विभिन्न हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रात्तिकल के लिए अन्तरित की गई है जार मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वाक्त सर्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है कर अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्निलिखित उद्विशेष से उन्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से किश्व नहीं किया गया है:——

आधीन, तारीख मार्च, 1985

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कभी करने या उससे बज़ने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आय-कर दिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के सिए;

अशः अन, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में जिनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् क्र- (1) श्री उत्तम सिंह पुत्र, श्री सुन्दर सिंह, निवासी प्रताप हाऊत, प्रताप नगर, लुधियाना

(अन्तरक)

(2) मैसर्ज मैपको इंडस्ट्रिज, 61 की इंडस्ट्रियल एरीया ए' एक्सर्टेशन, लिधयाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में काहे भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## जनसंची

मकाम नं बी $-\overline{XV}/959$  का भाग जो ृकि इंडस्ट्रियल एरीया बी लुधियामा में स्थित है (अर्थात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियामा के विलेख संख्या 13367 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्, लिधियाना

नारीखा: 8-11-1985]

भांहर

प्रस्प आई.टी.एन.एस.-----

वायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

त्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाँक 11 नवम्बर 1985

निर्देश सं० लुधियाना/758/84-85---यतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे । त्यात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रतः से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० एस० सी० एफ० नं० 40 का 1/2 भाग है, तथा जो भादौड़ हाऊस, लुधियाना म स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में थ्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना से रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985 को पूर्वोंक्श संपत्ति के जिलत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तुह प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे अधाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- द्यी राम लुभाया जोशी पुत्र श्री रिषी राम जोशो, निवासी 49/70, हरपाल नगर, लुधियाना (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती मोहनी कुलबन्त पत्ति श्रो कुलद्रीप सिंह, घई, श्रो इन्द्रजीत सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह, श्रीमती भूषिन्द्रकौर पत्ति श्री रजिन्द्र सिंह, निवासी 290 श्रप्रनगर, लुधियाना

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन का ताराखा स 45 विन की अविधिया तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

## वनुसूची

एस०सी०एफ० नं० 40 का 1/2 माग जो कि भाद्रौड़ हाउस लुधियाना में स्थित है (ग्रयीत वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी लुधियाना के विलेख मं० 12990 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह् स**क्षम** प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985

मोहरू 🛮

इक्य बाह् ह हो, ६व. एस. ....

आधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

#### नारुव चरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाँक 11 नवम्बर 1985

निर्देश सं० लुखिमाना/758-ए/84-85--- ग्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं०एस० सी० एफ० नं० 40 का 1/2 भाग है, तथा जो भावीड़ हाउस, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मार्च, 1985 को पूर्वोक्त सम्परित के जीवत बाजार मूल्य से कम के क्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिपत्त से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्यविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) बनाइन ते हुई किसी नाय की वायत प्रथम विधितियम को वधीन कांद्र दोने के बनाएक वे दायित्य में कमी कारने या उससे रजने में धृतिक के गंताए; बौर/ना
- (ब) इसी किसी जाब वा किसी भग या जम्ब जास्तिकी को चिन्हें भारतीय जाबकर जिमिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर जिभिनयम, या भन-कर जिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया एका चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः कथ, उक्त अधिनियम् की बारा 269-ग क अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिर्विषा व्यक्तियों, अर्थास् सं—

- 1. श्री राम लुभाया जोशी पुत श्री रिखी राम जोशी निवासी 49/70, हरपाल नगर, लुधियाना। (अन्तरक)
- श्रीमती मोहनी कुलबन्त पितन श्री कुलद्रीप सिंह घई, श्री इन्द्रजीत सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह, श्रीमती भूपेन्द्र कौर पितन श्री रजेन्द्र सिंह, निवासी 290 अग्र नगर, लुधियाना । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

## उपस्त संपत्ति को जर्जन को संबंध में कोड़ों भी जाक्षण "----

- (क) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीं श्र 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ १२ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पायतिकरण:---इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### मसपी

एस० सी० एफ० नं० 40 का 1/2 भाग जो कि भादीड़ हाऊस, लुधियाना में स्थित है (श्रयति वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी, लुधियाना के विलेख सं० 13009 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, लुधियाना

तारी**ज**ः 11-11-1985

मोहरू छ

प्रास्थ्य आई टी.एन.एस. . . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नुवम्बर 1985

निर्देश सं० लुधियाना/807/84-85—श्रतः मुझें, जोगिन्द्र सिंह,

भागकर मौधीनियम, 1961 (1961 का 43) (धिस क्समें शमके पश्चास किया मधा किया मधा किया के अधीन स्थाम आधिकारी को तह विद्यास करन का आदण है कि स्थाम के स्थाम आधिकारी को तह विद्यास करन का आदण है कि स्थाम संपत्ति, धिसका उपित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

1,00,000/- रु. स अधिक हुं
श्रीर जित्रकी सं० मकान नं० बी-19-327-सी का 1/4 भाग,
है, तथा जी डा० शाम सिंह रोड़, जुधियाना में स्थिन है (ग्रीर इससे उपाबत अनुसूची में श्रीर पूर्ण का स वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जुधियाना से रिजस्ट्रीकरण श्रिशित्यम,
1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारोख मार्च, 1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपात बाजार मूल्य से कम के द्वयमान श्रिका के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विकास अरले का कारण है कि यथापूर्वेक्त संवरित का उपात वाजार मूल्य, उसके द्वयमान श्रीतफल से, एसे दक्ष्ममान श्रीतफल का कार्य प्रतिकत से विभिन्न हो और अस्तरका अतिकत के अधित हो साम स्थान स्

- ्रेक; अन्धरथः संबुधं विक्यो बाध वर्षे प्रश्यत्, स्वयः अभिनियम के शुभीन कर दोने के अन्तरक के वर्षावरण में कभी करने वा अवस्ते अभगे में स्थितः के विद्युः शीर/मा
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन या अप्य जास्तियों कर तिकारों अप्रतिय अस्य कर तिकार प्राप्तियम, 1925 (1922 क्या 11) धा उनते अधितियम, या अस्य अधितियम, 1957 का 27) के प्रयोगनार्थ कन्तिरिती कृतार प्रश्ने न क्षितियम धाना वा विकास वा किसा धाना वाहिए था कियाने में स्विधा को शिका

जल, प्रव, ७६५ व्यक्तियम की धारा 269 म की सन्सरण था, मा, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपचारा (1) के अधीन भिक्तिया व्यक्तियों अभित क्रिक्तिया व्यक्तियों अभित क्रिक्तिया

- द्यी मोहिन्द्र कुमार पुत्र श्री पन्ना लाल,
   निवासी 327-सी, 350 शाम सिंह रोइ, लुधियात ।
   (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती राज बाला पत्नि श्री सत्ताल; निवासी 757, मोचपुरा, लुधियाना। (अन्तरितो)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्वन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (6) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 िषन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्भी

मकान नं० बी-19-327-मी का 1/4 भाग, डा० ग्राम सिंड् रोड़, लुधियाना (ग्रर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिप्रिकारी, लुधियाना के विलेख मं० 13425माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्तर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985

मोहरः

प्ररूप आर्द्दे टी. एन. एस.------ 1. श्री महेन्द्र कुमार पुत्र श्री पन्ना लाल .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, लुधियाना
लुधियाना, दिनाँक 11 नवम्बर 1985

निर्देश मं० लुडियाना/797/84-85 —ग्रनः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० महान नं० बी-19-327-सी का 1/4 भाग है, तथा जो डा० शाम सिंह रोड़, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण का से विभिन्न है), रजिन्ही-कर्ता श्रिध हारी के हार्यालय, नुभियाना में रिगस्ट्रोडरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख मार्च, 85

को पूर्वोक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंस्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरित्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है:—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त मियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (सं) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा स्टें सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ४, ताँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री महेन्द्र कृमार पुत्र श्री पन्ना लाल , निवासी मकान नं० 327-सी, डा॰ शाम पिंह रोड़, लुधियानाः

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती पवन जैन पहिन श्री सतिन्द्र जैन, मकान नं० 757 मोजपुरा, लुक्षियाना

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विक्री व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हितब दूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयूषत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# धन्स्ची

मकान नं० बी-19-327-सी का 1/4 भाग, डा० शाम सिंह रोड़, लुधियाना (श्रर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधि हारी, लुधियाना के विलेख सं० 13360 माह मार्च, 1985 के नहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह पक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (तिरीक्षण) प्रार्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985

मोहर ः

प्रशन्द साइ. टी. एन. एस. - - - ----

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन स्वना

## मारुत सरकार

# कर्मात्तव, सहायक मायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेज, लुधियामा

लुधियाना, दिनांक 11 भवम्बर 1985

निर्देश सं० लुधियाना/786/84-85---- ग्रतः, मुझें, जोगिन्द्र सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें धरके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) कि धारा 269-स्न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० मकाम नं० बी-19-327-सो का 1/4 भाग है, तथा जो डा० शाम सिंह रोड़, लुश्चियामा में स्थित है (श्रोर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से यणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियामा में रिजस्ट्रीकरण अधिमियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, नारीख मार्च, 1985

को प्योंक्त तंपांत के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयभान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में बास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रज्यरण में हुई किसी बाय की बाबक, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में अभी करने वा उसके बज़ने के सुविधा के सिए: और/बा
- (सं) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर, जिस्हें आरतीय आय-कर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, क्रियान हों स्थिया के लिए?

शत: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) ले अधीन, निम्नसिखित स्विन्तियो, हम्मीत ह—  श्री मोहिन्द्र कुमार पुत्र भी पत्ता लाल, मित्रासी मकान न ० 327-सी, डा० णाम सिंह रोड़, लुधियाना

(अन्तरक)

 श्रीमती जैम पत्मि श्री पुष्प जैम, मकाम नं ० 757, मोचपुरा, लुधियामा (अक्ती)

(अन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

# . बाक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेत्र ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हो 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की व्यक्ति को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क्ष) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास दैनीसत में किए या सर्वींगे।

स्वद्धीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उनक निधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित रूँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विसा नवा हैं।

## प्रमुखी

मकाम नं बी-19-327-सी का 1/4 भाग, डा शाम सिंह रोड़, लुधियामा (अर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियामा के विलेख सं 13278 माहमार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जौगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियामा

तारीख: 11-11-1985

# भागकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन शुक्रना

#### शारत सदस्यर

# कार्यां निया सहायक सायकर वास्यक (निरीक्तण) अर्जन रज; लुधियाना

लुधियामा, दिनांक 11 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० लुधियाना/777/84-85--- स्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर बंपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,050/- मं अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं मकान नं बी-19-327-सी का 1/4 भाग है, तथा जो डा॰ शाम सिंह रोड़, लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वाणितहै) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च, 1985

को वृत्तिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बह्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाम की बाबंत उक्त अधि-नियम की १६६८ अर देश के बन्तरक की द्वारिएवं में अभी करमें था। १४मणे उत्पार्ग में मिन्छ। की लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आद या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रक्रोस्थाओं अन्दरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया थे। या किया जाता चाहिए था. किया में निराम को निराम की निराम को निराम की निराम को निराम के निराम की निराम के निराम को निराम की नि

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---9'-356GI/85

श्री महेन्द्र कुमार पुत्र श्री पे ा लाल, ृतिवासी, महास नं० 327-सी, डा० णाम सिंह रोड़, लुधियाना

∦(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रतेश जैंश पत्नी श्री शोभश लाल, शिवासी 757, मोचपुरा, लुधियाना

(अन्तरितो)

को बहु सूचना बारी करके पृत्रों कर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूक करता हूं।

उन्नत सम्परिता के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विम की जनभि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामीब से 30 विन की अवधि, का भी जनभि नाम में समाप्त कोती हो, को भीतार पूर्वों कर स्व विक्यां में से किती हो जिस बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र को प्रकाशन की सारीक् ठ 45 किन की भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितनक्ष किन्दी बन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास निर्माणन में किए वा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः इसमें प्रमुक्त सब्दों और पूर्वों का, को उनके विशेषितयम, को अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याम में विशेष गया हैं।

## अनुसूची

मकान नं बी-19-327-सी का 1/4 भाग, डा० शाम सिंह रोड़, लुधियाना। (अर्थात वह जायदादा जो कि रजिस्ट्री-र्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख सं ० 13213 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985

हर मो:

# प्रकृत सार्वः . ही . एन . एत . -----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

## भारत तरकार

कार्यालय, हङ्कावक जायकर जामुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, लुधियामा

लुधियामा, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० लुधियामा/712/84-85—म्रतः, मुझेँ; जोगिन्द्र सिंह,

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त जिभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के जभीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भत्ति, जिसका उचित बाजार जूस्य 1,00,000/- रा. से जिभिक है

भीर जिसकी सं मकाम नं बी-XVI1-042/बी का 1/4 भाग, है,, तथा जो मुरावपुरा, ल्धियाना में स्थित है (भीर इससे उपाधक्क अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीक्स अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण अधिमियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख मार्चे 1985

को पूर्वोक्त तस्वीत के उपित भाषार मूल्य से कम के दश्यमार प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित बाधार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिकल से, इसे क्रयमाण प्रतिकल के बंद्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) को से प्रतिकल, (अंतरिकों) के भीय एसे अंतरिक के निए तम पाना गया प्रतिकल, निम्मतिकिक के वृद्धिय से उपन अन्तर्भ निहित्त में नास्तिकल क्या से क्रियत

अक्टी किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुइ किसी भाग की बाबत, उपय अधिनियम के अधीन कर दोने के अक्करक के दानित्य में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिद्द; और/वा
- (ब) एसी किसी शाय या किसी भन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के जन्सरण मं, में, उक्त जिथिनियम की भारा 269-च की उपभारा (।) के अभीन जिथ्लिकत व्यक्तियों, नशित् :---  श्रीमती अमर कौर पत्नी श्री राम सिंह, निवासी 96, न्यू जनता नगर, गली नं० 6, लुधियाना

(अन्तरक)

 मैसर्स ऐकटिय साईकल इंडस्ट्रीज (रिजस्टर्ट)
 1042-सी, मुराधपुरा, कलसीयां गली, लुधियाना

(अन्तरिती)

ना वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के शिष्ट कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त तंत्रीत के कर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेत्र :---

- (क) इत त्वता के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की जबभि वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर त्वता की ताजील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (व) इस तुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवप्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वशहिस्ताक्षरी के पाव तिविक्त में किए जा सकोंगे।

रनक्षीकरणः इसमें प्रयुक्त सन्दों नौर पर्यो का, जो उनत निधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं नर्थ होगा जो उत अध्याय में दिया नवा है।

## वनुसूची

मकाम नं बी-XVI-1042-बी का 1/4 भाग, जो कि मुरादपुरा, लुधियाना में स्थित है। (अर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख सं 0 12479 माह मार्च, 1985 के तहत वर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लक्षियामा

तारीखा: 7-11-1985

# THE REPORT OF THE PERSONNELS

नायकर निप्तियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-न (1) के न्यीन नृष्या

## न्नारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्तिण) अर्जन रेज; लक्षियामा

लुधियामा, विनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० लिधयाना/698/84-85—ग्रतः, मर्झे, जोगिन्द्र सिंह,

रावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-च के वभीन, सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावत संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से विभिक्त है

होर जिसकी सं क्ष्मिन नं बी — XVI — 1042 वि का 1/4 मा है, तथा जो मरादपुरा, लिधयाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुश्चियाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख मार्च, 1985

ां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मिर मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूक्य, उसके क्यामान प्रतिकान से, ऐसे क्ष्वमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसियत उद्वेष्य ते स्था अंतरण लिखित में बास्त्रीक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) नन्दाल ने हार्य जिसी नाम की पायस्य । समझ समितिस्थ से श्रीष्ट्र कर योग में सम्बद्धक से शाहित में क्यी क्षणे ना क्यमें नज़ने में सुद्धिया से जिल्हा सोड/मा
- (व) एती विका बाव ना कियी यन ना करूप नातिन्तों को, जिन्हों भारतीय नाम-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्तर निधिनियम ना धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नमा वा सा किया नाना वाहिए वा. कियाने में सुद्धा ने जिए;

बतः । अव, उक्त विभिन्यव की भारा 269-ग की वनुसरण मा, मा, उक्त अधिनियम की धार 269-घ को उपधारा (1) को अधीन, निस्तिविक व्यक्तियों, अर्थात् ध---  श्रीमती अमर कौर पत्नी श्री राम सिंह, निवासी 96, न्यू जनता नगर, गली नं० 6, लुधियाँना

(अन्तरक)

2. मैसर्स एकटिव साईिकल इंडस्ट्रीज (रिजिस्ट्रड), 1042-सी, मुरादपुरा, कलसीयां, गली, लुधियामा

(अन्तरिती)

का बहु तुचना जारी करके पूर्वोक्त तस्पीत के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस नुवान के राजपण में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन की अविधि या तरकावण्यी व्यक्तियों पर जुवा की तानीय से 30 दिन की नवीय, यो भी अविध याद में दनान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी कावित द्वारा;
- (व) इस सूचना के राज्यक में प्रकासन की तारीच के 45 दिन के भीतर उपते स्थावर संपक्षि में हितबहुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पार सिचित में किए वा तकेंगे।

स्थळकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नदा हैं।

# अन्त्जी

मकाम नं बी-XVI—1042/बी का 1/4 भाग जो कि मुरादपुरा, लुधियामामें स्थित है। (अर्थात वह जायदाव जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियामा के विलेख सं 12397 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, सुधियाना

तारीखा: 7-11-1985

# प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत बरकार

# कार्यालय. सडायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं ० लुधियाना / 721/84-85---श्रतः मुझे जोगिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० मकान नं ० बी-XVI—— 1042/बी का 1/4 भाग है, तथा जो मुरादपुरा, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय; लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रितफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान श्रितफल से, एसे दश्यमान श्रितफल का पन्तक प्रतिकात से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंबरण के लिए तथ पाया गया श्रितफल, निम्नलिखित उक्षेष्ठ के उच्या अंतरण सिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण ते हुई किसी आय की वाबत, उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कबी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिवाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में , कें , उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तनिखित स्यक्तियों, वर्थात् :---  श्रीमती श्रमर कौर पितन श्री राम सिंह, निवासी, 96, न्यू जनता नगर, गली नं० 7, लिधियाना

(ग्रन्तरक)

 मैंसर्स एकटिव साईिकल इंडस्ट्रीक (राजस्ट्रड), 1042-सी, मुरादपुरा, कलसीयां गली, लुधियाना

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिरयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरुषः -- इसमें प्रयुक्त शब्यों और पदाँ का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन सची

मकान नं० बी-XVI--- 1052/बी का 1/4 भाग जो कि मुरादपुरा लुधियाना में स्थित है। (प्रश्नीत वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी, लुधियाना के विलेख सं० 12585 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7-11-1985

आक्र आईं.टी.एन.एस. . . . . . . .

आयकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43 की भारा 269 घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नामुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 7 नवम्बर 1985 निर्देश सं० लुधियाना/735/84-85--श्रत, मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० बी-XVI--1042/बी की 1/4 भाग है, तथा जा मुरादपुरा, लोधयाना में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख माचे, 1985 का पूर्वाक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई और जुनो यह विश्वास करने का कारण है कि यथावृत्तीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्विष्य से उकत अन्तरण सिक्ति में वास्तविक रूप से कियत नहीं कवा गया है है—

- (क) अन्तरण वे हुई किवी जाम की वाबत, उक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक क दानित्थ के कनी करने मा उसके वचने के सुनिभा के बिए; जौर/शा
- (ख) एंसी किसी नाय मा किसी भन ना जन्य नास्तिनों को जिन्हों भारतीय नामक-कर निर्मित्रमा, 1922 (1922 को 11) या उनत निर्मित्रमा, का भन-कर निर्मित्रमा, 1957 (1957 को 27) के प्रवोधनार्थ नन्तिरती बुवारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना नाहिए था, जिनाने में सुविधा के शिवह;

कतः अव, उक्त मिनियम की भारा 269-ग के अनृतरक में,, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, जिस्निलिखित स्थितसर्थों, अर्थात् :--  श्रीमित श्रमर कौर पितन श्री राम सिंह, निवासी 96, न्यू जनता नगर, गली नं० 6, लुधियाना

ग्रन्तरक)

2. मैसर्स ऐकटिव साईिकल इंडस्ट्रीज (रिजस्ट्रड) 1042-सी, मुरादपुरा, कलसीयां, गली, लुधियाना

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्थबाहियां शुरू करता हू।

उसत सम्बन्धि के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में अकाशन की तारीख ते 45 दिन की जनिभ या तत्सम्बन्धी क्यक्तियां पर स्वना की सामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुभ किती अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहम्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वकाकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा नेवा हैं।

#### नन्त्रची.

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 7-11-1985

सिंह,

# प्रकृत बार्ष हर्ष , बुर पुरस्क प्रकृत विकास

# बावफर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) में बमीन सूचना

#### FISH VICE

# कार्यक्षक, बहारक बावकह बावक (विद्वालक)

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद (उनस् विधिनियम) कहा नवा ही, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का धारण है कि स्थावर सम्पतित, जिसका स्वित वाबार मूख्य 1,00,000/- फ. से विधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 156 है, तथा जो सैंक्टर 402, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपावस श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च; 1985

को पूर्वोक्त तम्पत्ति के जिन्त बागार मूल्य से का के इक्तमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्टे वह निकास करने का कारण है कि वशायुर्वोक्त संपीत्त का जीवत् बागार मूल्य, उसके इक्यमान प्रतिफल से, एसे इक्समान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक के लिए तब दावा एका प्रतिफल निम्नीनीयत उद्दुर्वेक्ष से उक्त अन्तरक जिल्डिं में कार्याक क्य से कवित्त सहीं किया क्या है अल्ल

- (क) वंतरण ते हुई कियों बाव की वाबधा, उक्का विधिवयन के वधीन कर देने के बंतरक के द्रावरण में क्वी करने वा उक्की वच्चे में वृश्विया के बिहु; क्रीर/वा
- (व) ऐसी किसी बाव मा किसी थन वा अन्य बारेस्तवों की, रिवर्क भारतीय बावकर विधीनमन, 1922 (1922 का 11) वा उपत अविनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्थ विधीरती इवारा प्रकट कही किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्थिश के जिद्द;

कतः भव, स्वतः विधितियम की धारा 269-म के बनुसरण बो, बी, रुपसः अधितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वर्धातः, किल्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—  श्री नन्द किशोर सेठी पुत्र श्री हिर चन्द सेठी, निवासी मकान नं० 548, सैक्टर 20-ए, चण्डीगढ़

(भ्रन्तरक)

2. श्री रुद्र प्रकाश सिंह तथा श्री हर प्रकाश सिंह पुतान, श्री गुरमुख सिंह जी, नियासी मकान नं० 154, सैक्टर 40-ए, चण्डीगढ

(भन्तरिती)

को वह भूषता वारी करने पृथानित वन्यति ने वर्षत् ने हिन्द् कार्यवाहियां शुरू करता हुं। उक्त संपत्ति ने वर्षत् के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षत्र :---

- (क) इस ब्याना के रायपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविष् या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ब्याना की तानील से 30 दिन की अविष, जो भी अविष याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थापत ब्राडा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकासन की तारीक के 45 किन के भीतपु उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-क्यूश किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पांच विकित में किए या सकेंगे।

# **प्र**नसूची

मकान नं 0 156 सक्टर 40-ए, चण्डीगढ़ । प्रयात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख सं 0 1346 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 31-10-1985

मोहरः

प्रका बाइं.टी.एन.इस. ------

# भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वर्धीन स्थाना

#### बाहर बहुकाह

कार्यालयः, सङ्गवक आयक्तर आवृक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 31 ग्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० चण्डीगढ़/185/84-85—यतः, मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

नावकर स्थितियन, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें 269-व के स्थीन सकत प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्यक्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से निधक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1229 है, तथा जो सैक्टर 33-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विश्वत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पुर्वेक्त सम्मित के उपनत बाजार मृत्य से कम के क्यमगान शितकत के लिए मन्तरित की गई ही बौर मुक्ते यह विक्यात करने का कारण ही कि स्थापुर्वेक्त सम्मित का उपनत बाजार मृत्य उत्तके क्ष्मगान प्रतिकल ते, एते क्ष्मगान प्रतिकल का क्ष्म्य प्रतिकत से स्थिक ही बौर सन्तरक (श्रीयरकों) और बँगरिकी (बंसरितियों) के बीच एते बंहरण में निष् तब पाना प्या प्रविक् कस निम्नेलिकित उन्देश्य से उन्तर म्ल्यूरण सिकित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है ह---

- (क) बन्धरण है हुई फिबी बाव की बाव्य डक्ट विधियवन के अभीन कर दोने के बन्तरक के द्वावित्य में कर्मी करने वा उक्के बचने में सुविधा के किए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बान या किसी धन वा बन्य जास्तियों को, विन्हें भारतीय बावकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उसस अधिनियम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ अन्तिएसी वृष्ट्य प्रकट नहीं किया नया था या किसी पाना माहिए था, किनाने वे ब्रिया के सिक्;

जतः श्वा, उन्त वीभीनवत्र की भारा 269-ग के वनुसरण वो, तो, उन्त वीभीनवत्र की भारा 269-ग की उपभारा (1) के वभीन्र निम्मीकषिक व्यक्तिकों, वर्षास् :---  श्री एस० प्रार० दुग्गल पुत्र श्री मेहर वन्द दुग्गल, निवासी मकान नं० 10161, उपकार नगर, फैक्ट्री एरिया, पटियाला।

(ग्रन्तरक)

2. श्री भ्रार० एस० भुटानी पुत्र स्व० श्री सुन्दर सिंह, निवासी मकान नं० डी-72, मालनीय नगर, नई विल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह बुचना बाही करने पूर्वोच्छ कमरित के वर्षन के सिक् कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

# उक्त कलित के बर्जन के धर्मभ में कार्य भी बालेग ह—

- (क) इक कुन्नदा के क्यापन में प्रकाशन की तारीया है 45 दिन की नगींथ वा तत्त्रज्ञन्थी ज्ञानित्रयों पर कुन्नता की तालीन से 30 दिन की नगींथ, जो भी अविधि वाद में बनाया होती हो, के भीतर पूर्वोंकर ज्ञानिताों में से किसी ज्ञानित इंगाय;
- (च) इस तुमान के चममन में प्रकाशन की बारीय से 45 दिन के बीचर उक्त स्थापर कल्पीत में हितक्ष्य किसी जन्म व्यक्तिय इमाय निमोहत्ताकारी के गास सिविय में किए या सकींगे।

त्तव्यक्तिरण:---इसमें प्रमुक्त बन्धों बाँर नवाँ का, वो उक्त निर्मायका, वो नध्यात 20-क में नरिशायित हाँ, नहीं नर्ज होना वो उस मध्याम में दिया क्या हाँ।

#### बनुषुची

प्लाट नं० 1229 सैक्टर 33-सी, चण्डीगढ़ (प्रधात वह जायबाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख सं० 1349 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज; लुधियाना

तारीख: 31-10-1985

प्ररूप नाइ<sup>‡</sup>. ठॉ., एम., एक.,≝----

ावकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के शभीन सुचना

#### बाइक बाह्यक

ग्रर्जन रेंज, लुधिया .ा

नुधियाना, दिनाक 8 तथम्बर 1985

तिर्देण सं० वण्डींगढ़/190/84-85-अतः, मुझे, जोगिन्त्र मिह, महास उद्यास उर आसुका निरीक्षण), प्रजेन रेज, लुधिसाना, शासकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्नात् 'उबस अधिनियस' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनको पं० एप० मी० एफ० नं० 9-10 हैं, तथा जो मैंक्टर 22-पी, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (और इपसे उपाबद्ध प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप ने वर्णित हैं), रिबस्ट्रीं तो ब्रिधि ारी के कार्यालय, चण्डीगड़ में रिजस्ट्रीं रण ब्रिधि प्रियम, 1908 (1908 ता 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

(1908 के 16) के अधान, ताराख माच, 1985 की नुबंबित सम्पर्ति के उधित साजार नृत्य में इस के स्थ्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे प्रमृ विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्या, उमके स्थ्यमान प्रतिफल से, एमें क्ष्यमान प्रतिफल का बंबह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शतिफल, निम्मानिवित उद्विध से उक्त अन्तरण किवित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ए'सी किसी बाय या किसी धन या जन्य ब्रास्तियों को जिन्हीं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अपोन विकासिक अधिकार अधिकार अधीत

- श्रीमती हुएचरा और विश्वचा श्री मेन्ता गिह, निपासी कुरावो जिला राषड़ पंजाब) (अन्तरक)
- 2. श्री गुरमा सिंह पुत्र श्री बलविन्द्र शिह, निधासी गाव खेरी गौड़ा तहसील राजपुरा, जिला पटियाला।

(भ्रन्तरिती)

(3) सेण्ट्रल बैंक आफ इंडिया एस० सी न० 9-10, सैंक्टर 22-सी, चण्की उढ़।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

की यह सूचन। जारों करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

उन्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाधप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सबधि या स्ट्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबधि, जो भी सबधि बाद में समाप्त होती हो, जे भीतर प्रशंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरेंगे।

न्यच्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त धान्यों और पदों का. वो उक्त अधिनियस के अध्याय 20 क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया न्या हैं।

#### नन्स्पी

एय० सी. एफ० नं० 9-10, सैक्टर 22-सी, जण्डीगढ़। (श्रर्थात वह जायदाद जो ि रिजस्ट्रीं∵र्ता श्रधिरारीं, चण्डीगढ़ के विलेख सं० 1393 माह, मार्च, 1985 के तहत दर्ज हैं)।

> जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिवारी सहाय : भ्राय :र श्रायुक्त निरीक्षण ) ग्रर्जन रोंज, तुधियाना

तारीख: 8-11-1985

शक्य बाह्र', ठी. एन. एक.------

शावकार सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की गास 269-म (1) के सभीन स्चना

#### नारस बक्रमार

# कार्याज्य, बह्मज्ञक नामकार जावृक्त (निरक्षिण)

श्रर्जेन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० चण्डीगढ़/191/84-85-प्रत, मुझे, जोगिन्द्र सिंह, सहायक प्रायक्त प्रायक्त निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना, वायकर ग्रीथिनयम, 1961 (1961 का 43) (विषे प्रयमें व्हार्ज विचात् (उक्त अपिनियम कहा गया है), की बारा 269-ख के अपीप वक्षण ग्रीथकारी के, वह विच्यात करने का कारण है कि ग्याबर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मन्य 1,00,000/- रु. से अभिक हं और जिसकी सं० मान नं० 1872 है, तथा जो सैक्टर 22-वी, चण्ड गढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद प्रमुसूची में और पूर्ण रूप ने विणत है) रिजस्ट्रींक्तीं ग्रिधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रींकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मार्च, 1985

का प्वजित तथ्यांत्त क लिलत वाजार मृज्य से कम के शत्यमान रितक्षम के किए कम्बरिश की नई है जीर मुखे कह जिस्तास धारन का कारण है कि वथापूर्वों कत तस्परित का उपित वाजार ब्रुव्य, उसके ध्यायमान अतिषक ते, एकि ध्यायमान अतिषक का पद्गड़ प्रतिकत स अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंबरण के किए तम पाया गया प्रति-क्षव, निकासिकत स्कृतके से सक्त कम्बरण निविद्य में वास्विक क्षव में क्षिया नहीं किया गया हैं दे—

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाब की बाबत, उन्त अभिनिद्देश के अभीत कर दोनें के उन्तरक के दर्दिश्य किसी करने या उससे वचने या स्विधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी साम या किसी धन ना सम्य जास्तियों को, जिल्हों भारतीय सामकार सीमीनियस, 1922 (1922 का 11) ना उत्तक्त अधिनियस, सा धन-कर बीधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ सन्तरिती ब्यास प्रकट नहीं किसा गया था सा किसा बाना चाहिए छा, छिपान में स्विधा की सिए;

अतः अव., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थन : - 60—356GI/85

- प श्री विक्या मित्र सरना पुत्र श्री लाक नाथ सरना, निवासी 3907, मेक्टर 22-डी, चण्डीगढ (अन्तरक)
- 2 श्री तरसेम सिंह पुत्र श्री माया धारी, श्रीमित कमलेण रानी पत्नि श्री तरसेम सिंह, निवासी मोान न० 188, 0सैक्टर 22-बीं, चण्डीगढ़ (श्रन्तरिती)

का वह स्थान बारी करके पूर्वोक्त सपीत्त के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां करता हुई।

इक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वास्रेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अर्थीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाधा की तामीन से 30 दिन की वर्गीध, यो भी अविध नाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (च) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारींच सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्मत्ति में हितबब्ध
  किसी बन्य व्यक्ति ब्वाश मधोहस्वाक्षरी के वास
  लिखित में किए आ सकोंगे।

स्वकानिकरण: ----इसमें प्रयूक्त कर्ष्यों और वर्षों का, को उक्त वीधीनवन के कथ्याव 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष कृति। को उन्न सध्याय में विधा वृक्षा हैं।

#### मन्सूची

मकान नं० 1872, सक्टर 22-बीं, चण्डीगढ़। (प्रयात बह जायदाद जो कि रिजिस्ट्रींकर्ता श्रधिकारी, चण्डीगढ़ के बिलेख मं० 1396 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधि गरी सहायक प्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रजैत रेंं।, लुधियाना

नारीख: 8-11-1985

प्रकर बार्ड, टहे. एत. एव, ----

जायकर जीधीनयम 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत चत्रकार

# कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्रण) भूजेंन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनार 11 नवम्बर 1985

निर्देश स० चण्डीगढ़ | 192 | 84-85-स्रतः, मुझे, जोगिन्द्र सिंह, महाया प्रायकार धायुक्त निरीक्षण), प्रर्जन रेज, चण्डीगढ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वाह करने का कारण हो कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० मान न० 17 वा 1/2 भाग है, तथा जो सैक्टर 21-ए, चण्डीगढ में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से चणित है) रजिस्ट्री-र्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीडढ़ में रजिस्ट्री-रण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोतन सपित के उधिय वाजार प्रथ से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उणित गाजार मृस्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एने व्ययमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्सरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उष्वदेय से उक्त अन्वरण निकित में बास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की धाबत, उच्च अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के वाक्तिय में कबी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; बीरु/या
- (ख) एंसी किसी आम या किसी धन या कत्य क्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्राचनार्थ जन्नरिती व्याग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपाले में सुविधा के किए;

नराः अव, उन्त अधिनियम की भारा 269-त के जनुसरण जैं, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् —

- श्रीमती हरमिन्द्र कौर परित स्व० पी० ए.स० नाथ, निवासी मकान त० 17 सैक्टर 21-ए, वण्डीगढ़ (श्रन्तर :)
- 2 श्री ईश्वर सिंह पुत्र श्री हरमानं सिंह, निषासी ऊना (हि॰ प्र॰)

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त संवत्ति को कर्वन को बंधिय में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबीध या तत्त्वस्थानी व्यक्तितमें पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबीध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतार पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की शारील में 45 दिन को भीतर उपन्त स्थावर सपरित में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति इवार। अधाहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा संस्ति।

स्वक्रिकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्नो और पर्यों का, जो उक्त आयकर जीधीनयज्ञ के अध्याय 20-क में परिशायित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिशा नवा है।

#### वन्स्की

मकान तं० 1क सैक्ट' 21-ए का 1/2 भाग, चण्डीगढ (अर्थात वह जायदाद जो ि रिजिस्ट्री ती प्रिधारी, चण्डीगढ के विलेख २० 1403 माह मार्च 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्षर श्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख ; 11-11-1985 मोहर . प्रारूप आहें.टी.एन.एास. .....

बाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रभीत सुचना

#### भारत परकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांदः 8 नचम्बर, 1985

निर्देश सं० चण्डीगढ़/193/84-85-प्रतः, मुझे, जोगिन्द्र सिंह, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, लुधियाना, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- 'त. से अधिक हैं

और जिसकी सं मनान नं 545 है, तथा जो सैक्टर 36-बीं चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीशर्ती अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

कां पूर्वाक्त सञ्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के विष् अल्परिश की गई है और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यंका

मुक्त यह विश्वास करने की कारण है कि यशा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से ऐसे उत्यम्नन प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वदेश से
उक्त अंतरण निस्तित में बान्यविक रूप से कथित नहीं किया
नया है: -

- (क) बन्तरण ते हुइ किसी आय की धाबत, उक्त अधिनियस के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बॉफ/का
- (क) ऐसी किसी आय रा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किना जाना चाहिए था जिना में स्विधा के सिए;

नर: जब, उन्त विधिनयम की भारा 269-ज के वज्नरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अधीव :—

- श्रीमित पिंबन्त्र कौर सिंधू पिंत श्री मलकीयत सिंह सिंधू, निवासी मकान नं० 545, सैंक्टर 36-बीं, चण्डी (प्रन्तरक)
- 7. श्री हरीराम सिंह पुत्र श्री सन्त सिंह, निवासी मकान नं० 5058/1, सन्त नगर, करोल बाग, नई दिल्लीं-5

(श्रन्तरिती)

की बहु सूचना जारी करके प्रकेत सम्बर्गित के अर्जन के तिव् कार्यवाहियां घूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध के कोई भी आक्षय :---

- (क) इस सूचना को राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बर्गी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी बद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर म्वित्यों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में एकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हितबक्ष किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिवित में किए वा सर्वोंचे।

स्पष्टीकरण :--इसमी प्रयुक्त शब्दों और पता का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वही अर्थ हित्या जो उस अध्याय मी दिया क्या है ।

#### अनुसूची

मकान नं० 545, सैक्टर 36-बी, चण्डीगढ़। (प्रथीत वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रींक्ती प्रधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख सं० 1412 माह मार्च, 1985 के तहत दर्जे हैं)।

जोगिन्द्र सिंह् नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुखियाना

तारीख: 8-11-1985

प्रकल बार्ष. टी. एन. एचं. -----

माथकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) य अधीन सुचना

#### शारत कडकार

कार्यालय, सहायव आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज, लिधयामा

लधियाना, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० चण्डीगत/194/84-85----यतः मुझ, जोगिन्द्र सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना, नायकर अधिनियम, 1961 '1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पण्डात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-च ते अधीन संम्म प्रा'धारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भूतं , विसका उष्यत बाजार मूस्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 2007, सैक्टर 15-सी, चण्डीगढ़ है, तथ जो चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोत्तत सम्पत्ति के खीवत बाबार बृत्य ने कन के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत समारित के उचित बाजार बृत्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे गा गान प्रतिफल का बन्तद प्रतिचत से लिथक है और बंत क (कं रकों) और बंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिख सब पाया विशे इतिफल, निम्नसिवित के किया से क्या बन्तरण निवित में बास्तिवक रूप से सिवत नहीं किया नंदा है :—

- (कं) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. श्री ए० एस० संधू पुत्र श्री जगत सिंह संधू, निवासी मकाम नं० 2007, सैंक्टर 15-सी, चण्डीगढ़ (अन्तरक)
- 2. सर्वश्री परमजीत सिंह बराढ़, श्री कंवलजीत सिंह बराड़ पुत्तान डा० जसकरण सिंह बराड़, निवासी मकान नं० 3262 सैन्टर 35-डी, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)
- (1) श्री एस० एस० लाल, मिवासी मकाम नं० 2007, सैक्टर 15-सी, चण्डीगढ
  - (2) श्री साझी राम णर्मा निवासी मकान नं० 2007 से**न्ट**र 15-सी, चण्डीगढ़

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मेंप्सम्पत्ति है)

को यह सूचना था । करके पर्योक्त संपत्ति के कर्जन के निए कार्यवाहिया करता हुए।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षीय-

- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन की प्रविध ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ता, ति से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद यो 1 गप्त । ति हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों मं से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्किरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के गयाय 20-क में परिभाषित हैं,, वहीं नर्ष हैं गांची उत्त अध्याय में हैंदया नवा हैं।

#### बप्युची

भकान नं० 2007 सैक्टर 15-सी, चण्डीगढ़ । (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख सं० 1417 माह मार्च, 1985 के तहस दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लिखयामा

तारीखा : 8-11-1985

मोहर 👸

प्रकप बाई. टी. एव. एस. -----

श्रायकर श्रीभनियंत्र, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियामा

ल्धियामा, विनांक 31 अक्तूबर 1985

मिदेशं सं० चण्डीगढ़/195/84-85—यतः, मुझे, जोगिन्द्रं सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण), अर्जम रेज, लुधियाना आयकर अधिमियम, 1961 (1961 का 43 रेज, लुधियाना इसके गंधात् 'उक्ल रूधिंगेंग्न,' कहा गयः हैं), की गरा 269-च या अधीन सर्जा श्रीरकारी को बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थावन संपत्ति, जिल्हा उपित बाबार मूल्य । ००,०००/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी स० रिहायणी प्लाप्ट न० 1115 है तथा जो सैक्टर 36-सी चण्डोगढ़ में स्थित है (श्रीर इसमे उपाषद अनुसूची मे श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 26) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इत्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्दा शिर मुमे यह विश्वास करने का कारण है कि राधापूर्वोक्ष समित र उचित ताजार मूल्य, उनके स्वामन प्रतिकृत है, एरे, स्वयमान में फब का पन्त्रहें प्रति ते विश्वास करने का का पन्त्रहें प्रति ते विश्वास करने के स्वामन में फब का पन्त्रहें प्रति तत से विश्व है और तिरक (अंतरक्रें) ! र अंकरिती (पंतरितियों) व ोच मसे अन्तरण के लिए तर प्रति गया प्रतिफल निवस्ति सेत र स्वरिय ते उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक क्य से कि मित कहीं विश्व गवा है है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नवश्च नन, उत्त निधनित्म क्षं भारा 269-म के जनुसूरण ने, मी, उत्तर कश्चिनियम को भारा 369-म जी उपभारा (1) के नधीन, निक्कित्विक अनिकार्तें अर्थात् ह—

- श्री हरजीत सिंह पुत्र श्री इन्द्रजीत सिंह निवासी 10 भूपिन्द्र नगर रोड पटियाला (अन्तरक)
- 2. श्रीमित हरेन्द्र कौर परिन श्री पृथपाल सिंह कोहली श्री पृथपाल सिंह कोहली पुत्र श्री कौर सिंह निवासी मकान नं० 252, सैक्टर 35-ए, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को सह ब्रुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पास के नर्चन के विष कार्ववाहिनां सुरू करता हूं।

## क्ष्मत क्षमति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाओर :---

- (क) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन कि तारीख सै 45 विन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्थान के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पर्ि में हितबस्थ किसी कन्य व्यक्ति ह्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास किरी त में किए । जिसेंगे।

स्पद्धोकरण '---इसमें प्रयुक्त शब्दो और गर्वो का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### धनुसूची

रिहायणी मकान नं० 1115, सैक्टर 36-सी, चण्डीगढ़, (अर्थात वह जायदाव जो कि रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के वलेख सं० 1423 माह माच, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, लुक्षियाना

तारीख: 31-10-1985

मोहरू ध

प्रकृष जाइ टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीर स्वना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निदश सं० चण्डीगढ़/196/84-85—यतः. मुझे, जोगिन्द्र सिंह, सहायक अ। यकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लुधिय'ना आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक्ट पश्जात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्तित जिसका उचित्त बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं और जिसकी संग्मकान ढ़० 121 है, तथा जो सैक्टर 21-ए चण्डीगढ़ भूमें स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिरट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमाण प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके क्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के शिष ऐपि अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अंतरण सिखित मे बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, जक्त मिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यापित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; आर/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, निन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं विद्या गया ना सा किया चाना चाहिए चा, जियाने में सुविधा के लिए;

बतः बच्च, उक्त विधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) में के विधीन, निम्नितिश्वित व्यक्तियों, बंधति क्रु—-

- श्री पूर्ण चन्द पुत्र श्री मतराम निगसी कनौडिया भवन, ह्स्पताल रोड़, भटिंडा द्वारा उसकी अटार्णी श्री तीरथ राम निवासी मकान नं० 223, सैक्टर 11-ए, चण्डीगढ़ (अन्तरक)
- 2. श्रीमित सुरेश कुमारी परिन श्री मनी प्रकाश शर्मा, निवासी मकान नं० 223, सैक्टर 11-ए, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह तुमना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ वाद में समादा होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा ;
- (ख) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किये जा सकती।

स्यव्हिकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिवा पया हैं।

## अनसूची

मकान नं 121 सैक्टर 21ए, चण्डीगढ़ (अर्थात बहु जायनाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रियितारो, चंडीगढ़ के बिलख सं 1474 माहु मार्च 1985 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-11-1985

# प्रकल आहें. टी., एत., एव. -----

# नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक जायकर लायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 31 अष्तूषर 1985

निवेश सं० चण्डीगढ़/198/84-85—यतः, मुझे, जोगिन्त्र सिंह, सहायक आयकर आयुक्त, मिरीक्षण) अर्जन रज, लुक्षियाना बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (भ्यस इसमें इसके परवात् 'उक्त विभिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-य के बभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

भ्रोर जिसकी सं० रिहायणी प्लाप्ट नं० 716 है, तथा जो सैक्टर 40-ए, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (श्रोर इसने उपाबद अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप ने वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के जन्मशान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तब पावा जबा तिफल, निम्नितिबत उद्देष्य से उक्त अन्तरण निविद्य में शुरुतिक रूप से किया नहीं किया जवा है है—

- (क्लं) अन्तर्भ सं हुई किसी नाम करें नामतः, उस्स अधिनियम के जभीत कर दोने के जन्तरक के शामित्व मो कमी करने या उभमें अधने में रिविध। के लिए; कौद्व/मः
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सिकों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 192 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियान स्विधा के निए;

अत: जब, उक्त जिथिनियम को धारा 269-ग क अनुसरण मो, मी, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग की एपधारा (1) के अधीन, जैनम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध---

- श्री रतन चन्द पुत्र श्री गंडा राम,
   निवासी मकान नं० 584, सैक्टर 22-ए, चण्डीगढ़ (अन्तरक)
- 2. श्री चानन सिंह निजर पुत श्री मिलखा सिंह निजर, निवासी गांव पंडोरो निजरां, ज़िला जानन्धर (अन्तरिती)

को यह सचना जारी करक प्यक्ति नक्ष्मिक के बर्जन की लग कार्यवाहिया करता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के समध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वनः के राजपंत्र में प्रकाशन का तारीक्ष के 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी स्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी वंशिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीकत ध्यक्तियों में स किसी व्यक्ति बुवारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास दिनं यह मा किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **भ्रन्**सूची

रिहायशी प्लाट नं० 716, सैक्टर 40-ए, चण्डीगढ़। (अर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख सं० 1505 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

**तारीख: 31-10-1985** 

# प्रकल बाह्य . दी . यून . क्यू . ----------

अध्यकार सधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सचीन स्थना

#### MES START

कार्यन्त महायक बायकर बायकत (निरोक्सण) ग्रजैन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनौक 4 नवस्वर 1985 निर्वेश सं० डेरा बस्सी 17/84~85—प्रतः मुखे जोगिन्द्र सिंह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विषये इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिथिनियम' कहा नमा है"), की भारा 269-स के अभीन सक्त प्राधिकारी की वह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित, विस्तवन स्वित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० भूमि 6 बीघा है तथा जो गाँव रामपुर कलां, सब तहसील 'डेरा बस्सी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप स वाँणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, डेरा बस्सी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च 1985

को प्रवेमित सम्बक्ति के जिस्स बाधार मृत्य से कल के स्वयमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुख्ये वह विद्यास करने का कारण है कि यथा प्रवेमित सम्मत्ति का जीवत बाधार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिक्रम के पम्प्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) जीर अंतरिती (बंबिसितमें) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पादा गवा/प्रतिक्रम, किम्मिनिति उद्देश्य से जन्त बन्तरण जिखिता में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है

- (क्थ) अन्तरण संश्रृष्टं फिसी बाव की बावत, उपल अधिनियम के अधीय कर दोने के अध्ययक औ दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ध) एसी किसी जाय या किसी धन वा अच्य झास्तियों इते, जिन्हें भारतीय आय-कर विधितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधितियम, वा अन-कार विधित्यम, वा अन-कार विधित्यम, 1957 (1957 का 27) ते प्रयोजनार्थ बन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था. कियाने में मुनिधा के तिक्य;

बतः अव, उक्त विधिनयम की भारा 269-ग की अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अणीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्टें, अर्थात :—— 1. श्री जगदीश मित्र पुत्र श्री हरी राम, निवासी मकान नं० 67 सैक्टर 28ए, चण्डीगढ़, प्राप्ते लिए तथा बतौर प्रटानीं श्रो विशवा मित्र पुत्र श्रो हरी राम, निवासी मकान नं० 67, सैक्टर 28 ए, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

 मैसर्ज पंचणीण कोश्रापरेटिय हाउस बिल्डिंग सौसाइटी रिजस्टर्ड गाँव रामपुर कला सब तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला ।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके वृत्तीकत सम्परित के अर्थन से लिए कार्वशाहर्मा करका हूं।

सम्बद्ध कंपत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की सर्वीय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की जनिथ, यो भी सर्वीय बाद में समाप्त होती हो, को मीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वक्राकरणः — इतमं प्रयूकत सन्दों जीए पदों का, को अवह जीभनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में प्रिक पत्र है।

#### अनुसूची

भूमि 6 बीघा जो कि गाँव रामपुर कलाँ सब तहसील डैरा बस्सी जिला पटियाला में स्थित है (ग्रर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी डेरा बस्सी के विलेख संख्या 1504 माह मार्च 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्रर सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅज, लुधियाना ।

दिनाँक: 4-11-1985

मोहरः

प्रकर्, बार्च, टी., एन., एव., =--=

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यानन, तहानक नागकर नायुक्त (निर्द्रीक्रण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाँक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० डेरा बस्सी/18/84-85—-श्रतः मुझे जोगिन्द्र सिंह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कौ भारा ∠69-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी भूमि 5 बीघा है तथा जो गाँव रामपुर कर्ला सब तहसील डेरा बस्सी में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्याक्षय डेरा बस्सी में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथल्पूर्वोक्त संपित्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शाबा नया प्रतिफल, निम्नसिशिव सम्बद्धिय से उन्त बन्तरण निश्वत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है हु—

- (क) वंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्धरक के बायित्व में कजी करने वा उक्को वचने में सुनिधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

बतः भव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग की वनुसरण में, मं, उक्त विभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—— 6 1—356GI/85

- 1. श्री जगदीश मित्र पुत्र श्री हरी राम निवासी मकान नं० 67 सैक्टर 8ए, चण्डीगढ़ श्राने लिए तथा बतौर श्रटानीं श्री विशाव मित्र पुत्र श्री हरी राम निवासी मकान नं० 67 सैक्टर 28ए, चण्डीगढ़। (श्रंतरक)
- 2. मैंसर्ज पंचशीय कोग्रापरेटिव हाउस बिर्लिंडग सोसाइटी रिजस्टर्ड, गाँव रामपुर कलाँ, सब तहसील डेरा बस्सी, जिला पटियाला ।

(श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

## उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से
  45 दिन की बर्वीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका वदा हाँ।

#### अनुसूची

भूमि 5 बीघा जो कि गाँव रामपुर कलाँ सब तहसील डेरा बस्सी जिला पटियाला में स्थित है (श्रयीन वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रोकर्ना अधिकारी, डेरा बस्सो के विनेख संख्या 1635 माह मार्च 1985 के तहत दर्ज है ) ।

> जोगिन्द सिह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लुधियाना

दिनाँक: 4-11-1985

# प्रस्प बाहे.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यातय, तहायक वायकर वायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ल्क्षियाना

लुधियाना, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० डैरा बस्सी/19/84~85—श्रतः मुझे जोगिन्दर सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि 5 बीघा है तथा जो गाँव रामपुर कलाँ सब तहसील हेरा वस्सी में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय डेरा बस्सी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908) का 16) के श्रधीन दिनौंक मार्च 1985

को प्रवेकित संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथा पृष्टीयत संपरित का उचित बाजार मृल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकार्ग) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्ववश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तियिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरच संहुद्दं किसी बाय की बाबत, खबत बिधिनियम के बधीन कर दोने के सन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे अपने में सृधिधा के सिए; बीर/या
- (क) ऐसी किनी नाय मा किसी धन या अन्य आस्तियाँ कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अनेचनार्थ अन्यति क्वारा अकट नहीं किया नवा था वा किया बाना नाहिए वा किया में में सुत्रिभा के निए;

बार बब. उक्त विधिनियम की धारा 269-म की अभूसरभ में, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थातु :---

- शो जगदीश मित्र पुत्र श्री हरी राम, निवासी मकान नं० 67, मैक्टर 28 ए चण्डीगढ़ ग्रपने लिए तथा बतौर ग्रटानी श्री विशवा मित्र श्री हरी राम निवासी मकान नं० 67 मैक्टर 28 ए, चण्डीगढ़। (ग्रन्तरक)
- 2. मैसर्स पंचणील कोग्रापरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी रिजस्टर्ड गाँव रामपुर कलाँ, सब तहसील डेरा बस्सी। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्बवाहियां करता है।

उक्त तम्मिल को कर्णन को सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप 2--

- (क) इस स्थान के राजपण के प्रकालन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की नविध, खो की अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष भ्यक्तिओं में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशित की तारी है के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा हकों में।

स्वकारिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उनका अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

#### **भनुसूची**

भूमि 5 बीघा जो कि गाँव रामपुर कलाँ, सब तहसील छेरा बस्सी जिला पटियाला में स्थित है (श्रयांत वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, छेरा बस्सी के विलेख संख्या 1567 माह मार्च 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्दर सिंह, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनौंक: 4-11-1985 ।

प्रकष् आईं .टी , एन , एस . -----

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरोक्षण) भ्रजीन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनौंक 11 नवम्बर 1985 निर्देश सं० चण्डी०/37ईई/84→85→अतः मुझे जोगिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की भाष 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० मकान नं० 50सी, है तथा जो फेस 3बी— मोहाली तहनील खरड़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक मार्च 1985

का पूर्वियत सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दस्यमान्
प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वियत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल में, एसे दश्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और वंतरक (अंतरका) कीर बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के निए तम पाया गया प्रतिक क निम्निश्चित उद्देश्य से स्थत अंतरण विश्वा प्राप्तिक क सिम्निश्चित उद्देश्य से स्थत अंतरण विश्वा प्राप्तिक

- (क) अन्तरण संहुर्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुक्रिधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) के अधीन, निम्निसिस अधिनयमें, अर्थात् ः—

 चौधरी रतन सिंह पुत्र श्री रूड़ा सिंह, मक्तान नं० 1252, सैक्टर 43 बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री सुरेन्द्र जिंह सभारवाल पुत्र श्री करतार हिंह, निवासी मकान नं० 48, सैं हिंदर 27 ए, चण्डोगढ़। (श्रव्हरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के धर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थक्तियों में किसी क्षाक्ति तकाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकत ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वस्तुवी

मकान नं० 50सी फेज 3 बी —I, मोहाली, तहसील खरड़। (ग्रर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 5082 माह 25-3-1985 तथा बेचने के लिए एकरारनामा दिनाँक 15-3-1985 में पंजी- छत है)।

जोगिन्दर सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनाँक: 11-11-1985

# प्रकम बाह् टी पुन एवं अ

# बायकर बिधिनियम : 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### शारत प्रस्कार

# कार्यासय, सहायक वायकार बायकत (निरोक्षण) श्रर्जनरोंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 1 नथम्बर 1985 निर्देश सं० खरड़/112/84-85-म्प्रतः मृझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (विषे इसमें इसके परवाल 'उक्त निर्धिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के निर्धान सकाम प्राधिकारी की, वह विस्तास करने का कारन हैं कि स्थानर सम्पत्ति, शिसका उन्तित वाजाड नृस्य 1,00,000/- क. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 124 बींघा 18 बिस्या है तथा जो गाँव कुराड़ी, तहसील खरड़ में स्थित है (और इससे उपाबद अनु-सूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, खरड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को जीवत बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिष्ठल को लिए अन्तरित की गई ही और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल सो,

एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा में सिए; हुरि/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धर्म या अन्य जास्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जना था किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

कतः अव, उकत अधिनियम की धारा 269-क के अनुभरक में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित उपक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री नन्दलाल पुत्र श्री पश्मानन्द, निवासी मकान नं० 1600 सैन्टर 7 सी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरकः)

2. दी शील कोम्रापरेटिष हाउस बिल्डिंग सोक्षाइटी लिमिटेड, गांव कुरडी तहसील खरड़ द्वारा श्री लखबीर सिंह कैयरमैन ।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां जुरू करता हुं।

जबत संपत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अथाहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस्त अध्याय में दिया गया है।

## प्रनुसूची

भूमि 124 बींघा 18 विस्वा जो कि गांव कुरडी तहसींल खरड़ सें स्थित हैं (अर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रींकर्ता श्रिधकारीं, खरड़ के चिलेख संख्या 4969 माह मार्च 1985 के तहत दर्ज हैं)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज लुधियाना

दिनांक: 1-11-1985

मोहर ४

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यातय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुबियाना, दिनां ह 11 नवम्बर 1985

निर्देश सं० पटियाला/57/84--85---श्रतः मुझे जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं शापर्टी एरीया है तथा जो 881 है वर्ग गज, तिराड़ी निरिहिन्द रोड पटिचाना में स्थित है (और इनसे उपाबद प्रतृपूर्वों में और पूर्ण विभिन्न है), रिक्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यात्य में, रिक्ट्री रण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनाह मार्च 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गर्इ है मभो यह विश्वास करने का कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ह——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय क/ बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- श्री विदेश कुमार पुत्र श्री ओम प्रकाश अपने लिए बतौर प्रदानीश्री विनोद कुमार श्री विमल कुमार, श्री जतेन्द्र कुमार पुत्रान श्री ओम प्रकाण तथा श्रोमति भगवन्ती विधवा श्री ओम प्रकाश, निवासी बी टाउन- पटियाला ।

(भ्रन्तर∗)

2. श्री जगमोहन भिंह पुत्र श्री हुगूर सिंह, निवासी 22 यद्रविन्द्रा कालोनीं, पटियाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना को राजपक्ष भी प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी कन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हात्रेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्सूची

प्रापर्टी एरिया 881 री वर्ग गज जो कि तारपड़ी, सिरहिन्द रोड पटियाला में स्थित है (श्रर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता, ग्रधिकारी, पटियाला के विलेख संख्या 4960 माह मार्च 1985 के सहत दर्ज है )।

> ं जोगिन्दर सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लुधियाना

<sup>दिनांक</sup>: 11-11-1985

मोहर 🖫

प्ररूप कार्ड, टी. एत. एड.------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-व (1) के जधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्याह्मय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुश्रियाना दिनांक 11 नवम्बर 1985

निर्देश सं० पटियाना/56/84-85---ग्रतः मुझे जोगिन्द्र सिंह.

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम', अझा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, िसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिम हीं मं० प्रापर्टी एरिया 881 वर्ग गज है तथा जो तरिपड़ी, मिरहिन्द रोड़, पिट्याला में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रिजस्ट्री ता प्रधिकारी के कार्यालय पिट्याला में, रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाह मार्च 1985 को पूर्वोक्स सम्पोक्त के उपित बाजार मृत्य में कम के एण्याल प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्र्यमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य में उक्त अन्तरण कि खित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त सिभ-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व, में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (ण) पोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अतिरिता दुनारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया थाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए;

श्रदः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री राम चन्द पुत्र श्री सुलेख चन्द, निवासी देस राज स्दीट, पिटयाला, ।
  - (अन्तरक)
- श्री दयाल दिपन्द्र सिंह पुत्र श्री परशोतम सिंह, िवासी
   यदिनन्द्रा कालोनी, पटियाला ।

(भ्रन्तरितीं)

को यह स्चना जारी कश्के पूर्वोक्त सम्प्रति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाओंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वनः के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अक्षंह्रेस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकाँगे।

स्पन्नीकरण: — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, भो उन्नत अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, भो उस अध्याय में दिया गया है।

# **वनुस्**ची

प्रापर्टी एरिया 881-- वर्ग गज जो कि तरिपड़ीं सिरहिन्द रोड, पटियाला में स्थित है (ग्रशीत वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधाकरीं, पटियाला के चिलेख संख्या 4959 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है )।

> जोगिन्दर सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक 11-11-1985 मोहर: प्ररूप मार्'ु टी ् एत्. एस् ु=-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भा<u>र</u>ा 269-प (1) के अधीन सुचना

#### भाउत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायका (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर 1985

निर्देण मं० परियाला/55/84--85---श्रतः मुझे जोगिन्द्र सिंहः

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकीं सं० प्रापर्टी एरिया, है तथा जो 881 वर्ग गज, तिर्पड़ीं, सिरहिन्द रोड, पटियाला में स्थित हैं (और इससे उपा-बद्ध श्रन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं),रिजिस्ट्री ति श्रधिकारी के कार्यातथ पटियाला में रिजिस्ट्रींकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च 1985

को पृगेकित सम्परित के उचिन बाजार मृज्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पत्य. त्यक क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अर्तारिता) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्बलिसित उद्देश्य से उक्त जन्तरण निस्ति से बास्तिक क्ष्य से कांसित नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाब की बायत, सबस अभिनियस के जभीन कर दोने के जन्तरक ओ दायित्व में कसी करने या उससे वचने के सुविधा के मिए; बीर/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 ।, 022 का 11 या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए।

जतः बाब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 6. श्री हरी जन्द पुत्र श्री भुलेख मन्दर, निवासी देन राज स्ट्रीट, पटियाना ।

(ग्रन्तरकः)

 श्रीमति बलि स्दि कौर पित श्री जगमोहन सिंह, 22, यदिवन्द्रा नालोगी, परियाला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविंध, जो भी अविंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के गाउँ लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

प्रापर्टी एरिया 881-- वर्ग गज, जो कि तरिपड़ी सरिहन्द रोड़पटियाला में स्थित हैं (प्रथात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्री-ज़र्ती श्रिश्चिरी, पटियाला के विलेख संख्या 4958 माह मार्च 1985 के तहत दर्ज हैं)

> जोगिन्द्र सिह सक्षम प्राधिसारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनों ह: 11-11-1985

## प्ररूप बाइ टी एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत संस्थार

# श्चायांकय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्तक) ग्रजीन रेज, ल्धियाना

लुधियाना, दिनाक 11 नवम्बर 1985

निर्देश सं० पटियाला/60/84-85--ग्रतः मुझे जोगिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00 000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 5591/1का भाग, है तथा जो पटियाला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोका सम्पत्ति के उचित बाजा मृत्य से कम के स्वयसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई / और /फ़े यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पणि का उचित बाजार मृत्व, उसके र /यबान प्रतिफल से, ऐसे रूथमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रशिशत है अधिक है और /खरक (बंतरकों) और अंतरिती (बंतरितिकों) के बीच ऐसे जंतर । यो लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से किंगा नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बावन, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिख में खी। अरने या उसके बचने में सुनिश के निए; सर्द्री ॥
- (क) ऐसी किसी आय या निक्षी धन या अस्य आस्तियों की जिन्ह भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उर्जा अधिनियम, या धन- कर राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज शर्ध जन्तरिती बुबा प्रकट हीं किया गया था व. किया जाना चाहिए था, ि शाने में स्थिधा के लिए।

कतः वद उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जन्तरण में, में, उक्स अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रीमित ज्ञान कौर पितन दीवान हरी कृष्ण खोसला, निवासी नजदीक श्रार्य समाज, पिटयाला ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रामेश्वर दास स्मारक समिति द्वारा श्री परशोतम दास, निवासी सामने सत्या नारायण मन्दिर, श्रार्य समाज चौक, पटियाला।

(भ्रन्तरिती)

# को बहु बुचना चारी करके पूर्वोक्त कम्बत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इरा स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना कें राज्यम में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्याररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बन्दर्भ

मकान नं० 5591/1 का भाग जो कि पटियाला में स्थित है। (ग्रर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, पटियाला के विलेख संख्या 4788 माह मार्च, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, लुधियाना

दिनांक 11-11-1985 मोहर: वंकन थाएँ . टॉ . एन . एक . ------

नावकर नीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) में बचीन ब्यान

# जाड़त करवार कार्यजन, सहायक थावर सावृक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, सुधियामा

भीर जिसकी सं० मकान नं० 5591/1 का भाग, है तथा जो पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद धनुसूकी में धौर पूर्ण रूप वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के धिमा विनांक] मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्मिति के उकित बाबार मृत्य से कम के अवजान प्रतिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विद्यास करते का कारण है कि यथन्यूर्वोक्त सम्मित्त का उकित बाबार मृत्य, उसको दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिक्त उक्देश्य से उक्त अंतरण लिक्त में बास्तीवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धनकार अधिनियम, मा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जो प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सूचिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 262-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. **भी भवतार कृष्ण को**सला पुत्र स्व० श्री दीवान हरी कृष्ण कोसला, निवासी नजदीक भार्य समाज, पटियाला (भन्तरक)
- 2. श्री रामेश्वर दास स्मारक समिति द्वारा श्री परकोतम दास निवासी सामने सत्यानारायण मन्दिर, श्रार्यसनाज चौक, पटियाला ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करताग हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी को पास लिक्सित में किए जा सकरेंगे।

स्थानीकरण: — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उत्यस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

बजान नं 2 5591/1, का भाग जो कि पटियाला में स्थित है (बर्बात नहें जायवाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता धरिकारी, पटियाला के विलेख संख्या 4787 माह मार्च 1985 के तहत वर्ष हैं) ।

> जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज,लुधियाना,

विनाम 1-11-1985 बोक्टर

# प्रस्पः बाइै.डॉ. एन . एस ्नन्नन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर 1985 निर्देश सं० खरड़/113/84-85-ग्रातः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

अप्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं कमकान नं क 459 है तथा जो फें VI, मोहाली तहसील खरड में स्थित है (भौर इससे उपायद्ध भनुसुची में भौर पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता भिष्ठकारी के कार्यालय खरड़ रिजस्ट्रीकरण भिष्ठितयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1985

को पर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अल्लिश की गई हैं और मूंझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल, निम्निलित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिषक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सृविधा के लिए; और/या
- (स्त) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम; 1922 (1922 का 11) या उनक अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 , (1957 का 27). के पयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया, गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अत: अड. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (-j,) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमित मूर्ति देकी परिन श्री धारमा राम निवासी मकान नं० 459 फेज IV, मोहाली, तहसील खरड़। (श्रंतरक)
- 2. श्री प्रीतम सिंह पुत्र श्री मालक सिंह, निवासी मकान नठ० 2641, संस्कटर 19सी, चण्डीगढ़। घव हाउसिंग कमिश्नर (सिविख संकक्षेत्र), चण्डीगढ़ का पी० ए० (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृक्षेत्रस सम्पत्ति के वर्धन के जिल्ह कार्यवाहियां करता हूं।

## उनक्ष सम्पत्ति के बर्चन के धंकंभ में कोई भी नाओंभ ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पंच्यांकरण: — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विद्या गया है।

# वन्त्वी

मकान मं० 459 फेज VI मोहाली तहसील खरड़ (भर्यांत वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड़ के विलेख संख्या 4986 के माह मार्च 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्दर सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, सुधियाना

विनांक: 8-11-1985

त्रक्ष बाह्" ठी. एष. एत. ------

बायकर विश्वनिषय, 1961 (196 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्वना

#### भारत सहकार

सिंह, कायकार अभिनियस, 1961 (1961 का 43) (किसे इंड्रॉनें इक्सके प्रथात् 'उक्त विभिन्नम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह ि ं कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्टिय श्राचार मृत्य

1,00,000/- एत. से मिक हैं।

ग्रीर जिसकी मं ० मकान नं ० 508, है तथा जो फेज IV, मोहाली, तहसील खरड़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय खरड़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीनदिनांक मार्च 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कान के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिगों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः सब, उक्त सीधिनयम की ाउँ 269-ग के सनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीम, निक्निलिसित स्थीक्तयों, समित् 4---

 श्री साधू राम शर्मा पुत्रं श्री अमर नाथ शर्मा, निवासी मकान नं० सैक्टर 22 बी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

 श्री हरेन्द्र द्वीर सिंह बत्तरा पुत्र श्री सतनाम सिंह बतरा निवासी मकान नं० 1041 सक्टर 18 सी, चण्डी-गढ़ ।

(भ्रन्तरिती)

की अब् कृषवा बाही करके पूर्वोक्त सञ्चात्त के वर्षन के लिए कार्वपात्रिको करता हो।

बन्द सम्पत्ति के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिका सवा है।

#### मन्स्ची

मकान नं० 508 फेज IV मोहाली तहसील खरड़। (ग्रर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी खरड़ के विलेख संख्या 4795 माह मार्च 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 8-11-1985

बायकड विभिनियम, 1981 (1981 वर्ष 43) की शब्द 269-त (1) के बनीन भूचना

### क्रांच् पुरस्का

कार्यातय, तहायक वायकः शब्बद (गिरीक्रक)

मर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, विनांक 1 नवस्वर 1985 निर्वेश सं० खरड़/110/94-85---मतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

धावकर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसकें इसके प्रचात 'उन्त अधितियम' कहा गया हूं), की धारा 269-च में वधीन सकाम प्राधिकारी को सह सिकास करने का कारण है कि स्थानर सम्परितः, जिसका उच्छित अधार जूल्य 1,00,000/- रहः सं अधिक है

भौर जिसकी सं० एम० सी० भो० नं० 29 है तथा जो फेस [मोहाली, तहसील खरड़ में स्थित है (भीर इससे उपाबद भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीम दिनांक मार्च 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाकार भूत्व है कम के अधवाप प्रतिकाश के लिए जन्तिति की गई है और नुओ यह विकास करने का कारण है कि यशाप्र त्वत सम्पत्ति का उचित बाबार मून्त्र, उसके अधवाग प्रतिकास के एवं अवस्थान प्रतिकास का पन्नह प्रतिकृत से द्विभूक है और अंक्ट्रफ (बन्द्र) और अन्तरिती (जन्तिर्दे ते) के बीच एवं जन्तरम् के दिवए इस न्या गया प्रतिकार क्या से क्या बहु हिंदा कमा है है—

- (क) बन्तरण ते हुई कियों जाब की बाबता, बनत मिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के समित्व में क्यों कुछने वा उच्छ बचने में जुनिभा में जिल्हें और/वा
- (क) ऐसी किसी भाव वा किसी भन ना अन्त्र जारिताली को भिन्हों नारतीय श्रायकर विविद्यालय, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिर्तिश्वन, ना भनकर अभिनियन, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा ने निए;

नतः भग, उन्त विधितियमः की भाषा 269-ग हो बहुबुह्य वें, गी, उन्त निवित्यम की भाषा-269-म की उपधाहर (1) के अभीन, निज्नलिवित व्यक्तियों, अर्थात् हु—— शिर्मात रंजीत कौर पहिन श्री गुरदियाल सिंह, श्रीमित बलजीत कौर पहिन श्री शमशेर सिंह, श्रीमित गुरप्रीत कौर पहिन श्री परमजीत सिंह, तथा श्रीमित ग्रमरजीत कौर पहिन श्री सुरेखपाल सिंह, निवासी मकान नं० 1538, सैक्टर 34 डी, चण्डीगढ़।

(मन्तरक)

2. श्री दलीप सिंह पुत्र श्री पिशोरी सिंह, श्रीमित तरियत कौर पत्नि श्री दलीप सिंह, निवासी मकान नं० 936, फेज VII, मोहाली, तहसील करह ।

(मृत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत राम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजयत्र में प्रकाशन की तारिक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति द्
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाचिकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गया हैं।

एस॰ सी॰ घो॰ नं॰ 29, फोज V, मोहासी, तहसीस बरड़ (प्रश्रीत वह आयदाव जो कि रजिस्ट्रीकर्ता धिषकारी, बाइड़के विसेख संख्या 4410 माइ मार्च 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगि द्रं सिंह, सक्षम प्राधिकारी, स**हा**यक भायकर आयुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, लुभियाना

दिनांक 1-11-1985

प्रकार बाह् 🗓 टी. एन्. एस.-----

बाल्कर अधिनिवन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीत क्वना

#### बारत चुडुकुड

# आवांत्व, श्रद्धावक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना

सुधियाना, दिनांक 8 नवस्तर 1985
निर्वेश सं खरड़/111/84-85--- प्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,
बावकर अभिनिवन, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इक्टें इक्कें पश्चात अस्त विश्विष्य क्या पना ही की भारा 269-य से वभीन सक्षत प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित्र वाकार मुक्क 1,00,00-0 रु. से अधिक ही

भौर जिसकी फं॰ मकान नं॰ 524 है तथा जो फेज 3 बी-I, मोहाली, तहसील खरड़ में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद धनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय खरड़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक मार्च 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिश की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिगा) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण विश्वित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तर्भ वं हाई जिल्ली नाय की अध्यत्, जन्म विविद्यम् के न्यीन 'प्रर दोने के अन्तरक के स्विद्यम् वे क्षणी कर्म वा उक्क प्रमान में सुविधा के तिए; महि-/ना
- (क) पुंची किसी काय का किसी भन ना अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय नायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपका अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कम्परिती द्वाध प्रकट नहीं किया वया या विका नाम चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन की निम्नीजिक्त व्यक्तिकों, अर्थातः :— 1. श्री कुलक्त सिंह पुत्र श्री तरलोक सिंह, श्रीमित हरमिन्द्रकौर पित्न श्री कुलवन्त सिंह नियामी मकान न० 3142, सैक्टर 47 डी, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमित जीत कौर पितन श्री रतन सिह तथा सर्वश्री प्रवतार सिंह, तरचोलन सिंह, ग्रमरजीत सिंह पुत्रान श्री रतन सिंह, निवासी मकान नं० 514, फेज 3 बी-1, मोहाली, तहसील खरड़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सर्पात्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्कत सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सपित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सको गं।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हागा जा उस अध्याय में दिया गया है।

#### धनुसूची

मकान न० 524 फेज 3 बी-1 मोहाली तहसील खरड़। (भ्रर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, खरड़ के विलेख संख्या 4951 मार्च 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेज, लुधियाना

विनांक : **]** 8-11-1985

प्ररूप् बाइं.टी.एग.णस.------

# आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-भ (1) के बधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

श्रजैन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 नवम्बर 1985 निर्देश संख्या खरड़/108/84→85—श्रतः मुझे, जोगिन्ब्र सिंहु,

कायकर गिंधिनयमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत गिंधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 155, है तथा जो सैक्टर 6, मोहाली तहसील खरड़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूपसे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मार्च 1985

को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के असमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे वह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्परित का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिकास से अभिक है और बंतरक (अंतरका) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा नया प्रतिफल, निम्नलिवित उद्योग्य में उच्त अम्तरण सिवित में नास्तिक रूप से कीचत नहीं किया नवा है।

- (क) क्याडम हो हुए किसी नाम की बावक, क्या मुध्यित्वन के ज्योप क्या रोपे के क्यारक की क्यारत में क्यों करते ना उनके नडाएं में प्रतिका ने दिव्द; कोट/मा
- (ग) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों को जिम्ह भारतीय वायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के परोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— श्री विनोद चौधरी पुत्र श्री शाम लाल चौधरी निवासी मकान नं ० 1227 सैक्टर 34सी, चण्डीगढ़ बतौर जी० पी० ए० कैंप्टन वीरेन्द्र लाल चौधरी पुत्र श्री एम० एल० चौधरी ृतथा श्रीमति निर्मल चौधरी परिन कैंप्टन वीरेग्द्र लाल चौधरी निवासी मकान नं० 1671, सैक्टर 33 डी, चण्डीगढ़ ।

(मन्तरक)

2 श्री महेंद्र सिंह पुष्त स्व० हीरा सिंह, कुमारी दलजीत कौर पुत्री श्री मोद्दर सिंह, निवासी बूथ नं० 92, लारैंस रोड, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

## उच्या सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वार्षय हन्त

- (क) इस सूचना के राजपण्णी में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त स्विसा में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमपूष किसी अन्य व्यक्ति हुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकींगे।

लम्बीकरणः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वाका, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होना, को उस स्थास में विका नवा ही।

#### गमुलुची

मकान नं 155 फेज VII, मोहाली तहसील खरड़ (धर्यात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, खरड़ के विलेख सं० 487, माह मार्च 1985 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रजैन रेंग, लुधियाना

दिनांक: 8-11-1985

प्रस्थ बाई. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सूचना

भारत सरकार

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूक्य 1,00.000/- रु. से अधिक हैं

गौर जिसकी सं मकान नं 425 है तथा जो फेज II मोहाली तहसील खरड़ में स्थित है (गौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण दपस वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खरड़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्वमान प्रतिफल के लिए व्यत्तिरत की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य, उनके उर्वमान प्रतिफल से एसे उर्वमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और वंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा जवा प्रतिफल निम्नितिकत उपवेश्य से उक्त अन्तरण कि कि के बाज निम्नितिकत उपवेश्य से उक्त अन्तरण कि कि के बाज निम्नितिक ने कि कि के कि से कि

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की वाबत, उन्त अधि-मियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दासित्व के कसी करने या उससे बचने में सुविधा के किंद्र; जीर/वा
- (क) ऐसी किसी आप या किसी भन या जन्म अमिस्समीं की पिन्हीं भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, बा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अहें प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में स्वीवधा के निए;

शि हरबन्स सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह निवासी मकान नं० 324 फेज I, मोहाली तहसील खरड़ । बतौर जी० पी० ए० श्रीमती संत्या वती विधवा श्री लक्ष्मण दास जगोता, द्वारा जागोता कमिश्रयल कालेज, मेन बाजार, रोपड़ ।

(ग्रन्सरक)

2. श्री रूप चन्द पुत्र श्री लम्भू राम, निवासी मकान नं० 23, सैक्टर 20 ए, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्बनाहियां करता हु।

**उक्त सम्ब**त्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बरद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से सिसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा तकोंगे।

स्वच्यक्तिरणः — इसमें प्रश्नुमत्त गम्बाँ और पर्दों का, को उक्त विभिन्नमा, के अध्याद 20-क में परिभावितः हीं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में क्या नवा ही।

#### **मनुस्**ची

मकांम नं० 426 फेज II मोहाली तहसील खरह (मर्थात वह जागदाव जो कि रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी खरह के विलेख संख्या 5037 माह मार्च 1985 के तहत वर्ज है)।

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 8-11-1985

मोइर:

प्रस्थः बाह्रं, टी. एवं. एवं. - - - -

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के बधीन क्वना

भारत सरकार कार्यासय, सहायक जावकर नाज्**न्य (निर्दोजन**)

ग्रजैन रेंज, लुधियाना लुधियाना दिनांक 8 नवम्बर 1985 निर्देश स० खरड़/103/84-85---ग्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नमा हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वात करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार नृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मकान नं० 2561 फेंग III है तथा जो मोहाली तहसील खरड में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विज्ञत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रक्षिकारी के कार्यालय खरड में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्यं से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है जीर मुक्ते गई विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिकल का बन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और बंतरक् (अंतरकों) जीर जंतिरती (अन्तरित्वों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गवा क्रिक्तिकल निक्तिविक्त उक्तेक्य से उच्के बन्तरण सिविक में बास्तविक रूप से कोचत नहीं क्रिया चवा है ।

- (क) अन्तरम् वे दुर्श किया वाय की सन्त, क्या गीपित्तम के नवींच कर दोने के क्याइक की दानित्व में क्यों करने वा क्यूबें क्यूबें के दुनिका के निए; नीर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हीं भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था स्थिपाने में स्विधा शिका स्था

शतः वयं उन्तरं विधिनियमं की बारा 269-व के बनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन, रिक्निविच व्यक्तिकों, वर्शीद् ह—— शोमित सुदेश कुमारी जौली परित श्री सतीक कुमार जौली निवासी मकान नं० 499 फेज II मोहाली द्वारा श्री प्रीतु राम पुल श्री चृहढ़ राम निवासी माडल टाउन फगवाड़ा।

(मन्तरक)

2 श्री इन्द्र पाल सिंह झाहलुवालिया पुल श्री ज्ञान सिंह झाहलुवालिया निवासी मकान नं० 2770 सैक्टर 37सी, चण्डीगढ़।

(बन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के भर्वन के सिए

कार्यवाहियां करता हूं।

#### उन्तर सम्मत्ति के नर्पन ने सम्बन्ध में कोर्ड की बाक्षेत्र ह---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकारण की स्वर्थीं के 45 दिन की जविंध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों इर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इव सूचना के राजपन में प्रकाशन की ताड़ीय से 45 विन के भीतर उनत स्थापर सम्मत्ति में दिस-बद्ध चिकी मन्य न्यांच्य स्थारा न्योह्स्ताक्षणी के पास विश्वित में निष्यू का समीचे।

रनेक्क्रीकरण:----१समें प्रयुक्त कक्क्षों और पदों का, यो उपत वीधीनवय, के बध्याय 20-क में परिधादित ही, वडी कर्य होगा, यो उस कथ्याय में दिवा वया ही।

# वद्युपी

मकान नं० 2561 फज 7 मोहाली तहसील खरड़ (भर्मात वह जायदाद जो कि रिजस्द्वीकर्ता श्रीधकारी खरड़ के विलेख संख्या 4775 माह मार्च 1985 के तहत दर्ज है)।

भोगिन्वर सिंह्
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण),
बर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 8-11-1985

सिह

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भारत 269-म (1) में अधीन स्चमा

भारत सरकार

## कार्यावय, तहायक भाषकर वायुक्त (निर्धिका)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना दिनांक 8 नवम्बर 1985 निर्देश स० खरड़/107/84-85--मतः मुझे जोगिना

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समिति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 14, है तथा जो फेज II मोहाली नहसील खरड़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्मिल के उचित बाजार मूच्य से कम के उपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वाध करने का कारण है कि यंथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित्त गजार मूच्य, उसके उपयमान प्रतिफल से, एसे व्यमान प्रतिफल के अन्तरह प्रतिचत से विषक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिवर्षों) के वीच एसे अन्तरण के निए तय पाया वचा प्रतिफल, निम्मीविषय उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप ते कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाथ की यावत, सकत जिथिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक थे दायित्य में कनी करने या उत्तरो वचने में सुविधा के जिस्हें जीद/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हीं भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, बा धनकर विधिनयम, बा धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया वजा था या किया जाना वाहिए था, कियाने में जुनिशा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के बनुवर्ष मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की अपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- श्री राजेंद्र लाल चौधरी पुत्र श्री शाम लाल चौधरी, चौधरी फार्म, गांव डाक बाना राहों, जिला जालन्छर ] (श्रन्तरक)
- 2. श्री अर्जुन सिंह भरोड़ा पुत्र स्व॰ हीरा सिंह श्ररोड़ा तथा श्री मनजीत सिंह श्ररोड़ा पुत्र श्री अर्जन सिंह श्ररोड़ा निवासी मकान नं० 1701, सैक्टर 23 बी, क्षण्डीगढ़ ।

(ग्रतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु<sup>4</sup>।

उक्त संपत्ति के सर्जन के संबंध ने कोई भी बाओर :---

- (क) इस सूचवा के राजवण में प्रकाशन की तारीज ने 45 दिन की जबकि या शत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तानीज से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में सबाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस भूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत इवारा, नथाहस्ताकारी के पास जिल्ला में किए का सकींगे।

स्वत्वाकरणः - इसमे प्रयुक्त सन्दां और पदां का, जो उक्त जीधनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहु अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया व्याहित

#### -

मकान नं । 14, फैज 2, मोहाली तहसील खरड़ (प्रयांत वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी खरड़ के विलेख संख्या 4871 माह मार्च 1985 के तहत दर्ज है ) ।

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भजेंन रेंज, लुधियाना ।

विनोक: 8-11-1985

मो**इ**र :

63-356GI/85

प्रकप बाहे .टी .का .एस . ------

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यामय, सहायक शायकर नायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 नवम्बर 1985 निर्देश सं० खरड़/109/84-85----प्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह.

बायकर बिधनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसै इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पन्धि, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं । मकान नं 587, है तथा जो फेज I, मोहाली तहसील खरड़ में स्थित है (भौर इससे उपायद्व अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खरड़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक मार्च 1985

को पूर्वेक्त संबत्त के उविश्त बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वाध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उवित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिचित में बात्य-विक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, खबत अधिनियमं के अधीन कर बोने के जन्तरण के बारियरण में कमी करने या उससे बचने में बृतिधा के सिए; और/था
- (व) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तियों को, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए भा, जिपाने में स्विभा के किए;

सतः स्व, उपत सींधीनयम की भारा 269-ग के सन्सरण में, में, उसर सींधीनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) में सभीन, निम्निसिक्त स्वीकत्वों, सम्बद्ध ह 1. श्री रंजीत सिंह पुद्र श्री बग्गा सिंह, निवासी मकान न० 566 फेज 2, मोहाली, तहसील खरड़।

(ग्रन्तरक)

2. श्री बलकीर सिंह पुत्र टिक्का जगतार सिंह, श्रीमित सरनजीत कौर पहिन टिक्का जगतार सिंह, निवासी गांव दाउ तहसील खरड़।

(भ्रन्तरिती)

का बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

सकत तक्यित के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अवधि, यो भी सवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर एक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्यव्यक्तिकारणः — इसमे प्रयुक्त कन्दों और पर्वो का, जो उक्त अधि- — नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, कही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया

धनुसूची

मकान नं० 567 फेज II मोहाली तहसील खरड़ ग्रर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी खरड़ के संख्या 4897 माह मार्च 1985 के तहत दर्ज है )।

> जोगिन्दर निह, सक्षम प्राधिकार्थे सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

विनांक: 11-11-1985

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

#### New Delhi, the 4th November 1985

No. A.12025(ii)/1/84-Admn.III.—Consequent on their having been nominated to the Union Public Service Commission as Section Officers on the basis of Combined Ltd. Departmental Competitive Examination 1984, vide Deptt. of Personnel and Training OM No. 5/2/85-CS(I), dated 18-10-1985, the President is pleased to appoint the following officers of the CSSS cadre of this office to officiate as Section Officers of the Central Secretariat Service Cadre of the Union Public Service Commission with effect from the date indicated against each until further orders:—

Sl. Name No.	Rank	Date of appointment
1. Shri T. V. Dinesh	06	30-10-1985
2. Smt. T. V. Mahalakshmy	39	30-10-1985

2. The appointments shall be subject to the results and final decision of the C.W.P. No. 1194/78 pending in the Delhi High Court.

#### The 8th August 1985

No. A. 32014/1/85-Admn. III.—The President is pleased to appoint Shri Kailash Chandra a permanent Section officer of CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Desk officer in the office of the Union Public Service Commission on regular basis with effect from 1st August, 1985, until further orders.

2. Shri Kailash Chandra shall draw special pay @ Rs. 75/-p. m. in terms of Deptt. of Personnel and A. Rs. (now Deptt. of Per. and Training) O.M. No. 12/1/74-CS(I), dated 11-12-1975.

M. P. JAIN
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission.

# MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING, A.R. AND PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION,

## DEPARTMENT OF PERSONNEL AND TRAINING, CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110 003, the 13th November 1985

No. P-3/70-Ad. V.—Sh. P. Suryanarayana Rao, Public Prosecutor Central Bureau of Investigation relinquished the charge of his office in the afternoon of 31-10-85, on superannuation.

No. 3/33/85-AD. V.—Shri B. N. Nigam, Hindi Officer/Central Bureau of Investigation, New Delhi expired on 2nd November, 1985.

No. 3/37/85-Ad. V.—The President is pleased to appoint Sh. G. C. Nanda IPS (Orissa-1974) as Superintendent of Police on deputation basis in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the Afternoon of 18th October 1985 until further orders.

#### The 15th November 1985

No. A/19036/9/83-Ad. V.—The service of Sh. S. N. Lal, Dy. Supdt. of Police on deputation to Central Bureau of Investigation were Placed at the disposal of Govt. of Bihar with effect from 31st October, 1985 afternoon on superannuation.

#### The 18th November 1985

No 1/2/72-Ad. V.—Sh. I. Bapaniah, Dy. Supdt. of Police CBI/relinquished the charge of the office of the Dy. Supdt. of Police/CBI/ Visakhapatnam on the afternoon of 31-10-1985 on attaining the age of 58 years.

No. 3/32/85-Ad. V.—The President is pleased to appoint Sh. Amit Verma IPS (TN-1978) as Supt. of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 4th November, 1985 and until further orders.

No. 3/38/Ad. V.—Director/CBI & IGP/SPE is pleased to appoint Sh. Gian Chand, Crime Assistant, Central Bureau of Investigation to officiate as Office Supdt. in CBI with effect from the afternoon of 1st November, 1985 and until further orders.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) CBI.

# LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF ADMINISTRATION,

en de la company de la compa

#### Mussoorie, the 14th November 1985

No. 2/6/85-EST.—Shri R. S. Bahti, Assistant Administrative Officer, LBS National Academy of Administration, Mussoorie, has assumed the charge of the office of the Administrative Officer (Accounts) in the forenoon of 14th October, 1985.

No. 2/6/85-EST.—Shri Shiv Sharan, Superintendent in the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie has assumed the charge of the Office of the Assistant Administrative Officer in addition to his own duties as Superintendent in the afternoon of 18th October, 1985.

ANUPAM KULSHRESHTHA
Deputy Director

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRPF, New Delhi-110 003, the 5th November 1985

No. O. II-1441/79-Estt (CRPF).—Shri T.G.L. Iyer, IPS has handed over the charge of Director General, CRPF on the forenoon of 1st November, 1985, on retirement on attaining the age of superannuation.

2. The President is pleased to appoint Shri S. D. Pandey, IPS (UP: 1953), Director, SSB in the Directorate General of Security, Cabinet Secretariat as Director General, C. R. P. F. Accordingly, Shri Pandey took over charge of Director General, CRPF on the forenoon of 1st November, 1985.

#### The 6th November 1985

No. O. II-1626/81-Estt.—Consequent upon his retirement from service under Rule 43 (c) (ii) of CRPF Rules, Shri Subha Chand his relinquished charge of the post of Dy. S. P., 27th Bn CRPF on 15-10-85 (FN).

#### The 8th November 1985

No. O. II-1942/84-Estt. (CRPF).—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs) G. Ratna Kumari as Junior Medical Officer in the C. R. P. F. on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 16-10-85 for a period of three months or till regular recruitment is made to the post, whichever is earlier.

M. ASHOK RAJ Assistant Director (Estt)

# DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110 003, the 14th November 1985

No. E-32015 (4)/72/85-Pers.I.—President is pleased to T. M. Devasia (direct entry) is appointed to officiate as Assistant Commandant in CISF with effect from 7-10-85 (FN) and is posted to CISF Unit, DSP Durgapur with effect from the same date.

No. E-32015 (4)/72/85-Pers.—President is pleased to appoint Shri A. S. Cheladurai, Inspector (Exe), on Promotion

as Assistant Commandant in CISF GP HQrs. Calcutta with effect from 30th September 1985 (FN), on purely ad-hoc basis and temporary upto 18th August, 1986 or till such time regular appointment is made whichever is earlier.

#### The 15th November 1985

No. E-32015 (4)/64/85-Pers. I.—President is pleased to appoint Shri H S Sidhu, Inspector (Exe), on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit BSL Bokaro with effect from 30-10-85 (FN) on purely ad-hoc basis and temporary upto 18th August, 1986 or till such time regular appointments are made whichever is earlier.

(Sd-/) ILLEGIBLE Director General/CISF

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPHOTTER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110 002, the 15th November 1985

No. 2188-CAI/214-69.—On his attaining the superannuation Shri P. K. Dutta Roy, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Accountant General (Audit), Assam, Mcghalaya, Arunachal Pradesh and Mizoram, Shillong has retired from service with effect from 31-10-1985 (AN).

No. 2189-CA I/85-75.—On his attaining the age of superannuation Shri K. P. Paul, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit (P & O), Madras has retired, from service with effect from 30-9-1985 (AN).

K. P. LAKSHMANA RAO

Asstt. Comptr. & Ar. Genl. (Comml)

#### OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT-1, CENTRAL REVENUES,

New Delhi-2, 15th November 1985

No. Admn. I/O.O. No. 290.—The Director of Audit, Central Revenues-I, hereby appoints the following permanent and officiating Section Officer (now Assistant Audit Officer) of this office to officiate as Audit Officers in the scale of Rs. 840-1200 with effect from the afternoon 6-11-1985 untill further orders.

S. No. & Name

- Sh. M. L. Narula (Permanent S. O.)
   Sh. Ram Swarup (Officiating S. O.)

(\$d./) ILLEGIBLE Dy. Director of Audit (Admn.)

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, BIHAR.

Patna, the 7th November 1985

No. Admn. I (Au) I-20-5-1291.—The Accountant General (Audit) I, Bihar, Patna has been pleased to promote the following Asstt. Audit Officers of this office to officiate, until further orders, as Audit Officer in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 7-11-85 (FN):—

S/Shri

- 1. Indradeo Prasad Sinha
- 2. Sheopujan Prasad No. I
- 3. Mudrika Prasad Singh
- 4. Dinesh Nand Bahadur.
- 5. Md. Bakhtiyar Ahmed.
- 6. Anil Chandra Hazari.

S. RAY Sr. Deputy Accountant General (Admn)

#### MINISTRY OF DEFENCE DGOF HQRS, CIVIL SERVICE ORDNANCE FY. BOARD

Calcutta-700 001, the 11th October 1985

No. 11/85/A/E-1(NG).—The Director General, Ordnance Factories is pleased to appoint Shri K. Chandrasekaran, Pmt.

SO (A), Office of the Area Accounts Office, CDA, Fort St. George, Madras-9, as Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted) with effect from 31-7-85 (FN) and posted at in the office of the Addl. DGOF/AV's Headquarters, C/o HVF Avadi, Madras-54.

> S. DASGUPTA Director/Admin

for Director General Ordance Factories

ary more than a company of the property of the property of the control of the con

#### Calcutta, the 5th November 1985

No. 45/G/85.—Shri D. K. Basu, Offig. It. General Manager (Subs. & Permt. Sr. DADG/Manager) voluntarily retired from service with effect from 5th Sept. 1985 (AN).

V. K. MEHTA DDGOF/Estt.

#### MINISTRY OF COMMERCE

#### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & **EXPORTS**

# IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENT

New Delhi, the 11th November 1985

No. 1/16/83-Admn (G) 1522.—The President is pleased to appoint Shrimati P. Swaminathan, (CSS SG SL 19837) to officiate in the Selection Grare of the CSS and as Jt. Chief Controller of Imports & Exports, in the Office of the Jt. Chief Controller of Imports & Exports Bombay on ad-hoc basis for a further period from 21-8-85 to 1-9-85 and from 2-9-85 until further orders.

#### The 18th November 1985

No. 1/16/83-Admn. (G) 1628.—The President is pleased to appoint Shri L. Prasad. (CSS SG SL 1983) to officiate of Selection Grade of the CSS and as Jt. Chief Controller of Imports & Exports in the office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi with effect from 2nd September, 1985 until further orders.

R. L. MISRA

Chief Controller of Imports & Exports

#### DEPARTMENT OF TEXTILES

#### OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 1st November 1985

No. 19001/32/83-DCH/Admn. I.—Consequent on his appointment as Deputy Secretary in the Department of Textiles, Shri Brahm Dutt, IAS (KTK: 73) has relinquished the charge of the post of Joint Development Commissioner for Handlooms with effect from the forenoon of 18th September, 1985.

P. K. DATTA

Addl. Development Commissioner for Handlooms

#### New Delhi, the 11th November 1985

No. A-32013(3)/85-Admn. III.—The President is pleased to appoint with effect from 25-10-1985 and until further orders Shri B. K. Mehan, Assistant Director Grade-II (Technical) as Assistant Director Grade-I (Weaving) in the Weavers Service Centre, Delhi.

V. K. AGNIHOTRI

Addl. Development Commissioner, for Handlooms

ţ

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 4th November 1985

No. A-1/1(1219).—Shri K. Rajeswara Rao, Superintendent in the office of Director of Inspection, Madras is appointed to officiate as Assistant Director (Admin) (Grade II) on purely adhoc basis in the office of Director of Supplies & Disposals, Madras with effect from the forenoon of 16th October, 1985 vice Smt. C. M. Kasi Bai, AD (Admn) (Gr. II) retired from Government service.

RAJBIR SINGH
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

# ISPAT, KHAN AUR KOILA MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 1st October 1985

No. 46931/A-19011(1-SSR)/84-19A.—The President is pleased to appoint Shri Siddhartha Sankar Rej to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-

1300/- in an officiating capacity with effect from the fore-noon of the 1-8-1985 until further orders.

#### The 13th November 1985

No. 10281B/A-32013(6-Min. (Sr.)/85-19A.—The President is pleased to appoint Dr. S. Rai, Mineralogist (Junior), Geological Survey of India on promotion as Mineralogist (Senior) on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600/- in the same Department in an officiating capacity with effect from the forenoon of 12-9-85, until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel)

#### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 14th November 1985

No. A-19011(382)/85-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission Shri M. S. Mankar has been appointed to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines' in an officiating capacity with effect from the afternoon of 8th October, 1985.

P. P. WADHI Administrative Officer for Controller General, Indian Bureau of Mines

#### SURVEY OF INDIA

#### SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 13th November, 1985

No. C—6277/707—The undermentioned Officers who were appointed to officiate as Officer Surveyors purely on aa-hoc provisional basis, are now appointed to officiate as such on regular basis with effect from the date as stated against each:—

SI. No	Name				No. & Date of Notification under which appointed on ad-hoc provisional basis	Unit/Office to which posted	Date of promotion
1	2		·	· · · · · ·	3	4	5
1. Shri H	Pren Nath Kaul	•			C-5403/707 dated 17-8-78	No. 68 (Tidal) Party, (G & R B) Dehra Dun	29-1-1985
2. Shri l	Mohanjit Singh		ı	٠	No. C-5420/707 dated 19-9-78	No. 64 (AHS) Party, . Survey (Air) Dte. New Delhi.	29-1-1985
3. Shri V	Vikram Singh Negi	•	•	•	No. C-5836/707 dated 12-7-82	No. 27 Party (NC), Mussoorie.	11-2-1985
4. Shri l	Madan Lal Kumar	•	•	•	No. C-6099/707 dated 17-7-84		11-2-1985
5. Shri 1	N. C. Ray	-	•	• .	No. C-5428/707 dated 4-11-78	No. 63 Party (EC), Calcutta.	11-2-1985
6. Shri 1	Mahabir Singh Rawat		•	•	No. C-5447/707 dated 21-12-78		21-6-1985
7. Shri	M. R. Bhide	•	•	٠	No. C-5474/707 dated 19-3-79		18-2-1985
8. Shri I	Jai Chand Rekhi	•	•	٠	No. C-5438/707 dated 28-11-78		3-7-1985
9. Shri 1	Prem Nath			•	No. C-5481/707 dated 19-4-79	No. 9 D.O. (NWC), Chandigarh.	11-2-1985
10. Shri 1	Kashmira Singh Garcha	•	•	•	No. C-5859/707 dated 3-9-82	No. 57 Party (NWC), Chandigarh,	6-5-1985
11. Shri	S. S. Panja	•	•	•	No. C-5992/707 dated 22-8-83	No. 76 (P) Party (SEC) Bhubaneshwar.	11-2-1985
12. Shri	A. Chandra Kesan (SC)	•	•	٠	No. C-5992/707 dated 22-8-83	No. 4 D.O. (SC), Bangalore.	3-5-1985

No. C-6278/707—The undermentioned officers are appointed as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each, on regular basis:—

Sl. No. Name & Designation				Unit/Office	with effect from
1. Shri Lalita Prasad Surveyor		<del></del>		No. 85 Part (SCC), Nagpur,	25-3-1985
2. Shri M. S. Bannet Surveyor	•		•	No. 13 Party (WC), Mussoorie	28-5-1985
3 Shri G.Perma Kumar (SC)				No 17 Party (SC) Bangalore	7-5-298 <i>5</i>

G. C. AGARWAL Major General Survey General of India (Appointing Authority)

# MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 13th November 1985

No. A-12034/16/85-Estt.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby accepts the resignation of Shri S. K. Bhardwaj from the post of Assistant Production Manager (Printed Publicity) held by him on ad-hoc basis, with effect from the afternoon of 7th November, 1985.

B. S. SANDHU
Dy. Director (Admn.)
for Director Advertising and Visual Publicity

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICE

New Delhi, the 8th November 1985

No. A-12026/1 /83-M(F&S).—The President is pleased to appoint Shri B. V. Adkoli in the post of Assistant Professor of Educational Technology, at Jawaharlal Institute of Post Graduate Medical Education & Research, Pondicherry with effect from the forenoon of 9th October, 1985 in a temporary capacity.

P. K. GHAI Deputy Director Administration (C&B)

# MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES DEPARTMENT OF FOOD

New Delhi-110001, the 15th November 1985

No. A-20012/183/73/Estt.—Shri R. K. Mittal, Technical Assistant (Sugar Technical) (Selection Grade) in the Directorate of Sugar has been appointed to officiate on regular basis to the post of Junior Technical Officer(SugarTechnical)

in the same Directorate in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the 17th October, 1985.

Shri R. K. Mittal has assumed charge of the post of Junior Technical Officer (Sugar Technical) in the Directorate of Sugar in the forenoon of 17th October, 1985,

No. A-19012/87/85-Estt.—Shri Kamal Singh Mehta a Senior Translator of the Central Secretariat Official Language Service has been appointed to the post of Hindi Officer in the Directorate of Sugar in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the 20th September, 1985 on ad-hoc basis till the post is filled up on regular basis by the Department of Official Language.

Shri Kamal Singh Mehta has assumed the charge of the post of Hindi Officer in the Directorate of Sugar with effect from 20th September, 1985 (forenoon).

V. LAKSHMI RATAN Jt. Secy. (Sugar)

#### (DEPARTMENT OF CIVIL SUPPLIES)

#### DIRECTORATE OF VANASPATI, VEG. OILS AND FATS

New Delhi-110 003, the 17th November 1985

No. A-11013/1/79-Estt.—In continuation of this Directorate's Notification of even number dated 29th August, 1985, the appointment of Shri P. S. Rawat, Officiating Senior Hindi Translator in the Deptt. of Civil Supplies, as Assistant Director (Official Language) is further continued in the Directorate of Vanaspati, Vegetable Oils & Fats in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on purely temporary and ad-hoc basis with effect from 1-9-1985 (FN) to 31-10-1985 (AN).

K. M. SAHNI Chief Director

#### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

Narora Atomic Power Project

Bulandshahr, the 11th November, 1985

No.NAPP/Roctt./29/Aug-85/S/121-Project Director, Narora Atomic Power Project, hereby appoints the under mentioned Scientific Assistants 'C' to Mininte as Scientific Officer/Engineers Grade-SB in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in Narora Atomic Power Project, with effect from the forenoon of August 1, 1985 until further orders:

Scientific Officer/Engineer Grade SB.
Do.
_

D 1/ DATE

#### DIRECORATE OF PURCHASE & STORES

#### Bombay-400 001, the 11th November 1985

No. REF: DPS/2/1(11)/83-Adm./7608.—In continuation of this Directorate notification of even number dated July 29, 1985, Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri P. C. Sharma, a permanent Storekeeper, of this Directorate to officiate as Asstt. Stores Officer on an ad-hoc basis in the same Directorate for a further period upto December 31, 1985 or until further orders whichever is earlier.

P. GOPALAN Administrative Officer

#### ATOMIC MINERALS DIVISION

#### Hyderabad-500 016, the 11th November 1985

No. AMD-2/3266/81-Adm./42468.—In terms of paragraph 1(i) of the offer of appointment No. AMD-1/18/80-Rectt, dated March 27, 1981, I, S. Padmanabhan, Senior Administrative and Accounts Officer, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy, Hyderabad hereby give notice to Shri Mohd. Rahman Zaheer, Helper 'A' that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this Notification is published in the Gazette of India.

S. PADMANABHAN
Sr. Administrative & Accounts Officer

#### HEAVY WATER PROJECTS

#### Bombay-400 008, the 13th November 1985

No. Ref: HWPs/Rect-4/4278.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri T. S. Sivaramakrishnan, Junior Accounts Officer, Department of Telecommunications, Min. of Communications to officiate as Assistant Accounts Officer, in Heavy Water Plant (Tuticorin) w.e.f. Oct. 14, 1985 (FN) until further orders.

SMT. K. P. KALLYANIKUTTY, Administrative Officer

# MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 18th November 1985

No. E(I) 05413.—The President is pleased to appoint Shri S. D. S. Abbi, Director, Indian Meteorological Service (Group A) as Deputy Director General of Meteorology (Administration & Stores) in the General Central Service, Group 'A' (Gazetted) in the India Meteorological Department with effect from the afternoon of 24th October 1985 for a period of two years.

S. K. DAS Director General of Meteorology

#### New Dtlhi, the 18th November 1985

No. A-32013 (Met.I) /7/83-E.I.—The President has been pleased to appoint Shri G. S. Verma, Assistant Meteorologist, India Meteorological Department, to officiate as Meteorologist Grade I in the same Department with effect from the afternoon of 18-7-1985 and until further orders.

S. D. S. ABBL Dy. Director General of Meteorology (Administration & Stores) for Director General of Meteorology

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 13th November 1985

No, A-3214/3/83-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri T. R. Kumar, Store Assistant to the post of Store Officer (Group 'B' post) in the scale of Rs. 650-1200 on ad-hoc basis in the office of the Controller, Central Radio Stores Depot, New Delhi for a period of 6 months with effect from 17-10-1985 (AN) or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

. VED PRAKASH Deputy Director of Administration

#### FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 15th November 1985

No. 16/207/72-Ests-I.—Consequent upon his attaining the age of superannuation Shri L. P. Chandola, Research Officer, Forest Economic Branch, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun is retired from the Govt. Service with effect from the afternoon of 31-10-1985.

J. N. SAXENA Registrar, Forest Research Institute and Colleges

#### CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 14th November 1985

No. 3-718/85-CH(Estt.).—Shri Hegde Shridhar Subray is appointed to the post of Assistant Hydrogeologist, G.C.S. Group-B, (Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-40-1000-EB-40-1200 on temporary basis in the Central Ground Water Board w.e.f. 7-10-85 (FN) till further orders.

B. P. C. SINHA Chief Hydrogeologist and Member

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL GROUND WATER BOARD

New Delhi, the 30th October 1985

No. 33/2/83-FC IX.—The President is pleased to appoint Shrl Jay B. Kshirsagar a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Deputy Architect (G.C.S. Group 'A') in the Central Public Works Department in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (plus usual allowances) with effect from 13-9-85 on the usual terms and conditions.

- 2. The pay of Shri Jay Kshirsagar will be fixed as Rs. 780/- as recomended by the Commission.
- 3. Shri Kshirsagar is placed on probation for a period of two years with effect from the date of his appointment.

#### The 4th November 1985

No. 33/2/83-FC IV.—The President is pleased to appoint the following nominees of the U.P.S.C. against the temporary posts of Deputy Architect (G.C.S. Group 'A') in the Central Public Works Department in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (plus usual allowances) with the dates shown against each on the usual terms and conditions.

- 1. Shri Amal Chandra Das-11-10-1985 (FN).
- (2) Kumari Usha Rani-26-8-1985 (FN).
- 2. The pay of both these officers will be fixed at Rs. 780/(Rupees Seven Hundred Eighty only) as recommended by the Commission.

3. They are placed on probation for a period of two years with effect from the date of their appointment.

M. M. DAS Deputy Director (Training)

#### MINISTRY OF COMMERCE DEPARTMENT OF SUPPLY NATIONAL TEST HOUSE. ALIPORE

Calcutta-27, the 7th November 1985

No. G-318/A.—The Director General, National Test House, Calcutta has been pleased to appoint Shri K. C. Majumder, Head Clerk (Level-II). National Test House, Alipore, Calcutta as Assistant Director (Administration) (Grade-II) on an adhoc basis in the same office w.e.f. 1-11-85 (F/N) until further orders.

#### The 8th November 1985

No. G-65 S.O.—The Director General, National Test House, Calcutta has been pleased to appoint Sri S. K. Mathur a Scientific Assistant (Electrical), National Test House, Calcutta as Scientific Officer (Electrical) in the National Test

House, Ghaziabad Branch Office, Ghaziabad with effect from 27-9-85 (F/N) on a temporary basis until further orders.

J. M. BHATTACHARJEE Deputy Director (Administration) for Director General Calcutta.

#### MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS

# (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) (COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Goa Theatres Pvt. Ltd.

#### Bombay-2, the 5th November 1985

No. 665/18210/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Goa Theatres Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

RAM KRISHNAN Addl. Registrar of Companies Maharashtra, Bombay

# OFFICE OF THE COMMISSINOR OF INCOME-TAX, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 31st October, 1985

#### **ORDERS**

CR No. 12/Estt 85/960—The undermentioned Income-tax Officers are confirmed as Income-Tax Officers, Group-B with effect from the date noted against each:

SI Name of the ITO	Date from	How the vacancy has	
No Designation place	Which	arisen	
at which working	Confirmed		
1 2	3	4	
S/Shri			
1. G. Yagnanarayana,	1-9-1984	Due to Retirement of	
Income-tax Officer,		Sri P. V. Gopalakrishna, ITO.	
I-Ward, Circle-Π, Hyderabad.			
2. I. J. Naidu,	1-9-1984	Due to retirement of	
Income-tax Officer, (Hqrs.) (Jd,1I),		Sri Abdul Rauf Khan, ITO.	
O/o C.I.T., Hyderabad.			
3 G.Jaganmohan Rao,	1-2-1984	Due to retirement of	
Income-tax Officer, A. Ward,		Sri Shaik Peran, ITO.	
Bhimayaram.		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	
4. S. Goverdhana Rao,	1-9-1984	Due to confirmation of	
Income-tax Officer, I-Ward, Circle-I, Hyderabad.		Sri G. Subrahmanyam, ITO as Group-A	
5. S. K. Rahman,	1-9-1984	Due to confirmation of	
Income-tax Officer, A. Ward Nizamabad.		Sri Bhojraj, ITO as Group-A	
6. V. Srirama Murthy,	1-9-1984	Due to confirmation of	
Income-tax Officer, A. Ward, Khammam		Sri Ch. Subrahmanyam, ITO as Group-A	
7. B. Kailasnath,	1-11-1984	Due to retirement of	
Jr. Authorised Representative, A-Bench, I.T.A.T., Hy	derabad	Srl N. Radhakrishnamurthy, ITO.	
8. S. Chayapathy,	1-11-1984	Due to retirement of	
Income-tax Officer, (Hqrs, I), O/o CIT., Hyderabad		Sri A. Tulsidas, ITO.	
9 P.Venkatoswarlu,	1-2-1984	Due to retirement of	
Income-tax Officer, C. Ward, Nellore.		Srl D. Venkata Sastry,	
		ITO.	
10. V. Chinna Rao,	1-12-1985	Due to retirement of	
Income-tax Officer, F. Ward, Circle-IV, Hyderabad.		Sri M. S. K. Nageswara Rao, ITO.	
1. E. Narasimha Rao,	1-5-1985	Due to retirement of	
Income-tax Officer, B. Ward, Karimnagar.		Shri V. V. Ramana Rao, ITO.	

2	3	4
12. P. Subba Rao, Income-tax Officer, C. Ward, Circle-II, Kakinada.	1-8-1985	Due to retirement of Sri Syed Anwar Basha, ITO.
<ol> <li>V. P. Narasimhulu,</li> <li>Income-tax Officer, A. Ward, Circle-IV, Hyderabad.</li> </ol>	1-9-1985	Due to retirement of Sri J. Sambasiva Rao, ITO.
14, S. Venkataraman, Income—tax officer,	1-9-1985	Due to retirement of Shri G, Narasimha Mirtho
B, ward,Circle-II, Kakinada		I <b>T</b> O
15. T. Srinivas,	1-10-1985	Due to retirement of
Income-tax Officer, I-Ward, Circle-III, Hyderabad.		Sri K. Subba Rao, ITO.

The date of confirmation is subject to modification at a later date if necessary.

# The 15th November, 1985

C.R.No. 12/Estt/85 No. 977—The undermentioned Income-tax Officers are confirmed as Income-tax Officers, Group B with effect from the dates noted against each.

Sl. No.	Name of the ITO & Place at which working	Date from which confirmed.	How the vacancy has arisen ?
1	2	3	4
Inco	Chittiraju, ome-tax Officer, H-Ward, Circle II,	1.11.985	Due to retirement of Sri R.P.C. Sekhar Rao, ITO, Group-B.
2. B. F	lerabad. Rama Rao, ome-tax Officer, H-Ward, Circle-III, Hyderabad.	1-11-1985	Due to retirement of Sri. Yagananarayana, ITO, Group-B.

The date of confirmation is subject to module ation at a later date if necessary.

V. V. S. SASTRY Commissioner of Income-tax, Andhra Pradesh-I, Hyderabad

## INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 8th November 1985

No. F-48-Ad (AT)/1985 (Pt. II).—On attaining the age of superannuation, Shri C. P. Santhanam, Assistant Registrar,

Income-tax Appellate Tribunal, Calcutta Benches, Calcutta retired from Government service with effect from the afternoon of 31st October, 1985.

T. D. SUGLA Presidem

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 196-BAPUJI NAGAR, **BHUBANESWAR-9** 

Bhubaneswar-9, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq/85-86/943-44.—Whereas, I, R. C. SETHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a air market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 5928 situated at Gopalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 29-3-1985 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfe with the object of :-

w) facilitating the reduction or evasion of the Ibi of the transferor to pay tax under the said Ast, m respect of any income arising from the transferi and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the We-"th-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiat: proceeding for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Jardine Mills, Agencies, 4-Clive Row, Calcutta.

(Transferor)

(2) M/s. Jardine Henderson Ltd., 4-Clive Row, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the afore-aid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building with land of 48 Cent and 7 Cent known as 'Waverley House' at Gopalpur on Sea, Holding No. 30, Ward No. 1, Dist. Ganjam (Orissa).

R. C. SETHI.

Competent Authority Inspetcting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bhubaneswar.

Date: 4th November, 1985

Seal

## FORM TINS-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mr. Indra Kumar Ghosh, 14/1, Mandeville Gardens, Calcutta-700019.

(Transferor)

(2) Mr. Nityananda Mahapatra, Village & Post Bira Harekrushnapur, P.S Puri Sadar, Dist. Puri, (Orissa).

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 196-BAPUJI NAGAR, BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acq/BBSR-2/85-86/939-40.—Whereas, I, R. S. SETHI,

being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. 1-6598/85 situated at Old Town, Bhubaneswar (and more fully described in the Schedule assent bursts)

No. 1-6598/85 situated at Old Town, Bhubaneswar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Double storeyed building in Dist. Puri, PS Bhubaneswar, Old Town, Mouze Bhubaneswar, Khata No. 1002, Plot No. 1398 measuring 0.956 Decimals.

R. C. SETHI Competent Authority Inspetcting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 196-Bapuji Nagar, Bhubaneswar.

Date: 4th November, 1985

#### FORM LT.N.S.~

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 12th August 1985

Ref. No. IAC/Acq Bp!/5829.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Compount Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'laid Act'), have reason to believe that the immaovable gropeity having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 3, 1st floer "Ambar" 13/2, M.G. Road, Indore
(and more furly described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Bhopal in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been troly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 Smt. Rukmani Tekchandani W/o Dr. Kanayo alias Kanhailal, 22/7, New Palasia, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Kedarmal Shyma Prasad (HUF), 35, Murlidhar Sharma Road, Gauhati (Assam).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explantion:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) tactitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any moome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other masts which have not been or which ought to be anclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Building (Flat No. 3, 1st floor) 'Ambar' is situated at 13/2, M.G. Road, Indore.

S. C| SHARMA Competent Authority Inspetcting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Aayakar Bhavan, Hoshangabad Road, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-8-1985.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### Shri T. P. Abdul Rasheed, S/o Paralpadınharal Ussan Kutty, Thiruvangad, Tellicherry, (Now at Mascat).

(Transferor)

(2) Shri U. Mammootty Haji, Ummalil House, Dhardadam, Tellicherry.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, "NARAYANI NILAYAM" WARRIAM ROAD, ERNAKULAM COCHIN-662016

Cochin-662016, the 28th October 1985

Rcf. L.C. 772/85-86.—Whereas, I, B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Res. 1.00,000/c. and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Sy. No. as per schedule situated at Thiruvangad
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Tellicherry on 30-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

13 cents of land with building in Sy. No. 199-Part (A), Ward No. 11, Block No. 5 of Tellicherry Municipal Area (Thiruvangad Desam).

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspetcting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Ernakulam

Date: 28th October 1985

(1) M/s. Indian Express (Madurai) (P) Ltd. Madras-600002.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Express Newspapers (P) Ltd., Express Estate, Mount Road, Madras-600002.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, "NARAYANI NILAYAM" WARRIAM ROAD, ERNAKULAM COCHIN-662016

Cochin-662016, the 1st November 1985

Ref. L.C. 773/85-86,-Whereas, I, B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Frnakulam on 2-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, so the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

# THE SCHEDULE

(b facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

39.925 cents of land in Sv. Nos. 338/2, 338/5, 339/1 of Ernakulam Village, SRO, Ernakulam vide Document No. 753 dated 2-3-1985.

> B. RAVIBALAN Competent Authority Inspetcting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-11-1985

Scal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, "NARAYANI NILAYAM" WARRIAM ROAD, ERNAKULAM COCHIN-662016

Cochin-662016, the 28th October 1985

Ref. L.C. 771/85-86.—Whereas, I, B. RAVJBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Tellicherry Municipality (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Tellicherry on 25-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrunent of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fieblity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeraid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sivothi Beevi Sivothi House, S.M. Road, Tellicherry.
- (2) Smt. N.T.K. Sulekha, Happy Villa, Seethi Sahib Road, Chirakkara, Tellicherry.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

25 cents of land with two storeyed building with Tellicherry Municipality, in re-survey No. 29, Ward No. 15, Block No. 3, by document No. 479 dt. 25-3-1985.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspetcting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Ernakulam

Date: 28-10-1985

Seal;

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF ENDIA

# OFFIGE OF THE INSPECTING ASSETANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR NAGPUR

Nagpur, the 7th October 1985

No. IAC/ACQ/29/23/85-86.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Survey No. 48, 1-53 Area of land Somal Wada, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 28-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the sensideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (h) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-exx Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Zahira Kabir Siddique, Sadar Bazar, Nagpur,

(Transferor)

(2) Unawal Co-operative Housing Society Ltd., Laxminagar, Nagpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4d days from the date of publication of this notice in the Official Casette or a period of 10 days from the caretee of action on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHOOLE

1.53 areas of land bearing S. No. 48 Somalwada, Nagpur.

M. C. IOSHI
Competent Authority
Inspetcting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Nagpur

Date: 7-10-1985

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kneepy initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 30th August 1985

Ref. No. AR-12/Acqn.R-IV, Cal/85-86.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

No. 163/141 situated at Khalisani Bosepara, P.S. Chandannagore, Hooghly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srirampore on 29-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
65—356 GI/85

 Sri Satya Charan Mukherjee, Khalisani Bosepara, P.D. & P.S. Chandrannagore, Dist. Hooghly.

(Transferor)

40705

(2) Smt. Sujata Sanyal, W/o Samir Kumar Sanyal, Khalisani Bosepara, P.O. & P.S. Chandrannagore, Dist. Hooghly.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latery
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land: 3 Cottahs 14 chattaks 42 sq. ft, with building, 163/141, Khalisani Bosepara, P.O. & P.S. Chandannagore, Dist. Hooghly, Deed No. 862 of 1985.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspetcting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016

Date: 30-8-1985

Scal:

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 30th August 1985

Ref. No. AR-72/Acqn.R-IV/Cal/84-85.—Whereas, 1, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 2699 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'seld Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. — situated at Kursoong, Darjeeling
(and more tury described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Jamunalal Toshniwal Pvt. Ltd., 89, N.S. Road, Calcutta-1.

(Transferor)

(2) M/s. Tiru Tea Limited, 9. Lala Lajpat Rai Sarani, Calcutta-20,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichaver period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in

#### THE SCHEDULE

489 acres of land with structures etc. Springside Tea Estate, P.O. Kurseong, Dt. Darjeeling Deed No. 37EE-18/R-IV/84-

> SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 5 54, Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Date: 30-8-1985

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

Calcutta, the 27th August 1985

Ret. No. AC-49/R-II/Cal/85-86,—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 36B situated at New Road, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed herelo),

No. 36B situated at New Road, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed herelo), has been transfered under the Registration Act, 1980 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 25-3-1985

S.R.A. Calculta on 25-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Suresh Chandra Roy, 36A, New Road, Alipore, Calcutta-27.

(Transferor)

(2) Sri Prabhat Kumar Johri & Ots. Suit No. 1, 57, Elliot Road, Calcutta-16.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- . (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Undivided 1/25th share of land measuring area 21 Cottahs 40 Sft, situated at 36B, New Road, Calcutta-27. More particularly described in Deed No. 14386 of S.R.A., Calcutta of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspetcting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
54 Rafl Ahmed Kidwal Road,
Clacutta-16

Date: 27-8-1985

## PART III—SEC. 1

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Kumar Jagadish Chandra Sinha, of 64/D, Belgachia Road, Calcutta-37.

(Transferor)

(2) M/s Goel Roadways of 155B, Mahatma Gandhi Road, Calcutta-37.

(Transferce)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE. CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1985

Ref. No. AC-75/R-II/Cal/85-86.—Whereas, J, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No 15 situated at B.T. Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta on 29-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; endlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

27 Cottahs, 12 Chittaks and 8 Sft, of land with structure at 15, B.T. Road, Calcutta. More particularly described in Deed No. I 4897 of R.A., Calcutta of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority 54 Rafi Ahmed Kidwai Road. Clacutta-16

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 6-11-1985

NOTICL UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1985

Ref. No. AC-76/R-I1/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing

No. 162 situated at Dakhindari Road, P. S. Lake Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S R A., Calculta on 23-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Smt. Durga Devi Daga, 135, Lake Town, Block-A, Calcutta-89.

(Transferor)

1. Smt. Panna Devi Dalmia,
 2. Smt. Urmila Devi Dalmia,
 9. Manmatha Dutta Road,
 Calcutta- 37.

(Transferee)

(3) Mr. A. P. Dalmia

(Persons in Occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any et the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Weslith-tax Ast, 1957 (27 of 1937);

5959 Sit, land with one storied building situated at 162, Dakhindari Road, P.S. Lake Town, More particularly described in Deed No. I 4332 of S.R.A. Cal. of 1985,

THE SCHEDULE

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6/11/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Kalyan Kumar Roy, 1, Rammohan Roy Road, Calcutta-9.

(Transferor)

(2) Sri Raj Kumar Chowdhury, 137, Cotton St., Calcutta-7.

('Transferec')

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-11 CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1985

Ref. No. AR-77/R-II/Cal/85-86.—Whereas, 1,

SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovunder Section 269B of

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 107A situated at Hem Chandra Naskar Road, Calcutta-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at R.A. Calcutta on 4/3/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sak Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ia that Chapter.

# THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share in three storied building with 3 cottah, 6 chittaks and 19 sft. of land situated at 107A, Hem Chandra Naskar Road, Calcutta-10, More particularidescribed in Doed No. 1, 4311 of R.A. Cal, of 1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 6/11/1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1985

Ref. No. ΛC-78/R-II /Cal/85-86.—Whereas, 1, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. 107A situated at Hem Chandra Naskar Road, Calcutta-10

No. 107A situated at Hem Chandra Naskar Road, Calcutta-10 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been translered and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at R.A. Calcutta in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri Kalyan Kumar Roy,
 Rammohan Roy Road,
 Calcutta-9.

(Transferor)

(2) Sri Sanjoy Kumar Chowdhury, 8, Madan Chatterjee Lane, Calcutta-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/6 share in three storied building with 3 cottah, 6 chittaks and 19 sft. of land situated at 107A, Hem Chandra Naskar Road, Calcutta-10. More particularly described in date No. I, 3411 of R.A. Cal. of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafl Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 6/11/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1985

Ref. No. AC-79/R-II/Cal, 85-86.—Whereas, J, SHAIKH NAIMUDDIN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 107A situated at Hem Chandra Naskar Road, Calcutta-10

'and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at R.A. Calcutta in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been exwhich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquiritien of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri Kalyan Kumar Roy ot 1, Rammohan Roy Road, Calcutta-9.

(Transferor)

(2) Sii Sandeep Kumar Chowdhury of 8, Madam Chatteriee Lane. Calcutta-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and te expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share in three storied building with 3 cottas, 6 chittaks and 19 sft. of land situated at 107A, Hem Chandra Naskar Road, Calcutta-10. More particularly described in Deed No. 1,3409 of R.A. Cal. 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcuttn-16

Date: 6/11/1985 SenI :

#### FORM I.T N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II

Calcutta, the 6th November 1985

Ref No AC 80/R II Cal/85 86—Whereas I SHAIKH N AIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heromafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1 00 000/- and bearing No

107A situated at Hem Chandra Naskar Road, Calcutta 10 (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at RA Calcutta in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income to any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Walth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
66—356 G1/85

(1) Sri Kalyan Kumar Roy, of I, Rammohan Roy Road Calcutta-9.

(Transferor)

(2) Sint. Sita Devi Chowdhury of 8, Madan Chatterjee Lane, Calcutta-7.

('Liansferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPIANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share in three storied building with 3 cottahs, 6 chittaks and 19 sft bearing premises No 107A, Hem Chandia Naskar Road, Calcutta-10 More particularly decribed in Deed No 1 3408 of RA Cal. of 1985

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafl Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 6/11/1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISTION RANGE-II
CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1985

Ref. No. AC-81/R-11. Cal, 85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, - and bearing No. 107A situated at Hem Chandra Naskar Road. Calcutta-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta in March, 1985

at R.A. Calcutta in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely;—

(1) Sri Kalyan Kumar Roy. of 1, Rammohan Roy Road. Calcutta-9.

(Transferor)

(2) Sri Bal Kishan Chowdhury of 65, Cotton St., Calcut(a-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay to made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share in three storied building with 3 cottahs, 6 chittaks and 19 sft, of land being premises No. 107-A. Hem Chandra Naskai Road, Calcutta-10. More particulary decribed in Deed No. I 3407 of R.A. Cal. of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner or Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 6/11/1985

Seal

#### FORM TINS-

(1) Sri Kalyan Kumar Roy, of 1, Rammohan Roy Road, Calcutta-9

('Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Radha Devi Chowdhury of 8, Madan Chatternee Lane, Calcutta-7.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1985

Ref. No. AC-82/R-II Cal/85-86.—Whereas, I, 5HAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

No. 107A situated at Hem Chandra Naskar Road, Calcutta-10 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesa'd property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as ere defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter

# THE SCHEDULE

Undivided 1/6th share in three storied building with 3 cottahs, 6 chittaks and 19 sft. bearing premises No. 107A, Hem Chandra Naskar Road, Calcutta-10. More particularly described in Deed No. I 3411 of R.A. Cal. of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6 '11 1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1985

Ref. No. AC-83/R-II/Cal 85-86.--Whereas, 1, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'and Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. 330/VIM situated at CIT Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Cal. on 27 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to py tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri Amalendu Shekhar Naskar of 72, Beliaghata Main Road, Calcutta-10.

(2) Smt. Saqarika Mazumder of P-10, C.I.T. Road, Calcutta-10.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A flat measuring area 1299 Sft. at 330/VIM, C.I.T. Road, Calcutta. More particularly described in deed No. I 4604 of R.A. Cal. of 1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rasi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 6/11 1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1985

Ref. No. AC-84/R-II/Cal 85-86.—Whereas, 1 SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

No. 7 situated at Raj Rajeswan Road, Calcutta-30

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R  $\Lambda$  Cal. on 6/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) taculitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Sn N. Bhattacharjee & Ors. of 93/1J, Baithakkhana Road, Calcutta-9.

(Transferor)

(2) Sin Arun Kumar Ghosh of 116 Fast Sinthi Road, Calcutta-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Two storied brick built building on a plot of land measuring area 7 cottahs 2 chattaks 8 sft. situated at 7, Raj Rajeswari Road, Calcutta-30. More particularly described in Deed No. 1 3535 of R.A Cal. of 1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 6/11/1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE.

106/107, KOREGAON, PUNE-1.

Pune, the 22nd October 1985

Ref. No. LAC ACQ/CA-5/37EE/3538/1985-86.--Where-

ÄNİL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable proporty, having a fair market value exceeding

Rs 1.00 000% and beating No "Manik Moti Apartment Flat No. 5A S No. 573, No 1 to 5 A B C D. Plot No 12, Parshawanagar, Bibwewadi, Pune, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at IAC, Acqu. Range. Fone on Aug. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer. and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax isct, 1957 (27 of 1957);

....... in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D at the said Act, to the following persons namely:

(1) M/s. K Gomiaj Manik & Co 321/5 Shantinagai Society, Timber Market Road, Pune-2.

The control of the second state of the second secon

(Transferor)

(2) Mi Shivanand Tammama Patangi & Mrs Preetam S. Patangi, Swami Vivekanand Society, Building No. 27, Ubhale Building, Sahakai Nagar, Pune-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sais Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Manik Moti Apaitment Flat No. 5A S No. 573, No. 1 to 5 A, B, C, D Plot No. 12, Parshawanagar, Bibwewadi, Pune-9

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I  $\Lambda$  C Acquisition Pange Pune under document No 3538/1985-86 in the month of August 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Pooma

Date: 22-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KORFGAON, PUNE-1.

Pune, the 22nd October 1985

Ref. No. LAC ACQ/CA-5/371/E/3109/1985-86.--Whereas, 1, ANII. KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value

Rs 100,000 - and bearing No Flat No 402 on 4th floor front side in Anup Apartment, situated at Block No. A-56, Room No. 334, Ulha nagar,

situated at Ulhasnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acan. Range. Proceed on Aug. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers nad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, Namely :--

(1) Mr. Kumar U Ailani, Aradhana Apartment, Near Gol Maidan, Ulhasnagar.

(Transferor)

(2) Mr. G. J. Chandnani, Barrack No. 844, Room No. 4, Sector 18, Ulhasharar.

Objections, it any, to the acquisition of the vaid property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 402 on 4th floor, Front side in Anup Apartment, situated at Block No A-56, Room No. 334. Ulhasnagar. (Area 576 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 3109/1985-86 in the month of Aug. 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 22-10-1985

#### FORM ITINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGL 106/107. KOREGAON, PUNE-I.

Pune, the 22nd October 1985

Ref. No. IAC ACQ /C A-5/37EE/3541/1985-86.--Where-1

as, I. ANII. KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value—exceeding

Rs. 1,00.000/- and bearing No. situated at Village Kothrud, adjoining Kirloskar Cummins Factory, Tal. Haveli, Dist. Pune. situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range. Pune in August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/er
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 2690, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) V. T. Kharshikar (HUF) 1170/20B Shiyannagar, Pune-5.

(Transferor)

(2) Shti A. W. Gahngickar, Nirman Enterprises, A-6 Rajarshee Shahu Society, Pune Satara Road, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Situated at Village Kothrud, adjoining Kirloskar Cummins Factory, Tal. Haveli, Dist. Punc. (Area 35714 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under ducum at No. 3511 1985-86 in the month of Aug. 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Dife + 22 10-1005 Seal:

FORM NO. I.T.N S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

 $\Lambda$ CQUISITION RANGE. 106/107, KOREGAON, PUNE-1.

Pune, the 22nd October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-37EF/16603/1984-85.—Where-

as, I, ANIL KUMAR. being the Competent Authority under Section 2692 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000/- and bearing No.
Flat No. 306 on 3td floor in Robini Kunj, Umrale Village
Tal. Vasai. Dist Thane
situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acquired Range Pune on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said hastrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefort, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-67-356 GI/85

(1) Raghunath Buildets, Pokai Kunj. Opp Railway Station, Dahisar (W) Bombay

(Transferor)

(2) M. N. Jayaprakash, C/o Piescast Fng. Pvt. I'd. Ashok Nagar, Kapatasat (F). Bombay

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 306 on 3rd floor in Robini Kuni, Umrale Village, Vasai, Dist Thane

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No 16603 1984-85 in the month of May 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 22-10-1985 Seal:

-- <u>-</u>\_-

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/107, KOREGAON, PUNE-1.

Pune, the 21st October 1985

Ref. No IAC ACQ/CA-5/37EE/3277/1985-86.—Whereas, 1, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to s the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing No. C. T. S No. 814-B F. P. No. 152-B, T. P. Scheme No. 1 alongwith structures thereon. Shivajinagar, Pune

situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range Pune on August 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1047 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Suma Engineering Pvt. Ltd., Vidya 93/2A Erandwane, Pune-4.

(Transferor)

(2) Deccan Mechanical & Chemical Industries, Private Ltd. 78 Bhosari Industrial Estate, Pune-26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHPDULE

C. T. S. No. 814-B, F. P. No. 152-B T. P. Scheme No. 1 alongwith structures thereon Shivajinagar, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune under document No. 3277/85-86 in the month of August 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 21-10-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 106/107, KOREGAON, PUNE-1.

Pune, the 21st October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/12050/1984-85.--Where-

as, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, ground floor, Ganesh Kripa S. No. 128, Aundh,

situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqu.

Range, Pune on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

M/s. Shree Ganesh Construction, II/4 Moti Vihar N. S. B. Road, Mulund (W) Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Ajit S Sawant & Smt. R. A. Sawant, Matru Chhaya Building, Mahatma Phulc Road, Mulund (W) Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ganesh Kripa S. No. 128, Aundh, Pune.

(Area 955 sq. ft. Carpet Area), (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 12050/1984-85 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 21-10-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Punc, the 21st October 1985

Ref. No. IACACO/CA-5/37EE/2885/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinster referred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the ingraevable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing No. Krishna Nagar Co-operative Housing Society, S. No 1, Elandwana, Pune-4, situated at Pune-4

(and more fully described in the Schedule annued hereto) has been transforred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn Range, Pune in September, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Abhijeet Builders, 122/7-8 Prabhat Road, Gurukripa, Pune.

(Transferor)

(2) Laxman S. Joshi.
Krishna Nagai Co-operative Housing Society, S. No. 1. Erandwane. Punc-4.

(Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experse later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Krishna Nagar Co-operative Housing Society S. No. 1, Erandwana, Pune-4,

(Area 780 sq. ft. Carpet).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 2885/1985-86 in the month of Sept. 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 21-10-1985

Seal.

# FORM I.T.N.S.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/107 KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 7th November 1985

Ref No IAC  $\Delta \rm CQ$  CA 5/37LE 14512/1984-85 — whereas, 1, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding

Rs 1,00 000 and bearing
Flat No 310 Geeta Apartment Plot No 5 & 6 Survey
No 44 (Part) Manorma Nagar, PO Vasai Road, Thane,
situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acquirence Pune in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any uncome arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any inches or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said-Act, thereby mitiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-

acetion (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing

persons, namely :-

(1) Rama Construction Co
Plot No 29 30 Anand Nagai,
Navghei Road, Vasai (W), Dist
Thane

(Transferor)

(2) Mr k N Satangan, 401, 1 O B Apartment, 14th Road, Bandra (W), Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 310 Geeta Apartment Plot No. 5 & 6 Survey No. 44 (Part) Manorama Nagar, P.O., Vasar Road Dist Thane (Area 760 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LAC Acquisition Range Pune under document No 14512/1984-85 in the month of March, 1985)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date 7-11-1985

#### FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/107. KOREGAON PARK, PUNE-1.

Pune, the 7th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/13426/1985-86,-Whereas, I, ANIL KUMAR,

writes, I. ANIL RUMAR, peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 303, Plot No. 17, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Rombert, building known "History Competer".

Bombay, building known "Liberty Complex' situated at New Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in March, 1985

to; an apparent consideration which is less than the fur market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Liberty Investments Pvt. Ltd. 302 Dalamal House, 206, Nariman Point, Bombay.

(Transferor)

(2) Gopal P. Parmar and Niimala G. Parmar, Chawl No. A/57, Room No. 9, Sector 21, New Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice ingthe Official Gazette or a period of 30 days from he service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 303, Plot No. 17, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay, building known "Liberty Complex".

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 13426/1984-85 in the month of March, 1985).

> ANIL KUMAR Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely:-

Date: 7-11-1985

Seal 7

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1.

Pune, the 7th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/13422/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 306, Plot No. 17, Sector 17 DBC Vashi, New Bombay, Building known as "Liberty Complex",

situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqu. Range, Pune in March, 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the aid Act to the following persons, namely.—

 Liberty Investments Pvt. Ld. 302 Dalamal House, 206 Nariman Point, Bombay.

(Transferor)

 Mr. Ignatius Manuel Fernandes, Donald House, 1st floor, J. A. Allana Marg. Opp. Electric Marg. Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 306, Plot No. 17, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay, Building known as "Liberty Complex".

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Rance Pene, under document No. 13422/1984-85 in the month of March, 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissionet of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 7-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 106/107, GÖREGAUN PARK, PUNE-1

Pune, the 7th November 1985

Ref. No. IACACQ/CA-5/37FE/14335/1984-85,—Whereas, I, ANJOL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

Rs. 1,00,000/- and bearing
Survey No. 47, Hissa No. 3 (P) situated at Village Barampur
Tal. Vasai, Dist. Thane,
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at IAC, Acqu. Range, Pune in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Sability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: ruq/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sushilabai K. Khater, Pitamber K. Khater, Ashabai K. Khater, 711 Linking Road, Khai. Bombay.

and the second s

(Transferoi)

(2) Shree Krishna Construction Co. 2 Roshni, Opp. Ajit Glass Works, S. V. Road, Togeshwari West, Rombay

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SHEDULE

Survey No. 47, Hissa No. 3 (P) situated at Village Baramput, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 14335/1984-85 in the month of Mar, 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date 7-11-1985

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1.

Pune, the 7th November 1985

Ref. No. IAC ACO/CA-5/37FE/14334/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herehafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Lund bearing S. No. 47, Hissa No. 2, & S. No. 47, H. No. 1, situated at Village Barampur, Tal. Vasal, Dist. Thane situated at Thane

situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqu.

Range, Pune in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—68—356 GI/85

(1) Sushila K. Khater, Pitamber K. Khater, Ashabai K. Khater, 711 Linking Road, Khar, Bombay.

(Transferor)

 Shree Krishna Construction Co.
 Roshni, Opp. Ait Glass Works,
 V. Road, Jogeshwari West, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 47 H. No. 2 & S. No. 47, H. No. 1, situated at Village Barampur, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range. Pune, under document No. 14334/1984-85 in the month of Mar. 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE, 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 7th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/14336/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 47, Hissa No. 3 (P) situated at Village Barampur, Tal. Vasai, Dist. Thane situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC., Acqn. Range, Pune in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sushilabai K. Khater, Ottamber K. Khater, Ashabai K. Khater, 711 Linking Road, Khar, Bombay.

(Transferor)

Shree Krishna Construction Co.
 Roshni, Opp. Ajit Glass Works, S. V. Road, Jogeshwari. Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 47, Hissa No. 3(P) situated at Village Barampur, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 14336/1984-85 in the month of Mar. 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Poona

Date: 7-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 K. N. Khater, P. K. Khater, Ashabai K. Khater, Vasudeo N. Khater, B. V. Khater, M. V. Khater, B. V. Khater, 711 Linking Road, Khar, Bombay.

(Transferor)

(2) Shree Krishna Construction Co. 2. Roshni, Opp. Ajit Glass Works, S. V. Road, Jogeshwari West, Bombay.

(Transferce)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Punc. the 7th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/14334A/1984-85.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 47, (tissa No. 3(P) Village Barampur, Tal. Vasai, Dist. Thane situated at Thane (und move fully described in the Schedula annexed hereto). (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on Mar. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers

- and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

S. No. 47, Hissa No. 3(P) village Barampur, Tal. Vasai.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 14334A/1984-85 in the month of Mar. 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following sersons, namely :---

Date: 7-11-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 8th November 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/13354/1984-85.—Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop Nos. 21, 22 and 23 on ground floor in Vaidhaman Market at Plot No. 75, Sector No. 17, Vashi, New Bombay situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

IAC, Acqn. Range, Pune in Mar. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Vardbaman Constructions, 40-41, Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, Andheri-Kurla Road, Andheri (E), Bombay.
- (Transferor)

  (1) Shri Shivram K. Shetty and Smt. P. S. Shetty,
  Flat No. 5, Second Floor, Lake Site Co-operative
  Housing Society Ltd. (Prop.), (Patel Apts).

  Opp. IIT Main Gate, Powai, Bombay.

  (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop Nos. 21, 22 and 23 on ground floor in Vardhaman Market at Plot No. 75, Sector No. 17, Vashi, New Bombay. (Area 1005 sq. ft.) (Super Built up).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 13354/1984-85 in the month of Mar. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 8-11-1985

Scal:

## FORM ITN3---

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK, PUNL-1

Pune, the 8th November 1985

Ref No IAC ACQ/CA 5/37FE 13902/1984 85—
Whereas I ANIL KUMAR
being the Competent Authority and 1 section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reteired to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000/- and bearing
Plot No 18 & 19 S No 8A Navghar, Vasai (W) situated
at Vasai
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration
Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at IAC, Acqn Range, Pune in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fitteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/oi
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) A tsara Builders, B 1/9 Ground floot Khiranagar, S V. Road, Santacruz (W), Bombay

(2) Rama Shaukar Shivraj Yadav, Nana Chowk, Tardev, Ramesh Bhuvan, Room No 2 Grant Road, Bombay

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days f om the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Plot No 18 & 19 \$ No 8A, Navghai, Vasai (W)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Range, Punc under document No 13902/1984-85 in the month of March 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date 8-11-1985

### FORM I.T.N.S.--

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## (1) Smt. Chandrabhagabai S. Sangale, Kumbhar Galli, Ahmednagar, Dist. Ahmednagar.

(Transferor)

(2) Shri Popatlal M. Bhandari, at Mungusgaon, Tal. Shrigouda, Dist. Ahmednagar.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 24th October 1985

Ref. No 1AC ACQ/CA-5/37G/8/1985-86.—Whereas. 1. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing C.F.S. No. 5812 A-4 House No. 38 at Ahmednagar, situated

a: Ahmednagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Ahmednagar in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice n the Official Gazetta.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are lefined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income echips from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

C.T.S. No. 5812/A-4, House No. 38, at Ahmednagar, Dist. Ahmednagar.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Ahmednagar, under document No. 8/85-86 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the fellowing persons, namely :--

Date: 24-10-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 8th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/108/85-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

S. No. 692/1-13 Plot No. 13 situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S. R. Nasik in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shri Vasudoo Vishwanath Saraf, Chairman, Rajkumar Co-operative Housing Society Ltd. Pumping Station, Nasik.

(Transferor) (2) Shri Daulat Pandurang Kawade, & Others, Racca Colony, Nasik, Dist. Nasik.

(Transferce)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

S. No. 692/1-13 Plot No. 13. (Area 5082 sq. ft.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Nasik, under document No. 108/1985-85 in the month of July 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 14th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5, 37G/1066/1984-85,---Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000/- and bearing
Property at Valiv, Tal. Bassein, Dist. Thane, S. No. 89, H.
No. 2 situated at Tal Bassein, Dist. Thane
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Vasai on 22-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Erech Hormusji Marker, Smt. Perin Minoo Mistry,
Smt. Tanaz D. Gazdar, Partners of
M/s. Atlas Industries, 29 Wadala Udyog Bhavan, Wadala, Bombay.

(Transferor)

(2) 1. Nariman Jehangirji Palia,

2. Cyrus Fali Palia, 3. Rusi Jehanguji Palia, "Ciupa Trust" 82 Malcolm Jogeshwari, Bombay.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

## THE SCHEDULE

Property at Valiv, Tal. Bassein, Dist. Thane, S. No. 89, H.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Vasai, under document No. 1066/1984-85 in the month of March 1985).

ANIL KUMAA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 14-10-1985

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 25th October 1985

Ref. No IAC ACQ/CA-5/37G/185/1985-86,-Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'soid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C.S. No. 3707, M. No. 3998, Ahmednagar situated at

Ahmednagar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Ahmednagar in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely 69-356 GI/85

(1) Shi Satish C. Badve, 12 Haickrishna Apartments, Shivajidagar, Pune-16.

(Transferor)

(2) Shri Rasiklal D. Voia & Others at Vasant Niwas, Ghumare Galli, Ahmednagar.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property at C.S. 3707, M. No. 3998, Ahmednagar.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Ahmednagar, under document No. 185/1985-86 in the month of April 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Poona

Date: 25-10-1987

FORM J.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(1) Shri D. G. Pavecha, Plot No. K-29, Adinath Society, Pune-9 (Transferor)

(2) M/s. Karnavat Builders, 562/1 Shivaji Nagar, Punc-5.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 106/107. KÖREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 29th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/60 1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing
Rs. 1.00,000/- and bearing
Plot bearing S. No. 635, Ilissa No. 18-A of Village Bibwewadi, Tal. Haveli, Dist. Pune situated at Pune
(and more fully described in the schedule annxed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
S.R. Haveli, Pune in June, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforestid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person inverested in the said immovable property, within 45 days from the date of the nublication of this notice is the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(4) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been exwhich ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (J1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Plot bearing S. No. 635, Hissa No. 1B-A of Village Bibwewadi, Tal. Haveli, Dist. Punc.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Haveli, under document No. 60/ 1985-86 in the month of June 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acq uisition of the Moresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following 13 Mars, namely '--

Date: 29-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 8th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/3167/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

Flat bearing No. C-8 in New Apsara Apartments Co-operative Housing Society Ltd. First floor, Building No. C final plot No. 247 Sub Plot B Bund Garden Road, Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqu. Range, Pune in August, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. Ashley D'Souza, S/o L. H. D'Souza, No. 1, New Apsara Apartments, Bund Garden Road, Punc-1.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Susan Usha Joseph, Gokul Mahal,
Dhole Patil Road, Pune.
2. Mrs. Dorothy Chandapilla,
Flat No. 4, 31 Kurunanak Nagar, Pune.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in

## THE SCHEDULE

Flut bearing No. C-8 in New Apsara Apartments Cooperative Housing Society Ltd. First floor, Building No. C final plot No. 247, Sub Plot B Bund Garden Road, Pune-1. (Area 956 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 3167/1985-86 in the month of August 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Po-

Dato : 8-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 9th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/11443/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961); (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable 'Property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing S. No. 681/2 Al Bibayewadi Pune-37 situated at Pune

S No. 681/2 At Bibawewadi, Pune-37 situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration & 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC., Acqn. Range, Puno in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferr and/or
- (b) facilitating the concealment of any months or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Tarabai Nandtam Bibawe & Others, 431 Kasba Peth, Pune-11.

(2) M/s. Unity Builders, 408/6 Gultekadi, Shastri Chambers, Pune.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offician Gazette

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

## THE SCHEDULE

S. No. 681/2 A1 Bibawewadi, Pune. (Area 50,572 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 11443/1984-85 in the mouth of April 1985)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 9-10-1985

FORM I.T.N.S.

(1) Mr. K. k. Vaswani, 1736 R. S. Kedari Road, Pune-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shaikh Mohammed Yusuf, 12, Wilson Garden, Opp. Railway Station, Pune-1.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 14th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/3402/1985-86.—Whereas, J. ANIL KUMAR,

oring the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value are secondary. By 100 0000 4, and benefing

me saw Act, have leasted to believe that the limitoveole property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing M/s. Vaswani Nagar, Building No. 1, Sub Plot No. 1, F.P. No. 292, Koregaon Park, Sangamwadi, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in August 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair sunket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the edicat of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the trunsferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentrates of any mesons to any majory or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957' (27 of 1967);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforeand persons within a period x 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imanovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazerte

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

M/s. Vaswani Nagar, Building No. 1, Sub Plot No. 1 F.P. No. 292, Koregaon Park Sangamwadi, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 3402/1985-86 in the month of August 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons annels:—

Date: 14-10-1985

Soal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 18th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/12032/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Anthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereisafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing. Flat No. 3 on 1st floor of Building No. A-3 F.P. No. 14,

Erandwana, Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn., Range, Pune in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the price less that they stated in the said instances of the last that the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evation of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1 Shri Ganesh Trust, 2 Shah Colony, Sane Guruji Road, Pune. (Transferor)
- (2) Shri N. D. Nimkar, 1145 Sadashiv Peth, Near Perugate Police Station, Pune. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 3, on 1st floor of Building No. A-3 F.P. No. 14, Erandwane, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 12032/1984-85 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poons

Date: 18-10-1985

Soul

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Desai Electronics Pvt. Ltd. 12/3 Boat Club Road, Pune.

(Transferor)

Atlas Confectioners Pvt. Ltd. 96 TPS Sub-1, Shivajinagar, Pune-5

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 14th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/3453/1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and bearing Flat No/ 6 in Building "D" Mayfair Co-operative Hsg. Society, No 4, Dhole Patil Road, Pune-1 situated at Pune (and more full, described in the Schedule annixed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acqn., Range, Pune in August, 1985 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with

the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No 6 in Building "D" Mayfair Co-operative Housing Society, No. 4, Dhole Patil Road, Pune-1.

(Area 850 'q ft Caipet area)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC., Acquisition Range, Pune under document No 3453/1985-86 in the month of August 1985)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby nitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date . 14-10-1985 Seal:

## FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INTOMETAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE !NSPI CTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1.

Pune, the 25th October 1985

Ref. No IAC ACQ, CA-5, 37-EE/4104/1985-86.- Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000|- and bearing Flat No. 54, Vth floor, Wonderland Co-operative Housing Section M. G. Rood Pupped, extracted at Paper.

Society, M. G. Road, Pune-1, situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn., Range, Pune in September, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officer per cent of such invertee consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agred to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Mr. Saifuddin Kurbanhussain Partapurwala, Flat No. 54, Wonderland Co-operative Society, M. G. Road, Pune, Co-operative Housing

(Transferor)

(2) Smt. Marina Francis Thanicatt, Shrin Villa, Bombay Poona Road, Lonavala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 54, V Floor, Wonderland Co-operative Housing Society, M. G. Road, Pune-1. (Alea 598 sq. ft).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No 4104/1985-86 in the month of Sept., 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poone

Date 25-10-1985 Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1951 (4) OF 1961)

## (2) Shri Chimanlal Ishwarlal Patel, C/o. Panchashil Kirana,

(1) Smt. Bhagirathibai V Panse, Plot No. 5, Manik Nagar Co-operative Housing Society, Gangapur Road, Nasik. (Transferor)

Trimbak Road, Nasik.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1. PUNE

Pune, the 24th October 1985

Ref. No IAC ACO/CA-5/37EE/791/1984-85.—Whereas. I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Single storeyed bearing bunglow in Plot No. 5 of Manik

Nagar Co. operative Housing Society, Gangapur Road, Nasik.

situated at Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. R: rgc, Pune in September, 1985

for an apparent consideration which is less thant the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-izx Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, wit shaper period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the rublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single Storeyed load bearing bunglow in plot No. 5 of Manik Nagar Co-operative Housing Society, Gangapur Road, Nasik.

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 791/1984-85 in the month of May, 1985.

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons tham it: 70-356 GI/85

Date: 24-10-1985

FORM ITNS.----

- (1) Smide Enterpri es, 336/2A Navi Peth, Near Ganjwe Chowk, Pune.
- (Transferor)
- (2) Shri B. K. Paigude & Others, 42/2 Yerandwana, Opp. Yenpure Sadan, Pune-4. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1. PUNE

Pune, the 9th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37-EE/11080/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have rea on to believe that the immovable property, having a fear market value exceeding Rs. 1.00 000]—and bearing No. At Kothrud, within Pune Muncipal Corporation, Unit S. No. 88/4-138-161 Plot No. 47 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC., Acqu. Range, Pune in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by move than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- 'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transference to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transference/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Whalth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :- -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the other in the said immovable property.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Characteristics. Act, shall have the time in that Chapter.

## THE SCHEDULE

At Kothrud within Pune Municipal Corporation, Limit, S. No. 88/4-138-161 Plot No. 47. (Area 12.116 sq. 't).

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11080/1984-85 in the month of March 1985.

ANIL KUM \R
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poons

Now therefore in nursuance of Section 269C of the said in the hy initiate proceedings for the acquisition of the property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-10-1985

## FORM I.T.N.S.—

Minimum and a surround of a resolution of the surround of the (1) Doshi Promoters (Narayandas Kevaldas HUF) Karta P. N. Doshi, 555 Narayan Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Mr. Badrinath Uddhav Shevale, C/o. Mr. T. U. Shewale, Tulsi Nagar, At Chandan Nagar, Post Khadadi, Tal. Haveli, Dist. Pune.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1. PUNE

> > Pune, the 9th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37-EE/3250/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 304 on third floor in Narayan Chambers at 555/1,

24 Narayan Peth, Pune. situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 at 1957 at

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used breein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 304, on 3rd floor, in Narayan Chambers at 555/1,2, 4 Narayan Peth, Pune-30.

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 3250/1985-86 in the month of August 1985.

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 9-10-1985

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### Shri Balwant B Mahajan, Shri Annasaheb B Mahajan, Laxmi Stores, 6th Lane, Rajarampuri, Kolhapur.

(2) M/s. Bhagyashree Associates, "47/730 Lokmanya Nagar, Pune. (Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE 1

Pune, the 24th October 1985

Ref. No. IAC/CA-5/37EE/4470/1985-86.— Whereas I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
No. Plot No. 19, out of S. No. 86/2.1 & 87/1-A-2+1/B/2.
+1C Kothrud, Pune squated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
IAC, Acqn. Range, Pune in September 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
   and/ex
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 369°C of the said .ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 19, out of S. No. 86/2-A & 87/1-A/2+1/B|2+1C Kothrud, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the effice of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4470/1985-86 in the month of Sept. 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge, Poona

Date: 24-10-1985

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Gururaj G Puranik, 856 Baikrishna Ashram Road, Off. Bhandarkar Road, Pune-4.

(Transferor)

(2) Smt. N. N. Patil. Mansukh 100/3 Erandwane, 9th Lane, Prabhat Road, Pune-4.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE 1

Pune, the 24th October 1985

Ref. No IAC ACQ/CA-5, 37 L, Def. 2849/1985-86.—

Whereas I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority in ter Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1.51) theremafter referred to as the 'said Act'), have reason to be never that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No Su vey No. 37/1/1C at Pashan shuated at Pashan (and race fully described in the schedule below) na, been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer

1908) In the onice of the Registering Cinecial IAC, Acqn. Range, Pune in September 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than histeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons that were not ind incres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Survey No. 37/1/1C at Pashan, (Area 3600 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2849/1985-86 in the month of September, 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Renge, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely :- -

Date: 24-10-1985

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE PUNE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE

Pune, the 16th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/551/1985-86.— Whereas I, ANJL KUMAR,

oring the Competent Authority under Section 269B of the face ne-tax Act, 1'.51 (43 of 1951) (hereinafter referred to as the and Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. C. S. No. 187 Shukrawar Peth, Pune-2 situated at Pune

No. C. S. No. 187 Shukrawar Peth, Pune-2 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acqn. Range, Pune in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfe, as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Acc, or respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Mukundiav Ganpatrav Bhame, Shri M. G. Bhame and Shri S. G. Bhame, 187 Shukrawar Peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) Shri P. S. Pethe & Shri D. T. Desai, Partners Sidharth Promoters & Builders, 187 Shukrawar Peth, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

INPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

C.S. No. 187 Shukrawar Peth, Pune-2.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Fange, Pune, under document No. 551/1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the societation property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-10-1985

FORM 1.T.N S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

## Sai Kuaj, 569 Narayan Peth, Pune-30.

(1) M/3. Kamal Builders,

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Shankar Dani, Mohna Bung ow, Near Deep Bunglow, Shivajinagar, Pune-16.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE 1

Pune, the 16th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/11283/1984-85.--

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/3/EE/11283/1984-85.—
Whereas I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
its. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 301 of Sai Kunj. 569, Narayan Peth, situated at Pune
tand more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred.

has been transferred

under the Registeration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

IAC, Acqn. Range, Pune in March 1985

IAC, Acqn. Range, Pune in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of of transfer with the object of .-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ong't to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Coprofic.

EXPLANATION:—The terms and are defined in Chapter XXA of the said the specific process of the said the sa in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 302 of Sai Kunj, 569 Narayan Peth, Pune-30. (Area 685 sq ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the L.A.C., Acquisition Pange, Pune, under document No. 11283/1984-85 in the month of March 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Renge, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ort, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dote: 16-10-1985

105 Ramamadnav, Narayan Peth, Pune-30

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gajanan Pandharina h Nasholkar, 884 Raviwar Peth. Pune-2.

(1) Shri Renuka Construction.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE 1

Pune, the 4th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/1078)/19780/1984-85—Whereas I, ANIL KUMAR.

The the Computent Amportty
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No City Survey No. 430 Narayan Peth, Pune-30 signated at Pune situated at Pune

fand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registra on Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in March 1985 which is less than the fair market value of the aforesaid pro-

pert and I have reason to believe that the fair market value A the property as aforesaid exceeds the apparent considera-uon therefor by more than titteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever remod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice at the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

## THE SCHEDULE

City Survey No. 430 Narayan Peth, Pune. (Area 590 sq. ft)

(P operty as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A C., Acquisition Range, Pune, under document No 10780/84-85 in the month of March 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition onge, Poona

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4-10-1985 Seal:

### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE PUNE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE 1

> > Pune, the 3rd October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/12/1985-86,—Whereas I, ANIL KUMAR, whereas 1, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. One flat No. A-4, Ground floor in Tukaram Apartment at 134 Rayway Lines Solvent

at 134 Raiway Lines, Solapui-1

situated at Solapur

(and more fully described in the Schedule sunexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acqn. Range, Pune in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair mar-

ket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .

(1) M/s. Rahul Builders 134 Railway I mes, Solapur

(Transferot)

(2) Mrs. Suman Jayvant Patil, House No. 134, Tukaram Apailment, Flat No. A-4, Ground floor, Railway Lines. Solapur,

(Transferec)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforeshid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957)

## THE SCHEDULE

One Flat No. A-4, Ground Floor, in TUKARAM APART-MENT at 134 Radway Lines, Solapur.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1 A. C. Acquisition Range, Pune, under document No 12/1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Renge, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons no ether

71-356 GI/85

Date: 3-10-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK PUNE

Punc-I, the 3rd October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/1572/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 208 on 2nd floor of K.T. Nagar, situated at Achole Road, Nallasopara East, Dist. Thane situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqu Runge, Pune in July 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such treasfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

- (1) M/s K.K.T. Enterprises, Khind Nagar Building No. D-3, 3rd floor, R. No. 34, Santacruz West, Bombay.
- (2) Mohamed Alibhai Arab, Abhas Alibhai Arab, R. No. 53, 3rd floor, Nazarali Building, 25 Dharamshi Street, Bombay-3. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid pursons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period, expires later;
- (b) by any other person interested in the seid immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 44

are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flut No. 208 on second floor of K.T. Nagar, situated at Achole Road, Nallasopara East, Dist. Thane. (Area 700 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 1572/1985-86 in the month of July 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge, Poona

Date: 3-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Shri Shaikh Ishaque Shaikh Gafoor, 1005 Bhavani Peth, Punc-2.

(Transferor)

(2) Shri Fariduddin Allauddin Khan, 780 Guruwar Peth, Pune-2.

(Transferec)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK PUNE

Pune-1, the 18th October 1985

Rcf. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/3698/1985-86.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Shop, 1st floor at 408 6 Gultekadi Road, Pune-37 situated at Pune

transfer with the object of :-

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acqn Range, Pune in August 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tan Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop 1st floor at 408/6 Gultekadi Road, Pune-37. (Area 800 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 3698/1985-86 in the month of August 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-10-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KORLGAON PARK PUNE

Pune-1, the 29th October 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5 37EE/1344/1985-86,-Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Shop No. 7, Leela Apartments, C.T.S. No. 784, Bhavani Peth, Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn Range, Pune in July 1985, for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Balani Builders, 3 Leela Apartments, Agarwal Colony, Punc-1.

(Transferor)

(2) Jethanand Goumal Babani, 1989 onvent Street, C/2 Hermes House, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 7, Leela Apartments, C.T.S. No. 784, Bhavani Peth. Pune. (Area 585, sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune undocument No. 1344/1985-86 in the month of July 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 29-10-1985

#### FORM ITNS ---

(1) Shri Chhagmel, S/o Late Rajmal of Gulababagh, P.S. Sadar, Dist. Purnea,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Urmila Devi, W/o Sri Bishwanath Agaiwal of Gulababagh, P.S. Sadar, Dist. Purnea, (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD PATNA

Patna-800 001, the 8th November 1985

Ref. No. III-1010/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Parner, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Khata No. (old) 240, 237, 366, old plot No. 372, 377, 138, new plot No. 514, 513, Touzi No. 8/5, Thana No. 100/1 situated at Souza Abdulla Nagar, P.S. Sadar, Dist. Purnea (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purnea on 29-3-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 8 katha 16½ dhur bearing khata No. (old) 240, 237, 366, old plot No. 372, 377, 138, new plot No. 514, 513, Touzi No. 8/5, thana No. 100/1 situated at Mouza Abdulla Nagar, P.S. Sadar, Dist, Purnea and more fully described in Deed No. 3831 dated 29-3-1985 registered with D.S.R. Purnea.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition aRnge Pune, Bihar

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-1-1-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD PATNA

Patna-800 001, the 8th November 1985

Ref., No. III-1005/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patra, being the Competent Authority under Section 26\$B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Khata No. 1, touzi No. 15/11, P.S. No. 94, holding No. 27 situated at mouza Bhandaridh at & P.O. Giridih. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Giridih on 25-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and then the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shrimati Pennamma, w/o Tenu Balis Thomas Tungachhan of Bhandaridih, Dist. Giridih. (Transferor)

(2) Shrimati Bibi Jamila Khatoon, W/o Md. Jalil Gaddi, near Taxi Stand, Deshbandhu Talkies, Jharia, Dist. Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 24 decimal bearing khata No. 1, touzi No. 15/11, P.S. No. 94, holding No. 27 situated at mouza Bhandaridih, at & P.O. Giridih and morefully described in deed No. 3596 dated 25-3-1985 registered with D.S.R. Giridih.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Aiquisition Range, Patna, Bihar

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## (1) Shrimati Shanu Lal Chundani W/o Kanhaiya Lal, Moh-D5, People's Cooperative Colony, Kankarbagh, Dist. Putna

Transferou)

(2) Shri Prabin Ranjan Das S/o Shri Maha Krishna Das, Vill. Bangeihatta, P.S. Ghanshyampur, Dist. Darbhanga.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD PATNA

Patna-800 001, the 8th November 1985

Ref. No. III-1014/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihai Patma, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing khata No. 663 Touzi No. 5505, khasra No. 1511, P. S. No. 2 situated at Mouza Mainpura, P.S. Fulwari, Dist. Patna, (and more uliy described in the Schedul; annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 29-3-1985,

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring one katha ten dhur bearing khata No. 633, touzi No. 5505, Khasra No. 1511, P.S. No. 2 situated at Mouza Mainpura, P.S. Fulwari, Dist. Patna and morefully described in deed No. 2096 dated 29-3-1985 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aiguisition Range, Putna, Bihai

Date: 8-11-1985

### CONTRACTOR OF CONTRACTOR WAS ASSESSED FOR THE CONTRACTOR OF THE CO

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD PATNA

Patna-800 001, the 8th November 1985

Rtf. No. III-1009/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range. Bihar Patna.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing

Rs. 1,00,000|- and bearing
Old khata No. 240 MI, 237 Mi, 366 Mi, plot No. 327 Mi,
377 Mi, 138, new plot No. 514, 513, P.S. No. 1001, Touzi
No. 8/5 situated at Mouza Abdulla Nagar, P.S.S. Sadar, Dist.
Purnea

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purnea on 29-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Chhogmal, S/o Tejmal of Gulababagh, P.S. Sadar, Dist. Purnea.

(Transferor)

(2) Shri Ram Kishore Agarwal, S/o Sri Satya Narain Agarwal, of Gulababagh, P.S. Sadar, Dist. Purneta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:—

## THE SCHEDULE

Land measuring 9 katha 4½ dhur bearing old khata No. 240Mi, 237Mi, 366Mi Old Plot No. 327Mi, 377Mi, 138, new plot No. 514, 513, P.S. No. 100/1, Touzi No. 8/5 situated at Mouza Abdulla Nagar, P.S. Sadar, Dist. Purnea and morefully described in deed No. 3832 dated 29-3-1985 registered with D.S.R. Purnea.

DURGA PRASAD Competent Authority' Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aiquisition Range, Patna, Bihar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-41-1985

FORM 1FNS----

Shri Chhogmal
 S/o Late Tejmal of Gulabaoagh,
 P. S. Sadar, Dist. Putnea.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Bishwanath Agarwal, S/o Shii Sa ya Narain Agarwal of Gulababagh, P. S. Sadar, Dist. Purnea

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800 001, the 8th November 1985

Ref. No. III-1011/Acq/85-86,--Whereas, J, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing

Khata No. (old) 240Mi, 237Mi, 366Mi, old plot No. 372, 377, 138, new plot No. 514, 513, P. S. No. 100/1, Touzi No. 8/5, Ward No. old 21, new 27, situated at Abdulla S/o Late Tejmal of Gulababagh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purnea on 29-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

l and measuring 3 katha 19 dhur bearing old khata No. 240Mi, 237Mi, 366Mi, old plot No. 372, 377, 138, New plot No. 514, 513, P. S. No. 100/l, Touzi No. 8/5, Ward No. old 21, new 27, situated at Mouza Abdulla Nagar, P. S. Sadar, Dist. Purnea and morefully described in Deed No. 3828 dated 29-3-1985 registered with D.S.R. Purnea.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bihar, Patna,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
72—356 GI/85

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800 001, the 8th November 1985

Ref. No. III-1015/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 - and bearing Touzi No. 5755, thana No. 93, khata No. 106, plot No. 2 situated at Mouza Chilbili, P. S. Fulwari, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 25-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as rioresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Sheo Sunder Singh S/o Late Mukha Singh, at Ghilbili P. O. Bisarpura, P.S. Fulwari, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) M/s. Basant Bihar Co-operative Housing Society Ltd. through its Secretary Shri Mata Pd. Sinha S/o Late Jagdamba Pd., 56, L.I.C. Colony, Kankarbagh, Dist. Patna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mtasuring 6 katha 10 dhur 4 durki bearing Touzi No. 5755, thana No. 93, khata No. 106, plot No. 2 situated at Chilbili, P.S. Fulwari, Dist. Patna and more fully described in deed No. 1977 dated 25-3-1985 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD Competent Authority-Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Patna, Bibar.

alow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-11-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800 001, the 8th November 1985

Ref. No. III-1012/Acn/85-86.-Whereas, I. DURGA PRASAD,

DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Khata No. 83, Touzi No. 5519, Khasra No. 53 situated at Mouza Jalalpur, P. S. Danapur, Dist, Patna and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at at

of 1908) in the office of the Registering Officer at at

Patna on 25-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsons namely :-

(1) Shrì Subhash Kumar Singh S/o Ramgulam Singh, At Lohanipur, P. S. Kadamkuan, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Madan Kumar S/o Laxmi Prasad. At Mithapur, B Area, P. S. Jakkanpur, Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period et 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4 katha bearing khata No. 83, Touzi No. 5519, Khasra No. 53 situated at Mouza Jalalpur, P. S. Danapur, Dist. Patna and more fully described in deed No. 1983 dated 25-3-1985 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range, Patna, Bihar.

Date: 8-11-1985

Scal :

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD. PATNA

Patna-800 001, the 8th November 1983

Ref. No. III-1016/Acq/85-86,-Whereas, 1, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Touzi No. 139, Khata No. 184, Khasra No. 178 situated at Mouza Naubatpur, Ashok Nagar, P. S. Kankarbagh, Dist.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Patna on 14-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Satiphan Mabto, Sn Sahdeo Mahto sons of Prasadi Mahto, Moh. Naubatpur, Ashok Nagar, P. S. Kankarbagh, Dist, Bhagalpur,

(Transferor)

(2) Shri Dhananjay Prasad S/o Late Jagat Nandan Prasad, Moh. Bhikhanpur, P. S. Kotwali. Dist, hBagalpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) he and other person interested to the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 9 dhur 5 dhurki with double storied building bearing touzi No. 139, khata No. 184, khasra No. 178 situated at Mouza Naubatpur, Ashok Nagar, P.S. Kankarbagh, Dist. Patna and more fully described in deed No. 1575 dated 14-3-1985 registered with D.S.R. Patna.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range. Patna, Bihar.

Date: 8-11-1985 Seal:

## FORM TINE-

(1) Shri Sheodas Singh S/o Mukha Singh, At Chilbili, P. O Bisarpura, P. S. Fulwari, Dist. Patna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Basant Bihar Cooperative Housing Society Ltd., Sti Mata Pd. Sinha S/o Late Jagdamba Pd., 56, L.I.C. Colony, Kankarbagh,

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800 001, the 8th November 1985

Ref. No. III-1017/Acq/85-86.--Whereas, I,

DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 25 the 'said Act'), have remon to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Thana No. 93, touzi No. 5755, khata No. 106, plot No. 2 situated at Chilbili, P. S. Fulwari, Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the ecRgistering Officer at Patna on 25-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability, of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers respect of any income arising from and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

Land measuring 4 katha 10 dhur bearing thana No. 93, touzi No. 5755, khata No. 106, plot No. 2, situated at Chilbili. P.S. Fulwari, Dist. Patna and more fully described in deed No. 1978 dated 25-3-1985 registered with D.S.R. Patna

> **DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Patna, Bihar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-11-1985

Seal I

40766

Patna on 29-3-85

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (49 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## JEFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800 001, the 8th November 1985

Ref. No. III-/1013/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the mecome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinarter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000], and bearing khata. No. 633, Khasla No. 1511, Touzi No. 5505, thana No. 2, situate dat Mouza Mainpur, P, S. Fulwari, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the eRgistering Officer at

ror an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kanhaiya Lal s/o Late Sri Hardas Mal, Moh-Sardar Patel Path, North Srikrishnapuri, P.S. Sri-krishnapur, Dist. Patna.
  - (Transferor)
- (2) Shri Arbind Ranjan Das s/o Sri Mahakrishna Das, At Bangerhatta, P.S. Ghanshyampur, Dist. Darbhanga. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 katha & 10 dhur bearing khata No. 633, Khasra No. 1511, Touzi No. 5505, thana No. 2 situated at Mouza Mainpura, P.S. Fulwari, Dist. Patna and more fully described in deed No. 2095 dated 29-3-85 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 8-11-85

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001 BIHAR

Patna-800 001, the 8th November 1985

Ref. No. III-1007/Acp/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

the said Act.) have leason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Rs. 1,00,000/- and bearing Holding No. 488/664, plot No. 48, Type-E. block 3, Ward-12 situated at Rajendra Nagar, P.S. Kadamkuan, Dist Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at

Patna on 23-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Sr. Surject Singh 5/0 St. Mehar Singh, 2. Sr. Mahendia Pal Singh, (3) St. Kuldip Singh, 4 Sr. Pratipal Singh, (5), Sr. Popindra Singh sons of Sr Surjit Singh, At—11F, Rajendra Nagar, P.S. Kadamkuan, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) 1. Dr. Ram Kushna Modi s/o Bajrang Lal Modi, 2. Dr. Pranula Modi, s/o Dr. Ram Kushna Modi, Road No. 8B, Rajendra Nagar, P.S. Kadamkuan, Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 760 75 sq. yard with building on holding No. 488/664, plot No. 48, Type-E, block No. 3, Ward No. 12 situated at Rajendra Nagar, P.S. Kadamkuan, Dist. Patna and morefully described in deed No. 1929 dated 23-3-85 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 8-11-85

FORM I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 4th November 1985

Ref. No. III-994/Acp/85-86,—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Holding No. 31 (Part) and New Holding No. 38 (Part), Citcle No. 6, Ward No. 2 (old) 10 (new) situated at Mohalla—Sinha Library Road, P.S. Kotwali, Patna (and more fully described in the Setable account for the setable account.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at

Calcutta on 12-3-85

40768

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to beheve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the manually of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shii Tara Bhushan Mukherjee, OF-Sinha Library Road, P.S. Kotwali, Patna.

(Transferor)

[PART III-SEC. ]

(2) Smt. Shakuntala Devi Agarwal, Rajendra Nagar, P.S. Kadamkuan, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land with single storeyed building measuring 2297 sq. ft. situated at Mohalla—Sinha Library Road, P.S. Kotwali, Patna and morefully described in Deed No. I-3726 dated 12-3-85 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

DURGA PRASAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4-41-85

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Shri Tara Bhushan Mukherjee, OF-Sinha Library Road, (OFF-Fraser Road), P.S. Kotwali, Patna.

(2) Smt. Nirmala Devi Agarwal, OF-Arya Kumar (Transferor) Road, Rajendra Nagar, P.S. Kadamkuan, Patna. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 4th November 1985

Ref No. III-995/Acp/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing Holding No. 31, (Part) and New Holding No. 38 (Part), Circle No. 6, Ward No. 2 (old) 10 (new) situated at Mohalla—Sinha Library Road, P.S. Kot-

wali, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the dability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Land with single storeyed building measuring 1378 sq. ft. situated at Mohalla—Sinha Library Road, P.S. Kotwali, Patna and morefully described in Deed No. I-3733 dated 12-3-85 registered with Registrar of Assurance., Calcutta.

DURGA PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:— Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said

73--356 GI/85

Date: 4-11-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF BROLA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 4th November 1985

Ref. No. III-996/Acp/85-86.-Whereas, I, DURGA PRASAD,

DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the funnovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Holding No. 31 (Part) and New Holding No. 38 (Part), Circle No. 6, Ward No. 2 (old) 10 (new) situated at Mohalla—Sinha Library Road, P.S. Kotwali, Patna (and morefully described in the carbeidal carbon property).

(and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 12-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cant of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of manufer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act; in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Shri Tara Bhushan Mukherjee, OF-Sinha Library Road, (OFF-Fraser Road), P.S. Kotwali, Patna.

(2) Smt. Subhadra Devi Agarwal, of-Arya Kumar, (Transferor) Road, Rajendia Nagai, P.S. Kadamkuan, Patna. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publi-nation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same assaning as given in that

### THE SCHEDULE

Land with single storeyed building measuring 2297 sq. ft. situated at Mohalla—Sinha Library Road, P.S. Kotwali, Patna and morefully described in Deed No I-3730 dated 12-3-85 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna,

Now, therefore, in pursuance of Scotion 269C of the said Act. I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 4-11-85

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

### GOVERNMENT OF DIDIA

OFFICE OF THE INSPECTING AMERICANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 4th November 1985

Ref. No. III-100/Acp/85-86.--Whereas, I, DURGA PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the interovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 924, Khata No. 13, Tauzi No. 18224 Old 5453 situated at Vasant Vihar Colony, Boring

Road, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sold, Act, in epost of esty income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any manays or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1928) or the said Act, or the Wealth-lex Act, 1927 (27 4 1957);

Now, therefore, in passuance of Section 269C at the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the followaforesaid property by the issue of this notice under st ing purates, samely:—

(1) Shri Hanuman Pd. Bhagat, H.U.F., OF-Subjibagh, P.S. Pirbahore, Patna-4 (Transferor)

(2) Shri Deepak Rungta, S/o Sri Deo Prakash Rungta, OF/P.S./Dist. Begusarai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the netice in the Official Genetic or a pseiod of 30 days from se service of motios on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter. .

### THE SCHEDULE

Land with double storeyed building measuring 4521 sq. ft. situated at Vasant Viher Colony, Boring Road, Petna and morefully described in Deed No. I-4858 dated 29-3-85 registerd with Rgistrar of Assurancs, Calcutta.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 4-11-85

and the same of th

### FORM ITNB--

(1) Shri Hanuman Pd. Bhagat, H.U.F., of Bubjibagh, P.S. Pirbakore, Patna-4.

(Transferor)

(2) Shri Deo Prakash Rungta, of/P.S./Dist. Begusarai.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800 001, the 4th November 1985

Ref. No. III-1002/9cq/85-86.—Whereas, I, DURGA

Ref. No. 111-1002/9cq/05-00.—whereas, i, Donad PRASAD, to sing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 924, Khata No. 13, Tauzi No. 18224 Old 5453, situated at Vasant Bibar Colony, Boring Road, Patna (and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration ration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. As in respect of any income arising from the transfer, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land with double storeyed building measuring 4521 sq.ft. situated at Vasant Vihar Colony, Boring Road, Patna and more fully described in Deed No. I-4857 dated 29-3-85 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

**DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range, Bihar, Patna

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Date: 4-11-85

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Amiya Bhushan Mokherjee, of Sinha Liabrary Road, (OFF-Fraser Road), P.O. Kotwali, Patna. (Transferor)
- (2) Smt. Niimala Devi Agarwal, of Arya Kumar Road, Rajendra Nagar, P.S. Kadamkuan, Patna.

### (Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800 001, the 4th November 1985

Ref. No. III-1000/Acq/85-86.—Whereas,I, DURGA

PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/prod bassing Holding No. 31 (nort) and New Holding No. 38 and bearing Holding No 31, (part) and New Holding No. 38 (Part), Circle No. 6, Ward No. 2 (Old) 10 (new) situated at Mohalla Sinha Library Road, P.S. Kotwali, Patna (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same as a conin the Chapter.

### THE SCHEDULE

Land with single storeyed building measuring 1378 sq.ft, situated at Mohalla Sinha Library Road, P.S. Kotwali, Patna and more fully described in Deed No. I—3727 dated 12-3-85 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the foll/wong persons, namely :-

Date: 4-11-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800 001, the 8th November 1985

Ref. No. 1Π-1008/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing No. Khata No. 240 mi, 237 mi, 366 mi, plot No. (old) 372 Mi, 377 Mi, 135 Mi (New plot No. 514, 513, P.S. No. 100/1 old Ward No. 21, new ward No. 27 situated at mouza Abdula Nagar, P.S. Sadar, Dist. Purnea (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purnea on 29-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chhagmal, S/o Late Tejmal of Gulababagh, P.S. Sadar Dist. Purnea.

(Transferor)

(2) Shri Lakshman Kumar Agarwal, S/o Satya Narain Agarwal, of Gulababagh, P.S. Sadar, Diet. Purnea. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used basels as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 8 katha bearing khata Nos. 240 Mi, 237 Mi, 366 Mi, Plot No. Old 372 Mi, 377 Mi, 138 Mi New No. 514, 513, P.S. No. 100/1, Ward No. old 21, new 27 situated at Mouza Nagar. P.S. Sadar, Dist. Purnea & more fully described in deed No. 3833 dated 29-3-85 registered with D.S.R. Purnea.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 8-11-85 Seal:

(1) Shri Tara Bhushan Mukherjee, of Sinha Liabrary Road, (OFF-Fraser Road), P.S. Kotwali, Patna. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Nirmala Devi Agarwal, OF-Arya Kumar Road, Rajendra Nagar, P.S. Kadamkuan, Patna. (Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800 001, the 4th November 1985

Ref. No. III-993/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mrke value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Holding No. 31, (Part) and New Holding No. 38 (Part),
Circle No. 6, Ward No. 2 (old) 10 (new)
situated at Mohalla Sinha Library Road, P.S. Kotwali, Patna
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
here here tread under the Registration Act, 1908 (16 of

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/es
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the follow-remains namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land with single storeyed building measuring 2297 sq.ft. situated at Mohalla—Sinha Liabrary Road, P.S. Kotwali, Patna and morefully described in Deed No. I-3732 dated 12-3-85 registered with Registrar of Assurances. Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 4-11-85 Seal:

### PORM ITYES

(1) Shri Amiya Bhushan Mukherjee, OF-Sinha Liabrary Road, (OFF-Fraser Road), P.O. Kotwali, Patna.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OP 1961)

(2) Smt. Subhadra Devi Agarwal OF-Arya Kumar Road, Rajendra Nagar. P.S. Kadumkuan, Patua,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMERCENER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna 800 001, the 4th November 1985

Ref. No. III-997/Acq./85-86,-Whereas, I. DURGA PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Isoome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair methot value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Holding No. 31 (Part) and New Holding No. 38 (Part), Circle No. 6. Ward No. 2 (Old) 10 (new)

situated at Mohalla—Sinha Liabrary Road, P.S. Kotwali,

Patna

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Calcutta on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preporty as afteresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said set, it respect of any income arising from the transfers nadior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tux Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land with single storeyed building measuring 2297 Sq.ft. situated at Mohalla—Sinha Liabrary Road, P.S. Kotwali, Patna and morefully described in Deed No. I-3722 dated 12-3-85 registered wi thRegistrar of Assurance of Calcutta.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under submeetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 4-11-85

### FORM NO. LT.N.S .--

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800 001, the 4th November 1985

Ref. No. III-1003/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, naving a ran manager. Rs. 1,00,000- and bearing Rs. 1,00,000- and bearing No. Ward No. 2. Cricle No. 9, Plot No. 722 (P), Holding No. 2134 (Part)/494 situated at Exhibition Road, Patna (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the eald instrument of

mansfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—.

74—356 GI/85

(1) Shri Nirmal Chandra, Rukumpura, Bailey Road, P.S. Danapur, Patna.

(Transferor)

(2) M/s, Om Carring Corpr. through its partner—Shri Annæpurna Devi, Gandhi Maidan, Patna.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 1 katha 15 dhur situated at Exhibition Road, Patna and morefully described in Deed No. 1-3099 dated 9-3-85 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 4-11-85

Seal

### FORM ITNS ----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 4th November 1985

Ref. No. III-998/Acq/85-86.— Whereas I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the one tax Act 1961 43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Holding No. 31 (Part) and New Holding No. 38 (Part), Circle No. 6, Ward No. 2 (old) 10 (new)

situated at Mohalla-Sinha Library Road, P. S. Kotwali,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursunce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the a oresaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

Shri Amiya Bhushan Mukherjee, OF—Sinha Library Road, (OFF—Fraser Road), P. S. Kotwali, Patna.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntala Devi Agarwal, OF—Arya Kumar Road, Rajendra Nagar, P. S. Kadamkuan, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property one be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land with single storeyed building measuring 2297 Sq. ft. situated at Mohalla—Sinha Library Road, P. S. Kotwali, Patna and more fully described in Deed No. I-3734 dated 12-3-85 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Dato: 4-11-1985

### FORM ITHS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 4th November 1985

Ref. No. III-999/Acq/85-86.—Whereas I, DURGA PRASAD.

being the Competent Authority under Section 2008 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Holding No. 31 (Part) and New Holding No. 38 (Part), Circle No. 6, Ward No. 2 (old) 10 (new) stuated at Mohalla—Sinha Library Road, P. S. Kotwali,

Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Calcutta on 12-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ansets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

 Shri Amiya Bhushan Mukherjee, OF—Sinha Library Road, (OFF—Fraser Road), P. S. Kotwali, Patna.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Devi Agarwal, OF—Arya Kumar Road, Rajendra Nagar, P. S. Kadamkuan, Patna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ammovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land with single storeyed building measuring 2297 Sq. ft situated at Mohalla—Sinha Library Road, P. S. Kotwalı, Patna and more fully described in Deed No. 1-3724 dated 12-3-85 registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the besse of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-11-1985

### FORM NO. ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 491/85-86.—Whereas. I, M. JEJAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding ks. 1,00,000/- and bearing Land situated at Gollapudi village, Vijaywada

Land situated at Gollapudi village, Vijaywada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering officer at Vijayawada on 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aut, is respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri Chigurupati Venkateswara Rao S/o Vecrayya & 6 others, Gollajudi, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Vijayawada Wholesale Commercial Complex Members Welfare Society, Rep. by its President. Sri J. Ramaswamy Gupta & Gen. Secreaary Sri A, R. Gopal Rao, 11-50-37, Sivalayam Lane, Vijayawada-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Acres of land 1.48-3/4 cents of Gollapudi Village, Vijayawada, registered by the SRO., Vijjayawada vide Document No. 1711/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rauge,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons samely:—

Date: 8-11-1985

Seal

### FORM ITNS----

(1) Sri Patiband Ramalingeswara Rao. S/o late P. Apparao, Governorpet, Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s, Santosh Estates (P) Ltd., Rep. by Director Sri T. Venkata Hanumanth Rao, Rajagopalchari Street, Governorpet, Vijayawada.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSESTANT COMMESSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 492/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land situated at Gollapudi village, Vijayawada (and more fully described in the achedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vijayawada on 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid assessed the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sentileration for such transfer as agreed to believe the Larries has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aformula persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi-ention of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall knyo the same meaning as given in that Chanter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of uny iscome arising from the transfer: and /ora
- (b) facilitating the concentment of any income or any memorys or other assets which have not been or which count to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-are Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 24-252, Prakasam Road, Governorpet, Vijayawada area 922 sq. yards, Asst. No. 20804/A to F, registered by the SRO., Vijayawada vide Document No. 1732/85.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this sotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manuely :--

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 493/85-86,—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.
House situated at Governorpet, Vijayawada
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vijayawada on 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Patibanda Ramalingeswara Rao S/o late Sri P. Apparao, Governorpet, Vijayawada.

(Transferor)

(2) M/s. Santosh Estates (₱) Ltd., Rep. by Director Sri T. Venkata Hanumanth Rao, Rajagopalchari Street, Governorpet, Vijayawada.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 24-252, Prakasam Road, Governorpet, Vijayawada area 922 sq. yards, Asst. No. 20804/A to F, registered by the SRO., Vijayawada vide Document No. 1732/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Dato: 8-11-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 494/85-86.-Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 o 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Suryaraopet, Kaleswarara Rao Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vijayawada on 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Korripati Seethadevi (alias; Vijayalaxmi), W/o Raghunadh, Kaleswara Rao Road, Survaraopet. Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Alamullah Khan S/o Bashir Khan & 3 others, D. No. 29-13-87A, Suryaraopet, Kaleswara Rao Road, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 10 days from the service of metics on the respective persons, which aver period empires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with in 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as see defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 29-13-87A, Suryaraopet, Kaleswararao Road, Vijayawada, registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1426/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

127 A 12 TO 12

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Valluri Satyavathi W/o Ramakrishna Rao Pratap Nagar, Kakinada.

(Transferor)

(2) Sri Chivukula Suryanarayana Murthy, S/o Sri Venkata Subbaraidu, 63/19, Dwarakanagar, Kakinada.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT · COMMISSIONER OF INCOME-TAX-

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD ((A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 495/85-86.-Whereas. I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. House situated at Ward No. 2, Prtap Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kakinada on 3/1985 for an apparent consideration which is less than 'he fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act hall have the same meaning as given is ant Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 8-13A, Ward No. 2 Pratapnagar, Kakinada, area 295 sq. yards registered by the SRO, Kakinada vide Document No. 3270/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore; in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely:--

Date: 8-11-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 496/85-86.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

House situated at 5-Ward Palacol, WiG Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Palacol on 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Sri Palepu Venkata Lingam S/o Vecranna Bank Employee. 17th Ward, Palacol, WG Dist.

(Transferor)

(2) Sint. Eeranki Udaya Bhaskaram W/o Bhaskara Rao. Gummaluru Village Poduru Tq., WG Dist. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property aray bu made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House in 5-Ward, Palacol, WG Dist., area of land 169 sq. yards in Asst. No. 519A registered by the SRO, Palacol vide Document No. 910/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeraid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following or vos. namely :-75-356 GI/85

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderahad, the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 497/85-86.—Whereas, I, M. IEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No House situated at Santhapet, M.G. Road, Vizianagaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizianagaram on 5/1985

Vizianagaram on 5/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely : -

(1) Smt. Boddu Parvathi Devi. W/o Ramayya, D. No. 25-8-160, Main Road, Vizianagaram.

(Transferor)

(2) Sri Shah Devichand S/o Astaju & Others, Door No. 8-1-84, M.G. Road, Vizianagaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Door No. 8-1-84, Santhapet, M.G. Road, Vizianagaram, in TS No. 742 & Assl. No. 5014, area 234 sq. yarda registered by the SRO, Vizianagaram vide Document No. 2061/

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1985

### FORM ITNS

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 498/85-86. --Whereas, I, M JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. I and situated at Vallank Village Bhimunipatnam Tq. (and more tudy described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Vizag in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andles
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 S11 Dodla Sai Prasad Rao S/o late Rama Rao & 3 others, GDA · Str D. Venkata Bhaskara Rao, Krilampudi layout, H. No. 10-50-57, Visakhapatnam, Visakhapatnah.

(Transferor)

(2) Kum. Duvvuti Vijayalaxmi Karuni Ramana, D/o Dr. D. Venkata Ramana, 34. Sanjivayya Nagar, Kirlampudi Lay-out, Visakhanpatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this actice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Acres of land 3.66 cents at Vallanki, Bhimunipatnam Tq., Vizag Dist., Patta No. 463 registered by the SRO, Vizag vide Document No. 2839/85.

M. JFGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1985

Scal

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 499/85-86.—Whereas, I,

Rel. No. RAC. No. 499/85-86.—Whereas, 1,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
House situated at 23-Ward, Sajjapuram
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
have been transferred under the Pagistration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Tanuku in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri Valluri Sathiraju S/o Bapıraju K. Yellendalaparru, Tanuku tq., WG Dışt.

(Transferor)

(2) Sri Pericherla Murali Krishna S/o Ramaraju, D. No. 23-41/2 in 23rd Ward, Sajjapuram, Tanuku, WG Dist.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House Dooi No. 23-41/2 in Ward-23, RS No. 18/1B3, at Sajjapuram, Tanuku, WG Dist, registered by the SRO, Tanuk vide Document No. 681/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT. 1961 (45 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1985

Ref. No. RAC. No. 500/85-86.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

House situated at Narsipatnam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narsipatnam on 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or
- (b) facilitating the concealment of any means of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

 Smt. I.anka Atchayyamma W/o Satyam 9-Ward, Naisipatnam, Vizag Dist.

(Transferor)

(2) Sri Kota Appala Naidu (alias : Bulliabbai). Sarabhavaram P.O. Vaddi Sarabhavaram, Narsipatnam Tq., Vizag Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House Door No. 30-14 and 30-14 (2) at Narsipatnam, Vizag Dist. area 288 sq. yards registered by the SRO Narsipatnam vide Document No. 407/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT OFFICE OF THE INSPECTING COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 25th October 1985

Ref. C. R. No. 62/8-8/ACQ/B.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Re 100,000/- and bearing R.S. No. 1416 situated at Sadashir Nagar, Belgaum situated at Bombay (and more fully described in the Schedule at Sadashir Nagar, Belganm has been transferred under the Registration Act, 1908, (16

of 1908) in the Office of the Registering Office

at Belgaum in April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than a property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Narayan Nagappa Majirkar, Ihukrawar Peth Tilakwadi, Belgaum.

(2) Shi1 N. J. Shivakumai, C/o. Wali Building, Il-Closs, Opposit Maharashtra Bank, Gadashiv Nagar. Belgaum.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Registered Document No. 66/1985-86 dated April. 19851 Open Site, Part of R.S. No. 1416 situated at Sadashiv Nagar, Belgaum.

> S. BALASUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560 001.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 25-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 4th October 1985

Ref. C.R. No. 62/47138/85-86/ACQ/B.—Whereas, I. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred 10 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

PART III-SIC. 11

No. 85, to 91, OT Pet (Patnoolpet), situated at Gundopanth Street, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

Las been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Gandhinagai on 4-4-1985 for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; بعه/ السد
- (t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :-

(1) Shri Janaki Chandra, No. 497, XIV Cross, Shastry Nagar, Banashankari II Stage, Bangalore-70, (Transferor)

(2) 1. Shri P. Chandrasekara Gupta,
2 Smt P. Trilok,
3. Shri K. V. Narasimhalu Setty &
4. Smt. K. Lakshminarasama,
No. 79, Appurayappagalli, Nagarathpet Cross, Bangalore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inunov-able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that sald, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 61/85-86 dated 4-4-85]. Property bearing No. 85 to 91, OT Pet (Patnoolpet), Gr. Street, Bangalore.

> R, BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore-560 001.

Date: 4-10-85

Sea6

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) C G. Gopalkrishna, No. 846/102, Sector-1, C.G.S. Quarters, Antophill, Bombay-37. (Transferor)

(2) A. Narayana, No. 17, Mariappanapalya, Bangalore-21,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 4th October 1985

Ref. C. R. No . 62/46802/85-86/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

k. BHARDWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a Fair Market Value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 658 (658/25)

situated at 21st Cross, II Block, Rajajinagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer ut Rajajinagar on 15-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FEPTANATION:—The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Registered Document No. 5519/85-86 dated 15-3-85. Property bearing No. 658 (658/23), at 21st Cross II Block. Fajannagar, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore-560 001.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, warnely :---

Date: 4-10-85 Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 29th October 1985

R. No. 62/46646/84-85/ACQ/B,—Whoreas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1261 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1070, situated at 35 'D' Cross, IV T Block, Jayanagar.

Bangalore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jayanagar under document No. 5024/84-85 on 13-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair nor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (!) of Section 269D of the said Act, to the following oersons, namely:—

76—356GI/85

(1) Shri D. Satyanarayana, No. 7, 36th Cross, 9th Block, Jayanagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Nagarathnamma, Smt. Uma Nagaraj, No. 1070, 35 'D' Cross, IV T Block Jayanagar, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Registered Document No. 5024/84-85, dated 13-3-85. All that property bearing No. 1070 situated at IV T Block, Jayanagar, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560 001.

Date: 29-10-1985

### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 29th October 1985

Ref. C.R. No. 62/46687/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'saic Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing ?

No. 18 situated at Whitefield Main Road, Whitfield, Bangalore South

(and more fully described in the schedule annexed herete) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk under document No. 8044/84-85

in March, 1985

in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly started in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any incesse arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons namely :-

(1) Shri Denzil Vincent D'Moute, No. 21, Madavakkam Tank Road, Madras-12, (Transferor)

(2) Smt. Jameela Abu Baker, 482, 100 ft. Road, Indiranagar. Bangalore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Guzette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons wnichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Registered Document No. 8044/84-85 dated March, 1985. All that property bearing No. 18, situated at Whitefield Main Road, Whitefield, Bangalore South Taluk.

> R, BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560 001.

Date: 29-10-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 28th October 1985

Ref. C. R. No. 62/46980/85-86/OCQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

heing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,) have repror to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 706, situated at 8th Cross, Indiranagar II Stage, Bangalore-38

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shivajinagar under document No. 117/85-86 in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficency are cent of such apparent consideration and that the afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclose; by the transferse for the purposes of the India: Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 197);

Now, therefore, in pursuance of Sect n 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri P. R. Viswanathan. 34, Doddakatappa Road, Ulsoor, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri R. Lakshminarayana. No. 706, 8th Cross, Indiranagar, Bangalore-38. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Registered Document No. 117/85-86, dated April 85. All that property bearing No. 706 situated at 8th Cross, 2nd Stage, Indiranagar, Bangalore-38.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560 001.

Date: 28-10-1985

#### FURM ITNS

(1) Smt. Bharathi Devi-9, Jayamahal Road,

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Bedi & Bedi Pvt, Ltd., 12/7, Rajmahal Vilas Extension, Bangalore-80.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 29th October 1985

Ref. C. R. No. 62/47160/85-86/ACQ/B.Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 18-C situated at I Main Road, Jayamahal Extension, Bangalore

sangatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gandhinagar under document No. 327/85-86 on 26-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov lable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta-Act, 1957 (27 of 1957);

Registered Document No. 327/85-86 dated 26-4-1985. All that property bearing No. 18-C situated at I Main Road, Jayamahal Extension, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560 001.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proof Ving for the acquisition of the aforesaid property by the is we of this nation under sub-section (1) of Section 269D g the said Ac to the following persons namely ;--

Date: 29-10-1985

#### FORM PINS\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 29th October 1985

Ref. No. C.R. No. 62/47159/84-85/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and beginn

No. 18-B situated at 1 Main Road, Jayamahal Extension, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer

at Gandhinagar under document No. 320/85-86 on 26-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Bharati Devi, 9, Jayamahal Road, Bangalore-6.

(Transferor)

(2) Bedi & Bedi Pvt. Ltd. 12/7, RMV Extension, Bangalore-80.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid versons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and he expressions used herein as are defined in hapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Registered Document No. 320/85-86 dated 26-4-85.

All that property bearing No. 18-B situated at I Main Road.
Jayamahal Extension, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore-560 001.

Dato: 29-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 29th October 1985

Ref. C.R. No. 46584/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable preperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 18/A situated at I Main Road, Jayamahal Extension.

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Gandhinagar under document No. 3931/84-85 on 23-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely :-

(1) Smt. Bharathi Devi. No. 9, Jayamahal Road, Jayamhaal, Extn., Bangalore-560 006.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Anuradha B. Mangharam, 2. Sri Bhojraj Mangharam, 443, Rajmahal Vilas Extension, Bangalore-560 080.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 3931/84-85, dated 23-3-1985. All that property bearing No. 18/A situated at I Main Road, Jayamahal Extension Jayamahal Road, Bangalore-560 006.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore-560 001.

Date: 29-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (41 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Bharathi Devi. No. 9, Jayamahal Road. Jayamahal Extension, Bangalore-6.

(Transferor)

(2) 1. Shri Rajendra B. Mangharam, 2. Shri Bhojraj Mangharam, 443, Rajmahal Vilas Extension, Bangalore-560 080.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 29th October 1985

Ref. C. R. No. 62/465/83/84-85/ACQ|B.—Whereas I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 18/A-1 situated at I Main Road, Jayamahal Road Jaya-

mahal Extension Bangalore.
(and more fully described in the Schedule annxed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908), in the Office of the Registering Office at Gandhinagar under document No. 3930/84-85 in March,

for an apparent consideration which is less th market value of the aforestid preperty and I have remon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the mid hastrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mouning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast. respect of any income arising from the magefer: and/er

## (b) facilitating the concentment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Registered Document No. 3930/84-85 dated March, 85. All that property bearing No. 18/A-1 situated at I Main Road, Jayamahal Road, Jayamahal Extension, Bangalore.

THE SCHEDULE

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore-560 001.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-10-1985

Real:

(1) Shri C. Srinivasa, No. 33/2, Hospital Road, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE SNOOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Pyari Kumari, W/o. Hemanth Kumar, Pandmashree Rajatha Complex, Chickpet, Bangalore,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 29th October 1985

Ref. C.R. No. 46570/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No 33/2, situated atHospital Road, Bangalore-53
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registrating Office at Gandhinagar under document No. 3988/84-85 on 28-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affituen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evenion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any mesors or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested a the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

### THE SCHEDULE

Registered Document No. 3988/84-85, dated 28-3-85. All that property bearing No. 33/2 situated at Hospital Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority— Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore-560 001

riew therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-10-1985

The state of the s

(1) Smt. Punyamma, W/o. Late Chandraiah, No. 33/1, Hospital Road, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pyarl Kumari, W/o Hemantha Kumar, Padmashri Rajatha Complex Chickpet, Bangalore,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSTECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be grate in writing to the undersigned:—

Bangalore, the 29th October 1985

Ref. C. R. No. 62/46571/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinality referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 33/1, situated at Hospital Road, Bangalore-53

No. 33/1, situated at Hospital Road, Bangalore-53 (and more fully described in the Schedule anaexed hereta) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office

1908), in the Office of the Registering Office at Gandhinagar under document No. 3989/84-85 on 28-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceased property and I have reason to believe that the fair market value of the property as also exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the afercesid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovsule property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

Emplaymen:—The terms and empressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under said. Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ar., 1957 (27 of 1957):

All that property beairng No. 33/1 situated at Hospital ngalore.

Registered Document No. 3989/84-85, dated 28-3-85.

R, BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore-560 001.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquaistion of the aforesaid property by the issue of the notice number subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

Date: 29-10-1985

Seal :

77-356GI/85

FORM ITHE

(f) M. Janardhan Rao No. 6, I A Cross Road, Nagappa Block, Gangenahalti, Bangalore. (Transferor)

(Transferee)

(2) Shri K. Janakiraju, No. 99/6, 16th Main, Vijayanagar, Bangalore-560040.

### NOTICE UNDER SECTION 2600 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 29th October 1985

Ref. No. C. R. No. 62/46597/84-85/ACO/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6, situated at Cross Road, Behind Binny Mills,

Gangenehalti, Bangalore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office

at Gandhinagar under document No. 3843/84-85 on 15-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion o fthe liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afercenic persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person i ty, within 45 theys from the date of the of this notice in the Official Guardia. property,

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given PLAMATION: in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Registered Document No. 3843/84-85, dated 15-3-85. All that property bearing No. 6 situated at I A Cross Road. behind Binny Mills Gangenhalti, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore-560 001.

Date: 30-10-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri M. Narayana Bhat, Falnir, Mangalore-575002.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 29th October 1985

Ref. C.R. No. 62/46808/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereienfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Sy. No. 51-7 situated at Baikampady Village, Mangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office

at Mangalore under document No. 2269/84-85 on 14-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ast, to the following persons, namely:—

 Smt. B. Jayasheela, W/o. Mr. S. Balakrishnan, No. 13. Najasimha Naidu Street, Velur Road, Tiruchengode of Salem District, Tamilnadu.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Registered Document No. 2269/84-85, dated 14-3-85.

All that property bearing No. Sy. No. 51-7 situated at Barkampady Village, Mangalore Taluk.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Impecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore-560 001

Date: 29-10-1985

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Andrew Antony Ronald Sequeira, Matadakani I Cross Road, Mangalore.

(Transferor)

(2) Shri B. Narayana Poojari Matadakani I Cross Road, Mangalore.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th October 1985

C.R. No. 62/46838/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 90A situated at Boloor Village, Boloor Ward, Mangalore,

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Mangalore under document No. 1933/84-85 on 7-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay that under the said Act, in respect of any income arising from the triander; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1933/84-85 dated 7-3-85) All that property bearing No. 90-A situated at Boloor village, Boloor ward Mangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the mforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 29-10-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th October 1985

Ref. No. C. R. No. 62/46825/84-85/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. R. S. No. 318-A1, T. S. No. 161-A1, situated at Attawar village, Mangalore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at 1908), in the Office of the Registering Office at Mangalore under document No. 1987/84-85 on 18-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a second to the consideration for such transfer. the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Asi in respect of any income arising from the transferand for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following - ms, namely:

(1) Shri Umer Attavar (Umer Maiyya), Smt. Krishnavani R. Maiyya W/o. Ramesh Maiyya both represented by their GPA holder Sri K. Narasappaya S/o Narayana Maiyya Pandeshwara road Mangalore-1.

(Transferor)

(2) 1.Janab M. A. Mohammed Janab M. A. Mohammed S/o A. Abdul Khader, Bangena Ranjeshwara Village Kandola,
 Janab M. Mohidee' S/o. M. Usmani Mangalore,
 Mrs. Mariamma W/o. M. AhmedKandola,
 Mrs. Mariamma W/o. K. Hussain Kondola,
 Mrs. Badrunnisa W/o. Abdul Hameed Kandola,
 Sri Bharath Kumar R. Khokhani S/o Ramanilal Khokani

S/o. Ramanilal Khokani
Pandeshwar Road Mangalore,
7. Mrs. Jameeb W/o. Abdul Rehman Kandola,
8. Mrs. U. Aisha W/o. K. Mohamed Bolar,

Mangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1987/84-85 dated 18-3-1985)

All that property bearing No. R. S. 318-A1 T.S. No. 161-A1 situated at Attawar Village Mangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 29-10-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th October 1985

C.R. No. 62/46742/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDAWI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 15, situated at 19th Cross, Malleswaram Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Rajajinagar under document No. 5290/84-85 on 8-3-1985. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in peet of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Shrimathi Pushpa Jain W/o. L. P. Jain

2. Smt. Shree Jain W/o. A. Jain, 3. Smt. Ganapathi Devi Baid W/o. A. M. Baid 17/1, Alı Asker Road, Mangalore-52.

(Transferor)

(2) Miss Sumathi Krishan, 3, 14th Main Road, Malleswaram, Bangalore-55.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions wood berein to are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5290/84-85 dated 8-3-85) All that property bearing No. 15, situated at 19th Cross, Malleswaram Bangalore-3.

> R. BHARDWAJ Competent Authority-Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 29-10-1985

### PORM ITHE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) M/s Bhoruka Finance Corporation 128-B, Poona Street,

(Transferor)

Bombay-9

(1) Shrimathi Pameela Sunawala, No. 52, Stephens Road, Frazer Town, Bangalore.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th October 1985

C.R. No. 62/46787/84-85/ACO/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred, to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7, situated at H. A. L. III Stage, Indianagar

Bangalore-38. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Shivajinagar under document No. 3941/84-85 on 15-3-1985, tor an apparent consideration which is less fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as surged to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjer
- (b) facilitating the concentrate of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tag Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following регрепа, вамеју:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein and defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given to that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3941/84-85 dated 15-3-85) All that property bearing No. 7 situated at HAL III Stage, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-ing Acquisition Range, Bangalore

Date: 29-10-1985

Seel :

### FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

Shrimathi Sarasa,
 Smt. Sumana,
 Sri Vishwanatha Bhat,
 Field Street, Mahamayi Tomple,
 Mangalore-575001.

Transferors)

(2) Shri B. Vishnu Bhandarkar, Venkataramana Temple Compound, Car Street, Mangalore-575 001.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th October 1985

C.R. No. 62/46712/84-85/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex, Acquisition Range, Bangalore, being the Corapetent Authority under Section 2698 of the Insome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to on the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding No. R.S. No. 485, T.S. No. 37 situated at Kasba Bazaar village, Market wood, Mangalore Town, (and more fully described in the Schedule associated in the Schedule associated in 1908), in the Office of the Registering Office at Mangalore under document No. 1891/84-85 on 1-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by mere than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not wally stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other exacts which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-text Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Comette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Markanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1891/84-85 dated 1-3-85)
All that property bearing No. R.S. No. 485, T.S. No. 37 situated at Kasba Bazaar village, Market Ward, Mangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 260D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

Date: 29-10-1985

Son! :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th October 1985

C.R. No. 62/46810,84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex. Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 23/1 situated at Thiruvail Village, Mangalore

No. R.S. No. 23/1 situated at Thiruvail Village, Mangalore Taluk.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Mangalore Taluk under document No. 2316/84-85 on 25-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

M/s Gemine Plywoods,
 Partners 1. Sri M. A. Mohammed,
 2. Sri M. A. Abdul Azeez,
 3. Sri M. A. Nazar Poyilil House,
 Kodivathur Post Via Mukkam, Calicut.

(Transferous)

(2) Smt. M. Shubha M. Kamath, W/o. M. Madhav Kamath, Ram Charan Mattadakani Road, Mangalore

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2316/84-85 dated 25-3-1985) All that property bearing No. R.S. No. 23/I situated at Thiruvali Village. Mangalore Taluk,

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 30-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACOUSTHON RANGE B 17 ALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th October 1985

Ref. No. C. R. No. 62/46717/84-85/ACQ/B.—Whereas I. R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Inconte-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000/ and bearing No. T.S. No. 263 (1) signated at M.C. Road Halbagh, Mangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Mangalore under document No. 1963/84-85 on 14-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties was not been truly stated in the said instrument if transfer with the object of :-

(a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of as a income assume from the transfer; eed/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997);

Now therefore, in pursuance of Section 2690 of the sale Act, ' hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid moranty by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :---

(1) 1. Shrimathi C. B. Mahalakshmi, 2 Sri C. B. Sriramulu Naidu, . 3. Sri C. B. Chinnikrishna Naidu. Lalbagh Mangalore-575 003.

(Transferor)

erin benin arabe.

(2) M/s. Saibeen Complese Pvt. Ltd., represented by its director, Mis. Bibi Razia A. Rehman, W/o M. A. Rehman, 14, Jamila, Street, Bhatkal-581320.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

\_\_\_\_

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 46 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1963/84-85 dated 14-3-1985) All that property bearing No. T. S. No. 263/1 situated at M.G. Road, Lalbagh, Mangalore Taluk.

R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 30-10-1985

### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOML TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

, <del>\* -=</del> -\_ --

### JONERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE B \NGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th October 1985

C.R. No. 62 (46829 84-85 ACQ/B—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as (he said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing

No 90-B, situated at Bolooi Village, Mangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Mangalore on 24-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- th) facilitating the concealment of any income or an moneys or other assets which have not been or which ough? to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ct 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, Thereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : .

- (1) 1 Angeline D'Canha Neclastado, wife of John D'Sunha, aged about 56 years, householder, residing at kampe flower near Marigudi, Urva-Mangalore
  - Juliana Saldanha Neelasiado, wile of Alphonsus Saldanha, aged about 50 years, householder, resid-ing at Kampe House, New Marigudi, Urva, Mangaiore.
  - Jacohim Michael I, tao aged about 48 years service residing at kodical House, Ashokuagui, Mangalore.
  - Letitia Saldanha Nee Tasado wife of Fredrick Saldanna, uged about 44 years residing at Kampe House near Manguar Urva Mangalore, Toseph Lastido, aged about 42 years, Vgricul-turist, residing at Chevayoru, Kerala State.

  - Laswrence Lastido, agod about 35 years Agriculturist residing at Kodikal House, Ashoknaght, Mangalore, all are children of late Louis Lasiado and late Flizabeth Lasiado alias Monteiro, No. (3) for self and also as Power of Attorney Holder of No. (5) to eph Lasiado, under a General Power of Attorney executed by him before and authenticated by the Sub Registrar at Chevayoor on 16-1-1985

(Transferse)

(2) Shri Charles D'Souza, Devkrip i, Kodical Road Ashoknagar, Mangalore as PA holder of Thomas D' Souza Bejar church compound. Mangathe

(Transferce)

Objections, if any, to the acquismon of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said **EXPLANATION** Act, shall have the same meaning as given that Chapter

### THE SCHIDINE

(Registered Document No. 2008-84-85 Hated 21.3-1985) Property No. 90 B, at Boloor village, Mangalore

> S. PATASUBRAMANIAN Competent Authority Inv wing Assistant Commissioner of Incometax, Acqui ition Panie, Bungalor.

Date 30 10-1985 Seal.

### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri C Siddalingappa No. 819, 13th Cross, Jayanagar, 7th Block, Bangalore-560 082.

(Transferor)

(2) Shi<sub>1</sub> F. A. Vijayakumar, No. 197, Indiranagar II Stage, Bangalore-560038.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th October 1985

C.R. No. 62/46786/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissione, of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|
and hearing and bearing

No. 157 situated at Burnamangala II Stage Extension Bangalore-560 038

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908), in the Office of the Registering Office at Shivajinagar under document No. 3937/84-85 on 29-3-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The tenns and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer معلاً الحدة

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-taz Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 3937 / 84-85 dated 29-3-1985) All that property bearing No. 157 situated at Binnamangala II Stage Extension Bangalore.

> R BHARDW \1 Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-10-1985

### FORM I.T.N.S.-

\_\_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri R. N. Mandre, No. 31, V Main Road, Gandhinagar, Bangulore-9.

(2) Shit S. V. Ramani, No. 501, Sashi Kiran, 18th Cross, Malleswaram, Bangalore.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE **BANGAI ORE-560 001**

Bangalore-560 001, the 25th October 1985

C.R. No. 62/47418/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, S. Balasubramanian Inspecting Assistant Commissioner of sioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 193, situated at Sankey Road, Pulace Upper Orchards, II Main, Bangalore.

buy-66 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Gandhinagai on 8-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the foir market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Decument No. 440/85-86 deted 8-5-1985) Property No. 193, Sankey Road, Palace Upper Orchards, II Main, Sadashivanagar, Bangalore.

S. BALASUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-10-1985

#### FORM ITNS .----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

MATERIAL PROPERTY AND THE SECOND SECOND SECOND

GOVERNMENT OF INDIA

 Shrimati Aisammei Pathawa, Mulatepalna, Atla Post, Bantwal Taluk, S.K.

(Transferor)

(2) 1. Shii M. Zakaiia, Karkala Road, Kudroli, Mangalore.
2. K. Chayabha, Karkala Road, Kudtoli, Mangalore.

(Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI BANGALORF-560 001

Bangalore-560 001 the 25th October 1985

C.R. No. 62, 46826/84-85, ACQ/B.- Whereus, I, S. BALASUBRAMANIAN. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalote, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00.000/No. FS, 1485, R.S. 192, situated at Casba Bazar Village, and bearing No. Mangalore.

fund more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Mangalore on 18-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Λct, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the end Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Ine terms and expressions used aerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1988/84-85 dated 18-3-1985) Property No. TS, 1485, RS, No. 192, at casba Bazar Village Kudroli Ward, Mangalore.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-10-1985

#### FORM ITNS-

# NUTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OPFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore 560 004, the 25th October 1985

C.R. No. 62 46734, 84-85 ACO B.—Whereas, I. S. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and beating No. 82 situated at Gangenahalli, Bungalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Gandhmagar on 14-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of nov socome arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri N. Ranganna, No. 356, VIII 'V Milk Colony, 'A Main. Bangalore.

(Transferor)

(2) Shiimathi Dilshad Begum. No 10, III Cross, H. Siddaiah Road. Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in ariting to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days
  from the service of notice on the respective person,
  whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I.XPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3837/84-85 dated 14-3-1985) Property No. 82 (46A), at Gangenahalli, Bangalore

> S BALASUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date : 25-10-1985

### FORM I.T.N.S. ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Foddauna, No. 142, iV Cross Road, Nagappa Block, Sritamputam, Bangalore-21.

(Transferor)

(2) D. K. Ramesh, No. 52, J. C. J. stension, Ranalapura Town, Bangalore Distt

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th October 1985

C.R. No 62/46847/84-85/ACQ/B -- Whetens, I, S BALASUBRAMANI \M,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

**Ks.** 1,00,000|- and bearing

No. 144 situated at Kethamaranahalli, Bangalore North Tq (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Rajajinagar on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reased to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/oe

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(Registered Document No 5221/84-85 dated 1-3-85)

Property No. 144 (Sy. No. 141/4) at Kethamaranahalli, Bangalore North Taluk.

S. BAI ASUBRAMANIAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag
Acquisition Range
Bangalore

Time 25 10-1985 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th October 1985

Notice No 1134/85-86.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000 - and bearing
Shop No. 101 situated at Paji Ponda Margao, Goa

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Salcete Goa on 26-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the rarties had not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this office notice under ub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the ollowing persons, namely:—
9-356GI/85

(1) Sri Igratias Fernande, & Mrs Maria Luiga N. D'Souza, Advocate, C/o Sri Bernard F. D'Souza, Advocate, Pagi P. ada, Marage Goa.

(Transferor)

(2) Sri Chennappa C. Patil, Flat 1, 3rd floor Chritalina Building, Near Gomantak Gas Co. Paji Panda---Margao, Goa.

the destinate the state of the

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 593, dated 26-4-1985)

Shop No. 101 on the Ground floor at Paji Panda measuring 22.28 sqms.

R. BHARDWAJ
Constant Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 29-10-1985

### FORM ITNS ---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th October 1985

Notice No. 1135/85-86.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 's sid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

and bearing No.
Plo Nos, 21 & 22 situated at Aquem Alto, Margao (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

Solvete Gon on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the tollowing resons, namely:—

- Mrs. Matia Melba de Gouveia Pinto Soares, R/o. Borda, Margao, Goa.
   Mr. Antomo Otlando da Piedade Gouveia Pinto
  - 2. Mr. Antomo Orlando da Piedade Gouveia Pinto Soares, Alias, Antonio Orlando Pinto Soares, R/o Margao, Goa.
  - 3, Mr. Luis Carlos da Gouveia Pinto Soares, R. o. Margao, Goa.
  - R/o Margao, Goa.
    4. Mrs. Marin Telma de Gauveia Pinto Soarcs C Correia Afonso, with her husband M1. Jose Joaquim de PatrocinioCorreia Afonso, R/o. Benaulim.
    5. Mr. Pedro Silvestie Najario Donerico Soares,
  - Mr. Pedro Silvestie Najario Donerico Soares, with his wife Mrs. Maria Ludovina Angela dos Remedios Valeriano Barreto Soares, Residents at present at Portugal.
  - Residents at present at Portugal.

    6. Mrs. Maria Ohsa Carlata Soares, Abranehes with her husband Mr. Jose Liuio Filomeuo Abranches, R/o Panjim.
  - Mr. Joaquim Filipe de Peidade Soares and his wife Mrs. Maria Tutia Shirley Pacheco, R/o Margao. Goa.
  - 8. Mr.Runs Jose de Gouveia Pinto Soares and his wife Mrs. Maria Silvia de Santa Rita Vas, Residents at present in Brajil
  - 9. M1. Ivo Oscar de Gouveia Pinto Soares, R/o Margao, Goa.
  - 10. Mr. Rui Francesco Venancio de Gouveia Pinto Soares, Presently resident Biajil.

(Transferces)

(2) Mr. Damodar Naracinva Naik, F-54, Abade Faria Road, Margao, Goa,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette-or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 352 dated 1-3-1985)

Plot Nos. 21 & 22 situated at "Marlon Hill" Aquem Alto, Margao, admeasuring 1616 sqms.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 29-10 1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th October 1985

Notice No. 1136/85-86.---Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Sy. No. 150/2 D. No. 163 situated at Sandur Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Sandur on 16-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a consideration and that the consideration for such transfer as a consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sakl Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following paragraphy. ing persons, namely :--

(1) 1. Smt. T. K. Janamma W/o Sri Bheemasena Rao, (Self & Minor guardian)
2. Sri T. K. Srinivasa Rao,

Kirloskar Factory, Harihar.

(Transferor)

(2) Sri B. S. Bhramaramba D/o Dr. B. S. Basavaraj, Ward No. 14, Door No. 163, & B Colony, Sandur, Distt. Bellary.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used beloin as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 743 dated 16-3-1985)

RCC House property at Sandur Town measuring plot area 2400 sq. ft. & plinth area of the RCC house at 1070 sft.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date . 29 10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th October 1985

Notice No. 1137/85-86.--Whereas, I. BHARDWAJ,

sing the Competent Authority under Section 269B of 10 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred 2 as the 'said Act') have reason to believe that the immovble property having a fair market value exceeding is. 1,00,000/- and bearing No. lot Nos. 52, 35, 36, 42 & 43 sinuted at Chandor Village,

alcete, Goa

and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act 1908 16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at alerte, Gea on 7th March, 1985

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by nore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betveen the parties has not been truly stated in the said instrunent of transfer with the object of :-

- (a facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesai property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Alvaro de Bragance Pereira, Chandor, Goa.

(Transferor)

(2) Smt. Sukanti Madhav Kamat C/o M/s. V. M. Salagaocar & Bros, Vasco-de-Gama.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 379 dated 7-3-1985)

Plots Lote No. 32, 35, 36, 42 & 43 (No. 399/7) situated at Chandor Village, Salcete, Goa, measuring 8139.12 sqms.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date : 29-10 1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

# COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th October 1985

Notice No. 1138/85-86.—Whereas, I, R. BHARDWAI,

Matriaj No. 2026 situated at Curtorim Village Tq Salcete (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Salcete-Goa on 7-3-1985

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforcsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Sukanti Madhay Kamat, C/o M/s. V. M. Salagaocar & Bros. Vasco-de-Gama.

(Transfero )

(2) Sri Alvaro de Braganza Pereira, Chandor-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XNA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 379 dated 7-3-1985)

Agrl. land at village Curtorim Tq. Salcete-Goa, measuring 125 sqms.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 29-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th October 1985

Notice No. 1133/85-86.—Whereas, I, R. BHAKDWAJ,

being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 53 situated at Khanapal Road, Tilakawadi Belgaum (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Belgaum on 8-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, termely:—

(1) Vithal M Saraf, Raminiwas Khanapal Road Tilakwadi, Balgaum.

(Transferor)

 Heerabai Dhondo Deshpande, Ghondhali Galli, Belgaum.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 121 dated 8-4-1985)

Plot No. 53 of Khanapal Road, Tilakwadi, Belgaum RCC House measuring 2400 sq. ft.

R. BHARDWAJ Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 29-10-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 Keshav Mahadev Saraf, Vithal Mahadev Saraf, Smt. Jayashri Keshav Saraf, Khanapur Road, Belgaum.

(Transferor)

(2) Miss Blanche D' Souza C/o. Sri K. M. Saraf, B. C. 58, Caump Belgaum, Khanapur Road, Belgaum.

(Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th October 1985

Notice No. 1132/85-86.—Whereas I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable porperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Plot No. 52 situated at Khanapur Road Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Belgaum on 6-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 109 dated 6-4-1985)

RCC house measuring 800 sq. ft. situated at CTS No. 219/2A/3, 219/1, 219/2a/4 Khanapur Road, Belgaum.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 29-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

M/s. Santosh Constructions 10-11 Cruz Marrsion Margao-Goa.

(Transferor)

(2) Mr.Francisco Jesus Fernandes C/o J. V. Fernandes Near Cosmos Dameil Chapel P.O. Conoculiom Salcite Goa.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th October 1985

C.R. No. 62/DR/352/37EE/85-86|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

bring the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Het No. T-2 at Margao-Goa situate at Flat No. T-2 at Margac- Goa

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Offict of the Registering Office at Dharwar under Registration No. 299/85-86 dt. 19-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evastors we use w of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. D-299/March-85 dated 19-3-85)

Flat No. T-2 situated at third floor in Building 'E'-Neolite Housing Complex, Fatorda, Margoa, Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-nection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- -

Date: 29-10-1985

(1) Panthouse Builders 9 Miranda House Opp Canara Bonk Margao Goa-403601.

(Transferor)

(2) Sti Dalip Mangnesh Naki & Chandrakant Sitaram Naik Panim-Coa.

(Transferec)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th October 1985

C.R. No. 62/DR-364/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R, BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hominating referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. G-4 Panjim situated at Flat No. G-4 at Panjim -Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Offict of the Registering Office at Dharwar under Registration No. 298/84-85 dt. 22-3-85 for an apparant consideration which is less than the faor market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the constant of such apparent and apparent of such apparent and apparent of such apparent and apparent apparent of such apparent appa fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as arc defined in Chapter AXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Clarater.

- (a) sacilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other ansets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. D 298/85-86 dated 22-3-1985)

Flat No. G-4 measuring 685 sq mts, situated at palmar Monte Panjim

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following personne namely:—89—356GI/85

Date : 29 10 1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) M/s. S. S. Interprises Bella Vista Building, Margao-Goa.

(Transferor)

 Mr. Nutan B. Yogi Voido Volanlica Road, Margao-Goa.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalorc-560 001, the 25th October 1985

C.R. No. 62/DR-454/85-86/ACQ/B/37EE.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. P.T. Sheet No. 216, and chatta No. 21, 22 and 23 situated at "Afoi amento" or "Tavarilem" Margao Goa. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Margao-Goa under Doc. No. 454/85-86 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfeor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer

with the object of .--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period armives later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used barein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that "tapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Ast, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealing of any income or any moneys or other assets which have not been or which aight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1° of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan act, 1957 (27 957);

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 454/85-86 dated March 1985)

Building known as "Aforamento" or "Tavarilom" situated at Margao-Goa.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid programy by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of this said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-10 1985

ceal :

### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) M/s. S. S. Enterprises Bella Vista Building, Margao-Goa.

#### (Transferor)

(2) Antony Dias Gulf Hotel Muscat, Ruwi-4455, Sultanate of Oman.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th October 1985

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in

that Chapter.

Ref. C.R. No. 62/DR-457/85-86/ACQ/B/37EE.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
P.T. Sheet No. 216, and chatta No. 21, 22 and 23
situated at "Aforamento" or "Tavaritem" Margao Goa.
(and more fully edscribed in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908
(16 of 1908), in the Offict of the Registering Office at
Margao under Doc. No. DR-357/85-85 on March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
unstrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) by any other person interested in the said immovmoneys or other assets which have not been or

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

(Registered Document No. 457/85-86 dated March, 1985)
Building known as "Aforamento" or "Tavarilem" situated at Margao-Goa.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-10-1985

(1) M/s. S. S. Enterprisco, Bella Vista, Margao-Goa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Leitao, Bella Vista, Margao-Goa.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 25th October 1985

62/DR-458/85-86/ACQ/37-EE.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition

Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269E of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the mimovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. P. T. Street No.

Chalta No. 21, 22 and 23 situated at Aforamento or Tavari-

lem Margao-Goa

(and nore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908), in the Office of the Registering Officer at Margao-Goa under Doc. No. 458/85-86 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

[Registered Document No. 458/85-85 Dated March 1985]. Building known as Aformento or "Tavarilem" situated at Margao-Goa.

> S. BALASUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Ac to the following persons, namely:-

Date: 25-10-1985

IOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) M/s. S. S. Enterprises, Bella Vista Building, Margao-Goa.

(Transferor)

(2) Bericia Gonsolocs, P.O. Box 3217, Ruwi Muscat, Margao-Goa.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th October 1985

C. R. No. 62/DR-466/85-86/ACQ/B-37EE.--Whereas, I, i. BALASUBRAMANIAN,

nspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition

lange, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinneter referred as the said Act') have reason to believe that the immovthe property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing P. T. Sheet No. 216 and chalta No. 21, 22 and 23 situated at "Aforamento" or "Tavarilem" viargao-Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Margao-Goa under Doc. No. DR-466/85-86 on March 1985 Margao-Goa under Doc No. DR-466/85-86 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as iforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to retire the protein has not have truly extract the residual to the cold.

netween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facultating the reduction of evasion of the lightility of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be desclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 466/85-86 dated March, 1985,] Building known as "Aforamento" or "Tavarilem" Shop No. B. 14 situated at Margao-Goa.

> S. BALASUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act. (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Date: 25-10-1985

(1) M 3. S. S. Enterpuses, Bella Vista Building, Margao-Goa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Ignotives Cordezo, P.O. Box No. 897, Muscat Sultavate, of Oman, Margao-Goa.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th October 1985

C. R. No. 62/DR-468/85-86-ACQ/B/37-EE.-Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1861) (heroinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. P. T. Sheet No. 216 and chalta No. 21, 22 and 23 situated at "Aforamento" or "Tavarilem" Margao-Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Margao-Goa under Doc. No. DR-468/85-86 on March, 198 for an apparent consideration which is less than the far market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfero and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other tables which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 468/85-86 dated March, 1985.] Building known as "Aforamento" or Tavarilem" Flat No. G. 4 situated at Margao-Goa.

> S. BALASUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-10-1985

### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGAI ORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th October 1985

C. R. No. 62/DR-476/85-86-ACQ/B/37-EE.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition

Range, Bangalore,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. P. T. Sheet No. 216 and chalta No. 21, 22 and 23 situated at "Aforamento" or "Tavarilem" Margao-Goa

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908), in the Office of the Registering Officer at

Margao-Gou under Doc. No DR-476/85-86 on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any facome arising from the transferand for
- (b) facilitating the concealment of any income or any manages or other amets which have not been of which cought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the anid Act, or the Wealth-tax Act 1957 (77 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. S. S. Enterprises, Bella Vista Building, Margao-Goa.

(Transferor)

(2) C A F. Mozerello, Vetim Salcete-Gon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective p some, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 476/85-85 dated March, 1985.]

Building known as "Aforamento" or "Tavarilem" Shop No. 6 situated at Margao-Goa.

S BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 25-10-1985

(1) M/s. G. G. Enterprises Bella Vista Building, Margao-Goa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Peter Boretto, P.O. Box 3258, Dubai, U.A.E.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th October 1985

C. R. No. 62/DR-482/85-86/ACQ-B/37-EE.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition

Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00%/- and bearing No. P. f. Sheet No. 216 and chalta No. 21, 22 and 23 situated at "Aforamento" or "Tavarilem" Margao-Goa

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908), in the Office of the Registering Office at Margao-Goa under Doc. No. DR-482/85-86 on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly exated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 482/85-86 dated March, 1985.] Building known as "Aforamento" or "Tavarilem" situated at Margao-Goa.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 25-10-1985

#### \_\_\_\_\_

### FORM ITNS-

IOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### FFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28 the October 1985

C. R. No. 62/DR-293/84-85/ACQ/B-37-EE.—Whereas, I, BHARDWAJ, eing the Competent Authority under Section 269B of the noome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a the 'said Act'), have reason to believe that the nanovable property, having a fair market value exceeding its 1,00,000/- and bearing No. 458 Folio 31 B-2 and 459 ituated at "Azulianchi Tolloy" or Gogolla "Margao-Goa and more fully described in the Schedule annexed hereto) as been transferred under the Registering Office at fargao Goa under Doc. No. DR-293/84-85 on April, 1985 or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the bonsid-ration for such transfer as agreed to between the apparent with the object of :—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

81—356GI/85

 Shrimati Laxmibai Vasant Kare, 2. Vaikunth Vasant Kare, 3. Shrivallabh Vasant Kare, R/o Aquem-Alto, Margao-Goa.

(Transferor)

(2) M/s. Alcon Real Estate Pvt. Ltd. Velho Building, Panaji, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the metics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the nublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 293/84-85 dated 26th April, 1985.]

Landed property known as "Azulianebi Gally" or Gogola" situated at Margao-Goa.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 28-10-1985 Seal:

### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONED OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th October 1985

Ref. C.R. No. 62/R-1588/37-EE/84-85-ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (benefinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immev-

able property having a fair market value exceeding.
Rs 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B-31 situated at 3/1, 13th Cross, Malleswaram, Bangalore-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Bangalore under Registration No. 1407/84-85 dated 8-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concesiment facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the mone of this notice under subsection (!) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely ;-

(1) Mr. Sampat G. Shah, A-9, Jai Moti, Hirachand D. Road, Ghatkopar (W), Bombay-86.

(Transferor)

(2) Mr. R. S. Kalawar, 2023-A, 14th Main Road, HAL-II Stage, Indiranagar, Bangalore-38.

(Transferee)

ejections, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immer-able property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, thall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1407/84-85 dated 8-3-85.]

2 Bed Room flat No. B-31 located on 6th floor of Javanthi Apartment Building, 3/1, 13th Cross Mallaswaram, Banga-

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 30-10-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE 560 001

Bangalore-560 001, the 30th October 1985

C R No 62/R-1590/37-EL/84-85-ACQ/B —Whereas, I, R BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore,

being the Compe ent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No B-2 situated at Malhkatta, Kan Kanady, Mangalore-575002

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at

Bangalore under Registration No 1394/84-85 dated 28 3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesa d exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I haveby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Mr B Sadashıva Raı, Kavıtha Enterprises, Balmatta, Mangalore-575001

(2) Mr M Prabhakaj Kamath & Smt M Jayashree, Near Bendooi Well, Kankanady, Mangalore-575002

(Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immenable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

[Registered Document No 1394/84-85 dated 28-3-85] Flat No B 2, Kavitha Apartments, Mallikatto, Kankanady, Mangalore-575002

R BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax
Acquisition Range,
Bangalore

Dated :30 10-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 M/a. Venkateshwara Enterprises, Leo Shopping Complex, 44/45, Residency Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Dr. Vijay Anand, C/o D. R. Ramachandran, 18/10, Cambridge Road, Bangalore.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMENS. SHOWER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th October 1985

Ref. C.R. No. 62/R-1616/37-EE/84-85/ACQ-B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of

to as the 'said Ast'), have reason to believe that the immovnole property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 15741 situated at Cambridge Road, Bangalore

(and more fully described in the scheduled annxed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1405/84-85 dated 13-3-1985

Bangalore under Registration No. 1405/84-85 dated 13-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aferesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

b) facilitating the conscalment of any income or any memory or other assets which have not been or which englet to be distilled by the transfero for the purposes of the Indian Income-tus Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tag Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a paried of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as any dufficed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1405/84-85 dated 13-3-1985.] 1065/15488 undivided share in Premises 15/41, Cambridge Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Insome-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-10-1985

Seal ·

### FORM LT.N.S.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th October 1985

Ref. C.R. No. 62/R-1619/37EE/84-85/ACQ-B.—Whereas, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. E-2 situated at J. C.

Road, Bangalore-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Bangalore under Registration No. 1401/84-85 dated 13-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evening of the Habi of the transferer to pay tax under the mid Ast in respect of any income arising from the transfer: ect of any inco and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—52—346GI/85

M/s. Manish Enterprises, 1/2, Shrungar Shopping Centre, 80, M. G. Road, Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) M/s. Mectionics, 13/85, J. C. Road, Bangalore-560002

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1401/84-85 dated 13-3-1985.] Office No. E-2 on 4th floor in Manish Tower at No. 84, J. C. Road, Bangalore-2.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-10-1985

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th October 1985

R. No. 62/R-1620/37-EE/84-85/ACQ-B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. E-1 situated at 84, J. C. Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Bangalore under Registration No. 1400/84-85

13-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideraion and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Dicilitating the reduction or evenion of the He of the transferor to pay tax under the said Act, agreed of agy laccou e arising from the transfer <del>نز</del>/گ
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other nesets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for he purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby init ate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) M/s. Manish Enterprise, 1/2, Shrungar Shopping Centre, 80, M. G. Road, Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) Mr. N. V. Srinivara Murthy, 13/85, J. C. Road, Bangalore-560002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1400/84-85 dated 13-3-1985.] Office No. E-1 on 4th floor in Manish Tower at 84, J. C. Road, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 30-10-1985

<del>and the contract the second of the second o</del> FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th October 1985

R. No. 62/R-1621/37-EE/84-85/ACO-B.—Whereas. [, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 502 situated at 18, M. G.

Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been manuferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Bangalore under Regist, ation No. 1402/84-85 dated 13-3-1985 for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly sated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitaing are reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any riencys or other asset which have not been or which hight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the wind Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the followung persons, namely :--

(1) Mrs. Shabana R. Khub Chandani, Flat No. 502, Somarset Apartments, 'A' Block, 18, M. G. Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Mrs. Chaitali Bagchi and Master Aranya Bagchi, Flat No. 203, Somarset Apartments 'A' Block, 18, M. G. Road, Bangalore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. Regu. No. 1402/84-85 dated 13-3-1985.]

Flat No. 502 on 5th floor, Somartet Apartments 'A' Block 18, M. G. Road, Bangalore-1.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 28-10-1985

PORM ITHS.

(1) Mr. R. Barton Wright, No. 16 North Lake Road, Ootacumund-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Indira R. Hegde, 11/6, Nandidurg Road, Benson Town, Bangalore.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th October 1985

C.R. No. 62/R-1624/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 42 situated at 21 Museum Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bangalore under Registration No. 1394-A/84-85 on 12-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the wild instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expannation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1394A/84-85 Dated 12-3-85)

Flat No. 42 in the 4th floor of Mohini Apartments with covered parking space on the Ground floor and 1/20th undivided share in the land comprised in No. 21 Museum Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 30-10-1985

Soal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

Mr. Vijay Chowdhry,
 10A, Sagar Apartment,
 Tilak Marg, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Ms/. Apogee Investments (P) Ltd., E-2/16, Darya Ganj, New Delhi-10002.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 28th October 1985

C. R. No. 62/R-1633/37EE/84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ts x Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

and bearing No.
Flat No. 1 situated at 18 M G. Road, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed herete),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Bangalore under Registration No. 1395/84-85 on 12-3-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act. shall have the same meaning as given in that

#### THE SCHEDULE

Registred Document No. 1395/84-85 dated 12-3-1985)
Flat No. 1, Somarset Apartments, C Block, 18 M. G. Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Comm'ssioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
82—356G185

Date: 28-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th October 1985

Ref. No. C.R. No. 62/R-1635/37EE|84-85|ACQ|B.—R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. E situated at No. 28 Sankey Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bangalore under Registration No. 1397/84-85 on 13-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income aroung from the transfer; and or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1937 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Sterling Enterprises, No. 1, Sterling Road, Nungambakkam, Madras-600034.

(Transferor)

(2) Mr. Abdul Matin Ismail and Mr. Abdul Majecd Ismail and Bibi Fatlma Ismail, Seemal Mahal, Sagar Road, Bhatkal-581320, North Kanara.

(Transferce)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1397/84-85 dated 13-3-1985.) Flat No. 7 on 4th floor at Golflink Apartments No. 28, Sankey Road, Bangalore.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 30-10-1985

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd October 1985

Ref. Notice No. 1120/85-86.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961/(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing CTS
No. 163/50-A, situated at Deshpande Nagar, Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hubli under document No. 516 on 10-5-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Surojini Muttappa Antin, Mahantesh Nagar, Belgeum,

(Transferor)

(2) 1. Shibalingappa,

2. Mallikarjun alia Mallappa,

Basavaraj,

 Mallikarjun, Sons of Muristppa Vantomus, Cotton Commission Agents, Deshpande Nagar, Hubli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice m the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the put wation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 516 dated 10-5-1985.) Land and building situated at Ward No. III, Deshpande Nagar, Hubli, measuring plot 39'×601/2' and admeasures area 219.2 mtr.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd October 1985

Ref. Notice No. 117 S. BALASUBRAMANIAN 1121/85-86.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Metriz No. 791 and Shop Chulta No. 47 situated at 18th
June Road, Panaji Goe

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at under document No. 234/dated 11-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937).

(1) Miss Pushpavathi alias Babibai Laljee,

(1) Opp. Cafe Real, Atonso Abuquarqui Road. Panaji Goa.

(Transferor)

(2) Shankur Ramachandra Wagale, Sadanand Durga Boadkar, Ravindra Shantaram Gayatonde, C/o Cafe Central, Panaje Goa.

(Transferce)

(3) 1. S. R. Wagale, 2. S. D. Baadkar,

3. R. S. Gayatonde, C/o Cafe Central, Panaji Goa

(Persons in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, w.thin 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 234 dated 11-3-1985.) This is shop property situated at 18th June Road, Panaji Goa measuring 49 Sq. Mts.

> S. BALASUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I tereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 22-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore 560 001, the 22nd October 1985

Ref Notice No 1122/85 86—Whereas, I, S BALASUBRAMANIAN being the 'ompetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/-and bearing

No Sy No 145 situated at Onda, Satari Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Satari Goa under document No 21 on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (it) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following perions, namely:—

(1) Ramesh Vithal Fal Desai and his wife Mrs Smita Ramesh Fal Desai, R/o Gaundongrem, Canacona (Goa)

(Transferor)

(2) Mashavathi Eknath Mandrekar, C/o Kannaik Vada Mogrim, R/o Ambegal, Pale Bicholim. Goa

(Transferee)

Objections it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned "--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No 21 dated 1-3-85)
This is a house property situated at Onda (Goa) village measuring 115 Sq mts on a plot area of 600 Sq mts

S BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date 22 10 1985 Scal

#### FORM (TNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Pedro Damiao Wazerio Caeiro, Batica, Cairo Nugar, Navelim, Salcete Goa.

(Transferor

2) Pedrinha Antionette Pereira, C/o Maxy Dennis, Falveddo Velsao, Post Cansaulim, Salcete, Goa.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001 Bangalore-560 001, the 22nd October, 1985

Notice No. 1123/85-86.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. 4 situated at Highway Apartments, Nuvem Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Salcete Goa in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 360 dated March, 1985.) Flar No. 4 in Highway Apartments, Nuvem, Goa, measuring 75 Sq. mts.

> S. BALASUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 22-10-1985

Shivakumar M. Uppin, R/o Rısaldar Gali, H. No. 3536, Belgaum,

(1) Frappa Maharudrappa Uppin.

Sasides Madivalappa Uppin,

Sidram M. Uppin.

VOLICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Channabasappa Virupaxappa Sansogolli, R/o Narvekar Galli, H. No. 3497/5\Lambda-3, Belgaum. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd October 1985

Notice No. 1124/85-86.—Whereas I. S. BALASUBRAMANIAN

being the Competent Authority under Section 269AB of the Accome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing H. No. 3497/5-A3 situated at Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Belgaum under document No. 453 on 29-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 453 dated 29-4-1985.) This property being old house situated at Nurvekar Galli, Belgaum measuring Plot 1120 Sq. ft. building area 800 Sq. ft.

S. BALASUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now increiors, in pursuance of section 269°C of the tane..... I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 22-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMINGORER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd October 1985

Notice No. 1125/85-86.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the isamovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Plot No. A situated at Village Carambolim, Tiswadi Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ilhas under document No. 189 on 1-3-1985

for an apparent consideration wheih is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay our under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-atx Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Girish A. Keni, Dada Vaidya Road, Panaji Goa.

(Transferor

(2) Benjamin Martin Rodrigues, GPA holder Eastern Filozordade Assuncao, Godinho, Hillside Apartments, B.O.-4, Fonta nhas Panaji Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said AC shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 189 dated 1-3-1985.)
This is a house measuring 120 Sq. mts. o na plot area Sq. mts. situated at Village Caranbotim, Tiswadi Taluka (Goa).

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd October 1985

Notice No. 1126/85-86.—Whereas, J, S. BALASUBRAMANIAN being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. CTS No 2917 situated at Kuade Bazar, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Belgaum under document No. 110 on 6-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- va) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons. namely:—83—356GI/85

(1) Suhas Samudravijaya Ekhande Ekhande, C/o D. A. Patil, R o B C. 43, Camp, Belgaum.

(Transferor)

(2) Deepak Appasaheb Patil, R/o B.C 43 Camp, Belgaum.

(Transferce)

(3) M/5. A.B. & Co., Khadi Basal Belgaum.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 110 dated 6-4-1985.) It is shop building at Khade Bazar, Belgaum, measuring 1483 Sq. ft.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 22-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shankar Govindarao Deshpande, Rtd. Railway Employees, Brahmapur, Gulbarga.

(Transferor)

(2) A. B. Malipatil R/o Kudalgi Village, Tal. Jeevargi, District Gulbarga.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd October 1985

Notice No. 1127/85-86,—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing H. No. 10 919/1 situated at Brahmapur, Gulbarga

H. No. 10 919/1 situated at Brahmapur, Gulbarga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office

at Gulbarga under document No. 2943 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfero to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any off the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shal have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2943 dated March, 1985.) This is a house property situated at Brahmapur, Gulbarga measuring 1325 Sq. ft.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 22-10-1985

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 22nd October 1985

Notice No. 1128/85-86.—Whereas, J, S. BALASUBRAMANIAN

being the Competent Authority under Section 240B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hoseinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[-and bearing

Flat No. 101 situated at Lake View Colony, Panaji Goa

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been translerred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Ilhas under document No. 191 on 5-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have rement to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability ed the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 195 (27 of 1957); Olimpio Fernandes,
 Smt. Ida Maria Fernandes,
 both R/o Lake View Apartments,
 Panaji, Goa.

المنظم المنظم المنطقة المنظمة ا

(Transferor)

(2) 1. Sri Raul Da Silva Viegas,
2. Smt. Blanche De Silva Viegas,
both R/o "Elco Arcade" Hill Road, Bandra,
Bombay-400 050.

(Transferor)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 191 dated 5-3-1985.) Flat measuring 58 Sq. mts. at Lake View Apartments at Miraman Panaji, Goa.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the Sald Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 22-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 22nd October 1985

Ref. No. C.R. No. 62/Notice No. 1129/85-86/ACQ/8.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and btaring No.

Site No. 66 situated at V Ward MCC B Block Davanagere (and more fully described in the schedule annexed herete) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Davanagere under document No 7603/dt. 15-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate processings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of Fra said Act, to the following persons, namely -

 Shrimati Deveetamma W/o L B Nudisa Advocate, P.J. Extension, 3rd Main Road, Davanagere, Door No. 215/1,

(Transferor)

(1) Shri L. Prakash alias L. V. Prakash S/o Laxman Ekabhol, II ward, Chitragar Galli, Door No. 447ffl2 Davanagere.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaustie or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 7603 Dated 15-3-85]

Vacant land at MCC 'B' Block, Davanagere measuring  $40^{\circ}\times126$ 

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant ommissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 22-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 22nd October 1985

Ref. No. Notice No. 1130/85-85/ACQ/8.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Sy No. 1/1, situated at Brahmapur Gulbarga

(and more fully described in the Schedule attracted hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer

at Gulbarga under document No. 3006/Dt 27-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeexceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Bankatolal Gopi Kisaan, Kirana Bazar Gulbarga

(Transferor)

(2) The President
The Vishwardhya House Building Co-op Society Ltd.,
Marwadi Galli,
Gulbarga

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expures later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SHEDULE

[Registered Document No. 3006 Dated 27-3-85]
Open Land measuring 5 Acre in Brahmapur Gulbarga being Sy. No. 1/1

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant ommissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 22-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

F/2 Indira Apartments
Albuqueruque Road
Panjim-Goa.

(2) Mrs. Monica Mendes

(1) Smita Associates

(Transferor)

(2) Mrs. Monica Mendes Nita Apartments 1st Floor 33/A Juhu Road Santa-cruz (West) Bombay-400 054.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th August 1985

C. R. No. 62/DR-344/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 4/F1 situated at Flat No. 4/F1 Admeasures 110-00 sq. mts. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panjim-Goa on 9-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proporty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or writen ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. '11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. D-292/37EE Dated 9-3-1985)
Flat No. 4/F1 Admeasures 110 Sq mts Panjim Dona paula.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-8-1985

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th August 1985

C.R. No. 62/OR-359/37EE/84-85/ACQ/B.-Whereas, I. S. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

situated at Flet No. 3/51 at Tonca (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Panjim-Goa on 25-3-85

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have resaon to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tux Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the past Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :--

(1) Smita Associates F/2 Indua Apartments Albuquerque Road Panjim Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Peroorparaenpil J. Koshy P. B. 1244 Measure 100 Lestho (via) South Africa

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Caputte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the prilication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHOOLE

(Registered Document No. D-293/37EE dated 25-3-1985) Flat No. 3/51 110 sq Mts at Tonca Goa.

> S. BALASUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-8-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

Bangalore, the 7th August 1985

C.R. No. 62/DR/349/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

tion Range, Bangalore
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No. 11/F2 situated at Flat No. 11/F2 at Tonca-Goa
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Panaji-Goa on 25-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facturing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smita Associates F/2 Indira Apartments
Albuquetque Road Panjim Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Waltaire J. J. V. Rodrigues C/o Mr. Vihas M. Khalker Syndicate Bank Panjim-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. D-No. 294/37EE Dated 25-3-85) Flat No. 11/F2/102 Sq. Mts. at Tonca-Goa.

> S. BALASUBRAMANIAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bangalore

Date2: 22-10-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 21st October 1985

C.R. No. DR-357/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN,

Inspecting Assistant Commissioner Income-tax, Acquisition

Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4/51 situated at Ilhas-Goa Flat No. 4/51 110 sq. Mts. has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office

at Panaji-Goa on 18-3-1985

fand more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen par cert of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated at the said instrument of transfer with the object of

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any other assets which have not been moneys or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons. namely 😘 84--356GI/85

(1) Anjali Associates F/2 Indira Apartments Albuquerque Road Panaji Goa.

(2) Dr. Shyam Kumar Parashar E-8 Altinho Panaji-Goa.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. D-295/37EE Dated 18-3-1985) Flat No. 4/Sl. No. 110 Sq. Mts at Ilhas-Goa.

> S. BALASUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 21-10-1985

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Mrs Maria Leonilda Angela Cardozo Santa-Iner Panaji-Goa

(Transferor)

(2) Mr. Vasco Filomeno Fernado Pinho Panaii-Goa

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th August 1985

C. R. No. 62/DR-365/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing situated at Flat No. 4-A.7 At Sakardande Apartments (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panaji-Goa on 16-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such ar parent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer andler

(b) facilitating the concea of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuand A section 269C of the said Act, I hereby initiate process of the acquisition of the aforesaid property by the sade of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons waim a period of:
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person inter\_sed in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. D285/37EE Dated 3-1-85)
Flat No. Y-A-7 in Sakhardanda Apartment Admeasuring 77 Sq. mts.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition RANGE, Bangalere

Date: 7-8-1985

### FROM I.T.N.S .--

### NOTICA UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) AVC Invenstments & TRD Pvt. Ltd. F/2 Indira Apartments Albuquerque Road, Panaji-Goa

(Transfer at )

(2) Mrs. Parvati D. Naik & Others, St. Inez Tonca Alphonso Albuquerque Road, Panaii-Goa.

(Transfe)

#### OFFICE OF THE INSTECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th August 1985

C. R. No. 62/DR-355/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN,

5. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 1,00,000]- and bearing Chalta No. 6, 7, & 8 sheet No. 121

8 Sheet No 121. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office

at Panaji-Goa on 18-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market ve'ze of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration between the fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the ruld property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any inc - arising from the transfer; sad/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment o income or any moneys or other assets which as. not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of ac Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) // the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); (Registered Document No. D-296/37EE Dated 18-3-85)

Chalta No. 6, 7, & 8 sheet No. 121 at Ilhas-Goa.

S. BALASUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nc under subsection (1) of Section 269D of the said Act, ( • fellowing persons, namely : -

Date: 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF ENDLA

(1) M/s Jhely Constructions, Susheela Building, Panail-Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Newton Almeida Suraj Bahar Flat No. 30, Sh. N. A. Savant Building Bombay-405555.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th August 1985

Ref. C.R. No. 62/DR/41/37EE/84-85/ACQB.—Wherens, I, S. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. F-4 situated at Gharse Town Don Bosco-High School

(and more fully described in the sehedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Panaji on 14-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 46 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. D 288/Marele/85 Dated 14-3-85) Flat No. F-4 in Gharse Town Near Don Bosco High School Panaji measuring 93-27 Sq. mtrs.

> S. BALASUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-8-1985

40861

#### FORM ITNS

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSETANT SHONER OF INCOME-TAX COLORS ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th August 1985

C. R. No. DR-339/37EE/84-85/ACQ/B.-Whereas, I. ). BALASUBRAMANIAN,

reage the Competent Authorsty under Section 269B of the necessity Act, 1961 (43 of 1961) (thereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding \$1,00,000/- and beauing No. Stat No. 3th Altinho Apartment situated at Altinho Mapusa-

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at it Paneir on 16-3-1985

or an apparent consideration which is less then the fair warket value of the aforesaid property and I have reason to believe that take fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more han afteen percent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the ransferor (s) and the transferor (s) has not been truely tated in the said instrument of transfer with the object of-

(A) facultating the reduction of evaluation of the imbelity of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Super Builders Hill Crown Apartment Near St. Marry's High School Post Mapusa Industrial Estate Mapusa-403525 Goa.

(Transferor)

(2) Arthur Custod o Rodrigues Altinho, Mapusa-Gos.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of natice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SOMEDULE

(Registered Document No. D-287/Mareli/85 Dated 16-3-85 Flat measuring 92 Sq. metre situated in Altinho a part locality of Mapusa.

> S. BALASUBRAMANIAN Competent Anthority
> Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the followng persons, namely :---

Date: 7-8-1985\_

#### FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 7th August 1985

C. R. No. 62/DR-350/37EL/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfier referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 403 Sun Flower Lurdes Colony ordem situated at

Miramar Panaji

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panaji Goa.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

riow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following ocraems, namely :--

(1) J. R. Construction, Opposite Bank of India, Miramar, Panaji Goa,

(Transferor)

(2) Miss Indalia Lvey D'Costa C/o Mr. Max Pio Anacleto D'Costa,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. D.286/March/85 Dated 25-3-85) Flat in Albamar Colony Miramar Panaji measuring 64 Sq.

S. BALASUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux Acquisition Range, Bangalore.

Date: 7-8-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 17th October 1985

C. R. No. 62/DR-358/37EE/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Chalta No. 6, 7, and 8 of P. T. Shtee No. 121 situated at Tonca
within panaji Muncipal Limit

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ilhas on 16-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; untiles
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Anjali Associates
F/1 Indira Apts, Caletano Albuquerque Racial,
Panaji-Goa

(2) Mr. Albert C. Alphonso, 4,Mrs. Lalita Alphonso,17 Bharati Apts Ceasur Road,Amboli, Andheri WestBombay-400058

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 46 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. D-297/March/85 Dated 16-3-1985 Flat measuring 110.00 Sq. metres in Sitanled at Kamert Estates, Tonca Caranzalem,

S. BALASUBRAMANIAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition RANGE, Bangalore

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-10-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 22nd October 1985

Ref. No. CR. No. 62/DR-323/37EE/84-85.—Whereas. I S. BALASUBRAMANIAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/bearing No

No. S. No. 67/2x2 situated at Snata Cruz, Tiswadi Taluka, Sub-Dist. of Ilhas (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Ilbas/with the competent authority under Section 269AB, in his office at Ilhas on 5-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 90

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); M/s. Progressive Farmers Builders Gate Deoiltecro, Panaji Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Shridhar A. Nadkarni, Lotlikar Nivas, Opposite Kosambe Building Vasco-da-Gama.

(Transferce)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. D-289/March/85 dated 5-3-85) Flat No. B-4 on the first floor in the property known as "FIEGUENCHEMXETTE" under No. 1401 of Book B-16 old and Regd. in Taluka Revenue Office under No. 87 situated at Santa Crooz within the panchayat limit of Santa Cruz, Area of Flat 81 sq. metres of Built up area.

> S. BALASUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 22-10-85

# FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Anjali Associates, 7/2, Indira Apartments, Caetano Albuquerque Road, Panaji—Goa.

(Transferor)

 Di. Sham Kumai Parushai, F/8, Altinho, aPanaji—Goa

(Transferce)

#### A VERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 22nd October 1985

Ref. No. C.R. No. 62/DR-356/37FH-84-85.—Whereas, I S. BALASUBRAMANIAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Chalta No. 6, 7 and 8 of P.T. Sheet No. 121 of city Survey of Panaji

situated at Tonca within Pannii Municipal Limit

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Ilhas/with the competent authority under Section 269AB, in his office at Ilhas on 18-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesold property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesold exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Ganette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. D-290/Marrh/85 dated 18-3-85) Flat No. U/52 measuring 110 sq. metres situated in Tonea Caranzalem—Goa.

S BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

85---356G1/85

Date: 22-10-85

(1) Kamat eRal Estate Developers F/1, India Apis. Caetano Albuquerque Road, Panaji—Goa. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

, in the second second second

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shii Vishwasrao Chawgule Foundation for Research & Studies, Vasco-da-gama, (Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 22nd October 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ref. No. C.R. No. 62/DR-360/37EE-84-85.—Whreeas, I S. BALASUBRAMANIAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ and bearing No. No. Chalta No. 8 h, & PT. Sheet No. 90 city Survey Vascodurguma

da-gama,

situated at Vasco-da-gama Municipal Limit

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Salcete Goa /with the competent authority under Section 269AB, in his office at Salcete-Goa on 25-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experse letter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) ractitating the reduction or evanon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the conceshment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. D-291/aMrch/85 datde 25-3-85) Flat No. FF/2 in Gabmar Apartment situated at Vasco-dagama under construction, measuring 113 sq. metres.

THE SCHEDULE

S. BALASUBRAMANIAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 22-10-1985

FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/3-85/SRI/860.—Whereas I, K. VASUDEVAN,

xeing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 18 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-ind bearing

No. 1/2 Portion of P. No. 3/65 Roop Nagar situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dr. Padma Wati Talwar, w/o Shri Hari Pal Singh 28, Garden oClony, R|o Dhuni hCand oRad, Amritsar

(2) Smt. Indra Rani w/o Shri Ram oGpal 3/65 Roop Nagar Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Parlanation: - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

1/2 Portion o fP. No. 3/65 Roop Nagar Delhi, measuring 193.79 sq.yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-10-85

FORM ITNS -- . ..

(1) Smt. Sunita Likha w o Sh. Ramesh Likha, B-272, Majlish Park, Delhi-33.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt Mohinder Kaut. W/o Sh. Bhupinder Singh, BR-28A, Shalimat Bagh, Delhi-52. (Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-11/37FE/3-85/609.—Whereas I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. BR-28A, Shaliman Bagh, Delhi-52 situated at Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been registered under the I.T. Act, 1961 in the Office of
the registering Officer at New Delhi on March 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifther her cent of such apparent consideration and that the

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer ar agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

(b) facilitating the concealment of any income or ally anoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the third improvemble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Property No BR-28A, Shalimar Bagh Dolhi DDA Flats (11G) measuring 45 sq.yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-10-85

#### FORM ITNS----

NCITICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.11/3-85/37EE/610.--Whereas I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. XV/1416, Pahargani, N. Delhi

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been rgcistered under the J.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thorefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesate property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Vidya Devi w/o Kasturilal 1 o R-749, New Rajunder Nagar, New Delhi. (Transferor)

(2) Miss Alka Arora d/o Late Sh. Kasturi Lal through her mother and Natural Guardian Smt. Vidya Devi Naresh Chadha s, o Yaspaul r/o CV/1416 Sanghtrashan Paharganj New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

XV/1416 area 88 Sq. Yds. Sanghatrashan Pahargani New Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 16-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acqn,II/3-85[37EE]611.—Whereas, I, K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

No. Flat No. 2, Barsati Floor Lal Kothi situated at 3830 Pataudi House, Daryaganj Delhi (and more fuelly described in the Schedule annexed hereto) has been registered under the I.T. Act 1961 Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Rani Vidya Mehra & Smt. Rani Vijay Mehra D-9/18, Model Town New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Jai Chand Jain & Shri Sumat Prakash Jain, 1615/12, Jain Mandir Road Navin Shahadra Delhi-32.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 Jays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 2, Barsati Floor, Lal Kothi 3830, Pataudi House, Daryagani, Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, mamely:-

Date: 16-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/3-85/37EE/612.—Whereas I, K. VASUDEVAN,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Industrial Space No. G-28 on Ground floor in building Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, Delhi

situated at Delhi

(and mort fully described in the Schedule annexed hereto

has been transferred under the I.T. Act, 1961

in the Office of the registering Officer at

New Delhi in March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
Market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. S. B. Sales Private Limited Builders and Promoters, UB-1, Ansal Bhawan, 16, Kasturiba Gandhi Marg, New Delhi,

(Transfer 1

(2) Sh. Kapil Rajpal, son of Shii Swadesh Kr. Rajpal, 6/29, East Patel Nagar, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication o hitis notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial space No. G-28 on ground floor in building (Proposed) Syndicate House, 3, Old Rohtak Road, New Delhi having a super built up area of 235 sq. ft.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons namely:--

Date: 16-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.11/3-35/37EF/613.— Whereas I, k. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 712 on Plot No. A2, Shivlok House-1, Najafgarh situated at Road Comple, Opp Milan Cinema, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been registered under the LT. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in March 1985

New Defin in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; add/sr
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:

 Sh. Sushil Nirula S/o Sh. K. R. Nirula, 84, Basti Harphool Singh, Sadra Bazai Delhi-110 006

(Transferor)

- 1. Sh. Inderjit Thuktal S/o Sh. Hans Raj Thiktal, 8/42 Moti Nagar, New Delhi.
  - Sh. Kishan Chand S/o Sh. Khusi Ram, F-260, Sudeishan Park, New Delhi-15.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1112 on Plot No. A2, Shivlok House-I Najafgarh Road Comml Complex, Opp. Milan Cinema New Delhi-110 015.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 16-10-1985

# FORM ITNS --- -

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Viswa Properties (P) Ltd. 4th Floor, Sheetla House, 73-74, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shr. Ram Prakash Aggarwal and Mts. Pushpa Devi, 23/145, Jeon Mandi, Λgra.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSI-, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NLW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/3-85/37EF/614.—
Whereas I, K. VASUDI-VAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market, value exceeding Ref. 100 0001. property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Booked Flat No. 304 in multistoreyed Building, A-5 & A-6

Community Centre, Ranjit Nagar, New Delhi rituated at New Delhi

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the I. F. Act, 1961 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

New Delhi in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as exceed to between the consideration for such transfer as agreed to between the carties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the fransteror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Flat No. 304 in multistoreyed Building A-5 & A-6, Community Centre, Ranjit Nagar, New Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—. 86-356GI/85

Date: 16-10 1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferoi)

(2) Mr. Hem Chand Maheshwari, AD/82B Shahmar Bagh, Delhi-33.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/3-85/37EE/615.—
Whereas I, K. VASUDEVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000!- and bearing
Space No. B-8 in Building at 7 Rajpur Road
situated at Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been registered under the I. T. Act, 1961 (16 of 1908)
in the Office of the registering Officer at
New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Space No. B-8 in Building at 7 Rajpur Road, Delhi,

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storessid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-10-1985

cal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSESTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/3-85/37EE/616.---Whereas I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

Rs. 1,00.000/- and bearing No.
Basement S orage Space No. B<sub>1</sub> of in Allied House, Plot No.

2 Old Rohtak Road Opposite Shahzada Bagh, Delhi situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been registered under the I. T. Act, 1961 (16 of 1908) in the Office of the tegistering Officer at New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer. and or
- (h) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Allied Construction Co., G-5, 92,Deepali Nehru Place, New Delhi-110 019.

(Transferor)

(2) Sh. J. R. Chawla, 6A/34, WhA Karol Bagh, New Delhi- 110 005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Ac., shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Basement Storage Space No. B<sub>1</sub> of 295 Sq. ft, in Allied House, Plot No.2, Old Rohtak Road, Opposite Shahzada Bagh, Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 16-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shii Vitendra Kumar Singhal, C-14, Greater Kailash Enclave-I, New Delhi. (fransfe or)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Mr. Predhiman Kishan Khushu, H-64, Kiiti Nagar, New Delhi.

may be made in writing to the undereigned :---

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC|Acq-II|3-85|37EE|617.—Whereas I, K. VASUDEVAN,

boing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/- and beauing

Rs. 1,00,000/- and bearing Duplex flat No. LB, 172, Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Income-tax Act, 1961, in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1985

New Deini on March, 1963
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eaid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Self Financing Duplex flat No EB/172, Rajouri Garden, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delbi/New Delbi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 16-10-1985

#### FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) UF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/3-85/37EF/618.—Whereas I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Space No G-15, 3, Old Rohtak Road, Delhi situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been registered under the Income-tax Act, 1961 in the
Office of the Registering Officer

New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely.—

 M/s. S. B. Sales Private Limited Builders & Promoters UB-1, Ansal Bhawan, 16, Kastutba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Roshan Lal Khem Chand (HUF) and Sh. Rakesh Kumar Gupta C/o M s. Rattan Lal Jagdish Chand AAC Cement Stockists, NUH, Distt. Gurgaon. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period supress later,
- (b) by any other person interested in the said immeable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions us in sea as are defined in Chapter XXA of the seast Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Industrial Space No. G-15 on Ground floor in our proposed building 'Syndicate House' 3, Old Rohtak Road, Delhi having a super buildup area of  $88\ \mathrm{ft}.$ 

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquivition Range 11
Delhi/New Delhi

Date: 16-10-1985

(1) M/s. S. B. Siles Private Limited Builders & Promoters UB-1, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sb. Rakesh Atora son of Sh. B. S. Arora, C/o Comet Electronic Industries, A-78, G.T. Karual Road, Industrial Area, Delhi-110033.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANCE OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

> ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/3-85/37EE/619.-Whereas I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the hald Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No. 1 F-17, Syndicate House, on plot No. 3, Old Rohtak Road,

situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer

New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid monity and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ....

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able projectly, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given un that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Industrial space No. FF-17, on first floor in our proposed building, 'Syndicate House' on plot No. 3, Old Rohtak Road, Delhi having a super built up area of 320 ft.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/3-85/37EE/620.—Whereas I, K. VÄSUDEVAN.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 307 'Syndicate House' on plot No. 3, situated at Old

Rohtak Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :-

(1) M/s. S B Sales Private Limited Builders & Promoters UB-1, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Smt. Ram Malhotra and Master Atol Molhotra, C/o 320, Competent House, Connaught Place, New Delhi.

(Transfere

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Industrial flat No. 307 in our proposed building 'Syndicate House' on plot No. 3 Old Rohtak Road, Delhi having a super built up area of 335 ft.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Date: 16-10-1985

Scal:

#### FORM ITNS-

NOTICL UNDER SECTION 269D(1) OF THE

## INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14 A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref No IAC/Acq-II/3-85/37EE 623.--Whereas, I, K VASUDEVΛN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovble property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0000/- and bearing No.

Flat No CFF-4 Dilkhush Industrial Estate situated at GT Karnal Road, Azadpur Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or an) moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fallowing persons, namely :--

(1) M s Beckay Marketing, C 12, Friends Colony, New Delhi

(Transferor)

(2) M s Patwant Singh & Sons (HUF), 35/71, Punjabi Bagh, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION,—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No CFF-4, in Dilkhush Industrial Estate, GT Karnal Road, Azadpur Delhi

> K VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Date: 16-10-1985

FURM ITNS

(1) M/s. Vishva Properties (P) Ltd., 4th Floor, Sheetla House 73-74, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Asha Dhinera & M. s. J. C. Dhingra HUF, R 523, New Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferce

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisidon of the said property may be unide in writing to the undersigned ;--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE II AGGARWAI HOUSE, 4 14-A, ASAE ALI ROAD, NEW DELIII

New Delhi, the 16th October 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Ref. No. LAC  $\Delta (q-H/3-85/37H)'/622$ , --Whereas I, K. VASUD: VAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.0001and bearing No. Flat No. 103, A-5 & A-6 Community Centre, Ranjit Nagar

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been registried under the Income-tax Act 1961 in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .... (b) by any other person interested in the said ammovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

I API ANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

## THE SCHEDULE

Hat No 103 in Multistoreyed Building A-5 & A-6, Community Centre, Ranjit Nagar, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following serious namely: 87-356GI/85

Date: 16-10-1985

M/s Allied Construction Company, 5/92, Deepali, Nehru Place, New Delhi.

(Transferm)

(2) Mr. K. L. Sann & Mis. Pushp Lata, Lajpat Nagar, Jalandhar City, Punjab.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TA . ACT 1961 (55 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE 4 14-A, ASAL ALI ROAD, NEW DELHI

New De'hi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-11/3-85/37EE/623. -Whereas I, K. VASUDFVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Industrial Pat No. G-30 in Alfred House, situated at 2, Old

Rohfal, Road, Opp. Shahzada Bagh Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

#### THE SCHEDULE

Industrial Flat No. G-30 of 278 Sq. ft. in Allied House, 2 Old Rohtak Road, Opp. Shahzada Bagh Delhi (Under Construction).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weshth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-10-1985

#### FORM ITNS----

(1) Shri H. L. Gupta, 2A, A.C.C.R. Enclave, l.P. Extn., Delhi.

\_ ~\_

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Veena Dhuper, 164, LIG Mayapuri, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPETCING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4 14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHL

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No.1AC  $\ensuremath{\text{Neq II}/3-85/37}$ EE/624.—Whereas 1, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 19617 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 - and bearing No. No 16/3 DDA Hats (MIG), Rajour Garden, situated at

Ison Della

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer

the Competent Authority at New Delhi on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating hie concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

167A, DDA Flats. (MIG), Rajouri Garden, Delhi.

K VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Committee of Income-tax Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date · 16-10-1985 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE. 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No IAC/Acq. II-3-85/37EE/625.--Whereas I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that 'ne immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 - and bearing
No. BGI -5, Ansal's Dilkhush Ind. Estate G.I. Karnal Road, situated at Delhi-110032

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Office of the Competent Authority at New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not won truly stated in the said instrument of transfer with the work of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. M. L. Kapoor, Sh. S. P. Oberai, 24-Faiz Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Anutex Electronics, 37-D.S.I.D.C. New Waznpur Industrial Complex, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the soul property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used better as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

BGF-5, Ansal's Dilkhush Ind Estate, G. l' Karnal Road. Delhi-110032.

> K VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-to-Acquisition Range II Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 16-10-1985

FORM NO I.T N.S.----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 UF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF MI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No IAC/Acq-JI/3-85/37EF/626.—Whereas I, k. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/and bearing

Flat No. 118, Syndicate Hoese' Plot No. 3, Old Rohtak Road situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, lo respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moones or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslin-hax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proper y by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) M/s. S B Sales Private I imited, Builders a Promoters UB-1, Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor i (2) Smt. Kusum Surana W/o Sh Chandra Singh Surana 2, North Avenue III Complex, Hauzkhas, New Delhi.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

THE SCHLDULE

Industrial flat No. 118 on first floor in our proposed building Syndicate House on plot No 3, old Rohtak Road, Delhi having a super built up area of 320 sft.

> K VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Date: 16-10-1985 Leal:

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II
AGGARWAL HOUSE,
4 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DEI HI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. 1AC/Acq-II/3-85/37EE/627.—Whereas 1, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing

Hat No 202 in A-37 38/39 Community Central Dr situated

at Mukhern Nagar Delhi (and sicre fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (2) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) factlitating the concealment of any income or any troneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforested property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kanwal Jit Singh Bugga, 43, Race Course Road, Dehiadun-248001. (fransfeioi)

(2) Mr. Viney Kumai Aggarwal
Master Sachin Aggarwal
(S/O Mr. Viney Kumai Aggarwal):
Miss Sakshi Aggarwal,
(S/O Mr. Viney Kumai Aggarwal):
Miss Stuti Aggarwal,
(S/O Mr. Yogi Raj Aggarwal):
Mater Rahar Aggarwal,
(S/O Mr. Yogi Raj Aggarwal):
7/18 Roop Nagar Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Hat No 202 in A-37 38/39, Community Centre Di. Mukherji Nagar Delhi.

K VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date: 16-10-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4 14-A. ASAI AII ROAD, NEW DELHI

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 16th October 1985

Ref No IAC/Acq-II-SR-I/3-85/847 —Whereas I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-As the sand Act), have reason to believe that the inhovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing II No 496A (Old & 917 New Gali Tallam situated at Katia Neel Kucha Kabil Akttai Chandni Chowk Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on March, 1985

New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Devicharan Dass Seth S/o Shii Ram Charandass Seth R/o Katia Neel Gali Kiishna, Chandui Chowk.

(Transferor)

(2) Shii Sham Lal S/o Shii Ganesh Dass R/o 7/4, Ashok Nagai, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) facilitating the concealment of any income or any able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Built up House No. 496A (Old) 917 New Three storeyed, Gali Tallam Katra Neel Kucha Kabil Aktaar Chandni Chowk, Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Date: 16-10-1985

and the first company of the contract of the c

#### FORM ITNS---

(1) Sh Hanak Chand S/o. Shri Dewan Chand, of 1 252 New Rajinder Nagar, New Delhi (Transferor)

(2) Mis. Notoon M. Narcis, W/o Patkash Chand Malik, of 229 Kalyan Vihat Delhi-7.

may be made in writing to the undersigned :-

whichev I period expires later;

(Transfere

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALL ROAD, NFW DELIII

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No IAC/Acq -II-SR--I/85/848.—Whereas, I, K, VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 5, Nanak Fnelave, Village Dhitpur situated at De'hi No. 10/37 Hudbast No. 19

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have react to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the limiting of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfers and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any amoneys or other assets which have not been or which ought to be in closed by the transferoe for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the vaid Act, to the follow

ing persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the mid immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5 of 301 Sq. Mts at Nanak Enclave, area of Village Dhirpur, Delhi out of Khasra No. 490/68, 400/70 and 401 71 khata No. 10, 37 Hudbast No. 19.

K VASUDIVANT Competent Authority Inspecting Assu Commissioner of Income-tax, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali, Delhi/New Delhi

Date : 16-10-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

----

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NLW DEI HI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/849.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incon-e-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs 1,00,000|and bearing No No. 3601 to 3603 Chawari Bazar Delhi-6

situated at

=

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been Registered under the Registeration Act, 1908 (16 of has been Registered under the Registration Act, 1908 (16 of at New Delhi on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fai market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any uncome ussing from the transferand lor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Serion (1) of Section 269D of the said Act, to the flowing Deisons riamely . -

88-356GI /85

(1) Sh. Anil Kumar Jain (2) Shri Ravi Kumar Jain, both sons of Sh. Mehtali Rai Jain, 1223, Mandir Bhawan, Chalirt Delhi.

(2) S. Ram Singh Kohli & Saidim Harnam Kaur, Trust 11, Amriti Sher Gill marg New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Built up property No. 3601 to 3603, Chawri Bazar Delhi No. 6, measuring 175 Sq. yds Land.

> K. VASUDEVAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali, Delhi/New Delhi

Date: 16-10-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/3-85/850.-Whereas, I, k. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market valut exceeding exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Property No. D/63 (B), Rajouri Garden situated at New Deihi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been Registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the legistering Officer at New Delhi on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiect of the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the bability of the transferor to per tax under the mid Act, in respect of any uncome arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or anmoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :--

(1) Lt.Col. B. K. Kohli, S/o. Sh. Des Raj Kohli R/o. Q 63, Rajowi Garden, New Delhi

(Transferor)

(2) Sunita Hainal. W/o. Shri J. N. Harnal, R/o C-9, Tagore Galden, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Crazette.

EXITABATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said And shall have the same meaning as given n that Chapter

### THE SCHFDULE

Property No. Q/63 (B), mg. 83.73 sq. yds situated in the Colony known as Rajouri Garden, Area of vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

> K VASUDI VAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House 4 14-A. Asaf Ali, Delhi 'New Delhi

Date: 16-10-1985

Scal:

\_ ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Pritam Kaur, W/o. Late Shri Rajinder Singh through her attorney Sh. Ajit Singh Madan R/o. C-139-Kirti Magar New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Hatish Kumar Sadana, S/o. Sh. Madan Gopal Sadana, R/o. 29/101, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. 1AC /Acq.-II/SR-1/3-85/851.—Whereas, I, k VASUDEVAN

being the Competen Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
House S. S. Plot No. C-139, Kirti Nagar, New Delhi.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been Registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresuid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferee [50] which ought to be disclosed by the transferee for the transfer for the transfer for the transfer for the transferee for the transfer f the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons namely :-

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the sume meaning as given to that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House S. S. on plot No C-139, mg. 300 sq. yds situated at Kirti Nagar, area of vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House, 4/14-A.
Asaf Ali Road. Delhi/New Delhi

Date: 16-10-1985

Scal:

## FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### JOVERNMENT OF INDIA

## (2) Shii Haicharan Singh, (3) SH. Gurdin Singh Sons of Sh. Thakai Singh

R/o. J/150-A Rajouri Garden New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. H. Preet Singh, W. o. Dr. Preet Singh Chawla, R/o. F-25, Rajouri Garden New Delhi.

may be made in writing to the undersigned :-

(1) (1) Sh. Gurbachan Singh,

Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/3-85/852.—Whereas, I, K, VASUDEVAN,

bung the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovvable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. S. House, Plot No. 150-A Block J, Rajouri Garden New

Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been Registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March, 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bel'eve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PERSONALION - The forms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same neaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) faciliating the concealment of any income or any sensely or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957):

THE SCHEDULE

S. S. House, built on Plot No. 150-A Block J, measuring 300 sq. yds. Rajouri Garden, aren of vill. Bassai Darapur Delhi State. Delhi.

> K VASUDEVAN Competent Authority Acquisition Range-II' Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House, 4/14-A. Asaf Ali Road Delhi/New Delhi

row, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 16-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/3-85/854.--Whereas, 1, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authorny under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C-316, Majlis Park village Bhanolla Delhi.

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been Reg stered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March, 1985

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, sherefore, in pursuance of Section 2590 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section ACD of the said Act, to the following persons, manuely:—

(1) Smt. Shakuntala Devi, W/o. Shri Rishi Parkash Gupta, R/o. Village & P. O. Palla, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Voone Dhall, W/o. Sh. Roop Kamal Dall, R/o. 4/16 A, Vijay Nagar Delhi-110 009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property bearing No. C-316 Majlish Park measuring 111 sq. yds, area of Village Bharolla out of Khasra No. 262/258/217/4 Dolhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road Delhi/New Delhi

Date: 16-10-1985

Scal:

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

D/o. Puran Chand Mehra, W/o. Man Mohan Kapoor, R/o. 21/26, Shakti Nagar, Delhi.

(1) Smt. Puspa Kopooi.

(Transferor)

(2) Sh. Suresh Kumar Gupta, S.o. Late Sh. Pohkar Mal Gupta, R.o. 13-13, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/3-85/855.—Whereas, 1, K. VASUDEVAN,

Seing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 26, Block 21, Chakti Nagai Delhi 'ituated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been Registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°C of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Plot No. area, 1493.24 Sq. ft. Block No. 21 situated in the Colony Shakti Nagai Roshanaja Extension, Scheme Subzi Mandi De'hi.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House, 4'14-A, Asaf Ali Road

Date: 16-10-1985

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II Bombay, the 14th October 1985 NEW DELIII

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC Acq.II-SR-I-3/85/856.—Whereas, I, K. VASUDEVAN

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the movable property have a fair market value

exceeding Rs 1,00,000/- and bearing

Plot No. 20, Block No. 21, Shakti Nagar situated at Roshanara Fxten, Scheme Subji Mandi Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been Registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Debli in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) at Section 260D of the Act, to the following persons, namely:—

Smt. Pushpa Kapoor,
 D/o. Puran Chand Mehra,
 W/o. Man Mohan Kapoor,
 R o. 21, 26, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Rajender Ptakash Aggarwał, S/o. Late Pinkar Mal Gupta, R/o B-3/59-C Lawrance Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the and property may be made in writing to the undersignal:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 34
  45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 26, area 746.76 sq. ft. Block No. 21, situated in the colony Shakti Nagar Roshnare Exten, Scheme Subzi Mandi Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aggarwal House, 4/14-A,
Asaf Ali Road,
Delhi/New Delhi

Date: 16-10-1985

Scal .

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAY, ACQUISITION RANGE-IL AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/3-85, 857.--Whereas, I, K. VASUDEVAN,

K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inimovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 4596/7, 11-Daryaganj situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed here!), has been Registered under the I.T. Act, 1961 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an upparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fillien per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment or any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons visitably '---

(1) Sh. Jardish Prashad Agarwal, So. Late Shir Mahavhir Prashad Agarwal 4596, 7, H, Dasvaganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) M Ami Motre, Ltd. 4830/21 Ammi Road Daryaganj New Delhi, through spreedor Shie B. N. Passari. (Transferce)

Objections, it any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective, persons, whichever period expites later.
- (b) by any other purson interested in the said immovable property within 45 days from the date of the pullbration of this notice in the Official

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein Are defined in Chapter XXA of the said Art shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Second floor Property No. 4596/7. 11-Daryagani, New

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting A sistant Commissioner of Income-tax-Acquisition Range-II, Agg trad House, 4 14-A. Asaf Alı Road Delhi New Delhi

Date: 16-10-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq. II-SB-I/3-85/859.—Whereas, J. K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,08,000/-

and bearing No. H. No. 18, Block E. Khas, No. 262/258/217/4 Guru Nanak Road Adarash Nagar Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed herete). has been Registered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at New Delhi on Maich, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Sh. Sushil Kumar Malhotra, S/o. Sh. Nathu Ram Malhotra, R/o. E-18, Guru Nanak Road, Adarsh Nagar,

(Tran feror)

(2) Sh. Pritam Singh,
S/o. Sh. Bawa Singh and Surjit Singh,
S/o. S. Pritam Singh, R/o. D-48 Lord Krishna Road Adarsh Nagar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of metics on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislocated by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

H. No. 18, Block E, meas. 120 Sq. yds, out of Khas No. 262/258/217/4 Guru Nanak Road, Adarsh Nagar, Delhi-33 Vill. Bharela Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

89--356GI/8\$

Date; 16-10-1985

= -

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I-3/85/860A.--Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing 3/65 Roop Nagar Delhi.

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1985

for a apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as larged to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arrang from the transfer; endior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) WB Cdr Ashok Kumar Talwar, Retd S/o. Later Shri Amar Nath Talwar, R/o 12/11, Double Storey, Ramesh Nagar, New Delhi.

~~<u>~</u>

(Transferor)

(2) Sh. Dharminder Kumar (ii) Pradeep Kumar and (iii) Sanjay Kumar Sons of Shri Ram Gopal Local addres 3/65, Roop Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of Property No. 3/65 Roop Nagar, Delhi (Municipal Corporation No 11119) measuring 193.79 Sq. yds. 62'-3-1/2" in length and 28' in breadth.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Comm ssioner of Income-tax | Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road | Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue o fthis notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 16-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/3-85/860B.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to me the 'mid Act'), have reason to believe that the immercials

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 3/65 Roop Nagar Delhi

situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been Registered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the consideration. between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 10 Les
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Savitri Devi, W/o. Late Shri Amar Nath, R/o. 12/11 Ramesh Nagar, New Delhi. (Transferor)

(2) Svs Dharmender Kumar (ii) Pradeep Kumar and Sanjay Kumar, 3/65 Roop Nagar Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of Property Plot No. 3/65 Roop Nagar, Delhi (Municipal Corporation No. 11119) measuring 193.79 sq.yds. 62' 3-1/2 in length and 28' in breadth.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road Delhi/New Delhi

Date: 16-10-1985

#### FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/860C.—Whereas, I, K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 3/65 Roop Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Surinder Kumar Talwar, through Wg. Cdr. Sh. Ashok Kumar (retd) S/o Late Shri Amar Nath Talwar, R o 12/11 Double Storey Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Svs. Dharminder Kumar (ii) Pradeen Kumar and Sanjay Kumar son of Shri Ram Gopal, 3/65 Roop Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of Property No. 3/65 Roop Nagar, Delhi (Municipal Corporation No. 11119) measuring 193.79 Sq. yds., 62' 3½" in length and 28' breadth.

K. VASUDEVAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar Acquisition Range-III
Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 16-10-1985

FORM ITNS ---

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

و بریدی در سعده وا پر و جستم اکتر

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/862.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Property No. 483 (New) and 287 (Old) Gali Zeenat Bari Kashmiri Gate, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any macneys or other assets which have not been es which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. Milavi Bai Wife of Sh. Gela Ram (Late) Roo 483, Gali Zeenat Bari, Kashmiri Gate, Delhi,

The transfer of the second sec

(Transferor)

(2) Sh. Anil Kumar s/o Shri Sham Lal, R/o 1250 Chhota Bazar, Kashmere Gate, Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

### THE SCHEDULE

Double storeyed property No. 483 (New) and 287 (Old) in Ward No. I, built on a piece of land measuring 85 sq. yds. approx. situated at Gali Zeenat Barı Kashmiri Gate, Delhi.

K. VASUDEVAN
Acquisition Range-II
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 16-10-1985

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-JI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II, SR-I/3-85/863.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.

Qr. No. 30/37-A West Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer

at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

 Sh. Guran Diwan Mal, 30/37-A, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

 Smt. Neelam Bhalla, 30/37-A, West Patel Nagar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said properts may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Qr. No. 30/37-A, West Patel Nagar, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following rersons namely:—

Date: 16/10/1985

#### FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/864.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 16/19, Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registeration Act. 1908 (16

PART III—SEC. 11

has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparaent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property as a foresaid p exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparat consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the redunction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the I ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said At, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following регворя вышелу;--

(1) S Shri S. Amarit Singh, Surjit Singh and
S. Narinder Singh
Sons of Late Shri Swaran Singh all
R/O No. 16/19, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

40903

(2) Shri Baldev Raj Gulati S o Late Shri Chuni Lal Gulati and Smt. Sujata Gulati W/o Shri Inderjeet Gulati both R/os. No. 16/19, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 16/119, Punjabi Bagh Village Bassai Darapur, New Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspectine Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 16-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85, 866.—Whereas, I, K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. S-10( Shivaji Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than treen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this actice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Kanwal Bhandari
 W/o Shri Ashok Kumar Bhandari,
 R/o H-93/3, & 3-10, Shivaji Park,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kasu Coel W/o Shri Niranjan Kumar Goel, R/o H-94-B, Shivaji Park, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by ang of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIO&:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

H. No. S-10, measuring 45 sq. yds. at Shivaji Park, New Delhi-26.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 16-10-1985

#### FORM ITNS ----

40 FIG. UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-JI/SR-1/3-85 '867.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reforred to as the 'said Act'), have reason to believe that that the immov-

as the sale Act, have least to believe that that the time able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Proprety No. XII/8428-32, Roshanara Road situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is as than the fatt market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent evalueration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction \* facilitating the reduction assign of the liability of the transferor to pay tax ander the said. Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate provedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- -

90-356GI/85

(1) Sh. Santokh Singh son of S. Ganda Singh, R/o 12, Jaima Bldg., Roshanara Road, Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Panna Singh

Smt Basant Kaur
 Sh, Janak Singh and Sh. Man Preet Singh

4. Smt. Mohinder Kaur

5. Shri Jasbir Singh

6 Smt. Santosh Kaur

7. Amarjit Singh as Guardian of his minor son

Sh. Sovir Singh

8. Sh. Baldev Singh 9. Sh. Sushil Kaur 10. Sh. Rajender Singh

11. Smt. Dipan Kaur
12. Sh. Jagvinder Singh all
R/o 7/14, Roop Nagar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the afores. I persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the espective persons. which her heriod expires later,
- (b) by any other person interested h the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter \( \lambda XA \) of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Built up property No. XII/8428-32 (New) Mg. 379, 5 vds. situated at Roshanara Road, Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal Hou 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 16 10 1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I 3-85/868.—Whereas, I, VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable paoperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 70, Gokhla Market Delhi situated at

New Delhi

(and more fully described in he Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on 1-2-1985

at New Delin on 1-2-1965
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the perties has not been truly extend in the sold between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesall property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persont, namely :-

(1) Sh. Gurbux Singh through General Attorney Shri Baldev Raj Raheja, S/o Sh. Sant Ram, C/o Shop No. 3617, Mori Gate, Raheja Tailors, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Rani W/o Sh. P. L. Batra, R/o C-2/13, Ashok Vihar Phase II, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Govt. Built Shop No. 70, Gokhla Market, Delhi. Area measuring 508 Sq. ft.

> K. VASUDEVAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 16/10/1985

 Sh. Yash Pal Batra S/o Sh. Kundan Lal Bara, R/o N-20, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Kailash Chander Chadha S/o Sh. Malan Lal Chadha and Smt. Santosh Chadha W/o Sh. Kailash Chander Chadha, 1/o 331, Press Street, adar Bazar, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II, SR-1/3-85/869.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. F-213, Mancrover Garden situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Income-tax Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer of the Competent Authority at New Delhi in March, 1985

bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 213, in Block F, mg. 369 Sq. yds. situated at Mansroyer Garden, are of Vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, I the following persons, namely:—

Date: 16/10/1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II SR-1/3-85/871.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
H. No. 4633 Plot No. 19-A, Ansari Road situated at Darya

Ganj, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registraion Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at a New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) M/s S. Chand & Com. Ltd., Ram Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Vinrendra Pesticides, Prop. M & Om Prakash Gupta & Sons (HUF( through Katar Om Parkash Gupta of X-54, Green Park New Delhi, Mr. Narcndra Kumar Master Suman Kumar, Master Surendra Kumar Gupta, Master Virendra Kumar, Master Viendra Kumar,
Master Necraj Kumar
all sons of Sh. Om Parkash Gupta Minors,
R/o A-54, Green Park,
New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Second floor Portion of H. No. 4633, Plot No. 19-A, Ansari Road, Darya Janj, New Delhi.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1l' Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 16/10/1985

#### FORM TINS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) OUVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. 1AC, Acq-II/SR-1 3-85/872.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

pering the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- Rs. 1,00,000/- and bearing

Prop. No. 4633, Plot No. 19-A, Ansari Road situated at Darya Ganj, New Delhi

tand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Rogi traffer Act 1903 (16 of

1908) in the office of the Registering officer a New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the opparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) meditating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / >r
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under cub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s S. Chand & Co. Ltd.,
  Ram Nagar,
  New Delhi
  through Director Rajendra Kumar Gup'a
  S o Sh. Shyam Lal Gupta,
  (Transferor)
- (2) M/s. Eurasaon Chooie International Ltd., 32, Netaji Subhash Marg, New Delhi through Director J. C. Pathak

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of '5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of prop. No. 4633, Plot No. 19-A, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 16/10/1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. JAC/Acq-II/SR-I/3-85/873,—Whereas, I. K. VASUDEVAN,

K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6173/A, Jawahar Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registraion Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi in March, 1985

at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said unstrument of transfer with the object of :-

(1) Smt. Swaran Rani Smt. Nirmal Sethi,
 Smi. Krishna Rani and 4. Sh. Kartar Singh.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Rani W/o Sh. Bhim Sain, 2. Smt. Saroj Bansal W/o Sh. Ram Kumar, 3. Smt. Madhu Bansal W/o Sh. Sushil Bansal, 4. Smt. Aruna Bansal W/o Sh. Vijay Bansal and 5. Sh. Balbir Bansal, S/o Sh. Bhim Sain, R/o 36-UA, Jawahar Nagar, Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in of any income arising from the transfer; respect and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

### THE SHEDULE

Built up property No. 16, Mpl. No. 6174/A, Jawahar Nagar, measuring 170.7 sq. yds.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax:
>
> Acquisition Range-II
>
> Aggarwal House
> 4/14-A, Asaf Ali Road
> New Delhi

Date: 16/10/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-IJ/SR-I/3-85/874.—Whereas, I, VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 188, Block-3, Rajouri Garden situated at Vill.

Bassai Darapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 iin the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1985 Ior an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of preserty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mere than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: رو/ النبع
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Harbhajan Singh Son of Sh. S. Ishar Singh, R/o I-188, Rajouri Garden, New Delhi

(Transferor)

(2) Sh. S. Paramiit Singh S to Sh. S. Gurbax Singh, R/o F-156, Naraina Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

## THE SCHEDULE

House on plot No. 188, in Block J, mg. 2281 sq. yds., Rajouri Garden, area of Vill. Bassal Darapur, Delhi.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 16-10-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/875,—Whereas, I. K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. F-53, Bali Nagar, New Delhi situated at New Delhi

No. F-53, Bali Nagar, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985

tot an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per zem of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the Lansferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sushma Bali W/o Late Sh. S. C. Bali, 27B/11, New Rohtak Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Kakar S o Sh. L. Manohar Lal Kakar, F-54, Balı Nagar, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service or notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

F-53, Bali Nagar, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 16-10-1985

Smt. Bhagwanti Bai, 30/30A, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Anja Verma, 30/30A, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/876.--Whereas, I. K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under section 269Bof the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No.
No. 30/30 A West Patei Nagar situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered unrer the Registration Income-tax Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforceald said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrum transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the soid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---91—356GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

30/30A, West Patel Nagar, New Delhi.

K. VASUDEVAN Competent Authority nspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4/10-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 16-10-1985

(1) Sh. Mela Ram Kochar, S/o Late Sh. Sita Ram Kochar, R/o C-15, Ashok Vihar Phase-I, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/877.--Whereas, I, VASUDEVAN,

k. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the treome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immersible property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. C-108, Kirti Nagar situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered unrer the Registration Income-tax Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (2) Smt. Bhagwanti Devi W/o Sh. Ram Chand, R/o 232 Phatak Karor, Ajmeri Gate, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ALTER /OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. C-108, measuring 300 Sq. Yds. situated at Kirti Nagar, New Delhi.

THE SCHEDULE

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-inv Acquisition Range-II Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 16-10-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

# FORM ITNS -

# NOTICE UNDER SECTION 240D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICM OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/3-85/878.—Whereas, I. K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter returned to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. J-58, Rajouri Garden, New Delhi situated at New

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Income-tax Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Ome at New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the faur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than affect on the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any atenarys or other ansets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sh. Satish Kumar Gupta S/o Sh. Jawahar Lal Gupta and Smt. Meena Kumar Gupta W/o Shri Vijay Kumar Gupta, R/o N-16, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Tılak Raj Ghal S/o Shri Chuni Lal Ghai, R/o A-1 224, Janakpuri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House on plot No. J-58, mg. 240 Sq. yds. at Rajouri Garden area of Village Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 16-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Sh. Mahabir Prasad Tantia and
 Smt. Sarla Devi Tantia both
 R/o 427 Lajpat Rai Market,
 Ch. Chowk,
 Delhi.

(Transferor)

1. Smt. Raj Rani and
 2. Smt. Venna Rani, both
 R/o C-6/3, Model Town,
 Delhi.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/879.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marketing value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

as the said Act, have leased to believe that the limitovable property having a fair marketing value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-5/5, Model Town, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Property No. C-5/5, Model Town, Delhi measuring 254.66 Sq. ds. in area.

THE SCHEDULE

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-10-1985

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCYME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I 3-85/880.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Property No. G-27, Kirti Nagar Vill. Bassai situated at Darapur Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been registered under the Income-tax Act, in the Office at New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

 Sh. Jai Dev Kapoor, Son of Shii Sobh Raj Kapoor, R/o G-27, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Bhim Sain Gogia S/o Late Sh. Thakur Dass Gogia, R/o 11/3593-A, Rehgarpura Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thus notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. G-27, built up on land mg. 200 sq. yds. situated at Kirti Nagar, area of Vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Importing Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 16-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Vined Kumar Malhotra S/o Ishwar Dutta & Sanjoy Malik S/o Shri Ram Lal Malhotra.

(Transferor)

 Smt. Safder Sultana W/o Firoj Ahmed
 Faras Khana,
 Deihi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/GR-1/9-85/881.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 948, Faras Khana, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Income-tax Act, 1961 in the

Office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said unstrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Emplanation:—The terms and empressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any bacome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Ast, or the Wealth-tax Axt, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

# THE SCHEDULE

Double Storey Building, 948, Faras Khana Delhi, 180 Sq. vds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 16-10-1985

# FORM ITNE

(1) M/s. S. Chand & Co. Ltd. Ramnagar, New Delhi.

(2) Shri Rajan Bansal

\_\_\_\_

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF ENDLA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-II. AGGARWAI. HOUSF, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/\$R-I/3-85/882.--Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herotanfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rajendra Mansion, 19-A, Ansari Road, Daryagani situated at New Delhi

(and more fully de cribed in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Income-tax Act, in the Offic of the Registering Officer at New Delhi. in March, 1985

at New Delli. In March, 1985 for an apparen' consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the commistration for such transfer se agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S/o Mr. P. D. Bansal, R/o 5-F, Vishwa Apartment 3 Metcalf Road, Civil Lines,
Delhi and Master Amit Bansal
S/o Mr. A. K. Bansal,
R//o D-33, Kamla Nagar,

Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

692 Sq. ft. on second floor, Rajendra Mansion, 19-A, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection, (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 16 10-1085

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. AGGARWAL HOUSE, 0/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/GR-1/3-85/683.—Whereas, I, K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. property No. 26, Block Q, Rajouri Garden situated at Vill. Bassai Darapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Income-tax Act, in the Office of the Registering Officer at New Delhi, in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

sand/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pulticles of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act.) hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Dwarka Nath Sareen, S/o Shri Amar Nath Sareen. R/o Q-26, Rajouri Garden. New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kulvinder Kaur, W.o S. Rajinder Singh, R/o 4500, Shora Kothi, Paharganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 26, in Block Q, mg. 200 sq. yds. situated at the Colony known as Rajouri Garden, area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi

K. VASUDEV... Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 16-10-1085

# NOTICI UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

 Shri S. Kalyan Singh, S/o S. Kartar Singh, R/o J-84, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Abnash Rani Anand W/o Arjan Lal Anand R/o E-69, Kirti Nagar, New Delhl.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Rcf. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/884.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 669B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding.

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 1/123, Kirti Nagar on Najafgarh Road Vill. Bassai situated at Darapur, Delhi

(and more tuny desc., d in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Income-tax Act, in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hertby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersianed :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ex 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/123 at Kirti Nagar on Najafgarh Road area of Vill, Bassai Darapur, Delhi. (200 sq. yds.)

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 16-10-1085

Scal :

persons. namely:—92—356GI/85

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Jagdish Chander S/o Ram Dass Suri 3/27-A, Vijay Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kaushal Gupta W/o Sh. Sri Ram Gupta 33-B, Satyawati Nagar, New Delhi.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISIȚION RANGE-II. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR1/3-85/885.—Whereas, I, K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 19, Block C, out of Khasra No. 86, 88, 89, 92-99-100, 101 to 107 situated at Colony Satyawati Nagar, Vill. Sadhorakalan, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

New Delhi, March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922' (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personwhichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 200 sq. yds. bearing plot No. 19, Block C, out of Khasra No. 86, 88, 89, 92-99, 100, 101 to 107 in colony Satyawati Nagar area of Vill. Sadhora Kalan, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-10-1085

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/886.—Whereas, I, K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Plot No. 4, Shopping Centre No. 1, Block-F situated at Mansrover Garden, Delhi (and more fully described in the Schedule and Indian Competence of the Compete

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi, March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such thansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Dharam Pal Batra, S/o Shri Kundan Lal Batra R/o No. 20, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Swarn Pawah, S/o Shri S. P. Pawah R/o R-50, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said expressions used herein 🧀 Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Plot No. 4, Shopping Centre No. 1, Block F, mg. 166.7 yds. at Mansrover Garden, area of Vill. Bassal Darapur, Delhi State, New Delhi.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 16-10-1085

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Mehta Construction & Industrial Corpora-tion Pvt. Ltd. R-718, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Pure Drinks (New Delhi) Ltd. Saidar Mohan Singh Building, Connaught Circus New Delhi.

(Transferee)

OPPICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/3-85/888.—Whereas, I K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'and Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. 3, Block No. 10, Najafgarh situated at Industrial Area, New Delhi

tand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

New Delhi, March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Let, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

# THE SCHEDULE

Plo No. 3, Block No. 10, Najafgath, Industrial Area, New Delhi measuring 20444 sq. yds.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Da'o : 16-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ret No IAC/Acq-II/SR-1/3 85/889.—Whereas, I k VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000/- and bearing
Flat No. 107, First floor, Prop. No. E 38 situated at Rajouri
Garden, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

New Delhi on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of sansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Shr<sub>1</sub> Raghbu Singh S/o Sardar Jodh Singh R/o L 18, New Oelhi South Extension, Part-II, New Delhi as General Attorney and on behalf of 1 Smt Bimal Kumari

W/o Shri Ganga Bishan 2 Smt Nirmala Devi

W/o Shu Siri Kishan
3 Sh Mahabir Prasad
S/o Shri Kali Ram
4 Sh Rattan Lal

S/o Shri Kali Ram 5 Sh Sushil Kumar

S/o Kali Ram 6 Sh Bajrang Lal S/o Shri Kali Ram and

7 Sh Ganga Bishan S/o Shri Kali Ram as partner of M/s Ganga Bishan & Co all R/o E-38, Rajouri Gaiden, New Delhi and M/s. Timo Builders, Rajouri Garden, New Delhi

(Transferor)

(2) M/s Time Hotels Pvt Ltd, A-3, Green Park, New Delhi through its Director Shri Hardip Singh

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat bearing No 107 on first floor of property No E-38 Rajouri Garden, New Delhi having a covered area of 1012 sq ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date 16-10 1085 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/890.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable in 1960 (1960)

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/exceeding of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferoi to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Shri Raghbir Singh S/o Sardar Jodh Singh R/o L-18, New Delhi South Extension Part-II, New Delhi General Attorney and on behalf of Smt. Bimal Kumari W/o Shri Ganga Bishan

2. Smt. Nirmla Devi W/o Shri Siri Kishan

3. Shri Mahabir Prashad S/o Shri Kali Ram 4. Shri Rattan Lal S/o Shri Kali Ram

5. Shri Sushil Kumar Shri Kali Ram 6. Shri Bajrang Lal Shri Kali Ram

New Delhi and M/s, Time Builders, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferors)

(2) M/s. Time Hotels Pvt. Ltd. A-3, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat bearing No. 108 on first floor of property No. E-38, Rajouri Garden, New Delhi having a covered area of 1065 sq. ft.

> K. VASUDEVAN Counctent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 16-10-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

# COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/891.—Whereas, I. K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 104, First Floor, Prop No. E-38 situated at Rajouri

Garden, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

New Delhi on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Raghbir Singh S/o S. Jodh Singh

R 'o L-18, New Delhi South Extension Part-II, New Delhi as General Attorney and on behalf of 1. Smt. Bimla Debl.

W/o shri Ganga Bishan 2. Smt. Nirmla Devi

W/o Shri Siri Kishan 3. Shri Mahabir Prashad

S/o Shri Kali Ram

4. Shri Rattan Lal S/o Shri Kali Ram

5. Shri Sushil Kumar S/o Shri Kali Ram

Shri Bajrang Lal S/o Shri Kali Ram

Shri Ganga Bishan S/o Shri Kali Ram as partner of M/s. Ganga Bishan & Co. all R/o E-38, Rajouri Garden New Delhi and M/s. Time Builders,

Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Time Hotels Pvt. Ltd., A-3, Green Park, New Dolhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 104, measuring 1040 sq. ft. in property bearing Municipal No. E-38, built on land masuring 2400 sq. yds. situated at Rajouri Garden, New Delhi in the area and revenue estate of Village Basai Darapur, Delhi.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 16-10-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/892.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 207, E-38, Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Shri Raghubir Singh S/o Sardar Jodh Singh R/o L-18, New Delhi South Extension Part-II, New Delhi General Attorney and on behalf of l. Smt. Bimal Kumari W/o Shri Ganga Bisan

 Smt. Nirmla Devi W/o Shri Siri Kishan
 Shri Mahabir Prashad

S/o Shri Kali Ram
4. Shri Rattan Lal
S/o Shri Kali Ram
5. Shri Sushil Kumar S/o

Shri Kali Ram 6. Shri Bajran Lal, S/o Shri Kali Ram

Nati Kan.

Nati Kan.

Shri Kali Ram as partner of M/s. Ganga Bishan & Co, all R/o E-38,Rajouri Garden New Delhi and M/s. Time Builders, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Time Hotels Pvt. Ltd. A-3, Green Park, New Delhl.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be said in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 207, measuring 1012 sq. ft. in property bearing Municipal No. E-38 built on land measuring 2400 sq. yds. situated at Rajouri Garden, New Delhi in the area and revenue estate of Village Basai Darapur.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 16-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGG ARWAL HOUSE, 4/14-A, ANAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Rcf. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/893.—Whereas, I, K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 7 on Ground Floor, E-38, Rajouri Garden situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfer ed under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly wated in the said instrument of the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to ray tax under the said Aut, in respect of nay income arising from the transfer and for
- (h) facilitating the concentment of any moome or any manage or other saints which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1947 77 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid there is by the issue of this native under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:

93-356GI/85

Shri Raghbir Singh
 S/o Sardar Jodh Singh
 R/o L-18, New Delhi South Extension Part-II,
 New Delhi as General Attorney and on behalf of
 Smt. Bimal Kumari

 Smt. Bimal Kumari W/o Shti Banga Bisan
 Smt. Nirmala Devi W/o Shri Siri Kishan

3. Shri Mahabir Prasad S/o Shri Kali Ram

4. Shti Rattan Lal S/o Shri Kali Ram 5. Shri Sushil Kumar S/o

Shri Kali Ram 6. Shri Bajran Lal S/o

Shri Kali Ram
7. Shri Ganga Bishan S/o
Shri Kali Ram as partner of
M/s. Ganga Bishan & Co.
all R/o E-38, Rajouri Garden
New Delhi and
M/s. Time Builders,
Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Time Hotels Pvt. Ltd. A-3. Green Park, New Delhi. through its Director Shri Hardip Singh S/o late Shri Karam Singh.

(Transferee)

Objections, if any, as the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person increated in the said immovshie property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 7 on ground floor of property No. E-38, Rajouri Garden, New Delhi having a covered area of 1012 sq. ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delta (New Delta)

Date · 16-10-1985 Seal :

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/894.—Wheeras, I, VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 204, Second Floor E-38 Rajouri Garden situated at

New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-عم النعبة

(b) facilitating the concealment of any inco moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)) (1) Shri Raghbir Singh S/o Sardar Jodh Singh,
r/o L-18, New Delhi South Extn., Part II New
Delhi as General Attorney and on behalf of
(1) Smt. Bimla Kumarı w/o Shri Ganga Bishan
(2) Smt. Nirmal Devi w/o Shri Siri Kishan
(3) Mahabir Piasad S/o Shri Kali Ram
(4) Shri Rattan Lat S/o Shri Kali Ram
(5) Shri Sushil Kumar s/o Kali Ram
(6) Shri Bajrang Lal s/o Shri Kali Ram
(7) Sri Ganga Bishan s/o Shri Kali Ram
as partners of M/s Ganga Rishan & Co.

as partners of M/s. Ganga Bishan & Co.
all r/o E-38, Rajouri Garden, New Delhi and
M/s. Time Builders, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferor)

(2) M/s. Time Hotel Pvt. Ltd., A-3 Green Park New Delhi, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chaster.

# THE SCHEDULE

Flat No. 204, measuring 1040 Sft. in Property bearing Mpl. No. E-38, built on land measuring 2400 sq. yds, situated at Rajouri Garden, New Delhi.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II
Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Date: 16-10-1985

#### FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMES-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HÖUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/895.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 103, E-38, Rajouri Garden New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of eav income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the conceaument of any income or any moneys or other assets which have not been which enght to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1923) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the nequisition of the staceastd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona, spin

- (1) Shri Raghbir Singh S/o Sardar Jodh Singh, r/o L-18, New Delhi South Extn., Part II New Delhi as General Atomey and on behalf of
  - Smt. Bimla, W/o Shri Ganga Bihan.
     Smt. Nırmala Devi w/o Shri Siri Kishan
     Mahabir Prasad S/o Shri Kali Ram
  - (4) Shri Rattan Lal S/o Shri Kali Ram
    (5) Shri Sushil Kumar s/o Kali Ram
    (6) Shri Bajtang Lal s/o Shri Kali Ram and
    (7) Sri Ganga Bishan s/o Shri Kali Ram

  - as partners of M's. Ganga Bishan & Co. all r/o E-38, Rajouri Garden, New Delhi and M/s. Time Builders, Rajouri Garden, New Delhi, (Transferor)

(2) M/s. Time Hotels Pvt. Ltd., A-3, New Delhi. Green Park,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Olivial Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given EXPLANATION: -The in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 103 measuring 1140 sq. ft. the property bearing Municipal No. E-38 built on land measuring 2400 sq. yds. situated at Rajouri Garden. New Delhi in the area and revenue estate of Village Basai Darapur, Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 16-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

4.0% ERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD **NEW DELHI** 

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. 1AC/Acq-II/SR-1/3-85/896.—Whereas, I. K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 208 siguated at F-38 Rajouri Garden New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mere than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or ovarion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income ar i ing from the and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any menors or other assets which have not been or ich cought to be disclosed by the transferon for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ed 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 et 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afercand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persont, namely :-

- (1) Shri Raghbir Singh S/o Sardar Jodh Singh,
  1/o L-18, New Delhi South Extn., Part II New
  Delhi as General Attorney and on behalf of
  (1) Smt. Bimla Kumari w/o Shri Ganga Bishan
  (2) Smt. Nirmala Devi w/o Shri Sin Kishan
  - (3) Mahabii Prasad S/o Shri Kali Ram

  - (4) Mahabii Flasad S/o Shri Kali Ram
    (5) Shri Sushil Kumar s/o Shri Kali Ram
    (6) Shri Bajiang Lal s/o Shri Kali Ram
    (6) Shri Ganga Bishan S/o Shri Kali Ram and
    (1) Shri Ganga Bishan S/o Shri Kali Ram as partner of M/s. Ganga Bishan & Co. all r/o E-38. Rajouri Garden, New Delhi and

M/s. Time Builders, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferor)

(2) Mrs. Veena Bhasin w/o Shri S. P. Bhasin C/o 100-M, Middle Circus, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Character.

# THE SCHEDULE

One Residential Flat bearing No. 208 on the second floor E-38 Rajouri Garden New Delhi. Having covered area of 1065 sq. ft.

> K. VASUDEVA'N Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Agarwal House, 4/14-A. Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 16-10-1985

#### PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUS!-, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. 1AC/Acq-11-SR-I/3-85/897.—Wheraes, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have leason to believe that the immovable property he ing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

and bearing.

Flat No. 102 on 1... thus, of m. using 1155 sq. (t situated at Property No. E 38 Rajouri Gardea New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been translated from the Pagitant of Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

at New Delhi on March 1985

for an appa ert consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the our marker value of the property as aforemid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties his not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :--

- (a) facultating the seduction or evasion of the liability of the transrefor to pay tax and the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C in the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2691) of the said Act to the following persons, namely —

- (1) Shii Raghbir Singir S o Su dir rodh Singh Delhi as Ceneral Attorney and on behalf of
  (1) Smt. Bimla Kuman w/o Shri Ganga Bishan
  (2) Sm. Nimal Deli w/o Shri Sm Kishan
  (3) Mahabu Prasad S/o Shri Kali Ram
  (4) Shri Rattan Lel S o Shri Kali Ram
  (5) Shri Rattan Lel S o Shri Kali Ram

  - (5) Shi Sushil Kumai s/o Kali Ram
    (6) Shi i percel de o Shri Kali Ram and
  - (7) Sri Ganga Bishan s. o Shri Kali Ram as partner of M/9 Gonga Bishan as parners all 1/0 F-38, Rajouri Garden, New Delhi and M/s. Time Bunders, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Shyam Lal Jain, S/o Sh. Mehtob Rai Jain, and Shri Suresh Chand Jain S/o Shri Chhabil Dass Jain R/o 7360-B Piem Nagar Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be niede in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons with'n a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of metics on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the an iA hall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 102 on first floor measuring 1155 sq. ft. property No. 1-38, Rajouri Garden New Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Agarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 16-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-(A) ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV. ΒΟΜΒΛΥ

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/898.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat bearing No. 202 on second floor of property situated at No. E-38 Rajouri Garden New Delhi.

(and more fully described in the Schelule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

New Delbi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair believed that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with hte object of :-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- 'b' facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not which ought to be disclosed by the tre a for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax AGL 1997 (27 of 1967):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the inter of this notice under out-vection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Raghubir Singh S/o Sardar Singh 1/0 L-18, New Delhi South Extn., Part II New

Delhi as General Attorney and on behalf of (1) Smt. Bimla Kumari w/o Shri Ganga Bishan (2) Smt. Nirmal Dezi w/o Shri Siti Kishan

(3) Mahabu Prasad S/o Shri Kali Ram

(4) Shri Rattan Lal S/o Shri Kali Ram
(5) Shri Sushil Kumar s/o Kali Ram
(6) Shri Bajrang Lal s/o Shri Kali Raf and
(7) Sii Ganga Bishan s/o Shri Kali Ram
as painer of M/s. Ganga Bishan & Co.
all r/o E-38, Rajouri Garden, New Delhi and M/s. Time Builders, Gajouri Garden, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Dalip Malik S/o Shri M. M. Malik r/o flat No. B-54 Opp. Mount Fort School, Ashok Vihar-I Dehli.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property my be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 202, on second floor Area 1155 sq. ft. property bearing Municipal No. E-38 Rajouri Garden, New Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Agarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, Acquisition Range-II New Delhi.

Date: 14-10-1985

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II-SR-I/3-85/899.—Wheeras, I, VASUDEVAN,

k. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 301 on 3rd floor Property No. E-38 situated at Rajouri Garden New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed herete), have been transferred under the Raging Value Act. 1908 (16

has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

New Delhi on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Affects per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing persons, namely :--

(1) Shri Raghbir Singh S/o Sardar Singh r/o 1-18, New Delhi South Extn., Part II New Delhi as General Attorney and on behalf of (1) Sntt. Bimla Kumari w/o Shri Ganga Bishan (2) Smt. Nirmal Devi w/o Shri Siri Kishaa (3) Mahabir Prasad S/o Shri Kali Ram (4) Shri Rattan Lal S/o Shri Kali Ram (5) Shri Sushil Kumar s/o Kali Ram (6) Shri Bajrang Lal s/o Shri Kali Raf and (7) Sri Ganga Bishan s/o Shri Kali Ram as partner of M/s. Ganga Bishan & Co.

ಂದ ಹಳು ವಿಶಾಲದ ಇದ್ದಾರೆ ಕೇವಿನ ಆಗಾ ಮತ್ತು ಮುಂದಿ ಎಂದು ಎಂದು ವಿವಾಗಿ ಎಂದು ಎ

as partner of M/s. Ganga Bishan & Co. all r/o E-38, Rajouri Garden, New Delhi and M/s. Time Builders, Gajouri Garden, New Delhi (Transferor)

(2) M/s. Comfort Living Hotels (P) Ltd Director S. Hardeep Singh Green Park New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 301, on third floor measuring 1207 sq. ft. Property No. E-38 Rajouri Garden New Delhi. Date: 16-10-1985

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incorrectax
> Acquisition Range-II Agarwal House, 4/14-A. Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 16-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMI NT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14 A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-85/900.—Whereas, I, VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid \ct') hav: reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Flat No. 106, Flot No. E-38 Rajouni Garden New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on March 1005

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Stction 269D of the said Act, to the following persons, mamely :--

 Shri Raghbii Singh & o Saidar Jodh Singh, R/o L-18. New Devlii South Extn., Part-II, R/o L-18. New Devlii South Extn., Part-II, New R/o L-18. New Duhi South Fxtn., Patt-Ii, Ne Delhi as General attorney and on behalf of (1) Smt. Bimla Kumari W/o Shri Ganga Bishan (2) Smt. Nirmala Isvi w/o Shri Kishan (3) Shri Mahabir Presad s/o Shri Kali Raf (4) Shri Rattan Lal s/o Shri Kali Ram (5) Shri Bajrang Lal s/o Shri Kali Ram (6) Shri Bajrang Lal s/o Shri Kali Ram and (7) Shri Ganga Bishan s/o Shri Kali Ram and (7) Shri Ganga Bishan s/o Shri Kali Ram, as partners of M/s. Ganga Bishan & Co., all r/o E-38 Rajouri Garden New Delhi and M/s Time Builders Rajouri Garden New Delhi. New

(Transferor) (2) Shri K. M. Panicker S/o Shri N. N. Petty, r/o 604, Gagan Deep. Rajendra Palace, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

New Delhi.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat bearing No 106, on first floor of property No. E-38 Rajouri Garden New Delhi having a covered area of 1400 sg. ft.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi.

Date . 16-10-1985

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-85/901.--Whereas, I. K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovat le property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Residential flat No. 6 on ground floor of property E-38 Rajouri Garden situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March 1962

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-94-356 GI/85

(1) Shi Raghubir Singh S/o Sardar Jodh Singh, R/o L-18. New Delhi South Extn., Part-II, New Delhi as General Attorney and on behalf of

(1) Smt. Bimla Devi W/o Shri Ganga Bishan (2) Smt. Nirmal Devi w/o Shri Kishan

(3) Shri Mahabir Prasad s/o Shri Kali Ram(4) Shri Rattan Lal s/o Shri Kali Ram

(4) Shri Rattan Lai s/o Shri Kali Ram
(5) Shri Sushil Kumar s/o Shri Kali Ram
(6) Bajra Lal s/o Shri Kali Ram and
(7) Shri Ganga Bishan s/o Shri Kali Ram, as partners of M/s. Ganga Bishan & Co., all r/o E-38 Rajouri Garden New Delhi and M/s. Time Builders Rajouri Garden

And M/S. I'me Builders Rajouri Garden
New Delhi.

| Property | (Transferor)
| (2) Mrs. Sushila Maini w/o L. Sh. C. P. Maini and
| (2) Sh. S. K. Maini S/o L. Sh. C. P. Maini,
| both r/o 25/2 West Patel Nagar New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat bearing No. 6 on ground floor of property No. E-36, Rajourl Garden New Delhi having a covered area of 1400 sq. ft.

> K. VASUDEVAN Competent Authority
> Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II
> Aggarwal House, 4/14-A, Asaf All Road New Delhi.

Date . 16-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOML-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AX, ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II-SR-I/3-85/902.—Whereas, I, VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000 /- and bearing No.

Prop. No. E-38, Rajouri Garden New Delhi (1th Share of Basement)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the loose of this notice under subsection (1) of Section 26 Act we said Act, to the following persons, namely .-

- (1) Shi Raghbir Singh s/o Saidar Jodh Singh, R/o L-18, New Delhi South Extn. Part II, New Delhi as

  - Ceneral Attorney and on behalf of—

    (1) Smt. Bimla Kumari W/o Shri Ganga Bishan
    (2) Smt. Nirmala Devi w/o Shri Kishan
    (3) Shri Mahabir Prasad s/o Shri Kali Ram
  - (4) Shri Rattan Lal s/o Shri Kalı Ram (5) Shri Sushil Kumar s/o Shri Kali Ram
  - (6) Shri Bajrang Lal s/o Shri Kali Ram and (7) Shri Ganga Bishan s/o Shri Kali Ram, as partners of M/s. Ganga Bsihan & Co.

all r/o E-38 Rajouri Garden New Delhi and M/s. Time Builders Rajouri Garden New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Trindarjit Kaur W/o Sh. Hardeep Singh R/o 22 Hemkunt Colony New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gi in an that Chapter

# THE SCHEDULE

1/4th share in Basement of Prop. No. E-38 Rajouri Garden New Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi.

Date . 16-10-1985 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. lAC/Acq.II/SR-I/3-85/903.--Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. E-38. Rajouri Garden New Delhi (one rourth Share in Basement) situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in respect of any meome arising from the transfer; and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the vame of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Raghbir Singh S/o Sardar Jodh Singh, General Attorney and on behalf of

(1) Smt. Bunla Kumari W/o Shri Ganga Bishan

(2) Smt. Nirmala Devi w/o Shri Siri Kishan (3) Shri Mahabir Prasad s/o Shri Kali Ram

(4) Shri Rattan Lal s/o Shri Kali Ram

(5) Shri Sushil Kumar s/o Shri Kali Ram
(6) Shri Gajtang Lal s/o Shri Kali Ram and as partners of M/s. Ganga Bsihan & Co., all r/o E-38 Rajouri Garden New Delhi and M/s. Time Builders Rajouri Garden New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Pammi d/o Shri Surinder Singh Bindra r/o E-4 Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in Basement of property No. E-38. Rajouri Garden New Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi.

Date . 16-10-1985

Seal

(Transferor)

# FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/904.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000/- and bearing No.
E-38 Rajouri Garden New Delhi (1/4th share in Basement)
(and more fully deserbed in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Raghbir Singh S/o Shri Jodh Singh,
  R/o L-18. New Delhi South Extn., Part-II, New
  Delhi as General attorney and on behalf of
  (1) Smt. Bimla Kumari W/o Shri Ganga B han
  (2) Smt. Nirmala Devi w/o Shri Kishan
  (3) Shri Mahabir Prasad s/o Shri Kali Ram (4) Shri Rattan Lal s/o Shri Kali Ram (4) Shri Ratian Laj s/o Shri Rain Rain (5) Shri Sushil Kumar s/o Shri Kali Ram (6) Shri Bajrang Lal s/o Shri Kali Ram and (7) Shri Ganga Bishan s/o Shri Kali Ram, as partners of M/s. Ganga Bishan & Co., all r/o E-38 Rajouri Garden New Delhi and M/s. Time Builders, Rajouri Garden, New Delhi.
- (2) Shri Bhagwant Kaur w/o Shri Raghbir Singh L-18, NDSE Part II, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/4th undivided share in Basement of Prop. No. E-38 Rajouri Garden New Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi.

Date . 16-10-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref No. IAC/Acq-II/SR-I/E-85/904.—Wheeras, I, K. VASUDEVAN,

peing the Competent Authority under Section 269th of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mail Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. E-38 Rajouri Garden New Delhi (1/4th share in Basement) (and more fully described in the Schedule annxet hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

- (a) incilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Raghbir Singh s/o Sardar Joan Singh R/o L-18. New Delhi South Extn., Part-II, New Delhi as General attorney and on behalf of (1) Smt. Bimla Kumari W/o Shri Ganga Bishan (2) Smt. Nirmala Devi w/o Shri Siri Kishan (3) Shri Mahabir Prasad s/o Shri Kali Ram (4) Shri Rattan Lal s/o Shri Kali Ram (5) Shri Sushil Kumar s/o Shri Kali Ram (6) Shri Bajrang Lal s/o Shri Kali Ram and (7) Shri Ganga Bishan s/o Shri Kali Ram, as partners of M/s. Ganga Bsishan & Co.
  - (7) Shri Ganga Bishan s/o Shri Kali Ram, as partners of M/s. Ganga Bishan & Co., all r/o E-38 Rajouri Garden New Delhi and M/s. Time Builders Rajouri Garden New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Raghbir Singh, (HUF) L-18, NDSE Part-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sale immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Asp, shall have the same meaning as given in these Chapter.

# THE SCHEDULE

1/4th undivided share in Basement of Prof. No. E-38 Rajouri Garden New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi.

Date : 16-10-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE Max I AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-IJ/SR-1/3-85/906.—Whereas, I, K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinarter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

3188 (New) and 290 (Old) in Gali Suiwali Mori Gate

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be distincted by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subvoction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

(1) Shri Inderjit \$/o

Shri Ladha Lal R/o 3188—Gali Suiwalan, Mori Gate Delhi.

(2) Shri Jagdish Lal S/o Shri Lek Raj

R/o 2838 Mori Gate, Delhi and

(3) Shri Kharaiti Lal S/o Shri Dariai Lal R/o 3188 Mori Gate, Delhi.

insferor)

(2) Shri Sunil Kumar Shri Desh Raj R/o B-2/3, Ashok Vihar Phase-II,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/3rd un-divided share of property bearing No. 3188 (new) and 290 (Old), situated in Gali Suiwali, Mori Gate, Delhi measuring about 170 sq. yds.

> K. VASUDEVAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi

Date: 16-10-1985

### FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/907.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No

3188 (New) and 290 (Old) in Gali Suiwali Mori Gate Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the Ollice of the Registering Officer at New Delhi in March, 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeaaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeaaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftee per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any become arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore and property by the usue of this notice under sussection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Inderjit S/o
Shr; Ladha Lal
R/o 3188—Gahl Suiwalan, Mori Gate Delhi.
(2) Shri Jagdish Lal
S/o Shri Lek Rai
R o 2838 Mori Gate, Delhi and
(3) Shri Kharaiti Lal
S/o Shri Daniai Lal
R/o 3188 Mori gate,
Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Sunil Kumar Shri Desh Raj R/o 3188 Mori Gate, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (n) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expression, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in Property No. 3188 (New) and 290 (Old) situated in Gali Suiwali, Mori Gate Delhi, measuring about 170 sq. yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi

Date : 16-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

\_ \_\_\_\_\_\_

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/908.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No 3188 (New) and 290 (Old) in Gali Suiwali situated at Mori Gate Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason

to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Inderjit S/o Shii Ladha Mal R/o 3188-Gali Suiwalan, Mori Gate Delhi (2) Shri Jagdish Lal S/o Shri Lek Raj R/o 2838 Mori Gate, Delhi and (3) Shri Kharaiti Lal S/o Shri Dariai Lal R/o 3188 Mori gate. Delhi

(Transferor)

(2) Shri Sunil Kumar Shri Desh Raj R/o B-2/3, Ashok Vihar Phase-II, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/3rd share undivided Property No. 3188 (New) & 290 (Old), Situated in Gali Suiwali, Mori Gate Delhi, measuring about 170 sq. yds.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 16-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/909.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property naving a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing No.

RS. 1,00,000/- and bearing No.

Property donated by Municipal No. 686, Zone 14, Chowk'
Bara Tooti, Sadar Bazar Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been registered under the Registration Act, 1908) (16
of 1908) in the Office of the registering Officer at

New Delhi on April 1985

New Delhi on April, 1985 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transies with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---95-356 GT/85

 M/s. Indo Foreign Commeteial Agency (Produce) Pvt. Ltd., 22 Hanuman Road, New Delhi through its Managing Director. Saidar Igbal Singh S/o Sardai Arjun Singh,

(Transferor)

40945

M/s. Inder Mal Bishambar Sahai, Partners (1) Shti Bishambhar Sahai S/o Shri Inder Mal

(2) Shri Ramesh Chand Gupta S/o Shri Inder Mal

(3) Shri Dhuru Parshad S/o Shri Inder Mal (4) Shri Ram Lal Guota S/o Shri Bishamber Sahai. 685, I. B. House, Chowk Bara Tooti,

Sadar Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

First, second and third floor of the property denoted by Municipal No. 686, Zone 14, Chowk Bara Tooti Sadar Bazar, Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi

Date : 16-10-1985

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACOUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14- \ ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/910.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Fs. 1,00,000/- and bearing No. Property donated by Municipal No. 687. Zone 14, Chowk

Bara Tooti, Sadar Bazar Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follows ing persons, namely :--

(1) M/s. Indo Fore.gn Commercial Agency (Produce) Pvt. Ltd., 22 Hanuman Road, New Delhi through its Managing Director. Sardar Igbal Singh S/o Sardar Arjun Singh.

(Transferor)

(2) M/s. Inder Mal Bishambar Sahai, Partnets (1) Shri Bishambhar Sahai S/o Shri Inder Mal

(2) Shu Ramesh Chand Gupta

5 'o Shri Inder Mal

(3) Shri Dhuru Parshad

S/o Shri Inder Mal (4) Shri Ram Lal Gupta S/o Shri Bishamber Sahai,

685, I. B. House, Chowk Bara Tooti, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

First, second and third floor of the property denoted by Municipal No. 687, Zone 14. Chowk Bara Tooti, Sadar Bazar, Delhi.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range-II New Delhi

Date: 16-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACOUISITION RANGE-II. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/3-85/911.—Whereas, I, VASUDEVAN,

being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269B of the as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Municipal No. 688, Zone, 14, Chow Bara Tooti Sadar Bazar Delbi

that more fully described in the schedule annexed hereto) has been registered under the Registration Act, 1961 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Indo Foreign Commercial (Produce) Pvt. Through its Managing Director, Sardar Iqbal Singh S/o Sardar Ariun Singh, 22-Hanuman Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Inder Mal Bishambar Sahai partnership firm M/s. Inder Mal Bishambar Sahai pa
(1) Shri Bishambhar Sahai
S/o Inder Mal
(2) Shri Shri Ramesh Chand Gupta
S/o Inder Mal
(3) Shri Dhuru Parshad
S/o Inder Mal

(4) Shri Ram Lal Gupta S/o Shri Bishambhar Sahai

685, I. B. House, Chowk Bara Tooti,

Sadar Bazar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Property denoted by Municipal No. 688, Zone, Chowk Bara Tooti, Sadar Bazar, Delhi,

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi

12a's : 16-10-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/912.—Whereas, I, K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 26910 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing No.

Property donated by Municipal No. 689 Zone 14, Chowk

Bara Tooti, Sadar Bazar, Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April, 1985

an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income againg from the transfer; معارضه

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lance of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) M/s. Indo Foreign Commercial Agnecy (Produce) Pvt. Ltd. 32, Hanuman Road, New Delhi through its Managing Director. Sardan Iqbal Singh Sardar Iqbal Singh Sardar Arjun Singh,

(Transferor)

(2) M/s. Inder Mal Bishambar Sahai Partners (1) Shri Bishambar Sahai S/o Inder Mal (2) Shri Ramesh Chand Gup'a S/o Shri Lnder Mal

(3) Shri Dhuru Parshad

S/o Shri Lnder Mal (4) Shri Ram Lal Gupta

S/o Shri Bishambar Sahai,

685. I. B. House, Chowk Bara Tooti, Sadar Bazar,

Delhi...

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used horein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

First, Second and Third Floors of the property denoted by Municipal No. 689, Zone 14, Chowk Bara Tooti Sadar Bazar Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi

Date : 16-10 1985

### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/3-85/913.--Whereas, I, K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the (noome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the ammovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property donated by Municipal No. 690 Zone 14 Chowle

Property donated by Municipal No. 690 Zone 14, Chowk Bara Tooti, Sadar Bazar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tully stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Indo Foreign Commercial Agnecy (Produce) Pvt. 1.td, 32, Hanuman Road, New Delhi through its Managing Director. Sardar Iqbal Singh, Sardar Arjun Singh.

(Transferor)

(2) M/s. Inder Mal Bishambar Sahai Partners (1) Shri Bishambar Sahai S/o Inder Mal

(2) Shri Ramesh Chand Gupta S/o Shri Luder Mul

(3) Shri Dhuru Parshad S/o Shri Lnder Mal (4) Shri Ram Lal Gupta S/o Shri Bishambar Sahai, 685, I. B. House, Chowk Bara Tooti,

Sadar Bazar, Delhi.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

First, Second and Third Floors of the property denoted by Municipal No. 690. Zone 14, Chowk Bara Tooti, Sadar Bazar Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi

Date: 16-10-1985

(1) J. K. Chemicals Ltd.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kalpak Development Corporation.

(Transferee)

(4) Lien of vendor for unpaid price.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. **BOMBAY** 

Bombay, the 11th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5839/85-85.--Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

Piece of Parcel of Govt. Leasehold land Wadala (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at at Bombay on 20-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Compter

- (a) Applitating the reduction or evasion of the Hability sul the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meomo arising from the transfer; and /or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1937);

### THE SCHEDULE

Piece or Parcel of Govt. Leasehold land Ravli Hill Agar, Salt Pan Division, Sheikh Misri Road, Wadala, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Sr. No. AR-I/37EE/6445/84-85 dt. 4-3-1985.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 11-11-1985

Scal:

#### FORM ITNS ----

IOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/6034/84-85.—Whereas, I,

N. DUBEY, reing the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred o as the 'said Act'),

ave reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding

ts. 1,00,000/- and bearing No.

lat No. 112, Somerset House B. D. Road.
and more fully described in the Schedule annexed hereto),
as been transferred and the agreement is registered under ection 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at 30mbay on 20 3-1985

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property E3 aforesaid exceeds the apparent conuderation therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such ransfer as agreed to between the parties has not been truly tated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Shii V naychandia U. Shah.

(Transferor)

(2) 1 Shii Ashok Kumat Dugar

Smt. Bimla Dugar
 Shii Vipinkumai Dugar
 Shii Vinod Kumar Jain.

(Transferee)

(3) Shii Ashok Kumar Jain & Others. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in w u, to the outersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 112, 11th floor, Somerset House 61-C, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I. Bombay under Sr No. AR-I/5721/84-85 dt. 20-3-1935.

> P. N. DUBEY Competent Authority T-counting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Act Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-11-1985

FORM ITNS----

(1) Lady Frainy Dhunjibhoy Bomanji.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Frainy E. Palia.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-I/37EE/5997/84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. E/2, Palacimo Bombay-26. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-3-1985

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons proceedings. ing persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

E/PLANATION; —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. E/2, Palacimo, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Sr. No. AR-I/ 37EE/6361/84-85 dt. 4-3-1985.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 7-11-1985

FORM ITNS----

(1) Mrs. Mary Baneriee.

(Transferor)

NOTICE, UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sushitra Chakrabarti.

(3) Transferee.

(Transferee) (Person in occupation of the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-1/3711/5859 84-85.—Whereas, I, P. N. D<sup>1</sup>/BFY, bains the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immov-Rs. 1.00 000/- and bearing No.

Hat No 53. Vaibhay Apts. Dadar (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Act, 1961 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 12/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than bluen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(F) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pulposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 53, 5th floor, Vaibhav Apts., Opp. Agar Bazar Munic pal Market Dadar, Bombay-28.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under St. No. AR-I/ 37EF/5566/84-85 dt. 12-3-1985.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person: namely :---96-356 GI/85

Date: 7-17-1985

Seat :

FORM I.T.N.S.-

(1) Kamal H Kothari

(Transferor)

(2) 1 Nirmalo S Pherwani 2 Shanu S Pherwani

3 Suvida Investment Company Pvt Ltd

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 143 OF 1961)

(3) Britania Industies Limited

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref No AR-1/37EE/6031/84 85 -Whereas, 1 P N DUBFY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding

Rs 1 00,000/- and bearing No Flat No 24A, Meher Apts situated at Bombay-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 4 3 1985

for an apparent consideration which is less than the fair mulet value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

### THE SCHEDULE

Flat No 24A, 2nd floor, Meher Building situated at Anotey Road opp Altamount Road, Bombay-26

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquirition Range-I Bombay, under Sr No AR-1/37FF/6362/84 85 dt 4-3-1985

P N DUBFY Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons namely '--

Date: 7-11 1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGL-I, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Rel. No AR-1/37EE/5807/84-85.—Whereas, I P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing that No 3, Rockdola situated at Malbar Hill (and more fully described in the Schodule county).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority nt Bombay on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration was that the fair market value of the property as and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proper y by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely -

(1) Sh. Minockeher Firozasha Leteen

(Transferor)

(2) Hindustan Liver Ltd

(Transferce)

(3) Transferees

(Person in occupation of the property)

(4) Transferces

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 3, Roackdale, 16, LD Ruparel Marg, Maibar Hill Bombay-26.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under St. No. AR-I/5601/84-85 dt 4-3-1985.

P. N. DUBLY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tox Acquisition Range-I. Bombay

Date: 7-11-1985

Senl:

### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THAT INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

and college, where there we were the party of the college of the c

### POVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/6040/84-85.--Wheeas I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hareinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5, Manhar Oak situated at Malhar Hill

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subaction (1) of Section 269D of the said Act, to the followin persons, namely :-

(1) Mr. Kamal Kumar Kapur and Mı. Narinder Kapur HÜF

(Transferor) (2) Mr. Vijay Kapur

(Transferee) (3) The members of the Transferee family have been in occupation of the property.

(Person in occupation of the property) (4) Shri Vijay Kapur (Ind.) is one third owner of the premises.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said images able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

2/31ds undivided interest in Flat No. 5. Manhar Oak, Little

Gibbs Road, Bombay.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Sr. No. AR-1/37EE/6040/84-85. dated 20-3-1985

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Scal

Date: 11-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1985

Ref. No. AR-1/37EE/5951/84-85.—Whereas, I

P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
Bldg. No. 54-56A Tank Street situated at Bombay-8

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under the Competent Authority

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen-of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Latifa Bibi Alias Rabia Bibi D/o Gulam Hohiuddin W/o and Ebrahim Mohammed Kaskar

(2) Shri Usman A. Shaikhnag

(Transferor)

(Transferee)

(3) Tenants

(Person in occupation of the property)

(4) Shii Usman A. Shaikhnag (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Bldg. No. 54-56A, Tank Street, Bombay-8. The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Sr. No. 5627/ 84-85 on 4-3-1985.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-11-1985.

(1) Mrs Ratnabai Gopal Karandikai

(Transferor)

(2) Sion Vijayananda Co-op Hsg. Society Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION KANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Rct No AR-I 37EI /5212/84-85.--Whateas, I P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-Rs 1,00 000/- and bearing No.

Plot No. 267, Sion (E), Building standing & Garage situated at Sion

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 16-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition or the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No 267, Ston (E), schedule as mentioned in the Registered Deed No Bombay 681/77 and Registered with the Sub-Registered, Bombay 16-3-1985

P. N DUBEY

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in trate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

Date: 7-11-1985

# FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION PANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1985

Ref. No. AR-J/37 $\Gamma$ F /5213 84-85.--Whereas, IP N. DUBFY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
All that piece or parcel of Foras I and, Old Survey No. 597 &

All that piece or parcel of Foras Land, Old Survey No. 597 & New Survey No. 3443, situated at lying and being Delisle Road, CS No. 2028 of Byeulla Division situated at Byeulla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trensferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the rearties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor.

1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Saifuddin Alibhai Lokhandwala

2 Shabbu Alibhai Lokhandwala

3. Zaitunbai Alibhai Lokhandwala

4. Shirinbai A. Lokhandwala 5. Jarabar Alibhar Lokhandwala

6. Nafi abar Alibhai Lokhandwala

(Transferor)

(2) Manish Exports Pvt Itd

(Transferee)

(3) 1 mints

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom 2264/82, and registered on 19-3-1985 with the Sub-registrar, Bombuy.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the appresent property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 6th November 1985

Ref. No. 1/March/85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

No. 89, Venkatesa Perumal Koil St., situated at Palanipet,
Arakonam Town

Arakonam Town (and more fully described in the scheduled annexed hercto) has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at J.S.R. II, Arakonam (Doct. No. 459/85) in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the action and transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art 1 bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

(1) Sn.t. R. Sunder, ammal & Others, Door No. 33, Venkatesa Perumal Koil Street, Falanapar Arakonam

(Transferor)

(2) Sri D. Kaonappa Chetty, S/o Luraiswamy Chetty, Door No. 13, Venu Naidu St., Arakenam Town, Palanipet.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by no, other person interested in the said immediate property within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 89, Venkatesa Perumal Koil St., Palanipet, Arakonam Town.

S.R.O., Arakoram. Doct. No. 459/85.

MRS. M. SAMEUTE Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Madras-600 006

Date • 6 11-85 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 6th November 1985

Ref. No. 2/March/85.—Whereas, I MRS. M. SAMULL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 19/1, Perumoochei Village situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at

J.S.R. Arakonam (Doct, 257/85) in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay but index the said Act, in me arising from the transfer; ect of any lai
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-97-356 GI/85

(1) Kivjee Devjee Patel, 6, Sakthı Saw Mills, Gandhi Road, Arakonam.

(Transferor)

(2) 1. Rathanki D. Patel, Kivjee D. Patel, Sons of Devki Patel No. 7, Jeeva St., West Mambalam, Madras.

2. Mavice D. Patel and Mohanlal M. Patel, Sons of Metiji Patel,

No. 11, Kalathiyappar St., Choolai, Madras. 3. Rathanki V. Patel and Kivjee V. Patel, Sons of Leerjee Patel, 13, Venugopala Pillai St., Chidambaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforeaaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gusette.

EXPLANATION: —The terms and expressions user herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCREDULE

Vacant land at R.S. No. 19/1, Perumoochi Village. J.S.R.J., Arakonam. Doct. No. 257/85.

> MRS. M SAMEUL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-11, Madray-600 006

Date: 6-11-85

Soal :

(1) Sulochanambal & Others, Muchiri, Trichi Dist.

(Transferor)

(2) Smt. Dhanapagyammal and Sri T. Arunachalam, Vadugam Village, Rasipuram Talku. Salem Distt.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 6th November 1985

Ref. No. 14/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, Ref. No. 14/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have 'reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Survey No. 263/2, Namagirijettai Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 ot 1908) in the Office

of the Registering Officer at Namagiripettai (Doct. No. 309/85 and 311/85) on March

85)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural lands in Survey No. 263/2, 271/1A, 272/3 at Namagiripettai, Salem Dist S. R. O.Namagiripettai Doct. No. 309/85 and 311/85.

> MRS. M. SAMUFL\* Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-11-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 6th November 1985

Ref. No. 15/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 212/1, Karkooaldpatty

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the Conce of the Registering Officer at Namagiripettal (Doct. No. 316/85) on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trunsfer; respect and/or ect of any
- (b) facilitating the concealment of any income or any memory or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fellowing persons, namely :---

(1) M. P. Kasichety & Other, S/o Padmanabha Chettiar, Attru Taluk and Town, Salem

(Transferor)

(2) P. Nalla Muthu and Other, Son of Periyasamy Gounder, Garkoodalpatty Village, Rasipuram Taluk, Salem Dist.

(Transferee) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricuttaral land in Survey No. 212/1 at Carkoodalpatty Village, Rasipuram Taluk, Salem Dist. S.A.O. Namagiripettai Doct. No. 316/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madres

Date: 6-11-1985

# NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# W/o V. R. Majappa Gounder, Turuchengode Taluk and Town.

(Transferee)

(Transferor)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 6th November 1985

Ref. No. 16/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

R. S. No. 314/1, 314/3, 315/1, 315/2, 313/1, Omalur

Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at Omalur (Doct. No. 324/85) on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-parties has not been truly stated in the said instrument of said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent sensideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(1) Shri P. Chinnappan & Others S/o Pavadai Gounder, Omalur Village,

Omalur Taluk and Town.

(2) Smt. M. Palaniammal,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, i respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

### THE SCHEDULE

Agricultural lands in Survey Nos. 314/1, 314/3, 315/1, 315/2 313/1 at Omalur Village.

S. R. O., Omular Doct No. 324/85

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-11-1985

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madias-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 24/March/85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.5. No. 94/6B1, 95/1C/95/2C, situated at Annathanapatty,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Tadagapatty (Doct. No. 736 '85 and 975/85)

on March 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1927);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Sii M. Natarajan and Other, S/o Manickam Pillai, No. 21, Main Road, Annathanapatty, Salem Town.

(Transferor)

(2) Smt. A. Swayam, 273, Chinna Kadai Street, Salem-1.

(Transferee)

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at Survey Nos. 94 '6B1, 95/1C and 95/2C, Annathanaratty Village, Salem Taluk and Dist. S.R.O. Tadagapatty Doct. No. 736/85 and 975/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 6-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri M. P. Sengodaiyan & Others, S/o Periyasamy Gounder, Modakurichi Village, Erode Taluk, Periyar Dist.

(Transferor)

(2) Sri V. K. Palanisamy & Other, S/o Karuppanna Gounder, Ramanujapuram, Mani Vizhunthan Village, Attur Taluk, Salem Dist.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 31/March/85.—Whertas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority und

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

situated at Manivizhunthan Village. No (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thalaivasan (Doct. No. 224/85) in March 1985, for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason

to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration taerefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

> by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land at Manivizhunthan Village, Attur Taluk, Selem Dist.

S.R.O. Thalaivasal Doct. No. 224/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-11-1985

#### FORM LT.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 40/March/85.—Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the histome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 267/7, 269/2 and 454/3 situated at Vazhavandhistombai Village.

kombai Village.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer Sendamangalam (Doct. No. 315/85) in March 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consinderation theregfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any income moneys or other assets which have not because which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Westb-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Sri Balasubramani Udaiyar, S/o Subbaraya Udaiyar, Jungalapuram West Street, Sendumangalam Post, Salem Dist. Pincode: 637409,

(Transferor)

(2) Sri S. Iyyamperumal. S/o Sellamuthu Udaiyar, Jungalapuram, Sendamangalam Post, Salem Dist Pincode: 637409.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land in Survey No 267/1, 269/2 and 454/3 at Vazhavandhikombai Village, Salem Dist.

S.R.O. Sendamangalam Doct. No. 315/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the efercised property by the issue of this notice under resection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, manely !--

Date: 6-11-1985 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 43/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 60/1, 61/3, situated at Amani Thottiapatti Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registraion Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rasipuram (Doct. No. 392 85) in March 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fan market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sri . Athiyappa Gounder & Others, S/o alanivel Gounder, Singalandapuram Village, Rasipuram Taluk, Salem Dist.\*

(Transferor)

(2) Sri K. Rajagopala and Other, S/o Karuppa Vannan, Vaiguntham Village, Kalleri, Sankagiri Taluk, Salem Dist.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural lands in Survey Nos. 60/1, 61/3 at Molapalayam Village, Salem Dist.

S.R.O. Rasipuram Doct. No. 392/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authoric
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 6-11-1985

Scal :

### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 45/March/85.—Whereas, I, MRS. M, SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. No. Survey No. 38/2B situated at Anaikattipalayam Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering officer at Rasipuram (Doct. 397/85) in March 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons namely:—
98—356 GI/85

(1) Sri K. Athiyappa Gounder & Other, S/o Komaravel Gounder, Gurukkapuium Village, Kalarangadu, Rasipuram Taluk, Salem Dist.

(Transferor)

- (2) 1. Sri M. Subiamaniam, S/o Maimuthu Gounder,
  Maraparat, Vaiyuppamalai Pudur,
  Tinahanada Taluk Salam Dist
  - Tiruchengode Taluk, Salem Dist.

    2. Sri k. Subramaniam, S/o Kandasamy Gounder, Nadupalayam, Nagatalayam, Tiruchengode Taluk, Salem Dist
  - Sri R. Balasubramaniam, S/o Late Ramasamy Gounder, Pallangadu, Vaiyappamalai, Tiruchengode Taluk, Salem Dist.
  - 4. Sri A. K. Raman, S/o A. P. Kulandaivel Gounder, Avanasipatti, Tiruchengode Taluk, Salem Dist. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural lands in Survey No. 38/2B at Anaikattipulayam Village, Salem. S.R.O., Rasipuram Doct. No. 397/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11, Madras-600 006

Date: 6-11-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 47/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 4/2 situated at Amani Thottiapatti Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at. Rasipuram (Doc. No. 404/85) in March 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tag Act, 1922 (11 of 1922) or the wald Act. or the Wealth-tag Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri R. Chinnu Gounder and Others, S/o Ramasamy Gounder, Amani Thottiapatti Village, Rasipuram Taluk, Salem Dist.

(Transferor)

(2) Sri K. Kandasamy, S/O Karuppanna Gounder, Orbyeckadu. Thottiapatti, Rasipuram Taluk, Salem Dist.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural lands with Farm House in Survey No. 4/2 at Amani Thottiapatti Village, Salem. S.R.O., Rasipuram Doct. No. 404/85. \*(Strike off where not applicable).

MRS. M. SAMUEI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of section 26% of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suk section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-11-1985

Scal:

# FORM LT.N.S.—— (1) Smt. M. K

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. M. Kokila and Others, Thammampattı Post, Attur Taluk, Salem District.

(Transferor)

(2) Minors T. M. Anandan and T. M. Manohar, S/o A. Muthu, By guardian: A. Muthu, S/o Alagappan, Thammampatti, Attur Taluk, Salem District.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 00

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 57/March/85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing R.S. No. 205/2, 205/1 and 139/2 situated at Thammampatti

R.S. No. 205/2, 205/1 and 139/2 situated at Thammampatti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Thammampatti (Doct. No. 169/85) in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by main than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural lands in Survey No. 205/2, 205/1 and 139/2 at Thammampatti Village. Attur Taluk, Salem Dist.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S.R.O., Thammampatti, Doct. No. 169/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 00

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 59/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 293/2A situated at Mohanur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mohanur (Doct. No. 149/85) in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) factinating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Sri Abdul Kader Sahib,
 S/o Razul Sahib,
 Mohanur, Salem District.

(Transferor)

(2) Sri Babu (alias) Dowlath Basha, 113, Subramaniapuram, Mohanur Post, Namakkal Taluk, Salem District.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building in Survey No. 293/2A at Mohanur Village, Namakkal Taluk, Salem District.

S.R.O., Mohanur, Doct. No. 149/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 6-11-1985

Seal,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 63/March/85.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey Nos. 207/1K, 207/1B, 207/1B, 207/1M, 207/1N situated at Gajagombai Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Unicer at Frumaipatti (Doct. No. 248/85) in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

 Sri Muthu Gounder, S/o Athyappa Gounder, Gajakombai Village, Pottireddipatti Post, Namakkal Taluk, Sulem District.

(Transferor)

(2) Sri P. Komaresan, S/o Perianna Gounder, Gajakombai Village, Pottireddipatti Post, Namakkal Taluk, Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land with Fatm House in Survey No. 207/1K, 207/1B, 207/1Q, 207/Y, 206/10, 206/6, 207/1M, 207/N at Erumaipatti Village, Namakkal Taluk, Salem District. S.R.O., Erumaipatti, Doct. No. 248/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri M. S. O. Chockkalingam & Other, S/o. M. S. Udaiyappa Chettiar, No. 14, Sahadevapuram, Salem-7.

(Transferor)

(2) Sri P. R. C. Govindarajan & Other, S/o P. Ranganatham Chettiar, No. 41A, Surnambigai Street, Salem Town.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 71/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing R.S. No. 153/2A situated at Yercaud Village, Yercaud

Taluk Salem

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Yercaud (Doct. No. 65/85) in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-heve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

### THE SCHEDULE

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian theorem-tax Act, 1922. It of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Land and Building in R.S. No. 153/2A at Yercaud Village, Yercaud Taluk, Salem District. S.R.O. Yercaud, Doct. No. 65/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 6-11-1985

### PORM ITNS

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Rcf. No. 75/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (haveinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. S. No. 40/1, 40/2, 41/1, 53/4, 53/2 situated at Periasecragapadi Village, Salem (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Veerapandi (Doct. No. 350/85) in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeasit presently, and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);  Sri S. Subramani and Others, S/o Sengoda Gounder, Periaseeragapadi Village, Salem Taluk and District.

(Transferor)

(2) Smt. D. Perumayee, W/o Duraisamy, Periyasecragapadi Village, Salem Taluk and District.

(Transferee)

Objections, if any, to the nequisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION !—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land in S. No. 40/1, 40/2, 41/1, 53/4, 53/5, 53/2 at Periyaseeragapadi Village, Salem Taluk and District. S.R.O., Vcerapandi, Doct. No. 350/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the amountain of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the "wilewing persons, namely:—

Date: 6-11-1985

### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 172/Merch/85.—Whereas, I,

MRS. M SAMUEL,

being the Connectent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having

Rs. 1.00,000/- and bearing
No. 127/2B3, 127/2B4, 127/2B2 situated at Aavalnaickenpatty Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer

at Sendamangalam (Doct. No. 421/85) in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than office a new sent of such appurent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer (it) the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast, in respect of any income arising from the transfers mad/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Karuppa Gounder and Other, S/o Katuppe Gounder, Komaragoundampatti, Aavalnaickenpatti Village, Sendamangalam, Salem District.

(Transferor)

(2) Smt. P. Subbulakshmi, W/o late Palanand Gounder, Komaragoundampatti, Aavalnaickenpatti Village Sendamangalam, Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions In as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural lands in S. No. 127/2B3, 127/2B4 and 127/2B2 at Aavalnaickenpatti Village, Salem.

S.R.O. Sendamangalam, Doct. No. 421/85.

MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ma Iras-600 00

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-11-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 173/March/85.—Whereas, I,

Ref. No. 173/March /85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Survey No. 29/3 situated at Chidamparapatti Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

nas been transferred under the Registration Act, 1908 (18 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sendamangalam (Doct. No. 354 \*85) in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by a fifteen par core of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Seal:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-99-356 GI/85

(1) Sri A. Jagannathan S/o Sh. Arumugan Chettiar, Managing Parter in Rajamurugan Finance, Tiruchengode Main Road, Namakkal Town.

(Transferor)

(2) Smt. D. Saraswathy, W/o Sh. Dharmalingam Chettiar, 18D2, Karungattu Palanichany St., Adhiseshaiynagar Pettai, Namakkal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chap

# THE SCHEDULE

Land and Building in Survey No. 29/3 at Chidamparapatti Village, Salem.

S.R.O., Sendamangalam Doct. No. 354/85. Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15250/84-85 on 1-2-1985.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IT Madras-600 006

Date: 6/11/1985

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 177/March/85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the (ompetent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred te
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/Rs. 1,00,000/- and bearing
T. S. No. 1/14, Ward C, Block 1 situated at Alagapuram,
Salem Taluk and Dist.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Suramangalam (Doct No. 618/85) in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for

(b) facilitating the concealment of any moome et any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri S. Sundararajan, S/o Sh. S. S. hanmugam, Ramakrishna Road, Salem-7.

(Transferor)

(2) Sri Mohan Rajes, S/o S h. M. S. P. Rajes, Moganad Peak Estate, Mangala Village, Yercaud, Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as any defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land in T.S. No. 1/14, Block 1, Ward C at Alagapuram Village, Salem Taluk and Dist. S.R.O., Suramangalam Doct. No. 618/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IF
Madras-600 006

Date: 6/11/1985

Soal:

(1) Sri M. Thangavel & Others, S/o Marimuthu Mudaliar, Manickkavasagar Street, Salem Town.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> **ACQUISITION RANGE-11** MADRAS

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 175/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T.S. No. 1/21C, 1/25, 1/27, Block 2, Ward C situated at Alagampuram Pudur Village, Salem Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer.

1908) in the office of the Registering Officer

at Suramangalam (Doct. No. 610 and 611/85) in March.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(Transferor)

(2) Smt. K. Deivanai Achi & Other W/o Sh. A. M. A. MR. PL. Kulandaivelu Chet iar, Lakshmi Estate, Puthur Village, Keeraikadu Post, Yercaud Taluk, Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) sacilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

Land and Building in T. S. No. 1/21C, 1/25, 1/27, Block 2, Ward "C" at Alagapuram Pudur Village, Salem Town.

S.R.O., Suramangalam Doct. Nos. 610 and 611/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 6/11/1985

### POST THE

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF IMDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 34/March/85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the inamovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing.
Old Ward No. 12, New Ward No. 15, Plot No. 2 No. 56, 57
situated at Rajaannamalai Chettiar Road, Sanganoor Village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Gandhipuram/Doc. No. 1425/85 in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the axid Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri K. Vaidyanathan S/o Sh. O. S. Krishansamy lyer, 15/0, C/15-Side No. 1, Raja Annamalai chettiar Road, Saibaba Mission, Coimabtore-11.

(Transferor)

(2) Smt. R. M. Adaikammal W/o Sh. G. Ramasamy, 57, Meenakshipuram Road, Arimalam, Pudukkottai District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person intertated in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building: No. 56, 57, Rajaannamalaichettiar Road, Sanganoor village.

Gandhipuram/Doc. 1425/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authorit.
Inspecting Astt. Commissioner of Income-state
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 29-10-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 4th November 1985

Ref. No. 43/March/85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-Rs. 1,00,000/- and bearing T.S. No. 1014 Door No. 11/409 situated at Mettupalayam,

Coimabtore Taluk

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 933/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruction of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or eventon of the ligh of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be distioued by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

(1) Srl. P. Subbiah, S/o Sh. Palaniappa Chr., 27/409, Mettupalayam Road, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri SP. N. Nagappa chettiar. S/o Sh. Subbiah chettiar. 2. Smt. SP. N. Saraswathi Achi, W/o Sh. Nagappa chettiar, 3. Sh. Sundaram, 4. N. Ramanathan. both sons of No. 1, 60, East Logamanya St., R. S. Puram, Colmbatore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building: Mettupalayam Road, T. S. No. 1014 Door No. 11/409, Coimbatore.

Coimbatore/Doc. No. 933/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 4-11-1985

Scal :

### FORM FINE-

(1) M/s. Vinayak Constructions Pvt. Ltd., Kanhayal Savaldas Director, 250, Subbiah Mudaliar St., Coimabtore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Suguna Authmobiles Partners,

S. Pennuswamy
1. R. Sivakumar,
2. 77 Nehru Stadium VOC Park, Coimabtore.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Mardas-600-006, the 29th October 1985

Ref. No. 47/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Anupparpalayam Village: T.S. No. 1/919/1 part situated at

Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimabtore/Doc. No. 1079/85 in March, 1985 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any or the latteressia persons which a persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: T. S. No. 1/919/1 part, Anupper-palayum Village, Coimbatore Town. Coimbatore/Doc. No. 1079/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2600 of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 29/10/1985

Scal:

### PORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT GOMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 61/March 85.—Whereas I,
MRS, M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hardnafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
39 to 54, Block No. 30, R. S. Nos. 344 and 358
situated at Melur III Village, Coonoor taluk
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
COONOOR/Doc. No. 346/85
in March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evaluate of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monoys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri P. C. Joshuae, Rep. by Power Agent, Mr. T. J. Cherian, Toppil House, Muppainad, Wynad district, Kerala state.

(Transferor)

(2) M/s. Shriram Coffee and Tea Plantations, (P) Ltd., Rep. by its Promotar-Director, Mr. A. V. S. Raja, No. 123, Angappa Naichen St., Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land with Buildings:—
Door Nos.39 to 54, Block No. 30, R. S. Nos. 344 and 358,
Melur III village, Coonoor taluk,
Coonoor village/Doc. No. 346/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Imspecting Assistant Commissioner of Income-tak
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, the pursuance of Section 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-10-1985

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 62/March 85.—Whereas I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
R. S. No. 2271/1A 2C 3A and R. S. No 2270/4
(and more fully described in the scheduled annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
COONOOR/Doc. No. 415/85
In March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exercing the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of consider with the object of :—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arbitus from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any anomeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Sri J. Kishorilal Parakh, son of late Jograj Parekh, 'Gyan Villa', Mount Pleasant Road, Cooncor-2.

(Transferor)

(2) Dr. George Mathees and another. 'Woodcote Cottage', Mount Pleasant Road, Coonoor-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the asquisition of the said property be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aferceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land:
R. S. No. 2271/1A 2C 3A and R. S. No. 2270/4:
Coonoor/Doc. No./415/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge-II, Madres-600 006

Date: 29-10-1985

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE ENSPECTING ASSITT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 63/March 85.-Whereas I, MRS M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. "Town View", Nolgiris

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor/Doc. No. 480/85

in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid ex eeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arking from the transfer-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Ast, 1957 (27 of 1937);

(1) Lucy Kochuvareed, W/o.Late T. V. Kochu Vareed, Erincheri Bazaar, Trichur, Trichur Dt. Kerala.

(Transferor)

(2) E. J. VARICHAN alias VARGHESE, S/o. E. M. Joseph, "Town view", Coonoor, the Nilgiris.

(Transferce)

Objections, if ear, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

TOWN VIEW'

Land and Building: The Nilgiris: Cooncor. Coonoor. /Doc. No. 480/85.

> MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---100---356GI/85

Seal:

Date: 29-10-1985

- Periodical and a defense of the Contraction of th

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th October 1985

Ref. No. 67/March 85.—Whereas I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No.

Property as specified in schedule to Doc. No. 503 and 505/85 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Darapuram/Doc. No. 503 and 505/85

in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri Ramdoss and others,
 S/o. Sri Venkatarama Reddiar. Dalavaipattinam,
 Gaspa—Dharapuram Taluk.

(Transferor)

(2) 1. Sr<sub>1</sub> R. Kumpusamygonuder, S/o, Ramasamygounder,

2. Sri Arumugam, Minor, by guardian and mother, Smt. Velathal, Undarapatti, Kongur, Kongur,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property as specified in schedule to Doc. No. 503, 505/85. Darapuram/Doc. No. 503, 505/85.

MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 4-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madrae-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 70/March 85.-Whereas I,

MRS M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinetter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair masket value emecting

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Ward No. 5, T. S. No. 36/2, Gaspa Pollachi Thiruppur,

situated at Pollachi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pollachi Doc. No. 620 652/85 in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preparty as aftermid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tealitating the reduction or evenion of the Midfilly of the transferor to pay ten under the said. And in respect of any income arising from the manufor; andjor
- (b) facilitating the concentraent of any income or any receives or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tex. Ast, 1928, (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely:-

(1) Smt. M. Rasheeda Begum, W/o.Dr. A. Sheik Dawood, Vallalar St., Venkatesa Colony, Pollachi.

(Transferor)

(2) Sri A. Krishnaraj, S/o. Arumugakkounder, 6, Sarojni St., Mahalingapuram, Pollachi. Smt Valarmathi, W/o. A. Krishnaraj, 6, Sarojini St., Mahalingapuram, Pollachi.

(Transfere )

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovements able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPEANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Land and Building:—
Ward No. 5, T. S. No. 36/3, Gasna Pollachi. Pollachi. Thiruppur, Pollachi.

Doc. No. 620, 652/85.

MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ty Acquisition Range-11, Madras-600 006

Date: 29-10-1985

Scal 1

### FORM I.T.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOMERTAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

#### GOVERNIMMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 72/March 85.-Whereas I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property as specified in schedule to Doc. No. 854/85 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharapuram/Doc.No, 854/85

in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by he transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Sri A. S. Badulhak, S/o. Sarulhameed, Alangayam.

(Transferor)

(2) Sri S. Sarulhameed, S/o. Abdul Salam, R. S. Thangammapuripattanam, Mettur,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Land: Property as specified in schedule to Doc. No. Dharapuram/Doc. No. 854/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madvas-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 29-10-1985

Scal 4

(1) M/s. Liju Thomas Trust, Wood stock Palace, Ootacamund.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 M/s. Hotel Orunate (Nilgiris) P. Ltd., 310, Veer Savarkar Marg, Bombay-28.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madias-600 006, the 29th October 1985

Ref. No 79/March 85.—Whereas I, MRS, M. SAMUEL, eing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred o as the 'said Act') have reason to believe that the immovible property, having a fair market value exceeding \( \frac{1}{2} \), 1,00,000/- and bearing No. \( \frac{1}{2} \) S No 479/17, Ootacamund village

R. S. No. 479/17, Ootacamund village ituated at Uthagamandalam/Doc. No. 218/85 and more fully described in the Schedule annexed hereto) as been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 908) in the office of the Registering Officer at 20tacamund/Doc. No. 218/85

n March 1985
on an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason o believe that the fair market value of the property as iforested exceeds the apparent consideration therefor by note than fifteen per cent of such apparent consideration mutualist the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrunent of transfer with the object of:

—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/os

(to) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asser which have not been or which ought to be declessed by the transferes for the purposes of the ladian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building; R. S. No 479/17, Ooacamund Rural Village,
Ootacamund/Doc. No. 218/85

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-that Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:—

Date: 29-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 81/March 85/R.II.-Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Agrl. dry lands, Kondayyampalayam village situated at Perianaickenpalayam, Colmbatorc Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Perianaickenpalayam, Coimbatore, Doc. No. 509 & 510/85 SF. No. 123/3, in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of granter with the object of:—

(a) fucilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and loc

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Thiru A. Venkataswamy Naidu Vaiyampalayam, Kondayyampalayam. Thirumathi V. Sasikala,

No. 1, G. D. Naidu St., Race Course, Combatore.

(Transferor)

 M/s. Maharashtra Hybrid Seeds Co. Ltd., 19, Rajmahal, 84, Veer Nariman Road, Bombay-400 020.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the and Act, shall have the same meaning as given in that

# THE SCHEDULE

Agricultural lands: SF No. 123/3, Kondayyampalayam, Perianaickanpalayam, Coimbatore.

Perianaickenpalayam, Doc. No. 509 and 510/85,

MRS. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 29-10-1985

### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 82/March 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 'Clifton House', Udhagamandalam, situated at Nilgiris (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ooty, Doc. No. 264/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

1908), in the office of the Registering Officer at Ooty, Doc. No. 264/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfe, with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act. in respect of any income arising from the transfer; and/ar

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Dr. N. B. Nanjappa, Smt. T. Jayammal, W/o Dr. N. B. Nanjappa, "Sakthi Clinic", Chennarayapattana, Hassan District, Kainataka State.

(Transferor)

(2) P. Karunakaran, Smt. C. V. Kamalakshi, P. K. Balakrishnan and K. Malathi, All at 'Narayani Nivas', Upper Kandal Road, Ooty, The Nilgiris.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land: R. S. No. 4188/2, 0.41 acre—with building 'Clifotn House' with building at Dos. 51 and 51B, Ward No. II, Ooty, Nilgiris.

Ooty, Doc. No. 264/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

rrow, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquirition of the aforesaid property by the issue of this notice under enteredion (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-. FAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 83 / March 85.-Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R. S. No. 6/3/8/3, 9/1, 227/1, 273/1, 465 Jackanarai Village, Kotagiri (Konavakorai, Nilgiris) situated at 273/1, 465 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ooty. Doc. No. 267, 268, 269 and 296/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; end|er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

- (1) 1. Sri J. Raman s/o Sri T. K. Joghee Gowder, 'Elkhill House', Spr/ngfiled, Cooncor.
  - 2. The Vice Province of the Congregation of the Carmelities of Mary Immaculate and Indegeneous Religious Body now known as The Mala-bar Province of the Congregations of Carmelities of Mary Immaculate St. Thomas Province, Provincial House, Amalapuri, Calicut.

(Transferor)

(2) Sri J. Ravi, Sri J. Suresh Ss/o T. K. Joghee Gowder, Jakanarai Road, Aravenu, Kotagiri, Nilgiris.

(Transferee)

one, if any, to the negatifities of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, Whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land: R.S. No. 6/3, 8/3, 6/3, 9/1, 273/1 and 465 Agrl. land. Jakanarai village, Kotagiri. Konavakorai village, Nilgiris.

Octy, Doc. No. 267, 268, 269 and 296/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 29-10-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madros-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 84/March 85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUFL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing No.

and bearing No. R.S. No. 273/3, Komyakorai village situated at Nilgiris (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ooty, Doc. No. 297/85 and 298/85 in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

ta) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any incorrect unising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any faceure or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the saint act. I freely initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

101—356GI/85

(1) The Vice Province of the Congregation of the Carmelities of Mary Immaculate and Indegeneous Religious Body now known as the Malabar Province of the congregations of Carmelities of Mary Immaculate, St. Thomas Province, Provincial House, Amalapus, Calicut, Kerala.

(Transferor)

 Mrs. J. Kannammal w/o M. Dharuman, Kearbetta, Nilgiris.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property. within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land: R.S. No. 273/3, 16.14 acres. Konnavakorai village, Nilgiris.

Ooty, Doc. No. 297/85.

MRS. M. SAMUFI Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 29-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madres-600 006, the 29th October 1985

Ref. No. 87/March 85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G.S. No 686/3, Kallappatti Village situated at Gandhipuram,

Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gandhipurum, Doc. No 943/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: **vod/or**
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sti R. Selvaraj s o Ramasamy Nadar, 7/42, Rangasamy Goundenpudur, Kalappati, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri Chinnasamy, s/o Gov.ndasamy Naicken 7/66, Rangasamy Goundenpudur, Kalappati, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land: G. S. No. 686/3, Kallappati Village, Gandhipuram, Coimbatore.

Gandhipuram, Doc. No. 943/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 29-10-1985

#### FORM LT.N.S.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, OFFICE OF

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madra, 600 006, the 29th October 1985

Ret No 130/March 85—Whereas, 1, MRS, M SAMUF1,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000/- and bearing No

Venkat ipuram village (Little mount) situated at comprised in T S No 2 part of Block No 4, Venkatupuram village situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908), in the Office of the Registering Office at Adayar, Doc No 660 and 661/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have remon to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the timbility of the transfer to may tax under the said Act, is respect of any income arising from the and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

(1) 1 Mrs Theresa Woodman. No 5, Velachen Road Saidapet, Madras. 2 Sii Louisa Mary Royan and Shanti

(2) M/s V.shwashanthi Builders. rep by its Managing partner A S. Owaragan, 12, 18th Avenue, Ashok nagai, Madras-83

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period on 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Caeztte

Explanation :- The terms and expressions used herein as are Jefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHFDULE

Venkatapuram village, (Little mount) T S No 2, (b) facilitating the concealment of any income or any Land Block No 4, Venkatapuram village Adavar Doc No 660/661/85

> MRS M SAMULI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

act, I hereby mitiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 29 10-1985 Seal.

### FORM ITNS....

(1) Sri C. Siyasankaran, 37/2, Vijayaraghayachari Road, T. Nagar, Madrus-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sti V. Sengottian, Lakkapuram Village, Periar District.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref No. 19/Mar. 85.—Whereas, 1, MRS M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 908, P. H. Road and 9A situated at Alagappa Chettiat Pressyred and Mylra.

Road, Puraswalkam, Madres.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1906 (10 of 1908), in the Office of the Registering Office at Puraswalkam Due, No. 508/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette..

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at 908 P. H. Road and 9A Dr. Alagappa Chettiar Road, Puraswalkam, Madras

THE SCHEDULE

Puraswalkam, Doc. No 508/85.

MRS M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 5-11-1985

### FORM IINS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACOUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 225/March 85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMULL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Lacome-wax Act. 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to an the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marktt value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Ward No. 6, No. 114, Vilot Vattam Kumbakonum siturced at Sringar Colony Extension, I.F. No. 2284, 2279/1 and 2283 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Tanjore, Doc. No. 479/85 in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bolleve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per vent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Sri V. R. Swaminathan,
 s/o. V. Ramusamy Pillai,
 Gandhi Adigal Salai, Kumbakonam.

(Transferor)

(2) Sir M. Kannan, s. o. R. Murugesan Pillar, Mathura Refinery, Mathura, U.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a nerted of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the rold immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette

EXPLANATION -- The terms and expressions used never as are defined in Chipter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (i) of 1937 (27 of 1957);

Land and Building: T.S. No. 2284, 2279/1 and 2283, Municipal Ward No. 6, No. 114, Vilot, Vattam, Srinagar Colony Kumbakonam, Thanjayur.

Thanjavur, Doc No. 479/85.

MRS. M. SAMUEI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 000

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the assist of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madres-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 103/Mar. 85/R. II.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

New No. 6 old No. 15 Pycrafts Garden situated at Road Nungambakkam, Madras-14

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Regiserting Officer

at Thousandlights, Doc. No. 85/1985 in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1932) or the said Act or the Weslin-ton-Act, 1957 (27 of 1937):

Shabir Ahmed Hashim,
 Jawahar Hussain Khan Street,
 Iane Royapettah,
 Madras-14.

(Transferor)

(2) Mis. S. M. A. Rahila and Another, 14, Commander-in-Chief Road, Egmore, Madias.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building: Old No. 15, New No 6, Pycrafts Garden Road, Nungambakkam, Madras, (Thousandlights, Doc. No. 85/1985.)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority & Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 5-11-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-I'AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 126/March 85,---Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
T. S. No. 108, Patta No. 65, 121 situated at Fkkattuthangal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of
1908), in the Office of the Registering Office
at Madras South, Doc. No. 636/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri E. Sundaresan and Others, No. 1, Chetty Street, Saidapet, Madras-15.

(Transferor)

(2) S.i S. Sanjivi and Others, No. 2, Sanjivi Ravan Koil Street, Cuddalore, S. A. District.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land: 121, Ekkattuthangal R.S. No. 951, T.S. No. 108, Patta No. 65.

Madras South, Doc. No. 636/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 5-11-1985

(1) S i A. M. Dastogir Baig, No. 1, Peters Road Madras-14.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sci 2. Sathyana ayanan and P Mani Kantan, minors, rep by B. P Jmanabhan,

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madias-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 127/March 85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961' (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable

projectly, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. 338, Anna Salai, Madras situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Madras South/Doc No 655/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trally stated in the said instrument of transfer with the elsiect of ...

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in whiting to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

Land and Building: T.S. No. 88, Block No. 10, Door No. 338, Anna Salai, Madras

Madras South, Doc. No. 655/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> MRS. M. SAMUEI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 2696 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the resue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-11-1985

(1) Smt. Gajalakshmi and Gopikambal, 8 Rakiappa Mudali St., Madras-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Tamil Nadu Central Excise and Customs Employees Coop. House Bldg. Society, Madras-34.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 131/March/85.—Whereas I, MRS. M. SAMUFL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value of Rs. 1,00,000 and bearing

Land situated at Adyar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Adyar, Doc. No. 712/85 in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days
  from the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ough: to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant land at Adayar (1.37 acres). Adyar, Doc. No. 712/85.

MRS. M. SAMUEI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
102--356GI/85

Date: 5-11-1985

### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 137/Mar. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4, Cresent Park Street situated at T. Nagar, Madras-17 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at T. Nagar, Doc. No. 364/85 in March, 1985

at T. Nagar, Doc. No. 364/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri P. K. Nandagopal and Others,
 Beseant Road, Chokkikulam,
 Madurai-1.

(Transferor)

Sri Shanthilal M. Mehta and another,
 Rajamannar Street,
 T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building No. 4, Cresent Park Street, T. Nagar, Madras-17.
(T. Nagar, Doc. No. 364/85.)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 5-11-1985

(1) Mr. Vinaykumar C. Parekh, 12, Jagadambal Street, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 138/Mar. 85.-Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing

No. 7, (Old No. 14) Arulammal Street, situated at T. Nagar, Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T Nagar, Doc. No. 370/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respest of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tex Act 1957 (27 of 1957)!

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(2) Mr. Chandrakant M. Tolia and another, 28, Vijayaraghava Road, T. Nagar, Madras-17.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of purchastion of this notice in the Official Gazette or - period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sai Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building No. 7, (Old No. 14) Arulammal Street, T. Nagar, Madras-17.

(T. Nagar, Doc. No. 370/85)

MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-11-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madrus-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 139/Mar. 85.-Whereas, I,

and bearing No. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000/- and bearing No.
T.S. No. 6120/2 situated at 57, Venkatanarayana Road, MRS. M. SAMUEL.

(an dmore fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Doc. No. 375/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per tent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly grated in the said instrucween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax usder the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for he purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I I weby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

(1) Smt. V. Ramani Bai and 4 others, Venkatanarayana Road, T. Nagar, Modras-17.

(Transferor)

(2) Smt. N. Savithri, 4, Smram Nagar North Street, Madras-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other verson interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building T.S. No. 6120/2, 57, Venkatenarayana Road, T. Nagar, Madras-17.

(T. Nagar, Doc. No. 375/85.)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 5-11-1985

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madias-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 140/Mar. 85/R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

T. S. No. 6120/2 situated at 57, Venkatanarayana Road, T.

Nagar Madias

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar Doc. No. 376/85 on March 1985

at 1. Nagar Doc. 100, 570705 on March 1965 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the iability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Smt. V. Ramani Bai & 40 thers, 57, Venkatanarayana Road, T. Nagar Madras-17.

(Transferor)

(2) Sri R. Narayanaswamy, No. 4, Sriram Nagar North Street, Madras-18,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Builidng at T. Nagar Madras No. 57, Venkatanarayana Road, Madras.

(T. Nagar Doc. No. 376/85)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 5-11-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 141/Mar. 85/R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

6, Venkataswamy Street, situated at T. Nagar Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar Doc. No. 384/85 in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-aid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or say meaning or other exsets which have not been ar which sught to be disclosed by the trunslesse for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1932) or the said Act, or the Wealth-tox Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herefy initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri S. Natarajan and five others Ramaswamy Road, Madras-4.
- (2) Sri A. V. R. Jambulingam, 127, Ceral Merchant Street, Madras-1.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) lay any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at No. 6, Venkatesan Street, T. Nagar Madars-17.
(T. Nagar Doc. No. 384/85)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 5-11-1985

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 144/Mar. 85/R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 13 (Old No. 46) Rasool Omra Bahadur situated at Sixth

Street, Madras-14

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Triplicane Doc. No. 229/85 in March 1985

at Triplicane Doc. No. 229/85 in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

(1) Sri V. V. John, 25, Thandavarayan Street, Royapettah, Madras-14.

(Transferor)

(2) Mrs. Lilly Thomas, 13, R. O. B. 6th Street, Rayapettah Madras-14.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building at No. 13 Rasool Omra Bahadur Sixth Street, Rayapettah Madras-14.

(Triplicane Doc. 229/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 5-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 162/March 85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

fer with the object of ;-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the same Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

11, 8th St. Dr. Radhakrishnan Road, situated at Mylapore Madras-4. R. S. No. 1092/10 and 11.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 259/85 on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trans

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sri R. K. Lingam Paul Raj and Smt. K. Muthammal, No. 11, 8th St., Dr. Radhakirshnan Road, Madras-4. (Transferor)
- (2) Sri J. V. Govinda Rao, and Smt. Jeeri Bai. 46, Iyah Muduli St., Chintadripet, Madras-2. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable preserty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 11, 8th st., Dr. Radhakrisnan Road, Mylapore, Madras. 4. (R. S. No. 1092/10 and 11. Mylapore/Doc. 259/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-11-1985

### FORM ITNS----

(1) Sri N. Venkata Subramaniam, 194, St. Mary's Road, Alwarpet, Madras-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri K. Subramanian, 34. Second Main Road, Raja Annamalaipuram, Madras-28.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OHICL OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref No. 164/March 85 - Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 15 the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 100,0000/- and bearing No.

193, St. Mary's Road, Alwarpet situated at Madras-13 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been pansferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore Doc. No. 267/85 on Mai. 1985 for an appaient consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sad immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYF' ANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from and/or

# THE SCHEDULE

Land and building D. No. 193, St. Mary's Road, Alwarpet, Madras-18.

(Mylapore Doc. No. 267/85)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .--103-356G1/85

Date: 5-11-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 165/Mar 85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUFI., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 17, Jeth Nagar III Street, situated at R. A. Puram, Madras-28.

17, Jeth Nagar III Street, situated at R. A. Pulam, Madias-28. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore Doc. No. 274/85 on Match 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesid exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Sri K. Mani, 21, Lazarus Church Road, Madras-28.

(Transferor)

(2) Sri M. Mani and Others. 6, Muthu Gramani Street. Sinthome Madras-4

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in FYPLANATION: that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building No. 17 (Old No. 10) Jeth Nagar, III street, Raja Annamalaipuram, Madras-28.

Mylapore Doc No 274/85,)

MRS M SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras 600 006

Date: 5-11-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

# INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGI-II MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 5th November 1985

Ref. No 178/Mar. 85 -- Whereas, 1,

MRS M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000 and bertaing No. Flat No. C-2 Sumanth Apartments situated at 2, Bheemanna

Mudalı street, Madra-18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the office of the Registering Officer

at Myla ore Doc No. 276/85 in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under emberedion (1) of Section 269D of the said Act. to the following Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons narnely

(1) Mis. A. Meenakshi sundari, 173, Big Street, Triplicane Madras-5.

(Transferoi)

(2) Shii B. R. Sivaraj, 72, First Main Road Raja Annamalaipuram, Madias-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforessid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat at Madras-18 No. C-2, Sumanth Apartments, No. 2, Bheemanna Mudali street. Madras.

(Myiapore Doc. No. 276/85.)

MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date · 5 11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QP 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

Sri K. Lawrence, 21, Lazerus Church Road, Mandavellipakkam Madras-28.

(Transferot)

(2) Sri V. R. Gurunathan, 53, II Main Road, Gandhi Nagar, Madras-51.

(Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 179/Mar. 85.-Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 21. Lazerus Church Road, situated at Mandavellipukkam Madras-28

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mylapore Doc. No. 277/85 in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent espaideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property ay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building 21, Lazerus Church Road, Mandavellipakkam Madras-28.

(Mylapore Doc. No. 277/85.)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 5-11-1985

#### FORM D'NS- -

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 Sri S. Ganapathy Subramaniam, F. 3, Jawahar Flats, Karanceswaran Koil St., Madras-4.

(Transferor)

(2) Sri Steven Chen, A-12, Palaniappa ownership flats, No. 81, Luz Church Road, Madras-14.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 184/March 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnfter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000<sub>1</sub> and bearing No.

81, Luz Church Road, Mylapore, situated at Madias-14 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 298/85 on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) Iacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the assistation of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable groperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat: 1/16 undivided share in 4161 sq. ft. and flat bearing door No. 81, Luz Church Road, Mylapore, Madras-64. Mylapore/Doc. No. 298/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Maduas-600 006

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 5-11-1985

#### FORM TINE

NOTICE UNDER SI-CTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# (2) Sri A. Aboobucker, 16, Edward Elliots Road, Mylapore, Madras-4.

(1) Srl Jagan Suri,

18. Baliah Avenuc, Mylapore, Mudras-4.

(Transferor)

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 185/Mar. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUFL,

being the Competent Authority under Section 269B of the to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000<sup>1</sup> and bearing No. R. S. No. 1692/30B Block No. 35 situated at 18, Baliah Avenue Luz Church Road, Mylapore Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Mylapore Doc. No. 299/85 on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or an moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Vacant Land at 18, Baliah Avenue, Luz Church Road Mylapore Madras-4.

(Myiapore Doc. No. 299/85.)

MRS. M SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-11-1985

# NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 157/85 Mar. 85.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6, III Main Road, Telepost situated at Colony, West Mamba-

lam Madras-33

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), aus been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central Doc. No. 315/85 on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri S. Parthasarathy, 187, Abusali Road, Baskar Colony Saligramam, Madras-92.

(Transferor)

(2) Sti R. Viswanathan, 42, Mount Road, Guindy, Madras-32.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building No. 6, III Main Road, Telepost colony West Mambalam Madras-33.

(Madias Central Doc. No. 315/85.)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date - 5-11-1985

# FORM ITNS (1) S<sub>i</sub>i N. S<sub>i</sub>

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) S:i N. Srinivasa Iyer and Others, 19, Narasimhapuram Mylapore, Madras-4.

\_\_ ==

(Transferor)

Smt. A. Meena Rao,
 Kennddy Second Street ,
 Mylapore Madras-4.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 192/Mar. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing No.
Flat No. C/201, Ushanagar C.H.S. Ltd., Village Road
19, Narasimhapuram Mylapore situated at Madras-4
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Mylapore Doc. No. 327/85 on March 1985

at Mylapore Doc. No. 327/85 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquesition of the said property to, be pushe in writing or the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at Mylapore D. No. 19, Narasimhapuram Madras-4,

(Mylapore Doc. No. 327/85.)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 5-11-1985

FORM ITNS --- -

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 198/Mar. 85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 46, Sir C. P. Ramaswamy Iyer Road, situated at Abirama-

puram Madras-28

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16.of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore Doc. No. 359/85 on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have person to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the seld instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Worlth-tur Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaud property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-104-356GI/85

(1) Sri K. A. Sellamuthu, 67, Second Main Road, Raja Annamalaipuram, Madras-28.

(Transferor)

(2) Sti PL. Chidambatam, B5, 21, Abiramaputam Ist Street, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be reade in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Emplanation:-The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as siven in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant land at Mylapore village D. No. 46, Sir C. P. Ramaswamy Iyer Road, Abiramapuram. (Mylapore Doc. No. 359/85.)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 5-11-1985

### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### YOUR NMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMES SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II MADRAS 500 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 205/March 85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing S. Nos 174/1 part. 173/3 part. situated at 173/5. Euncre village.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Madras South/Doc No 729 to 732/85 in Maich 1985 for an applient consideration which is less than the fair market value of the afore-aid property and I have reason to believe that the fair market value of the opposity as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such arrarent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) (1) Mis. D. Nagabhushnam and others, Sii D. Lakshmana Reddy and others, Sri Janakirama Reddy, Mr. D. Subbaraghava Reddy,

(2) Sudhir Navin, Gnu, all sons of D. Hemachandra Reddy, Bylather and natural guardian D Hemachandra Reddy, Ramareddypalayam, Minjur Post Ponneri Taluk, Chengalpattu Dist. (Transferor)

(2) M/2, V. G. P. Housing Pvt. Ltd., VGP Square, Soldanet, Madras-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the codes in the Official Gazette

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION: Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Dry Lands: At S. Nos. 174/1, Part, 173/3 part 173/5, Finner village, 729 to 732/85/Mds. South.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 5-11-1985

# FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 209/Mar. 85.-Whereas, I.

" TANK BATE TO BATE OF STREET THE 1 WAS BUT BUT OF STREET

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-iax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the said Act), have teason to believe that the immortishe property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000% and bearing No. 52 Ju fice Ramaswamy Road, situated at Kamasaj Avenue, Madras-20 tand more lung described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) or the office of the Registering Officer at Madras South 1. No. 887/85 in March, 1985 on the apparent consideration which is less than the fair marker take of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the purpose aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than lifeen per cent of such apparent consideration and that than lit een per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay fax under the saul Act, so respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tai Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri S. M. Bose, 52. Justice Ramaswamy Road, Kamaraj Avenue, Madras-29.

(Transferer)

(2) Sri S. Balu Naidu, 37, Dheanfal shmi Avenue, Adyar, Madras-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property was be made to writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Ganetie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. kever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building at No. 52, Justice Ramaswamy Road, Kumaraj Avenue, Madras-20.

Madras South Doc. No. 887/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforced property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons. namely:--

Date: 5-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 214/Mar.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refe to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value excee Rs. 1,00,000/- and bearing Aiyappanthemgal Village situated at Spingrumbudu. Taluk Chinglengt Printered referred exceeding

Aiyappanthemgal Village situated at Sriperumbudur Taluk Chinglepet District (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South Doc. No. 944/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid.

relieve that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :- ~

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subing persons namely :-

(1) Sri K. V. Gajapathy, 2/87, Main Road, Kattpakkam Village,

(Transferor)

(2) Sri C. Sathyanarayana and others 19, Ranghabashyamchetty Street, Saidapet, Madras-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Aiyappanthemgal Village Sriperumbudur Taluk Chinglepet Dt. (Madras South Doc. No. 944/85)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 5-11-1985

# FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sii Parthasarathy, 114, Venkatarangam Street, Triplicane Madras.

(Transferor)

Sri Λ, D. Kesavan,
 Rani Annadurai Street,
 Raja Annamalaipuram, Madras-28.

may be made in writing to the undersigned :~

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref No. 217/Mar.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 114, Venkatarangam Sucet, situated at Mcdras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane Doc. No. 176/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this ratice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building at No. 114, Venkatarangam Street,

(Triplicane Doc. No. 176/85)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-11-1985

Scal:

### FORM ITHS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 219 March 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the amnovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Thirukarugavoot, situated at Seergali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirkali/Doc. No. 217/85 (3 Nos.) in March 1985 for an apparent consideration which is less that the fair market value of the property as aforesaid as the description therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

ast, is a the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any incomeys or others asset: which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 127 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. P. L. A. Alamelu Achi, W/o Sri A. Annamalai Chettiar Thirukkarugavoor, Sirkali.

(Transferor)

(2) Sii T. V. Manoharan, S/o H. Venugopal Pillai, Srinivasa Swamy Koil, North Street, Cheranadu, Mayiladuthurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property, with n 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Land and Building: Thirukkarigavoor, Seerkali. Sirkali/Doc. No. 217/85 (3 Nos.)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 5-11-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

THE PROPERTY OF THE PROPERTY O

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 220/March 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 5/58, 5/59A, Kilakadai Veedhi, situated at Satyamangalam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the affice ce the Registering Officer at Toc. No. 816/85 in March, 1985 onsideration which is less than the fair he aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-

ween the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1'i of 1922) or the Said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of ection 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri S K. Rathinavelu, S/o Sri S. V. Krishnachettiar, Varadampalayam.

(Transferor)

(2) Sri T. K. Rangasamy, S/o Sri Karuppasamy, Bhayanisagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 5/58, 5/59A, Kilakadai Veedhi, Sathyamangalam.

Satyamangalam/Doc. No. 816/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistaant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madray-600 006

Date: 5-11-1985

"OTA F UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Mudras-600 006, th 5th November 1985

Ref. No. 226/March 85.—Whereas, I, MRS M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000/- and bearing No. R. S. No. 408/5 situated at Sirkali Vattam

R. S. No. 408/5 situated at Sirkali Vattam (and more fully describer in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirkali, Doc. No. 176/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the raid instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Thirupurasundari Ammal W/o Sti lagadeesaiyer, and another, Vadakl.umadavilagam, Sirkali.

(Transferor)

(2) Sri Mohd. Sherif, S/o Jauah Abdul Hameed, Eranallur.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sadi mimovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Sirkali (R.S. No. 408/5) (Sirkali/Doc. No. 176/85.)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Madras-600 006

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.—

Date: 5-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 227/March 85 — Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and beating

No 61, Iswaradoss I ala Street, situated at

Triplicane, Madras-5 (and more fully described in the Schedule annexed herete).

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane/Doc. No 182/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

105-356GI/85

Sri C. P. Tarabai
 Sri C. P. Srinivasan,
 Sri C. P. Satagopan,

Si: Kotainayaki

Smt. Padmayathi, 61, Isware doss Lala Street, Triplicane, Madras-5.

(Transferor)

(2) Smt. K. Shenbagavalli and K. Kannan, 49, Venkaturangam Pillal Street, Madras-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building: 61, Iswaradoss Lala Street, Triplicane, Madras-5. 182/85 Triplicane.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 5-11-1985

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Sri D. R. S. Chari and others, Madras.

(Transferor)

(2) Mrs. M. Kala Reddy, and another, 18, Satyanarayana Avenue, Madras-28.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IJ MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Ref No. 1/March 85 .- Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair resolution. able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T.S No. 2 (part) Dhandayuthapan Nagar,

situated at Adyar, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the effice of the Registering Officer at North Madras in March, 1985/Doc. No. 705 & 706/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cost of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traity assets. as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA or the said Act. shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, respect of any income arising from the transfer;

Land: T.S. No. 2 (part) Dhandayuthapani Nagar, Adyar Madras.

THE SCHEDULE

Madras North/Doc. No. 705 & 706/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 001

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) or Section 269D of the said Act, to the follow-ing persons, namely:—

Date: 5-11-1985

# FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# Sri K. Vijayakumar S/o Sri Kalagarathinagounder, 177, Bharathiar Road, Paranaickenpalayam, Coimbatore.

(Transferor)

 Sri Kantilal and others, Ss/o Sri Devilal 182, Rangagounder Street, Coimbatore.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 76/March 85.—Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL,

MRS. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred of as the 'said Act'), have reason to believe that the numovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Komarapayalam Village, situated at Coimbatore and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 1104, 1103/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer, and/\*\*

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ether assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land: Kumarapalayam Village, Coimbatore Taluk. Coimbatore/Doc. No. 1103, 1104/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following remons namely:—

Date: 5-11-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 128/March 85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 2698 of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agrl. lands in S. Nos. 193/2, 258, 174/1, 195, 194/5, 173/2, 173/7 and 173/5 situated at Ennore Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South/Doc. No. 668 to 670/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the MRS. M. SAMUEL, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(1) 1. Sri V. N. Nagabhushanam and others,

Ramareddipulayam, Palem Minjur, Chengalpet, (Ponneri), 2. Mrs. Sarojini Ammal W/o Mr. Muralidhara Reddy, Ramareddipalayam, Palem Minjur, Chengalpet, (Ponneri)

3. Smt. D. Sumathi, Ramareddipalayam, Palem, Minjur, Chengalpet, (Ponneri)

(Transferor)

(2) M/s. VGP Housing P. Ltd., VGP square, Madras-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) ov any other person interested in the said immed-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act hall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: sad/or

THE SCHEDULE

Agricultural lands: S. No. 193/2, 258, 174/1, Ennore Madras South/Doc. No. 668, 669, 670/85.

> MRS. M. SAMUEL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II Madras-600 006

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice uniter subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-11-1985

#### FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Magras-600 006, the 1st November 1985

Ref. No. 152/March 85.-Whereas I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/5th share of undivided land in R.S. No. 2/17 & 2/41 (No. 7, 7A & 7B, Kodambakkam High Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 251, 252 and 253/85 in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid matrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tus Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

- (1) 1. Mr. A. V. M. Jaffardeen, No. 6-D. S. S. Iyengar Road, Madras-18.
  - 2. Miss Shafik Banoo Jaffardeen and Master Cassim Fareed, Jafferdeen, rep. by guardian A. V. M. Jaffardeen, No. 6-1), S. S. Iyengar Road, Madras-18.

----

(Transferor)

- (2) 1. Miss Shafika Banoo Jaffardeen, No. 6-D, S. S. Iyengar Road, Madras-18
  - Miss Shafika Banoo Jaffardeen rep. by guardian A. V. M. Jaffardeen, No. 6-D. S. S. lyengar Road, Teynampet, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land: 1/5th share of undivided land in R.S. No. 2/17 and 2/41 (Nos. 7, 7A and 7B, Kodambakkam High Road, Madras.

Madras Central/Doc. No. 251, 252 and 253/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecing Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 1-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 158/March 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]

and bearing
No. 174, Eldams Road, Teynampet, Madras-18
situated at Madras-18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 329/85 in March, 1985

Madras Central/Doc. No. 329/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Lalitha Kumari and K. Yamuna Devi, Bu 17, II Main Road, City Colony, Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

(2) Sri Mohd. Haji and Abubacker Haji. 87, Luz Church Road, Mylapore, Madras.4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building: No. 174, Eldsma Road, Teynampet,

Madras Central/Doc. No. 329/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 5-11-1985

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th November 1985

Ref. No. 187/March 85.-Whereas, J, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000}and bearing

and bearing
No. 146, Injambakkam Village, Saidapet Taluk,
situated at Chingleput Distt.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Adyar/Doc. No 521/85 in March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid raceds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: end/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :-

(1) Mrs Shirin Ashraf Hussain. W/o Mr. Ashraf Hussain R/o. 'Dilshad', Pattom, Trivandrum, Represented by Power Agent, Mrs Zubaida Mankar.

(Transferor)

(2) Mrs. Jayanthi, Jothi, W/o Dr. N. Jothi, 54. Nichols, 900, Davidson St., New Jersey, USA. Address: at Pudur, Keniambadi, N. A. Dist, (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said period of may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days fro inthe date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

# THE SCHEDULE

Field No. 43, 146, Injambakkam Village, Chingleput. Adayar/Doc. No. 521/85.

> MRS, M SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 5-11-1985

Soul:

## FORM LT.N.S.

(1) Sanjeev Builders Pvt. Ltd. Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1, OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Hargopal Mohatta, 85, Netaji Subhash Road, Calcutta-1.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedahad-380 009, the 9th October 1985

Ref No. P.R. No. 3823 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I' G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act) have teason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Three Tier Bldg No. U Basement No. 10, Shop No. 10,
Office No. 10, at India Textile Market, Ring Road, Surat
Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 26-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HETPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Ast. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: MAG OF

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in February, 1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedabad-380 009

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-10-1985

(1) Sanjeev Builders Pvt. Ltd. Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Bimla Bagari 31B, Atlas Aptt. Harkness, Bombay-6.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-U 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th October 1985

Ref. No. P.R No. 3824 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No. Three Tier Bldg No. 4 Basement No. 5 Shop No. 5 Office No. 5 India Textile Market, Ring Road, Surat Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 28-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair

market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent o fsuch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the still instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)4

Form No. 37EE is submitted in the office of the under-

THE SCHUDULE

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad-380 009

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:--106--356GI/85

Date: 9-10-1985

signed in February, 1985.

FORM I.T.N.S.---

(1) Sanjeev Builders Pvt. Ltd. Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nirmala Bhattar, 31B, Atlas Aptt. Harkness Road. Bombay-6.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3825 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 4 Three Tier Bldg. No. U Basement No 4 Office No. 4 at India Textile Market Ring Road, Surat.

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 28-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the uncornigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said in respect of any income arising from the tran end/or

# THE SCHEDULE

h) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in February, 1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad-380 009

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the assue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-10-1985

Şeşl :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sanjeev Builders Pvt. Ltd. Nr. Kinnery Cinema, Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Mrs. Urmila Daga 31B, Atlas Aptt. Markness Road, Bombay.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said propert; may be made in writing to the undersigned:—

Ahmedabad-380 009, the 9th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3826 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Three Tier Bldg. No. 4 Basement No. 3 Shop No. 3 Off

Three Tier Bldg. No. 4 Basement No. 3 Shop No. 3 Office No. 3 1st Floor India Textile Market, Ring Road, Surat. Form No. 37 is submitted in the office of the undersigned on 26-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any memory or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferve for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in February, 1985.

G. K, PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad-380 009

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3827 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Pa 1,00,000/- and bearing Three Tier Bldg Basement No. 20 Shop No. 20 Office No. 20 Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 18-2-1985

for an apparent consideration which is les than market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer emá/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inconse-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subrestler (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

Sanjeev Builders Pvt. Ltd. Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Mr. Shivkumar Lachiram Bagla Vinod L. Bagla Satyanagaray Bhuvan, 5th Floor, Worli, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, so the acquesition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in February, 1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedabad-380 009

Date: 9-10-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 11th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3828 Acq-23/II/85-86.—Whereas, J. G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-value exceeding

value exceeding Three Tier Bldg. No. 4 Basement No. 9 Shop No. 9, Office No. 9

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 26/2/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sanjeev Builders Pvt. Ltd., Ring Road, Surat

(Transferor) (a)

(2) Mr. Krishnakumar Bagari, 31B- Atlas Aptt., Harkness Road, Bombay.

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb., 1985.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 9-10-1985

Seal ;

on 26/2/85

# FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

31-B, Atlas Aptt., Harkness Road, Bombay.

(2) Mrs. Manju Bagari,

Ring Road, Surat.

(1) Sanjeev Builders Pvt. Ltd.

(Transferce) (s)

(Transferor) (s)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3829 Acq-23 'II/85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Three Tier Bldg. No. U 6, 7, 8 in Basement Shop and Offices at India Textile Market Ring Road Surat Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 26/2/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforeseid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovab property, within 45 days from the date the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the Sai Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the unde signed in Feb., 1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDY Competent Authoria Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta Acquisition Range-Ahmedaba

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 263D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 9-10-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3830 Acq-23/ $\Pi$ /85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Page 1 00 000 (4 and heaving No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. J. 102, India Textile Market, Ring Road, Surat Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned

⊅n 4/2/1985

or an apparent consideration which is less than the, fair aarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evaden of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s, Sanjeev Premises Co. op. Socy. Ltd., Ring Road, Surat,

(Transferor)

(2) Hemangini Hirubhai Patel, E. F. First Floor Geeta Aptt., Polia Street, Nanpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb., 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 11-10-1985

Scal:

FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Sanjeev Premises Co. op, Hsg. Socy Ltd., Ring Road, Surat,

(Transferor)

(2) M/s J. K. Synthetics Ltd., Sarnath, 10th Floor, Bhulabhai Desai Road. Bombay.

(Transftree)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 11th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3831 Acq-23/II/85-86,-Whereas, I. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing J. 707 & J 708 on 7th Floor India Textile Market Ring Road, Surat

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned

on 23-2-1985

on 23-2-1903

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the acreice of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb., 1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-10-1985 Seal:

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 11th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3832 Acq-23/ $\Pi$ /85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

J. 104 at India Textile Market, Ring Road, Surat Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 4/2/1985

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ing Act, 1957 (27 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

107---356GI/85

 M/s. Sanjeev Premises Co. op. Hsg. Socy Ltd., Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Patel Kankuben Ambala, 5 551, B. Haripura Main Road, Bhavani Wad, Surat-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb., 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 11-10-1985

Scal:

#### FORM ITNS ....

(1) M/s. Sanjeev Premises Co. op. Hsg. Socy Ltd., Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Sureka Textile, 63/71, Dadi Sheth Agiyari Lane, 3rd Floor, Bhuvneshwar, Bombay-400 002.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 11th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3833 Acq-23/II/85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat J. 605 6th Floor, India Textile Market, Ring Read,

Surat

and/or

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 4/2/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any meome arising from the transfers

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb., 1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 11th October 1985

Ref No P.R. No 3834 Acq-23 II/85-86 -- Whereas, I, G K. PANDYA,

being the Competent Authority authorised by the Central

Government in this behalf under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R<sub>2</sub> 1,00,000 - and bearing

No. J. 103 India Textile Marget, Ring Road, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Form No 37HE is submitted in the office of the undersigned on 8/2/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any instant arising from the transfers and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

M/s Sanjeev Premises Co. op. Socy. Itd., (1)Ring Road. Surat.

(2) Kamladevi. J. Agarwal 'Sakat', Agrawal Nagar, Dhola, Maharashtra.

(Transferee) (s)

(Transferor) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb., 1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 11-10-1985

# FORM I.T.N.S .---

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 11th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3835 Acq-23/11/85-86,---Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Proposed Flat No. 5-C in Ravi Chhaya Aptt.-Athwa Lines,

Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 26/2/1985

on 26/2/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per centof such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the effect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following portrait.

(1) M/s Ravi Enterprise, Nanpura, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Manekchand Motilal, Shop No. L. 1064, Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHOOLE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb., 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 11-10-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 11th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3836 Acq-23/II/85-86.—Whereas, I, G, K. PANDYA,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing

Proposed Flat No. 4-A in Ravi Tej Aptt. Opp; Loudes Convent School, Athwa Lines, Surat

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 26/2/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the health of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Fealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Ravi Enterprise, Nanpura, Surat

(Transferor)

(2) Shri Sitarambhai Ramkunvar Goyal & Others, Surat, 302, Radhika Terrace Nanpura, Dhobi Sheri, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb., 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Abmedabad

Date: 11-10-1985

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 11th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3837 Acq-23 II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market, value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Proposed Flat No. 6B in Ravi Chhaya Aptt., Athwa Lines,

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 26/2/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) M/s Ravi Enterprise, Nanpura, Athuyar Street, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Shashikantbhai Chhotalal Patel & Others, C/o Bhanubhai Patel, 9th Floor Triveni Aptt. Nanpura, Timaliavad, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer; and/or

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb., 1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahemedabad-380009, the 11th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3838 Acq-23/II/85-86.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Proposed Flat No. 6C, in Ravi Tej Aptt. Athwa Lines, Sura

the Competent Authority
Form No. 371 F is submitted in the office of the undersigned

on 26/2/1985

on 26/2/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and or
- 411) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s Ravi Enterprise, Nanpura, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Savitaben Ravindra Arya & Others, Vrandavan Aptt. God-Dod Road,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb., 1985.

> G. K, PANDYA Competent Author ty Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 11-10-1985

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 24th October 1985

Ref No PR No 3839 Acq-23/II/85 86 -- Whereas, I, G K PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the incommetax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/and bearing No

H-9 Industri, l shed of BIDC Go 1178, 1179, 1180 1190/1 of Gorya Gorva Baroda S No

1178, 1179, 1180 1190/1 of Gorva (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S R Baroda in March, 1985 for an appalent consideration which is less than the fair fer an apparent consideration which is less than the fair market value of the alorsaid property and I have reason to believe that the fuir market value of the property as aforeatid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 265° of the said Act, to the followng persons namely

(1) Rameshbhai Nathabhai Patel & Others Harı Krupe, Alkapuri, Baroda

(Transferor)

(2) Dahyabhai Kashibhai Patel & Ors, H 9, Industrial Shed, BIDC Gorva, Baroda

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce m the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovs-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto

EXPLANATION .....The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

A sale deed was regd by S R Baroda during March, 1985 for A C Rs 1,55,000/-

> G K PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range II Ahmedabad

Date 24-10-1985

Seal

# NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 24th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3840 Acq-23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reforred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Land & Bldg. S. Bo. 479 2-3 paiki plot No. 6 & 12 sit No.
40/56 C. S. No. 4197 Deep Sharan Socy. Old Padra Road,
Behind Dinesh Mill, Baroda

(2nd more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S. R. Baroda in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Yashvantrao Nanasaheb Shinde, Aasha Vila, Juna Padra Road, Behind Dinesh Mill, Vadodara.

(Transferor)

(2) Deep Saharan Socy., Old Padra Road, Behind Dinesh Mill, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Baroda on 19-3-1985 for A. C. Rs. 10,50,000/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
108—356GI/85

Date: 24-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 24th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3841 Acq-23/II/85-86.--Whereas. I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Land and Bidg, at 20, Anand Nagar Socy. Productivity Road. Nr. New India Industries, Baroda C. J. No. 1141 sit No. 36 R. S. No. 105 at Jetalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Baroda in March, 1985

for an apparent consideration which is less nan the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have nor been or which ought to be disclosed by transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:— (1) Maniben Wd/o Meghaji\_Raja Chauhan, Anand Nagar Socy. Race Course, Baroda.

(Transferor)

(2) Manibhai Asharam Shah, 58, Sampatrao Colony, Alkapuri, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Baroda during March 1985 for A. C. Rs. 5,00,000/-.

> G. K. PANDY 1 Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 24-10-1985

2 3 3 7 7 m = -

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 24th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3842 Acq-23/11/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing

No. 17-A, Shastrinagar Socy., Nizampura Baroda bearing S. No. 46, 47, 48-1, 48-2 (and more fully described in the Schedule annexed bereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Baroda in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officers percent of such apparent consideration and there than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 1972) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (27 of 1957);

(1) Smt. Maniben Chhaganlal Patel. 17-A, Shastrinagar Socy., Nizampura, Baroda.

(Transferor)

(2) Smt. Damyanti Navinchandra. 17-A, Shastrinagar Socy., Nizampura, Baroda.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-live days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Baroda during March 1985 for A. C. Rs. 2,25,000/-.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following perons, namely :---

Date: 24-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

## GOVERNMENT OF INDIA

# Kamlaben Kamlakar Pagedar, 76, Matru Chhaya, Bombay.

(Transferor)

 Girija Real Estate Developers, Tarsali, . . . Baroda.

(Transferec)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IS
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 24th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3843 Acq-23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bldg. bearing S. No. 77, 78B V. T. No. 813 adm area of 547.31 sq. mtr. of Raopura, Baroda (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Baroda in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evalent of the finbility of the transferor to pay the under the sold Act in respect of any income arising from the transferor, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the marposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Baroda during March, 1985 for A.C. Rs. 5,21,000/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-10-1985

FORM I.T.N.S.—

NOȚICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### Bombay Market Art Silk Co. op. Socy. Ltd., Umarwada, Surat.

(Transferor)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) M's Ram Textile, Prop : R. A. Makkar, 7, Krishna Cloth Market, Chandni Chowk, Delhi-6.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOMP.TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmcdabad-380009, the 14th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3844 Acq-23/II 85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'scal Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Pedhi No. 905 at Bombay Market, Umarwada, Surat
Form No. 37FE is submitted in the office of the undersigned
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
on 2/2/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- .b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIO&:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Form No. 37FF is submitted in the office of the undersigned in Feb., 1985.

THE SCHEDULE

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

--- - ---

#### GOVERNMENT OF INDIA

OTFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 14th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3845 Acq-23/II/85-86.—Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (48 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveble property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Pedhi No. 1003 at Bombay Market, Surat

Form No. 37EH is submitted in te office of the under igned on 2/2/1985

for an apparent consideration variet is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Bombay Market Art Silk Co. op. Socy. Ltd., Umarwada, Surat.

(Transferor)

(2) Lilavati Ramanlal & Others, 7/3618, Rampura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the stud immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expresisons used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb., 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 14-10-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, ΛΗΜΕDΑΒΑD

Ahmedabad-380009, the 14th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3846 Acq-23 II/85-86.—Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value expecting Rs. 1,00 000/- and bearing

Pedhi 508 at Bombay Market, Umarwada, Surat Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 2/2/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Bombay Market Art Silk Co. op. Sozy, L.d., Úmarwada, Surat.

(Transferor) (8)

(2) M/s Shreekant Sitaram Sa.da, Chandra Chowk, 7th Lane, M. J. Market, Bombay.

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb., 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24/10/1985

ne kitan mayan di sada di sada kana kana kana kana kana kana baran di baran di baran kana kana kana kana baran

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 14th September 1985

Ref. No. P.R. No. 3847 Acq-23/II/85-86.—Whereas, I.G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100 000/- and bearing

Rs. 1.00,000/- and bearing
Flat J. 505 India Textile Market, Ring Road, Surat
Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned
on 4/2/1985

ror en appreent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 M/s Sanjeev Premises Co. op. Hsg. Socy. Ltd, Nr. Kinnery Cinema, Ring Road, Surat.

TANDAN TANDAN TANDAN TANDAN TANDAN TANDAN TANDAN

(2) Mr. Sandeep Kumar Lohia, 1/7, Nrityagopal Chhaterji Lane, Calcu ta-700 037.

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Feb., 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 14-10-1985

#### FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Sarswat ben Mehanlal Modi 56—Krishnakunj Athwa Lines— Surat.

Transferor)

(2) Vasantilal Roshanlal Salabatpura— Sidhi Sheri Naka— Surat.

(Trancferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 14th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3848 Acq.23/II/85-85.—Wheraes, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Shop No. T2115 at Bombay Market Ring Road—Surat. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registra ion Act, 1908 (16 of 1908) in the effice of the registering office at Surat on 11-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Caratre or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby in t ate proceedings for the acqui ition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
109—356GI/85

#### THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 2176 Dated 11-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
2nd floor, Handloom House, Ashram Road
Ahmedabad-380009.

Da'e.: 14-10-1985

Seal;

(1) Narendrakumar Lallubhai Dube & Ors., Kalol Darwaja—Godhra Dist: Panchamahals. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohmadhussein Kurbanhusseln Mithiborwala, Amli Falia—Vorwad—Godhra Distt: Panchamahals.

#### GOVERNMENT OF INDIA

(Transcirce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3849. Acq. 23/II/85-86. -- Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tes Act, 1961 (43 of 1961) Thereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immorable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and busing Bldg, at Chitra Cinema Read—

Godhia hearing City fila No. 3 33/2/1 TPS, 1 FP No. 33/1 (and more fully discribed in the Schedule annexed hereto). Godhia bearing City fila No. 3 33/2/1 TPS, 1 FP No. 33/1 has been transcared und, the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office nt S. R. Godhra on 13-3-1985

for an arragent consideration which is less than the fair market value of the afor said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the numbers of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULB

ale deed was regd. by S. R. Godhra on 13-1-1985 for A.C. Rs. 2,50,000/~.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II.
> 2nd floor, Handloom House, Ashram Road
> Ahmedabad-380009.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeseid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269P of the said Act to the following persor namely :---

Date: 15-10-1985

 M/s. Parikh Kuberdas Prabhudas— Kapad Bazar, Kapadwanj.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Girish Madhukar Gupta, 440/2 Sector 22. Gandhinagar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3850/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Ground Floor in sector 29—Plot No. 419/24 at Gandhinagar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at Gandhinagar on 28-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Gandhinagar on 28-3-85 for A.C. Rs. 2,15,000/-

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
2nd floor, Handloom House, Ashram Road
Ahmedabad-380009.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons. mamely :--

Date: 15-10-1985

\_\_\_\_\_

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF THOUME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-386609

Ahmedabad-380009, the 14th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3851/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. [.00.000]- and bearing No. Shop No. L. 19 at Dombay Market—situated at Umarwada—

Surat

41060

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at Surat on 22-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesa'd property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian income-rax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shah Mohanlal Danmal, at Madhi Dist. Surat.

(Transferor)

(2) Usinben Prannath Gaggaa Sahyog Cocy, Sumul Daily, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Bg. Lanation:—The terms and controsions who berein as are defined in Chapter ANA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULB

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 2562 dated 22-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
2nd floor, Handloom Hou e. Ashram Road
Ahmedabad-380009.

Dato: 14-10-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) M/s. Harlhar Silk Traders—Rampura Main Road—Surat.

(Transferor)

(2) Khamanibai Sohanlalji, 11. 20—Bombay Market— Umarwada—Surat

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 14th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3852./Acg, 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Etop No. II. 20 at Bombay Market Umarwada Surat

Shop No. II. 20 at Bombay Market Umarwada Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the effice of the registering efficer at Su at on 22-3-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in rursuance of Section 269C of the seid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the offeresaid property by the is up of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said properts may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons with period of forty five days from the date of public tion of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the sed immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions u ed herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 2593 dated 22-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
2nd floor, Handloom Home, Ashum Road
Abmedaoad-380009.

Date.: 14-10-1985

(1) Ahmad Ishak Jogi & Ors. Navsari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shivparvatikurpa Co-op. Hsg. Socy. President. Ramanlal Dahyalal Pandya, Giriraj Aptt. Behind Giriraj Socy., Navsari.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 14th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3853/Acq.-23/II/85-86.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

S. No. 93 of the village Jamalpor Tal. Navsari Plot of land adm. 14104 sq. mtr. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Navsari on 28-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) fach tating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

A sale deed was regd. by S.R. Navsari on 28-3-1985 bearing reg. No. 136/5 for the A.C. Rs. 2,60,001/-.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-10-1985

Senl:

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Mumtaz Sultan Pradhan. Zampa Bazar, Nani Daman.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shah Jada Haji Mohmad Vapi wala. Bazar Road. Vapi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 14th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3854/Acq.-23/II/85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

neme the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00 000/- and bearing BlJg. at Vapi Tal. Pardi Nr. Bus Station bearing S. No. 482 Ward No. 2 House No. 18 (and more fully described in the competence of the compete being the Competent Authority under Section 269B of the

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

S. R. Pardi on 26-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the concealment of any moons of the moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 (b) facilitating the concentment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULB

A sale deed was regd. by S. R. Pardi on 7-2-1985 for A.C. Rs. 2.45,000/-.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Incompetax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 14-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmeliabad-380009, the 14th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3855/Acq.-23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Comp tent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00 V- and bearing Lant and ble'g. 11r. Kanyashala at Vapi C. S. No. 2344

Land and bleg. Ur. Kanyashala at Vapi C. S. No. 2344 (and more fully describ d in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registra ion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering efficient Pardi on 15-3-1935

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of sanster with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in the proof of any income arising from the transfer; andler will I.

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been of when such to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby minute proceedings for the acquisition of the accusance money by the issue of this notice under sub-section (1). (1) is 269% of the said Act. is the following persons, namely:—

 Shah Shankarlal Velajl, At Vapi, Tal. Pardi.

(Transferor)

(2) Shah Bhurchand Mishrimal, Nr. Kanyashala At. Vapi, Tal. Pardi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) he any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the passeation of this notice in the Official Camette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S. R. Pardl on 15-3-1985 for A. C. Rs. 1,25,000/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11,
Abmedabad

Date: 14-10-1985

FORM No. ITNS-

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE PNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3856/Acq.-23/II/85-86.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Umarwada Ring Road TPS No. 8 FP No. 138 Paiki Plot

No. 12, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 25-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; mat/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the Issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons namely :--

110--356GI/85

(1) Dhansukhlal Atmaram Jariwala, Navapura Ranavad, Kanbi Sheri, Surat.

(Transferor)

(2) Textile Traders Association, Devilal Shah, O/3269, Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquirition of the said property may be made in writing to the unsurrigued :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 2825 dated 29-3-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 24-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th October 1985 Ref. No. P. R. No. 3857/Acq-23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

TPS No. 8 F. P. No. 138 Paiki Plot No. 10, Surat

TPS No. 8 F. P. No. 138 Paiki Plot No. 10, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office Surat on 29-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Kirti Dayaram Jariwala, Galemandi Khumbhar Sheri, Surat.

(Transferor)

(2) Textile Traders Association, C/o Shop No. O/3269, Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 2829 dated 29-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-10-1985

(1) Smt. Shyamlataben Lallubhai Dube, Kalol Darwaja, Godhra.

(Transferor)

NOTICE UND9R SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohmedhussein Kurbanhussein Mithiborwala, Amli Falia, Vorwad, Godhra.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3858/Acq.-23/II/85-86.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

RS, 1,00,000/- and bearing No.

Bldg, at Chira Cinema Road Godhra bearing Tika No. 3 Lat
No. 33/2/1 TPS No. 1 F. P. No. 33/1

and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of of 1908) in the office of the registering officer at Godhra on 13-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforciand property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than than fifteen per cent of such apparent consideration and fifteen per cent of such apparent consideration and that the that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or

(b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Woulds-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the aid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. Godhra on 13-3-1985 for A. C. Rs. 1,60,000 in respect of a bldg.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 15-10-1985

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

> Ahmedabad-380009, the 24th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3859 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I.

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable in the said Act'), have reason to believe that the immovable in the said Act'), have reason to believe that the immovable in the said Act'), have reason to believe that the immovable in the said Act'). property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Shop No. T. 3126 at Surat Textile Market—Ring Road, Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s Dipak Textiles, Rameshbhai Jariwala Kharadi Sheri-Zampa Bazar Surat.

(Transferor)

(2) Juneja Textiles, Mohanlal Totabhai Juneja Ramnagar Rander Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 2137 Dt. 8-3-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I/II Ahmedabad

Dt.: 24-10-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 24th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3860 Acq. 23/11/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No. Shop No. N.3086 at Surat Textile Market, Ring Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 18-3-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);  Chimanbhai Bayanbhai Jariwala & Ors. Moti Sheri, Lal Darwaja, Surat.

Transferor(s)

(2) M/s L K. Silk, Kiritmal Lalchand & Ors. Begampura, Bombay vad, Surat.

Transferee (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 2426 Dt. 18-3-1985.

G. K. PANDYA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I/II
Ahmedabad

Now, therefore, in pureuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '() of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dt.: 24-10-1985

#### FORM NO. LT.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AX
ACQUISITION RANGE-I,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 24th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3861 Acq 23/Π/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/and bearing No.

Plot No. B. Ind. 210 at Udhana Udyognagar, Udhana (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Regi tration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 22-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the part market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefore by more than fifteen per cent of such apparent of sideration and that the consideration for such transfer as as to between the parties has not been truly stated in the aid instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the redunction or evi lon of the liability of the transferor to pay tax an( r the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian ncome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said to the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Palvrise Metals.

Partner, Bhuoendra Gunvantbhai Patel & Ors. Udhana Udyognagar Road No. 8 Udhana Dist: Surat.

(Transferor)

(2) Rameshchandra Umiya Shankar Pandya & Others, Udhana Ulyognagar Road No. 3 Udhana Dist: Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vice No. 1664 in March, 1985.

> G. K. PANDYA
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range I/II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Set on 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for e acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Dt.: 24-10-1985

#### FORM FINE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUNICATION OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 24th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3862 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to me the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No.
Bunglow No. 39 at Shanti Niketan Coop. Hsg. Socy. Sumul Dairy Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on -3-1985

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than influen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of .—

(a) inclinating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the and/or

(%) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this effice notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Maniben Haribhai, 39, Shanti Niketan Socy. Sumul Dairy Road,

(Tranferor)

(2) Chhotubhai Ranchhodji Vashi 39, Shantiniketan Socy. Sumul Dairy Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 2134 Dtd 8-3-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority pecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range I/II Ahmedabad

Dt.: 24-10-1985

41072

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3863 Acq.-23/Π/85-86,--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000/- and bearing
Ward No. 5, Nondh No. 384/A, Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on 18-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lightilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Kokilaben Dalpatram Kuberdas, Vadi Falia—Pagathia Sheri-Surat.
- (Transferor)
- (2) Ishabibi Abdulrehman Majid & Others-Saripura-Surat.

(Transferce)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The documentis regd. at S. R. Surat vide No. 2420 Dt: 18-3-1985

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

wow, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice u or subpersons namely :---

Date: 24-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shei Ratılal Vallabhbhai Jariwala, Sukawalani Sheri Vadi Falia-

(Transferor)

(2) Textile Traders Association Devilal Shah— Shop No. 0/3269— Surat Textile Market, Ring Road—Surat. GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3864 Acq.-23/II/85-86.— Whereas, I. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Umurwada Ring Road, TPS No. 8, FP No. 138 paiki Piot

No. 11—Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 29-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the said instrument.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

111-356GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said harmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 2827 Dt: 29-3-1985,

> G, K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 24-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Ajay Maneklal Reshmwala, Kot Safil Road—— Surat.

(Transferor)

(2) Textile Traders Association Devilal Shah— C/o Shop No. 0/3269— Surat Textile Market, Ring Road—Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3865 Acq.-23/II/85-86.— Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

TP No. 8, FP No. 138 paiki Plot No. 13, Ring Road—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Surat on 29-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the effect of:—

(a) facilitating the reduction of pressure of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transferound or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ac., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

bjostions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a ceriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd.  $a_t$  S. R. Surat vide No. 2828 Dt : 29-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Ahmedabad

Date : 24-10-1985

#### FORM FINE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3866 Acq.-23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

exceeding R<sub>8</sub>. 1,00,000/- and bearing TP S. No. 8, FP No. 138, paiki Plot No. 15, Umarwada—Ring Road—Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 29-3-1985

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesate property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or he said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pravin Ratilal Jariwala, Kot Safil Road— Surat.

(Transferor)

(2) Textile Traders Association Devilal G. Shah 0/3269—2nd Floor— Surat Textile Market, Ring Road—Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Ganette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 2824 Dt: 29-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 24-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3867 Acq.-23/11/85-86.— Whereas, I, G. K. PANDYA,

whereas, r. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Umarwada Ring Road—TP No. 8, FP No. 138 paiki No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 29-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Bharatkumar Ratilal Jariwala, Kot Safil Road-Surat.

(Transferor)

(2) Textile Traders Association Devilal Shah— 0/3269 Surat Textile Market, Ring Road—Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 2826 Dt: 29-3-1985.

> G. K. PANDYA Competen: Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 24-10-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3868 Acq.-23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and Ward No. 2, Nondh No. 4614, Bldg at Sagrampura—Surat

Ward No. 2, Nondh No. 4614, Bldg at Sagrampura—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 5-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  Smt. Taraben Dayalji Desai & Ors. 3-2-A, Shrijibag Socy., Navrangpura—Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Kimatbai Jethanand Lalvani, 9-A, Kokulnagar Sindhi Socy., Makarpura—Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the O fficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

### THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 2334 Dt: 15-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the accressid property by the issue of this notice under sub-section persons, namely:—

Date: 29-10-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3869 Acq.-23/II/85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Shop No. 3218 at Surat Textile Market—Ring Road—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mahendra Shantilal & Co., Surat.
 A-259, Juni Post Office, Lanc Mangaldas Market, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Rameshkumar Omprakash Bhatia— C/o U-3228—Surat Textile Market, Ring Road—Surat.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - ) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd, at S. R. Surat vide No. 2112 Dt: 8-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Ahmedabad

Date: 29-10-1985

#### FORM I.T.N.S.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3870 Acq.-23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immersable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing

Shop No. C. 3022 at Surat Textile Market—Ring Road—

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen user cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse fer the purposes of the Indian Income-tax Acr 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Narendra Udyog Pvt.— Director—Shrimati Ansuya devi Tapadia, Power of Attorney Shri R. C. Jain— 1402-3, Raheja Centre Narıman Point— Bombay.
- Shri Rajeshwar K. Gupta C/o Shobha Traders, Shop No. P-2097, Surat Textile Market— Surat.

(Transferce)

(Transferor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document is regd, at S. R. Surat vide No. 2132 dt: 8-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Act. I horeby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 29-10-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Gtrish Trading Co., 60—Keloskar Road— Bombay-400 028.

#### (Transferor)

(2) The United India Insurance, Supreme Chambers—Ring Road— Surat.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3871 Acq.-23/II/85-86.— Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Ward No. 1, Nondh No. 864/A/1, Athugar Mohllo Nanpura—Alak Nanda Apit., Flat No. 601—Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of registering officer at

Surat on 14-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Inc terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 2320 Dt: 14-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 29-10-1985

(1) Shrimati Kanchanben Motilal Doshi, Doshi Vado— Vijapur.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-(NCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nirma Pvt. Ltd., 701—Popular House-Ashram Road-Navrangpura-Ahmedabad-9.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3872 Acq.-23/II/85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot of land adm, 151399 sq. mtr., bearing block No. 16B of the village Mandali Dist: Mehsana

(and more fully described in the schedule annexted hereto), has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of registering officer at Mehesana on 29-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S. R. Mahesana on 29-3-1985 for A.C. Re. 3,60,479/-.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuage or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ~TRODS. namoely:—

112-356GI/85

Date: 30-10-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HB INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3873 Acq.-23/II/85-86.— Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to set the 'said Act'), have reason to believe that the immovable restrict hours a face restrict points and the income. property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Plot of land adm, area of 46460 sq. mtr, bearing block No. 16.6 of the village Mandali, Dist: Mehsana (and more fu'ly described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of registering officer at Mehesana on 29-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the arcresaid property and I have reason to oclieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Lilavatiben Jayantilal Shah-Doshi wado, Vijapur.

(Transferor)

(2) Nirma Pvt. Ltd., 701—Popular House Ashram Road—A'bad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed was retd. by S. R. Mehsana on 29-3-1985 for A.C. Rs. 1,12,750/-.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Date: 30-10-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th October 1985

Ref. No. P. R. No. 3874 Acq.-23/II/85-86.— Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot of land adm 95142 sq.mtr. (23A, 22G) bearing Block

No. 16 of Mandali Dist: Mchsena (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mehcsana on 29-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Shri Kumarpal Motilal Doshi, Doshivado, Vijapur.

(Transferor)

(2) Nirma Chemicals Works P. Ltd., 701—Popular House— Ashram Road-Ahmedabad-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S. R. Mehesana on 29-3-1985 for A.C. Rs. 2,26,879/-.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 30-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shastrinagar Co.op. Hsg. Socy. Kantibhai Balabhai—Dahegam Dist: A'bad.

(Transferor)

(2) Jitendrakumar Purshottamdas Joshi At Mahial Tal. Bayal Dist: S.K.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3875 Acq.23/II/85-86,--Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reseen to believe that the immovable property having Rs. 1,00,000/- and . fair market

bearing No. Plot of land adm. 5211 sq. mtr. bearing No. R.S. 615-2 of Dahegam Dist: A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 a 1908) in the office of the registering officer at Dahegam on 22-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execute the apparent consideration therefor by more than fifth, her cent of such apparent consideration and that the chastleration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the execculment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wunith-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- 1) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein se are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Dahegam on 22-3-85 for A.C. Rs. 1,87,000/-.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under sub-section (1' of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 30-10-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3876 Acq23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing
S. No. 774 784 C.S. No. 1332 1333—Baroda.

S. No. 774 784 C.S. No. 1332 1333—Baroda. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on March 85

for an apparent consideration which is less than the fair merket value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: (1) Sanjay Corporation— Palaviben Bhupendra Patel Fatehpura—Baroda.

(Transferor)

 Rajnikant Manubhaj Patel 6—Krishnakunj—Jetalpura— Baroda,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undehsigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offlical Gazette.

Explanatio&:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A sale deed was regd. by S.R. Baroda during March, 85 for A.C. Rs. 3,00,001.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 2090 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-10-1985

(1) Sunilkumar Indulal Shah-Irma Norve 74---Amarkunj Extension, Race Course—Baroda.

(Transferor)

(2) Bharat Amantlal Dixit 10-C Shanaz 90-Napensee Road-Bombay.

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# **OFFICE** OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3877 Acq23/II/85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing FP No. 200 Land and Bldg, C.S. No. 619-

situated at Subhanpura-Baroda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on March, 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afor-said property and I have remon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any inco e arising from the andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of finition 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under embedding (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the pervise of assics on the respective persons. ever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. all have the same meaning as given its what

### THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda during March, 85 for A.C. Rs. 6,00,000/-.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Ahmedabad

Date: 30-10-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Hıralal Chhotalal Shah & Ois. M/s H. C. Shah & Co. Nr. Ayurvedic Hospital-Opp: Station—Surat,

(Transferor)

(2) M/s Sapana Builders—6/232—M.G. Road— Navsari.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACOUISITION RANGE-II. AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th October 1985

Ref. No P.R. No. 3878 Acq23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 1.00 000/- and bearing CS No 2066 and 2067 Tika No. 49 R.S. No. 632 & 636 at Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mavsari on 8-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the strvice of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Art, shall have the same meaning as given in that Chapter,

 (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A sale deed was regd. by S.R. Navsari on 8-3-85 for A Rs. 3,74,321/-.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-III Ahmedabad

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ac I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 30-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 11th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3879 Acq23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No. Plot of land adm. 518 sq. mtrs.

at Ashanagar bearing T. No. 69 situated at C.S. No. 3106 at Navsari.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Navsari on 29-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction ( \* 7-maion of the liability of the transferor to pay to sender the said Act in respect of any income arming from the transfer; and/or
- the facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets thich have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Balvantrai Naranji Desai & Ors. Ashanagar Navsari.

(Transfeior)

(2) Narayan Aptt. Co.op. Hsg. Socy. President— Shri Pratapray Dinkarray Desai Subhash B, Desai—Nagarwad— Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this votice in the Official Gazette or a period of 30 from the service of notice on the respective mons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazet

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 29-3-85 for A.C. Rs. 2,36,721/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-10-1985

(1) Gunvatrai Naranji Desai & Ors. Ashanagar—Navsari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Anuradha Aptt. Co.op. Hsg. Socy.— Promotor— Sureshchandra, B. Desai Subhash B. Desai— Nagarwad—Navsari.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th October 1985

Ref. No PR. No. 3880 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market va'ue exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Muni No 6/714 CS. No. 3104 situated at Tika No. 60 Navsari (and more fully described in the Schedula appeared hereta).

situated at Tika No. 60 Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Navsari on 26-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid excepts the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servict of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 26-3-1985 for A.C. Rs. 5,15,879/-.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I berely initiate proceedings for the ocquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
113—356 GI/85

Date: 30-10-1985

Seäl:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3881 Acq23/II/85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 21 A of the Charotar Co.op. Hsg. Socy. situated at Old Parda Road—Baroda. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 19-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Chhotubhal Gopalji P.A. Holder-Makanbhai Tulshibhai Bhakt At Asundar—Tal, Navsari.

(Transferor)

(2) Bakulaben Manubhai Patel-21-A Charotar Co.op. Hag. Socy. Old Padra Road-Baroda.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Barcala, on 19-3-1985 for A. C. Rs. 5,67,782/-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

Dated: 30-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3882 Acq23/II/85-86.—Whereas, I.

G. K. PANDYA
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

ks. 1,00,0007- and bearing No. R.S. No. 615 C.S. No. 1097 paiki 1387 Sq. mtr. adm. 428 sq. mtr. at Jambua Tal. Jambua Tal. Dabhoi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on March 1985 Baroda on March 1985

Baroda on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the obj

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any incor arising from the transfer and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Kashibhai Govindbhai Patel P.O. Jambhuva Tal, Baroda.

(Transferor)

(2) Yusufbhai Chandbhai Malaiwala President: Unity Vahan Vahevar Sahkari Mandali Ltd. P.O. Dabhoi Dist: Baroda,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 26-3-1985 for A.C. Rs. 2,25,000-.

> G. K. PANDYA Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Ahmedabad

Dated: 30-10-1985

(1) Xavier's Kelvani Mandal V.K. Father Anton D Souza, Navrangpuia—A'bal.

(Transferor)

(2) National Trading Co. V.K. Amratial Keshavial Patel-Station Road-Kalol.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1361)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3883 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 1156 adm. area of 7570 sq. mtr.

with two cold Storage with built up area of 250 sq. mtr. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mehsena on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/os

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for 10 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the taid property may be made in writing to the undersigned;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used Lerein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Mehsena during March, 85.

G. R. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 30-10-1985

TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME FAX
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3884 Acq23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No. Umara S. No. 45 Plot No. 3 paiki

Land & Bldg.—Surat.

(and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 28-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Habilitation of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shah Enterprise—
Ambica Sadan Popat Mohllo
Nanpura—Surat,

(Transferor)

(2) Bank of Baroda— Saiyadpura— Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

# THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide Na. 2728 Dt: 28-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 30-10-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3885 Acq23/II/85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'so'd Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs = 1,00,000/- and

bearing No. Plot No. 9 Masat Govt. Ind. Estate—Silvasa

Form No. 37EE is submitted

in the office of the

undersigned on 19-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferces for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sabbudin Habib Syani C/o Sayani Watch Service Center 78-Narayan Dhuru, Street-Bombay-400 003.

(Transferor)

(2) Mercury Textiles Pvt. Ltd. 4, Sadhana Navroji Gamadia Road, Bombay-400 026.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a region of 30 days from the survice of natice on the respective persons whichever period expi es later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Jan. 1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Abmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 30-10-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD Ahmedabad, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3886 Acq23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

bearing No. Bunglow in Sangarra Co op. Hsg. Socy. Randar Road—R.S. No. 475 Hissa No. 1

situated at

(and more fully described in the Schedu'e anexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Surat on 22-3 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more ther fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Ramklaben Navinchandra Desai-Sangana Co.op. Hsg. Socy. Rander Road—Surat.

(Transferor)

(2) Babubhai Vithaldas Suratwala & Ors. 12-Darpan Socy, Rander Road Gurat.

(Transferoc)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publicat.on of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shal have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 1751 dated 22-3-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated: 30-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### RNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3887 Acq23/II/85-86.—Wherens, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs 1.00,000/- and

bearing No. One fat towards Direction 'East' the first floor and one flat towards Direction 'West' in the bldg. located Narmadnagar—Athwalines—Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 cf 1908) in the office of the registering officer at Surat on 2-3-1985

sor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Navin Virmanishakar Dave— 10/741—Ambaji Read— Havadia Chakala—Surat.

(Transferor)

(2) S'ate Bank of Saurashtra— Head Office— Darbargadh—Bhavnagar.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 2037 dated 2-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 30-10-1985

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Hasmukhbhai Laxmanbai— V. K. Gordhanbhai Laxmanbhai Surat

(Transferor)

(2) Thakorbhai Prabhubhai Patel & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJI, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3888 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00,000/- and

bearing No. Bunglow at Sultanabad (Dumas) S. No. 209 Dist, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 2-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be two that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reductio nor evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1942 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 2058 dated

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in that proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, variety :-

114-356 GI/85

Date: 30-10-1985

Scal:

# NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### "FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3889 Acq 23/Π/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

veing the Competent Authority under Section 269B of the acome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land & Bidg. at Ward No. 5
Nondh No. 242 Haripura—Sukhadia Sheri situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 cf 1908) in the office of the registering officer at

Surat on 11-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the varties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) fecilitating the reduction or evasion of the health of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957); (1) Bachubhai W/o Babhubhaj Maganlal Dalel— Haripura—Sukhadia Sherl— Surat.

(Transferor)

(2) Champaklal Ghelabhai Rani Talav-Dabgharwada, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 2171 dated 11-3-1985,

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-10-1985

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3890 Acq 23/II.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the mimovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 11 Block No. 11 Udhana Udyog Sahkari Sangh Ltd. C-Type—Udhana—Surat, (and more fully described in the Schedule appeared hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 26-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Rajendra Vadilal Gandhi 202—Lal Bahadur Sastri— Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Bhavarmal Jayrupji Jain-Udhana Udyognagar Sahakari Sangh, Block No. 11-Plot No. 11-Udhana Dist. Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

#### THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 2274 dated

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I/II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 30-10-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3891 Acq 23/II/85-86,--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Shop No. K.1289 at Surat Textile Market,

Ring Road—Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 18-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s Sakarlal M.—Partners— Sakarlal Manilal & Others-Manoharpura Kolsavad-Surat.

(Tranferor)

(2) 1. Shri Chand Meghraj Keshwani 2. Omprakash Meghraj Keshwani 602-Ashwini Aptt.-Athwa Lines-Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

#### THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 2419 dated 18-3-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I/II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-10-1985

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF, 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3892 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing

No. Plot of land adm. area of 19627 sq. mt. bearing S. No 750/1 of Indrad Tal. Kadi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kadi on 14-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Woolfa-tex Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Zaverbhai Hirabhai Desai— Indrad Tal, Kadi.

Transferor)

(2) Patel Metal Industries—
Partner—
Rameshbhai Joitaram Patel
Naranpura Char Rasta—Bharat Milap Socy,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Kad on 14-3-1985 for  $\Lambda$ .C. Rs. 1,24,801.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I/H, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 31-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009 the 31st October 1985

Ref. No. P.R. No. 3893 Acq 23/11/85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

heling the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. '1,00,000/- and bearing No.

S. No. 770 adm. area of 15578 sq. mtr. at Indrad Tal. Kadi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kadi on 14-3-1985. Kadi on 14-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(1) Gancshbhai Hirabhai Desai— Indrad Tal, Kadi.

(Transferor)

(2) Patel Rolling Mill-Partner-Amrutlal Joitaram Patel-Kalol.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

> by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A sale deed was regd. by S.R. Kadi on 14-3-1985 for A.C. Rs. 99,099/-.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Figs., therefore, in pursuance of Section 269C of the said Acr., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the collowing persons, namely :-

Date: 31-10-1985

Scal:

- (1) Rameshchandra Panachand Zaveri & Others— Vimel Aptt. Gopipura—Kazinumedan—Surat. (Transferor)
- (2) Khatija W/o of Salebhai Mulla, B. 403—Badri Mahal Apttl. Athwa Lines—Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009 the 31st October 1985

Ref. No. P.R. No. 3894 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. B 403 at Badri Mahal Aptt. Athwa Lines-

Surat,

Form No. 37EE is submitted

in the office of the undersigned on 1-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/es:

# THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in January 1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 127 of 1957);

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-10-1985

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Sh. Iqbal Husen Husenmiyu-Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s. Gala & Co., lbrahim Haji Ismil Volvu Nanji Narsinhji Chali Fateganj-Vadodara. .

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 31st October 1985

Ref. No. P.R. No. 3895 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land at Maktumruna—Bharuch S. No. 35,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bharuch on 14-3-1985,

of 1908) in the office of registering officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The document is regd. at S.R. Bharuch vide No. 419 March 1985.

> G, K. PANDYA' Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 31-10-1985

(1) Shri Adamji Musaji Patel—At Olpad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Suyognagur Co.op. Hsg. Socy. 2954—Hiramodi ni Sheri, Ring Road—Surat,

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE. ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009 the 31st October 1985

Ref. No. P.R. No. 3896 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing No.
Land at Olpad Block No. 210, Oldad Dist. Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the registering officer at
Olpad on 23-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (N) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this netice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

115—356 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period axpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Exprending :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The document is regd, at Sr. Surat dated vide No. 3774 dated 23-3-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 31-10-1985

4eal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3897 Acq 23/II/85-86.—Whoreas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 2—2nd floor—Puspanjali Aptt.

Athyra Lines Surviv

Athwa Lines—Surat,
Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 10-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeconsideration which is less than the fair said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Is some-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ac., or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mrs. Meher Soly Bhesania & Others-Manek Mansion—Dr. Laskani Lane Machipith—Surat 395 003.

(Transferor)

(2) Lohia Machines Ltd.— 714—Rajeja Chambers— Nariman Point-Bombay-400 021.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which were recited awaying lates: whichever period expires later;
- (v) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned in January, 1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 31-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Babubhai Purshottambhai-Anand Gamadi near Anand.
- (Transferor)
- (2) Ramnarayan Ramditamal Arora Sardarganj—Tal, Anand.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th October 1985

Ref. No. P.R. No. 3898 Acq 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bldg. at Anand TPS No. 2 FP 550

Anand.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 14-3-1985,

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceald property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. he transferor(s) and transferee(s) has not been truly tated in the said instrument of transfer with

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this not in the Official Gazette or a period of 30 dk from the service of notice on the respective persena whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given n that Chapter.

- (a) incilitating the reduction or evasion of the hubility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Anand vide No. 1073 dated 14-3-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the tforesald property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the followng persons namely:-

Date: 31-10-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH / 797 / 84-85.—Whereas. I. JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 1/3rd share of House No. 387C, situated at Phase-I, Urban Estate, Dhandari Kalan, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ludhiana in March 1985.

tan apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid skeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Bharat Bhushan S/o Shri Vir Bhan Gupta, R/o 1157/1, Opposite Dera Kalisian, Miller Ganj, Ludhiana.

(Transferor)

(2) S. Balbir Singh S/o S. Sohan Singh, B.22, Focal Point, Dhandari Kalan, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givein that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/3rd share of House No. 378C, Phase-I, Urban Estate, Dhandari Kalan, Ludhiana (The property as mentioned in sale deed No 13304 of March 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority ing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.:---

Date: 11-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. LDH/713/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/2 share of H. No. B-XX-1166/3 situated at Kartar Singh Sarbha Nagar Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Ludhiana in Murch 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coansideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) fabilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay eax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of he aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Brg. Inder Pal Singh Brar S/o S. Gurbakhs Singh Biar 1/0 O. No. 1884/4 Peeli Sarak, Raghu Majra Patiala through GPA, Shri Mukhtiar Singh Sodhi S/o Shri Ram Singh, r/o Kothi No. 96, North Vijay Nagar Colony, Agra. (Transferor)
- (2) Shii Sukhdev Singh S/o Shri Mukhtiar Singh r/o Vill. Sckha Sub. Teh. Malaud Distt. Ludhiana Now r/o Kothi No. 96, North Vijay Nagar Colony Agra,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give n that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/2 share of H. No. B-XX-1166/3, Kartar Singh Saibha Nagar Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 12488 of March 1985, of the Registering Authority, Ludhiána).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. LDH/780/84-85.—Whereas, I. OGINDER SINGH.

peing the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding ts. 1,00,000/- and bearing
H. No. B-XIX/174, situated at Major Gurdial Singh

Road, Ludhiana,

and more fully described in the schedule annexed hereto), us been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ludhiana in March 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Shri Sanjiv Aggarwal S/o Shri Kishore Lal Aggarwal Varjana Aggarwal D/o Shri Kishore Lal Aggarwal r/o 124, The Mall, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Smt. Panna Devi W/o Shri Bhagwani Dust, Smt. Aruna Goel W/o Shri Hardwari Lal, R/o Mandi Kesar Gonj, Ludhiana.

(Transferee)

(3) Shri Makhan Lal r/o H. No. BXIX/174, Major Gurdial Singh Road, Ludhiana.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# **SCHEDULE**

B-XIX/174, Major Gurdial Singh Road, House No. Ludhiana. (The property as mentioned in the sale decd No. 13239 of March 1985, of the Registering Authority Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Indhiana

Date: 8-11-1985

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE, LUDHIANΛ CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 1st November 1985

Ref. No. LDH/683A/84-85.--Wherears I,

JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00.000/- and bearing
Portion of H. No. B-VIII-219, situated at Mochpura Bazar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

in pursuance of Section 269C of the said Now, therefore. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Smt. laswant Kaur w/o Sh. Vir Singh Sh. Vir Singh s/o Sh. Ram Singh Smt. Paramjit Kaur w/o S. Kulwant Singh S. Desa Singh s/o Sh. Ganpat Rai r/o. B-VIII-219, Mochpura Bazar, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Sh. Ram Narain, Sita Ram, Ashok Kumar ss/o Sh. Nand Lal 1/0 1835, Basti Abdullapur, Ludhiana. S/Sh. Parkash Chand, Kesho Ram ss/o Sh. Hans Rajand S/Sh. Geja Ram, Banarsi Dass ss/o Sh. Ram Gopal r/o 494/9, Harpal Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of H. No. B-VIII-219, Mochpura Bazar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 12147 of March 85 of the Registering Authority Ludhiana.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissionel of Income-tex Acquisition Range, Ludhiana

Date: 1-11-1985

FORM I.T.N.S.

(1) S. Taranjit Singh s/o S. Darshan Singh r/o 124-C, Model House Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Mohinder Kaur w/o Sh. Tejinder Singh, R/o 41-A, Sarbha Nagar, Ludhiana. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th November 1985.

Ref. No. LDH/827/84-85.—Whereas I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/2 share SCF No. 33, situated at Sarbha Nagar Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1 udhiana in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as storesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parites has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceamlent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957): Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afersenid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ....The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/2 share of SCF No. 33, Sarbha Nagar Ludhiana.

(The property permentioned in the sale deed No. 13)

(The property as mentioned in the sale deed No. 13564 of March, 1985, of the Registering Authority Ludhlana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

nersons, namely :---

Date: 8-11-1985

Scal:

- F- . . ...

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACI, 1961 (43 OF 1961)

#### CONTERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, I UDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/683/84-85.—Whereas I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the competent Authority under Section 269B of the competent Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No Booth No. 28 & 39, situated at Bhadaur Honse, Ludhiana

Booth No. 28 & 39, situated at Bhadaur House, Ludhiana (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985

ru) an imporent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to beneve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income origing from the transfer; and/or

ob, facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-fection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
116—356 GI/85

(1) M/s. Navyug Land Development Corporation Regd. Bhadaur House, Ludhiana, through S. Amarjit Singh s/o Sh. Dhian Singh r/o Slam Tawari Ludhiana and GPA, of S Mohinder Singh s/o Dhian Singh S. Daya Singh s/o S. Tamal Singh and Sh. Balbir Singh s/o S. Teja Singh and Smt. Richingal kaur w/o S. Balbir Singh and Smt. Mohinder Kaur w/o S. Amarjit Singh r/o Slam Tawri Ludhiana and Sh. Balwant Singh s/o S. Arjan Singh r/o Moti Nagar Ludhiana and S. Balbir Singh s/o S. Amar Singh r/o Khud Muhalla Ludhiana and S. Uttamjit Singh s/o, S. Santokh Singh r/o Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) S. Harbhajan Singh Sohal s/o S. Pritam Singh, r/o 164-A, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Rooth No. 38 & 39, Bhadaur House, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 12135 of March, 1985, of the Registering Authority Ludhiana.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-11-1985

# FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No LDH/759/84-85.—Whereas I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-fax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land measuring 4, Kanal, situated at Vill. Phagla Teh. & Distt.

Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly atsted in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the slability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid propery by the issue of this notice under subrection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Krishna Rani w/o Raj Kumar r/o Guru Nanak Pura Civil Lines. Ludhiana.

(Transferor)

(2) S. Bikramjit Singh s/o S. Avtar Singh r/o 10/28, Pb. Agricultural University, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explice later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX's of the said Ast shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 4, Kanal at Vill. Phagla, Teh. & Dist.

(The property as mentioned in the sale deed No. 13021 of March 1985, of he Registering Authority Ludhiana)

> JOGINDER SINGH . Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. SOL/12/84-85.—Whereas I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No.
Four storeyed building known as "Anji Mushroom Farm"

situated at Anji, Tch. & Distt. Solan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Solan in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ashwani Kumar Prashar 8/0 Shri Gian Chand Prashar R/o Saproon, Distt. Solan (HP).

(Transferor)

(2) Sh. Jagjiwan Lal Sood (Individual)
Sh. Jagjiwan Lal Sood (H.U.F.)
Sh. Jatinder Kumar Sood (Individual)
Sh. Jatinder Kumar Sood (H.U.F.)
Smt. Balbir Sood &
Smt. Ranjan Sood C/o.
M/s. Deep Tractors,
G.T. Road, Taran Taran, Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) M/s. Raghav Electronics Pvt Ltd., Solan-173 211 (H.P.).(Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid poisons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this noise in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Four storeyed building known as "Anji Mushroom Farm" at Anji, Tehsil & Distt. Solan.

(The property as mentioned in the sale deed No. 102 of March, 1985 of the Registering Authority, Solan).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-11-1985

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ASSISTANT

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. LDH/689/84-85.--Whereas J, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing . House No. 464, situated at Model Town Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Maich 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that The consideration for such transfer as agreed to between the artist has not been truly stated in the said instrument of I knu fer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of thaforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following norsons, namely,--

(1) Smt. Tripta Nayar w/o Sh. Iqbal Nayar 464, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

- (2) S. Guidial Singh s/o Sh. Prem Singh Smt. Amut Kaur w/o Sh. Gurdial Singh S. Kulwant Singh s/o Sh. Gurdial Singh Smt. Blupinder Kaur w/o Sh. Daljit Singh r/o 4/49, W.E.A. Kaiol Bagh, New Delhi. S. Harbans Singh s/o Sh. Inder Singh Smt. Balwant Kaur w/o Sh. Harbans Singh Sch. Harbans Singh S. Srinder Pal Singh s/o Sh. Harbans Singh Smt, Surinder Kaur W/o Sh. Srinder Pal Singh r/o 15/A-39, W.E.A. Katol Bagh, New Delhi. (Transferee)
- (3) 1. Sh. Mohan Singh s/o Kartar Singh Smt. Mohinder Kaur w/o Iqbal Singh both r/o H. No. 464, Model Town Ludhiana. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons: whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 464, Model Town Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 12293 of March 1985, of the Registering Authority Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 8-11-1985

Scal

### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Smt. Champa Rani D/o Sh. Vir Bhan R/o V. Shahced Bopa Rai, Tehsil Patti, Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Gurpt Kaur w/o S. Jaswant Singh, 215, New Model Town, Ludhiana.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/736/84-85.—Whereas 1, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Portion of House No. B. XX.3260 situated at Gurdev Nagar,

Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period x 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any sectorys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tan Ast, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of House No. B. XX. 3260, Gurdev Nagar, Ludhiana

(The property as mentioned in the sale deed No. 12635 of March, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Date: 11-11-1985

# FORM I.T.N.S.----

#### NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/728/84-85.—Whereas I JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Portion of House No. B.XX.3260 situated at Gurdev Nagar,

(and more fully described in the schedule annxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhana in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957); (1) Smt Champa Rani D/o Sh. Veer Bhan R/o V. Shaheet Bopa Rai, Tehsil Patti, Distt. Amritsar.

(Transferor (2) Smt. Guijit Kaut W/o Sh. Jaswant Singh,

215, New Model Town, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the nublication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of House No. B.XX.3260, Gurdev Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 12608 of March, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludbiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acq uisition of the aforesaid property by theissue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '--

Date: 11-11-1985

°aal:

#### FORM TINE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-143 ACT, 1961 (41 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/741/84-85.--Whereas I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Portion of House No. B.XX.3260 situated at Gurdev Nagar,

Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annixed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax ^-t, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby nitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Smt. Champa Rani D/o Sh. Veer Bhan R'o V. Shaheet Bopa Rai, Tehsil Patti, Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Gurjit Kaur W/o S Jaswant Singh, 215, New Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of rublicaton of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of House No. B. XX. 3260, Gurdev Nagar, I udhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 12775 of March, 85 of the Registering Authority, Ludhiana)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/738/84-85.—Whereas I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Portion of House No. B.XX.3260 situated at Gurdev Nagar,

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ludhiana in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agred to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Champa Rani D/o Sh. Veer Bhan R/o V. Shaheet Bopa Rai, Tehsil Patti, Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Gurjit Kaur w/o. S. Jaswant Singh, 215, New Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underrigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Portion of House No. 12360, Gurdev Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 12700 of March, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. LDH/707/84-85.—Whereas I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Share of H. No. B-XX-1195/21, situated at Sarbha Nagar Ludhiana

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, name1v :-117-356 GI/85

(1) Sh. God Bahadur Parshad s/o Sh. J. B. Parshad r/o 21-I, Sarbha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Surinder Kaur w/o Sh. Manjit Singh Sh. Manjit Singh s/o Sh. Bachan Singh 7-E, Sarbha Nagar Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Share of H. No. B-XX-1195/21, Sarbha Nagar Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 12455 of

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. LDII/818/84-85.—Whereas I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Share of H. No. B-XX-1195/21, situated at Sarbha Nagar Ludhiana

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration A. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. God Bahadur Parshad s/o Sh. J. B. Parshad r/o 21-I, Sarbha Nagar Ludhiana

(Transferor)

(2) Smt. Surinder Kaur w/o Sh. Manjit Singh Sh. Manjit Singh s/o Sh. Bachan Singh r/o 7-E, Sarbha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Share of H. No. B-XX-1195/21, Sarbha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 13521 of March, 1985, of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 8-11-1985

#### FORM LT.N.A.--

(1) Sh. God Bahadur Parshad s/o Sh. J. B. Parshad r/o 21-I, Sarbha Nagar Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Surinder Kaur w/o Sh. Manjit Singh Sh. Manjit Singh s/o Sh. Bachan Singh r/o 7-E, Sarbha Nagar, Luhdiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. LDH/720/84-85.—Whereas, I, JOGINDER

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Share of No. B-XX-1195/21 situated at Sarbha Nagar Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the \*renafer, andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967):

may be made is writing to the undersigned :—

Objections, if any, to the acquisition of the cald property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of listing all the suspective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used hreein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Share of H. No. B-XX-1195/21, Sarbha Nagar Ludhiana, (The property as mentioned in the sale deed No. 12560 of March, 1985, of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely;—

Date: 8-11-1985

# FORM ITNS----

(1) Smt. Tarsem Kumari D/o, Sh. Baldev Krishan r/o H. No. B-XX-3387, Gurdev Nagar Ludhiana. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Narinder Kumar Pathak s/o Sh. Baldev Krishan r/o. H. No. B-XX-3387, Gurdev Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. LDH/740/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 1/2 share of H. No. B-XX-3387, situated at Gurdev Nagar Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 369C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaussia or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period empires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/2 share of H. No. B-XX-3387, Gurdev Nagar Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 12738 of March, 1985, of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 8-11-1985

#### FORM I.T.N.S.--

(1) Smt. Tarsem Kumari D/o Sh. Baldev Krishan 1/0 H. No. B-XX-3387, Gurdev Nagar Ludhiana. (Transferor)

(2) Smt. Rama Pathak w/o Sh. Narinder Kumar r/o, H. No. B-XX-3387 Gurdev Nagar, Ludhiana.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. LDH/747A/84-85.—Whereas I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/2 share of H. No. B-XX-3387,

situated at Gurdev Nagar Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Greate.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/2 share of H. No, B-XX-3387, Gurdev Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 12828 of March 1985, of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SING
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/737/84-85,---Whereas 1, JOGINDER

SINGH

being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have
reason to believe that the immovable property, having a
fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. ½ share in S.C.F. No. 7,
situated at Jawahar Nagar Camp, Model Town Road,
1 undhisms

Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana

of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985. which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value A the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in peet of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1997); (1) Shri Ajay Singh s/o Sh. Yashpal Beri Bhawan, College Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) S. Amar Singh S/o S. Inder Singh, 142, New Model Town, Ludhiana.

(Transferce)

(3) Smt. Gurpreet Kaur w/o Dr. Manbir Singh R/o Ludhiana Road, Raikot, Teh. Jagraon, Distt. Ludhiana. (person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# IE SCHEDULE

1 share in S.C.F. No. 7, Jawahar Nagar Camp, Model Town Road, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 12681 of March, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 11-11-1985

Seel:

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/717A//84-85.--Whereas, I JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 1 share in S.C.F. No. 7
situated at Jawahar Nagar Camp Model Town Road Ludhiana

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhlana in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Sh. Raj Bir Singh s/o Sh. Yash Pal R/o Beri Bhawan, College Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Gurjit Kaur D/o S. Waryam Singh, House No. 1007, Islam Ganj, Ludhiana. (Transferce)

(4) Smt. Harnam Kaur w/o S. Khazan Singh, 516-L, Model Town, Ludhiana.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

h share in S.C.F. No. 7, Jawahar Nagar Camp, Mode Town, Ludhiana. (The property as mentioned in the sal deed No. 12541 of March, 1985 of the Registering Authority Ludhiana).

> JOGINDER SING Competent Authori Inspecting Assistant Commissioner of Income ta Acquisition Range, Ludhia

Date: 11-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITIONER RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/742/84-85.—Whereas, I JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 1 share of S.C.F. No 7,
situated at Jawahar Nagar Camp, Model Town Road Ludhiana (and more fully described in the scheudle annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S. Amar Singh s/o S. Sunder Singh R/o 142, New Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Gurpreet Kaur W/o Dr. Manbir Singh R/o Ludhana Road, Raikot, Teh. Jagraon, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapt

#### THE SCHEDULE

½ share in S.C.F. No. 7, Jawahar Nagar Camp, Model Town Road Ludhiana (The property as mentioned the sale deed No. 12778 of March, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Luhdiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 11-11-1985

Soul :

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIONER RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENU BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH, 732/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. ½ shate of S.C.F. No. 7 situated at Jawahar Nagar Camp, Model Town Road

Ludhiana

(and more fully described in the scheudle annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income to any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

118--356GI/85

(1) Smt. Gurjit Kaur D/o S. Waryam Singh, R/o H. No. 1007, Islam Gani, Ludhiana,

(Transferor)

(2) Smt. Harnam Kaur W/o S. Khazan Singh, 516-L, Model Town, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by may of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir that Chapter.

#### THE SCHEDULE

h share in S.C.F. No. 7, Jawahar Nagar Camp, Model Town Road, Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed No. 12628 of March, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhlana

Date: 11-11-1985

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIONER RANGE LUDHIANA CENTRAL REVFNUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/753/84 85.--Whereas, I, JOGINDER

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sak' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. No. 4 share in H. No. B 18.339 (641-R) situated at Model Town, Ludhiana (and more fully described in the schedule annexed hereto.

(and more fully described in the schedule annexed hereto. has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/#
- et) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which uught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 26%, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Pushpinder Kumar S/o Sh. Harbans Lal R/o 641-R, Model Town, Ludhiana.

(Transferor) (2) Shri Balbir Singh Anand S/o Sh. Anand Singh, 158-R, Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

portion of House No. B.18.339 (641-R) Model Town, Ludhiana, (The property as mentioned in the sale deed No. 12923 of March, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Pushpınder Kumar S/o Sh. Haibans Lal, R/o 641-R, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt kulbir Kaur w/o S. Balbir Singh, 158-R, Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

No. LDH/754/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
portion of House No. B-18.339 (641-R) situated at Model

Town, Ludhiana

ransfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fall: market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as me defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

‡ portion of House No. B.18.339 (641-R) Model Town, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 12951 of March, 85 of the Registering Authority, Ludhiana)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhia:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegard eroperty by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, Namely :-

Date: 11-11-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/776/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Portion of H. No. B.1.1216, situated at Bindraban Road &

Bank Road, Civil Lines, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons namely :-

- (1) Shri Gurdass Ram Gupta S/o Rai Bahadur Labhu Ram R/o B,I.1216, Chowk Kailash Cinema, Ludhiana now at 2-W, Apsara Co-op. Housing Society, 61B, Palli-hill Road, Bandra, Bombay-50. (Transferor)
- (2) Shri Manish Gupta S/o Sh. Puran Chand Gupta, 70-I, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of H. No. B.I.1216, Bindraban Road & Bank Road. Civil Lines, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 13197 of March, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana.)

> JOGINDER SINGH! Competent Authority Inspecting Assistant Commussioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-11-1985.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

No. LDH/792/84-85.—Whereas, 1 JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-Rs. 1,00,000/- and bearing
Portion of H. No. B.1.1216, situated at Bindraban Road & Bank Road, Civil Lines, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985

to: an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-

Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :-

(1) Shri Gu.dass Ram Gupta S/o Rai Bahadur Labhu Ram R/o B.I.1216, Chowk Kailash Cinema, Ludhiana now at W. Apsara Co-operative Housing Society, 61B, Palli-Hill Read, Bandra, Bombay-50, (Transferor)

(2) S/Sh. Aibind Jain, Rajesh Jain, Rajnish Jain ss/o Sh. Mohan Jain r/o 124D Kichlew Nagar Ludhiana and Sh. Manish Gupta s/o Sh. Puran Chand Gupta, r/o 70-l, Sárabha Nagar Ludhiana and Sh. Vijay Gupta s/o Sh. Dayal Chand Gupta r/o 81-1, Sarbha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period o. 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respecive persons, whichever period expires latery
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. B-1-1216, Bindraban Road & Bank Road, Civil Lines, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 13307 of March. 1985, of the Registering Authority, Ludhiana.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspetcting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-11-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Rcf. No. 1.DH/805/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No.
Portion of H. No. B. I. 1216, situated at Bindraban Road & Bank Road, Civil Lines, Ludhiana and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-Inx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Gurdass Ram Gupta S/o Rai Buhadur Labhu Ram R/o B.I.1216, Chowk Kailash Cinemo Ludhiana now at 2-W, Apsara Co-op. Housing Society, 61B, Palli-hill Road, Bandra, Bombay-50. (Transferor)

(2) S/Shri Arbind Jain, Rajesh Jain & Rajnish Jain ss /o Sh. Mohan Jain R/o 124-D, Kichlew Nagar, Ludhiana (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and te expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Portion of House No. N.I.1216, Bindraban Road & Bank Road, Civil Lines, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 13422 of March, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-11-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhlana, the 11th November 1985

Ref No LDH/799/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1600 1 - and beating Forton of H \ o B I. 1216, situated at Bindraban Road & Bank Road, Civil I ines, Ludhlana (and 1900 c fully described in the schedule annexed hereto), has be n transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Isolinating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 fill of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Shri Gurdass Ram Gupta
 Ro Rai Bahadur Labhu Ram
 R/o B.I.1216, Chowk Kallash Cinema Ludhiana
 now at W. Apsara Co-op. Housing Society,
 61B, Palli hill Road, Bandra, Bombay-50.
 (Transferor)

(2) Shri Marish Gupta S/o Sh. Puran Chand Gupta, 70-1, Sarabha Nagar, Ludhiana

('Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- 'b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/20th share in H. No. B.I.1216, Bindraban Road & Bank Road, Civil Lines, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 13389 of March, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-11-1985.

Seal

FORM ITNS - (1

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/785/84-85.—Whereas, I. JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 769B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. situated at Bindraban Road & 1/20 share of H. No. B-1-1216, Bank Road, Civil Lines, Ludhiana (and more fe'r) described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Marchi 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta-Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, supply ...

Shri Gurdass Ram Gupta
 S/o Rai Bahadur Labhu Ram
 R/o B.I.1216, Chowk Kailash Cinema, Ludhiana now at 2-W, Apsura Co-op Housing Society,
 61B, Palli-hill Road, Bandra, Bombay-50.

(2) S/Sh. Arbind Jain, Rajesh Jain, Rajnish Jain ss/o Sh. Mohan Jain r/o 124 Dr. Kichlew Nagar, Ludhiana. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/20th share in H. No. B-1-1216, Bindraban Road & Bank Road, Civil Lines, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 13272 of March 1985, of the Registering Authority, Ludhiana.)

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-11-1985.

Seal

-----

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1964)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/794/84-85.—Whereas, 1, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-

Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authorit under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the wald money, have reason to believe that the municipality property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Portion of shop No. B.VII.579/1, situated at Kesai Gani

Road, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Ludhiana in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, manify :--119-356GI/85

- 1. Smt. Lecla Wanti w.l. w & Sh. Subhash Chander S/o Sh. Gian Chand, for self & G.P.A. of Sh. Ramesh Chander, Satish Kpmar, Sud. Kailash Rani & Smt. Parmila Rani r/o H. No. 579/1, Kesai Ganj Road, Ludhiana.
- (2) Shri Mantosh Kumar 5/0 Sh. Sunder Dass R/0 974/1, Rajpura Road, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

(3) M/s Ganesh Tea Company. Kesar Ganj Road, Ludhiana. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-uale property, within 45 days from the date of pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Portion of a shop No. B.VII 579/1. Kesar Ganj Road, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 13349 of March, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhian

Date: 11-11-1985.

Seas

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/779/84-85—Whereas, I. JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay. Acquisition Range, Ludhiana

heing the Competent Authority under Section 269B of the Inometax Art. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovible property having a fer masket value exceeding Rs. 1 00 000/- and bearing No.

Portion of shop No. B.VII 579/1, situated at Kesai Ganj

Road, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tachtating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Smt. Leela Wanti widow & Sh. Subhash Chander S/o Sh Gian Chand, for solf & G.P A of Sh. Ramesh Chinder, Satish Komat, Smt. Kadash Rani & Smt. Parmila Rani r/o H. No. 579/1, Kesar Ganj Road, Ludhiana. (Transferor)

(2) Shii Mantosh Kumar S/o Sh. Sunder Dass R/o 974/1, Rajpura Road, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

(3) M/s Ganesh Tea Company, Kesar Ganj Road, Ludhiana. (Person in occupation of the Prope ty)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of shop No. B-VII 579/1, Kesar Ganj Roal, Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed No 13228 of March, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana)

JOGINDER SINGH Competent Authority Juspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 11-11-1985.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUL BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. JGN/2/Comp/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commussioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

Land measuring 5K, 16M situated at Vill. Agwar Lopon Kalan Teh. Jagraon (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jagraon in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore and property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh. Chand Singh s/o Sh. Kapoor Singh r/o Vill. Agwai Lopon Kalan Tch. Jagraon, Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Sh. Harbhajan Singh, Baldev Singh, Amarjit Singh ss/o Sh. Phagan Singh r/o Vill. Agwar Lopo Kalan Feh. Jagraon, Distt. Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land measuring 6K. 16M at Vill. Agwar Lopo Kalan Teh. Jagraon, Distt. Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed No. 5061 of March, 1985, of the Registering Authority, Jagraon.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-11-1985.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Li Jhima, the 11th November 1985

Ref. No. JGN/3/Comp/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the insmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land measuring 6K, 16M, situated at Village Agwar Lopon

Kalan, Teh. Jagraon

(and more fully described in the Schedule annexed here(o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Jagraon in March. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Chand Singh s/o Shri Kapoor Singh, r/o Vill. Anwar I cplon Kalan, Teh. Jagraon, District Ludhiana.

(2) Shar Kamal Sangh s/o Shri Arjan Singh, r/o Agwar Loplon Kalan, Teh. Jagraon, District Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land measuring 6K, 16M of Village Loplon Kalan, Teh. Jagraon, District Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 5062 of March 1985, or the Registering Authority, Jagraon.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Iu-

Late: 11 11 1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## Shu Harvinder Pal Singh, So S. Santokh Singh, To 185, Green Field, Model Gram, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Manjit Kaur w/o S. Tarlok Singh, r/o H. No. B-18-3652/5H/3, Green Field, Model Gram, Ludhiana.

(Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. 1DH/690A/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'vaid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
1, Portion of H. No. B-18-3652/5H/3 situated at Green Field, Model Gram, Ludhiana

(and more usity described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforces of respectly and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Inbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said A++ shall have the same meaning as given in that \*Chapter\*

#### THE SCHEDULE

1 Portion of H. No. B-18-3652/5H/3, Green Field, Model Gram, Ludhians.
(The property as mentioned in the sale deed No. 12328 of March 1985, of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, I udhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under ubpersons, namely:—

into: 11-11-1985

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/704/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

† Portion of H. No. B-18-3652/5H/3 situated at Green Field, Model Gram, Ludh'ana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ludhiana in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Harvinder Pal Singh, s/o S. Santokh Singh, r/o 185, Green Field, Model Gram, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Manjit Kaui w/o S. Tarlok Singh, r/o H. No. B-18-3652/5H/3, Green Field, Model Gram, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

4, portion of H. No. B-18-3652/5H/3, Green Field, Model Gram, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 12438 of March, 1985, of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proper; by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 11-11-1985

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/694/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing \$\frac{1}{2}\$ Portion of H. No. B-18-3652/5H/3 situated at Green Field, Model 'Gram, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property

as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: exid/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the followng persons namely(1) Shri Harvinder Pal Singh, s/o S. S ntoka Singa r/o 185, Green Field, Model Gram, Ludhiana

L... 8 - SEC / SV/K

(Transferor)

(2) Smt. Manjit Kaur w/o S. Torlok Singh, r/o H. No. B-18-3652/5H/3, Green Field, Model Gam, Ludhiana

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective period, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of H. No. B-18-3652/5H/3, Green Field, Model Gram, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 12363 of Mrch, 1985, of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludh'ana

Date: 11-11-1985

Sea1

FORM No. ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACF, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) M/s Mapeo Industries, 61-B, Industrial Area, A. Fyten, Ludhiana.

(1) Shi Uttam Sing! 1/c Shri Sunder Singh, r/o Parlap House Parrap Nagar, Ludhiana

(Transferec)

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No LDH/760/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'son. Act') have reason to believe that the immovable property, having a Fair Market Value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Portion of H. No. B-VX/959 situated at Industrial Area, B,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of H. No. B-XV/959, Industrial Arca, B, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 13031 of March, 1985, of the Registering Authority Ludhiana)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, I udh ana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, samely :--

Date: 11-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Uttam Singh s/o Shri Sunder Singh, r/o Partap House, Partap Nagar, Ludhiana. (Transferor)

(2) M/s. Mapco Industries, 61-B, Industrial Area, A Exten., Ludhiana.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/798/84-85.—Whereas, I,

Ref. No. LDri / 198/84-85.—whereas, 1, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfier referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Portion of H. No. B-VX/959 situated at Industrial Area, B.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act., 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Portion of H. No. B-XV/959, Industrial Area, B, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 13367 of

March, 1985, of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludh ana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:-.20-356'GT|85

Date: 11-11-1985

#### FORM ITNS----

MATTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISTION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/758/84-85.—Whereas, I, JOGINDLR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

Rs. 1,00,000- and bearing hard share of SCF No. 40, situated at Bhadaur Houes, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Ludhiana in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shi Rem Lubhaya Joshi
 Shri Rikhy Ram Joshi
 r/o 49/70, Harpal Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Mis. Mohini Kulwant w/o S. Kuldip Singh Ghai, S. Inderjit Singh s/o S. Harnam Singh, Mrs. Bhupinder Kaur w/o S. Rajinder Singh, r/o 290, Aggar Nagar, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Ganette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:—

#### THE SCHEDULE

4 share of SCF No. 40, Bhadur House, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 12990 of March, 1985, of the Registering Authority Ludhiana.)

JOGINDER SINGHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludh and

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-11-1985

#### (1) Sh. Ram Lubhaya Joshi s/o Sh Rikhy Ram Joshi r/o 49/70, Harpal Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Mohini Kulwant w/o S. Kuldip Singh Ghai R/o 290, Aggar Nagar, Ludhiana.

#### (Transferce)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ret. No. LDH/758A/84-85 -- Whereas I, Ref. No. LDH//38A/84-85 — whereas 1, IOGINDER SINGII, Inspecting Assistant Commissioner of income-tax Acquisition Range Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Page 100 000/2 and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing 1/2 share of SCF No 40, situated at Bhadaur House,

Ludhiana

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been Registered under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhana in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a per on or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any facilitating the conceanment of any mooneys of other assets which have not been or moneys of other assets which have not been or disclosed by the transferse for which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): 1922

#### THE SCHEDULE

1/2 share of SCF No 40, Bhadaur House Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed No. 13009 or March, 1985, of the Registering Authority Ludhiana)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely ;-

Date: 11-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Mohinder Kumar S/o Sh. Panna Lal R/o 327C, Dr. Sham Singh Road, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Smt. Raj Bala w/o Sh. Sat Pal R/o 757, Mochpura, Ludhiana.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/807/84-85.--Whereas I. JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 1/4 share in House No. B. 19-327C, situated at Dr. Sham Singh Board Judhiens.

Singh Road, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expects the apparent consideration therefor by more than fifthen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or OT which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as viven in that Chapter

#### THE SCHEDULE

1/4 share in House No. B. 19-327C, Dr. Sham Singh Road,

(The property as mentioned in the sale deed No. 13425 of March 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER .... Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, unadly :--

Date: 11-11-1985

#### (1) Shri Mohinder Kumar S. o Sh. Panna Lal R/o 327C, Dr. Sham Singh Road, Ludhiana. (Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Pawan Jam w/o Sh. Satinder Jain r/o H. No. 757, Mochpura, Ludhiana,

(Transfece)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/797/84-85.—Whereas I, 10G1NDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 1/4 share in House No. B. 19-327C, situated at Dr. Sham Singh Road, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ot .-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfers and/or

#### THE SCHEDULE

1/4 share in House No. B. 19-327C, Dr. Sham Singh Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 13360 of March 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922—11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspetcting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludbiana

Now, therefore, in paramance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/786/84-85—Whereas I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

1/4 share of House No. B. 19-327C, situated at Dr. Sham Singh Road, Ludhiana

and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985

Ludhana in March 1965
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 Shri Mohinder Kumar S/o Sh. Panna Lal R/o H. No. 327C, Dr. Sham Singh Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Manju Jam w/o Sh. Pushap Jam r/o H. No. 757, Mochpura, Ludhiana.

(Transfece)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of nonce on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the finishing of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SHEDULE

1/4 share in House No. B. 19-327C, Dr Sham Singh Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 13278 of March 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-11-1985

### NOTICE UNDER SECTION 259D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. LDH/777/84-85.—Whereas I,
JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range Ludhiana
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
1/4 share of House No. B. 19-327C, situated at Dr. Sham
Singh Road, Ludhiana
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration
Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at
Ludhiana in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any appears or eithe assets which have not been of which ought to be declared by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mohinder Kumar S/o Sh. Panna Lal R/o 327C, Dr. Sham Singh Road, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Smt. Parvesh Jain W/o Sh. Shobhan Lal r/o H. No. 757, Mochpura, Ludhiana. (Transfees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4 share in House No. B. 19-327C, Dr. Sham Singh Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 13213 of

(The property as mentioned in the sale deed No. 13213 of March 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

IOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-11-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th November 1985

Ref. No . LDH/712/84-85.—Whereas 1, JOGINDER SINGH, mappeting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the harmovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/4 share of H. No. B-XVI-1042/B, situated at Muradpura, Yudhiana

(and more fully described in the Schedule annxed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Amar Kaur w/o Sh. Ram Singh r/o 96, New Janta Nagar, Gali No. 6, Ludhiana. (Transferor

(2) M/s. Active Cycle Industries (Regd.) 1042C, Muradpura Kalsian Street, Ludhiana. (Transfeee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period compares later;
- (b) by any other person interested in the said immeovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4 share of H. No. B-XVI-1042/B, Muradpura Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 12479 of March 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-11-1985

Seal.

FORM IT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Smt. Amai Kaur W/o Shri Ram Singh 1/0 96, New Janta Nagar, Gali No. 6, Ludhiana.

(Fransferor)

M/s Active Cycle Industries Regd.) 1042C, Muradpura, Kalsian Gali, Ludhiana. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING I UDHIANA

Ludhiana, the 7th November 1985

Ref. No. LDH/698/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acuisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bear ng No.
No. 1/4 share of H. No. B-XVI-1042/B, situated at Muradpuna Ludhiana, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana, in March 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/4 share of H. No. B-XVI-1042/B, Muradoura, I udhiana. (The property as mentioned in the sale deed No 12397 of

March 1985, of the Registering Authority, Ludhiana

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhinna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate necessities for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-121-356GI/85

Date: 7-11-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE UF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 7th November 1985

Ref. No. LDH/721/84-85,---Whereas, I, JOGINDER SINGH,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acuisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 1/4 share of H. No. B-XVI-1042/B, situated at Muradeure, Ludhinge

situated at Muradpura, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I udhiana in March 1985,

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Amar Kaur W/o Shri Ram Singh r/o 96, New Janta Nagar, Gali No. 6, Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s Active Cyclt Industries (Regd.) 1042C, Muradpura, Kalsian Gali, Ludhiana.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property ty be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

1/4 share of H. No. B-XVI-1042/B, Muradpura Ludhiana. (The property as mentioned in the stale deed No. 12585 of March 1985, of the Registering Authority Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, I udhluma

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :--

Date: 7-11-1985

Scal,

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 7th November 1985

Ref. No. LDH/735/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

Acquisition Range, Ludmana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 1/4 share of H. No. B-XVI-1042/B,

situated at Muradpura, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; epā/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Amar Kaur W/o Shri Ram Singh r/o 96, New Janta Nagar, Gali No. 6, Ludhiana

(Transferor)

(2) M/s Active Cycle Industries (Regd.) 1042C, Muradpura, Kalsian Gali, Ludhiana.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

1/4 share of H. No. B-XVI-1042/B, Muradpura, Ludhiena. (The property as mentioned in the sale deed No. 12653 of March 1985, of the Registering Authority Ludhiana.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 7-11-1985

#### FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D|1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shri Nand Kishote Sethi S/o Shri Hari Chand Sethi r/o H. No. 548, Sector 20-A, Chandigarh.

# (Transferor) (2) S. Sadh Parkash Singh and S. Har Parkash Singh ss/o Sant Gurmukh Singh Ji. C/o 154, Sector 40A, Chandigarh.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 31st October 1985

Ref. No. CHD/183/84-85.—hercas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range, Ludhiana,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing

No. House No. 156, situated at Sector 40-Λ, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigath in March 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gaustie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

House No. 156, Sector 40A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1346 of Merch 1985 of the Registering Authority Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 31-10-1985

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 31st October 1985

Ref. No. CHD/185/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 1229, situated at Sector 33-C, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri S. R. Duggal s/o Shri Mehar Chand Duggal r/o H. No. 10161, Ukar Nagar, Factory area, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri R. S. Bhutani S/o Late E Sunder Singh, 1/o H. No. D-72, Malviya Nagar, New Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the re active persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning respect to that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 1229, Sector 33C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1349 of March 1985 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

Date: 31-10-1985

7 TO TO THE

\_ - \_\_\_

#### FORM TINS-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1985

Ret. No. CHD/170, 84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acuisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. CF No. 9-10, situated at Sector 22-C, Chandigarh, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March 1985,

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1997);

- (1) Smt. Harcharan Kaur wd/o Shri Santa Singh r/o Kurali Distt. Ropar (Punjab).
- (2) Shri Gurmail Singh 5/0 Shri Balwinder Singh r/o Vill. Kheri Garna, Teh. Rajpura Dist, Patiala. (Transferce)
- (3) Central Bank of India SCF No. 9-10, Sector 22C, Chandigarh. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

SCF No. 9-10, Sector 22C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1393 of March 1985, of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for me acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. CHD/191/84-85.-Whereas, 1, JOGINDER SINGH

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No. House No. 1872, Sector 22-B,

situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer of Chandigarh in March 1985

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of causier with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshid property by the i-suc of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Sh. Vishwa Mittar Sarna S/o Sh. Lok Nath Sarna R/o H. No. 3907, Sector 22D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Tarsem Singh S/o Sh. Maya Dhari Smt. Kamlesh Rani W/o Sh. Tarsem Singh R/o H. No. 1880, Sector 22B, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 1872, Sector 22B, Chandigarh, (The property as mentioned in the sale deed No. 1396 fo March 1985, of the Registering Authority Chandigarh).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhinna.

Dated: 8-11-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Smt. Sarminder Kaur W/o Late P. S. Nath, R/o H. No. 17, Sector 21A, Chandigarh. (Transferor)

(2) Sh. Ishar Singh S/o Harnam Singh R/o Una (H.P.).

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, OFFICE OF

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th November 1985

Rcf. No. CHD/192/84-85.-Whereas, I. JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/2 share of H. No. 17, situated at Sector 21A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: end / 47

#### THE SCHEDULE

(b) incititating the concentment of any income or any securys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

1/2 share of H. No. 17 Sector 21A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1403 of March 1985, of the Registering Authority Chandigarh).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

Dated: 11-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. CHD/193/84-85.-Whereas, I. JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and

Land bearing S. No. 47. Hissa No. 2, & S. No. 47, H. No. bearing No. House No. 545, Sector 36B, situated at Chandigath

(and more tully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 ol 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh on March 1985

for an apparent considuration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 88 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons. namely :---122-356GI/85

(1) Smt. Pavinder Kaur Sidhu W/o Sh Malkiat Singh Sidhu, R/o H. No. 545, Sector 36B, Chandigarh. (Transferor)

(2) Sh. Harnam Singh S/o Sh. Sant Singh R/o H. No. 5058/1, Sant Nagar, Karol Bagh, New Delhi-5,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-sible property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 545, Sector 36B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1412 of March 1985, of the Registering Authority Chandigarh.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Dated: 8-11-1985

Soal:

#### FORM TINS---

### NCTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. CHD/194/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceding Rs, 1,00,000/- and bearing House No. 2007, situated at Sector 15-C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Chandigarh on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferent endlor
- the facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the social under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. A. S. Sandhu S/o Sh. Jagat Singh Sandhu R/o H. No. 2007, Sector 15 C, Chandigaih (Transferor)

and the second of the second

- (2) S/Sh. Paramjit Singh Brar S. Kanwaljit Singh Brar Ss/o Dr. Jaskaran Singh Brar, R/o H. No. 3262 Sector 35D, Chandigath.
- (3) 1. Sh. S. S. Lall
  R/o H. No. 2007 Sector 15C, Chandigath.
  2. Sh. Sanjhi Ram Sharma R/o H. No. 2007
  Sector 15C, Chandigath,
  (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 2007 Sector 15C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1417 of March 1985 of the Registering Authority Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 8-11-1985

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 31st October 1985

Ref. No. CHD/195/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and heaving No. Residential Plot No. 1115

bearing No. Residential Plot No. 1115, situated at Sector 36-C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

nas been transferred under the Registration Act, 1908 (18 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Sh. Harjit Singh S/o Sh. Inderjit Singh R/o 10, Bhupinder Nagar Road Patiala. (Transferor)

(2) Smt. Harinder Kaur W/o Sh. Prithpal Singh Kohli Sh. Prithpal Singh Kohli S/o Sh. Kaur Singh R/o H. No. 252, Sector 35A, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:

#### THE SCHEDULE

to reactificating the concealment of any income or any the or other assets which have not been or witch ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Residential Plot No. 1115, Sector 36-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1423 of March 1985 of the Registering Authority Chandigarh).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 31-10-1985

Seal '.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### (1) Sh. Puran i hand S/o Sh. Mat Ram R/c Kanedia Bhawan, Hospital Road, Bhatinda through his attorney Sh. Tirath Ram R/o H. No. 233. Sector 11A, Chandigarh.

Chandigarh.

(Transferor)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. CHD/196/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (herematter referred to as the 'mid Act'), has reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 121, situated at Sector 21A, Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Chandigarh on March 1985

persons, namely :--

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the same property may be made in writing to the undersigned-

(2) Smt. Suresh Kumari W/o Sh. Mani Parkosh Sharma, House No. 233, Sector 11A,

- (a) by any of the aforesaid persons without a seriest of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sa irranovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

#### (b) facilitating the concealment of any income or any snoneys or other nesets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(The property as mentioned in the sale deed No. 1474 of March, 1985 of the Registering Authority, Chandigarh).

THE SCHEDULE

House No. 121, Sector 21A, Chandigarh

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afteresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

IOGINDER SINGH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-11-1985

ಕ್ರಾವಿಕ್ಕಾರ್ಡ್ನ ಕ್ಷಮಾನಿಕ್ಕಾರಿಗಳು

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Sh. Rattan Chand S/o Sh. Ganda Ram, R o H. No, 584, Sector 22A, handigarh.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 31st October 1985

Ret. No. CHD/198/84-85,—Whereas, I, IOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Residential Plo No. 716 situated at Sector 40-A, Chandigath (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unnafer with the object of :---

(2) Sh. S. Chanan Singh Nijjar S/o S. Milkha Singh Nijjar. R/o Vill, Pandori Nijjran.

Distt, Jalandhar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Isooms-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957). Residential Plot No. 716, Sec or 40-A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1505 of March, 85 of the Registering Authority, Chandigarh.)

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31/10/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 4th November 1985

Ref. No. DBS 17/84-85.-Whereas, 1, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land measuring 6 Bighas situated at Vill. Rampur Kalan, Sub. Teh. Dera Bassi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subwetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Shri Jagdish Mitter S/o Sh. Hari Ram, R/o House No. 67, Sector 28A, Chandigarh for self & attorney of S/Sh. Vishwa Mitter S, o Sh. Hari Ram, R/o ff, No. 67, Sector 28A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) M's Panchsheel Cooperative House Building Society Registered, Vill. Rampura Kalan, Sub. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective rersons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 6 Bighas at Vill. Rampur Kalan, Sub. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 17. March, 1985 of the Registering Authority Dera Bassi.).

> JOGINDER SIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rames Ludhiana

Date: 4/11/1985

understand assessed up. The control of control of the control of t

#### FORM ITNS

NO 11 to UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CFNTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 4th November 1985

Ref. No. DBS/18/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Land measuring 5 Bighas, situated at Vill. Rampur Kalan, Sub. Teh. Dera Bassi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Dera Bassi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

cf the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

section to defere, in pursuance of Section 269C of the said acets. It is Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagdish Mitter S/o Sh. Hari Ram.
R o H. No. 67, Sector 28A,
Chandigarh for self & attorney of Sh. Yishwa Mitter
S/o Sh. Hari Ram.
R o H. No. 67, Sector 28A,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) M/s Panchsheel Cooperative House Building Society Registered, Vill, Rampur Kalan, Sub. Teh. Dera Bassi, Distt, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 5 Bighas at Vill. Rampur Kalan, Teh. Dera Bassi Distt. Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 1535 of March, 1985 of the Registering Authority Dera Basti.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitlon Range Ludhiana

Date: 4/11/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMEN'T OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 4th November 1985

Ref. No. DBS/19/84-85.--Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land measuring 5 Bighas, situated at Vill. Rampur Kalan, Sub. Teh, Dera Bassi (and more fully described in the Sch-Authorite Competition of t

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesad exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (1) Shu Jagdish Milter S/o Sh. Hati Ram, R/o H. No. 67, Sector 28A, Chandigarh for self & attorney of Sh. Vishwa Mitter S/o Sh. Hari Ram, R o H. No. 67, Sector 28A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) M/s Panchsheel Cooperative House Building Society Registered, Vill. Rampur Kalan, Sub. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to py tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land measuring 5 Bighas at Vill. Rampur Kalan. Sub 7ch. Dera Bassi Distt. Patials. (The property as mentioned in the sale deed No. 1535 o March, 1985 of the Registering Authority Dera Bassi.)

JOGINDER SINGI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ran Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

Date: 4/11/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Chaudhary Rattan Singh S/o Shri Roora Singh H. No. 1252, Sector 43B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Surinder iSngh Sabharwal S/o Shri Kartar Singh R/o House No. 48, Sector 27A, Chandigarh.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUNICATION OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. CHD/37EE/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.\* House No. 50C, situated at Phase-III-B-I, Mohali, Teh. Kharar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to helieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteer per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easts which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tar Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (n) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in

#### THE SCHEDULE

House No. 50C, Phase III-B-I, Mohall, Teh. Kharar. (The property as mentioned in the agreement to sell dated 15-3-1985 registered with the Sub Registrar, Chandigarh at Sr. No. 5082 on 25-3-1985).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the accessed property is the issue of this actice under sussection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
123—356GI/85

Date: 11-11-1985

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Nand Lal S/o Shri Perma Nand R/o H. No. 1600 Sector 7C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) The Panchsheel Co Op. House Bldg. Society Ltd. Vill. Kurrhi Teh. Kharar, through I akhbir Singh Chairman.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. kHR/112/84-85.--Whereas, I. JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfitter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No.

ks. 1,00 0007- and bearing No.
Land measuring 124B, 18B, situated at
Village Kurrhi Teh. Kharar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kharar in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXILANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

I and measuring 124B, 18B at Vill. Kurrhi Teh. Kharar. (The property as mentioned in the sale deed No. 4969 of March 1985 of the Registering Authority Kharar)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the local of this notice under subsection (1) of Section 26 3 m me said Act, to the following persons, namely .-

Date: 11-11-1985

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No PHA/57/84-85.--Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No

Property Area, 881 1/3 Sq. Yds situated at Tripri Snhind Road, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fai market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any meome asieing from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Videsh Kumar S/o Shri Om Parkash Self and Attorney Shri Vinod Kumar, Shri Vimal Kumar & Shri Jatinder Kumar Sa/o Shri Om Parkash R/O B Town, Patiala and Smt. Bhagwanti Wd/o Shri Om Parkash R/o B-Town, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Jagmohan Singh S/o Shri Hazur Singh R/o 22, Yad Vindra Colony, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Accapial have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property Area 881 1/3 Sq. Yds. situated at Tripri Sirhind

(The property as mentioned in the sale deed No. 4960 of March, 1985 of the Registering Authority, Patiala.)

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-11-1985

#### PORM LT.N.S ...

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. PTA/56/84-85,--Whereas, I. JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovvable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property Area 881 1/3 Sq. Yds. situated at Tripri Sirhind Road. Patiala

all called the residence of

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the thir market value of the aforesaid property and I have resson to bel'eve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

recew therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I neceby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Ram Chand S/o Shri Sulekh Chand R/o Des Raj Street, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Dayal Depinder Singh S/o Shri Parshotam Singh R/o 22, Yadvindra Colony, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and empressions used herein are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that

#### THE SCHEDULE

Property Area 881 1/3 Sq. Yds. situated at Tripri Sirhind Road, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4959 of March, 1985 of the Registering Authority, Patiala.)

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 11-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. PTA/55/84-85.--Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market volue

exceeding R<sub>8</sub>, 1,00,000/- and bearing Property, Area 881 1/3 Sq. Yds. situated at Tripri Sithind Road, Patiala

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiola in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesuid exceeds the apparent consideration therefor by more than bitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the early instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Heri Chand S/o Shri Sulekh Chand R/o Des Raj Street, Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Baljinder Kaur W/o Shri Jagmohan Singh R/o 22, Yadvindra Colony, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid person: within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property, Area 881 1/3 Sq. Yds situated at Tripri Sirbind Road, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4958 of March, 1985 of the Registering Authority Patiala.)

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhlane

Date: 11-11-1985

#### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. PTA/60/84-85.—
Whereas I, JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (heseinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value enceding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Portion of H. No. 5591/1
situated at Patiala
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Patiala in March 1985
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the objects of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concessionest of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or this Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Gian Kaur w/o. Dewan Hari Krishan Khosla, r/o. Near Arya Samaj, Patiala.

(Transferor)

(2) Rameshwar Dass Smarak Samiti, through Sh. Parshotam Dass, r/o. Opp. Satya Narain Mandir Arya Samaj Chowk, Patiala.

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be used in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same mountag as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of H. No. 5591/1, Patiala, (The property as mentioned in the sale deed No. 4788 of Merch 1985, of the Registering Authority Patiala.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this section under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 11-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Sh. Avtar Krishan Khosla, s/o. Late Sh. Diwan Hari Krishan Khosla, r/o. Near Arya Samaj,

(Transferor)

(2) Rameshwai Dass Smarak Samiti, through Sh. Parshotam Dass, r/o. Opp. Satya Narain Mandır Arya Samaj Chowk,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. PTA/59/84-85. Ker. No. P1A/59/84-85.—
Whereas I, JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Portion of H. No. 5591/1,
whileted at Patiala situated at Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Patinla in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly wanted in

the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parsons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property within 45 days from the publication of this notice in the Official

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Ast shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitaing we reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any recenteding the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which bught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Portion of H. No. 5591/1, Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 4787 of March 1985, of the Registering Authority Patiala).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in parauance of Section 269C or as and Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-11-1985

Soul :

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. KHR/113/84-85.—
Whereas I, JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
House No. 459,
eitheated at Phase VI Mobal. Teh Khara-

situated at Phase, VI, Mohali, Tch Kharar (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kharar in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mild instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Smt. Murti Devi,
 w/o. Sh. Atma Ram,
 r/o. H. No. 459, Phase VI, Mohali Teh. Kharar.

(Transferor)

S. Pritam Singh,
 S/o S. Malak Singh
 r/o. H. No. 2641, Sector 19-C, Chandigarh,
 Now P. A. to Housing Commissioner (Civil Secretariat) Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 459 Phase VI, Mohali Teh. Kharar. (The property as mentioned in the sale deed No. 4986 of March 1985, of the Registering Authority Kharar.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 8-11-1985

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. KHR/104/84-85.— Whereas I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 508, situated at Phase IV, Mohali Teh, Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Kharar in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which stight to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslits-tax Act, 1957 (E7 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under exhauction (!) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
124—356GI/85

 Sh. Sadhu Ram Sharma, s/o. Sh. Amar Nath Sharma, r/o. 1882 Sector 22B, Chandigarh.

(2) S. Harinder Bir Singh Batra, s/o. S. Satnam Singh Batra, r/o. H. No. 1041 Sector 18-C, Chandigarh. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 508 Phase IV, Mohali Teh. Kharar. (The property as mentioned in the sale deed No. 4795 of March 1985, of the Registering Authority Kharar.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 8-11-1985

#### PURM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 1st November 1985

Ref. No. KHR/110/84-85.—
Whereas I, JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Ast'), have receen to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. SCO No. 29, situated at Phase V, Mohali Teh. Kharar (and more fully described in the scheduled annxed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other meets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atenual property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Ranjit Knur w/o. S. Guridal Singh, Smt. Baljit Knur w/o. S. Shamsher Singh, Smt. Gurpreet Kaur w/o. S. Paramjit Singh and Smt. Amarjit Kaur w/o. S. Surinder Pal Singh, r/o. H. No. 1538 Sector 34D, Chandigarh.

(Transferor)

 S. Dalip Singh s/o, S. Pishora Singh, Smt. Taripat Kaur w/o. S. Dalip Singh, r/o. H. No. 936 Phase 7, Mohali. Teh, Kharar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of sublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

SCO No. 29, Phase ,V, Mohali Teh. Kharar. (The property as mentioned in the sale deed No. 4410 of March 1985, of the Registering Authority Kharar.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 1-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. KHR/111/84-85.—
Whereas I, JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the

munovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 524, situated at Phase, 3-B-1-Mohali. Tch. Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Pagistrating Officer at 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of immafer with the object of :--

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

13 -356GI/85

(1) Sh. Kulwant Singh, s/o. Sh. Tarlok Singh, Smt. Harminder Kaur, w/o. Sh Kulwant Singh, R/o. H. No. 3142, Sector 47D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Jeet Kaur, Sint. Jeet Kaur, w/o. Sh. Rattan Singh and S/Sh. Avtar Singh, Tarlochan Singh, Amarjit Singh, s/o. Sh. Rattan Singh, R/o. H. No. 514 Phase, 3B-1-Mohali Teh. Kharar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 524 Phase, 3B-1, Mohali Teh. Kharar. (The property as mentioned in the sale deed No. 4951 of March 1985, of the Registering Authority Kharar.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhlana

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CÈNTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. KHR/108/84-85.—
Whereas I, JOGINDER SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding

Ref. 100 000/2 and have far.

Rs. 1,00,000/- and bearing
House No. 155, situated at Phase VII, Mohali Teh. Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in March 1985

Kharar in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the said that the consideration for such transfer as agreed to the said that the consideration for such transfer as agreed to the said that the consideration that the said that the s between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; endlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Vinod Chaudhary,
s/o. Sh. Shyam Lal Chaudhry,
r/o. H. No. 1277, Sector 34-C, Chandigarh.
G. PA of Capt. Vrinder Lal Chaudhry,
s/o. Sh. M. L. Chaudhry and
Smt. Nirmal Chaudhry,
w/o. Capt. Vrinder Lal Chaudhry,
r/o. H. No. 1671 Sector 33D,
Chandigarh Ćhandigarh.

(Transferor)

(2) S. Mohinder Singh s/o. Late Sh. Hira Singh, Miss Daljit aur, d/o. Late Sh. Mchar Singh, r/o. Booth No. 92, Lawrence Road, Amritsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may he made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 155 Phase VII, Mohali, Teh, Kharar. (The property as mentioned in the sale deed No. 4872 of March 1985, of the Registering Authority Kharar).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner or Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. KHR/114/84-85.— Whereas I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs 100 000, and heaving

House No. 426, situated at Phase 2, Mohali, Toh. Kharar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

Kharar in March 1985 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the listility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sh. Harbans Singh, s/o, Sh. Gopel Singh, r/o. H. No. 324, Phase 1, Mohali Teh. Kharar, G. P. A. of Smt. Satya Wati, w/o. Sh. Lachman Dass Jagota, C/o. Jagota Commercial College Main Bazer, Ropar.

(Transferor)

(2) Sh. Roop Chand, s/o. Sh. Labhu Ram, r/o. H. No. 23, Sector 20A, Chandigarh,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovuble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms ind expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 426 Phase 2, Mohali Teh. Kharar. (The property as mentioned in the sale deed No. 5037 of March 1985, of the Registering Authority Kharar.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-11-1985

#### FORM TINE

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. KHR/103/84-85.-

Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immov-

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
House No. 2561, situated at Phase VII, Mohali, Teh. Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of inuster with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

www. moretore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atorsease property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons namely :--

(1) Smt. Sudesh Kumari Jolly. w/o. Sh. Satish Kumar Jolly, r/o. H. No. 499 Phase 2, Mohali, G. P. A. of Sh. Preetu Ram, 8/o. Sh. Chura Ram, r/o, Model Town, Phagwara.

(Transferor)

(2) Sh. Inder Pal Singh Ahluwalia, s/o. Sh. Gian Singh Ahluwalia, r/o. H. No. 2770 Sector 37C, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice ha the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLAMATION :- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as siven in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 2561, Phase VII, Mohali Teh, Kharar,

(The property as mentioned in the sale deed No. 4775 of March 1985, of the Registering Authority Kharar.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th November 1985

Ref. No. KHR/107/84-85.

Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing
House No. 14, situated at Phase 2, Mohali Tch. Kharar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kharar in March 1985

Kharar in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers undlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :-

(1) Sh. Rajinder Lel Chaudharv sio. Sh. Shyam Lal Chaudhary, r/o. Chauddary Farms, Vill. & P. O. Rahon Distt, Jalandhar.

(Transferor)

 Sh. Arjan Singh Arora, S/o Late Sh. Hira Singh Arora and Sh. Manjit Singh Arora, s/o. Sh. Arjan Singh Arora r/o. H. No. 1701 Sector 23B, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons-whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 14 Phase 2, Mohali. Teh. Kharar. (The property as mentioned in the sale deed No. 4871 of March 1985, of the Registering Authority Kharar.)

> JOGINDER SINGH Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 8-11-1985 Seal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### DEFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th November 1985

Ref. No. KHR/109/84-85.— Whereas J, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

House No. 567, situated at Phase 2, Mohali Tch. Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the manuity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) tacditating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 et 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Sh. Ranjit Singh, s/o. Sh. Bagga Singh, r/o. H. No. 566, Phase 2, Mohali, Teh. Kharar.

(Transferor)

(2) S. Balbir Singh, s/o. Tikka Jagtar Singh, Smt. Saranjit Kaur, w/o. Tikka Jagtar Singh, r/o. Vill. Dau, Teh. Kharar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afercedd persons within a person of 45 days from the date of publication of this nation in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

tixPlanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 567, Phase 2, Mohali Teh. Kharar. (The property as mentioned in the sale deed No. 4897 of March 1985, of the Registering Authority Kharar.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE. 196-BAPUJI NAGAR, BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, 5th November 1985

Ref No IAC ACQ/BBSR 3/85-86/952-53 -- Whereas, I, R. C. SETHI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00 000/ and bearing No 2020 situated at Chandrasekharpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trivial under the Persett ton Act, 1908, 116 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhubaneswar on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or eventon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth tax Act, 1957 (27 et 1957);

New therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceeding for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

(1) Shri Nityananda Beja S/o Ananda Beja, Village Cachhipur PO Telengapentha, Thana Cuttack Sadar, Dist Cuttick

(Transferor)

(2) M/s Ingineci Constructions Through its partners—

1 Smt Nijharini Mohanty
W/O Sii Tapan Kumar Mohanty

Shri Pradeep Kumar Das

S/o Late Umakanta Das
Smt Pranati Mohanty
W/o Shii Prabhat Kumar Mohanty
Dr Pranaballax Das

S/o Late Janki Ballav Das Dr Smt Nishebita Das

W/o Shri Pranaballav Das All residence of Guruprabha Raja Bagicha PO Telanga Bazar, PS Purighat, Dist Cuttack Smt Manasi Pattanaik

W/o Shri Prasanta Kumar Pattanaik, Dist Cuttack

Village Happur Thana-Arasama, Smt Sarojini Pattanaik As above

As above W/o Shri Prakash Chander Pattanaik Village Hajipur Thana Arasama Dist Cultack Smt Sunanda Satapathy W/o Shri Khiroj Chander Satpathy Village/PO Madhusasan, Thana Patakure, Dist Cuttack

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be mide in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

#### THE SCHEDULE

I ree hold vacant land in District Puri, PS No 23 Sahinagar under Bhubaneswar Sub-Registrar, Mouza Chandrasekharpur Khata No 412/7, Plot No 329/1729 Area 3 52 Dec Rent Rs 17 60 P bounded by Government land from all sizes

> R C. SETHI Competent Authority Inspetcting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range 196 Bapun Nagar, Bhupaneswar

Date 5-11-1985

Scal

